IIMA

विद्याविनियोगाद्विकास:

INDIAN INSTITUTE of MANAGEMENT AHMEDABAD

63 वाँ

वार्षिक प्रतिवेदन

2024 - 2025

दृष्टि एवं सामरिक प्राथमिकताएँ

आईआईएमए का लक्ष्य समाज में प्रगतिशील तथा स्थायी प्रभाव का निर्माण करते हुए एक प्रमुख वैश्विक प्रबंध स्कूल के रूप में प्रबंध शिक्षा एवं शिक्षण के क्षेत्र में अपनी पहचान को जारी रखना है। संस्थान निम्नलिखित पहलुओं पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है :

उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, विशिष्ट एवं प्रभावशाली शिक्षण, तथा विभिन्न विषयों के लिए ज्ञान निर्माण में सार्थक योगदान को प्रोत्साहित करके छात्रवृत्ति में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।

संस्थानों एवं उद्यमी संगठनों के अग्रणियों को शिक्षित तथा पोषित करना एवं उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा और मूल्य निर्माण में उनके प्रयासों का समर्थन करना।

सरकार, व्यवसायिकों एवं गैर-सरकारी उद्यमों सहित के व्याप में पूर्वछात्रों तथा प्रमुख हितधारकों, निर्णय निर्माताओं और अग्रणियों के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से नीति एवं शिक्षण की दुनिया को प्रभावित करना।

आईआईएमए एक उच्च प्रदर्शन वाले काम के माहौल पर जोर देकर अपनी दृष्टि का समर्थन करता है, जो अपने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच स्वायत्तता, रचनात्मकता और सहयोग की संस्कृति द्वारा समर्थित है। जैसा कि संस्थान अपने उद्देश्यों में संलग्न है, यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियाँ विभिन्न क्षेत्रों को संबोधित करती रहे जो समाज के विभिन्न वर्गों के लिए चिंता का विषय हैं।

अध्यक्ष

श्री पंकज पटेल

निदेशक

प्रोफेसर भारत भास्कर

हमारे पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता
आईआईएमए की स्थापना से - 22 जनवरी 1964

श्री प्रकाश टंडन
24 अप्रैल 1964 - 23 अप्रैल 1969

डॉ. आई.जी. पटेल
08 अगस्त 1996 - 07 अगस्त 2001

डॉ. एस.के. खन्ना
03 मई 1991 - 08 अगस्त 1996

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति
11 मार्च 2002 - 10 मार्च 2007

डॉ. विजयपत सिंघानिया
29 मार्च 2007 – 28 मार्च 2012

IIMA
विद्याविनियोगाद्विकास:

श्री एस.एल. किर्लोस्कर
24 जुलाई 1969 - 23 जुलाई 1974

श्री केशव महिंद्रा
24 जुलाई 1974 - 24 जुलाई 1984

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन
09 अक्टूबर 1990 - 02 मई 1991

डॉ. वी. कृष्णमूर्ति
29 जुलाई 1985 - 28 जुलाई 1990

श्री ए.एम. नायक
29 मार्च 2012 - 22 जनवरी 2016

श्री कुमार मंगलम बिरला
21 अक्टूबर 2016 - 15 नवंबर 2022

हमारे पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई
30 जून 1962 – 28 अगस्त 1965

प्रोफेसर रवि जे. मथाई
29 अगस्त 1965 – 6 सितंबर 1972

प्रोफेसर जहर साहा
9 अप्रैल 1997 – 7 जुलाई 2002

प्रोफेसर पी.एन. खांडवाला
4 मई 1991 – 31 अगस्त 1996

प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया
10 अक्टूबर 2002 – 9 अक्टूबर 2007

प्रोफेसर समीर के. बरुआ
8 नवंबर 2007 – 31 मार्च 2013

IIMA
विद्याविनियोगाद्विकास:

प्रोफेसर सैमुअल पॉल
8 सितंबर 1972 – 30 जून 1978

प्रोफेसर वी.एस. व्यास
1 जुलाई 1978 – 30 सितंबर 1982

प्रोफेसर एन.आर. सेठ
13 जुलाई 1984 – 3 मई 1991

डॉ. आई.जी. पटेल
1 अक्टूबर 1982 – 12 जुलाई 1984

प्रोफेसर आशीष नंदा
2 सितंबर 2013 – 1 सितंबर 2017

प्रोफेसर एर्रोल डिसूज़ा
1 फरवरी 2018 – 31 जनवरी 2023

विषय-सूची

वर्ष का सिंहावलोकन

1. शैक्षणिक 1

1.1 कार्यक्रम ---- 1

1.1.1 प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम ---- 1

1.1.2 खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम ---- 3

1.1.3 कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम ---- 4

1.1.4 प्रबंधन में मिश्रित स्नातकोत्तर कार्यक्रम ---- 6

1.1.5 उन्नत व्यपार विश्लेषण में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा ---- 6

1.1.6 प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम ---- 7

1.1.7 स्थानन ---- 8

1.1.8 दीक्षांत समारोह ---- 11

1.1.9 सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम ---- 12

1.1.10 प्रबंधन में संकाय (फैकल्टी) विकास कार्यक्रम ---- 12

1.2 अनुशासनिक विषय-क्षेत्र ---- 13

1.2.1 कृषि प्रबंधन केंद्र ---- 13

1.2.2 संचार ---- 14

1.2.3 अर्थशास्त्र ---- 15

1.2.4 वित्त एवं लेखांकन ---- 16

1.2.5 मानव संसाधन प्रबंधन ---- 17

1.2.6 सूचना प्रणाली ---- 18

1.2.7 विपणन ---- 19

1.2.8 संगठनात्मक व्यवहार ---- 20

1.2.9 संचालन और निर्णय विज्ञान ---- 20

1.2.10 सार्वजनिक प्रणाली समूह ---- 22

1.2.11 रवि जे. मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र ---- 23

1.2.12 रणनीति ---- 24

1.3 अनुसंधान ---- 25

1.4 प्रकाशन ---- 26

1.4.1 अनुसंधान प्रकाशन ---- 26

1.4.2 केस केंद्र ---- 26

1.4.3 विकल्प : निर्णय निर्माताओं का जर्नल ---- 27

1.5 मान्यता और रैंकिंग ---- 28

2. कार्यकारी शिक्षा 30

2.1 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम ---- 30

2.1 एसिंक्रोनस लर्निंग: ऑनलाइन@आईआईएमए ---- 31

विषय-सूची

3. अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 33
- 3.1 नवप्रवर्तन, ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र 33
- 3.2 लैंगिक मुद्दा प्रबंधन समिति 36
- 3.3 लैंगिक केंद्र 37
- 3.4 भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र 39
- 3.5 स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र 40
- 3.6 जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल 41
- 3.7 डिजिटल रूपांतरण केंद्र 41
- 3.8 परिवहन एवं रसद केंद्र 42
- 3.9 अशांक देसाई नेतृत्व एवं संगठनात्मक विकास केंद्र 44
- 3.10 एनएसई व्यवहार विज्ञान केंद्र 44
- 3.11 मिश्रा वित्तीय बाजार एवं अर्थव्यवस्था केंद्र 45
- 3.12 ब्रिज डिसा डेटा विज्ञान एवं ए.आई. केंद्र 46
- 3.13 स्थिरता एवं कॉर्पोरेट प्रशासन अनुसंधान केंद्र 46

4. भारतीय प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन 2024 48

5. परिसर विस्तार 49
- 5.1 अवसंरचना विकास 49
- 5.2 कंप्यूटर केंद्र 49

6. परिसर जीवन 53
- 6.1 विक्रम साराभाई पुस्तकालय 53
- 6.2 अभिलेखागार 55
- 6.3 छात्र गतिविधियाँ 56
- 6.4 खेलकूद और मनोरंजन गतिविधियाँ 64

7. प्रभाव और पहुँच 66
- 7.1 पूर्वछात्र गतिविधियाँ 66
- 7.2 संचार गतिविधियाँ 72
- 7.3 निरंतरता और हरित पहल 73
- 7.4 कल्याणकारी गतिविधियाँ 74

8. प्रशासन 75
- 8.1 मानव संसाधन 75
- 8.2 राजभाषा कार्यान्वयन 76
- 8.3 अनुदान सहायता 77

9. वित्त और अक्षय निधि 78

परिशिष्ट 82

वर्ष का सिंहावलोकन

आज की परस्पर संबद्ध और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में, जहाँ हर चौराहे पर विकल्पों की बहुलता है, गुणवत्ता और प्रतिबद्धता अक्सर पीछे छूट जाती है। वैश्विक स्तर पर उच्चतर शिक्षा एवं प्रबंधन शिक्षा में आ रहे परिवर्तन के बीच, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) को जो बात अलग बनाती है, वह है उत्कृष्टता से समझौता किए बिना बदलते समय के साथ स्वयं को पुनः स्थापित करने की इसकी क्षमता और हमारे छात्रों तथा विश्व के लिए परिवर्तनकारी भविष्य के निर्माण हेतु ज्ञान के दीप जलाने की इसकी प्रतिबद्धता। इस पवित्र परिसर ने अपनी स्थापना के बाद से 60 दीक्षांत समारोह देखे हैं और प्रत्येक ने युवा अग्रणियों को जन्म दिया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपने योगदान से संस्थान को गौरवान्वित किया है। इस वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से वर्ष 2024-25 के दौरान आईआईएमए में प्रमुख विकास और गतिविधियों को साझा करना मेरे लिए खुशी की बात है।

आईआईएमए अपने प्रमुख दीर्घावधि डिग्री प्रदान करने वाले कार्यक्रमों, जैसे पीजीपी, पीजीपी-एफएबीएम, पीजीपीएक्स और बीपीजीपी; उन्नत व्यवसाय विश्लेषिकी में एक विशेष ऑनलाइन डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जैसे ईपीजीडी-एबीए; प्रबंधन में गहन डॉक्टरेट पाठ्यक्रम; और अन्य अत्यधिक मांग वाले पाठ्यक्रम जैसे संकाय विकास पाठ्यक्रम और सशस्त्र बल पाठ्यक्रम के माध्यम से ज्ञान चाहने वालों की एक विस्तृत श्रृंखला की सेवा करता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम की अपनी विशिष्ट पहचान है और इसमें प्रतिभागियों को, चाहे वे नए हों या व्यवसायी, उभरते हुए व्यावसायिक परिदृश्य में प्रभावी नेतृत्व और संगठनात्मक प्रबंधन के लिए उन्हें तैयार करने की पेशकश की गई है।

आईआईएमए नवीनतम शोध और उद्योग प्रथाओं से प्राप्त अंतर्दृष्टि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए नियमित अंतराल पर अपने पाठ्यक्रम और अध्ययन श्रृंखलाओं की समीक्षा करता रहता है। इस उद्देश्य से, पीजीपी पाठ्यक्रम ने इस वर्ष 13 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए, जैसे वित्तीय सेवाओं में एआई-एमएल, एडटेक, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक नीति, जेनएआई और मार्केटिंग, वेंचर इन्वेस्टिंग (वीआई): एक निधि परिप्रेक्ष्य, आदि। वर्ष के दौरान, कुल 116 पीजीपी छात्रों ने वैश्विक अनुभव प्राप्त करने के लिए विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में एक-टर्म छात्र-विनिमय का विकल्प चुना, पीजीपी-एफएबीएम के आठ छात्रों ने ईएसएसईसी, फ्रांस और नॉर्वेजियन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नॉर्वे में एक्सचेंज के लिए प्रवेश लिया, जबकि अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के 39 छात्रों ने छात्र-विनिमय पाठ्यक्रम के तहत आईआईएमए में एक टर्म बिताया।

मुझे यह बताते हुए भी अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि संस्थान के इतिहास में पहली बार, इस वर्ष हमारे पीजीपी पाठ्यक्रम में 5 दृष्टिबाधित छात्रों सहित 20 दिव्यांग छात्रों ने पंजीकरण कराया है। हमने समान अवसर समिति का भी गठन किया है, जिसके अंतर्गत हमारा समान अवसर कार्यालय इन छात्रों के साथ सहयोग करता है, ताकि उनकी विशेष आवश्यकताओं को समझा जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि यहाँ उनके समय का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हों।

पीजीपीएक्स पाठ्यक्रम में इस वर्ष 10 नए वैकल्पिक विषय शामिल किए गए हैं, जिनमें परिवर्तनशील विश्व में वैश्विक मूल्य श्रृंखला प्रबंधन से लेकर विपणन के लिए जेनएआई, स्वास्थ्य-तकनीक प्रबंधन की अनिवार्यताएँ, राजस्व नेतृत्व के लिए रणनीतियाँ आदि शामिल हैं। पीजीपीएक्स के छात्र अपने अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन पाठ्यक्रम (आईआईपी) के एक भाग के रूप में यूरोप के चार साझेदार बिजनेस स्कूलों में गए, जिसकी योजना 'यूरोपीय देशों में व्यापार करना' विषय पर बनाई गई थी।

संस्थान ने छात्रों को उनके प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना जारी रखा है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 179 पीजीपी और पीजीपी-एफएबीएम छात्रों को लगभग 3.63 करोड़ रुपये मूल्य की आईआईएमए की विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति (एसएनबीएस) प्रदान की गई। आईआईएमए अक्षय निधि ने पीजीपी और पीजीपी-एफएबीएम के 58 मेधावी छात्रों को पूरी फीस और आधी छात्रवृत्ति प्रदान की। कुल 26 मेधावी पीजीपीएक्स छात्रों को प्रवेश छात्रवृत्ति और नौ छात्रों को निकास छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने भारत सरकार की विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए कुल 176 आवेदनों (नए और नवीकृत) को सत्यापित किया और विभिन्न राज्य सरकार छात्रवृत्तियों के लिए आवेदनों को भी सुविधाजनक बनाया।

हमने प्रबंधन में मिश्रित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (बीपीजीपी) के पहले बैच का भी स्वागत किया, जिसकी परिकल्पना उन महत्वाकांक्षी प्रतिभागियों के लिए की गई है जो अपनी व्यवसायी प्रतिबद्धताओं को जारी रखते हुए करियर विकास के लिए खुद को निखारना चाहते हैं। हमें इस दो वर्षीय डिग्री प्रदान करने वाले पाठ्यक्रम के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जो मुख्य रूप से ऑनलाइन समकालिक मोड में संचालित होता है, और विशिष्ट ऑन-कैंपस मॉड्यूल के माध्यम से उपयुक्त रूप से पूरक होता है। उन्नत व्यावसायिक विश्लेषिकी के माध्यम से डेटा से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम व्यवसायियों की बढ़ती मांग के साथ, हमारे विशेष ईपीजीडी-एबीए पाठ्यक्रम में भी छात्रों और कार्यरत व्यवसायियों के एक विविध समूह की रुचि बढ़ रही है।

प्रबंधन में डॉक्टरेट पाठ्यक्रम ने पहले उम्मीदवार के स्नातक होने के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। संस्थान ने अप्रैल 2024 में डॉक्टरेट पाठ्यक्रम स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया, जो पूर्व छात्रों के लिए अपने साथियों और पूर्व मार्गदर्शकों से फिर से जुड़ने, अपने अनुभव साझा करने और प्रबंधन शिक्षा एवं अनुसंधान के भविष्य पर चर्चा करने का एक मंच प्रदान करता है। आईआईएमए ने संकाय विकास पाठ्यक्रम के 44वें बैच का भी स्वागत किया और दो अलग-अलग मॉड्यूल पेश किए, जिनके नाम हैं 'शिक्षाशास्त्र और अनुसंधान पद्धतियाँ' और 'सामान्य प्रबंधन'।

हमारे कार्यकारी शिक्षा पाठ्यक्रम ने 62 मुक्त नामांकन पाठ्यक्रम, 173 अनुकूलित पाठ्यक्रम और 21 मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रम पेश किए, जिनमें सरकारी विभागों सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के 9265 कार्यकारी शामिल हुए। कार्यकारी शिक्षा कार्यालय ने अर्थशास्त्र, वित्त और लेखा, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, संचालन और निर्णय विज्ञान, और सार्वजनिक प्रणाली समूह के क्षेत्रों में 10 नए मुक्त नामांकन पाठ्यक्रम भी शुरू किए।

वर्ष के दौरान, आईआईएमए के केस केंद्र ने, जिसका उद्देश्य संस्थान और उसके बाहर एक मजबूत केस अध्ययन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है, 45 देशों के 706 संस्थानों और कंपनियों को आईआईएमए केसों की 2.70 लाख से अधिक प्रतियाँ वितरित कीं। जनवरी 2025 में, आईआईएमए की मुक्त-पहुँच अकादमिक पत्रिका, विकल्प, जिसका विपणन सेज पब्लिकेशन्स द्वारा किया जाता है, 50 वर्षों के निरंतर प्रकाशन के महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक पहुँच गई।

आईआईएमए अपने विश्वस्तरीय संकाय सदस्यों के लिए जाना जाता है, और संस्थान प्रबंधन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट विद्वानों को संकाय सदस्यों के रूप में नियुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2024-25 के दौरान, हमने अपने संकाय गण में चार नए संकाय सदस्यों को शामिल किया है। हमारे संकाय सदस्य अपने शोध और शिक्षण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित पत्रिकाओं में प्रकाशन, उल्लेखनीय सम्मेलनों में भागीदारी और उद्योग के साथ जुड़ाव के माध्यम से नए मानदंड स्थापित करते रहते हैं। इस वर्ष, हमारे संकाय सदस्यों ने ए-स्टार और ए-श्रेणी पत्रिकाओं में कुल 31 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, जिनमें विविध विषयों को शामिल किया गया है, तथा विश्व भर में 74 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। हमारे संकाय सदस्यों ने इस वर्ष भारत की उत्पादक कंपनियाँ और छोटे किसान; व्यवसाय विश्लेषिकी मूल्य श्रृंखला; संगठनात्मक सिद्धांत, डिजाइन और परिवर्तन; व्यवसाय निर्णय लेने के लिए स्मार्ट विश्लेषिकी; और व्यक्तियों, संगठनों और समाजों का डिजिटल परिवर्तन जैसे विषयों पर छह पुस्तकें लिखीं।

आईआईएमए के संकाय सदस्यों की उच्च क्षमता और प्रतिष्ठा उन परामर्श और अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या से पुष्ट होती है, जिन्हें करने के लिए उन्हें आमंत्रित किया जाता है, जो हमारे राष्ट्र के विकास में दीर्घकालिक योगदान देती हैं। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, संस्थान के संकाय सदस्यों ने विभिन्न ग्राहकों के लिए लगभग 97 परामर्श परियोजनाएँ शुरू कीं, जिनमें सरकारी संगठन, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, गैर-लाभकारी संगठन, अंतर्राष्ट्रीय संगठन, पब्लिक लिमिटेड कंपनियाँ, स्टॉक/कमोडिटी एक्सचेंज, थिंक टैंक, अनुसंधान और प्रबंधन संस्थान आदि शामिल हैं। इन परियोजनाओं के प्रकारों में जलवायु नीति अध्ययन और मूल्यांकन से लेकर कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम; कृषि क्षेत्र में अनुसंधान; निवेशक सर्वेक्षण विश्लेषण; वित्तीय विश्लेषण; आर्थिक प्रभाव मूल्यांकन; बुनियादी ढांचा अध्ययन; कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक कानून; आदि तक शामिल थे।

लगभग 27 शोध परियोजनाओं में भी उनकी विशेषज्ञता मांगी गई, जिन्हें विभिन्न संगठनों द्वारा वित्त पोषित किया गया। इन परियोजनाओं में बच्चों की आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता से लेकर खुदरा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी, जलवायु वित्त मुद्दे, तथा महिलाओं की लचीलापन और सशक्तिकरण को बढ़ाने जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया।

नवीनतम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में आईआईएमए का स्थान संस्थान के पाठ्यक्रमों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और इसके संकायों, छात्रों और पूर्व छात्रों की असाधारण क्षमता का प्रमाण है, जो इसे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक बनाता है। 2024-25 के दौरान, संस्थान ने रैंकिंग के लिए पंद्रह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बी-स्कूल सर्वेक्षणों के साथ-साथ भारत सरकार के उच्च शिक्षा सर्वेक्षण में भी भाग लिया। यह गर्व की बात है कि संस्थान ने सभी प्रमुख और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रैंकिंग सर्वेक्षणों में लगातार शीर्ष स्थान हासिल किया है। आईआईएमए ने शिक्षा मंत्रालय की 2024 की भारत रैंकिंग (एनआईआरएफ 2024) की प्रबंधन श्रेणी में लगातार पाँचवें वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया है। वर्ष के दौरान, हमने बिज़नेस वर्ल्ड, द वीक और फॉर्च्यून इंडिया जैसी अन्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रैंकिंग में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। फाइनेंशियल टाइम्स एग्जीक्यूटिव एजुकेशन रैंकिंग 2024 (मुक्त पाठ्यक्रम) में संस्थान को विश्व स्तर पर 43वाँ और भारत में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की सफलता के लिए समृद्ध शैक्षणिक और शोध संसाधनों तक आसान पहुँच अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईआईएमए का विक्रम साराभाई पुस्तकालय (वीएसएल) अपने व्यापक प्रिंट और डिजिटल संसाधनों के संग्रह के लिए एशिया के सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन पुस्तकालयों में से एक माना जाता है। इस वर्ष, वीएसएल में 1,47,580 आगंतुक आए, यानी प्रतिदिन औसतन 405 आगंतुक। नए संसाधनों में, वर्ष के दौरान कुल 740 पुस्तकें, पत्रिकाओं के 87 जिल्दबंद खंड और 271 परियोजना रिपोर्टें शामिल की गईं, जिससे इसके संसाधनों का भंडार और भी बड़ा हो गया।

आईआईएमए ने हमेशा विभिन्न क्षेत्रों में फैले अपने पूर्व छात्रों के साथ मूल्यवान संबंध बनाए रखे हैं। संस्थान ने 13 पूर्व छात्रों को यंग एलुमनी अचीवर्स अवार्ड 2024 से सम्मानित किया। विभिन्न पूर्व छात्र शाखा शहरों द्वारा भारत और विदेशों में आयोजित अनेक पूर्व छात्र और छात्र संपर्क कार्यक्रमों के अतिरिक्त, पूर्व छात्र और बाहरी संबंध कार्यालय ने वर्ष के दौरान परिसर में छह पुनर्मिलन समारोह आयोजित किए, जिनमें 300 से अधिक पूर्व छात्र एकत्रित हुए।

संस्थान ने अपने शोध केंद्रों और संकाय सदस्यों के साथ मिलकर कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिससे शिक्षा जगत और उद्योग जगत के लाभ के लिए विचारों को व्यवहार में लाने के लिए कई सार्थक चर्चाओं के लिए मंच उपलब्ध हुआ। भारत-केंद्रित प्रबंधन अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, आईआईएमए ने दिसंबर 2024 में भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी) के पहले संस्करण का आयोजन किया। भारत और विदेश से अनुसंधान विद्वानों, शिक्षाविदों और उद्योग व्यवसायियों सहित 800 से अधिक उपस्थित लोगों ने तीन दिवसीय मेगा कार्यक्रम में भाग लिया, जिसे संस्थान के 10 अनुसंधान केंद्रों द्वारा संयुक्त रूप से "विकास, स्थिरता और लचीलेपन का संगम" विषय पर आयोजित किया गया था। इसने भारतीय संदर्भ में प्रासंगिक विविध शोध विषयों पर नेटवर्क बनाने, अन्वेषण करने और चर्चा करने का एक असाधारण अवसर प्रदान किया।

आईआईएम अहमदाबाद ने आईआईएम बैंगलोर और भारतीय व्यवसाय स्कूल के साथ मिलकर आईआईएमए परिसर में "एआई-प्रधान दुनिया में रणनीति बनाना" विषय पर भारत रणनीति सम्मेलन 2024 के दूसरे संस्करण की मेजबानी की। आईआईएमए स्वास्थ्य देखभाल पूर्व छात्र विशेष रुचि समूह (एएसआईजी) और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) ने जनवरी 2025 में 'भारत के लिए 2047 तक उन्नत स्वास्थ्य सेवा' विषय पर आईआईएमए हेल्थकेयर समिट के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। जमीनी स्तर पर रचनात्मकता और नवाचार पर पाँचवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीआईजी) हनीबी नेटवर्क और आईआईएमए के कृषि प्रबंधन केंद्र (सीएमए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। आईआईएमए डिजिटल परिवर्तन केंद्र ने दिव्यांगजनों के लिए प्रौद्योगिकी पर तीन दिवसीय सम्मेलन (सीटीडीपी) का आयोजन किया। भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्वर्ण एवं स्वर्ण बाजार पर 8वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। हमारे संकाय सदस्यों और केंद्रों ने भारत के लिए संभावित नेट जीरो की दिशा में ऊर्जा परिवर्तन को समन्वित करने, एआई के बारे में श्रम-बल की धारणा और उप-राष्ट्रीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण पर व्यावहारिक रिपोर्ट भी जारी की, जिसने मीडिया, विशेषज्ञ समूहों, उद्योग और शिक्षा जगत में काफी चर्चा पैदा की।

आईआईएमए अपने छात्रों में एक मजबूत उद्यमशील मानसिकता और क्षमता पैदा करने में विश्वास करता है। विघटनकारी समाधान बनाने में उत्साही संस्थापकों का समर्थन करने के अलावा, आईआईएमए वेंचर्स ने आईआईएमएवेरिक्स ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025 के माध्यम से अपने प्रारंभिक चरण के विचारों को विकसित करने और आईआईएमएवेरिक्स फेलोशिप प्रोग्राम 2025 और एंटरप्रेन्योर-इन-रेजिडेंस (ईआईआर) प्रोग्राम के माध्यम से अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने में लगभग एक दर्जन आईआईएमए छात्रों को मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान की।

हमने वर्ष के दौरान सार्थक संवाद और सहयोग के लिए परिसर में कई अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी की, जिनमें भारत में लक्जमबर्ग की राजदूत - श्रीमती पैगी फ्रैंटजन, और लक्जमबर्ग स्कूल ऑफ बिजनेस (एलएसबी) के प्रबंध निदेशक - श्री मारिन न्जावरो; भारत में फ्रांस के राजदूत - श्री थिएरी मथौ, महावाणिज्य दूत - श्री जीन-मार्क सेरे चार्लेट, और एलायंस फ्रांसेसे के निदेशक - श्री इमैनुएल बोटियाउ; सिंगापुर प्रबंधन विश्वविद्यालय के निदेशक - श्री मैथ्यू ली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल; हिरोशिमा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष - डॉ. मित्सुओ ओची के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल; 100 सदस्यीय मध्य एशियाई युवा प्रतिनिधिमंडल; मध्य और पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रों के देशों के पत्रकारों और सामग्री निर्माताओं का एक प्रतिनिधिमंडल; जर्मनी के हाइड्रोजी ग्रुप एसई के निदेशक - क्लॉस डर्क हर्विग, और पेरिस क्लब ऑफ चीफ इनोवेशन ऑफिसर्स से 16 सदस्यीय फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं।

जैसे-जैसे भारत आत्मविश्वास और उद्देश्य की भावना के साथ वैश्विक शिक्षा का नेतृत्व करने के लिए आगे बढ़ रहा है, आईआईएमए भी विश्व मंच पर अधिक रचनात्मक योगदान देने और दुनिया भर के छात्रों को एक समावेशी और प्रगतिशील भविष्य के लिए तैयार करने के लिए तैयार है। हम भारत और विश्व स्तर पर व्यवसाय और प्रबंधन शिक्षा में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

1. शैक्षणिक

1.1 कार्यक्रम

संस्थान में चार दीर्घ-अवधि डिग्री प्रदान करने वाले पाठ्यक्रम (पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपीएक्स, बीपीजीपी), एक दीर्घ-अवधि डिप्लोमा कार्यक्रम (ईपीजीडी-एबीए) और एक डॉक्टरेट (डीपीएम) पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। संस्थान संकाय विकास कार्यक्रम और सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम जैसे दीर्घकालिक कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

1.1.1 प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के 61वें बैच (2024-26 बैच) का पंजीकरण 18 और 19 जून, 2024 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 404 छात्र शामिल हुए।

पाठ्यक्रम का दूसरा वर्ष 05 जून, 2024 को 406 छात्रों के साथ शुरू हुआ। दूसरे वर्ष के अंत में, 405 छात्रों ने शैक्षिक आवश्यकताओं को संतोषजनक ढंग से पूरा करते हुए स्नातक की उपाधि (दो दोहरी डिग्री वाले आगामी छात्र सहित) प्राप्त की।

इसके विवरण **परिशिष्ट ए** में दिए गए हैं।

छात्रों का श्रेणी-वार विवरण इस प्रकार है:

छात्र	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	ई डब्ल्यू एस	कुल
प्रथम वर्ष	189	101	56	29	20	9	404 (एन1)
द्वितीय वर्ष	188	100	58	35	16	9	406 (एन2)

[एन1]: एक छात्र को एक वर्ष के लिए छुट्टी दी गई थी। चार छात्रों ने अध्ययन छोड़ दिया, और दो छात्र फिर से जुड़ गए। प्रथम वर्ष के छात्रों की अंतिम संख्या 401 है।
[एन2]: एक छात्र को एक वर्ष के लिए छुट्टी दी गई थी। एक छात्र को पीजीपी 1 2025-27 बैच में फिर से शामिल होने की अनुमति दी गई। द्वितीय वर्ष के छात्रों की अंतिम संख्या 403 है।

प्रारंभिक कार्यक्रम

प्रारंभिक याने तैयारी कार्यक्रम, आने वाले छात्रों के लिए है जिन्हें संचार और गणित में अपने कौशल को मजबूत करने की आवश्यकता रहती है, जो कार्यक्रम शुरू होने से पहले आयोजित किया जाता है। प्रारंभिक कार्यक्रम से एक सौ चौवालीस छात्रों ने लाभ उठाया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए एक अभिविन्यास / प्रेरण कार्यक्रम 20 से 22 जून, 2024 के बीच आयोजित किया गया था। निदेशक, डीन (कार्यक्रम) और पीजीपी अध्यक्ष के संबोधन के अलावा, पीजीपी कार्यकारी समिति के साथ एक संवाद, संस्थान के प्रशासन और शैक्षणिक सहायता सेवाओं पर संस्थान के बारे में जानकारी दी गई और अकादमिक अखंडता, लिंग संवेदीकरण, परामर्श सेवाएँ, व्यवहारिक गतिशीलता तथा शिक्षण शास्त्र पर सत्र अभिविन्यास कार्यक्रम का हिस्सा बने।

ट्यूटोरियल

छात्रों को कार्यक्रम की आवश्यकताओं से निपटने में मदद करने के लिए पहले वर्ष के कुछ पाठ्यक्रमों में ट्यूटोरियल की पेशकश की गई थी।

पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष के छात्रों ने तीन सत्रों में फैले 35 अनिवार्य पाठ्यक्रम (23.80 क्रेडिट) लिए, जिसमें 0.75 क्रेडिट का एक फ्लेक्सी-कोर पाठ्यक्रम भी शामिल था। दूसरे वर्ष में, छात्रों को एक क्रेडिट के अनिवार्य पाठ्यक्रम के अलावा वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के न्यूनतम 19 और अधिकतम 22 क्रेडिट पूरे करने थे।

दूसरे वर्ष के दौरान, 141 पाठ्यक्रम ऐच्छिक के रूप में पेश किए गए, जिनमें से 13 पहली बार पेश किए गए। 26 पाठ्यक्रम प्रत्येक दो वर्गों के साथ पेश किए गए थे और 2 पाठ्यक्रम तीन या अधिक वर्गों के साथ पेश किए गए थे। लगभग 224 परियोजना पाठ्यक्रम भी पेश किए गए। शेड्यूलिंग के लिए वर्ष के दौरान 170 पाठ्यक्रम-कक्षा स्थलों का प्रबंधन करना आवश्यक था।

नवीनतम शोध और अभ्यास की अंतर्दृष्टि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम को समय-समय पर संशोधित किया जाता है।

नए पाठ्यक्रम :

दूसरे वर्ष में संकाय द्वारा निम्नलिखित नए ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किए गए :

1. वित्तीय सेवाओं में एआईएमएल
2. परिसंपत्ति प्रबंधन
3. बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ
4. विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक नीति
5. एडटेक
6. स्वास्थ्य-तकनीक प्रबंधन की अनिवार्यताएँ
7. वित्त विश्लेषण
8. जेनएआई और विपणन
9. नेतृत्व कौशल
10. आधुनिक अनुप्रयुक्त प्रतिगमन विधियाँ
11. संचालन रणनीति
12. ऑटोमोटिव और मोबिलिटी उद्योगों में परिवर्तन
13. उद्यम निवेश (VI): एक धनकोष परिप्रेक्ष्य

विनिमय कार्यक्रम

एक-सत्रीय विनिमय कार्यक्रम:

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अंतर्राष्ट्रीयकरण के अनुरूप और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करने के लिए, संस्थान छात्रों के आदान-प्रदान के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ सहयोग करता है। 116 आईआईएमए छात्रों ने विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम का विकल्प चुना, जबकि वर्ष के दौरान कई विदेशी संस्थानों / विश्वविद्यालयों से आने वाले 39 छात्रों ने आईआईएमए में एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।

दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम:

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में अकादमिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान विकसित करने के लिए, संस्थान निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर स्तर पर दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम के निर्माण पर सहमत हुआ है :

1	ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस
2	बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली
3	एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पेरिस, फ्रांस
4	यूरोपियन बिज़नेस स्कूल (ईबीएस), ऑस्ट्रिच-विंकल, जर्मनी
5	कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी
6	ईएससीपी-यूरोप बिजनेस स्कूल, फ्रांस
7	वियना इकोनॉमिक्स एवं बिज़नेस एड्मिनिस्ट्रेशन यूनिवर्सिटी, वियना, ऑस्ट्रिया

आईआईएमए के 6 छात्रों ने विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में दोहरी डिग्री विनिमय का विकल्प चुना, जबकि विदेशी संस्थानों / विश्वविद्यालयों से आने वाले 3 छात्रों ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान आईआईएमए में दोहरे डिग्री विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।

इसके विवरण **परिशिष्ट ए** में दिए गए हैं।

अकादमिक निष्पादन और छात्रवृत्ति

बैच 2023-25 से, शैक्षिक निष्पादन के लिए संस्थान के स्वर्ण पदक से सम्मानित छात्रों को खंड 1.1.7 (दीक्षांत समारोह) में सूचीबद्ध किया गया है।

छात्रवृत्तियों और पुरस्कारों का अधिक विवरण **परिशिष्ट ए** में शामिल है।

आईआईएमए विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान एसएनबीएस के तहत 3.63 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी है। छात्रवृत्ति राशि 75,000 रुपये से 2,45,000 रुपये तक थी। एसएनबीएस पर छात्रों का कार्यक्रम-वार आवँटन इस प्रकार है :

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	राशि
पीजीपी-I (2024-26 बैच)	60	1,16,95,000
पीजीपी-II (2023-25 बैच)	75	1,57,30,000
एफ़एबीएम-I (2024-26 बैच)	23	44,95,000
एफ़एबीएम-II (2023-25 बैच)	21	43,45,000
कुल	**179**	**3,62,65,000**

निम्नलिखित के अनुसार अनुदान एसएनबीसी के साथ विलय किए गए थे:

प्रायोजक	राशि (भारतीय रुपये में)	वर्गखंड/बैच
वारबर्ग पिंकस (अकादमिक वर्ष 2024-25)	13,65,000	पीजीपी II (2023-25)
तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन (अकादमिक वर्ष 2024-25)	10,000	पीजीपी I (2024-26)

आईआईएमए एक्ज़िट छात्रवृत्तियाँ

निम्नलिखित एक्ज़िट छात्रवृत्तियाँ छात्रों को उनके दो वर्षीय कार्यक्रम के दौरान आईआईएमए में अध्ययन के लिए छात्रों द्वारा लिए गए बैंक ऋण के एक हिस्से का भुगतान करने की सुविधा के लिए शुरू की गई हैं:

छात्रवृत्ति का शीर्षक	नाम	बैच	पुरस्कार राशि
डॉक्टरेट की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए छात्रवृत्ति	ओशिन सप्रे	पीजीपी (2020-22)	3,87,000
उद्यमिता अपनाने वाले छात्रों के लिए छात्रवृत्ति (40,000 रु प्रति माह)	कृतिश पुरी	पीजीपी (2022-24)	4,80,000
	सौरभ शुभम	पीजीपी (2022-24)	4,80,000

भारत सरकार - उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

छात्रवृत्ति योजना (अकादमिक वर्ष 2024-25)	आवेदनों की संख्या	
	नए छात्र	पुनः आवेदित
अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति	15	11
अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति - छात्रवृत्ति (औपचारिक रूप से अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा)	4	11
विकलांग छात्रों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति	01	00
स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	42	27
ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों के लिए कॉलेज में उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र योजना	45	18
केंद्रीय सशस्त्र सेना पुलिस बलों और असम राइफल्स के लिए प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना	01	01
कुल	176	

पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया, प्रत्येक संस्थान के लिए स्लॉट की संख्या आदि वेबसाइट पर उपलब्ध है। छात्रवृत्तियों की सूची और संबंधित जानकारी हर वर्ष साइट पर अपडेट की जाती है। उपरोक्त छात्रवृत्तियों के लिए पुरस्कार राशि मंत्रालय/विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार चयनित छात्रों को वितरित की जाती है।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न राज्य सरकार की छात्रवृत्तियाँ भी हैं, जिसके लिए छात्रों को अपनी पात्रता और छात्रवृत्ति से संबंधित जानकारी की जाँच करने के लिए सरकारी वेबसाइटों/संबंधित कार्यालयों पर जाना होगा। प्रवेश कार्यालय छात्रों को ऐसी छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन करने में सहायता प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2024-25 में कार्यालय ने विभिन्न राज्य सरकार छात्रवृत्ति आवेदनों की सुविधा प्रदान की।

प्रवेश

वर्ष 2024-26 बैच के पीजीपी कार्यक्रमों में शामिल होने वाले उम्मीदवारों का विवरण इस प्रकार है :

श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	139	48	187
ईडब्ल्यूएस	7	2	9
एनसी-ओबीसी	83	18	101
अनुसूचित जाति	45	14	59
अनुसूचित जनजाति	26	10	36
दिव्यांग	15	1	16
कुल	315	93	408

सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट) 2024 के लिए 24 नवंबर, 2024 को कंप्यूटर आधारित परीक्षा के रूप में आयोजन किया गया था। पिछले वर्ष की प्रथा को जारी रखते हुए, कैट तीन पालियों में आयोजित किया गया था। परीक्षा की अवधि 2 घंटे की थी (कैट 2023 की तरह) और परीक्षा को एक दिन में तीन शिफ्टों में पूरा करना था।

इस वर्ष, साक्षात्कार प्रक्रिया छह शहरों (अहमदाबाद, बैंगलोर, दिल्ली (दो चरण), हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई) में सामान्य भौतिक उपस्थिति के माध्यम से आयोजित की गई थी। मार्च के तीसरे सप्ताह तक साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

जून 2025 से शुरू होने वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम में लगभग 2.68 लाख आवेदन आए, जिनमें प्रवासी/विदेशी राष्ट्रीयता वाले उम्मीदवार भी शामिल हैं। इस वर्ष और पिछले वर्ष के तुलनात्मक आँकड़े **परिशिष्ट ए** में दिए गए हैं।

साक्षात्कार चरण तक प्रवेश प्रक्रिया पर अधिक डेटा **परिशिष्ट ए** में दिये गए हैं।

1.1.2 खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफएबीएम)

खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफएबीएम) युवा पुरुषों और महिलाओं को खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में संगठनों की चुनौती लेने के लिए गतिशील व्यवसायी प्रबंधकों, अग्रणियों और उद्यमियों में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों के लिए सक्षम पेशेवर प्रबंधकों के रूप में विकसित करना है। बढ़ती पर्यावरणीय चिंताओं और अत्यधिक बाजार-उन्मुख माहौल में काम करने की चुनौतियों के कारण कृषि-खाद्य उद्योग को नीतिगत परिवर्तनों पर व्यवस्थित रूप से प्रतिक्रिया देने और उन परिवर्तनों का प्रबंधन करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम छात्रों को परिवर्तन का नेतृत्व करने और उन परिवर्तनों की प्रक्रिया को प्रबंधन के कठिन कार्यों के लिए तैयार करता है।

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफएबीएम) के 25वें बैच (2024-26 बैच) का पंजीकरण 18 और 19 जून, 2024 को किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 47 छात्र शामिल हुए। एक छात्र जिसे चिकित्सा आधार पर एक साल की छुट्टी दी गई थी, वह इस बैच के साथ कार्यक्रम में फिर से शामिल हो गया और एक छात्र कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कार्यक्रम से हट गया। इस प्रकार कार्यक्रम के पहले वर्ष में छात्रों की अंतिम संख्या 47 हो गई।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 05 जून, 2024 को 45 छात्रों के साथ शुरू हुआ। दूसरे वर्ष के अंत में, शैक्षणिक आवश्यकताओं को संतोषजनक ढंग से पूरा करने पर, 45 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके विवरण **परिशिष्ट बी** में दिए गए हैं।

दोनों वर्षों में कार्यक्रम शुरू करने वाले छात्रों का श्रेणी-वार आवँटन इस प्रकार है:

छात्र	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	ई डब्ल्यू एस	कुल
प्रथम वर्ष	24	11	7	3	1	1	47
द्वितीय वर्ष	21	12	7	3	--	2	45

प्रारंभिक कार्यक्रम

अभिविन्यास से पहले आयोजित प्रारंभिक कार्यक्रम, पीजीपी-एफएबीएम में शामिल होने वाले सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। प्रारंभिक कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को परिसर के माहौल में ढलने का मौका देना और उन्हें पहले वर्ष की शुरुआत से पहले गणित, संचार और भारतीय कृषि की बुनियादी बातों की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करना है। इस वर्ष सभी 47 छात्रों ने प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लिया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 20-22 जून, 2024 के दौरान आयोजित किया गया था। निदेशक, डीन (कार्यक्रम) और पीजीपी-एफएबीएम अध्यक्ष के स्वागत भाषणों के अलावा, छात्रों ने पीजीपी-एफएबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत की। उन्हें अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान संस्थान के प्रशासन, कंप्यूटर सेवाओं और पुस्तकालय सुविधाओं और उनके उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। हर साल की तरह, नए छात्रों को शिक्षण की केस पद्धति से परिचित कराने के लिए केस तैयारी और केस विधि पर विस्तारित सत्र आयोजित किए गए, क्योंकि यह संस्थान में प्रमुख शैक्षणिक साधन है।

पाठ्यक्रम

पीजीपी-एफएबीएम का पहला वर्ष पीजीपी के जैसा ही रहता है। छात्रों ने तीन सत्रों में 34 अनिवार्य पाठ्यक्रम (24.05 क्रेडिट) लिए। दूसरे वर्ष में, कृषि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाले पांच क्षेत्र-विशिष्ट अनिवार्य पाठ्यक्रम और 20 ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किए गए। द्वितीय वर्ष के छात्रों को न्यूनतम 17 क्रेडिट और अधिकतम 20 क्रेडिट के लिए पंजीकरण करना आवश्यक था। यह अनिवार्य था कि कार्यक्रम के दूसरे वर्ष की इन 17 न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताओं में से 13 पीजीपी-एफएबीएम पाठ्यक्रम होने चाहिए।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल (आरआईएम) का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण जीवन से परिचित कराना, ग्रामीणों के साथ बातचीत से सीखना और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों और अर्थव्यवस्था से परिचित होना है। ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का पहला चरण 22-31 मार्च 2024 तक आयोजित किया गया था। इस मॉड्यूल के लिए छात्रों को सात समूहों में विभाजित किया गया था।

छात्र विनिमय कार्यक्रम

संस्थान पीजीपी-एफएबीएम छात्रों को देश के बाहर भागीदार संस्थानों के साथ एक सत्र के लिए विनिमय कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति देता है। दूसरे वर्ष के दूसरे सत्र के दौरान, पाँच छात्र ईएसएसईसी, फ्रांस में विनिमय के लिए गए, और तीन छात्र नॉर्वेजियन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नॉर्वे गए।

पुरस्कार और आई-छात्रवृत्ति

विभिन्न पुरस्कारों और छात्रवृत्तियों के विवरण **परिशिष्ट बी** में दिए गए हैं।

प्रवेश

2024-26 बैच के पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रमों में शामिल होने वाले उम्मीदवार इस प्रकार थे:

श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	12	12	24
ईडब्ल्यूएस	0	1	1
एनसी-ओबीसी	9	3	12
अनुसूचित जाति	3	4	7
अनुसूचित जनजाति	3	0	3
दिव्यांग	0	0	0
कुल	27	20	47

जून 2024 से शुरू होने वाले पीजीपी-एफएबीएम के लिए लगभग 2.10 लाख आवेदन आए, जिनमें एक प्रवासी भारतीय उम्मीदवार भी शामिल था। इस वर्ष और पिछले वर्ष के तुलनात्मक आंकड़े **परिशिष्ट बी** में दिए गए हैं।

साक्षात्कार चरण तक प्रवेश प्रक्रिया पर अधिक डेटा **परिशिष्ट बी** में प्रदान किया गया है।

1.1.3 कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

पीजीपीएक्स 2024-25

यह कार्यक्रम 18 अप्रैल, 2024 को 158 प्रत्याशियों के साथ शुरू हुआ, जिसमें 41 महिलाएँ, 697 औसत जीमैट स्कोर, जीमैट-फोकस स्कोर 642 और 324 जीआरई स्कोर, 30.11 वर्ष की औसत आयु, 7 वर्ष 6 महीने का कार्य अनुभव, लगभग 0.3 वर्ष का अंतर्राष्ट्रीय कार्य अनुभव शामिल था। पीजीपीएक्स 2024-2025 बैच की प्रोफ़ाइल जानकारी **परिशिष्ट सी** में दी गई है।

कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम

पीजीपीएक्स कार्यक्रम को इंडक्शन, बिल्डिंग ब्लॉक्स, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन, ऐच्छिक और कैपस्टोन जैसे छह खंडों के आसपास संरचित किया गया है। नए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का विवरण **परिशिष्ट सी** में दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम

इस वर्ष आईआईपी की योजना 09 से 20 सितंबर, 2024 तक बनाई गई थी। इसका विषय यूरोपीय देशों में व्यापार करना था। इस वर्ष भागीदार स्कूल थे:

भागीदार स्कूल
ईएससीपी बिजनेस स्कूल, फ्रांस
एसाडे बिजनेस स्कूल, स्पेन
डब्ल्यूयू एग्ज़ीक्यूटिव अकादमी, वियना अर्थशास्त्र और व्यापार विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया
ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल, फ्रांस

सभी भागीदार स्कूलों के साथ आईआईपी सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किये गये।

अकादमिक निष्पादन और छात्रवृत्ति

पीजीपीएक्स प्रवेश एवं एक्ज़िट छात्रवृत्ति

इस वर्ष, पीजीपीएक्स कार्यक्रम ने छात्रों के लिए प्रवेश और एक्ज़िट छात्रवृत्ति की घोषणा की। 26 छात्रों को प्रवेश छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। 26 छात्रों को कार्यक्रम शुल्क का लगभग 25% वापस किया गया।

प्रवेश छात्रवृत्ति

प्रवेश छात्रवृत्तियाँ कम प्रतिनिधित्व वाले लिंग, ट्रांसजेंडर छात्रों, अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट धारकों, सशस्त्र बलों, केंद्रीय/राज्य/स्थानीय सरकार, गैर-लाभकारी क्षेत्र में महत्वपूर्ण समय बिताने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। छात्रवृत्तियाँ उन छात्रों के लिए भी उपलब्ध हैं जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाने वाले खेल/ललित कलाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है या जो दिव्यांग हैं। स्नातक स्तर पर छात्रवृत्तियाँ* पीजीपीएक्स कार्यक्रम के शैक्षणिक वर्ष के दौरान असाधारण प्रदर्शन के आधार पर छात्रवृत्तियाँ स्नातक स्तर पर प्रदान की जाती हैं ।

एक्ज़िट छात्रवृत्ति

एग्जिट छात्रवृत्ति 9 छात्रों को दी गई (5 छात्रों को शैक्षणिक योग्यता के आधार पर और 4 अन्य पाठ्यक्रम गतिविधियों से दिए गए)।

सभी 158 पीजीपीएक्स छात्र 29 मार्च, 2025 को सफलतापूर्वक स्नातक हुए। निम्नलिखित प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए:

- पीजीपीएक्स शीर्षस्थ आश्रृत रंगराजन को स्वर्ण पदक
- शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार में प्रत्येक को 30,000 रु. के अनुसार नकद राशि शीर्ष आठ छात्रों को प्रदान की गई :
  - (1) आश्रृत रंगराजन, (2) पार्थ पिनाकिन त्रिवेदी, (3) गार्गी, (4) अर्पित श्रीवास्तव, (5) हार्दिक मुकेशभाई पुजारा, (6) सिद्धांत शर्मा, (7) दिव्या ताओरी, (8) बिन्ध्य राज अंकित

सिंक्रोनीएक्स 2025:

सिंक्रोनिकएक्स एक ऐसा आयोजन है जहां पूर्व छात्र और आने वाले बैच के छात्र मिलते हैं और एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं। यह कार्यक्रम फरवरी-मार्च 2025 के दौरान विभिन्न स्थानों यानी मुंबई, हैदराबाद, बैंगलोर और नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता

- फाइनेंशियल टाइम्स ग्लोबल एमबीए रैंकिंग में करियर प्रोग्रेस में पिछले तीन वर्षों से पीजीपीएक्स कार्यक्रम को दुनिया भर में नंबर 1 स्थान दिया गया है।
- फाइनेंशियल टाइम्स ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2024 में 41 से बढ़कर 2025 में 31 हो गई है।
- एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क) के अनुसार आईआईएमए को 2024 में भारत में नंबर 1 स्थान दिया गया है।

पीजीपीएक्स छात्र गतिविधियाँ

छात्रों द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों का विवरण **परिशिष्ट सी** में सूचीबद्ध है।

पूर्व-अभिविन्यास कार्यक्रम/ज्ञान अंतरण (मंथन)

मंथन 2025 आईआईएम अहमदाबाद के पीजीपीएक्स कार्यक्रम के एक्स20 बैच के लिए एक असाधारण यात्रा का प्रवेश द्वार है, जो उनके लिए एक साल के परिवर्तनकारी अनुभव की एक विशेष झलक पेश करता है। ज्ञान हस्तांतरण कार्यक्रम के रूप में डिज़ाइन किया गया, मंथन आउटगोइंग एक्स19 बैच और आने वाले एक्स20 कोहोर्ट के बीच की खाई को पाटता है, नेतृत्व, सहयोग और समुदाय की भावना को बढ़ावा देते हुए एक सहज संक्रमण सुनिश्चित करता है।

मंथन 2025 वह जगह है जहाँ नई शुरुआत समृद्ध परंपराओं से मिलती है, और पीजीपीएक्स की विरासत जारी रहती है। यह सीखने, नेतृत्व और असीम संभावनाओं के एक साल के लिए मंच तैयार करता है।

2025-26 के लिए प्रवेश

पीजीपीएक्स 2025-26 के लिए कुल 979 आवेदन प्राप्त हुए (राउंड-1 में 328, राउंड 2 में 270, राउंड 3 में 381)। साक्षात्कार के लिए कुल 869 को शॉर्टलिस्ट किया गया (राउंड-1 में 306, राउंड-2 में 248 और राउंड-3 में 315)। व्यक्तिगत साक्षात्कार अहमदाबाद, बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई, में आयोजित किए गए और कुछ अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारों का साक्षात्कार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। 173 उम्मीदवारों को अंतिम प्रस्ताव दिए गए, और 74 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। अंत में, 158 अभ्यर्थी इस कार्यक्रम में शामिल हो गए हैं, जिनमें से 48 छात्राएं हैं। 5 अभ्यर्थियों ने अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले अगले बैच के लिए अपना प्रवेश स्थगित कर दिया है।

उद्योग मिश्रण में विज्ञापन / संचार / मीडिया / मनोरंजन, एयरोस्पेस और विमानन, कृषि, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा, परामर्श, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा और उपयोगिताएँ, एफएमसीजी, खाद्य और खाद्य प्रसंस्करण, बुनियादी ढांचा और निर्माण, आईटी और आईटीईएस, आईटी उत्पाद, कानूनी

सेवाएं, विनिर्माण / इंजीनियरिंग, अन्य, फार्मा / बायो-टेक / हेल्थकेयर / अस्पताल, फार्मा / बायो-टेक / हेल्थकेयर / अस्पताल / प्राइवेट लिमिटेड, खुदरा / ईकॉमर्स, शिपिंग / परिवहन / रसद, सामाजिक और सार्वजनिक प्रबंधन / एनजीओ / गैर-लाभकारी, दूरसंचार, यात्रा और आतिथ्य आदि शामिल हैं।

1.1.4 प्रबंधन में मिश्रित स्नातकोत्तर कार्यक्रम (बीपीजीपी)

आईआईएमए के रणनीतिक शैक्षणिक विस्तार के हिस्से के रूप में, फरवरी 2024 में प्रबंधन में मिश्रित स्नातकोत्तर कार्यक्रम (बीपीजीपी) शुरू किया गया था। यह दो वर्षीय कार्यक्रम इमर्सिव ऑन-कैंपस मॉड्यूल और ऑनलाइन सत्रों के मिश्रण के माध्यम से एक कठोर शैक्षणिक अनुभव प्रदान करता है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से कम से कम तीन साल के स्नातकोत्तर अनुभव वाले कामकाजी व्यवसायियों और उद्यमियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम आईआईएमए के केस-आधारित शिक्षण को एकीकृत करता है, जो आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व विकास और वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान को बढ़ावा देता है। दिसंबर 2024 में, कार्यक्रम का नाम ऑनलाइन एमबीए कार्यक्रम से बदलकर प्रबंधन में मिश्रित स्नातकोत्तर कार्यक्रम (बीपीजीपी) कर दिया गया था।

उद्घाटन समूह (2024 - 26) में प्रवेश के लिए आवेदकों को या तो कैट/जीमैट/जीआरई (पांच साल के लिए वैध स्कोर) या आईआईएमए प्रवेश परीक्षा (आईएटी) उत्तीर्ण करना आवश्यक था, जिसके बाद व्यक्तिगत साक्षात्कार हुए। चयन प्रक्रिया में शैक्षणिक क्षमता, व्यवसायिक अनुभव और वैचारिकता की विविधता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के सर्वप्रथम बैच के लिए विभिन्न क्षेत्रों से कुल 139 छात्रों का नामांकन हुआ।

2025-27 बैच के लिए प्रवेश 1 जनवरी से 25 मार्च, 2025 तक खुले थे।

बीपीजीपी का पहला समूह (2024-26) 1 सितंबर, 2024 को औपचारिक उद्घाटन और अभिविन्यास के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद 1-7 सितंबर, 2024 तक एक सप्ताह तक चलने वाला इमर्सिव कैंपस मॉड्यूल रहा। ऑनलाइन सत्र 12 सितंबर, 2024 से शुरू हुए। टर्म II के लिए दूसरा ऑन-कैंपस मॉड्यूल 6-10 जनवरी, 2025 से शुरू हुआ, जिसमें अतिथि व्याख्यान, छात्र चुनाव, क्रॉस-प्रोग्राम संवाद और आईआईएमए के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, केओस में भागीदारी शामिल थी।

वर्चुअल क्लासरूम से परे सहकर्मी सीखने और जुड़ाव को बढ़ावा देने की पहल के रूप में, बैंगलोर (24 नवंबर, 2024), दिल्ली (15 दिसंबर, 2024), मुंबई (16 मार्च, 2025) और अहमदाबाद (6 अप्रैल, 2025) में छात्र मीटअप आयोजित किए गए। इन समारोहों में छात्रों, शिक्षकों और आईआईएमए के पूर्व छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसने कार्यक्रम के मजबूत सामुदायिक अभिविन्यास और सहयोगी भावना को मजबूत किया।

उद्योग-अकादमिक संबंध को मजबूत करने के लिए, बीसीजी में डेटा साइंस के पार्टनर और एसोसिएट डायरेक्टर दीप मुखर्जी और एमके नॉलेज एलएलपी के अध्यक्ष और प्रबंधन पार्टनर मनोज कोहली जैसे जाने-माने व्यवसायियों द्वारा अतिथि सत्र आयोजित किए गए। इन बातचीत से छात्रों के लिए शिक्षा अनुभव को समृद्ध करते हुए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण प्रदान किए गए।

बीपीजीपी कार्यरत व्यवसायियों के लिए एक गतिशील मंच के रूप में विकसित हो रहा है, जो प्रबंधन शिक्षा में नवाचार, वास्तविक दुनिया की प्रासंगिकता और सहयोगात्मक शिक्षा के प्रति आईआईएमए की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

1.1.5 उन्नत व्यापार विश्लेषण में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए)

ईपीजीडी-एबीए आईआईएमए द्वारा पेश किया जाने वाला 16 महीने का डिप्लोमा कार्यक्रम हैं। इसे कामकाजी व्यवसायियों को सही प्रश्न पूछने, सही प्रकार के डेटा के विश्लेषण के साथ संबोधित करने और अंततः निर्णय लेने के लिए विश्लेषण से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस प्रकार यह डेटा को प्रभावी निर्णय लेकर परिवर्तन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर छात्रों को उन्नत व्यापार विश्लेषिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया जाता है।

ईपीजीडी-एबीए 2023-24

सत्तर छात्रों ने स्नातक होने के लिए अनुमोदन प्रक्रिया पूरी कर ली है और उन्हें बुधवार, 16 अप्रैल, 2025 को आयोजित होने वाले एक विशेष दीक्षांत समारोह में उन्नत बिजनेस एनालिटिक्स में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया गया।

मास्टेक के प्रधान संस्थापक और अध्यक्ष श्री अशांक देसाई ने इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने पर सहमति व्यक्त की है।

ईपीजीडी-एबीए 2024-25

बैच का पहला कैंपस मॉड्यूल 19 से 23 अप्रैल, 2024 तक आयोजित किया गया था। डीन (प्रोग्राम) ने डीन (संकाय) की उपस्थिति में 19 अप्रैल, 2024 को बैच का उद्घाटन किया। बैच में 39 छात्र हैं, जिनमें 6 छात्राएं हैं, जिनकी औसत आयु 30 वर्ष और 5 महीने है और औसत कार्य अनुभव 7 वर्ष 2 महीने का है। 2024-25 बैच का संक्षिप्त विवरण **परिशिष्ट डी** में दिया गया है।

ईपीजीडी-एबीए 2025-26

बैच के लिए प्रवेश तीन चरणों में आयोजित किए गए। इस बैच में अड़तालीस छात्र शामिल हैं, जिनमें पंद्रह छात्राएं हैं, जिनकी औसत आयु 30 वर्ष और 6 महीने है और औसत कार्य अनुभव 6 वर्ष है। बैच का वर्चुअल उद्घाटन 16 मार्च, 2025 को किया गया। 2025-26 बैच का संक्षिप्त विवरण **परिशिष्ट डी** में दिया गया है।

वक्ता सत्र

कार्यक्रम पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, वक्ता श्रृंखला समिति ने उद्योग के व्यवसायियों द्वारा बीस स्पीकर सत्र (एक पैनल चर्चा सहित) आयोजित किए। उपरोक्त के अलावा, पाठ्यक्रम के भाग के रूप में दो अतिथि वक्ता सत्र आयोजित किए गए और एक अतिथि सत्र ईपीजीडी-एबीए कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया। अतिथि वक्ताओं और कार्यशालाओं की सूची **परिशिष्ट डी** में दी गई है।

1.1.6 प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम

प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम (डीपीएम) उत्कृष्ट शैक्षणिक साख, बौद्धिक जिज्ञासा और विद्वतापूर्ण योगदान देने के लिए आवश्यक अनुशासन वाले उम्मीदवारों की तलाश करता है। यह अंतःविषय शिक्षा और अनुसंधान के लिए विविध अवसर प्रदान करता है।

डीपीएम का उद्देश्य छात्रों को प्रबंधन के विशिष्ट क्षेत्रों में जटिल मुद्दों की पहचान करने और उन पर शोध करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। यह कार्यक्रम अकादमिक और कॉर्पोरेट जगत दोनों के लिए विचार अग्रणियों को तैयार करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। हमारे डीपीएम छात्रों को शिक्षण, अनुसंधान और परामर्श पदों पर विश्व स्तरीय संगठनों में रखा गया है। आईआईएमए से कुल 493 डॉक्टरेट छात्र स्नातक हुए हैं, जिनमें मार्च 2025 के वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान स्नातक होने वाले 22 छात्र शामिल हैं। 2024 - 25 के स्नातक छात्रों के नाम **परिशिष्ट ई** में दिए गए हैं। वर्तमान में, हमारे पास 52 कोर्सवर्क चरण में हैं, और शेष 55 छात्र थीसिस कार्य के विभिन्न चरणों में हैं। 1 अप्रैल, 2025 तक डीपीएम छात्रों की संख्या 107 है।

डीपीएम प्रवेश और अभिविन्यास

संस्थान को 2024 बैच में प्रवेश के लिए 616 आवेदन प्राप्त हुए। प्रवेश साक्षात्कार 19 मार्च, 2024 को आयोजित किए गए। लिखित परीक्षा, क्षेत्रों और डीपीएम कार्यकारी समिति द्वारा साक्षात्कार सहित गहन चयन प्रक्रिया के बाद, विशेषज्ञता के सभी क्षेत्रों में 31 छात्र कार्यक्रम में शामिल हुए। नए बैच के लिए 22 मई, 2024 को एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पाठ्यक्रम

डीपीएम कार्यक्रम में तीन चरण होते हैं: पाठ्यक्रम कार्य, व्यापक परीक्षा और थीसिस। पाठ्यक्रम के पहले दो वर्षों के दौरान, प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को 59 डीपीएम/विषय-क्षेत्र कोर और 64 डीपीएम/विषय-क्षेत्र ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। छात्रों को दो साल के पाठ्यक्रम कार्य के दौरान 30.5 क्रेडिट पूरा करना आवश्यक है।

स्वर्ण जयंती समारोह

हमारे पहले एफ़पीएम स्नातक के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, आईआईएमए ने 19-20 अप्रैल, 2024 के दौरान "डॉक्टरल प्रोग्राम स्वर्ण जयंती समारोह" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 105 पूर्व छात्र शामिल हुए, जिनमें कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्र शामिल थे। आईआईएमए अभिलेखागार वेबसाइट पर डीपीएम वेबपेज भी शुरू किया गया।

दो दिवसीय स्वर्ण जयंती कार्यक्रम ने हमारे पूर्व छात्रों के लिए अपने साथियों और पूर्व गुरुओं के साथ फिर से जुड़ने, अपने अनुभव साझा करने और प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ थीसिस के लिए प्रो. तीरथ गुप्ता मेमोरियल पुरस्कार, थीसिस प्रस्ताव के लिए भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई) पुरस्कार और प्रथम वर्ष में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक निष्पादन के लिए चौधरी-पद्मनाभन-पंत पुरस्कार विजेताओं का विवरण **परिशिष्ट ई** में दिया गया है।

सम्मेलन/डॉक्टरेट संगोष्ठी/पेपर प्रकाशन

सम्मेलन/डॉक्टरेट संगोष्ठी/कंसोर्टियम में भाग लेने और डीपीएम छात्रों द्वारा पेपर प्रकाशन से संबंधित विवरण **परिशिष्ट ई** में दिए गए हैं।

संस्थान के आवासीय कार्यक्रमों में छात्र संख्या का विवरण **परिशिष्ट एफ** में दिया गया है।

1.1.7 स्थानन

पीजीपी अंतिम स्थानन 2025

आईआईएम अहमदाबाद में प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के 2025 के एमबीए वर्ग के लिए अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई। अंतिम प्लेसमेंट में तीन क्लस्टरों में कई डोमेन की कंपनियों ने भाग लिया, जिसमें सभी छात्रों को 19 से अधिक समूहों में रखा गया।

स्थानन प्रक्रिया

अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहला लैटरल्स प्रक्रिया थी, जहां कंपनियों ने पूर्व कार्य अनुभव वाले छात्रों का साक्षात्कार लिया और उन्हें मध्य-स्तरीय प्रबंधकीय पदों की पेशकश की। लैटरल्स के लिए, 21 कंपनियों ने विविध क्षेत्रों जैसे प्रौद्योगिकी, परामर्श, बीएफएसआई और एनालिटिक्स से भाग लिया। अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया के दूसरे चरण में, कंपनियों को उनके मुख्य व्यवसाय क्षेत्र के आधार पर समूहों में बांटा गया था, और समूहों के समूहों को विभिन्न क्लस्टरों में परिसर में आमंत्रित किया गया था। पिछले वर्षों की तरह, छात्रों को एक मौजूदा प्रस्ताव के साथ, बाद के क्लस्टर में अपनी पसंद की कंपनियों में "ड्रीम" आवेदन करने की लचीलापन प्रदान की गई थी। इस साल 154 अपने सपने के एप्लीकेशन थे। इसने छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्रों में करियर बनाने की लचीलापन और विकल्प दिया।

कार्यक्षेत्रीय अवलोकन

आईआईएम अहमदाबाद में विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों की कंपनियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया। परामर्श क्षेत्र में भर्ती करने वालों में एक्सेंचर स्ट्रेटेजी, बैन एंड कंपनी, ब्लैक ब्रिक्स, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, ईवाई पार्थेनॉन, फिनआईक्यू कंसल्टिंग, कियर्नी, एल.ई.के. कंसल्टिंग, मैकिन्से एंड कंपनी, मॉनिटर डेलोइट, ओलिवर वाइमन, प्रैक्टस, प्रैक्सिस ग्लोबल अलायंस, पीडब्ल्यूसी, साइमन-कुचर एंड पार्टनर्स, शोटाइम कंसल्टिंग, स्ट्रेटेजी, तक्षशिला कंसल्टिंग, ट्रांसफॉर्मेशनएक्स और वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप आदि शामिल थे।

निवेश बैंकिंग एवं बाजार तथा निजी इक्विटी, वेंचर कैपिटल और एसेट मैनेजमेंट क्षेत्र में प्रमुख भर्तीकर्ताओं में अमेरिकन एक्सप्रेस, एआरजीए इन्वेस्टमेंट, अर्पवुड कैपिटल, एवेंडस कैपिटल, क्लेपोंड कैपिटल, इ्यूश बैंक, एलिवेशन कैपिटल, एवरस्टोन कैपिटल, जनरल अटलांटिक, एचएसबीसी, मोइलिस एंड कंपनी, ओ3 कैपिटल, प्रेमजी इन्वेस्ट, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक और यूबीएस आदि शामिल थे।

उपभोक्ता वस्तुओं, उपभोक्ता सेवाओं, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में ब्लूस्टोन ज्वैलरी, डाबर, लोरियल, ओयो, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल, यूनाइटेड ब्रुअरीज, वेलस्पन, विप्रो कंज्यूमर केयर और जोमैटो जैसी भर्ती कंपनियों ने भाग लिया।

साथी-कंपनी संघ में अडानी समूह, आदित्य बिड़ला समूह, सीके बिड़ला समूह, जीएमआर समूह, लोढ़ा वेंचर्स और टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज जैसी कंपनियां शामिल थीं, जबकि खुदरा बी2बी और बी2सी समूह में पर्पल, मिंत्रा और नाइका जैसी कंपनियां शामिल थीं।

बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा भर्ती करने वाली कंपनियों में क्रेडिला, क्रिसिल, आईआईएफएल फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, इंटेग्रो एसेट मैनेजमेंट, एलएंडटी फाइनेंस, एसएंडपी ग्लोबल और एसबीआई म्यूचुअल फंड जैसी कंपनियां शामिल थीं।

पार्श्व प्रक्रिया में भाग लेने वाली फर्मों में ब्राउज़रस्टैक, कोफोर्ज, क्रेडिला, क्रिसिल, फिनआईक्यू, एचसीएल सॉफ्टवेयर, लोढ़ा ग्रुप, मास्टरकार्ड, मिंत्रा, नवी टेक्नोलॉजीज, वेक्टर कंसल्टिंग और ज़ोमैटो शामिल हैं। इस साल कई नए भर्तीकर्ता थे, जिनमें एनाकिन, अरविंद स्मार्टस्पेस, बैंक ऑफ इंडिया, क्लेपॉन्ड कैपिटल, कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड, क्रेडिला, क्रिसिल, एवरस्टोन कैपिटल, ईएक्सएल डिजिटल, जनरल अटलांटिक, हाईलैब्स, एलएंडटी फाइनेंस, मैनकाइंड फार्मा, प्लक, पर्पल, सनस, शोटाइम कंसल्टिंग, वीहेरे इंटरएक्टिव और यूबी शामिल हैं। जापान, यूरोप और यूएई सहित भौगोलिक क्षेत्रों में भी भूमिकाएँ खोली गईं।

शीर्ष भर्तीकर्ता

2025 की स्थानन प्रक्रिया में लगभग 215 अलग-अलग भूमिकाओं के साथ लगभग 142 फर्मों ने भाग लिया। अंतिम स्थानन में, कैंपस में सबसे ज़्यादा प्रस्ताव देने वाली फर्मों में बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, अमेरिकन एक्सप्रेस, बैन एंड कंपनी और मैकिन्से एंड कंपनी शामिल थीं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने अंतिम स्थानन प्रक्रिया के अंत में 35 प्रस्ताव के साथ सबसे ज़्यादा ऑफर (पूर्व-स्थानन प्रस्ताव सहित) दिए, उसके बाद एक्सेंचर स्ट्रैटेजी ने 31 प्रस्ताव और बैन एंड कंपनी ने 17 प्रस्ताव दिए।

निवेश बैंकों में गोल्डमैन सैक्स सबसे बड़ा भर्तीकर्ता (पीपीओ सहित) था, जिसने 9 प्रस्ताव दिए, उसके बाद एवेंडस कैपिटल ने 7 प्रस्ताव दिए। इस वर्ष, वित्त कार्य में शुद्ध प्रस्ताव की संख्या में 13.7% की वृद्धि देखी गई, सामान्य प्रबंधन कार्य में शुद्ध प्रस्ताव की संख्या में लगभग 5% की वृद्धि देखी गई, और रणनीति कार्य में पिछले वर्ष की तुलना में शुद्ध प्रस्ताव की संख्या में 33% की वृद्धि देखी गई।

जनरल मैनेजमेंट डोमेन में, अडानी ग्रुप ने सबसे ज़्यादा प्रस्ताव (पूर्व-स्थानन प्रस्ताव सहित) दिए-6, उसके बाद टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज़ ने 5 प्रस्ताव दिए।

पार्श्व प्रक्रिया में, फिनआईक्यू ने सबसे ज़्यादा प्रस्ताव दिए-11, उसके बाद नवी टेक्नोलॉजीज़ ने 10 प्रस्ताव दिए। इसके अलावा, ब्राउज़रस्टैक और वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप ने क्रमशः 8 और 5 प्रस्ताव दिए।

नए रिश्ते बनाना

उद्योग में पीजीपी कार्यक्रम की पहुँच को और मजबूत करने के लिए, विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया था।

पीजीपी 2023-25 बैच के लिए समग्र स्थानन सांख्यिकी

2023-2025 पीजीपी बैच के स्थानन में भाग लेने वाले 395 छात्रों को कुल 489 नौकरी के प्रस्ताव दिए गए।

पूर्व-स्थानन प्रस्ताव (पीपीओ)

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के निष्पादन के आधार पर और छात्रों द्वारा अपने सपने के लिए आवेदन करने का निर्णय लेने के बाद, 122 पीपीओ स्वीकार किए गए।

पार्श्व स्थानन

लगभग 58.7% बैच पार्श्व स्थानन के लिए पात्र थे, 16 फर्मों ने प्रौद्योगिकी, परामर्श, सामान्य प्रबंधन और विश्लेषिकी जैसे विविध क्षेत्रों से भर्ती की। 48 छात्रों ने पार्श्व स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से प्रस्ताव स्वीकार किए।

पीजीपी - ग्रीष्मकालीन स्थानन (2024-26 बैच)

2024-2026 पीजीपी बैच के ग्रीष्मकालीन स्थानन में कुल 394 छात्रों ने भाग लिया। जिन क्षेत्रों में इन छात्रों ने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप हासिल की, उनका विवरण **परिशिष्ट-जी** में दिया गया है।

पीजीपी-एफ़एबीएम अंतिम स्थानन 2025

बैच 2023-25 के लिए पीजीपी-एफएबीएम (खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम) की अंतिम स्थानन प्रक्रिया 06 फरवरी, 2025 को सफलतापूर्वक पूरी हो गई। यह प्रक्रिया हाइब्रिड मोड में की गई। एफएबीएम के 2023-25 के 44 छात्रों को स्थानन मिला। एक दिन के भीतर स्थानन प्रक्रिया का सफलतापूर्वक पूरा होना संस्थान में उच्च गुणवत्ता वाले सीखने के अनुभव और मजबूत प्लेसमेंट प्रक्रिया का प्रमाण है जो भर्ती करने वालों और छात्रों दोनों को पर्याप्त लचीलापन प्रदान करती है।

अंतिम स्थानन की तलाश कर रहे एफ़एबीएम के छात्रों को स्थानन प्रक्रिया में भाग लेने वाले उद्योग और कंपनियों द्वारा अच्छी प्रतिक्रिया मिली। स्थानन में परामर्श, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि-तकनीक, कृषि-इनपुट, एफएमसीजी खुदरा, कमोडिटी ट्रेडिंग और अन्य विविध क्षेत्रों जैसे सभी क्षेत्रों से भूमिकाओं का संतुलन देखा गया।

स्थानन प्रक्रिया में अंतिम स्थानन के लिए 35 कंपनियां आईं, जहां नियमित भर्तीकर्ताओं ने कार्यक्रम में अपने विश्वास की पुष्टि की, जैसे कि अर्न्स्ट एंड यंग, ग्रांट थॉर्नटन, नेस्ले, एक्सेंचर, अमूल, पेप्सिको, पीआई इंडस्ट्रीज और गोदरेज एग्रोवेट।

खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) एक आवासीय 2-वर्षीय पूर्णकालिक क्षेत्र-विशिष्ट कार्यक्रम है, जिसे विशेष प्रबंधकीय प्रतिभा के माध्यम से कृषि व्यवसाय, खाद्य और संबद्ध क्षेत्रों की विविध मांगों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आईआईएम-अहमदाबाद के पीजीपी-एफएबीएम कार्यक्रम को नंबर एक कार्यक्रम का दर्जा दिया गया है और 2024 के लिए कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में एडुनिवर्सल बेस्ट मास्टर्स रैंकिंग में अपनी श्रेणी में शीर्ष क्रमांकित विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कार्यक्रम बना हुआ है। भारतीय स्थानन रिपोर्टिंग मानकों (आईपीआरएस) के अनुसार, स्थानन प्रक्रिया के बारे में और अधिक जानकारी, जिसमें मुआवजे के बारे में विवरण शामिल है, एक लेखापरीक्षित रिपोर्ट में जारी किया जाएगा।

पूर्व-स्थानन प्रस्ताव (पीपीओ)

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के निष्पादन के आधार पर, 7 कंपनियों द्वारा 12 पूर्व-स्थानन प्रस्ताव दिए गए।

नए रिश्ते बनाना

उद्योग में पीजीपी-एफएबीएम कार्यक्रम की पहुँच को और मजबूत करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया था।

पीजीपी-एफ़एबीएम ग्रीष्मकालीन स्थानन (2024-26 बैच)

आईआईएम अहमदाबाद में खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफएबीएम) के 2024 बैच के लिए ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रक्रिया 15 नवंबर, 2024 को पूरी हो गई। संक्षिप्त सारांश **परिशिष्ट जी** पर उपलब्ध है।

पीजीपीएक्स अंतिम स्थानन 2024-25

158 प्रतिभागियों के साथ पीजीपीएक्स का 19वाँ बैच 29 मार्च, 2025 को स्नातक हुआ। पीजीपीएक्स स्थानन टीम ने प्रतिभागी और संभावित नौकरी/भूमिका के बीच तालमेल सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया। इससे नियुक्ति की एक बड़ी लहर और उच्च प्रभाव वाली भूमिका परिवर्तन में योगदान मिला।

पीजीपीएक्स प्लेसमेंट 25 नवंबर, 2024 से वेव प्रक्रिया के अनुसार शुरू हुआ और फिर रोलिंग आधार पर जारी रहा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को वेव और रोलिंग प्रक्रिया में मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए विचार किया गया।

इस स्थानन सीजन ने कई क्षेत्रों में भर्ती करने वालों के एक विविध समूह को आकर्षित किया है। इस वर्ष की भर्ती सूची में परामर्शदाता फर्म, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां, कंपनी संघ, स्वास्थ्य सेवा कंपनियां, बैंकिंग और वित्तीय संस्थान, ऊर्जा कंपनियां, ऑटोमोटिव और विनिर्माण क्षेत्र, स्टार्टअप और कई अन्य पहली बार भर्ती करने वाली कंपनियां शामिल थीं।

पीजीपीएक्स छात्रों के स्थानन के लिए हमारे पास आने वाली फर्मों में एक्सेंचर, एकॉर्डियन, आदित्य बिड़ला ग्रुप, आर्थर डी लिटिल, बीसीजी, एली लिली, सीआरआईएफ, सीएचएआई, डाटावर्क्स, इवाम लैब्स, एरिस लाइफसाइंसेज, ईवाई, फ्लिपकार्ट, फिनआईक्यू, इनोवर्व, इंडिजीन, टोरेंट फार्मा, हिंदुस्तान कोका कोला बेवरेजेस, इंफोसिस (यूरोप), हेक्सा क्लाइमेट, ओपन फाइनेंशियल टेक्नोलॉजीज, मास्टेक, मैकिन्से एंड कंपनी, पर्सिस्टेंट, आरपीजी ग्रुप, पीडब्ल्यूसी, विद्युत टेक, साई लाइफसाइंसेज, सन फार्मा, श्री मारुति लॉजिस्टिक्स और टीवीएस, डब्ल्यूएनएस और ज़िनटियो शामिल हैं।

डीपीएम स्थानन 2024-25 : एक सिंहावलोकन

इस शैक्षणिक वर्ष में स्नातक करने वाले 22 डीपीएम उम्मीदवारों में से सोलह या तो प्रतिष्ठित संगठनों में शैक्षणिक और कॉर्पोरेट पदों पर नियुक्त हो गए हैं या उन्हें वहां से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

विद्याविनियोगाद्विकासः

अकादमिक स्थानन

22 स्नातक डॉक्टरेट उम्मीदवारों में से, 13 आईआईएमए पीएचडी धारकों को देश भर के कई प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है। एक उम्मीदवार राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर), नई दिल्ली में एसोसिएट फेलो के रूप में शामिल हो गया है। एक अन्य स्नातक, जो वर्तमान में एक प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट एजेंसी में कार्यरत है, भारतीय प्रबंध संस्थान में से एक में विजिटिंग फैकल्टी सदस्य के रूप में भी काम कर रहा है।।

कॉर्पोरेट स्थानन

आईएमई क्षेत्र से एक पीएचडी धारक ईटीएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में साइकोमेट्रिशियन के रूप में शामिल हो गया है। इसके अलावा, एक अन्य छात्र ने मैडिसन वर्ल्ड के चेयरमैन कार्यालय में लीडरशिप ट्रेनी की भूमिका निभाई है।

अन्य स्थानन गतिविधियाँ/पहल

1. पीजीपी छात्रों से उन कंपनियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए आउटरीच अनुरोध फॉर्म जारी किया गया था, जिन्हें वे कैंपस में देखना चाहते थे। इस पहल का उद्देश्य छात्रों की भागीदारी को बढ़ाना और छात्रों की प्राथमिकताओं और प्लेसमेंट टीम के आउटरीच प्रयासों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करना था।
2. पीजीपी छात्रों को अपनी पसंदीदा फर्म चुनने में अधिक स्वायत्तता प्रदान करने के लिए उन्नत ड्रीम मैट्रिक्स लचीलापन पेश किया गया। ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रक्रिया के दौरान सपनों के अवसरों की संख्या में वृद्धि की गई, साथ ही एक क्लस्टर के भीतर अनुमत सपनों के आवेदनों की संख्या पर विस्तारित सीमा भी बढ़ाई गई।
3. दिव्यांग उम्मीदवारों की सहायता के लिए दिव्यांग (डीए) स्थिति प्रकटीकरण लचीलापन लागू किया गया, जिससे उन्हें अपनी पसंद की फर्म के समक्ष एक बार में अपनी दिव्यांग स्थिति का खुलासा करने का विकल्प प्रदान किया जा सके, जिससे अधिक समावेशी और सम्मानजनक प्लेसमेंट अनुभव सुनिश्चित हो सके।
4. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप डीब्रीफिंग सत्र द्वितीय वर्ष के पीजीपी और पीजीपी-एफएबीएम छात्रों द्वारा आयोजित किए गए थे, जिसका उद्देश्य प्रथम वर्ष के छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा किए जाने वाले संभावित डोमेन और भूमिकाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी देना था।
5. छात्र स्थानन समिति की उत्पादकता और पीजीपी और पीजीपी-एफएबीएम छात्रों की स्थानन प्रक्रिया की समग्र दक्षता बढ़ाने के लिए क्लाउड-आधारित सॉफ्टवेयर विक्रेता की सदस्यता लेकर स्थानन प्रक्रिया का स्वचालन किया गया।
6. संपर्क डेटाबेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए, टीम ने लीड जनरेशन को अनुकूलित किया और पीजीपी-एफएबीएम के लिए मौजूदा भर्तीकर्ता डेटाबेस को अपडेट किया।
7. पीजीपी-एफएबीएम छात्रों को करियर मार्गदर्शन प्रदान करने, उद्योग संबंधी जानकारी प्रदान करने और उनके भविष्य के करियर पथ को निर्धारित करने में सहायता करने के लिए पूर्व छात्रों द्वारा करियर सलाह और परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं।
8. पीजीपी-एफएबीएम स्थानन समिति ने स्थानन प्रक्रिया के दौरान छात्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए व्यक्तिगत सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया।
9. बैच की विविधता को ध्यान में रखते हुए, पीजीपीएक्स स्थानन समिति ने उम्मीदवारों की आकांक्षाओं के अनुरूप रोलिंग प्रक्रिया को अनुकूलित किया। उम्मीदवारों के लिए वांछित अवसर प्राप्त करने के लिए पूर्व छात्रों की नेटवर्किंग, वक्ता श्रृंखला, बैच के व्यक्तिगत संपर्कों का लाभ उठाया गया, साथ ही खुले बाजार में अवसरों की खोज की गई।
10. डॉक्टरेट छात्रों के लिए प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के प्रतिष्ठित प्रोफेसरों की भागीदारी वाले इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों का उद्देश्य छात्रों को सूचित और रणनीतिक करियर निर्णय लेने में सहायता करना था।

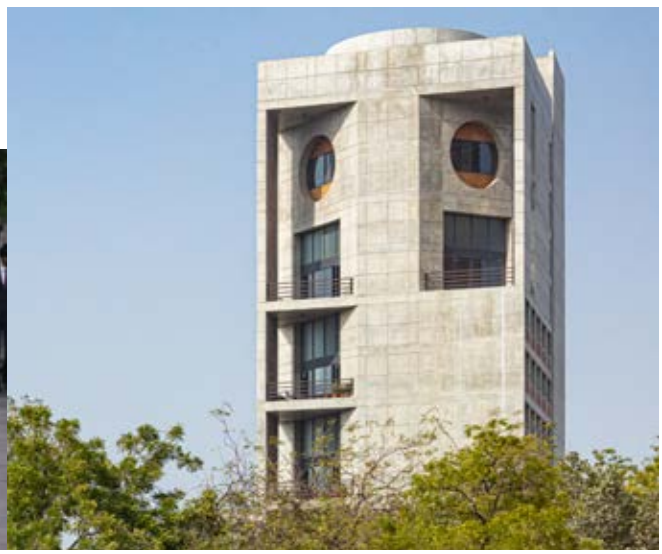

1.1.8 दीक्षांत समारोह

साठवाँ दीक्षांत समारोह 29 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया था। डॉ. एस. सोमनाथ, डॉ. विक्रम साराभाई प्रतिष्ठित प्रोफेसर और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ने दीक्षांत समारोह में भाषण दिया था।

दीक्षांत समारोह में, 22 डीपीएम कार्यक्रम के छात्रों को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की डिग्री से सम्मानित किया गया; 405 पीजीपी छात्रों को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री से सम्मानित किया गया; 45 पीजीपी-एफएबीएम छात्रों को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन) की डिग्री से सम्मानित किया गया; और 158 पीजीपीएक्स छात्रों को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री से सम्मानित किया गया।

निम्नलिखित छात्रों को शैक्षिक निष्पादन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया:

पीजीपी	पीजीपी-एफएबीएम	पीजीपीएक्स
अभि बंसल | इशान जैन | अंचल चड्ढा	योगेश कुमार आर	आश्रृत रंगराजन

1.1.9 सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम

सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम (एएफपी) आईआईएम अहमदाबाद का एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम हर वर्ष अक्टूबर से मार्च के दौरान (24 सप्ताह) चलाया जाता है, जिसे विशेष रूप से सशस्त्र सेना बलों के अधिकारियों को निर्देशों की केस-स्टडी पद्धति, कक्षा अध्ययन, व्यावसायिक प्रस्तुतियों और उद्योग यात्राओं के माध्यम से समकालीन वैश्विक प्रबंधन प्रथाओं को प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी शिक्षण पद्धति और कठोर पाठ्यक्रम कॉर्पोरेट करियर में सफलता के लिए आवश्यक विश्लेषणात्मक और प्रबंधकीय कौशल को सामने लाता है।

पहला एएफपी 2006 में पेश किया गया था। इसकी स्थापना के बाद से, लगभग 993 प्रतिभागियों ने आईआईएमए में एएफपी पूरा किया है।

वर्ष 2024-25 के लिए, एएफपी 07 अक्टूबर 2024 से 21 मार्च, 2025 तक आयोजित किया गया था। यह एएफपी का 18वाँ बैच था। इसमें 59 प्रतिभागी (12 वायु सेना, 12 नौसेना, 35 थल सेना से) थे, जिनमें 11 महिला अधिकारी और 10 सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल थे।

बैच का प्रथम सत्र अक्टूबर और नवंबर 2024 के महीनों में योजनाबद्ध किया गया था। टर्म II दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 तक और टर्म III फरवरी से मार्च 2025 तक था। कार्यक्रम का समापन 21 मार्च, 2025 को किया गया। छह महीनों में, प्रतिभागियों ने 29 पाठ्यक्रमों का अध्ययन किया, टर्म I में 11, टर्म II में 10 और टर्म III में 8।

उद्योग जगत से परिचय के लिए प्रतिभागियों ने 22 फरवरी, 2025 को अमूल डेयरी, आनंद का दौरा किया।

कार्यक्रम के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों और पूर्व छात्रों को प्रतिभागियों को संबोधित करने और अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

एएफपी स्थानन समिति स्थानन गतिविधियों का संचालन करती है, और संस्थान बुनियादी सुविधाएं प्रदान करता है।

1.1.10 प्रबंधन में संकाय (फैकल्टी) विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) एक लंबी अवधि का आवासीय कार्यक्रम है जो साल में एक बार आयोजित किया जाता है, जिसे विशेष रूप से प्रबंधन शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालय विभागों और प्रबंधन में प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रबंधन शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कौशल को उन्नत करना है। सन् 1979 में इसकी स्थापना के बाद से, 1100 से अधिक प्रतिभागियों ने आईआईएमए से एफडीपी पूरा किया है। इस कार्यक्रम ने भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभागियों को आकर्षित किया है, जिनमें नेपाल, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, इथियोपिया, सऊदी अरब और श्रीलंका जैसे देशों के प्रतिभागी शामिल हैं।

44वें एफडीपी का आयोजन दो समानांतर और अलग-अलग मॉड्यूल में किया गया, जो इस प्रकार है:

- 08 अप्रैल से 22 मई, 2024 तक शिक्षणशास्त्र और अनुसंधान विधियों में एफडीपी (मॉड्यूल 1)
- 08 अप्रैल से 01 जून, 2024 तक सामान्य प्रबंधन में एफडीपी (मॉड्यूल 2)

एफडीपी के मॉड्यूल 2 को चार साल के अंतराल के बाद 2024 में फिर से शुरू किया गया। सामान्य प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मॉड्यूल 2 की पाठ्यक्रम संरचना में परिचयात्मक पाठ्यक्रम शामिल हैं जो "आर्थिक पर्यावरण और नीति" से लेकर "विपणन प्रबंधन" तक के विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं। इसके अलावा, प्रतिभागियों को निम्नलिखित तीन उप-मॉड्यूल में से किसी एक को चुनना आवश्यक है जो प्रबंधन में समकालीन विषयों और प्रथाओं को कवर करता है:

- विपणन में विशेष विषय
- संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन में विशेष विषय
- सामान्य प्रबंधन में विशेष विषय (रणनीति, विश्लेषण, सार्वजनिक नीति, अर्थशास्त्र आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के पाठ्यक्रम शामिल हैं)

कार्यक्रम के मॉड्यूल 1 के लिए 51 प्रतिभागी (नेपाल से 3) और मॉड्यूल 2 के लिए 22 प्रतिभागी थे।

गहन नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा, प्रतिभागियों को प्रबंधन शिक्षण और अनुसंधान पर अत्याधुनिक विषयों का अवलोकन प्रदान करने वाले अतिथि सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने इफको, कलोल का एक क्षेत्रीय दौरा भी किया - जो नैनोफर्टिलाइजर "नैनो डीएपी" का उत्पादन करने वाली अपनी तरह की दुनिया की पहली सुविधा है।

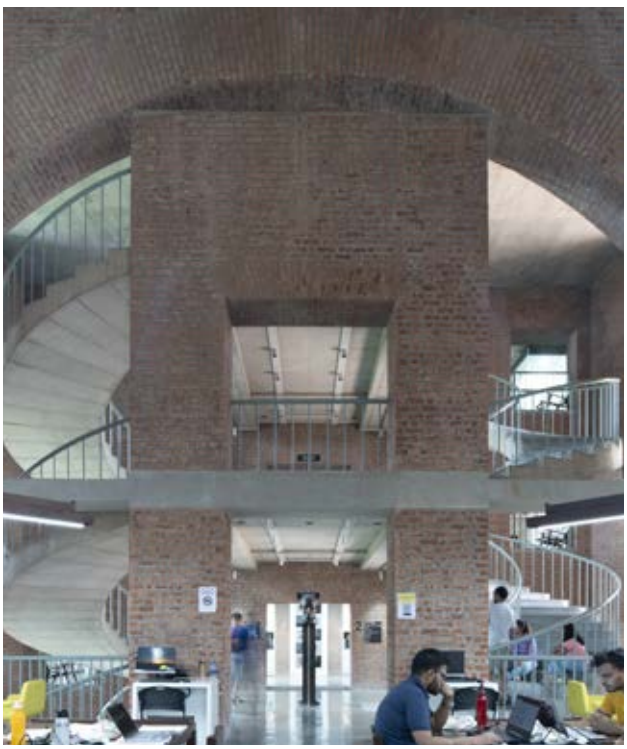

1.2 अनुशासनात्मक विषय-क्षेत्र

बारह अनुशासनात्मक विषय-क्षेत्र हैं - कृषि प्रबंधन केंद्र (सीएमए), संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, संचालन एवं निर्णय विज्ञान, सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी), रवि जे. मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र (आरजेएमसीईआई) और रणनीति - जो कार्यक्रमों में विभिन्न अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

1.2.1 कृषि प्रबंधन केंद्र (सीएमए)

कृषि प्रबंधन केंद्र (सीएमए) संस्थान का एक अंतर-विषयक अनुसंधान केंद्र है जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में व्यावहारिक, नीति और समस्या-समाधान अनुसंधान में लगा हुआ है। केंद्र इन विभागों/क्षेत्रों में शिक्षण, प्रशिक्षण और परामर्श गतिविधियों में भी शामिल है। केंद्र में सात प्राथमिक और छह माध्यमिक संकाय सदस्य हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

सीएमए का भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएएफडब्ल्यू) के साथ घनिष्ठ संबंध बना हुआ है और वह लगातार कृषि और संबद्ध क्षेत्र के विकास और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर मंत्रालय के लिए अनुसंधान अध्ययन करता है तथा सरकार को नीति विश्लेषण और सलाह प्रदान करता है।

कार्यरत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

1. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के प्रभाव पर विशेष जोर देने के साथ भारत में बाजरा मूल्य श्रृंखला का विस्तृत विश्लेषण
2. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के लिए व्यापक प्रभाव आकलन अध्ययन
3. "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई)" योजना का समवर्ती फीडबैक सर्वेक्षण

शिक्षण

सीएमए संकाय संस्थान के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए), खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए-एफएबीएम), प्रबंधन डॉक्टरेट कार्यक्रम (डीपीएम), कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए-पीजीपीएक्स), प्रबंधन में उन्नत व्यवसाय विश्लेषिकी ई-मोड स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (ईपीजीडी-एबीए) और कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम (ईईपी) शिक्षण में शामिल हैं। पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

2024-25 के दौरान सीएमए संकाय द्वारा पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

एमबीए-एफ़एबीएम, एमबीए, एमबीए-पीजीपीएक्स

मुख्य पाठ्यक्रम (एमबीए-एफएबीएम)	
कृषि से परिचय (आईए)	कृषि वित्त (एएफ)
ग्रामीण, सामाजिक और संस्थागत वातावरण (आरयूएसआईई)	कृषि व्यवसाय उद्यमिता (एबीई)
रणनीतिक खाद्य विपणन (एसएफएम)	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (एमबीए, एमबीए-एफएबीएम और एमबीए-पीजीपीएक्स)	
मूल्य श्रृंखला प्रबंधन - कृषि व्यवसाय में अनुप्रयोग (वीसीएम)	कृषि व्यवसाय नेतृत्व (एबीएल)
कृषि और खाद्य नीति (एएफपी)	शोध यात्रा (एसवाई)
सीआईएनई: मितव्ययी नवाचारों के लिए समुदायों और निगमों को जोड़ना (सीआईएनई)	कृषि व्यवसाय परियोजनाओं का प्रबंधन (एमएबीपी)
कृषि के लिए बिक्री और वितरण प्रबंधन (एसडीएमए)	कृषि-खाद्य बाजार और मूल्य निर्धारण (एएफएमपी)
अनुबंध खेती का प्रबंधन (एमसीएफ)	कृषि व्यवसाय रणनीति (एबीएस)
कृषि-खाद्य व्यापार का प्रबंधन (एमएएफटी)	भूमि और कृषि व्यवसाय का मूल्यांकन (वीएलए)

ईपीजीडी-एबीए

कैपस्टोन मॉड्यूल	

डीपीएम (कृषि)

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
कृषि मूल्य श्रृंखला प्रबंधन एवं विकास (एवीसीएमडी)	कृषि प्रबंधन - II (एएम-II)
कृषि प्रबंधन - I (एएम-I)	कृषि विकास नीति (एडीपी)
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
नए संस्थागत अर्थशास्त्र की नींव (एफएनआईई)	खाद्य और कृषि के लिए अनुप्रयुक्त सूक्ष्मअर्थशास्त्र (एएमएफए)

प्रकाशन

कृषि-आर्थिक नीति संक्षिप्त विवरण एवं कृषि-आर्थिक चेतावनी

केंद्र ने वर्ष के दौरान कृषि आर्थिक अलर्ट प्रकाशित किए। विभिन्न कृषि आर्थिक अनुसंधान इकाइयों/केंद्रों (एईआरयू/सी) के शोध अध्ययन समन्वयकों के योगदान को इस अंक में शामिल किया गया है।।

सम्मेलन/ कार्यशालाएँ /सेमिनार

हनी बी नेटवर्क ने गुजरात ग्रासरूट्स इनोवेशन ऑग्मेंटेशन नेटवर्क (जीआईएएन) और सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड इनिशिएटिव्स फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज एंड इंस्टीट्यूशंस (सृष्टि) के साथ मिलकर आईआईएमए में कृषि प्रबंधन केंद्र के सहयोग से 28-30 जनवरी, 2025 के दौरान आईआईएम अहमदाबाद में ग्रासरूट्स में रचनात्मकता और नवाचार पर पाँचवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन [आईसीसीआईजी] आयोजित किया।

विश्व भर से प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया और विभिन्न क्षमताओं पर योगदान दिया।

सम्मेलन का उद्देश्य नीति निर्माताओं और स्थानीय/वैश्विक समुदायों और नेटवर्क द्वारा विचारों, संस्थानों और पहलों के जमीनी और वैश्विक फलक से अंतर्दृष्टि एकत्र करके समावेशी और सहानुभूतिपूर्ण नवाचारों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समृद्ध करना था। सम्मेलन का उद्देश्य ज्ञान को बढ़ाने और रचनात्मक विचारों, नवाचारों और शोध कार्य और विश्लेषण को फैलाने की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर के नवोन्मेषकों, विशेषज्ञों, योजनाकारों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाना था।

सम्मेलन के आठ मुख्य विषय थे: जमीनी स्तर के लिए/से तकनीकी नवाचार, शैक्षिक नवाचार, संस्थागत परिवर्तन (औपचारिक या अनौपचारिक क्षेत्र, वैश्विक कॉमन्स के अलावा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आम संपत्ति संसाधन प्रबंधन), सांस्कृतिक रचनात्मकता, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, समावेशी नवाचार के लिए सार्वजनिक नीति, महिलाओं के लिए/द्वारा नवाचार, विचार से बाजार तक: नवाचार, निवेश, उद्यम। अनौपचारिक ज्ञान प्रणालियों के साथ औपचारिक संस्थागत विज्ञान और प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रणालियों के मिश्रण को उजागर करने के लिए विशेष प्रयास किए गए।

आईआईएमए के प्रतिष्ठित संकाय, शोध विद्वानों को मुख्य सत्रों के लिए आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्होंने प्रतिभागियों के साथ अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में पेपर प्रस्तुतियाँ, पोस्टर प्रस्तुतियाँ, पैनल चर्चाएँ और खुला मंच चर्चाएँ भी शामिल थीं। बौद्धिक चर्चा के अलावा, नेटवर्किंग के अवसर, सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ और जमीनी स्तर की रचनात्मकता और नवाचार से संबंधित कलात्मक जुड़ाव भी थे।

1.2.2 संचार

शिक्षण

पीजीपी/पीजीपी-एफ़एबीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
प्रबंधकीय संचार	साक्षात्कार और प्रस्तुतियों पर कार्यशाला
लिखित विश्लेषण और संचार-I	लिखित विश्लेषण और संचार-II
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार	प्रबंधकों के लिए प्रेरक अंतर्दृष्टि
टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल	रणनीतिक कहानी कथन
कठिन संचार	अंतर-सांस्कृतिक संचार

पीजीपीएक्स

अनिवार्य पाठ्यक्रम
प्रबंधन संचार
ऐच्छिक पाठ्यक्रम
प्रेरक प्रबंधक
रणनीतिक संचार

बीपीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
प्रभावी संचार के लिए रणनीतियाँ	वीयूसीए के विश्व में संचार करना

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम
प्रबंधन शिक्षकों के लिए संचार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

विजयी बढ़त : अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ
अग्रणियों के लिए कहानी कथन के उपकरणों की गठरी खोलना
लोगों को साथ लेकर चलना
रणनीतिक संचार

अनुसंधान और प्रकाशन

क्षेत्र के सदस्य अनुसंधान, प्रकाशन और प्रशासनिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। उनके शिक्षण और अनुसंधान की रुचि प्रबंधकीय और कॉर्पोरेट संचार, प्रतिष्ठा प्रबंधन, सोशल मीडिया, रणनीतिक संचार, लैंगिक मुद्दे, अंतरसांस्कृतिक संचार और समाज एवं संस्कृति में है।

1.2.3 अर्थशास्त्र

शिक्षण

पीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
समष्टि अर्थशास्त्र और नीति	व्यष्टि अर्थशास्त्र
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
व्यवहारिक और प्रायोगिक अर्थशास्त्र	संगठन का अर्थशास्त्र
वैश्विक वित्त और व्यापार	पांच शताब्दियों में व्यापार और अर्थव्यवस्थाओं के लिए सहयात्री की मार्गदर्शिका
प्रबंधकीय अर्थमिति	मौद्रिक सिद्धांत और नीति
विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक नीति	स्वास्थ्य तकनीक प्रबंधन की अनिवार्यताएँ
लिंग और कार्य	खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
रियल एस्टेट प्रबंधन	नीलामी और बाजार डिजाइन
आर्थिक विकास नीति और वृद्धि	खाद्य गुणवत्ता का अर्थशास्त्र
प्राचीन भारत से आर्थिक विचार	स्वास्थ्य अर्थशास्त्र
शहरी अर्थव्यवस्था और व्यावसायिक वातावरण	विश्व अर्थव्यवस्था: व्यापार, सरकार और नीति

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
अर्थशास्त्रियों के लिए गणित	व्यष्टि अर्थशास्त्र - I
व्यष्टि अर्थशास्त्र - II	समष्टि अर्थशास्त्र - I
समष्टि अर्थशास्त्र - II	अर्थमिति-I
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
वैश्विक व्यापार और आर्थिक इतिहास	उन्नत अर्थमिति
अनुप्रयुक्त वित्तीय अर्थशास्त्र	कम्प्यूटेशनल अर्थशास्त्र
विकास अर्थशास्त्र: सूक्ष्म आधार	संगठनात्मक अर्थशास्त्र
समय श्रृंखला विश्लेषण	नए संस्थागत अर्थशास्त्र की नींव
नेटवर्क और सामाजिक संपर्क	अनुप्रयुक्त खेल सिद्धांत
डेटा एनवेलपमेंट विश्लेषण	मतभेदों में अंतर

पीजीपीएक्स

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
फर्म और बाज़ार	खुली अर्थव्यवस्था समष्टि अर्थशास्त्र
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
खेल सिद्धांत और प्रयोग	व्यापार, सरकार एवं स्थूल नीति
पाँच शताब्दियों में व्यापार और अर्थव्यवस्थाओं के लिए हिचिकर की मार्गदर्शिका	

एफ़डीपी

ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
आर्थिक वातावरण और नीति	रणनीतिक निर्णय लेने के लिए खेल सिद्धांत

एएफ़पी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
भारतीय अर्थव्यवस्था	समष्टि अर्थशास्त्र
व्यष्टि अर्थशास्त्र	

बीपीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र

ईपीजीडी-एबीए पाठ्यक्रम

समय श्रृंखला विश्लेषण	पैनल डेटा विश्लेषण
नेटवर्क विश्लेषण	

सेमिनार / संगोष्ठी के विवरण

सेमिनारों/संगोष्ठियों का विवरण			
क्रमांक	दिनांक	वक्ता का नाम	विषय
सेमिनार			
1.	18 दिसंबर, 2024	प्रशांत भारद्वाज	सांख्यिकीय भेदभाव और मेहनताना का वितरण
2.	30 जनवरी, 2025	प्रगति प्रिया	मौद्रिक नीति और ऋण आपूर्ति के आघातों का फर्म निवेश व्यवहार पर प्रभाव: मूर्त बनाम अमूर्त
3.	13 मार्च, 2025	प्रियोमा मुस्तफी	घर में सूचना एकत्र करना: विशेषज्ञता की भूमिका
4.	18 मार्च, 2025	योगेश्वर भारत	वित्तीय दमन, जमा दर विनियमन और बैंक बाजार शक्ति
5.	28 मार्च, 2025	मौमिता रॉय	स्पिलओवर के साथ संघर्ष में शांति प्राप्त करना

1.2.4 वित्त एवं लेखाकरण

शिक्षण

वित्त और लेखाकरण विषय-क्षेत्र ने आईआईएमए द्वारा पेश किए जाने वाले लंबी अवधि के कार्यक्रमों में कई पाठ्यक्रम पेश किए। क्षेत्र के संकाय क्षेत्र और अन्य आईआईएमए संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल थे और विभिन्न संस्थानों को परामर्श सेवाएँ भी प्रदान करते थे। क्षेत्र के संकाय अनुसंधान करने में सक्रिय रूप से शामिल थे और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई शोधपत्र प्रकाशित किए। इस विषय-क्षेत्र के पाठ्यक्रमों की विस्तृत सूची नीचे दी गई है:

पीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
वित्तीय लेखा, रिपोर्टिंग और विश्लेषण (एफआरए)	वित्तीय बाज़ार (एफएम)
लागत और नियंत्रण प्रणाली (सीसीएस)	कॉर्पोरेट वित्त (सीएफ)
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
कंपनियों का मूल्यांकन (वीओएफ)	वित्तीय विवरण विश्लेषण (एफएसए)
वेंचर निवेश (वीआई): एक निधि परिप्रेक्ष्य (वीआई)	वैश्विक वित्त और व्यापार (जीएफटी - संयुक्त रूप से पेश एफएंडए और अर्थशास्त्र विषय-क्षेत्र)
रियल एस्टेट निवेश का मूल्यांकन (वीआरईआई)	निश्चित आय प्रतिभूतियाँ (एफआईएस)
वैकल्पिक निवेश (एआई)	परिसंपत्ति प्रबंधन (एएम)
वित्त विश्लेषिकी (एफ़ए)	कॉर्पोरेट वित्तीय रणनीति (सीएफएस)
परिसंपत्ति समर्थित प्रतिभूतिकरण (एबीएस)	वित्त में अनुकूलन विधियाँ (ओएमएफ)
अनुप्रयुक्त मूल्य निवेश (एवीआई)	वित्तीय व्युत्पन्न (एफडी)
वित्तीय जोखिम प्रबंधन (एफआरएम)	विलय, अधिग्रहण और कॉर्पोरेट पुनर्गठन (एमएसीआर)
ब्लैक स्वान और ग्रे राइनोज़: वित्तीय संकट के तहत प्रबंधन (बीएसजीआर)	गैर-सूचीबद्ध इक्विटी और धैर्यवान पूंजी (यूईपीसी)
वित्त की नींव (एफएफ)	व्यक्तिगत वित्त और धन प्रबंधन (पीएफ़डब्ल्यूएम)
स्टार्ट-अप का विश्लेषण (एएस)	अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग (आईएनबी)
प्रतिभूति विनियमन (एसआर)	बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ (बीएफएस)
अंतर्राष्ट्रीय वित्त (आईएफ)	कॉर्पोरेट प्रशासन (सीजी)
वित्तीय सेवाओं में एआईएमएल (एआईएमएल-एफएस)	

पीजीपी-एफएबीएम

ऐच्छिक पाठ्यक्रम
कमोडिटी बाज़ार: व्यावसायिक निर्णयों और निवेशों के लिए निहितार्थ (आईबीडीआई)
भूमि और कृषि व्यवसाय का मूल्यांकन (वीएलए)

पीजीपीएक्स

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण (एफआरए)	कॉर्पोरेट वित्त (सीएफ)
रणनीतिक लागत प्रबंधन (एससीएम)	वित्तीय बाज़ार (एफएम)
संगठनात्मक निष्पादन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स (एमसीएमओपी)	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
वित्तीय विवरण विश्लेषण (एफएसए)	रियल एस्टेट बाजार (आरईएम)
कॉर्पोरेट वित्तीय रणनीति (सीएफ़एस)	नया उद्यम वित्तपोषण (एनवीएफ)
अंतर्राष्ट्रीय वित्त (आईएफ)	नई अर्थव्यवस्था कंपनियों का मूल्यांकन (वीएनईएफ)
निवेश को रहस्यमय बनाना - निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी वित्तपोषण (पीईवीसी)	

बीपीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
वित्तीय लेखांकन, रिपोर्टिंग और विश्लेषण (एफआरए)	वित्तीय बाजार (एफएम)
लागत निर्धारण और नियंत्रण प्रणाली (सीसीएस)	कॉर्पोरेट वित्त (सीएफ)

ईपीजीडी-एबीए

वित्तीय विश्लेषिकी (एफए)	

एएफ़पी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण (एफ़आरए)	लागत प्रबंधन (सीएम)

एफ़डीपी

ऐच्छिक पाठ्यक्रम
वित्तीय और प्रबंधन लेखांकन के मूल सिद्धांत (एफएफएमए)

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
वित्त की नींव (एफओएफ)	लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान (ईएसीजी)
अनुभवजन्य लेखांकन अनुसंधान (ईएआर - अनिवार्य + वैकल्पिक)	अनुभवजन्य परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (ईएपी)
परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (एपी)	कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम (एससीसीएफ)

ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
बाजार सूक्ष्म संरचना (एमएम)	उभरते बाजारों में कॉर्पोरेट वित्त (सीएफईएम)
कॉर्पोरेट वित्त में अनुभवजन्य तरीके (ईएमसीएफ)	वित्तीय संकट का अर्थशास्त्र (ईएफसी)
व्यवहार वित्त पर सेमिनार पाठ्यक्रम (एससीबीएफ)	गणितीय वित्त (एमएफ)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

अनुभवी वित्त व्यवसायियों और चार्टर्ड एकाउंटेंट के लिए प्रबंधन और वित्त	रणनीतिक व्यावसायिक निर्णय के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल विकसित करना
व्यवसाय का वित्तीय विश्लेषण	रणनीतिक लागत प्रबंधन
विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन	वित्तीय जोखिम प्रबंधन
व्यवसाय वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम	स्टार्टअप का प्रबंधन
धन प्रबंधन और वैकल्पिक निवेश	बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं में नेतृत्व विकास कार्यक्रम
कानूनी पेशेवरों के लिए वित्तीय विश्लेषण और मूल्यांकन	भारतीय इक्विटी डेरिवेटिव्स को समझना
बीएलपी - वित्तीय रिपोर्टिंग और कॉर्पोरेट प्रशासन	बीएलपी - मात्रात्मक वित्त में उन्नत प्रमाणपत्र: डेरिवेटिव्स मूल्य निर्धारण, मशीन लर्निंग और जोखिम प्रबंधन
बीएलपी - वित्तीय योजना और निवेश सलाहकार सेवाओं में कार्यकारी कार्यक्रम	

1.2.5 मानव संसाधन प्रबंधन

शिक्षण

पीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
मानव संसाधन प्रबंधन-I	मानव संसाधन प्रबंधन-II
सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)	प्रतिभा और योग्यता प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
लोगों द्वारा खेले जाने वाले खेल: एचआरएम का मनोविज्ञान	व्यापार टर्नअराउंड और संगठनात्मक परिवर्तन
सेवा प्रबंधन	जन विश्लेषिकी
परियोजनाओं में मानव पूंजी का प्रबंधन	सीईओ बनाना
अग्रणी डिजिटल परिवर्तन	भगवद गीता को समझना: कर्मचारियों की भूमिका और निष्पादन
व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमताओं को उन्मुक्त करना: सकारात्मक संगठनात्मक छात्रवृत्ति (पीओएस) और योग	

पीजीपी-एफएबीएम

दक्षताओं का विश्लेषण और निर्माण

बीपीजीपी

मानव संसाधन प्रबंधन-I	मानव संसाधन प्रबंधन-II

एएफ़पी

मानव संसाधन प्रबंधन	अग्रणी डिजिटल परिवर्तन

एफ़डीपी

मानव संसाधन प्रबंधन	समकालीन मानव संसाधन प्रबंधन अनुसंधान पर परिप्रेक्ष्य

पीजीपीएक्स

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
भगवद गीता को समझना: प्रबंधकीय दृष्टिकोण	जन विश्लेषिकी
बातचीत प्रयोगशाला	उच्च प्रदर्शन वाले संगठन बनाना
सेवा प्रबंधन	डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करना
व्यक्तिगत और संगठनात्मक संभावनाओं को उजागर करना	भ्रामक करियर में बढ़ना: व्यक्तिगत और संगठनात्मक परिप्रेक्ष्य

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
मानव संसाधन प्रबंधन में फाउंडेशन कोर्स	मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान का आधार-I
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
ज्ञान, संगठनात्मक शिक्षा और नवाचार	मानव संसाधन प्रबंधन में गुणात्मक तरीके
मानव संसाधन प्रबंधन: व्यापक परिप्रेक्ष्य	संगठन, उच्च-प्रदर्शन कार्य प्रणालियाँ, और कल्याण: एक सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य
कार्य का भविष्य: मानव संसाधन और ईआर निहितार्थ	एचआरएम में गुणात्मक तकनीकें
अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन	

IIMA
विद्याविनियोगाद्विकास:

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व पाइपलाइन का प्रबंधन	प्रबंधकीय प्रभावशीलता
रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन	उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
सेवा क्षेत्र की फर्मों का प्रभावी प्रबंधन	मानव संसाधन विश्लेषण
मानव संसाधन लेखा परीक्षा- रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन के लिए आधार तैयार करना	बिक्री बल प्रदर्शन को बढ़ाना
डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करना	भगवद गीता को समझना: नेतृत्व उत्कृष्टता की ओर एक यात्रा
रणनीतिक नेतृत्व का मनोविज्ञान: युवा महिला कार्यक्रम	

1.2.6 सूचना प्रणाली

शिक्षण

पीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
प्रबंधकीय कंप्यूटिंग	सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसाय में परिवर्तन
इंटरनेट - सक्षम व्यवसाय	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
डेटा माइनिंग और बिजनेस इंटेलिजेंस	डिजिटल उत्पाद, प्लेटफ़ॉर्म, व्यवधान और परिवर्तन
सोशल मीडिया में टैपिंग	बिग डेटा एनालिटिक्स
निर्णय लेने के लिए डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	डिजिटल परिवर्तन
डिजिटल उत्पादों का विकास और प्रबंधन	

बीपीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम
प्रबंधकीय कंप्यूटिंग

एएफ़पी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
प्रबंधकीय कंप्यूटिंग	प्रबंधन सूचना प्रणालियाँ

डीपीएम

एक्सेल वर्कशॉप	नेटवर्क और वितरित प्रणाली
डेटा संरचनाएँ और प्रोग्रामिंग	डेटाबेस प्रबंधन तंत्र
सिस्टम विश्लेषण और डिज़ाइन	सूचना प्रणाली के लिए रूपरेखा
सूचना प्रौद्योगिकी के संगठनात्मक प्रभाव	खोजपूर्ण डेटा विज़ुअलाइज़ेशन
ऑनलाइन पाठ और विश्लेषण पर सेमिनार	डेटा माइनिंग एल्गोरिदम और अनुप्रयोग
डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में सूचना प्रणाली अनुसंधान	मल्टी-मोडल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नींव

ईपीजीडी-एबीए

विश्लेषण और संचार के लिए डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	बिग डेटा प्रबंधन
बिग डेटा के साथ मशीन लर्निंग	बिग डेटा एनालिटिक्स: टेक्स्ट और सोशल मीडिया डेटा का विश्लेषण

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

एक प्रभावी सीआईओ बनना	आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन
डिजिटल परिवर्तन: रणनीतियाँ और व्यवसाय मॉडल	डेटा-संचालित संगठन के लिए प्रभावी डेटा विज़ुअलाइज़ेशन
एआई और एनालिटिक्स के माध्यम से नेताओं के लिए रणनीतिक निर्णय लेना	वित्तीय प्रौद्योगिकी और वित्तीय विश्लेषण में उन्नत कार्यक्रम (एपीएफटीएफए-बीएल01)
त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम - बैच 14	

1.2.7 विपणन

शिक्षण

पीजीपी/पीजीपी-एफएबीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
मार्केटिंग-I	मार्केटिंग-II
मार्केटिंग-III	व्यवसाय अनुसंधान विधियाँ
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
पिरामिड मार्केट का निचला भाग	विपणन लक्जरी
विपणन अनुसंधान और सूचना प्रणाली	बिक्री के लिए नहीं: प्रचार का मनोविज्ञान
सेमिओटिक्स: मीडिया और ब्रांड संचार के लिए रणनीतियाँ	रणनीतिक विपणन
ब्रांड प्रबंधन	उपभोक्ता व्यवहार
डिजिटल विपणन	गेमिफिकेशन: बेहतर ग्राहक अनुभव डिजाइन करना
एकीकृत विपणन संचार प्रबंधन	बिक्री बल का नेतृत्व और प्रबंधन
ओमनीचैनल दुनिया में आधुनिक खुदरा प्रबंधन	मोबाइल विपणन - विकास के लिए मानसिकता में बदलाव
डिज़ाइन आधारित विपणन प्रणाली	नया उत्पाद विकास

पीजीपीएक्स

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
ग्राहक मूल्य का आकलन और निर्माण	ग्राहक मूल्य प्रदान करना और प्रबंधित करना
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
उन्नत विपणन अनुसंधान और विश्लेषण	डिजिटल विपणन
बिक्री बल का नेतृत्व और प्रबंधन	रणनीतिक विपणन
एकीकृत विपणन संचार प्रबंधन	नए उत्पाद विकास और प्रबंधन
ग्राहक आधारित व्यवसाय रणनीति	मोबाइल विपणन - विकास के लिए मानसिकता में बदलाव
बिक्री के लिए नहीं: प्रचार का मनोविज्ञान	जेनएआई और विपणन
राजस्व नेतृत्व के लिए रणनीतियाँ	

ईपीजीडी-एबीए

अनिवार्य पाठ्यक्रम
विपणन विश्लेषिकी

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
विपणन रणनीति	विपणन में मात्रात्मक मॉडल पर सेमिनार
विपणन सिद्धांत और समकालीन मुद्दे	विपणन प्रबंधन में रीडिंग सेमिनार
विपणन में व्यवहार विज्ञान अनुप्रयोग	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
उपभोक्ता व्यवहार	बीओपी के लिए व्यावसायिक रणनीतियों पर सेमिनार
संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग	प्रयोग करके सीखना

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

आघात, विकल्प और बिक्री प्रबंधन	बी2बी मार्केटिंग
अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में जीत के लिए रणनीतियाँ (एसडब्ल्यूआईएम)	बिक्री बल प्रदर्शन को बढ़ाना
वर्तमान युग में ब्रांड का निर्माण और प्रबंधन	

अनुसंधान एवं प्रकाशन

आईआईएमए में विपणन क्षेत्र एक जीवंत क्षेत्र है और हाल के वर्षों में सभी आयामों में फला-फूला है। इस क्षेत्र में ग्यारह प्राथमिक सदस्य और 7 द्वितीयक सदस्य हैं। विपणन क्षेत्र के संकाय की शोध में व्यापक रुचि है और वे केस लेखन में भी सक्रिय हैं। 2024-25 में, विपणन क्षेत्र ने आईआईएमए में शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों और शैक्षणिक प्रशासन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शोध के संदर्भ में, इस क्षेत्र ने 2एफटी50 जर्नल पेपर (एक उपलब्धि जो यह क्षेत्र लगातार कर रहा है) और 2 पेपर को अत्यधिक प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में स्वीकृति/प्रकाशन के साथ योगदान दिया है। शिक्षण के संदर्भ में, इस क्षेत्र ने पीजीपी (किसी भी क्षेत्र द्वारा शुरू किए गए सबसे अधिक संख्या में वैकल्पिक विषयों में से एक), पीजीपीएक्स और डीपीएम कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वैकल्पिक विषयों की पेशकश की है। इस क्षेत्र ने कार्यकारी शिक्षा में बहुत सारे खुले और अनुकूलित कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। मार्केटिंग क्षेत्र में ऐसे संकाय सदस्य हैं जो केस लेखन में सक्रिय हैं, और यह आईआईएमए केस केंद्र में क्षेत्र के संकाय द्वारा प्रकाशित दस से अधिक मामलों से स्पष्ट है। क्षेत्र उपलब्धियों और उत्कृष्टता के एक और वर्ष की प्रतीक्षा कर रहा है।

1.2.8 संगठनात्मक व्यवहार

शिक्षण

पीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
प्रवेश	व्यक्तिगत गतिशीलता
पारस्परिक और समूह प्रक्रियाएँ	संगठनात्मक गतिशीलता
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
भूमिका और पहचान में अन्वेषण	उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमें: एक यात्रा
बातचीत की रणनीति	भारत में वैश्विक उत्पाद नेटवर्क: उचित कार्य और विविधता
खुशी: स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और प्रामाणिक जीवन (एचईएएल)	काम पर रचनात्मक स्व
आंतरिक रंगमंच: स्वयं के साथ एक मुठभेड़	नेतृत्व कौशल

डीपीएम

मनोविज्ञान I और II	माइक्रो ओबी I और II
संगठनात्मक संरचना और प्रक्रियाएँ	संगठनात्मक सिद्धांत और इसका सामाजिक संदर्भ
गुणात्मक अनुसंधान के तरीके: डेटा एकत्र करना और उसका विश्लेषण करना	अनुसंधान का निर्माण एवं प्रकाशन
सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उन्नत विषय	संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग
संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग में उन्नत विषय	संगठनात्मक व्यवहार के भीतर अनुसंधान दृष्टिकोण
प्रबंधन में अनुसंधान के लिए सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ	अनुसंधान पद्धति II
संगठनात्मक विकास सिद्धांत और अभ्यास	संगठनात्मक परिवर्तन के भीतर चुनिंदा बहसों की आगेकूच

पीजीपीएक्स

अभिविन्यास	ओबी मॉड्यूल I और II
नेतृत्व कौशल	प्रदर्शन की क्षमता : आत्म-जागरूकता की यात्रा
प्रबंधकों के लिए बातचीत की रणनीति	आंतरिक रंगमंच : स्वयं से द्वंद्व
खुशी की खोज: एचईएएल सिद्धांतों में महारत हासिल करना	

एफ़डीपी

व्यवहार की समझ	संगठनात्मक व्यवहार में समकालीन विषय: शिक्षण और अनुसंधान

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

लीप उद्यमियों का मेंटरिंग बोर्ड	खुशी : एचईएएल सिद्धांतों में महारत हासिल करना
क्लाइम्ब: नेतृत्व परिवर्तन के लिए क्षमता निर्माण	शीलीड्स: महिला नेतृत्व कार्यक्रम
संगठनों में "स्वयं" का प्रबंधन: व्यक्तिगत परिवर्तन और विकास की ओर	पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण

इस अवधि के दौरान कई क्षेत्रीय संकाय सदस्यों ने विभिन्न संगठनों को कई अनुकूलित इन-कंपनी कार्यक्रम और अन्य व्यवसायी परामर्श सेवाएँ भी प्रदान कीं।

1.2.9 संचालन एवं निर्णय विज्ञान

शिक्षण

पीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
गणित प्रारंभिक पाठ्यक्रम	संचालन प्रबंधन I
मात्रात्मक विधियाँ -1ए	मात्रात्मक विधियाँ -1बी
संचालन प्रबंधन - II	मात्रात्मक विधियाँ - 2
संचालन प्रबंधन - III	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
हाथी और चीता: प्रणाली, रणनीति और बाधाएँ	विनिर्माण डिजाइन और रणनीति
बाज़ार और प्लेटफ़ॉर्म: अंतर्दृष्टि प्राप्त करना, बातचीत का आयोजन करना	साझेदारी और गठबंधन
राजस्व प्रबंधन और विश्लेषिकी	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
आधुनिक अनुप्रयुक्त प्रतिगमन विधियाँ	संचालन रणनीति
रसद में अनुकूलन विधियाँ	डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियाँ
सेवा प्रबंधन	व्यवसाय विश्लेषिकी

पीजीपी-एफ़एबीएम

ऐच्छिक पाठ्यक्रम
खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
डेटा विश्लेषण	माँग को पूरा करने के लिए संचालन डिजाइन करना
निर्णयों के लिए मॉडलिंग	सेवा स्तर निर्धारित करना और वितरित करना
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
व्यवसाय के लिए डेटा विज्ञान	सेवा प्रबंधन
हाथी और चीता: प्रणाली, रणनीति और बाधाएँ	व्यवसाय विश्लेषिकी
रसद प्रबंधन	

ईपीजीडी-एबीए

पूर्व-सत्र पाठ्यक्रम: वीडियो व्याख्यान	
आर का परिचय	पायथन का परिचय
बुनियादी सांख्यिकी एवं संभाव्यता	बुनियादी रैखिक बीजगणित
मॉड्यूल पाठ्यक्रम	
बायेसियन विश्लेषण	व्यापार अनुकरण
श्रेणीबद्ध डेटा विश्लेषण	मॉडल सोच
अरेखीय अनुकूलन	व्यवसाय में अनुकूलन समस्याएँ
आर एवं पायथन का उपयोग कर संभाव्यता एवं सांख्यिकी	प्रतिगमन विश्लेषण
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
संचालन विश्लेषिकी	
ओएवंडीएस संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तावित/संचालित कैपस्टोन परियोजनाएँ	
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए आईपीएल खिलाड़ी का चयन	एक रेस्तरां श्रृंखला के लिए मांग पूर्वानुमान पर एक परियोजना
ड्राइवर बीमा: ड्राइवर व्यवहार के आधार पर व्यक्तिगत प्रीमियम	ईकॉमर्स लेनदेन में धोखाधड़ी की भविष्यवाणी
विपणन अनुसंधान सहायक	

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
उन्नत संभावना	रेखीय बीजगणित
गणित (डीपीएम-I अनिवार्य पाठ्यक्रम डीपीएम क्षेत्र के अंतर्गत आता है)	संचालन प्रबंधन
संचालन अनुसंधान	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
अनुप्रयुक्त प्रतिगमन विश्लेषण	उत्तलता और अनुकूलन
ग्राफ सिद्धांत	बड़े पैमाने पर अनुकूलन
गैर-रैखिक अनुकूलन	कतारबद्ध मॉडल
वास्तविक विश्लेषण	सांख्यिकी II (एफपीएम ऐच्छिक)
संचालन प्रबंधन	संचालन प्रबंधन के लिए गेम थ्योरी
कम्प्यूटेशनल गेम थ्योरी में रीडिंग	स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएँ

बीपीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
संचालन प्रबंधन	निर्णयों के लिए मात्रात्मक मॉडलिंग
प्रबंधकीय निर्णयों के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण	

एएफ़पी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
व्यावसायिक सांख्यिकी और अनुसंधान विधियाँ	निर्णय मॉडलिंग
रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	संचालन प्रबंधन
परियोजना प्रबंधन	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
हाथी और चीता: प्रणाली, रणनीति और बाधाएँ	

एफ़डीपी

ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
संचालन प्रबंधन	प्रबंधन के लिए विश्लेषिकी

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

बंदरगाह डिजाइन और प्रबंधन	रसद प्रबंधन
रेस्तरां डिजाइन और प्रबंधन	हाथी और चीता: प्रणाली, रणनीति और अड़चनें
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	विनिर्माण रणनीति
व्यवसाय के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग	परियोजना प्रबंधन
गोदाम डिजाइन और प्रबंधन	

अनुसंधान

रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, बंदरगाह परिचालन, गोदाम डिजाइन, सेवा प्रणाली डिजाइन, सुविधा स्थान, राजस्व प्रबंधन, स्टोकेस्टिक अनुकूलन, बड़े पैमाने पर अनुकूलन, अपघटन तकनीक, नेटवर्क अनुकूलन और मेटा-हेयुरिस्टिक्स, नेटवर्क विश्वसनीयता, द्विस्तरीय अनुकूलन, परिचालन-विपणन इंटरफेस में खेल सैद्धांतिक मॉडल, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, विरल डेटा का विश्लेषण, सर्वेक्षण पद्धति और सांख्यिकीय अनुमान ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ विषय-क्षेत्र के संकायों ने प्रकाशनों के माध्यम से योगदान दिया है।

1.2.10 सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी)

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) रणनीतिक सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रशिक्षण और संगठनात्मक कार्य करता है। समूह का उद्देश्य ऐसे शोध को बढ़ावा देना है जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए अवधारणाएँ और सिद्धांत उत्पन्न करेगा, साथ ही नीति निर्माण को आधार देने वाली सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं की विद्वत्तापूर्ण समझ और अभिव्यक्ति प्राप्त करेगा। समूह प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में व्यापक अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि और विषयों को एकीकृत करता है।

संकायों के वर्तमान अनुसंधान हितों में ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण अध्ययन, कॉर्पोरेट स्थिरता, सामाजिक नीति, शहरी नियोजन और प्रबंधन, सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, परिवहन नियोजन और नीति, परिवहन प्रणालियों और बुनियादी ढांचे में आईसीटी, स्मार्ट शहर, सामुदायिक विकास, सार्वजनिक सेवाओं का विपणन, प्रभाव आकलन, अस्पताल और स्वास्थ्य प्रणालियां, दूरसंचार नीति, सार्वजनिक प्रबंधन और लोकतांत्रिक शासन शामिल हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, विभिन्न कार्यक्रमों के तहत पीएसजी क्षेत्र द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम निम्नानुसार हैं:

पीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
व्यवसाय, पर्यावरण और स्थिरता	सरकारी प्रणालियाँ और नीति प्रक्रियाएँ
व्यवसाय का सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
व्यवसाय नेतृत्व और कॉर्पोरेट जवाबदेही	कार्बन वित्त
बेहतर निर्णयों के लिए प्रयोग	लिंग और विकास नीति और कार्यक्रम
बुद्धिमान परिवहन प्रणाली	कॉर्पोरेट सामाजिक गैरजिम्मेदारी की जांच
ऊर्जा व्यवसायों का प्रबंधन	हेरफेर, मिथक-निर्माण और विपणन
विकास के लिए सहभागी रंगमंच	संगठनों में शक्ति और राजनीति
शासन और प्रशासन में ईमानदारी	सार्वजनिक नीति
सार्वजनिक निजी भागीदारी	नेटवर्क समाज में व्यवसाय और मानव विकास को समझने के लिए गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ
रेल परिवहन योजना और प्रबंधन	सामाजिक उद्यमिता: सामाजिक परिवर्तन का नवाचार
भारतीय राज्य, लोकतंत्र और जवाबदेही संस्थान: सुशासन पर पुनर्विचार	सार्वजनिक नीति के दार्शनिक आधार: नैतिकता, मूल्य और नैतिकता
ऑटोमोटिव और मोबिलिटी उद्योग में परिवर्तन	शहरी अर्थव्यवस्था और व्यावसायिक वातावरण

पीजीपी-एफ़एबीएम

ऐच्छिक पाठ्यक्रम
स्थिरता का प्रबंधन

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
सार्वजनिक नीति	सार्वजनिक वित्त
जन प्रबंधन	नीति विश्लेषण और अनुसंधान के तरीके
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
सामाजिक नीति अनुसंधान में कारणात्मक अनुमान के लिए मात्रात्मक तरीकों का उपयोग करना	व्याख्यात्मक अनुसंधान विधियाँ
परिवहन नीति, योजना और प्रबंधन में अनुसंधान	ऊर्जा और पर्यावरण नीति
प्रबंधन अनुसंधान अभ्यास: अकादमिक संवाद के कौशल का विकास करना	

पीजीपीएक्स

ऐच्छिक पाठ्यक्रम
शोध यात्रा: जमीनी स्तर से सीखना

ईपीजीडी-एबीए

ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सार्वजनिक नीति विश्लेषिकी

एएफ़पी

ऐच्छिक पाठ्यक्रम
इंफ्रास्ट्रक्चर मॉड्यूल

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

प्रशासनिक नेतृत्व और सुशासन	बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पीपीपी फ्रेमवर्क
अस्पताल प्रबंधन	

1.2.11 रवि जे. मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र (आरजेएमसीईआई)

अनुसंधान

अनुसंधान केंद्र ने निम्नलिखित पर अपना शोध कार्य जारी रखा: 1) छात्र और शिक्षक धारणाओं के आधार पर स्कूलों के सामाजिक-भावनात्मक माहौल की जांच; 2) एसटीईएम क्षेत्र के स्नातक छात्रों और शुरुआती करियर शोधकर्ताओं में इम्पोस्टर घटना का अध्ययन; 3) भारत में अर्थशास्त्र शिक्षा में महिलाओं की कम उपस्थिति पर अध्ययन; 4) "असफलता" के सामाजिक निर्माण के संबंध में स्नातक छात्रों के बीच शैक्षणिक निर्णय लेना और 5) घर-आधारित एडटेक शिक्षण समाधानों के संदर्भ में माता-पिता की भागीदारी और बच्चे के सीखने के परिणामों में सुधार करना।

आरजेएमसीईआई के संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों (12) में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए, और जर्नल लेख (4), केस (2) और पुस्तक अध्याय (3) प्रकाशित किए। कई राज्य सरकारों के साथ-साथ गैर-सरकारी संगठनों के साथ भी शोध सहयोग जारी है। इसके अलावा, क्षेत्र के संकाय सदस्य नीति आयोग और गुजरात राज्य के साथ नीति और अभ्यास परामर्श में शामिल थे।

शिक्षण

पीजीपी

ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
शिक्षण प्रौद्योगिकी (एडटेक)	सर्वेक्षण डिजाइन करना और लागू करना
शिक्षण और प्रशिक्षण में खुद को सीमित करने वाली सोच को प्रबंधित करना	

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
शैक्षणिक अनुसंधान के लिए अनुप्रयुक्त मात्रात्मक तकनीकी	शैक्षणिक सिद्धांत, नीति और अभ्यास
शिक्षण नीति का विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना	शिक्षण में गुणवत्तात्मक अनुसंधान पद्धति
अनुसंधान संचार	शिक्षण में बदलाव और नवप्रवर्तन
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
शैक्षणिक सर्वेक्षण विकास और कार्यान्वयन	छात्रों को सीखने के लिए कैसे प्रेरित करें
शिक्षण का अर्थशास्त्र	मिश्र पद्धतियों का अनुसंधान

कार्यकारी शिक्षा

आरजेएमसीईआई के संकाय सदस्य दिल्ली, पंजाब और दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एमसीडी) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम में शामिल थे। इसके अलावा, स्कूल प्राचार्यों के लिए कार्यक्रम का 24वाँ संस्करण, 'बदलते माहौल में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व', सितंबर-अक्टूबर 2024 के दौरान कैंपस में पेश किया गया। महाराष्ट्र, जम्मू एवं कश्मीर के शिक्षाविदों ने भी केंद्र का दौरा किया और संकायों तथा छात्रों से बातचीत की।

1.2.12 रणनीति

शिक्षण

रणनीति क्षेत्र के संकाय प्रतिस्पर्धी और कॉर्पोरेट रणनीतियों, डिजाइन सोच, पारिवारिक व्यवसाय गतिशीलता, उद्यमिता, नवाचार, नेतृत्व, व्यवसाय के कानूनी पहलुओं, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबंधन में शिक्षण और अनुसंधान में रुचि रखते हैं। वे संस्थान के विभिन्न लघु और दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों, सलाहकार सेवाओं, प्रकाशन और प्रशासनिक गतिविधियों में शिक्षण में शामिल हैं।

पीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
व्यवसाय के कानूनी पहलू	कूटनीतिक प्रबंधन
रणनीति कैपस्टोन	
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
व्यवसाय और बौद्धिक संपदा	व्यापार कराधान
व्यवसाय और संवैधानिक अधिकार	योग्यता, क्षमता और प्रतिस्पर्धी रणनीति
परामर्श और व्यवसायी सेवा फर्म	कॉर्पोरेट दिवाला और दिवालियापन
डिजिटल प्रौद्योगिकी और विनियमन	डिजिटल परिवर्तन (आईएस और रणनीति क्षेत्र द्वारा संयुक्त रूप से पेश किया गया)
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	रणनीतिक गठबंधनों का प्रबंधन
रचनात्मक और जीवनशैली व्यवसाय का प्रबंधन	अधिकार और व्यवसाय: लाइट्स कैमरा एक्शन

पीजीपी-एफ़एबीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम
रणनीति कैपस्टोन
ऐच्छिक पाठ्यक्रम
खाद्य-कृषि व्यवसाय और विनियम

बीपीजीपी

अनिवार्य पाठ्यक्रम
कानून और व्यवसाय

पीजीपीएक्स

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
व्यवसाय सिमुलेशन खेल - कैपस्टोन	कॉरपोरेट शासन
नेतृत्व, मूल्य और नैतिकता	व्यवसाय के कानूनी पहलू
विलय व अधिग्रहण	कूटनीतिक प्रबंधन
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
व्यवहारिक रणनीति	व्यावसायिक सेवा फर्म का नेतृत्व
रणनीतिक गठबंधनों का प्रबंधन	बढ़ते व्यवसाय का प्रबंधन
प्रौद्योगिकी और नवाचार का रणनीतिक प्रबंधन	रणनीति निष्पादन: उच्च प्रदर्शन बनाने की कला और विज्ञान

डीपीएम

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक प्रबंधन की नींव	रणनीति में अनुसंधान विधियाँ
रणनीति और नवाचार	रणनीतिक प्रबंधन - I एवं II
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
उन्नत रणनीति एवं नवाचार	कॉर्पोरेट प्रशासन
गैर-बाजार रणनीति में डॉक्टरेट सेमिना	व्यवहार रणनीति में डॉक्टरेट सेमिनार
संस्थान और फर्म रणनीति	उद्यमिता पर सेमिनार
रणनीतिक प्रबंधन और मनोविज्ञान	

ईपीजीडी-एबीए

अनिवार्य पाठ्यक्रम	
व्यवसाय के लिए लागू कार्य-कारण और प्रयोग	नैतिकता, गोपनीयता और डेटा सुरक्षा
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	
रणनीतिक विश्लेषिकी	

एएफ़पी

ऐच्छिक पाठ्यक्रम
अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

अनुबंध प्रबंधन	रचनात्मक और सांस्कृतिक व्यवसाय कार्यक्रम
डिजाइन सोच	नवाचार, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन
मुख्य कानूनी अधिकारियों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम	व्यावसायिक सेवा फर्म का नेतृत्व
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व	विकास के लिए रणनीतियाँ
अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में जीत के लिए रणनीतियाँ	रणनीति कार्यान्वयन
परिवर्तनकारी नेतृत्व	युवा उद्यमी कार्यक्रम (मॉड्यूल 1 और 2)

1.3 अनुसंधान

अनुसंधान एवं प्रकाशन (आर एंड पी) कार्यालय संस्थान के संकाय और डॉक्टरेट छात्रों की शोध आकांक्षाओं को पोषित और समर्थित करने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। मुख्य शोध गतिविधियों को सुगम बनाने के अलावा, यह कार्यालय विभिन्न विकासात्मक और प्रसार पहलों के माध्यम से संस्थान के शोध रूपरेखा को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास करता है। ये प्रयास संकाय, पीएचडी छात्रों, अनुसंधान सहयोगियों, शैक्षणिक सहयोगियों और व्यवसायियों सहित विभिन्न हितधारकों को सम्मिलित करके डिज़ाइन किए गए हैं।

यह कार्यालय अनुसंधान एवं विकास कार्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने, अनुमोदन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और प्रति व्यक्ति अनुसंधान उत्पादकता एवं गुणवत्ता को बढ़ाने वाले एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। ये आकांक्षाएँ 2024-25 के दौरान संस्थान की उपलब्धियों में, विशेष रूप से अनुसंधान निधि, विकासात्मक पहलों और शोध-उत्पादन के क्षेत्रों में, परिलक्षित होती हैं।

अनुसंधान वित्तपोषण

यह कार्यालय संकाय सदस्यों को अल्पकालिक, दीर्घकालिक और सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदानों के माध्यम से सहायता प्रदान करता है। नीचे दी गई तालिका में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान स्वीकृत अनुसंधान अनुदानों और पूर्ण की गई अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण दिया गया है।

परियोजना का प्रकार	स्थिति		
	जारी परियोजनाएँ	शुरू की गई परियोजनाएँ	पूर्ण हुई परियोजनाएँ
बड़ी अनुसंधान परियोजनाएँ	04	0	0
लघु अनुसंधान परियोजनाएँ	23	08	08
मूल धन परियोजना	23	08	08
पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ		27	

विस्तृत सूची **परिशिष्ट एच** में दी गई है।

अनुसंधान विकास और प्रसार पहल

संस्थान की जीवंत शोध संस्कृति की एक विशेषता विकासात्मक और प्रसार पहलों पर इसका ज़ोर है। 2024-25 में, अनुसंधान एवं विकास कार्यालय ने 4 अनुसंधान कार्यशालाएँ और 17 सेमिनार/वेबिनार आयोजित किए, जिनमें प्रबंधन शिक्षा एवं शिक्षण अकादमी जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकों द्वारा आयोजित संपादकीय और प्रकाशन कार्यशालाएँ शामिल हैं। इन मंचों ने संकाय और छात्रों को अपने शोध कौशल को निखारने, वैश्विक विद्वानों के साथ नेटवर्क बनाने और अत्याधुनिक पद्धतियों को समझने के अमूल्य अवसर प्रदान किए हैं।

नीचे दी गई तालिका में अनुसंधान कार्यशाला तथा वेबिनार/सेमिनार की संख्या दी गई है।

विवरण	संख्या
अनुसंधान कार्यशालाएँ	04
अनुसंधान वेबिनार/सेमिनार	17

विस्तृत सूची **परिशिष्ट एच** में दी गई है।

बाहरी वित्तपोषण और परियोजनाएँ

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, संस्थान के संकाय सदस्यों ने विभिन्न ग्राहकों के लिए लगभग 97 परामर्श परियोजनाएँ संचालित कीं, जिनमें सरकारी संगठन, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, गैर-लाभकारी संगठन, अंतर्राष्ट्रीय संगठन, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियाँ, स्टॉक/कमोडिटी एक्सचेंज, थिंक टैंक, अनुसंधान और प्रबंधन संस्थान आदि शामिल हैं। इन परियोजनाओं में जलवायु नीति अध्ययन और मूल्यांकन से लेकर कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम; कृषि क्षेत्र में अनुसंधान; निवेशक सर्वेक्षण विश्लेषण; वित्तीय विश्लेषण; आर्थिक प्रभाव मूल्यांकन; बुनियादी ढाँचा अध्ययन; कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक कानून; आदि शामिल थे।

लगभग 27 शोध परियोजनाओं में भी उनकी विशेषज्ञता की माँग की गई, जिन्हें विभिन्न संगठनों द्वारा वित्त पोषित किया गया था। इन परियोजनाओं में बच्चों की मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता से लेकर खुदरा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी, जलवायु वित्त संबंधी मुद्दे और महिलाओं के लचीलेपन और सशक्तिकरण को बढ़ाने जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

1.4 प्रकाशन

1.4.1 अनुसंधान प्रकाशन

आईआईएमए अनुसंधान समुदाय ने चालू शैक्षणिक वर्ष के दौरान 7 पुस्तकें, अकादमिक पत्रिकाओं में 112 लेख, 12 पुस्तक अध्याय, 13 आधार-पत्र प्रकाशित किए और 99 अकादमिक सम्मेलनों में शोध-पत्र प्रस्तुत किए। आँकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं।

विवरण	संख्या
पुस्तकें	07
पत्रिकाओं में लेख	112
पुस्तक के अध्याय	12
सम्मेलनों में प्रस्तुत शोधपत्र	99
आधार-पत्र	13

विस्तृत सूची **परिशिष्ट एच, आई और जे** में दी गई है।

1.4.2 केस केंद्र

अप्रैल 2014 में एक स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थापित, आईआईएमए केस केंद्र को शिक्षण पद्धति के रूप में केस विधि की बढ़ती प्रमुखता और प्रभावशीलता के जवाब में बनाया गया था। यह आईआईएमए और सभी शैक्षणिक संस्थानों में केस-आधारित शिक्षा की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और पहुँच को बढ़ाने में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है।

केस केंद्र संकाय और लेखकों को व्यावहारिक, वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक केस लेखन के लिए प्रोत्साहित करता है जो छात्रों को वास्तविक व्यावसायिक समस्याओं को हल करके सीखने में मदद करते हैं। ये केस कक्षा में होने वाली चर्चाओं को अधिक आकर्षक बनाते हैं और छात्रों को व्यावसायिक निर्णय लेने में गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद करते हैं।

केस केंद्र का मुख्य लक्ष्य आईआईएमए और उसके बाहर एक मजबूत केस अध्ययन तंत्रव्यवस्था का निर्माण करना है। इसके केस संग्रह का व्यापक रूप से संकाय द्वारा उपयोग किया जाता है, कक्षाओं में चर्चा की जाती है, और दुनिया भर के शिक्षकों और व्यवसायियों द्वारा इसका उपयोग किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, केस केंद्र निम्नलिखित सहायक सेवाएँ प्रदान करता है:

- केस लेखन और संपादन सहायता प्रदान करना।
- केस विकसित करने के लिए लेखकों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- केस पंजीकरण और वितरण का प्रबंधन करना।
- आईआईएमए केस बिक्री और रॉयल्टी वितरण का प्रबंधन करना।
- केस लेखन और शिक्षण पर कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित करना
- सर्वश्रेष्ठ केस अध्ययन को मान्यता देने तथा केस लेखन में प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक पुरस्कार प्रदान करना।

केंद्र हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग, आईवीईवाई पब्लिशिंग, द केस सेंटर यूके, एसएजीई, एमराल्ड पब्लिशिंग और डार्डन बिजनेस पब्लिशिंग जैसे शीर्ष वैश्विक वितरकों के साथ साझेदारी के माध्यम से आईआईएमए के केसों को अन्य बिजनेस स्कूलों, प्रशिक्षकों और शिक्षकों के साथ भी साझा करता है।

इन सभी प्रयासों के माध्यम से, आईआईएमए केस केंद्र व्यावहारिक, संवादात्मक और वास्तविक दुनिया से जुड़ी शिक्षा को बढ़ावा देता है।

वर्ष 2024-25 में, केस केंद्र ने 44 देशों के 706 संस्थानों और कंपनियों को दो लाख सत्तर हजार से अधिक केस प्रतिलिपियाँ बेचीं, जिनसे राजस्व आय में 18% की वार्षिक वृद्धि दर और बेची गई कुल केस प्रतियों की संख्या में 21% की औसत वृद्धि दर हासिल हुई।

नीचे 2020 से 2025 तक पंजीकृत केसों/केस (ग्राफिक्स)/ तकनीकी नोट्स/ अभ्यास/ श्रव्य-दृश्य केसों/ पूरक/खेल/शिक्षण नोट्स का सारांश दिया गया है

प्रकार	2020-2021	2021-2022	2022-23	2023-24	2024-25
केस	61	39	41	40	44
केस (ग्राफिक)	1	0	0	0	0
श्रव्य-दृश्य केस	0	0	0	0	0
तकनीकी नोट्स	6	3	1	1	2
अभ्यास	2	6	1	0	5
उपसंहार/पूरक	1	1	0	0	0
खेल	0	1	0	1	0
उद्योग नोट्स	0	0	0	0	1
शिक्षण नोट्स	58	45	36	38	49
कुल	129	95	79	80	101

परिशिष्ट के में 2024-25 के दौरान आईआईएमए, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य में उपयोग किए गए केसों का सारांश प्रदान किया गया है। इसके अलावा, केस केंद्र ने वैश्विक लोगों के लिए केसों का प्रसार करने के लिए विभिन्न वितरण भागीदारों के साथ भागीदारी की है। **परिशिष्ट के** में वितरण भागीदारों की सूची दर्शाई गई है।

1.4.3 विकल्प: निर्णय निर्माताओं का जर्नल

विकल्प : निर्णय निर्माताओं के लिए पत्रिका आईआईएमए द्वारा प्रकाशित और सेज प्रकाशन द्वारा विपणन की जाने वाली एक त्रैमासिक, सहकर्मी-समीक्षित, ओपन-एक्सेस अकादमिक पत्रिका है। जनवरी 2025 में, विकल्प ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया - 50 साल तक लगातार प्रकाशन। इस उपलब्धि को मनाने के लिए, फरवरी 2025 में एक विशेष 50वीं वर्षगांठ का लोगो अनावरण किया गया। प्रबंधन के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले शोध और विचार नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए पत्रिका की विरासत का जश्न मनाने के लिए पूरे वर्ष कई पहलों की योजना बनाई गई है।

इस पत्रिका के संपादकीय सलाहकार बोर्ड में दुनिया भर के अग्रणी विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित विद्वान शामिल हैं, और इसके सहयोगी संपादकों की टीम एशिया, आस्ट्रेलिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के शीर्ष प्रबंधन संस्थानों से लेकर बनाई गई है।

अपने सब तक पहुँच बनाने के प्रयासों के हिस्से के रूप में, विकल्प ने 12 जून, 2024 को "विकल्प के साथ प्रकाशन" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। इसमें विभिन्न संस्थानों के 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सत्र में मुख्य संपादक की अपेक्षाओं, हस्तलिखित प्रतों को तैयार करने के सर्वोत्तम तरीकों और पत्रिका के साथ प्रकाशन की संभावनाओं को बेहतर बनाने की रणनीतियों के बारे में जानकारी दी गई।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, विकल्प को 696 हस्तप्रतियाँ प्राप्त हुईं। 45 से अधिक हस्तप्रतियाँ वर्तमान में समीक्षा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। पत्रिका ने प्रतिस्पर्धी स्वीकृति दर बनाए रखी है, जो पिछले तीन वर्षों में औसतन लगभग 7% रही है।

विकल्प को शिमागो (एससीआईमागो) जर्नल रैंकिंग के तीसरे चतुर्थक में स्थान दिया गया है। इसका वर्तमान शिमागो जर्नल रैंक (एसजेआर) 0.24 है, स्रोत सामान्यीकृत प्रभाव प्रति पेपर - सोर्स नॉर्मलाइज्ड इम्पैक्ट प्रति पेपर (स्निप) 0.5 है, और साइटस्कोर 2.2 पर है। इस जर्नल को स्कोपस, प्रोक्वेस्ट, इंडियन साइटेशन इंडेक्स, जे-गेट और ईबीएससीओ सहित प्रमुख शैक्षणिक डेटाबेस में अनुक्रमित किया गया है

1.5 मान्यता और रैंकिंग

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) ने वर्ष के दौरान रैंकिंग के लिए पंद्रह राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय बी-स्कूल सर्वेक्षणों और उच्च शिक्षा पर भारत सरकार के सर्वेक्षण में भाग लिया। संस्थान ने रैंकिंग के लिए सभी प्रमुख और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाए रखा। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में आईआईएमए की स्थिति यह दर्शाती है कि संस्थान के कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता वाले हैं और विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हैं।

रैंकिंग और सर्वेक्षण:

शिक्षा मंत्रालय की भारत रैंकिंग 2024 (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2024):

अगस्त 2024 में प्रकाशित शिक्षा मंत्रालय की भारत रैंकिंग 2024 (एनआईआरएफ 2024) के नौवें संस्करण में आईआईएमए को प्रबंधन श्रेणी में प्रथम स्थान दिया गया। यह लगातार पांचवां वर्ष है जब आईआईएमए ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई भारत रैंकिंग में अपना शीर्ष नंबर 1 स्थान बरकरार रखा है। इसके अलावा, संस्थान वर्ष के दौरान बिजनेस वर्ल्ड, द वीक और फॉर्च्यून इंडिया जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रैंकिंग में प्रथम स्थान पर रहा।

भारत रैंकिंग (एनआईआरएफ) के लिए गोलमेज बैठक:

आईआईएमए ने 13 अप्रैल, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक एनआईआरएफ गोलमेज बैठक में प्रतिनिधित्व किया।

कृषि-व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में एडुनिवर्सल बेस्ट मास्टर रैंकिंग 2024

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएमए) के खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए-एफएबीएम) को प्रथम स्थान दिया गया है और यह 2024 के लिए कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में एडुनिवर्सल बेस्ट मास्टर रैंकिंग में अपनी श्रेणी में शीर्ष क्रमांकित विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कार्यक्रम बना हुआ है। एमबीए-एफएबीएम ने एक दशक से अधिक समय से विश्व स्तर पर अपना नंबर 1 स्थान बरकरार रखा है।

वैश्विक रैंक	एशिया रैंक	भारत रैंक
1ला	1ला	1ला

फाइनेंशियल टाइम्स एग्जीक्यूटिव एजुकेशन रैंकिंग 2024 (अनुकूलित एवं मुक्त पाठ्यक्रम)

मई 2024 में घोषित फाइनेंशियल टाइम्स एग्जीक्यूटिव एजुकेशन रैंकिंग 2024 (मुक्त पाठ्यक्रम) में संस्थान को 43वाँ स्थान दिया गया।

मई 2024 में घोषित फाइनेंशियल टाइम्स एग्जीक्यूटिव एजुकेशन रैंकिंग 2024 (अनुकूलित पाठ्यक्रम) में आईआईएमए को 70वाँ स्थान दिया गया।

फाइनेंशियल टाइम्स एग्जीक्यूटिव एजुकेशन रैंकिंग 2024 (मुक्त)		
वैश्विक रैंक	एशिया रैंक	भारत रैंक
43वाँ	3रा	1ला

फाइनेंशियल टाइम्स एग्जीक्यूटिव एजुकेशन रैंकिंग 2024 (अनुकूलित)		
वैश्विक रैंक	एशिया रैंक	भारत रैंक
70वाँ	4था	2रा

फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) मैनेजमेंट मास्टर्स रैंकिंग 2024:

सितंबर 2024 में घोषित रैंकिंग के लिए समीक्षित वैश्विक स्तर पर 100 पूर्व-अनुभव एमबीए स्तर के कार्यक्रमों में से फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) मैनेजमेंट मास्टर्स रैंकिंग में आईआईएमए को 39वाँ स्थान दिया गया है।

आईआईएमए के दो-वर्षीय स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (एमबीए) को रैंकिंग के लिए तीन मानदंडों 'भारित वेतन (यूएस डॉलर)', 'तीन महीने में नियुक्ति' और 'डॉक्टरेट के साथ संकाय' मानदंडों पर प्रथम स्थान दिया गया और 'करियर सेवा रैंक' मानदंडों में छठे स्थान पर रखा गया।

वैश्विक रैंक	एशिया रैंक	भारत रैंक
39वाँ	4था	2रा

क्यूएस ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2025

आईआईएमए का एमबीए-पीजीपीएक्स कार्यक्रम भारत में दूसरे स्थान पर, एशिया में 9वें स्थान पर और क्यूएस (क्वाक्वेरेली साइमंड्स) ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2025 में 340 बिजनेस स्कूलों में से 60वें स्थान पर रहा, जिसे इसके आठवें संस्करण में शामिल किया गया था, जिसकी घोषणा सितंबर 2024 में की गई थी।

एशिया में, आईआईएमए ने "उद्यमिता और पूर्व छात्र परिणाम" में प्रथम स्थान, "निवेश पर लाभ" में दूसरा स्थान, "रोजगार" में तीसरा स्थान और "विचार नेतृत्व" में चौथा स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया।

वैश्विक रैंक	एशिया रैंक	भारत रैंक
60वाँ	9वाँ	2रा

क्यूएस मैनेजमेंट मास्टर्स रैंकिंग 2025

आईआईएमए के दो-वर्षीय स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (एमबीए) को क्यूएस मैनेजमेंट मास्टर्स रैंकिंग 2025 में भारत में तीसरा, एशिया में छठा और वैश्विक स्तर पर 56वाँ स्थान दिया गया है। यह रैंकिंग इसके आठवें संस्करण में शामिल 206 मैनेजमेंट मास्टर्स (एमआईएम) कार्यक्रमों में से है, जिसकी घोषणा सितंबर 2024 में की गई थी।

एशिया में, आईआईएमए रैंकिंग संकेतक में सापेक्षिक रूप से मजबूत स्थिति में है, तथा 'पूर्व छात्र परिणामों' में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है; 'रोजगार क्षमता', 'विचार नेतृत्व' और 'पैसे के लिए मूल्य' में तीसरे स्थान पर है।

वैश्विक रैंक	एशिया रैंक	भारत रैंक
56वाँ	6वाँ	3रा

एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2025

आईआईएमए के एमबीए-पीजीपीएक्स कार्यक्रम को फरवरी 2025 में घोषित बी-स्कूलों की शीर्ष 100 सूची में फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2025 में 31वाँ स्थान दिया गया।

संस्थान को 'करियर प्रगति रैंक' में प्रथम स्थान पर रखा गया है और इसमें 100 प्रतिशत 'डॉक्टरेट के साथ संकाय' हैं तथा यह 'आज का वेतन (अमेरिकी डॉलर में)' और 'भारित वेतन (अमेरिकी डॉलर में)' में आठवें स्थान पर है।

वैश्विक रैंक	एशिया रैंक	भारत रैंक
31वाँ	7वाँ	2रा

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2023-24, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

संस्थान ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2023-24 के 14वें संस्करण में भाग लिया। आईआईएमए देश में उच्च शिक्षा की स्थिति को मापने के लिए एक विश्वसनीय प्रणाली विकसित करने में मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करना जारी रखता है।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

संस्थान अपने ब्रांड और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने का प्रयास करता है। यह मान्यता आईआईएमए द्वारा अपनाई जाने वाली एक विस्तृत और गहन प्रक्रिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रम प्रदान करने में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है।

ईक्विस पुनः मान्यता

आईआईएमए भारत का पहला प्रबंधन शिक्षा संस्थान था, जिसने 2008 में ईक्विस मान्यता प्राप्त की थी और तब से इसे कायम रखा है।

आईआईएमए ने वर्ष के दौरान ईक्विस मान्यता स्थिति को बनाए रखना जारी रखा है। संस्थान ने वर्ष भर चलने वाली ईक्विस पुनः-मान्यता प्रक्रिया (2024-25) शुरू की है। इस प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, आईआईएमए ने दिसंबर 2024 में अन्य दस्तावेजों के साथ अपनी स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट (एसएआर) प्रस्तुत की है। संस्थान ने 18 से 20 फरवरी, 2025 के दौरान निम्नलिखित ईक्विस सहकर्मी समीक्षा टीम (पीआरटी) सदस्यों की मेजबानी की।

- प्रोफेसर फ्रेडरिक एंडरसन, अर्थशास्त्र प्रोफेसर और पूर्व डीन एलयूएसईएम - लुंद यूनिवर्सिटी इकोनॉमिक्स व मैनेजमेंट स्कूल, स्वीडन - पीआरटी अध्यक्ष
- प्रोफेसर एंतोनियो मोरेनो, डीन, इकोनॉमिक्स व बिजनेस स्कूल नवारा यूनिवर्सिटी, इकोनॉमिक्स व बिजनेस स्कूल, स्पेन
- प्रोफेसर पर्सी मार्क्विना फेल्दमैन, पूर्व महानिदेशक सेंट्रम कैतोलिका ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल पोंतिफ़िसिया यूनिवर्सिदाद कैतोलिका देल पेरू, पेरू
- श्री लुकास एल.जी.एम. वैन वीस, सदस्य-वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ पीपल मैनेजमेंट एसोसिएशन बोर्ड (डब्ल्यूएफपीएमए), नीदरलैंड

अंतर्राष्ट्रीय मंचों की सदस्यता

आईआईएमए यूरोपीय मैनेजमेंट डेवलपमेंट फाउंडेशन (ईएफएमडी) और एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी) का सदस्य बना हुआ है।

इसके विवरण **परिशिष्ट एल** में दिए गए हैं।

2. कार्यकारी शिक्षा

2.1 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष 2024-25 में कार्यकारी शिक्षा पाठ्यक्रम में खुले नामांकन के तहत 62 कार्यक्रम, 173 अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा और 21 मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक प्रस्तुत किए। कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए सरकारी विभागों सहित निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों से 9265 कार्यकारियों ने रुचि जताई।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम ने कैंपस मोड पर आयोजित 62 खुले नामांकन कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है, जिसका पहला ऑफसाइट कार्यक्रम मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें 12 विशेषीकृत विषय-क्षेत्रों से कुल 1777 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें वर्ष 2024-25 के दौरान सूची में 8 नए कार्यक्रम जोड़े गए हैं।

क्लाइंट के लिए 173 अनुकूलित कार्यकारी कार्यक्रम तैयार किए गए, जिनमें 9 लंबी अवधि के हस्तक्षेप शामिल थे और वर्ष 2024-25 में कुल 5876 प्रतिभागियों ने भाग लिया। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान आईआईएमए के रोस्टर में छियालीस नए क्लाइंट जोड़े गए।

दृष्टिबाधित कामकाजी व्यवसायियों के लिए नेतृत्व कार्यक्रम का तीसरा संस्करण भी आयोजित किया गया - जिसकी संकल्पना आईआईएमए के संकाय सदस्य और आईआईएमए में हेल्थकेयर में डॉ. लाल पैथ लैब्स के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश चंदवानी ने की थी। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को ज्ञान और कौशल से लैस करना था जो उन्हें नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार करने में मदद कर सके।

मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत, विपणन और प्रौद्योगिकी साझेदारों, जारो टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट रिसर्च लिमिटेड इंस्टीट्यूट और यूनिफाइड कोलाबोरेशन सर्विसेज एलएलपी के माध्यम से हाइब्रिड मोड में 10 विभिन्न कार्यक्रमों के 19 बैचों की पेशकश की गई।

मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम सारांश:

त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (एजीएमपी)

- अक्टूबर 2024 में 135 प्रतिभागियों के साथ बैच 13 का समापन हुआ।
- बैच 14 की शुरुआत मार्च 2024 में 142 प्रतिभागियों के साथ हुई।
- बैच 15 की शुरुआत सितंबर 2024 में 122 प्रतिभागियों के साथ हुई।

वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (एसएमपी)

- अप्रैल 2024 में 125 प्रतिभागियों के साथ बैच 11 का समापन हुआ।
- नवंबर 2024 में 127 प्रतिभागियों के साथ बैच 12 का समापन हुआ।
- बैच 13 अप्रैल 2024 में 127 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुआ।
- बैच 14 नवंबर 2024 में 134 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुआ।

उन्नत व्यवसाय विश्लेषिकी में कार्यकारी कार्यक्रम (ईपीएबीए)

- बैच 6 का समापन नवंबर 2024 में 37 प्रतिभागियों के साथ हुआ।

बिजनेस फाइनेंस में कार्यकारी कार्यक्रम (ईपीबीएफ)

- बैच 5 का समापन अप्रैल 2024 में 63 प्रतिभागियों के साथ हुआ।
- बैच 6 सितंबर 2024 में 66 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुआ।

रणनीतिक प्रबंधन कार्यक्रम (एसएम)

- बैच 5 जून 2024 में 65 प्रतिभागियों के साथ संपन्न हुआ।
- बैच 6 का समापन फरवरी 2025 में 64 प्रतिभागियों के साथ हुआ।

वित्तीय रिपोर्टिंग एवं कॉर्पोरेट गवर्नेंस (एफआरसीजी) कार्यक्रम

- बैच 3 का समापन दिसंबर 2024 में 59 प्रतिभागियों के साथ हुआ।

कार्यकारी आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन (ईएससीएलएम) कार्यक्रम

- बैच 2 का समापन अक्टूबर 2024 में 50 प्रतिभागियों के साथ हुआ।
- बैच 3 मार्च 2025 में 21 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुआ।

नये मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम (बीएलपी):

वित्तीय प्रौद्योगिकी एवं वित्तीय विश्लेषिकी में उन्नत कार्यक्रम

- बैच 1 अप्रैल 2024 में 49 प्रतिभागियों के साथ संपन्न हुआ।

डिजिटल मार्केटिंग: बिजनेस मॉडल, प्रक्रियाएं और प्रौद्योगिकियां

- बैच 1 जून 2024 में 55 प्रतिभागियों के साथ संपन्न हुआ।
- बैच 2 मार्च 2025 में 60 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुआ।

स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम

- बैच 1 अक्टूबर 2024 में 57 प्रतिभागियों के साथ संपन्न हुआ।

अधिक विवरण **परिशिष्ट एम** में दिए गए हैं।

2.2 एसिंक्रोनस लर्निंग: ऑनलाइन@आईआईएमए

आईआईएम अहमदाबाद में ऑनलाइन@आईआईएमए के बैनर तले मार्च 2023 में शुरू किया गया एसिंक्रोनस लर्निंग प्रोग्राम (अतुल्यकालिक शिक्षण पाठ्यक्रम), संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता को दुनिया भर के शिक्षार्थियों तक पहुँचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कोर्सेरा और स्वयं के साथ रणनीतिक साझेदारी के साथ-साथ आईआईएमए के अपने ऑनलाइन@आईआईएमए प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से संचालित, यह पाठ्यक्रम उच्च-गुणवत्ता वाले, लचीले और प्रभावशाली ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो शिक्षार्थियों को अपनी गति से अध्ययन करने की अनुमति देते हैं।

अपनी स्थापना के बाद से, 14 अतुल्यकालिक-एसिंक्रोनस पाठ्यक्रम और 1 विशेषज्ञता शुरू की गई है, जिसमें नेतृत्व, डिजिटल परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आपूर्ति श्रृंखला डिजिटलीकरण, आर्थिक नीति निर्माण, व्यवसाय विश्लेषण, रणनीति और खेल सिद्धांत जैसे विविध क्षेत्रों के साथ प्री-एमबीए पाठ्यक्रम शामिल हैं। बहुत कम समय में, यह पाठ्यक्रम 196 देशों के शिक्षार्थियों तक पहुँच गया है, और वैश्विक स्तर पर 4,80,000 से अधिक शिक्षार्थियों ने इसमें नामांकन कराया है, जिसमें गैर-भारतीय नामांकन अब 15% को पार कर गया है। यह पहल प्रबंधन शिक्षा तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाने, कठोरता और सुगमता का सम्मिश्रण करने, और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में ज्ञान के प्रसार को बढ़ाने के लिए आईआईएमए की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अपने पहले ही वर्ष में, इस पाठ्यक्रम को वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई, जिसमें प्रो. विशाल गुप्ता को "लीडरशिप स्किल्स" पाठ्यक्रम के लिए कोर्सेरा का प्रतिष्ठित लर्नर्स फर्स्ट अचीवमेंट अवार्ड और शीर्ष प्रशिक्षक का बैज प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि आईआईएमए के लीडरशिप स्किल्स और प्री-एमबीए सांख्यिकी पाठ्यक्रम भारत में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले कोर्सेरा पाठ्यक्रमों में शामिल हो गए हैं, जो गूगल की पेशकश के बाद दूसरे स्थान पर है।

2024-2025 की मुख्य विशेषताएँ

- नए पाठ्यक्रम: 2024-2025 में कुल 5 पाठ्यक्रम शुरू किए गए: कोर्सेरा पर 2, स्वयम पर 1 और ऑनलाइन@आईआईएमए प्लेटफॉर्म पर 2।
- भुगतान की गईं पूर्णता दरें: ऑनलाइन@आईआईएमए पाठ्यक्रम पाठ्यक्रमों की पूर्णता दर उद्योग जगत की तुलना में अधिक है, जो सभी प्लेटफार्मों पर औसतन 25-30% है, जो एसिंक्रोनस - अतुल्यकालिक शिक्षा में एक मजबूत बेंचमार्क है।
- स्वयम पर मान्यता: आईआईएमए के तीन स्वयम पाठ्यक्रम सामूहिक रूप से 40,000 से अधिक शिक्षार्थियों तक पहुँच चुके हैं, और समान विषयों के समकक्ष पाठ्यक्रमों की तुलना में लगातार अधिक नामांकन दर्ज करते जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इनमें से एक पाठ्यक्रम, डिजिटल परिवर्तन: सिद्धांत और अनुप्रयोग, पूरी तरह से हिंदी में पढ़ाया गया, जिससे क्षेत्रीय भाषा सीखने वालों के लिए पहुँच व्यापक हुई।
- आईआईएमए-विशेष शिक्षण: ऑनलाइन@आईआईएमए प्लेटफ़ॉर्म पर, संस्थागत आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए पाठ्यक्रमों, जैसे अर्थशास्त्र, लेखाकरण और व्यावसायिक समस्या समाधान हेतु विश्लेषण ने 30,000 से अधिक नामांकन प्राप्त किए हैं। इनमें पीजीपीएक्स और बीपीजीपी जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के लिए प्री-एमबीए पाठ्यक्रम (सांख्यिकी और लेखाकरण) भी शामिल हैं, जो आने वाले छात्रों के लिए तैयारी सुनिश्चित करते हैं।

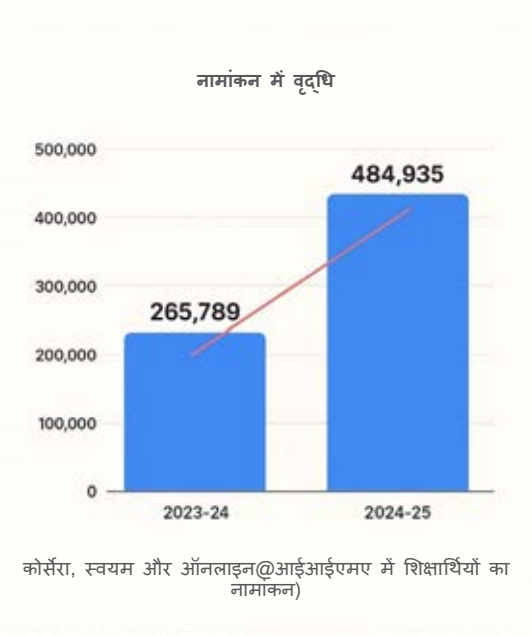

कोर्सेरा, स्वयम और ऑनलाइन@आईआईएमए में शिक्षार्थियों का नामांकन)

प्लेटफ़ॉर्म वार अंतर्दृष्टि

1. कोर्सेरा

- पाठ्यक्रम नेतृत्व, रणनीति और खेल सिद्धांत, डिजिटल परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आपूर्ति श्रृंखला पर आधारित हैं।
- भारत में नेतृत्व कौशल और प्री-एमबीए सांख्यिकी सबसे लोकप्रिय विषयों में से हैं, जो केवल गूगल की पेशकश से पीछे हैं।
- वर्ष 2024-2025 में 2 नए पाठ्यक्रमों के साथ उपस्थिति का विस्तार, वैश्विक नामांकन में महत्वपूर्ण योगदान।
- मान्यता: नेतृत्व कौशल ने अपने प्रथम वर्ष में कोर्सेरा का लर्नर्स फर्स्ट अचीवमेंट पुरस्कार अर्जित किया।

2. स्वयम

- वर्ष 2024-2025 के दौरान 3 पाठ्यक्रम (2 पुनरावर्तित और 1 नया पाठ्यक्रम) प्रस्तुत किए जाएँगे, जिससे कुल 40,000+ नामांकन होंगे।
- पहुँच और जुड़ाव के संदर्भ में स्वयम पर पाठ्यक्रम अपने डोमेन में समान पेशकशों से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
- इसमें अर्थशास्त्र, डिजिटल परिवर्तन और रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसमें डिजिटल परिवर्तन: सिद्धांत और अनुप्रयोग पाठ्यक्रम का पूर्णतः हिंदी में प्रस्तुतीकरण एक प्रमुख उपलब्धि रही, जिसने भाषा समावेशिता और शिक्षार्थी सुगम्यता के प्रति आईआईएमए की प्रतिबद्धता को और पुष्ट किया।

3. ऑनलाइन@आईआईएमए प्लेटफॉर्म

- संस्थागत और शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले आईआईएमए-विशेष पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- अर्थशास्त्र, लेखाकरण और व्यावसायिक समस्या समाधान के लिए विश्लेषण के प्रमुख पाठ्यक्रमों में 30,000 से अधिक नामांकन।
- प्री-एमबीए मॉड्यूल पीजीपीएक्स, बीपीजीपी और अन्य आईआईएमए कार्यक्रमों के आने वाले प्रतिभागियों के लिए आधारभूत पाठ्यक्रम के रूप में कार्य करते हैं।
- वर्ष 2024-2025 में, पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए 2 नए पाठ्यक्रम जोड़े गए।

ऑनलाइन@आईआईएमए ने आईआईएम अहमदाबाद की डिजिटल शिक्षण रणनीति की आधारशिला के रूप में तेज़ी से अपनी पहचान बनाई है। प्रमुख वैश्विक प्लेटफार्मों पर वितरित यह पहल अब 196 देशों के शिक्षार्थियों तक पहुंच चुकी है, इसमें 4,80,000 नामांकन हो चुके हैं, तथा इसे अपनी अकादमिक उत्कृष्टता और संकाय-नेतृत्व वाली शिक्षा के लिए मान्यता प्राप्त है। जैसे-जैसे कार्यक्रम विकसित हो रहा है, ऑनलाइन@आईआईएमए अपने फोकस को और अधिक प्रखर शिक्षाशास्त्र और गहन शिक्षार्थी प्रभाव पर केंद्रित कर रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर विश्वस्तरीय, एसिंक्रोनस-अतुल्यकालिक प्रबंधन शिक्षा सुनिश्चित हो रही है। आगामी पाठ्यक्रमों में भविष्य के संगठन, नए उत्पाद विकास, उन्नत नेतृत्व कौशल, वैश्विक व्यावसायिक इतिहास और स्प्रेडशीट का उपयोग करके संगणना आदि शामिल हैं।

3. अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

3.1 नवप्रवर्तन ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई)

आईआईएम अहमदाबाद वर्ष 2002 में नवप्रवर्तन ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) की स्थापना करके देश में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने में प्रथम अन्वेषण दूत रहा है। आईआईएम वेंचर्स एक ऐसा नवाचार सातत्य है जो शुरुआती चरण के स्टार्टअप, महत्वाकांक्षी उद्यमियों और निवेशकों में अध्ययन, शिक्षा, ऊष्मायन, गति और निवेश करता है। केंद्र की अधिकांश ऊष्मायन और निवेश-संबंधी गतिविधियाँ सीआईआईई पहल जो 25 कंपनी का अनुभाग है उसके माध्यम से संचालित होती हैं।

आईआईएमए वेंचर्स को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। अपने 20 से अधिक वर्षों के संचालन में, आईआईएमए वेंचर्स ने अनुदान और उत्प्रेरक पूंजी के साथ 700 से अधिक स्टार्टअप का समर्थन किया है, 2000 से अधिक स्टार्टअप को गति दी है, 30,000 से अधिक उद्यमियों को प्रशिक्षित किया है, 3000 से अधिक महिला संस्थापकों का समर्थन किया है, 30 से अधिक ऊष्मायनकर्ताओं को प्रशिक्षित किया और सलाह दी है, और प्रकाशनों और ज्ञान उत्पाद के द्वारा 10 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है। यह डीप टेक, समावेशन तकनीक और जलवायु तकनीक में अपने जोखिम भरे शुरुआती विकास चरणों के दौरान विघटनकारी समाधान बनाने वाले जुनूनी संस्थापकों का समर्थन करता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में समर्थित कुछ उल्लेखनीय डीप टेक स्टार्टअप में शामिल हैं:

- ट्रेसएक्स टेक्नोलॉजीज: एक जलवायु-तकनीक प्लेटफ़ॉर्म जो ब्लॉकचेन-आधारित खाद्य आपूर्ति श्रृंखला ट्रेसबिलिटी और कार्बन अकाउंटिंग टूल प्रदान करती है।
- सैटलिओ लैब्स: उच्च-रिज़ॉल्यूशन भूमि सतह तापमान डेटा के लिए माइक्रो-सैटेलाइट नक्षत्रों का डेवलपर।
- मॉर्फिंग मशीन: पेटेंट किए गए रीकॉन्फ़िगरेबल एसओसी आर्किटेक्चर के साथ एक फैबलेस सेमीकंडक्टर स्टार्टअप।
- पेसरोबोटिक्स: एक निर्माण-तकनीक फर्म जो ऑन-साइट दक्षता को बढ़ावा देने के लिए मॉड्यूलर वॉल-फ़िनिशिंग रोबोटिक्स की पेशकश करती है।

भारत समावेशन पहल ने वित्तीय समावेशन, आजीविका, कौशल और समावेशन-तकनीक पर केंद्रित स्टार्टअप को समर्थन दिया। मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- सीग्रीन (वॉयस-एआई ऋण वसूली)
- एनप्रेप (नर्सिंग शिक्षा)
- मैकेनिफाई (सेकंड-लाइफ ईवी)
- स्पार्की (एआई-संचालित अंग्रेजी धाराप्रवाह वक्ता ऐप)
- क्यूस्टन पे और ज़ॉल्ट्स (ब्लॉकचेन-संचालित आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण)

इस पोर्टफोलियो में शामिल स्टार्टअप्स ने डिजिटल समाधानों का उपयोग करके भारत भर में अल्प प्रतिनिधित्व वाले और वंचित समुदायों की सेवा करने के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

क्षेत्रीय इनक्यूबेशन पहल

वर्ष के दौरान विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

अहमदाबाद, गुजरात
नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी कोशिश के तहत, केंद्र ने शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स को मज़बूत बनाने के मकसद से कई कोशिशें कीं। इसमें 12 बूस्टर सत्र और 87 ज्ञान समारोह शामिल हैं, जैसे स्टार्टअप्स के लिए एआई डे, माइक्रोसॉफ्ट एआई श्रृंखला, और डीप लर्निंग को बढ़ावा देने वाले हेडस्टार्ट एआई सत्र। इसके अलावा, बारह इनोसिटी बूस्टर सत्र और सतासी ज्ञान कार्यक्रम आयोजित किए गए। "स्टार्टअप के लिए एआई दिवस", माइक्रोसॉफ्ट एआई श्रृंखला और हेडस्टार्ट एआई सत्र जैसे कार्यक्रमों ने गहन शिक्षा को बढ़ावा दिया। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, रेज़रपे और एडब्ल्यूएस के साथ रणनीतिक साझेदारी ने आउटरीच और क्षमता निर्माण का समर्थन किया। जावा कैपिटल और यॉर्क.आईई जैसे निवेशकों के साथ कार्यालय समय द्वारा धन उगाहने के मार्गदर्शन प्रदान किए।

जयपुर, राजस्थान
अनंत बजाज लिमिटलेस आइडियाज हब (एबीएलआईएच) के माध्यम से, आईआईएमए वेंचर्स ने 8 निवेशों का समर्थन किया, और क्षेत्रीय स्टार्टअप पर केंद्रित ग्यारह अनुदान दिए। एसआईएसआईएफ़ 2024 कार्यक्रम ने 24-सप्ताह के मेंटरशिप के साथ समावेश-तकनीक और जलवायु-तकनीक में दस स्टार्टअप का समर्थन किया।

गुवाहाटी, असम
नॉर्थईस्ट ग्रोथ लैब्स (एनईजीएल) को आठ पूर्वोत्तर राज्यों में स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए एसएपी के साथ साझेदारी में लॉन्च किया गया था। पैंतीस आवेदकों में से सोलह स्टार्टअप को अनुदान और ओसीडी-आधारित सहायता प्राप्त करने के लिए चुना गया।

इंदौर, मध्य प्रदेश
इंदौर स्मार्ट सीड इनक्यूबेशन सेंटर ने अट्ठाईस स्टार्टअप को सहायता प्रदान की तथा कोटक बिज़लैब्स एक्सेलरेटर चलाया, जिसके तहत अनुदान सहायता के लिए दस सामाजिक एवं जलवायु-तकनीक स्टार्टअप्स का चयन किया गया।

नवी मुंबई, महाराष्ट्र
दक्षिण भारत शिक्षा सोसायटी (एसआईईएस) को पूर्व छात्रों और विद्यार्थियों के लिए एक इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने में सहायता की, विशेष रूप से रचनात्मक स्टार्टअप और सामाजिक नवाचार के क्षेत्र में।

नोइडा, उत्तर प्रदेश
जुबिलेंट भारतीय फाउंडेशन के सहयोग से भारत इम्पैक्ट क्वेस्ट और भारत इम्पैक्ट इनक्यूबेशन सेंटर की शुरुआत की गई, ताकि सामाजिक उद्यमों को बीज अनुदान और मार्गदर्शन के साथ सहायता प्रदान की जा सके।

नीचे दी गई रिपोर्ट आईआईएमए वेंचर्स द्वारा आईआईएमए केंद्रित गतिविधियों का सारांश प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य आईआईएमए छात्रों को सहायता प्रदान करना और संकाय विशेषज्ञता का उपयोग करके शोध गतिविधियाँ करना है:

आईआईएमएवरिक्स फ़ेलोशिप कार्यक्रम 2025

आईआईएमए के पूर्व छात्रों के सहयोग से यह प्रमुख पहल, स्नातक छात्रों को अपना खुद का उद्यम शुरू करने के लिए वित्तीय और मार्गदर्शन सहायता प्रदान करती है। इस वर्ष, पीजीपी, एफएबीएम और पीजीपीएक्स समूहों के 5 छात्रों को स्थानन छुट्टियों और अनुदानों के साथ सहायता प्रदान की गई।

- जयंत रांवका, पीजीपी - इंडिया फर्स्ट गिफ्टिंग रजिस्ट्री
- धनंजय यादव, एफएबीएम - अंतरिक्ष एजेंसियों, उद्यमों और भू-स्थानिक डेवलपर्स के लिए ग्रहीय पैमाने पर डेटा विश्लेषण के लिए ऑन-क्लाउड नो-कोड आईडीई।
- आकाश कौंडिन्या कोनिडेना, पीजीपीएक्स - ब्रांडों के लिए ओमनीचैनल वितरण समाधान
- पार्थ गोहिल, पीजीपीएक्स - शहरी गतिशीलता के लिए सार्वजनिक परिवहन समाधान
- युगम जेठी, पीजीपीएक्स - रिलेशनशिप-ओरिएंटेड डेटिंग ऐप

आईआईएमएवरिक्स ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप 2025

चार प्रथम वर्ष के पीजीपी छात्रों को शुरुआती चरण के विचारों पर काम करने के लिए वजीफा और मार्गदर्शन मिला। उपक्रमों में एआई-सक्षम ग्राहक सहायता से लेकर स्मार्ट स्वच्छता उत्पाद तक शामिल थे।

- शुभम जैन - मानसिक स्वास्थ्य के लिए एआई चैटबॉट
- आदित्य वर्मा - जनरेटिव एआई-सक्षम ग्राहक सेवा
- शुभम पेरीवाल - स्वच्छता के लिए स्मार्ट पानी की बोतलें
- नवीन मीना - स्वच्छता के लिए स्मार्ट पानी की बोतलें

घर-पर-उद्यमी (ईआईआर) कार्यक्रम

घर-पर-उद्यमी कार्यक्रम की शुरुआत कैंपस में उद्यमिता के प्रति उत्साही लोगों के प्रयोगों को समर्थन देने के लिए की गई है। छात्रों को मार्गदर्शन सहायता के साथ वित्तीय अनुदान द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। निम्नलिखित छात्रों को ईआईआर सहायता प्रदान की गई।

- निशंक गोयल और अखिल कुमार - गिमिमिची: कोरियाई खाद्य ब्रांड
- जतिन गुप्ता और बोधि राठौर - दैट्स ऑल: पैकेज्ड फ़ूड एनालिटिक्स ऐप
- आदित्य प्रजापति - हेल्दी क्रंच: स्वादिष्ट सलाद सब्सक्रिप्शन

परिसर पहुँच और समारोह

- छात्र और पूर्व छात्र संस्थापकों के लिए आईआईएमए एक्सेलेरेटर का आयोजन किया।
- पुरस्कार निधि के साथ रेड ब्रिक समिट - मास्टरप्लान प्रतियोगिता को प्रायोजित किया।
- एक सतत उद्यमी समुदाय को बढ़ावा देने के लिए स्नातक पीजीपी2 और पीजीपीएक्स छात्रों के साथ ओपन हाउस और रात्रिभोज की मेजबानी की।

अनुसंधान और अध्यापन योगदान

पाठ्यक्रम समर्थन

आईआईएमए वेंचर्स ने कई वैकल्पिक और परियोजना पाठ्यक्रमों के डिजाइन और वितरण में सहयोग किया, जिनमें शामिल हैं:

- भविष्य की कल्पना (पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपीएक्स)
- उद्यम निवेश: एक निधि परिप्रेक्ष्य (पीजीपी)
- इनोवेशन लाइव! (पीजीपी, पीजीपीएक्स)
- कृषि-व्यवसाय उद्यमिता (पीजीपी-एफ़एबीएम)
- रचनात्मक और जीवनशैली व्यवसायों का प्रबंधन (पीजीपी)
- स्टार्टअप का विश्लेषण और प्रबंधन (पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम)

ऑनलाइन कोर्स प्री-एमबीए अकाउंटिंग के लिए संस्थापक वीडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा प्रदान की गई।

गतिवर्धन और बूटकैंप कार्यक्रम

आईआईएमए वेंचर्स ने इस वर्ष छह ध्यान-केंद्रित कार्यक्रम चलाए:

1. पीपल एंड कल्चर एक्सेलेरेटर: बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे 8 स्टार्टअप को सहायता प्रदान की। पिलग्रिम और पीक XV के विशेष वक्ता शामिल हुए।
2. ग्रोथ एक्सेलेरेटर: विभिन्न क्षेत्रों के 9 एसएमई को नवाचार रणनीतियों का पता लगाने में सक्षम बनाया। वक्ताओं में बीलाइन कैपिटल और राम रत्न समूह के उद्योग के अग्रणी शामिल थे।

3. सोशल स्टार्टअप एक्सेलेरेटर: शुरुआती चरण के असिस्टिवटेक और वेस्टटेक स्टार्टअप को लक्षित किया, जिसे शेफ़लर के एसआईएसआईएफ़ द्वारा सहायता प्रदान की गई।
4. भारत समावेशन बूटकैंप: वंचित समुदायों के लिए वित्तीय समाधान बनाने वाले पंद्रह स्टार्टअप शामिल थे। सहकर्मी शिक्षा के लिए अद्वितीय "हडल" प्रारूप पेश किए गए।
5. कोटक बिज़लैब्स बूटकैंप: एग्रीटेक, क्लीनटेक और स्किलटेक में 20 स्टार्टअप को शामिल किया गया। वक्ताओं में प्रोडक्टिव.एआई और उपाय वेंचर्स के डोमेन विशेषज्ञ शामिल थे।
6. आईआईएमए एक्सेलेरेटर: आईआईएमवेरिक्स और ईआईआर के लिए तैयार किया गया, जिसमें पाँच छात्र-नेतृत्व वाले उद्यम शामिल हैं। इसके लिए जार और इन्फो एज वेंचर्स के विशेष वक्ता के रूप में बुलाए गए थे।

कार्यशालाएँ, सेमिनार, और प्रकाशन

समारोह और सेमिनार

- संजीव बिखचंदानी और किट्टी अग्रवाल के साथ प्रौद्योगिकी निवेश सेमिनार
- पिलग्रिम, नोब्रोकर, पर्पल और सॉस.वीसी के संस्थापकों द्वारा स्टार्टअप कैसे शुरू करें (एचटीएसएएस) सत्र
- डी91 और स्वाधार के साथ महिला-केंद्रित उत्पाद विकास स्प्रिंट
- भारत समावेशन शिखर सम्मेलन में मापन ही मायने रखता है पर कार्यशाला

प्रकाशित रिपोर्ट

- भारत की महिलाएँ: संख्या, खंड, व्यक्तित्व
- प्रभाव के लिए नवाचार: जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाले भारतीय स्टार्टअप
- महिलाओं के लिए डिजिटल व्यक्तिगत वित्त समाधान: गोलमेज सारांश
- उद्यमों के लिए एआई (अंतर्दृष्टि रिपोर्ट)
- भारत के लिए निर्माण (चर्चा नोट्स)

केस अध्ययन और प्रकाशन

- डोज़ी: भारत में डिजिटल हेल्थकेयर उत्पाद स्टार्ट-अप को आगे बढ़ाना
- बिंक्स: कस्टमाइज़्ड टेलरिंग सर्विसेज़ स्टार्टअप को बढ़ावा देना
- बटरफ्लाई लर्निंग: बाल चिकित्सा व्यवहार स्वास्थ्य में मूल्य सृजन
- नभदृष्टि: भारत का पहला जेट इंजन बनाना
- पियरसाइट स्पेस: स्पेसटेक के लिए उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र
- चारा टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड: निवेश समिति के समक्ष सीड फंडिंग चुनौतियाँ
- सीआईआईई: क्लीनटेक उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना

विचार नेतृत्व एवं संवाद

लेख और इन्फोग्राफिक्स

- जलवायु कार्रवाई और बजट 2025-26: क्या आगे बढ़ता है, क्या रुका हुआ है?
- वंचितों को सशक्त बनाने में पी2पी ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म की भूमिका
- जलवायु वित्त गाथा: यह सिर्फ़ इस बारे में नहीं है कि इसे कितना इस्तेमाल किया जा रहा है, बल्कि यह भी है कि इसे कहाँ इस्तेमाल किया जा रहा है।
- महिला उद्यमियों के 'अन्यीकरण' से परे
- महिलाओं की वित्तीय समावेशन और एजेंसी को बढ़ाने के लिए साझा उद्देश्य मूल्यांकन ढाँचा तैयार करना
- भारत का नवीनतम बजट जलवायु तकनीक नवाचार को कैसे बढ़ावा देता है
- महिला सूक्ष्म उद्यमियों के लिए ऋण पहुँच को सक्षम करने के लिए फिनटेक क्या कर सकते हैं
- भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अवसरों को खोलना
- भारत का एगटेक अवसर: वर्तमान से लेकर भविष्य के उपयोग के केसों तक

उपकरण और कार्यशालाएँ

- ट्रस्ट टूलकिट: महिला के लिए यूआई/यूएक्स का निर्माण।
- उत्पाद विचार टूलकिट के लिए अवसर सत्यापन
- स्टार्टअप अनुपालन टूलकिट
- स्टार्टअप - कॉर्पोरेट भागीदारी निर्माण टूलकिट

गोलमेज और पैनल चर्चा

1. "महिलाओं के लिए डिजिटल व्यक्तिगत वित्त समाधान" पर गोलमेज सम्मेलन में वित्तीय क्षेत्र के दस शिक्षाविदों, संस्थापकों, सहकारी समितियों और विचारकों ने भाग लिया।
2. "उत्पादक ऋण को अनलॉक करना: सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए सुलभ, किफायती ऋण समाधान सक्षम करना", "बचत को सशक्त बनाना: औपचारिक बचत और निवेश साधनों में भागीदारी का विस्तार करना", और "भारत का बीमा करना: बीमा में विश्वास, पहुंच और अपनाने की बाधाओं को दूर करना" पर गोलमेजों की एक श्रृंखला में भारत के उपभोक्ताओं की वित्तीय वास्तविकता के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण का पता लगाने के लिए 40 से अधिक शोधकर्ताओं, विचारकों, बैंकरों और फिनटेक ने भाग लिया।
3. "उपभोक्ता संरक्षण" पर गोलमेज सम्मेलन में वित्तीय क्षेत्र के 12 से अधिक शिक्षाविदों, संस्थापकों, सहकारी समितियों और विचारकों ने भाग लिया।
4. "वित्तीय सेवा पिरामिड में महिलाओं को आगे बढ़ाना" - भारत समावेश शिखर सम्मेलन 2025 में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें वक्ताओं में शामिल थे, पुनीत गुप्ता, कैलीडोफिन के सह-संस्थापक, हर्ष दुगर, फेडरल बैंक के कार्यकारी निदेशक, पल्लवी मधोक, महिला विश्व बैंकिंग की सलाहकार सेवाओं की उपाध्यक्ष, सुमित कौर कपूर, पीएफआरडीए की कार्यकारी निदेशक और सुप्रिया शर्मा, पार्टनर - इनसाइट्स, आईआईएमए वेंचर्स।
5. "पैचवर्क टू प्रिसिजन: शेपिंग रोबस्ट कंज्यूमर प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क इन फिनटेक", भारत समावेश शिखर सम्मेलन 2025 में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें वक्ताओं में शामिल थे, सुगंध सक्सेना, फेस के सीईओ,

संजय जैन, गेट्स फाउंडेशन के निदेशक, शरण ककरेजा, सिरिल अमरचंद मंगलदास के पार्टनर, सौरभ कर्ण, सर्वम एआई के संस्थापक सदस्य और साहिल बंसल, कोष के सह-संस्थापक।

6. भारत समावेश शिखर सम्मेलन 2025 में "वित्तीय लचीलेपन के लिए फिनटेक" पर पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें डिट्टो के संस्थापक पवन कुमार राय, जार के सह-संस्थापक और सीईओ निश्चय एजी, पिनबॉक्स के संस्थापक गौतम भारद्वाज, गोदरेज कैपिटल की मुख्य जोखिम अधिकारी शालिनी मिमानी और आईआईएमए वेंचर्स की एवीपी - इनसाइट्स त्रिशा घोषाल शामिल थीं।
7. भारत समावेश शिखर सम्मेलन 2025 में "समावेशी फिनटेक का निर्माण: लाभ और पैमाने पर प्रभाव बनाना" विषय पर पैनल चर्चा हुई जिसमें नेक्सस वेंचर पार्टनर्स के पार्टनर आनंद दत्ता, मॉइकल एंड सुज़ैन डेल फाउंडेशन में भारत में वित्तीय समावेशन के प्रमुख राकेश गोयल, ट्राइफेक्टा कैपिटल एडवाइजर्स में पार्टनर लावण्या अशोक, आईआईएमए वेंचर्स में एसवीपी - सीड एंड एक्सेलेरेशन, संदीप कौजलगी और ऑनसुरिटी के सह-संस्थापक और सीओओ कुलीन शाह शामिल हुए

3.2 लैंगिक मुद्दा प्रबंधन समिति (सीएमजीआई)

लैंगिक मुद्दों के प्रबंधन के लिए समिति (सीएमजीआई) पीओएसएच अधिनियम, 2013 के अनुसार सभी स्तरों पर उत्पीड़न या यौन उत्पीड़न से मुक्त परिसर बनाने की दिशा में काम करती है। हालाँकि, सीएमजीआई का व्यापक उद्देश्य अधिनियम और उसके नियमों द्वारा अनिवार्य किए गए उद्देश्यों से परे है। केंद्र का उद्देश्य न केवल यौन उत्पीड़न, बल्कि लैंगिक पूर्वाग्रह, भेदभाव और अन्य लिंग-संबंधी मुद्दों के बारे में भी संवेदनशील बनाना और जागरूकता पैदा करना है।

उत्पीड़न के मामलों से निपटने के चल रहे काम के अलावा, सीएमजीआई परिसर में लैंगिक संवेदनशीलता सत्र भी आयोजित करता है। उनमें से कुछ नीचे दिए गए हैं:

सत्र आयोजन

- 44वें एफडीपी बैच के लिए 'लिंग संवेदनशीलता' पर एक सत्र 08 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया।
- पीजीपीएक्स बैच 2024-25 के लिए 20 अप्रैल, 2024 को 'लिंग संवेदनशीलता' पर एक सत्र आयोजित किया गया।
- ईपीजीडी-एबीए 2024-25 बैच के लिए 22 अप्रैल, 2024 को 'लिंग संवेदनशीलता' पर एक सत्र आयोजित किया गया।
- आईआईएम अहमदाबाद में यौन दुराचार से संबंधित नियमों और इस तरह के आचरण के पीड़ितों के लिए शिकायत दर्ज करने के लिए उपलब्ध रास्तों की बुनियादी समझ विकसित करने के लिए 22 जून, 2024 को पीजीपी 2024-26, पीजीपी-एफएबीएम 2024-26 और डीपीएम 2024 आने वाले छात्रों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया।
- बीपीजीपी बैच 2024-26 के लिए 01 सितंबर, 2024 को "लिंग संवेदीकरण" पर एक सत्र आयोजित किया गया।
- 27 नवंबर, 2024 को सीएमजीआई के सदस्यों के लिए पीओएसएच प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- 28 नवंबर, 2024 को स्टाफ सदस्यों (ग्रुप बी और सी) के लिए "लिंग संवेदीकरण" पर एक सत्र आयोजित किया गया।
- 17 दिसंबर, 2024 को अनुबंध कर्मचारियों (हाउसकीपिंग, सुरक्षा, आदि) के लिए "लिंग संवेदीकरण" पर एक सत्र आयोजित किया गया।

सूचना एवं जागरूकता का प्रसार :

- सीएमजीआई दिशानिर्देश संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आईआईएमए समुदाय के साथ साझा किए जाते हैं।
- सीएमजीआई समाचार पत्र: समिति लैंगिक संवेदनशीलता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए न्यूज़लैटर जारी किए हैं। इन न्यूज़लैटर का उद्देश्य लैंगिक समानता, विविधता और समावेशन के बारे में शिक्षित करना, शामिल करना और चर्चा को बढ़ावा देना है।

3.3 लैंगिक केंद्र

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद में जेंडर केंद्र की स्थापना अक्टूबर 2018 में महिलाओं और लैंगिक समानता के मुद्दों से संबंधित छात्रवृत्तियों को बनाने और बढ़ावा देने के लिए की गई थी। प्रबंध संस्थान के भीतर देश के एकमात्र जेंडर केंद्र के रूप में, केंद्र इस क्षेत्र में अत्याधुनिक शोध, परिवर्तनकारी अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम अभ्यास प्रदान करते हुए, इस क्षेत्र में अग्रणी है। केंद्र की दूरदर्शी अंतःविषय विशेषज्ञता संगठनों को साक्ष्य-आधारित रणनीतियों को विकसित करने में सक्षम बनाती है, जिससे महिला सशक्तिकरण का भविष्य बनता है। एक प्रमुख संस्थागत स्थल के रूप में, केंद्र विविध पृष्ठभूमि और विषयों से व्यक्तियों को एक साथ लाकर लिंग-संबंधी चुनौतियों और अवसरों की गहरी समझ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जेंडर केंद्र में अनुसंधान का उद्देश्य प्रबंधन पर आधारित रहते हुए विभिन्न विषयों और व्यवसाय क्षेत्रों पर शोध करना है।

जेंडर केंद्र के सदस्यों ने लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग, नीति और जमीनी स्तर पर प्रभावशाली योगदान दिया है। उनके शोध ने महिला नेतृत्व, समान कार्यस्थल प्रथाओं और लिंग-संवेदनशील नीतियों की आवश्यकता पर प्रकाश डालकर कॉर्पोरेट प्रशासन को मजबूत किया है। नीति स्तर पर, उन्होंने निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए अंतर्विषयक लिंग प्रबंधन ढांचे विकसित किए और नेतृत्व प्रशिक्षण लागू किया। जमीनी स्तर पर किए गए हस्तक्षेपों में कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाना, महिलाओं की एजेंसी के माध्यम से पोषण में सुधार, समय की कमी को दूर करना, स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच का विस्तार करना और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करना शामिल है। सामूहिक रूप से, इन प्रयासों ने समावेशी नीतियों को सूचित किया है, महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक अभिकरण को बढ़ाया है, और विभिन्न क्षेत्रों में प्रणालीगत परिवर्तन में योगदान दिया है।

वर्ष 2024-25 के दौरान निम्नलिखित शोध पहल की गईं:

1. उप-राष्ट्रीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण: लैंगिक समानता प्राप्त करने की दिशा में (एसडीजी 5)

इस पहल में विकसित महिला सशक्तिकरण सूचकांक एक उप-राष्ट्रीय, जिला-स्तरीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है, जो पारंपरिक राज्य-स्तरीय विश्लेषणों की तुलना में अधिक विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। जिलों पर ध्यान केंद्रित करके, यह दृष्टिकोण स्थानीय जनसांख्यिकीय, आर्थिक, अवसंरचनात्मक और सामाजिक विविधताओं को पकड़ता है, जो राज्य-स्तरीय एकत्रीकरण द्वारा छिपी हो सकती हैं। विश्लेषण का यह परिष्कृत स्तर नीति निर्माताओं को लक्षित हस्तक्षेपों को डिजाइन और कार्यान्वित करने, क्षेत्रीय असमानताओं को संबोधित करने और संसाधनों का अधिक न्यायसंगत आवंटन सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है। महिला सशक्तिकरण सूचकांक वर्ष 2019 के लिए चार प्रमुख आयामों (डेटा उपलब्धता के आधार पर) पर बनाया गया है:

- निर्णय लेना और शारीरिक गतिशीलता
- शैक्षिक और सूचनात्मक सशक्तिकरण
- आर्थिक सशक्तिकरण
- अवैतनिक कार्य के लिए आवंटित समय

यह सूचकांक साक्ष्य-आधारित नीति डिजाइन के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करता है, जो हितधारकों को स्थानीय संदर्भों के अनुरूप रणनीति बनाने और लिंग-संवेदनशील शासन को आगे बढ़ाने में मदद करता है।

2. भारत भर में एसडीजी 5 की स्थिति: जिला स्तर पर अंतर्दृष्टि का स्थानीयकरण

यह परियोजना सतत विकास लक्ष्य 5 (एसडीजी 5) - लैंगिक समानता पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में समान अधिकार, अवसर और उपचार सुनिश्चित करके सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार और राजनीतिक और आर्थिक निर्णय लेने में लैंगिक समानता हासिल करना सतत विकास को बढ़ावा देने और समग्र सामाजिक कल्याण को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। लैंगिक समानता की एक विस्तृत और डेटा-संचालित समझ प्रदान करने के लिए, यह अध्ययन छत्तीस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 792 जिलों के लिए जिला-स्तरीय लैंगिक संकेतकों को जिला और राज्य प्रोफाइल में समेकित करता है। जिला-स्तरीय डेटा पर ध्यान केंद्रित करके, यह विश्लेषण जनसांख्यिकी, आर्थिक गतिविधियों, बुनियादी ढांचे और सामाजिक संकेतकों में स्थानीय बारीकियों को पकड़ता है जो अन्यथा एकत्रीकरण के कारण राज्य स्तर पर दिख नहीं सकते हैं।

3. महिलाओं के नेतृत्व में विकास

यह अध्ययन महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की अवधारणा की पड़ताल करता है, जिसमें सामाजिक और आर्थिक विकास में महिलाओं के नेतृत्व, रोजगार और उद्यमिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। अध्ययन में श्रम शक्ति, अनौपचारिक क्षेत्र के श्रम और जमीनी स्तर पर नेतृत्व गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी के महत्व और समग्र सामाजिक और आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला गया है। हमने महिला नेतृत्व, श्रम शक्ति में भागीदारी और कई चरणों में समग्र सामाजिक और आर्थिक विकास परिणामों पर इसके प्रभाव को समझने के लिए एक इनपुट-आउटपुट (आदान-उपज) ढाँचा बनाया।

4. कृषि व्यवसाय में महिलाएँ: अवसर और चुनौतियाँ

यह अध्ययन एक बड़ी अनदेखी चुनौती, यानी भारत के कृषि व्यवसाय क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व, पर प्रकाश डालता है। अब तक के अधिकांश अध्ययनों में महिलाओं की भूमिका को छोटे किसानों और उद्यमियों के रूप में देखा गया है। जो कमी रह गई है, वह है कृषि व्यवसाय मूल्य श्रृंखला में कर्मचारियों के रूप में महिलाओं को देखनी, जहाँ उनका प्रतिनिधित्व असमान रूप से है; हालाँकि कक्षा में कृषि शिक्षा के छात्रों में 30-40% महिलाएँ हैं, फिर भी शिक्षा और उद्योग के बीच स्पष्ट रूप से एक अंतर है। हम शिक्षा से लेकर रोज़गार तक की यात्रा की जाँच कर रहे हैं, कृषि महाविद्यालयों में छात्रों से बात कर रहे हैं, पहले से ही इस क्षेत्र में काम कर रही महिलाओं से जुड़ रहे हैं, और सभी कोणों से बाधाओं को समझने के लिए नियोक्ताओं से जुड़ रहे हैं।

5. महिला कार्यबल भागीदारी पर पैनल चर्चा

पैनल ने निम्नलिखित विषयों पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की:

- महिला कार्यबल भागीदारी की वर्तमान स्थिति।
- कार्यबल में महिलाओं के सामने आने वाली बाधाएँ और चुनौतियाँ।
- भागीदारी और सशक्तिकरण को बढ़ाने की रणनीतियाँ।
- महिला कार्यबल भागीदारी का समर्थन करने में नीति और उद्योग की भूमिका।

चर्चा में समावेशी और न्यायसंगत श्रम बाज़ार बनाने के लिए लिंग-संवेदनशील नीतियों और कार्यस्थल हस्तक्षेपों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। पैनलिस्टों ने महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संरचनात्मक सुधारों, कौशल विकास पहलों और उद्योग-संचालित उपायों के महत्व पर जोर दिया।

6. 'कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की क्षमता को साकार करना' पर हितधारक संवाद

इस संवाद की संकल्पना इस प्रकार की गई थी:

- कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों और नीतिगत बाधाओं की पहचान करना और वर्षों के अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के बावजूद उनका समाधान नहीं किया जाना।
- हमारे पास मौजूद डेटा और साक्ष्य का मानचित्रण करना और ब्लैक बॉक्स की पहचान करना।
- तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता वाली चुनौतियों की पहचान करने के लिए समस्या प्राथमिकता मैट्रिक्स बनाना।
- महिलाओं के सामने आने वाली संरचनात्मक बाधाओं को दूर करने के लिए समाधान, रणनीति और अच्छे अभ्यासों की खोज करना।
- कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं के पारिस्थितिकी तंत्र में अभिनेताओं के गठबंधन के निर्माण की दिशा में एक सहयोगी मार्ग तैयार करना और काम करना।

इन चर्चाओं ने समृद्ध अंतर्दृष्टि प्रकट की और संसाधनों तक पहुँच की कमी पर अक्सर चर्चा की जाने वाली कहानी से परे, कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की क्षमता को साकार करने के लिए कई चुनौतियों पर आम सहमति के साथ विचारों को साझा करने में सक्षम बनाया।

7. "भारतीय कृषि व्यवसाय में महिलाएँ" पर पैनल चर्चा और हितधारक संवाद, अवसरों और चुनौतियों को संबोधित करना

इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेताओं, महिला व्यवसायियों, कृषि शिक्षा के प्रतिनिधियों और नीति अधिवक्ताओं के एक विविध समूह को एक साथ लाया गया, ताकि कृषि व्यवसाय मूल्य श्रृंखला में प्रणालीगत चुनौतियों और उभरते अवसरों पर विचार-विमर्श किया जा सके। इस सहभागिता ने महत्वपूर्ण गुणात्मक अंतर्दृष्टि उत्पन्न की, जिससे संरचनात्मक बाधाओं और सक्षम स्थितियों दोनों के बारे में हमारी समझ समृद्ध हुई, जो इस क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता को आकार देती हैं।

प्रकाशन

- वेमिरेड्डी, वी., और लूसिया, आर. (2025)। कृषि व्यवसाय रिपोर्ट 2025 में महिलाएँ: अवसर और चुनौतियाँ। भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद।
- चक्रवर्ती, डी. (2024)। कार्यस्थल पर हिंसा और चिकित्सा में धोखेबाज़ी की घटना: एक यू.एस.-आधारित गुणात्मक अध्ययन। हिंसा और लिंग।
- डोंगरे, ए., सिंघल, के., और दास, यू. (2024)। भारत में अर्थशास्त्र शिक्षा में "लापता" महिलाएँ। नारीवादी अर्थशास्त्र, 1-34।
- चौधरी, ए., शर्मा, आर., और वेमिरेड्डी, वी. (2024)। खाद्य ट्रेसिबिलिटी पर उपभोक्ता दृष्टिकोण-एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और भविष्य का शोध एजेंडा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंज्यूमर स्टडीज़, 48(6), ई13101
- वेमिरेड्डी, वी., टोक, एन., विश्वनाथ, डी., और चौधरी, ए. (2024)। खाद्य प्रणालियों में जलवायु लचीलेपन के लिए लैंगिक दृष्टिकोण से रूपरेखा। 32वां आईसीएई।
- गुप्ता, एस., सेठ, पी., वेमिरेड्डी, वी., और पिंगाली, पी. (2024)। शहरी क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण और अंतर-घरेलू आहार विविधता: भारत के डीएचएस से साक्ष्य। खाद्य नीति, 128, 102680
- वेमिरेड्डी, वी. (2024)। उप-राष्ट्रीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण: लैंगिक समानता (एसडीजी 5) प्राप्त करने की दिशा में। जेंडर केंद्र, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद।
- चिदारकर, एन., नकाजिमा, एम., और वू, ए. (2024)। शहरी, ग्रामीण और प्रवासी बच्चों में स्वास्थ्य में अवसर की असमानता: चीन से साक्ष्य। जर्नल ऑफ सोशल पॉलिसी, 53(4), 950-969।
- बेस्टा, टी., जुरेक, पी., ओलेक, एम., व्लोडार्कज़िक, ए., कोसाकोव्स्का-बैरेज़का, एन., बासन, जे. के., बेंडर, एम., और वोहरा, एन., और अन्य (2024)। संस्कृतियों में लैंगिक समानता के प्रति सामूहिक कार्रवाई के इरादे को मापना। यूरोपीय जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल असेसमेंट।
- वेमिरेड्डी, वी., और पुस्कर, आर. (2024)। कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की क्षमता को समझना। सीजीआईएआर जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफ़ॉर्म।
- वोहरा, एन., सूद, के., और भयाना, सी. (2024)। भारतीय बोर्डों में लैंगिक विविधता और समावेशन: 2015 और 2019 में अधिदेश की शुरूआत के बाद। व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य और अनुसंधान।
- कुलकर्णी, वी., गुप्ता, एन., और पनिकर, ए. (2024)। बहिष्करण सीमाओं के माध्यम से 'सुरक्षित' स्थान बनाना: भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान घरेलू कामगारों के साथ नियोक्ताओं के व्यवहार की जांच करना। ह्यूमन रिलेशंस, 00187267241275864.एस

3.4 भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी)

भारत स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) की स्थापना नवंबर 2014 में विश्व स्वर्ण परिषद के सहयोग से की गई थी। आईजीपीसी का उद्देश्य भारत के स्वर्ण उद्योग पर उन्नत शोध करना है, नीति निर्माताओं और उद्योग के हितधारकों को सूचित निर्णय लेने के लिए निष्पक्ष और विश्वसनीय जानकारी प्रदान करना है। केंद्र का लक्ष्य इन जानकारियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विशेष ज्ञान और व्यावहारिक सिफारिशें प्रदान करना है।

आईजीपीसी स्वर्ण के मूल्य श्रृंखला के हर पहलू को कवर करने वाली व्यापक नीति सिफारिशें देने के लिए सरकारी विभागों और उद्योग निकायों के साथ सहयोग करता है। नीति निर्माताओं और हितधारकों के साथ खुली और निरंतर बातचीत बनाए रखते हुए, आईजीपीसी सुनिश्चित करता है कि उसकी सलाह प्रासंगिक और प्रभावशाली बनी रहे। यह केंद्र नवीनतम उद्योग रुझानों और विकासों पर अपडेट रहने के लिए वैश्विक और घरेलू स्वर्ण सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लेता है, इस ज्ञान को अपनी नीति सिफारिशों में एकीकृत करता है। स्वर्ण के उद्योग की गतिशील प्रकृति को समझते हुए, आईजीपीसी नीतियों को प्रभावी और प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इन परिवर्तनों से आगे रहने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईजीपीसी ने स्वर्ण के वित्तीयकरण, द्विपक्षीय व्यापार समझौतों, स्वर्ण के पारिस्थितिकी तंत्र में एक्सचेंजों और बैंकों की भूमिका और स्वर्ण से संबंधित हॉलमार्किंग और कर नीतियों जैसी प्रमुख पहलों में योगदान दिया है

सूचना का प्रसार

- आईजीपीसी ने 3-4 मार्च, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में स्वर्ण और स्वर्ण के बाजारों पर 8वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। दो दिवसीय सम्मेलन में लगभग चालीस वक्ताओं और सोलह शोध पत्र प्रस्तुतियों के साथ-साथ उद्योग, शिक्षा और नीति के विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चाएँ शामिल थीं। आईजीपीसी की अध्यक्ष प्रो. सुंदरवल्ली नारायणस्वामी ने अपने स्वागत भाषण में भारत के स्वर्ण के पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में चर्चाओं को आकार देने में इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए सम्मेलन की शुरुआत की। इसके बाद आईआईएमए के निदेशक प्रो. भारत भास्कर ने उद्घाटन भाषण दिया, जिन्होंने वैश्विक स्वर्ण के बाजारों में भारत की भूमिका को मजबूत करने में शोध-संचालित नीति सिफारिशों के महत्व को रेखांकित किया। सम्मेलन में प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंथा नागेश्वरन शामिल थे, जिन्होंने मुख्य अतिथि का भाषण दिया, और श्री के राजारमन, अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण, जिन्होंने स्वर्ण और कीमती धातुओं के लिए विकसित नियामक परिदृश्य के बारे में जानकारी दी। सम्मेलन में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही तरह के स्वर्ण बाजारों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, प्रमुख हितधारकों और शिक्षाविदों के सदस्यों को शामिल करते हुए समर्पित पैनल चर्चाएँ हुईं। इसके अलावा, कई विद्वानों ने स्वर्ण बाजारों के विभिन्न पहलुओं पर अपने शोध प्रस्तुत किए। चर्चाओं ने महत्वपूर्ण संवाद के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे भारत के स्वर्ण क्षेत्र में विचार नेतृत्व और नीति-उन्मुख अनुसंधान को आगे बढ़ाने में आईजीपीसी की भूमिका को बल मिला।
- भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी 2024) 7-9 दिसंबर, 2024 के दौरान आईआईएमए परिसर में आयोजित किया गया। ट्रैक "गोल्ड एंड प्रेशियस मेटल्स: बिजनेस एंड इकोनॉमिक पॉलिसीज़" की मेजबानी भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) ने की। आईएमआरसी बाजार की अंतर्दृष्टि साझा करने और वर्तमान विकास पर चर्चा करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच साबित हुआ। विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने बहुमूल्य ज्ञान साझा किया और स्वर्ण के बाजारों पर नीतिगत विचारों का आदान-प्रदान किया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में चार मुख्य वक्ता और सोलह विषयगत वार्ताएँ शामिल थीं।
- आईजीपीसी नियमित रूप से कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता रहता है। प्रोफेसर सुंदरावल्ली नारायणस्वामी ने दुबई कीमती धातु सम्मेलन में एक सत्र का संचालन किया, जिसका विषय था "कीमती धातुओं का भविष्य, बहुध्रुवीय बाजार में व्यापार का आधुनिकीकरण" जो मुख्य रूप से 'कीमती धातुओं में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता' पर केंद्रित था। समारोहकथा वैश्विक परामर्शी प्राइवेट लिमिटेड ने भारतीय बुलियन एवं जौहरी संगठन (आईबीजेए) और विश्व स्वर्ण परिषद भारत के सहयोग से भारत स्वर्ण सम्मेलन के 21वें संस्करण का आयोजन किया, जिसमें प्रोफेसर सुंदरावल्ली नारायणस्वामी ने "भारतीय स्वर्ण की आयात में आपूर्ति श्रृंखला डिजाइन और प्रतिस्पर्धात्मकता" पर एक विशेष भाषण दिया।
- आईजीपीसी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफ़एससीए) के साथ मिलकर काम करता है। जीआईएफ़टी आईएफ़एससी में बाजार अवसंरचना संस्थानों के साथ समन्वय में, उन्होंने वैश्विक प्रतिभूति बाजार सम्मेलन 1.0 का आयोजन किया था। इस सम्मेलन में वित्तीय संस्थानों, कॉरपोरेट्स, निधि प्रबंधकों, अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, नीति निर्माताओं और अर्थशास्त्रियों के अग्रणी एक साथ आए और उन्होंने अंतर्दृष्टि साझा की और वैश्विक स्तर पर प्रतिभूति बाजारों के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख मुद्दों और रुझानों पर चर्चा की। प्रोफेसर सुंदरावल्ली नारायणस्वामी, अध्यक्ष- भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) ने "भारत में कीमती धातु पारिस्थितिकी तंत्र में अग्रणी वित्तीय नवाचार में जीआईएफ़टी-आईएफ़एससी की भूमिका" विषय पर एक पैनल को संबोधित किया।

3.5 स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस)

स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) संस्थान के सबसे पुराने केंद्रों में से एक है । इसकी स्थापना जून 2004 में स्वास्थ्य क्षेत्र में आईआईएमए के योगदान को मान्यता देने और हमारे देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रबंधन को मजबूत करने की आवश्यकता को देखते हुए की गई थी।
सीएमएचएस का समग्र उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में प्रबंधकीय चुनौतियों का समाधान करना है, ताकि हमारी आबादी के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके, स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट संस्थानों का निर्माण किया जा सके और स्वास्थ्य नीतियों और व्यापक वातावरण को प्रभावित किया जा सके।

शिक्षण, अनुसंधान और अन्य गतिविधियों में सीएमएचएस संकाय का योगदान

शिक्षण

पीजीपी/पीजीपीएक्स

- प्रो. तरुण जैन
  पाठ्यक्रम: स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, पीजीपी

कार्यकारी शिक्षा - मुक्त नामांकन कार्यक्रम

- अस्पताल प्रबंधन (24-29 जून, 2024)
  संकाय अध्यक्ष: प्रो. राजेश चंदवानी

प्रकाशन

लेख

- देवास्मिता चक्रवर्ती मेसन, एच.आर.सी.*, वेबर, ए., व्याट, टी.आर., रसेल, आर.जी., हैवमैन, सी., बोटराइट, डी., फरीद, एच., मॉस, एस., और गुयेन, एम. (2025)। "मास्लो के आवश्यकता पदानुक्रम के माध्यम से कम आय वाले छात्रों के चिकित्सा शिक्षा के अनुभवों को समझना: एक खोजपूर्ण गुणात्मक अध्ययन।"
- देवास्मिता चक्रवर्ती (2024)। "कार्यस्थल पर हिंसा और चिकित्सा में धोखेबाज़ी घटना: एक यू.एस.-आधारित गुणात्मक अध्ययन।" हिंसा और लिंग, 11(2)।
- धीमान भद्र (2024): "भारत में बचपन में बौनेपन और कम वज़न के दोहरे बोझ की स्थानिक भिन्नता और जोखिम कारक: एक कॉपुला जियोएडिटिव मॉडलिंग दृष्टिकोण"। जर्नल ऑफ न्यूट्रीशनल साइंस, वॉल्यूम 13, सितंबर 2024, ई52 डीओआई: DOI:
- धीमान भद्र, शिबाजी गुप्ता, पियासा मल, सतीश राजा, सोनू गोयल (2024): "राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि डेटा का उपयोग करके 22 साल की अवधि (1998-2021) में भारतीय पुरुषों में तम्बाकू के उपयोग की प्रवृत्ति और निर्धारक" प्लोस वन 19(10): ई0308748. 22 अक्टूबर, 2024
- विद्या वेमिरेड्डी, सौम्या गुप्ता, पायल सेठ, प्रभु पिंगाली (2024): "शहरी सातत्य में महिला सशक्तिकरण और अंतर-घरेलू आहार विविधता: भारत के डीएचएस से साक्ष्य" खाद्य नीति, वॉल्यूम 128, अक्टूबर 2024, 102680

आधार पत्र

- तरुण जैन, अभिषेक दुरेजा। (2025)। "भारत में गर्मी से तनाव और अस्पताल में भर्ती होना" एसएसआरएन पर उपलब्ध (28 पृष्ठ)।

केस लेखन विकास

- आदित्य क्रिस्टोफर मोसेस, और राहुल कुमार शुक्ला: दुबई के हेल्थकेयर इकोसिस्टम का विकास: वैश्विक चिकित्सा पर्यटन केंद्र बनने की दिशा में, केस: सीएमएचएस0048, 04-10-2024
- आदित्य क्रिस्टोफर मोसेस, और राहुल कुमार शुक्ला: दुबई के हेल्थकेयर इकोसिस्टम का विकास: वैश्विक चिकित्सा पर्यटन केंद्र बनने की दिशा में: एक शिक्षण नोट, केस: सीएमएचएस0048टीएन, 04-10-2024

वेबिनार/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएँ/वार्ता

क्रमांक	समारोह	वक्ता और संबद्धता	वेबिनार/सेमिनार /सम्मेलन/ कार्यशालाएँ/ वार्ता का शीर्षक	दिनांक
1.	स्वास्थ्य देखभाल नेतृत्व वार्ता	• सुश्री अदिति मेहता, निदेशक, वैक्सीन और ऑन्कोलॉजी श्रेणी - फाइजर लिमिटेड। • श्री अनुज माहेश्वरी, अध्यक्ष - यूएसवी प्राइवेट लिमिटेड। • श्री हीरक बोस, वरिष्ठ उपाध्यक्ष - ल्यूपिन लिमिटेड। • डॉ. अमित सराफ, आंतरिक चिकित्सा निदेशक - जुपिटर अस्पताल।। • श्री जोसेफ गेराल्ड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष - सन फार्मा। • डॉ. सोनिया बसु, महाप्रबंधक - सहयाद्री अस्पताल। • श्री संजय बयाद, वाणिज्यिक निदेशक - एबॉट हेल्थकेयर लिमिटेड। • डॉ. भारत गढ़वी, निदेशक - एचसीजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स। • डॉ. राकेश शाह, क्लस्टर हेड - शाल्बी हॉस्पिटल।	भारतीय स्वास्थ्य देखभाल नेतृत्व वार्ता	20 दिसंबर, 2024
2.	नेतृत्व और रणनीतिक चिंतन कार्यक्रम		दृष्टिबाधित व्यवसायियों के लिए नेतृत्व और रणनीतिक चिंतन कार्यक्रम	17-19 फरवरी, 2025

3.6 जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल (जेएसडब्ल्यू एसपीपी)

जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल (एसपीपी) व्यापक नीति शिक्षा प्रदान करने और प्रभावशाली सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। स्कूल हमारे प्रमुख कार्यक्रमों (पीजीपी और पीजीपी-एफएबीएम) में समकालीन सार्वजनिक नीति ऐच्छिक विषयों की पेशकश करना जारी रखता है। शैक्षणिक वर्ष (एवाई) 2024-25 में, स्कूल ने दो ऐच्छिक विषयों की पेशकश की - i) सार्वजनिक नीति डिजाइन करना; ii) सार्वजनिक नीति संचार। इसके अतिरिक्त, स्कूल के मुख्य और संबद्ध संकाय भारतीय पुलिस सेवा, राष्ट्रीय सांख्यिकी सेवा और पंचायती राज मंत्रालय सहित सरकारी अधिकारियों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

जनवरी 2025 में, स्कूल ने श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस (भारत सरकार के सचिव, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग और पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय) द्वारा "विकसित भारत - शासन में बदलाव" विषय पर एक सार्वजनिक नीति वार्ता आयोजित की। 2024-25 के दौरान, जेएसडब्ल्यू एसपीपी भवन का सक्रिय रूप से कार्यकारी शिक्षा, विदेशी प्रतिनिधियों की मेजबानी और गुजरात राज्य सरकार के लिए चिंतन शिविर, आईएमआरसी 2024 और हेल्थकेयर समिट 2025 जैसे उच्च-प्रोफ़ाइल कार्यक्रमों के लिए उपयोग किया गया।

स्कूल के संकाय देश के और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहयोगात्मक अनुसंधान में लगे हुए हैं। एसपीपी संकाय ने विभिन्न वक्ता सत्रों और पैनलों में सक्रिय रूप से भाग लिया है, ऊर्जा नीति, लैंगिक समानता और सामाजिक समावेश पर चर्चाओं में अपनी विशेषज्ञता का योगदान दिया है, इस प्रकार संस्थान के विचार नेतृत्व और महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक संवाद चलाने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है।

3.7 डिजिटल रूपांतरण केंद्र (सीडीटी)

अकादमिक अनुसंधान

सीडीटी ने सूचना प्रणाली में अग्रणी एफटी-50 जर्नल में दो शोध पत्र प्रकाशित किए:

- फ्रैंक सोह, पंकज सेतिया, वरुण ग्रोवर (2024)। फर्स्ट-पार्टी ऐप संसाधन खोलना: फ्री-राइडिंग के अनुभवजन्य साक्ष्य। सूचना प्रणाली अनुसंधान, 35(3)।
- आयुषी टंडन, स्वानंद जे. देवधर, आभास टंडन, अभिनव त्रिपाठी (2024)। क्या डेविड गोलियत बनाता है? ऑनलाइन उपयोगकर्ता जुड़ाव पर प्रतिद्वंद्वी के विशेषज्ञता संकेतों का प्रभाव। सूचना प्रणाली अनुसंधान 0(0)।

पुस्तक

- केंद्र ने प्रोफेसर पंकज सेतिया द्वारा लिखित पुस्तक "उद्देश्य: व्यक्तियों, संगठनों और समाजों का डिजिटल परिवर्तन" को समर्थन दिया।

केस

- सेतिया, पी. और तिवारी, टी. (2024)। भारतीय एमएसएमई डिजिटल परिदृश्य में आगे बढ़ रहे हैं। आईआईएमए केस सेंटर, सीडीटी0002आईएन
- देवधर, एस. जे., शर्मा, आर., और थट्टे, पी. (2025)। डेविड बनाम गोलियत: भारतीय राष्ट्रीय रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन और ऑनलाइन खाद्यान्न वितरण प्लेटफॉर्म।

डिजिटल निमज्जन आयोजन

केंद्र ने फरवरी 2025 में आईआईएमए परिसर में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी पर एक सम्मेलन (सीटीडीपी 2025) आयोजित किया, जिसमें व्यावहारिक मुख्य भाषण, पैनल और सहायक प्रौद्योगिकियों के लिए अनुसंधान प्रोटोटाइप प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी शामिल थी। केंद्र ने डिजिटल परिवर्तन पर ट्रैक 7 के माध्यम से प्रथम भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन 2024 के आयोजन में योगदान दिया। सीडीटी ने मार्च 2025 में आईआईएम कलकत्ता में एआईएस इंडिया चैप्टर (आईएलएआईएस) के साथ सूचना प्रणाली पर पहला भारत सम्मेलन आयोजित किया।

सेमिनार

सीडीटी ने आईआईएमए परिसर में जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ अर्कांसस, आईएसबी, यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा और वर्जीनिया टेक के प्रमुख अकादमिक शोधकर्ताओं द्वारा छह व्यक्तिगत शोध सेमिनार आयोजित किए।

नीति संक्षेप: केंद्र ने "उद्देश्य प्रेरित एआई" पर एक नीति संक्षेप का प्रकाशन किया।

आयोजनों में भागीदारी

- प्रो. स्वानंद देवधर ने नवंबर 2024 में एफ़आईएमसी में ब्रॉडकास्ट कॉन्टेस्ट में इवेंट स्टडीज डिजाइनिंग पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रो. स्वानंद देवधर ने नौसेना स्टाफ और तकनीकी प्रबंधन पाठ्यक्रम, नौसेना युद्ध कॉलेज, गोवा के अंतर्गत आमंत्रित सत्र दिए।
- प्रो. स्वानंद देवधर टीआईईएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024: बिजनेस बियॉन्ड बॉर्डर्स में एक आमंत्रित वक्ता थे।
- प्रो. पंकज सेतिया ने 30 नवंबर, 2024 को अहमदाबाद में भारतीय राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (एनबीटीआई) द्वारा आयोजित अहमदाबाद अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव 2024 में अपनी पुस्तक परपज़ पर एक पुस्तक व्याख्यान दिया। वाघ बकरी समूह के सीआईओ श्री तरुण विज ने व्याख्यान का संचालन किया।
- प्रो. पंकज सेतिया ने 08 दिसंबर, 2024 को आईएमआरसी 2024 में "उद्देश्य: डिजिटल परिवर्तन के लिए अभियान" पर मुख्य भाषण दिया।
- प्रो. पंकज सेतिया ने 13 दिसंबर, 2024 को जेके टायर्स सीओई में संगठन के डिजिटल और आईटी अग्रणियों के लिए एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसमें एक पुस्तक हस्ताक्षर कार्यक्रम भी शामिल था।
- प्रो. पंकज सेतिया ने 12 फरवरी, 2025 को मद्रास मैनेजमेंट एसोसिएशन (एमएमए) वार्षिक सम्मेलन 2025 में "प्रौद्योगिकी लचीलापन: प्रचार को वास्तविकता से अलग करना" पर विशेष सत्र के दौरान अंतर्दृष्टि साझा की।
- 25 मार्च, 2025 को विक्रम साराभाई लाइब्रेरी (वीएसएल) द्वारा आईआईएम अहमदाबाद में प्रो. पंकज सेतिया की पुस्तक परपज़ पर पुस्तक वार्ता आयोजित की गई। प्रो. अद्रिजा मजूमदार ने वार्तालाप का संचालन किया।

मीडिया में लेख

मीडियम डॉट कॉम, मनीकंट्रोल, गवर्नेंस नाउ आदि जैसे विभिन्न मीडिया आउटलेट्स ने पुस्तक परपज़: व्यक्तियों, संगठनों और समाजों का डिजिटल परिवर्तन के पुस्तक विमोचन को कवर किया।

प्रो. पंकज सेतिया को भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइती) के वैज्ञानिक सोसायटी - उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक) द्वारा विकसित "ई-गवर्नेंस (आईएफ़ईजी) के लिए इंटरऑपरेबिलिटी फ्रेमवर्क" को संशोधित करने के लिए कार्य समूह (डब्ल्यूजी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

3.8 परिवहन और रसद केंद्र (सीटीएल)

परिवहन और रसद क्षेत्र में स्थिरता की अनिवार्यताओं और उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित परिवर्तनकारी बदलावों के साथ, परिवहन और रसद केंद्र (सीटीएल) इन सबमें सबसे आगे रहा है - छात्रवृत्ति को आगे बढ़ाना, नीतिगत संवादों को आकार देना और अभ्यास के साथ सार्थक रूप से जुड़ना।

इस वर्ष, केंद्र ने सेमिनार, वेबिनार और पैनल चर्चाओं के रूप में ग्यारह सूचनात्मक सत्र आयोजित किए, जिसमें दुनिया भर से 900 से अधिक लोग उपस्थित रहे और भाग लिया। ये सत्र रसद और समुद्री डेटा सिस्टम में मशीन लर्निंग के एकीकरण से लेकर आपूर्ति श्रृंखला प्रदर्शन, डिजिटल ट्रेकिंग और शहरी गतिशीलता समाधानों की उभरती जटिलताओं तक के विषयों का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण मंचों के रूप में कार्य करते हैं। हमारे वक्ताओं में मूल से विविधता - अग्रणी वैश्विक विश्वविद्यालयों से लेकर उद्योग अग्रदूतों तक - अंतर-क्षेत्रीय संवाद को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अगस्त 2024 में, सीटीएल ने परिवहन और रसद अनुसंधान में उन्नत तरीकों पर पाँच सप्ताह की ऑनलाइन क्षमता-निर्माण कार्यशाला की मेजबानी की। सीटीएल संकायों द्वारा परिकल्पित और संचालित इस कार्यशाला में 300 पंजीकरण प्राप्त हुए, तथा परिवहन और रसद क्षेत्र में पद्धतिगत कठोरता और अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए केंद्रित सत्रों के लिए 147 प्रतिभागियों का चयन किया गया।

आईआईएमए के प्रथम भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी 2024) में 'परिवहन और लॉजिस्टिक्स' ट्रैक के संचालन में हमारी भूमिका एक प्रमुख संस्थागत उपलब्धि थी। इस ट्रैक में लगभग 40 शोध प्रस्तुतियाँ, कई इंटरैक्टिव ट्यूटोरियल और विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित विद्वानों और जर्नल संपादकों द्वारा मुख्य सत्र शामिल थे, जिससे सीटीएल के अकादमिक नेतृत्व को मजबूती मिली।

प्रो. अमित गर्ग को एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की सलाहकार परिषद में नियुक्त किया गया, और उनकी सह-लेखित रिपोर्ट को भारत के आर्थिक सर्वेक्षण 2024 में शामिल किया गया। प्रो. सुंदरावल्ली नारायणस्वामी को वरिष्ठ सूचना सदस्य नामित किया गया। प्रो. देबजीत रॉय ने स्टैनफोर्ड और एल्सेवियर के 'शीर्ष 2% वैज्ञानिकों' के बीच मान्यता सहित कई प्रशंसाएँ अर्जित कीं, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च प्रभाव वाली वार्ताएँ और प्रशिक्षण सत्र दिए। प्रो. रॉय यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफ़ेस प्लेटफ़ॉर्म (यूएलआईपी) लॉजिस्टिक्स हैकथॉन के दूसरे संस्करण के निर्णायकों में से एक थे। प्रो. सचिन जायसवाल को एसजेएसओएम, आईआईटीबी द्वारा आयोजित एनालिटिक्स वर्कशॉप में बड़े पैमाने पर अनुकूलन पर एक सत्र आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने और परिवहन, रसद और संबद्ध क्षेत्रों के भविष्य को आकार देने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप, केंद्र अपने शोध पदचिह्न को मजबूत करना जारी रखेगा, नीति और व्यवहार में सक्रिय रूप से योगदान देगा, और शैक्षणिक और छात्र जुड़ाव को बढ़ावा देगा।

सीटीएल द्वारा आयोजित सेमिनार, वेबिनार और पैनल चर्चाएँ

क्रमांक	विषय	वक्ता	दिनांक	उपस्थितों की संख्या
1.	परिवहन एवं रसद में मशीन लर्निंग और डेटा विज्ञान अनुप्रयोग	प्रो. सम्राट रॉय सहायक प्रोफेसर, संचालन एवं निर्णय विज्ञान, आईआईएमए	5 जून, 2024	28 व्यक्तिगत और 91 ऑनलाइन प्रतिभागी
2.	संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में विविधता, समानता और समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में	प्रो. द्वैपायन (द्वय) रॉय सहायक प्रोफेसर, डार्डन स्कूल ऑफ बिजनेस, वर्जीनिया विश्वविद्यालय, अमेरिका	5 जुलाई, 2024	51 ऑनलाइन प्रतिभागी
3	बोर्ड में आपूर्तिकर्ता और ग्राहक: आपूर्ति श्रृंखला के अपस्ट्रीम, डाउनस्ट्रीम और वित्तीय दबावों के तहत पर्यावरणीय प्रदर्शन पर उनका प्रभाव	प्रो. सौरभ अंबुलकर सहायक प्रोफेसर, सूचना प्रणाली और संचालन प्रबंधन, टेक्सास विश्वविद्यालय, अर्लिंग्टन	10 जुलाई, 2024	24 व्यक्तिगत और 33 ऑनलाइन प्रतिभागी
4	सहयोगात्मक नवीन उत्पाद विकास: एक प्रतिस्पर्धी की उपस्थिति में एक साझा आपूर्तिकर्ता के साथ सह-निर्माण	प्रो. अभिषेक रॉय सहायक प्रोफेसर, टेंपल विश्वविद्यालय	22 जुलाई, 2024	24 व्यक्तिगत और 38 ऑनलाइन प्रतिभागी
5	स्वचालित पहचान प्रणाली डेटा का उपयोग करके समुद्री अंतर्दृष्टि प्राप्त करने हेतु पद्धतिगत ढाँचा	श्री महिन्थन जोसेफ मारियासिंघम, वरिष्ठ सांख्यिकीविद्, एशियाई विकास बैंक (एडीबी)	30 जुलाई, 2024	117 ऑनलाइन प्रतिभागी
6	बहु-डिपो वाहन शेड्यूलिंग में सेवा विश्वसनीयता को शामिल करना: एक अवसर-बाधित दृष्टिकोण	प्रोफ़ेसर मर्वे बोदुर एसोसिएट प्रोफ़ेसर, स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय	13 अगस्त, 2024	70 ऑनलाइन प्रतिभागी
7	ओएम/एससीएम अनुसंधान में सिस्टम डायनेमिक्स	प्रोफ़ेसर रोजेलियो ओलिवा मेज़ बिज़नेस स्कूल के प्रोफ़ेसर - टेक्सास एंड एम यूनिवर्सिटी	18 अक्टूबर, 2024	75 ऑनलाइन प्रतिभागी
8	अधीनस्थ मार्कोव श्रृंखलाओं का उपयोग करते हुए उच्च-आयामी सहसंबंध: मॉडलिंग और अनुप्रयोग	प्रो. विश्वकांत मल्लादी सहायक प्रोफेसर, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद	11 नवंबर, 2024	20 व्यक्तिगत और 46 ऑनलाइन प्रतिभागी
9	अप्रेक्षित कारकों की उपस्थिति में गैर-पैरामीट्रिक माँग अनुमान	प्रो. अश्विन वेंकटरमन सहायक प्रोफ़ेसर, संचालन प्रबंधन, नवीन जिंदल स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, टेक्सास विश्वविद्यालय, डलास (यूटीडी)	18 नवंबर, 2024	70 ऑनलाइन प्रतिभागी
10	बाज़ारों में उत्पाद गुणवत्ता की भूमिका	प्रोफ़ेसर आदित्य जैन संचालन एवं निर्णय विश्लेषण के प्रोफ़ेसर, ज़िकलिन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस, बारूक कॉलेज, सीयूएनवाई	23 दिसंबर, 2024	22 व्यक्तिगत और 44 ऑनलाइन प्रतिभागी
11	दूरसंचार और भूमि उपयोग - परिवहन योजना के लिए स्वास्थ्य सेवा पर प्रभाव सहित टेलीमेडिसिन अपनाने पर एक अध्ययन	प्रो. चंद्रा आर. भट्ट पीएचडी, पी.ई., निदेशक, यूएस डीओटी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय यात्रा व्यवहार और मांग परिवहन केंद्र, विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित शिक्षण प्रोफेसर, जो जे. किंग एंडोव्ड चेयर प्रोफेसर इन इंजीनियरिंग सिविल, वास्तुकला और पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग, अर्थशास्त्र विभाग (सौजन्य नियुक्ति), टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन	20 जनवरी, 2025	25 व्यक्तिगत और 80 ऑनलाइन प्रतिभागी
12	'ट्रकिंग संचालन में सुधार में डिजिटल तकनीकों की भूमिका' पर ऑनलाइन पैनल चर्चा	श्री रवि अग्रवाल, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के मार्केटिंग, डिजिटलीकरण और टेलीमैटिक्स प्रमुख [ऑटोमोटिव और कृषि उपकरण व्यवसाय] - वाणिज्यिक वाहन प्रभाग श्री भारत भूषण, टाटा मोटर्स लिमिटेड में वाणिज्यिक वाहन, डिजिटल व्यवसाय के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री भगवान बिंदिगनविले, कार्यकारी उपाध्यक्ष वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड के लिए रणनीतिक योजना, ब्रांड और संचार के लिए ज़िम्मेदार	27 मार्च, 2025	165 ऑनलाइन प्रतिभागी

3.9 अशांक देसाई नेतृत्व एवं संगठनात्मक विकास केंद्र (एडीसीएलओडी)

आईआईएम अहमदाबाद में अशांक देसाई नेतृत्व एवं संगठनात्मक विकास केंद्र (एडीसीएलओडी) ने बहुविषयक और अभ्यास-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से नेतृत्व अनुसंधान, शिक्षा और सहभागिता को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखा है।

इस वर्ष हमने आदित्य घोष, प्रो. के. वी. पेट्रिडेस, डॉ. मैरी उहल-बिएन और प्रो. नील्स वान क्वाकबेके जैसे प्रमुख वक्ताओं की मेजबानी की, जिन्होंने भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुकूली नेतृत्व, एआई-संचालित नेतृत्व और आधुनिक संगठनों में जटिलता जैसे प्रमुख विषयों पर बात की। एडीसीएलओडी ने प्रथम भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी) में सक्रिय भूमिका निभाई तथा कार्य की बदलती दुनिया में नेतृत्व पर मार्गदर्शन किया। 3 शोध कार्यशालाएँ, एक मुख्य भाषण, उद्योग और शिक्षा जगत के वक्ताओं के साथ एक पैनल चर्चा आयोजित की गई तथा 46 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। डॉ. एन.आर. मूर्ति के अनुदान से पोस्ट-डॉक्टरल फेलो डॉ. सोनाली नरबरिया को नियुक्त किया गया। उनके काम के लिए प्रतिष्ठित आईएनडीएएम सम्मेलन 2025 में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार दिया गया।

केंद्र ने महत्वपूर्ण अनुसंधान योगदान भी दिया है, 3 केस अध्ययन और उभरते नेतृत्व प्रतिमानों पर एक स्थिति पत्र प्रकाशित किया गया है। इस शोध पत्र की अंतर्दृष्टि और उद्योग जगत के नेताओं के साथ साक्षात्कार से यह कहा जा सकता है कि आधुनिक नेतृत्व के सामने मुख्य चुनौतियाँ हैं, जिनमें तकनीकी परिवर्तन से निपटना, समावेशिता को बढ़ावा देना और कल्याण को बढ़ावा देना शामिल है। इन अंतर्दृष्टि ने नेतृत्व, सिस्टम थिंकिंग, चरित्र फोकस और एआई के प्रभाव को समझने में सरलता की आवश्यकता पर जोर दिया।

एडीसीएलओडी ने भारत में सिविल सेवकों के लिए नेतृत्व के पहलुओं पर ई-लर्निंग मॉड्यूल तैयार करने के लिए भारतीय क्षमता निर्माण आयोग के साथ सहयोग किया। उम्मीद है कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व विकास को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अपने निरंतर शोध, कार्यक्रमों और हितधारक सहभागिता के माध्यम से, एडीसीएलओडी ने नेतृत्व अध्ययन में एक अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी भूमिका की पुष्टि की है। केंद्र सिद्धांत और व्यवहार को जोड़ने, अभिनव नेतृत्व मॉडल को पोषित करने और समावेशी और टिकाऊ संगठनात्मक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

3.10 एनएसई व्यवहार विज्ञान केंद्र (एनएसई सीबीएस)

एनएसई व्यवहार विज्ञान केंद्र (एनएसई सीबीएस) ने एक साल तक प्रभावशाली शोध, ज्ञान प्रसार और शिक्षा, उद्योग और नीति के साथ जुड़ाव किया। इस केंद्र में ईईजी, स्क्रीन-आधारित और मोबाइल आई ट्रैकर और जीएसआर सिस्टम सहित अत्याधुनिक न्यूरोसाइंस उपकरण हैं, जो अनुभूति, उपभोक्ता व्यवहार और न्यूरोमार्केटिंग में शोध को सक्षम बनाते हैं। 90 से अधिक प्रतिभागियों ने ईईजी डेटा और 80 से अधिक ने आई-ट्रैकिंग डेटा का योगदान दिया।

इस वर्ष, केंद्र ने कई उल्लेखनीय शोध पहल की। केंद्र ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर उपभोक्ता वरीयताओं का अध्ययन करने वाली परियोजनाओं में शामिल था, कि कैसे समावेशी विज्ञापन (जैसे, सांकेतिक भाषा बॉट) ब्रांड की धारणा को प्रभावित करते हैं, और कैसे विज्ञापनों में मशहूर हस्तियों की उपस्थिति और संख्या उपभोक्ता मस्तिष्क प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करती है। केंद्र द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर दृष्टि पैटर्न एकत्रित करने तथा बदलती रोशनी और सुरक्षा धारणाओं के साथ दृष्टि पैटर्न में व्यवहार अंतर का विश्लेषण करने के लिए मोबाइल आई ट्रैकिंग अनुसंधान अध्ययन भी जारी है। अन्य नियोजित अध्ययनों का उद्देश्य कपड़ों के प्रति स्पर्श प्रतिक्रियाओं और अंधे व्यक्तियों पर यातायात शोर के संज्ञानात्मक प्रभावों की जांच करना है।

केंद्र वास्तविक दुनिया की समस्याओं और चुनौतियों को हल करने के लिए उद्योग के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। ऐसे ही एक सहयोग ने एक फर्म के लिए अनुपस्थिति और नौकरी छोड़ने के पैटर्न का पता लगाया, जो अनियोजित अनुपस्थिति और तेजी से कर्मचारी बदलाव के कारण अनिश्चितता के उच्च स्तर से निपटती है। इस तरह के एक अन्य सहयोग ने दुकान के फर्श पर महिला श्रमिकों के बीच सामाजिक नेटवर्क का पता लगाया।

केंद्र ने उद्योग और आम जनता के साथ व्यवहारिक अंतर्दृष्टि को प्रसारित करने के लिए वेबिनार को एक महत्वपूर्ण आउटरीच टूल के रूप में इस्तेमाल किया है। इन वेबिनार में सेवानिवृत्ति योजना, ऑटोमोटिव सेक्टर में एआई-संचालित व्यवहार परिवर्तन, अनिश्चितता के दौर में नेटवर्क गेम और भारत के "छोटे" उपभोक्ता कैसे बड़े उपभोग के रुझान को आगे बढ़ाते हैं जैसे विविध विषयों पर विचारकों को शामिल किया गया। केंद्र द्वारा आयोजित सेमिनार/वेबिनार का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है। केंद्र ने कई छात्र-नेतृत्व वाली शोध परियोजनाएं भी संचालित कीं, जिनमें श्रवण-बाधित उपयोगकर्ताओं के लिए एआई सहायकों का मूल्यांकन और व्यवहार पर मानवरूपी उत्पाद लोगो का प्रभाव शामिल था। एनएसई सीबीएस ने एनएसई मार्केट पल्स में व्यवहार वित्त और अर्थशास्त्र में मासिक शोध सारांशों का योगदान दिया, जिसमें 2024-25 वित्तीय वर्ष में 36 सारांश प्रकाशित हुए। इसने भारतीय प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी 2024) के तहत प्रबंधन में व्यवहार विज्ञान (बीएसआईएम) की भी मेजबानी की, जिसमें 100 से अधिक प्रस्तुतियों में से 23 मौखिक और 16 पोस्टर प्रस्तुतियाँ चुनी गईं। सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरेट शोध को ₹ 25,000 का पुरस्कार दिया गया।

नीचे दी गई तालिका में केंद्र द्वारा आयोजित सेमिनारों/वेबिनारों के विवरण दिए गए हैं।

एनएसई सीबीएस में वेबिनार

शीर्षक	दिनांक	वक्ता	सारांश
संतुलनकारी कार्य: भारतीय संदर्भ में सुरक्षित निकासी दरें	21 जून, 2024	प्रो. राजन राजू, रवि सरावगी, प्रो. एलापुल्ली वासुदेवन	भारतीय वित्तीय डेटा और नियोजन में व्यवहार संबंधी पूर्वाग्रहों का उपयोग करके इष्टतम सेवानिवृत्ति निकासी रणनीतियों की खोज की।
नेटवर्क अनिश्चितता के तहत खेल	22 जुलाई, 2024	प्रोफेसर सुदीप्ता सारंगी	अधूरी नेटवर्क जानकारी आर्थिक खेलों में रणनीति को कैसे प्रभावित करती है, इसकी जांच, कोर-पेरिफेरी संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित करना।
एआई का उपयोग करके सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन की संरचना: ऑटोमोटिव उद्योग से अनुभव	25 जुलाई, 2024	डॉ. अंबिका राजगोपाल	मिशेलिन के केस उदाहरणों के साथ, ऑटोमोटिव क्षेत्र में व्यवहार और उत्पादकता बढ़ाने में एआई की भूमिका पर चर्चा।
लिलिपुट भूमि: कैसे छोटी चीजें भारत की मेगा खपत की कहानी को आगे बढ़ा रही हैं	22 अगस्त, 2024	रमा बीजापुरकर, प्रो. अक्षय विजयालक्ष्मी	भारत के "छोटे" उपभोक्ताओं की शक्ति और प्रभावी विपणन के लिए बहुल उपभोक्ता कथाओं को समझने की आवश्यकता को संबोधित किया।

3.11 मिश्रा वित्तीय बाजार एवं अर्थव्यवस्था केंद्र

आईआईएमए में मिश्रा वित्तीय बाजार एवं अर्थव्यवस्था केंद्र समग्र आर्थिक ढाँचे के भीतर वित्तीय बाजारों से संबंधित समसामयिक मुद्दों पर अनुसंधान की सुविधा प्रदान करता है और संगोष्ठी, सम्मेलन, मीडिया आउटरीच और अन्य बहुत कुछ के माध्यम से ज्ञान का प्रसार करता है।

केंद्र वित्तीय और आर्थिक डेटाबेस, जैसे कि व्यापार मुद्रास्फीति अपेक्षा सर्वेक्षण (बीआईईएस) और आईआईएमए-एसफ़ॉर्म्सइंडिया कृषि भूमि मूल्य सूचकांक (आईएसएएलपीआई) के उत्पादन और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। बीआईईएस सर्वेक्षण की मांग लगातार बढ़ रही है, सरकार और केंद्रीय बैंक के उच्च स्तर के साथ-साथ वित्तीय उद्योग, मीडिया और अन्य लोगों से भी पूछताछ हो रही है। केंद्र ने विभिन्न हितधारकों को शामिल करते हुए एक बड़ा राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण भी शुरू किया है। इस परियोजना का उद्देश्य मौजूदा नीतियों, प्रक्रियाओं और विनियमों को शामिल करते हुए भारतीय राज्यों में व्यापार और विनियामक वातावरण की जाँच करना है। अपनी चल रही शोध गतिविधियों के हिस्से के रूप में, वर्ष के दौरान केंद्र द्वारा वित्त पोषित दो शोध परियोजनाएँ शोध पत्रों के रूप में आउटपुट के साथ पूरी हुईं। इसके अतिरिक्त, केंद्र के संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में 14 शोध पत्र प्रकाशित किए।

अपने ज्ञान प्रसार प्रयासों के हिस्से के रूप में, केंद्र ने वित्त, अर्थशास्त्र और संबंधित क्षेत्रों में शोध वेबिनार की एक उच्च-प्रोफ़ाइल श्रृंखला की मेजबानी की। दिसंबर 2024 में भारतीय प्रबंधन सम्मेलन (आईएमआरसी-2024) के दौरान, केंद्र ने दो प्रमुख ट्रैक आयोजित किए, जिनमें मजबूत भागीदारी देखी गई। वित्त, लेखा और अर्थशास्त्र ट्रैक में 30 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और दो पैनल चर्चाएँ शामिल थीं। एक पैनल ने भारत की व्यापक आर्थिक वृद्धि संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें राजकोषीय नीति, मुद्रास्फीति और वैश्विक आर्थिक रुझानों को संबोधित किया गया। दूसरे ने फिनटेक और ओपन बैंकिंग की खोज की, जिसमें उभरते फिनटेक परिदृश्य और नियामकों, बैंकों, फिनटेक और एसआरओ की भूमिकाओं पर प्रकाश डाला गया। रियल एस्टेट ट्रैक में शोध पत्र प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं और इसमें भारत और विदेशों के उद्योग जगत के नेताओं और शिक्षाविदों को स्थिरता, भूमि उपयोग, प्रॉपटेक, डेटा विज्ञान और आतिथ्य जैसे विषयों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया गया था।

केंद्र ने मार्च 2025 के दौरान दिवालिया और दिवालियापन पर दूसरी वार्षिक अनुसंधान कार्यशाला भी आयोजित की, जो दो दिवसीय कार्यक्रम होगा जिसमें भारत के दिवालियेपन ढांचे, इसके हितधारक गतिशीलता और अंतर्राष्ट्रीय तुलनाओं की जांच की जाएगी।

3.12 ब्रिज डिसा डेटा विज्ञान एवं ए.आई. केंद्र

आईआईएम अहमदाबाद में ब्रिज डिसा डेटा विज्ञान एवं ए.आई. केंद्र (सीडीएसए) ने देश में डेटा विज्ञान और एआई में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी है। सीडीएसए ने प्रभावशाली अनुसंधान, शैक्षणिक पहल और रणनीतिक उद्योग और नीतिगत जुड़ाव के माध्यम से 2024-25 में उल्लेखनीय प्रगति की है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, केंद्र ने अनुकूलन, मशीन लर्निंग, बिग डेटा मॉडलिंग, सामाजिक संगठनों के लिए ए/बी परीक्षण और डेटा-संचालित कानूनी अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में नौ शोध परियोजनाएँ शुरू कीं।

केंद्र ने वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से अपनी वार्षिक शोध रिपोर्ट, एआई के बारे में श्रम-बल की धारणा: भारतीय सफेद पोश श्रमिकों पर एक अध्ययन भी जारी किया। रिपोर्ट को राष्ट्रीय मान्यता मिली और आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में इसका उल्लेख किया गया।

केंद्र ने डेटा विज्ञान और एआई पर अपनी पहली कार्यशाला आयोजित की, जिसमें उद्योग और शिक्षा जगत से 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा, केंद्र ने क्रमशः आईआईटी रुड़की और आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से लार्ज स्केल ऑप्टिमाइजेशन समर स्कूल और मिक्स्ड इंटीजर प्रोग्रामिंग (एमआईपी) इंटरनेशनल वर्कशॉप में पोस्टर प्रतियोगिता का भी सह-आयोजन किया।

सीडीएसए ने अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम भी आयोजित किए, जिनमें आईआईएमए-ओआरएसआई एनालिटिक्स प्रतियोगिता शामिल है, जिसमें एसबीआई, जॉन डीरे, टाटा स्टील, भारतीय सेना और जेएसडब्ल्यू ग्रुप जैसे संगठनों द्वारा विश्लेषिकी के अभिनव अनुप्रयोगों को मान्यता दी गई। एक अन्य महत्वपूर्ण सहयोग आईआईएम अहमदाबाद में एमओएसपीआई (सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय) और मिश्रा वित्तीय बाज़ार एवं अर्थव्यवस्था केंद्र (एमसीएफ़एमई) के साथ एक दिवसीय कार्यशाला के लिए था, जिसमें संकाय और एमओएसपीआई अधिकारी अनुसंधान और नीति के लिए सार्वजनिक डेटा और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझानों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए। दिसंबर 2024 में आयोजित भारत प्रबंधन सम्मेलन (आईएमआरसी-2024) में, केंद्र ने 'डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता' ट्रैक का आयोजन किया, जिसमें उत्साहपूर्ण भागीदारी हुई और 31 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

कुल मिलाकर, सीडीएसए ने मजबूत गतिविधि और आगे की प्रगति का प्रदर्शन किया है। पिछले वर्ष भारत में डेटा विज्ञान और एआई पर चर्चा को आकार देने में केंद्र के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है, जबकि अनुप्रयोग-संचालित अनुसंधान के लिए प्रतिबद्धता बनी हुई है।

3.13 स्थिरता एवं कॉर्पोरेट प्रशासन अनुसंधान केंद्र (सीएससीजी)

2021 में स्थापित, आईआईएमए में स्थिरता और कॉर्पोरेट प्रशासन अनुसंधान केंद्र (सीएससीजी) भारतीय उद्यमों में पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) सिद्धांतों के एकीकरण को मजबूत करने के लिए अनुसंधान और संवाद को आगे बढ़ाता है, जो भारत के व्यावसायिक परिदृश्य में कॉर्पोरेट गवर्नेंस में दीर्घकालिक मूल्य सृजन, हितधारक जुड़ाव और स्थिरता का समर्थन करता है।

सीएससीजी कार्यकारी समिति (ईसी) में रणनीति, वित्त और लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन और कृषि प्रबंधन सहित विविध शैक्षणिक और अनुसंधान पृष्ठभूमि से विशेषज्ञता लाने वाले संकाय सदस्य शामिल हैं। केंद्र संस्थान भर के संकाय सदस्यों के नेतृत्व में अनुसंधान परियोजनाओं के विविध पोर्टफोलियो का भी समर्थन करता है, जिससे इसके अनुसंधान पदचिह्न का विस्तार होता है और अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा मिलता है।

इन शोध परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है:

पूर्ण की गई परियोजनाएँ

1. प्रो. आदित्य मोसेस द्वारा "शासन और मिशन बहाव"
2. प्रो. चित्रा सिंगला द्वारा "ईएसजी प्रदर्शन और सीमा पार एम एंड ए डील की संभावना"
3. प्रो. नमन देसाई द्वारा "शेयरधारक अपने निदेशकों को कितनी अच्छी तरह जानते हैं? निदेशकों की शिक्षा और अनुभव तथा निदेशक नियुक्तियों पर शेयरधारक मतों के बीच संबंधों की जाँच"

जारी परियोजनाएँ

1. प्रो. बिजू वर्की द्वारा "भारतीय सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनियों में ईएसजी एजेंडा को आकार देने में कंपनी सचिवों की भूमिका: एक खोजपूर्ण अध्ययन"
2. प्रो. चित्रा सिंगला और नेहारिका वोहरा द्वारा "कानून या सदाचार द्वारा: कॉर्पोरेट प्रशासन गतिशीलता को आकार देने में बोर्ड पर महिलाओं की भूमिका का खुलासा"
3. प्रो. एम पी राम मोहन द्वारा "भारत में ईएसजी और सीएसआर ढांचे का कानूनी विश्लेषण: अवधारणाएँ और अनुप्रयोग"

केंद्र ने भारत जिम्मेदार पूंजी सम्मेलन (आईआरसीसी 2024) के दूसरे संस्करण की मेजबानी की, जो आईआईएमए के प्रमुख भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन 2024 (आईएमआरसी 2024) के साथ सह-स्थित था। ट्रैक को 195 प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से कुल 83 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

केंद्र ने "आईआईएमए स्थिरता रिपोर्ट और कार्बन फुटप्रिंट ऑडिट" तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह पहल संस्थान के ईएसजी प्रदर्शन का गहन मूल्यांकन और व्यापक आकलन करने में सक्षम बनाएगी और स्कोप 1, 2 और 3 फैलाव में आईआईएमए के कार्बन फुटप्रिंट का विस्तृत माप, विश्लेषण और दस्तावेज़ीकरण प्रदान करेगी।

बहु-हितधारक जुड़ाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, सीएससीजी ने 1 मार्च, 2025 को अहमदाबाद में आयोजित जीसीसीआई गुजरात स्थिरता शिखर सम्मेलन 2025 में "ज्ञान भागीदार" के रूप में भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों सहित प्रतिभागियों के एक व्यापक स्पेक्ट्रम को कई क्षेत्रों में स्थिरता प्रथाओं को आगे बढ़ाने पर बातचीत में शामिल होने के लिए एक साथ लाया गया।

सीएससीजी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोजित कार्यक्रमों का विवरण नीचे सूचीबद्ध है:

आयोजन	दिनांक	वेबिनार/सेमिनार/समारोहों के शीर्षक और वक्ता
वेबिनार (पीडब्ल्यूसी-ईएसजी फोरम)	21 मई, 2024	सुश्री ऐनी-लॉर ब्रिसन (वरिष्ठ प्रबंधक, केमिकल्स ग्रुप, डब्ल्यूबीसीएसडी), श्री ब्रूनो वान पैरीस (वरिष्ठ कॉर्पोरेट सतत विकास अधिकारी, सिएन्सको) और श्री संदीप मोहंती (पार्टनर - ईएसजी रणनीति और नेट जीरो, पीडब्ल्यूसी इंडिया) द्वारा "सस्टेनेबल प्रोडक्ट्स पोर्टफोलियो का उपयोग करके रणनीतिक स्थिरता को आगे बढ़ाना: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण"
वेबिनार	7 अगस्त, 2024	"रणनीतिक विकल्प और ईएसजी प्रदर्शन: क्या प्रबंधकों को अपनी रणनीति टाइपोलॉजी के [अन]पेक्षित परिणामों के बारे में चिंतित होना चाहिए?" डॉ. ओलायिन्का मोसेस (अकादमिक कार्यक्रम लीडर, वेलिंगटन स्कूल ऑफ बिजनेस एंड गवर्नमेंट, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ वेलिंटन) द्वारा प्रस्तुत
वेबिनार	27 अगस्त, 2024	सुश्री अंजलि बंसल (अवाना कैपिटल की संस्थापक भागीदार) द्वारा "जलवायु प्रौद्योगिकी नवाचार के माध्यम से जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना"
वेबिनार	8 अक्टूबर, 2024	श्री अमित टंडन (संस्थापक और प्रबंध निदेशक, इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज इंडिया लिमिटेड) द्वारा "विनियमन ईएसजी एजेंडा को आगे बढ़ाते हैं"
सेमिनार	5 दिसंबर, 2024	प्रोफेसर श्रीविद्या राघवन (विधि की प्रोफेसर और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम की निदेशक) द्वारा "हेल्थकेयर सेक्टर में आईपी और ईएसजी का संतुलन" (टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ)
सम्मेलन/ समारोह	7-9 दिसंबर, 2024	भारत उत्तरदायी पूंजी सम्मेलन (आईआरसीसी 2024), भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी 2024) के साथ सह-स्थित; मुख्य वक्ता - प्रो. रोहिणी पांडे (येल में अर्थशास्त्र के हेनरी जे हैंज द्वितीय प्रोफेसर और येल आर्थिक विकास केंद्र के निदेशक); पैनलिस्ट - श्री अतुल मित्तल (निदेशक-व्यावसायिक विकास, दक्षिण पूर्व एशिया, सिस्टेमा.बायो), श्री सैयद फरहान (एसोसिएट निदेशक, कार्बन मार्केट्स, पीडब्ल्यूसी इंडिया), श्री पीएस नारायण (वैश्विक प्रमुख, स्थिरता और ईएसजी, विप्रो फाउंडेशन), श्री चेतन सावला (अध्यक्ष, स्थिरता और कॉर्पोरेट परियोजनाएं, कोटक महिंद्रा बैंक), और श्री अल्पन रावल (मुख्य एआई/एमएल वैज्ञानिक, वाधवानी एआई)
सेमिनार	18 मार्च, 2025	स्कूल में जॉर्ज पाउलो लेमन प्रोफेसर और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में लक्ष्मी मित्तल एंड फैमिली साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक) द्वारा "भारत की स्वास्थ्य प्रणाली की पुनर्कल्पना पर लैंसेट नागरिक आयोग: शासन प्रणाली और लचीलापन निर्माण"

4. भारतीय प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी) 2024

विहंगावलोकन

- भारतीय प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी 2024), एक तीन दिवसीय मेगा कार्यक्रम 7-9 दिसंबर, 2024 को आईआईएम अहमदाबाद में आईआईएमए के 10 अनुसंधान केंद्रों द्वारा संयुक्त रूप से "विकास, स्थिरता और लचीलेपन का संगम" विषय पर आयोजित किया गया था।
- इस सम्मेलन में 1200 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं और इस कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 21 देशों के 250 पीएचडी विद्वान, संकाय और उद्योग विशेषज्ञ शामिल थे।
- सम्मेलन के पहले दिन, पीएचडी छात्रों और नौसीखिए करियर वाले शोधकर्ताओं ने विभिन्न शोध और संपादकीय कार्यशालाओं में भाग लिया।
- इस सम्मेलन के मुख्य कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईएमए के निदेशक प्रो. भारत भास्कर, भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन और प्रो. नोशिर कॉन्ट्रैक्टर (नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी) ने किया। डॉ. नागेश्वरन ने एक लचीली अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए विभिन्न क्षेत्रों के बीच तालमेल का आह्वान किया, जबकि प्रो. कॉन्ट्रैक्टर ने दर्शकों को एआई के उद्देश्य को पुनर्परिभाषित करने की चुनौती दी।

विषय-सामग्री और गतिविधियाँ

- ट्रैक और सत्र:
  - तीन दिवसीय कार्यक्रम में 11 गतिशील ट्रैक प्रस्तुत किए गए, जिनमें भारत-केंद्रित प्रबंधन अनुसंधान के व्यापक पट को शामिल किया गया।
  - भारत-केंद्रित प्रबंधन अनुसंधान पर पैनल चर्चा- आईआईएम अहमदाबाद के प्रतिष्ठित प्रोफेसरों ने भारत के अद्वितीय सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भ में निहित अनुसंधान पद्धतियों और रूपरेखाओं को विकसित करने के महत्व पर चर्चा की।
  - निदेशकों का पैनल: भारत में प्रबंधन शिक्षा का भविष्य - विभिन्न आईआईएम और प्रमुख प्रबंधन संस्थानों के निदेशकों ने प्रबंधन शिक्षा के उभरते परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया, तथा तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की जरूरतों के साथ शिक्षण को संरेखित करने में चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डाला।
  - प्रतिभागियों ने अत्याधुनिक सत्रों में भाग लिया, जिसमें ईईजी-आधारित व्यवहार विज्ञान कार्यशालाएँ, स्टार्टअप इनक्यूबेशन पर अंतर्दृष्टि, और बहुत कुछ शामिल था।
- पोस्टर प्रस्तुतियाँ:
  - 80 से अधिक पोस्टर प्रस्तुतियां प्रदर्शित की गईं, जिनमें वास्तविक दुनिया के विषयों जैसे यूपीआई अपनाना, हरित प्रौद्योगिकियाँ और ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) मुद्दों पर चर्चा की गई।
- नेटवर्किंग फ़ोरम: जहाँ प्रबंधन शिक्षा में छात्रवृत्ति और अवसर मिलते हैं
  - अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित अपनी तरह का यह अनूठा आयोजन आईएमआरसी 2024 का सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम था। इस मंच ने पीएचडी विद्वानों, संकाय सदस्यों और शीर्ष बिजनेस स्कूलों के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा को सुगम बनाया। भाग लेने वाले संस्थानों को अपनी नियुक्ति संबंधी आकांक्षाओं और अपने संस्थानों में हुए हालिया शोध पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया, जबकि छात्रों को संस्थानों के संकायों के साथ बातचीत करने और खुले मंच तथा द्विपक्षीय बैठकों के माध्यम से शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिला। इस मंच में 260 से अधिक पीएचडी विद्वानों और 10 प्रबंधन संस्थानों ने भाग लिया।

विषय-वस्तु और प्रभाव

- सम्मेलन में भारत-केंद्रित अनुसंधान, स्वदेशी पद्धतियों को बढ़ावा देने और स्थानीय शोध पत्रिकाओं (जर्नल) को समर्थन देने पर ज़ोर दिया गया। आईएमआरसी 2024 ने सार्थक शैक्षणिक-उद्योग सहयोग को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।

आईएमआरसी 2024 भारत-केंद्रित प्रबंधन अनुसंधान को आगे बढ़ाने में एक ऐतिहासिक आयोजन था, जिसने अकादमिक गहनता, व्यावहारिक कार्यशालाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और विभिन्न क्षेत्रों के संवाद का एक सर्वांगीण मिश्रण प्रस्तुत किया। इसने अनुसंधान प्रसार, नेटवर्किंग और सहयोगात्मक विचार नेतृत्व के लिए एक असाधारण मंच प्रदान किया। आईआईएमए का प्रमुख आईएमआरसी हर साल दिसंबर के पहले सप्ताह में आयोजित करने की योजना है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में प्रबंधन विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ सम्मेलन बनना है।

5. परिसर विस्तार

5.1 अवसंरचना विकास

31 मार्च, 2025 तक अवसंरचनात्मक प्रगति की स्थिति इस प्रकार है:

भवन का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग फुट)	आरंभ करने की तिथि	*इंटीरियर और ए.वी. सहित संशोधित समापन तिथि	% काम 31 मार्च 2025 तक पूरा होना
संकाय आवास (52 इकाइयां)	2,21,494	1 जून 2021	30 अप्रैल, 2025	96.85 %
स्टाफ़ आवास 1 (60 यूनिट)	93,556	1 मार्च 2021	30 अप्रैल, 2025	96.45 %
स्टाफ़ आवास 2 (40 यूनिट)	65,262	1 मार्च 2021	30 अप्रैल, 2025	96.50 %
कॉन्टिनम ब्लॉक सीआईआईई	63,078	4 मार्च 2021	30 जून, 2023#	100.00 %
कॉन्टिनम ब्लॉक सीआईआईई के लिए सबस्टेशन का निर्माण	3,572	20 नवंबर, 2023	13 नवंबर, 2024	100.00 %

मुख्य सिविल कार्य 30 जून, 2023 को पूरा हो गया। कॉन्टिनम ब्लॉक सीआईआईई के लिए विद्युत सबस्टेशन 13 नवंबर, 2024 को पूरा हो गया, जिसके बाद " कॉन्टिनम ब्लॉक" में विद्युत और एचवीएसी कार्य शुरू हुआ। निचली चार मंजिलों पर केवल सीआईआईई का काम होना है, जिनका परीक्षण और कमीशनिंग 31.03.2025 को होना है। ऊपर की चार मंजिलों पर आईआईएमए का इंटीरियर काम होना है, जिसका काम अभी बाकी है। इन मंजिलों के काम के लिए जल्द ही टेंडरिंग शुरू की जाएगी।

5.2 कंप्यूटर केंद्र

आईआईएमए की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) विभाग संस्थान के परिसर नेटवर्क, डेटा सेंटर, सर्वर और स्टोरेज, क्लाउड, सॉफ्टवेयर, टेलीफोनी और एंडपॉइंट उपकरण सहित आईसीटी बुनियादी ढांचे का प्रबंधन और रखरखाव करता है। कंप्यूटर सेवा समिति (सीएससी) आईसीटी के पर्यवेक्षण और निर्देशन के लिए जिम्मेदार है, जिसे कंप्यूटर केंद्र (सीसी) कहा जाता है। सीएससी आईटी नियमों और प्रक्रियाओं के विकास के लिए जिम्मेदार है। आईसीटी का प्रबंधन सक्षम प्रशासकों, सक्षम आईटी विशेषज्ञों और तकनीकी टीम के सदस्यों की एक टीम द्वारा किया जाता है।

आईसीटी उच्च उपलब्धता, मापनीयता, गतिशीलता, सुरक्षा, प्रदर्शन, स्वचालन, स्वामित्व की कुल लागत (टीसीओ) में कमी और प्रशासन में आसानी सुनिश्चित करने के लिए आईटी बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव पर ध्यान केंद्रित करता है। हमारा लक्ष्य एक डिजिटल रूप से बुद्धिमान परिसर बनाना है जो किसी भी डिवाइस से, किसी भी स्थान से, उचित गति से, डेटा और एप्लिकेशन तक सुरक्षित, 24/7 पहुंच सक्षम बनाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी परिसर संसाधनों का पूरी तरह से उपयोग किया जाता है, सबसे हालिया उपकरण और तकनीक भी लाग् की जाती है। आईआईएमए को एपीसी श्नाइडर से अत्याधुनिक टियर-2 डेटा सेंटर सुविधा प्राप्त करने पर गर्व है। यह सुविधा संबंधित शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यक्रमों, जैसे ईआरपी (एसएपी), एलएमएस (मूडल), वेबसाइट ऐप्स और आईआईएमए मूक के साथ-साथ कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग और दूरसंचार बुनियादी ढांचे का ठिकाना है।

आईसीटी अवसंरचना

डेटा सेंटर को सुव्यवस्थित करने और उत्पादकता और मापनीयता को बढ़ाने के प्रयास में, आईआईएमए में सीसी ने हाइपर-कन्वर्ज्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर (एचसीआई) को अपनाया है। आर्किटेक्चर का निर्माण वीएमवेअर की वीएसएएन तकनीक का उपयोग करके एचपी सर्वर पर किया गया था, और बैकअप इन्फ्रास्ट्रक्चर को वीआम सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके लागू किया गया था।

मुख्य और नए परिसर की हर इमारत, जिसमें कंप्यूटर केंद्र, पुस्तकालय, आईएमडीसी, संकाय और अकादमिक इमारतें और छात्रावास शामिल हैं, गीगाबिट ईथरनेट-स्विच्ड नेटवर्क से जुड़ी हुई है। अपने नेटवर्क बैकबोन को 10जीबीपीएस/40जीबीपीएस /100जीबीपीएस तक बेहतर बनाने के लिए सिंगल-मोड फाइबर स्थापित किया है। स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क (लैन) के निर्माण में आर्किटेक्चर की तीन परतों- एक्सेस, डिस्ट्रीब्यूशन और कोर लेयर का उपयोग किया गया है। वर्चुअल लैन तकनीक ने लैन सुरक्षा में सुधार किया है। जबकि वाई-फाई 6 (802.11एएक्स) वायरलेस लैन तकनीक 2.5 से 3 जीबीपीएस तक की दर प्रदान करती है, वर्तमान नेटवर्क आर्किटेक्चर 40 जीबीपीएस तक की गति का समर्थन करता है। तेज़ थ्रूपुट और इष्टतम कवरेज की गारंटी देने के लिए, संस्थान ने पूरे परिसर में 1500 से अधिक वायरलेस एक्सेस पॉइंट और 200 नेटवर्क स्विच स्थापित किए हैं। वायर्ड और वायरलेस सहित हर आवश्यक नेटवर्क घटक को उच्च उपलब्धता (एचए) के लिए कॉन्फ़िगर किया गया है। सिस्को आईएसई का उपयोग अंतिम उपयोगकर्ता उपकरणों की सुरक्षा अनुरूपता की निगरानी करने के साथ-साथ वायर्ड और वाई-फाई उपकरणों (एएए) के प्रमाणीकरण के लिए किया जाता है। एक ही विंडो से, सिस्को प्राइम, एक नेटवर्क प्रबंधन कार्यक्रम, पूरे नेटवर्क की निगरानी और प्रशासन को सक्षम बनाता है। परिधि सुरक्षा को फोर्टिनेट अगली पीढ़ी के फ़ायरवॉल द्वारा प्रबंधित किया जाता है। एंडपॉइंट और सर्वर की सुरक्षा को सुरक्षा उन्नयन, विंडोज अपडेट और एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर/ अपडेट के स्वचालित अनुप्रयोग के माध्यम से बढ़ाया जाता है।

पिंग टोपोलॉजी का उपयोग करने वाले दो अलग-अलग आईएसपी के माध्यम से, आईआईएमए की कुल इंटरनेट क्षमता 900 एमबीपीएस + 900 एमबीपीएस है। इसके अलावा, यह 1 जीबीपीएस की दर से राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) से जुड़ा हुआ है। परिणामस्वरूप, आईआईएमए परिसर की संयुक्त इंटरनेट क्षमता 2.8 जीबीपीएस है। आईएलएल की क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए अनेक इंटरनेट सेवा प्रदाताओं का उपयोग करके, इंटरनेट की रीढ़ को मजबूत किया गया। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि आईआईएमए समुदाय के सदस्यों को इंटरनेट लीज्ड लाइनों में अतिरेकता सुनिश्चित करके पर्याप्त मात्रा में बैंडविड्थ तक पहुंच प्राप्त हो। आईआईएमए ने इंटरनेट बैंडविड्थ में ऑन-डिमांड वृद्धि को भी लागू किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मांग-आपूर्ति और आईएलएल उपलब्धता हर समय बनी रहे। आईआईएमए कंप्यूटिंग वातावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बाहरी खतरों को रोकने के लिए, यूटीएम (एकीकृत खतरा प्रबंधन) को फ़ायरवॉल के नवीनतम संस्करण में अद्यतन किया गया है। इस अद्यतन में एआई-आधारित निवारक सुरक्षा उपाय, बुद्धिमान रिपोर्टिंग उपकरण और लॉग विश्लेषण शामिल हैं। आईटी सुरक्षा बनाए रखने के लिए, आईआईएमए आईसीटी अपने समुदाय को क्या करें और क्या न करें की जानकारी भी प्रसारित करता है।

आपदा पुनःस्थिति (डीआर) साइट

आईआईएमए ने पूरे परिसर और डेटा सेंटर में अपने नेटवर्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक आधुनिकीकरण किया है, जिसमें सक्रिय और निष्क्रिय दोनों घटकों में अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है। यह उन्नत बुनियादी ढांचा प्रशासनिक कर्मचारियों, छात्रों, शिक्षकों, निवासियों और आगंतुकों की वर्तमान और भविष्य की कनेक्टिविटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नेटवर्क लचीलापन मजबूत करने और उच्च उपलब्धता (एचए) सुनिश्चित करने के लिए, आईआईएमए ने अपने नए परिसर में पूरी तरह से चालू आपदा रिकवरी (डीआर) साइट को सफलतापूर्वक स्थापित किया है। डीएचसीपी, डीएनएस और सिस्को आईएसई जैसी मुख्य अवसंरचना सेवाएँ सक्रिय-सक्रिय मोड में कॉन्फ़िगर की गई हैं और प्राथमिक डेटा सेंटर (डीसी) और डीआर साइट के बीच पूरी तरह से सिंक्रनाइज़ रहती हैं, जिससे आवश्यक नेटवर्क कार्यों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित होती है।

वर्तमान में, अधिकांश एंटरप्राइज़ एप्लिकेशन केवल प्राथमिक डीसी में ही सक्रिय हैं, लेकिन आपदा की स्थिति में डीआर साइट पर होस्ट किए जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। समानांतर रूप से, आईसीटी टीम ने एक व्यापक और आपदा रिकवरी ढांचे को लागू करने पर काम किया है, जिसने सभी महत्वपूर्ण गैर-एसएपी अनुप्रयोगों को डीआर साइट पर निर्बाध स्विचओवर करने में सक्षम बनाया है। मॉक ड्रिल ने मुख्य डेटा सेंटर में किसी भी विफलता या डाउनटाइम की स्थिति में न्यूनतम व्यवधान के साथ व्यवसाय की निरंतरता सुनिश्चित की है।

आईएसओ प्रमाणन

आईआईएमए के आईसीटी विभाग ने आईएसओ/आईईसी 27001:2023 और आईएसओ/ आईईसी 27701:2019 प्रमाणपत्र प्राप्त किए हैं, जो सूचना सुरक्षा और डेटा गोपनीयता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आईएसओ/ आईईसी 27001:2023 सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) की स्थापना, कार्यान्वयन, रखरखाव और निरंतर सुधार के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक है। यह प्रमाणन पुष्टि करता है कि आईआईएमए के पास संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा, जोखिमों को कम करने और अपने आईटी सिस्टम और डेटा की गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत प्रक्रियाएँ हैं।

इसके पूरक के रूप में, आईएसओ/आईईसी 27701:2019 प्रमाणन आईएसएमएस ढांचे का विस्तार करके गोपनीयता सूचना प्रबंधन प्रणाली (पीआईएमएस) को शामिल करता है, जो वैश्विक गोपनीयता आवश्यकताओं और सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन दर्शाता है। साथ में, ये प्रमाणन आईआईएमए आईसीटी के शासन, विनियामक अनुपालन और हितधारकों के साथ विश्वास-निर्माण के लिए एक सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से व्यक्तिगत और संस्थागत डेटा की सुरक्षा करके सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

साइबर और आईटी सुरक्षा उपाय

आईआईएमए सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। संगठन किसी भी कमज़ोरी या खतरे की पहचान करने और उसे हल करने के लिए नियमित रूप से आईटी सुरक्षा ऑडिट और वीएपीटी (भेद्यता मूल्यांकन और प्रवेश परीक्षण) परीक्षण करता है। यह जानना भी आश्वस्त करने वाला है कि नेटवर्क आउटेज या अन्य आपदा की स्थिति में कंपनी की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एक बैकअप नेटवर्क साइट स्थापित की जा रही है। यह सुनिश्चित करता है कि आईआईएमए समुदाय बिना किसी व्यवधान या आउटेज के सुरक्षित और निर्बाध रूप से काम करना जारी रख सकता है।

साइबरसेल@आईआईएमए

साइबरसेल@आईआईएमए एक ऐसा विभाग है जो आईसीटी के अंतर्गत संगठित है और साइबर सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कर्तव्यों के लिए जिम्मेदार है। साइबर सेल संगठन के आईटी बुनियादी ढांचे में किसी भी संभावित कमियों की पहचान करने और साइबर सुरक्षा को बढ़ाने के तरीकों का सुझाव देने के लिए नियमित रूप से भेद्यता आकलन और ऑडिट करता है। साइबर सेल संवेदनशील डेटा सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन, आईटी जोखिमों के मूल्यांकन, कुशल प्रबंधन योजनाओं के विकास और डेटा उल्लंघनों और घुसपैठ जैसी घटनाओं पर प्रतिक्रिया की सलाह देता है। साइबर सेल में संगठन के भीतर साइबर सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अपने कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने की क्षमता है। साइबर सेल यह सुनिश्चित करने में सक्षम है कि प्रासंगिक साइबर सुरक्षा कानूनों और विनियमों का पालन किया जाए।

पूर्व छात्र करियर एक्सेलेरेटर (एसीए) पोर्टल

आईआईएमए में पूर्व छात्र और बाहरी संबंध (एईआर) कार्यालय ने पूर्व छात्र करियर एक्सेलेरेटर (एसीए) पोर्टल विकसित किया है - जो पूर्व छात्रों को उनके करियर को आगे बढ़ाने, नए अवसरों की खोज करने और आईआईएमए वैश्विक पूर्व छात्र समुदाय के भीतर व्यवसायी संबंधों को मजबूत करने में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अभिनव मंच है। पोर्टल कई तरह की सेवाएँ प्रदान करता है, जिसमें करियर संक्रमण सहायता, कार्यशालाओं और प्रमाणन तक पहुँच और साथी पूर्व छात्रों और भर्तीकर्ताओं के साथ नेटवर्किंग के अवसर शामिल हैं।

वर्तमान में अपने बीटा चरण में, एसीए पोर्टल अंतिम परीक्षण और परिशोधन से गुजर रहा है, निकट भविष्य में पूर्ण पैमाने पर लॉन्च की योजना है। एक बार लाइव होने के बाद, यह आजीवन जुड़ाव, सीखने और कैरियर विकास के लिए एक गतिशील केंद्र के रूप में काम करेगा, जो अपने पूर्व छात्रों की दीर्घकालिक सफलता और विकास के लिए आईआईएमए की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

ईआरपी-एसएपी एस4 हाना का कार्यान्वयन

आईआईएमए ने एसएपी एस/4 एचएएनए-हाना को अपने ईआरपी (एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग) प्लेटफ़ॉर्म के रूप में चुना है और ऑन-प्रिमाइस विकल्प चुना है। इस उद्देश्य के लिए, इसने एचपी सर्वर, सैन स्विच, सैन स्टोरेज, वीम बैकअप प्लेटफॉर्म, वीएमवेयर वर्चुअलाइजेशन प्लेटफॉर्म और एसयूएसई एंटरप्राइज लिनक्स ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग करके एक टीडीआई-आधारित एसएपी इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है। संस्थान ने हार्डवेयर विफलता के मामले में न्यूनतम डाउनटाइम के साथ उच्च उपलब्धता (एचए) प्रदान करने के लिए संपूर्ण समाधान को कॉन्फ़िगर किया है। कार्यान्वयन के पहले चरण में, संस्थान ने एसएपी एस/4 हाना के मुख्य मॉड्यूल को लागू किया है, और दूसरे चरण में, इसने छात्र जीवन चक्र प्रबंधन (एसएलसीएम) को पूरा किया है। एसएपी के कार्यान्वयन से संस्थान को अपनी प्रक्रियाओं को स्वचालित करने, संसाधन अनुकूलन में सुधार और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, यह आईआईएमए को डिजिटल रूप से अधिक उन्नत संस्थान बनने में सक्षम बनाएगा।

हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) लैब

आईआईएमए ने माना कि उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटरों और पर्याप्त डेटा भंडारण क्षमताओं के साथ एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित करना आवश्यक था क्योंकि डेटा एकत्रीकरण, विज़ुअलाइज़ेशन और मॉडलिंग अकादमिक और शोध कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आईआईएमए में एचपीसी लैब अकादमिक और वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में विकसित हुई है, जो अध्ययन, सलाह और सार्वजनिक नीति के निर्माण में सहायता करती है। संकाय सदस्यों, शोध सहयोगियों और शैक्षणिक कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों ने लैब को बहुत मददगार पाया है।

आईपी टेलीफोनी संरचना

चैट, वॉयस, वीडियो, वेब और अन्य सहित सभी संचार चैनलों का एक स्थान पर एकीकरण, वोडाफोन की एसआईपी ट्रंक सेवाओं के साथ अवाया से एकीकृत संचार में डिजिटल आईपी टेलीफोनी में परिवर्तन द्वारा संभव बनाया गया है। उपयोगकर्ता इस एकीकरण का उपयोग करके समय और संसाधनों की एक महत्वपूर्ण राशि बचा सकते हैं, जो उनके लिए एकल उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस के माध्यम से विभिन्न संचार आवश्यकताओं के लिए एक ही माध्यम का उपयोग करना आसान बनाता है।

आईआईएमए क्लाउड सेवाएँ

आईआईएमए के हाइब्रिड प्रतिमान की बदौलत अनुप्रयोगों को अनुकूलनीय और प्रभावी तरीके से होस्ट किया जा सकता है। क्लाउड सेवाओं का उपयोग करके, संस्थान कुछ ऑन-प्रिमाइसेस कार्यक्रमों पर नियंत्रण का त्याग किए बिना क्लाउड कंप्यूटिंग की मापनीयता, निर्भरता और पहुंच का लाभ उठा सकता है। एसएपी और गैर-एसएपी अनुप्रयोगों के लिए आपदा रिकवरी साइट, बीसी-डीसी पोर्टल और नई आईआईएमए वेबसाइट सहित अपनी विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने क्लाउड वातावरण का विस्तार करने के लिए कंप्यूटर केंद्र द्वारा किया गया निर्णय, डेटा सुरक्षा और विनियामक अनुपालन को बनाए रखते हुए अपने ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने की संस्थान की क्षमता में और सुधार करेगा।

स्मार्ट क्लासरूम

आईआईएमए ने यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय लागू किए हैं कि उसके कक्षा-कक्ष नवीनतम ए.वी. और आईटी उपकरणों से सुसज्जित हों तथा उनमें निरंतर विद्युत आपूर्ति हो। यह निस्संदेह एक अधिक प्रभावी और कुशल शिक्षण और सीखने का माहौल बनाने में मदद करेगा। कंप्यूटर सेंटर में एक पूरी तरह कार्यात्मक कंप्यूटर कक्षा है जो कर्मचारियों और छात्रों को कंप्यूटर-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन है। आईआईएमए ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से भी शिक्षा प्रदान करता है। इसने वेब स्ट्रीमिंग, रिकॉर्डिंग और व्याख्यानों को संग्रहीत करने के लिए उच्च-परिभाषा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए कंपनियों के साथ भागीदारी की है।

ऑनलाइन@आईआईएमए

आईआईएमए के सभी मौजूदा और आने वाले ऑनलाइन कार्यक्रमों को एक ही साइट, ऑनलाइन@आईआईएमए के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। संस्थान इस वेबसाइट पर अत्याधुनिक ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला उपलब्ध करा रहा है, ताकि व्यवसायियों को कॉर्पोरेट जगत में हो रहे तीव्र बदलावों के लिए तैयार होने में मदद मिल सके तथा वे भविष्य के लिए तैयार हो सकें। इस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से, दुनिया भर के व्यवसायी और छात्र अब वही उत्कृष्ट आईआईएमए शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इस पोर्टल का मुख्य लक्ष्य आईआईएमए के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को साकार करना है, जो एक शक्तिशाली, सुरक्षित और परिष्कृत एमओओसी (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से कार्यकारी शिक्षा के साथ-साथ अन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए उपयुक्त ई-लर्निंग पोर्टल बनाता है, जो समकालिक और असमकालिक दोनों तरह की शिक्षा की सुविधा प्रदान करेगा।

पोर्टल में निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

- सूचना पोर्टल: पाठ्यक्रम और प्रशिक्षक विवरण को पढ़ने के लिए।
- सामग्री प्रबंधन प्रणाली: सूचना पोर्टल की सामग्री की देखरेख करने के लिए।
- ओपनएक्स-आधारित स्व-सेवा शिक्षण पोर्टल: छात्रों के लिए स्वयं सीखने का एक क्षेत्र और शिक्षकों के लिए निर्देश देने का एक क्षेत्र।
- एडमिन पोर्टल: प्रशासन इसका उपयोग स्व-सेवा पोर्टल की देखरेख और नियंत्रण के लिए करेगा।

शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस)

मूडल एक शिक्षण प्रबंधन प्रणाली है जिसका अक्सर उपयोग किया जाता है और दुनिया भर के शैक्षणिक संस्थानों द्वारा इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। मूडल आईआईएमए में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और इलेक्ट्रॉनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी से जुड़े अन्य कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न प्रकार के कर्तव्यों के लिए आधिकारिक शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) है। इस प्रणाली का उपयोग संकाय सदस्यों द्वारा अध्ययन सामग्री का आदान-प्रदान करने, ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने, ऑनलाइन क्विज़ और टेस्ट लेने, पाठ्यक्रम-विशिष्ट चर्चा समूहों में भाग लेने और एंटी-प्लेगियरिज्म सॉफ़्टवेयर के साथ एकीकृत मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। वर्ष 2024-25 के दौरान, आईआईएमए ने अपने लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) मूडल को संस्करण 3.6 से नवीनतम संस्करण 4.5.3 में सफलतापूर्वक अपग्रेड किया, जो प्रयोज्यता, प्रदर्शन और फीचर सेट में एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह अपग्रेड एक आधुनिक, सहज ज्ञान युक्त इंटरफ़ेस, उन्नत पाठ्यक्रम नेविगेशन, व्यक्तिगत डैशबोर्ड और छात्रों और शिक्षकों के लिए बेहतर पहुँच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह ज़ूम वीसी के साथ बेहतर एकीकरण, मोबाइल लर्निंग के लिए मजबूत समर्थन और बढ़ी हुई डेटा गोपनीयता और अनुपालन सुविधाएँ लाता है। अपग्रेड यह सुनिश्चित करता है कि एलएमएस डिजिटल शिक्षा वितरण में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बना रहे, जिससे आईआईएमए की शैक्षणिक उत्कृष्टता और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र के प्रति प्रतिबद्धता का समर्थन हो।

अकादमिक सॉफ्टवेयर समर्थन सेवाएँ

आईआईएमए आईसीटी ने कई आंतरिक प्रशासनिक और विद्वत्तापूर्ण कार्यक्रम विकसित किए हैं, जो मुख्य रूप से एलएएमपी ढांचे पर आधारित हैं। यह आईआईएमए समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाले विशिष्ट समाधानों के विकास और ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर के उपयोग के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक अन्य आवश्यक सेवा जो संस्थान के शोध और शिक्षा के उद्देश्यों को मजबूत करती है, वह है संकाय सदस्यों को उनके विद्वत्तापूर्ण और शोध परियोजनाओं के लिए सॉफ़्टवेयर का प्रावधान।

ओपन-सोर्स और सब्सक्रिप्शन टूल जैसी सॉफ्टवेयर सुविधाओं का जुड़ना छात्रों और प्रशिक्षकों के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह उन्हें अपने शैक्षणिक और शोध परियोजनाओं के लिए उपयोग करने के लिए उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। उपलब्ध शैक्षणिक सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों में से एक विदेशी भाषाओं के अधिग्रहण के लिए एक स्व-अध्ययन पोर्टल है। ऐसे पच्चीस से अधिक अनुप्रयोग (एप्लिकेशन) हैं।

ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म में डिजिटल सर्टिफिकेट (बीसीडीसी)

आईआईएमए द्वारा डिजिटल प्रमाणपत्रों के प्रशासन के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का कार्यान्वयन एक उल्लेखनीय पहल थी। ब्लॉकचेन तकनीक डिजिटल रिकॉर्ड के सत्यापन और भंडारण (स्टोरेज) के लिए एक सुरक्षित और अभेद्य दृष्टिकोण प्रदान करती है। इस तकनीक को लागू करके, आईआईएमए यह सुनिश्चित कर सकता है कि छात्रों को प्रदान किए जाने वाले डिजिटल प्रमाणपत्र प्रामाणिक, अपरिवर्तनीय और आसानी से सत्यापित किए जा सकने वाले हैं। इससे दोहराव और सत्यापन संबंधी समस्याओं की संभावना समाप्त हो जाती है, जो मैन्युअल प्रमाणपत्र प्रबंधन प्रक्रियाओं में प्रचलित हैं।

इसके अतिरिक्त, ब्लॉकचेन प्लेटफ़ॉर्म के स्वचालन ने प्रक्रिया की समग्र सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाया है। यह मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता को समाप्त करता है और प्रमाणन को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक समय और प्रयास को कम करता है। इस प्लेटफ़ॉर्म की सहायता से, आईआईएमए अब आसानी से डिज़ाइन, जनरेट, मान्य, जारी, मांग पर सत्यापित, निरस्त और समयबद्ध डिजिटल प्रमाणपत्र बना सकता है।

एक ही वर्ष में कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम (ईईपी) प्रतिभागियों को 6000 डिजिटल प्रमाण-पत्र प्रदान करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, और उम्मीद है कि भविष्य में यह आंकड़ा बढ़ता रहेगा। आईआईएमए ने ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के माध्यम से डिजिटलीकरण और नवाचार के साथ-साथ प्रमाण-पत्र प्रशासन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

मजबूत आईटी हेल्प डेस्क-सहायता केंद्र

आईसीटी अंतिम उपयोगकर्ताओं को समस्याओं की रिपोर्टिंग करने और सेवा अनुरोध प्रस्तुत करने में सहायता करने के लिए एक केंद्रीकृत आईटी हेल्प डेस्क संचालित करता है। यह समर्थन ढांचा आईटीआईएल (सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना पुस्तकालय) पद्धति पर आधारित एक हाइब्रिड आईटी सेवा मॉडल का अनुसरण करता है। इस दृष्टिकोण के तहत, महत्वपूर्ण आईटी कार्यों को सीधे नियंत्रण और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इन-हाउस प्रबंधित किया जाता है, जबकि गैर-कोर सेवाओं को विशेष भागीदारों को आउटसोर्स किया जाता है। इसके अतिरिक्त, ओईएम और सेवा प्रदाताओं के साथ एसएलए-संचालित समर्थन अनुबंध निरंतर सेवा गुणवत्ता बनाए रखने और समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करने में मदद करते उपयोगकर्ता अनुभव को और बेहतर बनाने और सहायता को सरल बनाने के लिए, व्हाट्सएप-आधारित चैटबॉट पेश किया गया है। यह चैटबॉट उपयोगकर्ताओं को आईटी से संबंधित समस्याओं की आसानी से रिपोर्ट करने और स्वचालित रूप से सहायता टिकट बनाने की अनुमति देता है, जिससे संचार और समस्या ट्रैकिंग के लिए अधिक सुलभ और कुशल चैनल उपलब्ध होता है।

6. परिसर जीवन

6.1 विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, मुद्रण और डिजिटल संसाधनों के अपने व्यापक संग्रह के माध्यम से, सूचना तक व्यापक पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रतिबद्धता उपयोगकर्ता समुदाय को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की श्रेणी में परिलक्षित होती है। पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को कुशल और समय पर शोध सहायता प्रदान करके संस्थान के शैक्षणिक और शोध एजेंडे को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऑनलाइन डेटाबेस पुस्तकालय वेबसाइट के माध्यम से संस्थान के भीतर कहीं भी नेटवर्क किए गए कंप्यूटिंग उपकरणों से सुलभ हैं और रिमोटएक्सएस का उपयोग करके परिसर के बाहर से भी एक्सेस किए जा सकते हैं। वीएसएल ने उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल फोन पर अपने संसाधनों तक पहुँचने की अनुमति देने के लिए एक एंड्रॉइड ऐप भी विकसित किया है। प्रतिष्ठित पुस्तकालय भवन सहयोगी अध्ययन और आरामदायक, व्यक्तिगत पढ़ने के लिए स्थान प्रदान करता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, वीएसएल ने 1,47,580 आगंतुकों को दर्ज किया, जो कि प्रतिदिन औसतन 405 आगंतुक थे। हालाँकि प्रिंट बुक का लेन-देन प्रतिदिन 87 पुस्तकों पर था, लेकिन जर्नल संग्रह से औसतन हर दिन 1871 लेख डाउनलोड किए गए। इसके अलावा अन्य डेटाबेस का भी उपयोगकर्ता समुदाय द्वारा अपनी सूचना आवश्यकताओं के लिए अक्सर उपयोग किया जाता था।

जुड़ाव को बढ़ावा देने और जीवंत पठन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, वीएसएल ने पूरे वर्ष विभिन्न विषयों पर विषयगत प्रदर्शनियों का आयोजन किया। पुस्तकालय संसाधनों को उजागर करने के लिए "बुक ऑफ द वीक" और "ऑथर स्पॉटलाइट" अभियान जैसी पहल शुरू की गई। समर रीडिंग चैलेंज ने समुदाय के बच्चों के बीच पढ़ने को प्रोत्साहित किया, और बाल दिवस को युवा उपयोगकर्ताओं के लिए आकर्षक खेलों और गतिविधियों के साथ मनाया गया।

संसाधन

क्रमांक	विवरण	वर्ष 2024-25 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या	31.03.2025 को मदें
1	पुस्तकें	740	207852
2	पत्रिकाओं की बद्ध जिल्दें	87	48587
3	आधारपत्र	0	2630
4	शोध प्रबंध	20	470
5	परियोजना रिपोर्ट	271	3870
6	सीडी/डीवीडी	63	2748
7	पत्रिकाओं की वर्तमान सदस्यता	30000+ (ई-जर्नल्स) और 44 (मुद्रित सामयिक)	
8	समाचार पत्रों की सदस्यता	13	

ई-संसाधन

पुस्तकालय कई कंपनी और उद्योग डेटाबेस, ग्रंथ सूची डेटाबेस, और ई-जर्नल की सदस्यता लेता है जो उपयोगकर्ताओं को नवीनतम विद्वत्तापूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

कंपनी एवं उद्योग

एसीई इक्विटी एनएक्सटी, एसीई नॉलेज एंड रिसर्च पोर्टल (ऑनलाइन), एसीई एमएफ एनएक्सटी, वार्षिक रिपोर्ट लाइब्रेरी, ब्लूमबर्ग, बोर्डएक्स - उत्तरी अमेरिका, कैपिटलिन एडब्ल्यूएस, सीएमआईई फर्स्ट सोर्स, सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक, सीएमआईई प्रोवेस डीएक्स, सीएमआईई प्रोवेसआईक्यू, कॉम्पुस्टैट एग्जीक्यूटिव कंपनसेशन (एग्जीक्यूम्प), कॉम्पुस्टैट उत्तरी अमेरिका, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, क्रिसिल रिसर्च, डायन इनसाइट, ईएमआईएस नेक्स्ट, यूरोमॉनीटर पासपोर्ट, फैक्टसेट रेवरे - रिलेशनशिप डेटा, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसेज, आईआईएएस एड्रियन, भारतीय बोर्ड, संस्थागत शेयरधारक सेवाएं (आईएसएस), एलएसईजी (ईकॉन वर्कस्पेस), एलएसईजी (एसडीसी प्लेटिनम), मार्केटलाइन एडवांटेज (ग्लोबल डेटा), मर्जेंट फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज, नैसकॉम, प्राइवेटसर्किल, रिफाइनिटिव लोन कनेक्टर (एलपीसी), एसएंडपी कैपिटल आईक्यू प्रो (एफआईजी और रियल एस्टेट), सीकीएनएफ, स्टेटिस्टा, ट्रेस - कॉर्पोरेट बॉन्ड ट्रांजेक्शन डेटा, ट्रैक्सन, वेंचर इंटेलिजेंस, डब्ल्यूएआरसी (वर्ल्ड एडवरटाइजिंग रिसर्च सेंटर), डब्ल्यूआरडीएस।

अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी

सीईआईसी डेटाबेस, सीएमआईई कैपेक्स, सीएमआईई कैपेक्स डीएक्स, सीएमआईई कमोडिटीज, सीएमआईई उपभोक्ता पिरामिड डीएक्स, सीएमआईई आर्थिक आउटलुक, भारत के सीएमआईई राज्य, सीएमआईई व्यापार डीएक्स, देश डेटा ऑनलाइन(सीडीओ), जिला मेट्रिक्स, इंडियास्टेटडॉटकॉम, एलएसईजी (डेटास्ट्रीम), एमआईसीए भारतीय विपणन आसूचना।

डेटासेट

प्रशासनिक सीमा डेटाबेस, एएसआई-यूनिट स्तर डेटा (1974-2016), सीडीपी ग्लोबल डेटासेट, भारत की जनगणना-सीडी(1991, 2001 और 2011), सीआई टेक्नोलॉजी (2016-2022), काउंटरपॉइंट मोबाइल हैंडसेट डेटा (भारत और बांग्लादेश), दैनिक वर्षा डेटा (1975 - 2006 और 2012), दैनिक सतह डेटा (2004 - 2011), डीजीसीआईएस मासिक समय श्रृंखला डेटा (जनवरी 2002 से अगस्त 2017), भारत का जिला जीडीपी--2001-2016, भारत का जिला जीवीए (2011-12 से 2019-20), जिलेवार मासिक वर्षा डेटा (1901-2010), आईईए डेटासेट (ईंधन दहन से सीओ2 उत्सर्जन) 1994, 2000, 2005 से 2007, 2009 से 2014, आईएमएस एंटीटीबी अणु डेटा (मार्च 2010 फरवरी 2014), पीसीए विशेषता डेटा के साथ भारत प्रशासनिक जिलों के मानचित्र (जनगणना 1991, 2001, 2011), मौसम संबंधी डेटा (अहमदाबाद और गांधीनगर 2014-2016), मासिक सतही डेटा (1961-2014), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज डेटा (एनएसई) - सीएम और एफएओ (1999 - वर्तमान), एनआरजी मेट्रिक्स डेटा (2007-2022), एनएसई-सीएम ऑर्डर और ट्रेड डेटा-2019-2021, एनएसएस डेटा (राउंड नंबर 51-73) (1994-2016) और प्राइम डेटाबेस (पब्लिक इश्यू) (कवरेज: 2010 से 2022)।

विधिक

एआईआर (ऑल इंडिया रिपोर्टर) (स्टैंडअलोन), हेनऑनलाइन, क्लूवर आर्बिट्रेशन लॉ, लेक्सिसनेक्सिस एकेडमिक, एससीसी ऑनलाइन, टैक्समैन, वेस्टलॉ (आईएनडीएलएडब्ल्यू सहित)।

अनुसंधान समर्थन उपकरण/डेटाबेस

साहित्यिक चोरी से बचना (ऑनलाइन कोर्स), ईबीएससीओ ओपनडिसरटेशन , एमराल्ड ईकेस , ग्रामरली, ऑक्सफोर्ड बिब्लियोग्राफ़ीज़, प्रोक्वेस्ट डिसरटेशन और थीसिस, क्विलबॉट - अकादमिक लेखन प्लेटफ़ॉर्म, सेज रिसर्च मेथड्स ऑनलाइन, द न्यू पाल्ग्रेव डिक्शनरी ऑफ़ इकोनॉमिक्स, वेब ऑफ़ साइंस।

समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ

बिजनेस स्टैंडर्ड न्यूजपेपर (1997 से आगे), ईबीएससीओ न्यूजवायर, ईबीएससीओ क्षेत्रीय बिजनेस न्यूज, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, ईटी प्राइम, एफटी.कॉम, हिंदुस्तान टाइम्स, मैगज़टर, मिंट, न्यूयॉर्क टाइम्स, प्रेसरीडर.कॉम, साइंस ऑनलाइन, साइंटिफिक अमेरिकन, द कैपटेबल, दी इकोनॉमिस्ट (1997 से आगे), द केन, और द मॉर्निंग कॉन्टेक्स्ट।

अभिलेखीय संग्रह

क्लॉकएसएस, एफटी आर्काइव (1888-2016), आधुनिक दुनिया का निर्माण, प्रोक्वेस्ट टाइम्स ऑफ इंडिया आर्काइव (1838 - 2010), दक्षिण एशिया कॉमन्स, दी इकोनॉमिस्ट - हिस्टोरिकल आर्काइव (1843-2015)।

ई-पुस्तकें

बिजनेस एक्सपर्ट प्रेस ई-बुक्स (2009-2018), ईबीएससीओ ई-बुक्स संग्रह, एमराल्ड ई-बुक्स, ओयूपी ई-बुक्स, ऑक्सफोर्ड हैंडबुक्स (अर्थशास्त्र और वित्त - ऑनलाइन), प्रोक्वेस्ट ई-बुक सेंट्रल (ई-बुक: अकादमिक पूर्ण), रिस्क.नेट ई-बुक्स, सेज ई-बुक्स, टेलर एंड फ्रांसिस ई-बुक।

ई-पत्रिकाएँ

एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन (एईए), वार्षिक समीक्षा, एएससीई (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स), कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, कोरोनावायरस रिसर्च डेटाबेस, ईबीएससीओ: अकादमिक सर्च प्रीमियर, ईबीएससीओ: बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, एमराल्ड इनसाइट, आईईईई एक्सप्लोर (एएसपीपी + पीओपी), इंडियनजर्नल्स.कॉम, इन्फॉर्म्स पब्सऑनलाइन, इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल स्टैटिस्टिक्स, जेएसटीओआर, नेचर: इंटरनेशनल वीकली जर्नल ऑफ साइंस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रोजेक्ट एमयूएसई, प्रोक्वेस्ट एबीआई/इनफॉर्म, प्रोक्वेस्ट इकॉनलिट, प्रोक्वेस्ट साइकार्टिकल्स, रिस्क.नेट (प्रीमियम), सेज जर्नल्स, साइंस डायरेक्ट (एल्सेवियर), स्प्रिंगर, टेलर एंड फ्रांसिस, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो प्रेस जर्नल्स, विले ऑनलाइन (एचएसएस संग्रह सहित)।

अन्य

स्प्रिंकलर (आईआईएमए के लिए निःशुल्क अनुसंधान उपकरण)

विशेषीकृत खोज उपकरण

आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ ए से ज़ेड और रीमोटएक्सएस

सेवाएँ

- प्रसार
- ईमेल अलर्ट सेवा
- संदर्भ एवं सूचना
- साहित्य खोज सेवा
- अनुसंधान सहायता सेवा
- दस्तावेज़ वितरण
- अंतर पुस्तकालय ऋण
- अभिमुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता
- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- सामयिक पुस्तक प्रदर्शन
- ऑनलाइन चैट सेवा

सुविधाएँ

- वाचन कक्ष
- चर्चा कक्ष
- स्कैनिंग
- मुद्रण
- प्रतिलिपि
- बुक ड्रॉप बॉक्स
- दृष्टिबाधितों के लिए जेएडब्ल्यूएस टॉकिंग सॉफ्टवेयर और सारा सीई बुक स्कैनर
- दृष्टिबाधित लोगों के लिए केआईबीओ सॉफ़्टवेयर
- पुस्तकालय वीआर एप्लीकेशन
- पुस्तकों के स्व-निर्गम/वापसी/नवीनीकरण के लिए कियोस्क
- ई-बुक रीडर उधार

संस्थागत भंडार

आईआईएमए संस्थागत भंडार को संस्थान के विद्वतापूर्ण आउटपुट को एकत्र करने, संरक्षित करने और वितरित करने के लिए बनाया गया है। यह विद्वानों के संचार को सुविधाजनक बनाने और संस्थागत ज्ञान को संरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। वर्तमान में, इस भंडार में 25,000 से अधिक मदें शामिल हैं जिनमें संकाय प्रकाशन, थीसिस और शोध प्रबंध, छात्र की परियोजनाएँ, आधारपत्र, आईआईएम समाचार आदि शामिल हैं।

प्रकाशन:

पुस्तकालय 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है -

- प्रबंधन में वर्तमान सामग्री: विपणन।
- प्रबंधन का वर्तमान सूचकांक: विपणन।

इसने व्यवसाय/प्रबंधन से संबंधित शोधकर्ताओं को उनके शोध में सहायता/सुविधा प्रदान करने के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंधन सूचना केंद्र) सदस्यता शुरू की है।

6.2 अभिलेखागार

आईआईएमए अभिलेखागार सक्रिय रूप से अपने संग्रह का विस्तार कर रहा है, तथा उसे कई उल्लेखनीय दान प्राप्त हुए हैं, जिनमें 1966 से छात्रों द्वारा संगठित "मानव संसाधन संघ" से हस्तलिखित मिनट, 1967 से आईआईएमए "एमडीपी प्रमाण पत्र", 1972 से छात्र समाचार पत्र "इंडिनमैन" और 1995 से 'एलकेपी' की एक पेंटिंग शामिल है। इसके अतिरिक्त, अभिलेखागार का कुल 6,156 आगंतुकों ने दौरा किया, जिनमें व्यक्तिगत अतिथि, संचार विभाग के माध्यम से आईआईएमए के कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के प्रतिभागी, परिसर में विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने वाले, आईआईएमए अक्षय निधि के माध्यम से आगंतुक, तथा विरासत: आईआईएमए के हेरिटेज क्लब के माध्यम से विभिन्न आगंतुक, साथ ही स्नातक छात्र और उनके परिवार शामिल थे। अभिलेखागार ने 1,663 अभिलेखीय अनुरोधों की सुविधा प्रदान की, आंतरिक और बाहरी दोनों अनुरोधों के लिए अभिलेखीय तस्वीरों, सूचनाओं और दस्तावेजों तक पहुँच प्रदान की। अन्य मुख्य आकर्षण में शामिल हैं:

- आईआईएमए प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम के स्वर्ण जयंती समारोह में भागीदारी। "अनुसंधान में उत्कृष्टता के 50 वर्ष: आईआईएमए में प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम (डीपीएम)" शीर्षक से एक अभिलेखीय वृत्तचित्र का निर्माण और प्रदर्शन, एक डिजिटल डेटाबेस, साथ ही कैटलॉग कार्ड की एक आकर्षक प्रदर्शनी (अप्रैल 2024)।
- आईआईएमए अभिलेखागार ने "भारत पर अभिलेखागार" लॉन्च किया, जो एक डिजिटल सार्वजनिक संसाधन है जो भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से संबंधित 700 से अधिक भौतिक और डिजिटल अभिलेखागार और भंडारों को संकलित और मानचित्रित करता है (जून 2024)।
- पीजीपी 2019 (सितंबर 2024) के 5-वर्षीय पुनर्मिलन के लिए अभिलेखागार स्क्रीनिंग सत्र।
- आईआईएमए (दिसंबर 2024) में महीने भर चलने वाले पुनर्मिलन में भागीदारी, सभी पूर्व छात्रों के लिए अभिलेखीय फाइलों की तैयारी और पीजीपी 1974 के लिए "ए नोट टू यंगर सेल्फ" नामक एक विशेष परियोजना का आयोजन किया गया। इस पहल से एकत्र किए गए हस्तलिखित नोट्स को बाद में अभिलेखागार में प्रदर्शित किया गया, जिसमें हमारे सम्मानित पूर्व छात्रों के प्रतिबिंब और अंतर्दृष्टि को प्रदर्शित किया गया।
- आईआईएमए अभिलेखागार को प्रतिष्ठित संस्थानों में व्याख्यान की एक श्रृंखला में प्रमुखता से शामिल किया गया था, जिसमें लालभाई दलपतभाई (एलडी) संग्रहालय, अहमदाबाद (मई 2024), भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली (अगस्त 2024), उत्तर प्रदेश राज्य अभिलेखागार (सितंबर 2024), और अहमदाबाद प्रबंधन संघ द्वारा गुजरात सरकार के अधिकारियों के लिए उनके चिंतन शिविर (जनवरी 2025) के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।
- अभिलेखागार ने "भारत में अग्रणी प्रबंधन विकास: आईआईएमए में कार्यकारी शिक्षा के प्रारंभिक वर्ष" (मार्च 2025) शीर्षक से डिजिटल प्रदर्शनी शुरू की।
- 'भविष्य के लिए एक नोट' - 2025 के स्नातक छात्रों ने अपने भविष्य के लिए नोट्स लिखे जो 2050 में खोले जाएंगे।

6.3 छात्र गतिविधियाँ

अबेकस

अबेकस एआई, एनालिटिक्स और क्वांट उत्साही लोगों के लिए पसंदीदा क्लब है, जो आधुनिक समय के एल्गोरिदम और मॉडलों की घड़ी की कलई को गहराई से देखते हैं जो परामर्श, वित्त और उत्पाद डिजाइन को शक्ति प्रदान करते हैं। पिछले वर्ष, क्लब ने प्रबंधन में एआई के बारे में जागरूकता विकसित करने का काम शुरू किया; क्लब ने नॉटिलस इवेंट की व्यवस्था की - जो ऊर्जा बाजार में मूल्य पूर्वानुमान पर आधारित एक केस अध्ययन था। क्लब की प्रमुख माइंडबेंड श्रृंखला के साथ, यह सुनिश्चित करना जारी रखा है कि छात्र साक्षात्कारों में स्वयं को अभिव्यक्त करने के लिए तैयार रहे और आत्मविश्वासी महसूस करे। इसके विपरीत, क्लब ने नौकरी के लिए तत्परता बढ़ाने हेतु व्यावसायिक प्रमाणपत्र लाने के लिए अग्रणी नामों के साथ साझेदारी की है। अंत में, हम अबेकस प्राइमर का एक नया संस्करण लेकर आए हैं, जिसे 30 से अधिक नए एल्गोरिदम और कई उद्योग गहन जानकारी के साथ अपडेट किया गया है। अबेकस में डीपफेक, आरएजी और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई है।

अकादमिक परिषद (पीजीपी)

पीजीपी अकादमिक परिषद (अकाड्स काउंसिल) एक छात्र निकाय है जिसका नेतृत्व एक निर्वाचित अकादमिक सचिव करता है। यह पीजीपी 1 और पीजीपी 2 बैचों के लिए प्रमुख शैक्षणिक प्रक्रियाओं की देखरेख और क्रियान्वयन करता है, जिससे सुचारू शैक्षणिक संचालन सुनिश्चित होता है।

परिषद की ज़िम्मेदारियाँ मोटे तौर पर तीन मुख्य कार्यों में विभाजित हैं: बोली लगाना, अभिलेखागार और आरईएम (सुधारात्मक) सत्र। प्रत्येक कार्य को एक समर्पित सेल द्वारा प्रबंधित किया जाता है, जिसका नेतृत्व एक सेल प्रमुख करता है। बोली प्रकोष्ठ, पी.जी.पी.2 छात्रों के लिए सम्पूर्ण ऐच्छिक चयन प्रक्रिया का प्रबंधन करता है, तथा संकाय, प्रशासन और छात्र निकाय के साथ निकट समन्वय स्थापित करता है। यह प्रक्रिया कई चरणों में पूरी होती है - मांग सर्वेक्षण से शुरू होकर, उसके बाद नकली बोली सिमुलेशन, और अंतिम बोली दौर में समापन। पहली बार भाग लेने वाले प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करने के लिए, अकादमिक सचिव एक बैच मीट आयोजित करते हैं, जिसमें प्रक्रिया को विस्तार से समझाया जाता है।

बोली लगाने के अलावा, टीम क्रेडिट की कमी को पूरा करने, छात्र क्रेडिट सीमा की देखरेख करने और बोली पोर्टल का रखरखाव भी करती है। इस वर्ष एक उल्लेखनीय पहल संकाय आउटरीच थी, जहाँ प्रोफेसरों ने मानक रूपरेखा से परे अपने पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त, टीम ने दृष्टिबाधित डीए उम्मीदवारों के लिए एक वैकल्पिक बोली प्रणाली शुरू की, जिससे उनके दूसरे वर्ष में 100% पाठ्यक्रम सुलभता सुनिश्चित हुई।

अभिलेखागार प्रकोष्ठ दोनों वर्षों के लिए प्रश्नोत्तरी पत्रों, कक्षा नोट्स और अन्य शैक्षणिक संसाधनों के व्यापक भंडार को संकलित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। पीजीपी2 ऐच्छिक विषयों के लिए, टीम वरिष्ठों से उनके पाठ्यक्रमों के बारे में फीडबैक एकत्र करती है और इसे जूनियर बैच के साथ साझा करती है, जिससे उन्हें सूचित विकल्प बनाने में मदद मिलती है।

आरईएम (रिमेडियल) सेल पीजीपी1 और पीजीपी-एफएबीएम1 छात्रों के लिए अकादमिक सहायता सत्र आयोजित करता है, खास तौर पर क्विज़, मिडटर्म और एंडटर्म से पहले। टीम विभिन्न कैरियर और अकादमिक क्लबों के एलएंडडी (लर्निंग एंड डेवलपमेंट) सेल के साथ मिलकर काम करती है - जैसे कि निचे, बीटा और इक्विपोइज़ - आरईएम टेकर्स को खोजने के लिए, जो इन सत्रों को ऑनलाइन आयोजित करते हैं। सत्रों को रिकॉर्ड किया जाता है और छात्रों के साथ साझा किया जाता है, साथ ही नोट्स, पीपीटी और समाधान पत्रक जैसी पूरक सामग्री भी दी जाती है। इस वर्ष, आरईएम सेल ने दृष्टिबाधित डीए उम्मीदवारों के लिए व्यक्तिगत रूप से सुधारात्मक सत्र शुरू किए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उनकी विशिष्ट शैक्षणिक ज़रूरतें पूरी हों।

एजाइल-कंप्यूटर केंद्र समिति (सीसीसी)

आईआईएमए का आईटी सेल एजाइल सीसीसी, प्रौद्योगिकी के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाकर छात्र प्रशासन की रीढ़ रहा है। यह मुख्य रूप से नेटवर्क और प्रिंटर जैसे बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के साथ-साथ वेबसाइटों और अनुप्रयोगों को विकसित और बनाए रखने और विभिन्न तकनीकी मामलों में एसएमए को सलाह देने में लगा हुआ है। यह कई नए कार्यान्वयनों के साथ एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है। तकनीकी नवाचार के मोर्चे पर, इसने अपनी तरह का पहला मोबाइल ऐप, आईआईएमए ऐप सफलतापूर्वक लॉन्च किया है, आईआईएमए की पहली डिजिटल पत्रिका, टीआरबीसी को लॉन्च करने में मदद की है, केंद्रीकृत सूचना भंडारण के लिए एसओपी पोर्टल लॉन्च किया है, और छात्रों की जरूरतों के लिए वन-स्टॉप शॉप के रूप में स्टूडेंट्स कॉर्नर को पुनः ब्रांडेड किया है। भौतिक अवसंरचना के मोर्चे पर, पहली बार, एजाइल ने 1 करोड़ मूल्य के गैजेट सौदों को पार किया और 2 ओईएम को कॉर्पोरेट भागीदारों के रूप में शामिल किया। इसने अधिकांश छात्रावासों में प्रिंटर अवसंरचना को भी पुनर्जीवित किया और उद्यम-स्तर के प्रिंटर की खरीद शुरू की। अन्य गतिविधियों में चुनाव आयोजित करना, क्लब 3.0 का विलय और थिंक-सेल और कैनवा जैसे नए लाइसेंस प्राप्त करना शामिल है। इन-हाउस कैओस वेबसाइट लॉन्च, एक्सचेंज बिडिंग, ज़ूम सुविधाओं के रूप में एसएमए को सहायता प्रदान की गई और नए संविधान में परिवर्तन सहित विभिन्न नीतियों पर एसएसी को सलाह दी गई।

बीटा

वित्त और निवेश क्लब - बीटा छात्रों के बीच वित्त में करियर के बारे में जागरूकता पैदा करने, प्लेसमेंट प्रक्रिया में सहायता करने और कई पहलों के माध्यम से वित्तीय सेवा उद्योग के भीतर व्यापक रूप से नेटवर्किंग करने पर ध्यान केंद्रित करता है। क्लब ने 20 से अधिक पहलों के साथ एक उल्लेखनीय वर्ष बिताया, जिसने वित्त करियर को बढ़ावा देने, प्लेसमेंट में सहायता करने और उद्योग संबंधों को बढ़ावा देने के अपने मिशन को मजबूत किया।

बीते वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं, आईआईएमए के लिए छात्र निवेश कोष (ऑक्सेसिस कैपिटल) की स्थापना, बीटा साक्षात्कार संग्रह (जिसमें सभी भूमिकाओं के विभिन्न छात्रों के वित्त साक्षात्कार संकलन शामिल हैं, जिन्हें आमतौर पर एसआईपी में उपलब्ध कराया जाता है) का उद्घाटन संस्करण जारी करना, बीटा उद्योग प्राइमर का दूसरा संस्करण (जिसमें 20 से अधिक विविध क्षेत्रों को शामिल किया गया है), 5 से अधिक वक्ता सत्रों/बैठकों का आयोजन जिनमें श्री कौशिक भट्टाचार्य (एमडी और इंडस्ट्रियल आईबी के प्रमुख, एवेंडस कैपिटल), सुश्री सिमरनजीत कौर (निदेशक, एवेंडस कैपिटल) और श्री प्रशांत खेमका (संस्थापक, व्हाइटओक कैपिटल) के साथ सत्र/बैठकें आयोजित करना, विभिन्न कार्यक्रमों में आईआईएमए के अन्य क्लबों के साथ सहयोग करना, और छात्र समुदाय के लिए लाइव प्रोजेक्ट के अवसरों की सुविधा प्रदान करना।

कन्सल्ट क्लब

आईआईएम अहमदाबाद में कंसल्ट क्लब हमेशा "सभी प्रकार की परामर्श सेवाओं" में सबसे आगे रहा है, यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है कि हमारा परिसर परामर्श के लिए पसंदीदा परिसर बना रहे! टीम ने हमेशा दूसरों की मदद को हर एक पहल की नींव के रूप में रखा है। यह वर्ष हर पहलू में कंसल्ट क्लब के लिए एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला वर्ष रहा है। इस वर्ष की प्रमुख झलकियाँ नीचे दी गई हैं। क्लब ने 'कॉन्कर द केस' सीरीज़ (केस-सॉल्विंग वर्कशॉप) में कई सत्र/कार्यशालाएँ आयोजित कीं, जिनमें एक्सेंचर स्ट्रैटेजी के साथ सहयोग, केपलर कैनन के सहयोग से एक केस प्रतियोगिता कार्यशाला और आउटरीच सत्र शामिल हैं। क्लब ने सीवी रिव्यू स्लॉट और मॉक केस इंटरव्यू स्लॉट (मॉक केस के पायलट परीक्षण के लिए एआई प्लेटफॉर्म के साथ साझेदारी सहित) का आयोजन किया। हमने उच्च गुणवत्ता वाले तैयारी संसाधनों को प्रकाशित करने का अपना प्रयास जारी रखा, जिसमें मुख्य आकर्षण वार्षिक कंसल्ट प्रेप बुक (केस बुक) 2024-25 है। दस्तावेज़ के इस 11वें संस्करण में व्यापक रूप से कई नए परिवर्धन और संवर्द्धन शामिल किए गए, जिससे यह अब तक का सबसे बड़ा संस्करण बन गया, और लिंक्डइन पर 70 हजार से अधिक जन-आगमन देखे गए।

क्लब ने 3 केस प्रतियोगिताएं आयोजित कीं, जिनमें कुल 98 हज़ार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और परामर्श फर्मों (केप्लर कैनन और समग्र) और अन्य संस्थानों (आईआईएम बैंगलोर, आईआईएम कलकत्ता और आईएसबी) के साथ भागीदारी की। क्लब ने केस प्रतियोगिताओं के लिए एक रिपोजिटरी/ट्रैकर भी शुरू किया और आईआईटी बॉम्बे के कंसल्ट क्लब के लिए एक मेंटरशिप सत्र आयोजित किया। क्लब चेयर-शॉ, एसएसी, एसएओ और व्यापक आईआईएमए समुदाय के उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं, और क्लब की विरासत को आगे बढ़ाने और पूरे वर्ष गतिविधियों में संलग्न रहते हुए आउटपुट और कार्यक्रमों की गुणवत्ता में उत्कृष्ट मानकों को बनाए रखने के लिए क्लब को "निरंतर उत्कृष्टता पुरस्कार" से मान्यता/पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कल्टकॉम - सांस्कृतिक क्लब

कल्टकॉम क्लब आईआईएमए की सांस्कृतिक और सामाजिक मामलों की समिति जो रचनात्मकता, सौहार्द और सांस्कृतिक समारोहों पर आधारित है। इस वर्ष, क्बल ने ऐसे कार्यक्रमों की एक रोमांचक सूची तैयार की है जो आईआईएमए समुदाय को एकजुट करती है, स्थायी यादें बनाती है और आईआईएमए की जीवंत भावना का जश्न मनाती है। कल्टकॉम सिर्फ़ एक समिति नहीं है; यह एक जीवंत परिवार है जो विविधता, प्रतिभा और आजीवन दोस्ती का जश्न मनाता है! क्लब की यात्रा की शुरुआत ऊर्जावान फ्रेशर्स इवेंट से हुई, जिसमें क्लब के गतिशील समुदाय में नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। "नो योर टुच्चा" गतिविधि ने 1 और 2 के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध और बातचीत को बढ़ावा दिया, जबकि सेक्शन हैंडओवर समारोह ने नए बैच के लिए सेक्शन शासन का सुचारू वहन सुनिश्चित किया।

क्लब की प्रतिष्ठित प्रतिभा संध्या, टीनाइट में अविश्वसनीय प्रदर्शन हुए, जिसमें प्रतिभा और टीम वर्क के उत्साही प्रदर्शन में विभिन्न वर्गों ने प्रतिस्पर्धा की। क्लब ने ओणम, गणेश चतुर्थी, गरबा, दिवाली और क्रिसमस वीक जैसे त्यौहार मनाए, जिससे कैंपस रंग, खुशी और एकता से भर गया। उत्सव के साथ-साथ, हमने नए साल की पार्टी, मकर संक्रांति समारोह, प्रोम नाइट और फेयरवेल का आयोजन किया, जिससे तनाव दूर करने और एक-दूसरे से जुड़ने के लिए बेहतरीन पल मिले। होली ने जीवंत रंग लाए, जबकि सर्वाइवर टी-शर्ट प्रतियोगिता ने रचनात्मकता को बढ़ावा दिया। इस वर्ष का नया मुख्य आकर्षण पोस्ट-एसआईपी बैच पार्टी थी, जिसमें सफल ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट अवधि की खुशी को संजोया गया और क्लब के अविस्मरणीय अनुभवों की सूची में एक और उपलब्धि जुड़ गई।

इलोकेंस: वक्तव्य कौशल क्लब

रोमांचक बदलावों की शुरुआत इलोकेंस के लिए एक बिलकुल नए डिस्कोर्स सेल के निर्माण के साथ हुई, जिसका गठन कैंपस में संवाद और चर्चाओं को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया था। टीम ने ई-पाल पहल के साथ शुरुआत की, 350 से अधिक आने वाले पीजीपी1 को उनके गुमनाम वर्चुअल विश्वासपात्रों से जोड़ा, इससे पहले कि वे कैंपस में कदम भी रखें। क्लब ने मोज़ेक और डब्ल्यूएलएस को रणनीतिक रूप से क्यूरेट किए गए और विशिष्ट रूप से नामित जीडी को मॉडरेट करने में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया गया, जिसने प्रतिभागियों को और अधिक चाहने के लिए प्रेरित किया, जिससे उन्हें व्यावसायिक निर्णय लेने का पहला अनुभव मिला। क्लब के थॉट ग्रैफिटी ने अंडरपास की दीवार को बिना किसी फिल्टर के विचारों और भावनाओं के लिए एक कैनवास में बदल दिया। इलोकेंस ओपन माइक नाइट्स ने उन सभी लोगों को एक मंच दिया जिसमें प्रतिभागियों ने बैटमैन के अस्तित्व के लिए जोकर की महत्वपूर्णता से लेकर मानव जाति के पालतू जानवर होने के पक्ष से लेकर एक श्रेष्ठ प्रजाति तक हर चीज़ पर विचार-विमर्श किया। क्लब ने अपने पाठकों के समुदाय पेज टर्नर्स एट आईआईएमए के साथ एलकेपी को भी अपने हाथ में ले लिया, हर सप्ताहांत रीडिंग सेशन आयोजित करते हुए, जिसमें फैकल्टी और छात्र दोनों शामिल होते हैं। क्लब ने कुछ गंभीर काम भी किए। क्लब ने अपने प्लेसमेंट सेल को मजबूत किया, और हमारी प्लेसमेंट तैयारी पहल ने गर्मियों और अंतिम प्लेसमेंट दोनों के लिए महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स पर काम करने के लिए संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान किया।

एंट्रेवीसी

एंट्रेवीसी कैम्पस में उद्यमशीलता की संलग्नता और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के पीछे प्रेरक शक्ति बनी हुई है। इस वर्ष, एंट्रेफेयर के 11वें संस्करण में 8 क्षेत्रों के 900 से अधिक छात्रों और 10 से अधिक स्टार्टअप्स की रिकॉर्ड भागीदारी देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप 145 से अधिक आवेदन और 13 सफल प्रस्ताव प्राप्त हुए। उल्लेखनीय रूप से, स्टार्टअप आवश्यकताओं को छात्र उपलब्धता के साथ बेहतर ढंग से संरेखित करने के लिए पहली बार पीजीपी2 को शामिल किया गया था।

क्लब ने इस साल नेटवर्किंग ओवर कॉफ़ी लॉन्च की, जो एमबीए, एग्जीक्यूटिव एमबीए और डॉक्टरेट छात्रों को स्टार्टअप चर्चा, विचार-विमर्श और सलाह के लिए जोड़ने वाली एक क्रॉस-प्रोग्राम पहल है। एंट्रेवीसी ने आईआईएमए वेंचर्स के सहयोग से हाउ टू स्टार्ट ए स्टार्टअप (एचटीएसएएस) स्पीकर सीरीज़ की भी मेजबानी की, जिसमें राहुल दाश (पर्पल), सौरभ गर्ग (नोब्रोकर), अनुराग केडिया (पिलग्रिम) और मनु चंद्रा (सॉस.वीसी) जैसे संस्थापक और वीसी शामिल थे, जिन्होंने फंड जुटाने, बाजार में व्यवधान और स्केलिंग पर अंतर्दृष्टि साझा की। क्लब ने यंगसीईओ और हॉल्ट प्राइज चैलेंज का भी आयोजन किया, जिसमें उद्यमिता और सामाजिक प्रभाव पर व्यावहारिक शिक्षा प्रदान की गई। आईआईटी बॉम्बे ई-सेल के साथ साझेदारी में, क्लब ने स्पीकर सेशन, मेंटरशिप राउंड और प्रतियोगिताओं के साथ एंट्रे समिट के अहमदाबाद चैप्टर का आयोजन किया।

इक्विपोइज़: आईआईएमए का अर्थशास्त्र क्लब

इस वर्ष, इक्विपोइज़, अर्थशास्त्र क्लब ने अर्थशास्त्र को छात्र समुदाय के करीब लाने और इसे करियर-उन्मुख बनाने के लिए एक ठोस प्रयास किया। क्लब ने अमूर्त अवधारणाओं और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने के लिए अपने दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदल दिया, जिससे विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्रों को सार्थक तरीके से विषय से जुड़ने का मौका मिला। इकोनॉमिक्स समर्स प्राइमर जैसी पहलों ने प्लेसमेंट के लिए संरचित मेंटरशिप प्रदान की, जिसमें परामर्श, वित्त, सामान्य प्रबंधन नीति और बहुत कुछ में अर्थशास्त्र की प्रयोज्यता पर प्रकाश डाला गया। क्लब ने

अनुभवात्मक शिक्षा में नए मोर्चे भी तलाशे, जैसे कि एनालिटिक्स और फाइनेंस सिमुलेशन प्रतियोगिता शुरू करना, जिसे रद्द करने के लिए अप्रत्याशित परिस्थितियों के बावजूद उत्साह के साथ स्वागत किया गया। इन पहलों से उत्पन्न उत्साह और रुचि ने करियर विकल्प के रूप में अर्थशास्त्र में बढ़ती रुचि की ओर इशारा किया। आने वाले वर्षों में, इक्विपोइज़ बौद्धिक जिज्ञासा और व्यवस्थित सीखने से प्रेरित होता रहेगा। अंतर-आईआईएम अर्थशास्त्र समाचार पत्र के रूप में इको का पुनः लॉन्च, और एक इंटरैक्टिव ऑफ़लाइन क्विज़ प्रारूप इक्विज़िटिव के लॉन्च ने अधिक रोचक और उत्तेजक चर्चाओं के अवसर प्रदान किए हैं।

एफएबीएम समिति

एफ़एबीएम समिति का उद्देश्य छात्रों के बीच कार्यक्रम की पहुँच को बढ़ाना है। वे उद्योग जगत के साथ बातचीत, वक्ता सत्र, केस प्रतियोगिताएं, प्रश्नोत्तरी और द्वि-मासिक "नेचुरलिस्ट" समाचार पत्र जैसी विषय-वस्तु आधारित पहलों सहित कई तरह की गतिविधियों का आयोजन करते हैं। समिति भारत के सबसे बड़े खाद्य और कृषि व्यवसाय शिखर सम्मेलन, एमेथॉन का नेतृत्व करती है, जिसमें कार्यशालाएं, पैनल चर्चाएं और वक्ता सत्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वे अन्य कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की मेजबानी करते हैं जो समग्र शिक्षण अनुभव को बढ़ावा देते हैं, जिससे खाद्य और कृषि व्यवसाय उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आईआईएम अहमदाबाद की प्रतिष्ठा में योगदान मिलता है। अमेथॉन, प्रमुख शिखर सम्मेलन, कृषि व्यवसाय में अभिनव समाधान तलाशने के लिए उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं और छात्रों को एक साथ लाता है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर की केस प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक अनुभव और फूड फेस्ट जैसी पहल शामिल हैं, जो स्थानीय समुदाय को पारंपरिक और फ्यूजन स्वाद से जोड़ती है। इस वर्ष अमेथॉन ने भारत भर के 400 से अधिक कॉलेजों से 8,500 से अधिक पंजीकरण और 4.6 लाख से अधिक जन-आगमन प्राप्त किए।

फ़िनेस: ललित कला क्लब

आईआईएम अहमदाबाद के आर्ट क्लब फ़िनेस ने कैंपस समुदाय के भीतर कलात्मक अभिव्यक्ति और जुड़ाव को बढ़ावा देना जारी रखा है। विभिन्न पहलों के माध्यम से, क्लब ने छात्रों को विभिन्न कला रूपों का पता लगाने, अपने कौशल विकसित करने और अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने के अवसर प्रदान किए। इस वर्ष, प्रमुख कला प्रदर्शनी पैलेट्स ने 1500 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया और कैनकिड्स किड्सकैन के लिए ₹60,000 जुटाए। सुलेख, मंडला कला और स्केचिंग जैसी इंटरैक्टिव कार्यशालाओं ने प्रतिभागियों को नई तकनीकों से परिचित कराया और व्यावहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित किया। ओपन आर्ट रूम पहल ने छात्रों और शिक्षकों को आराम करने, तनाव दूर करने और कला के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करने के लिए एक स्वागत योग्य स्थान प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, लाइव पेंटिंग सेशन ने बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया और कई लोगों को प्रेरित किया, जिससे लोगों को एक साथ लाने में रचनात्मकता की शक्ति का प्रदर्शन हुआ। फाइनेस ने स्माइल ग्रीष्मकालीन गतिविधि शिविर में बच्चों के लिए कला कार्यशालाओं का आयोजन करके सामाजिक प्रभाव में भी योगदान दिया।

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय क्लब (एफएबी)

आईआईएमए में एफ़एबी क्लब एक गतिशील मंच है जो कृषि-नेताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। हम छात्रों का एक विविध समूह हैं जो खाद्य और कृषि के लिए एक साझा जुनून से एकजुट हैं, जो शिक्षा और उद्योग की गतिशील वास्तविकताओं के बीच की खाई को पाटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

फ़ूटलूज़

आईआईएमए के डांस क्लब फुटलूज ने बॉलीवुड डांस वर्कशॉप के साथ नए छात्रों का स्वागत किया। फुटलूज ने 2025 की कक्षा के लिए फ्रेशर्स नाइट में प्रदर्शन किया, क्लब चयन प्रक्रिया को नृत्य और बातचीत के चार चरणों में विभाजित किया गया, जिसमें 100 से अधिक आवेदकों ने रुचि दिखाई। फुटलूज ने स्माइल के छात्रों के प्रदर्शन के लिए नृत्य कार्यशालाएँ आयोजित कीं। फुटलूज ने बॉलीवुड, भांगड़ा और गरबा पर कार्यशालाएँ आयोजित करके आने वाले एक्सचेंज छात्रों का स्वागत किया। क्लब ने पूरे आईआईएमए समुदाय के लिए 30 दिवसीय गरबा कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें 70 से अधिक प्रतिभागियों और 2500 से अधिक दर्शकों के साथ प्रदर्शन किया गया। मार्च में, फुटलूज़ ने चार साल के अंतराल के बाद 10 से ज़्यादा क्लबों के साथ मिलकर अपना प्रमुख कार्यक्रम बिग बैंग आयोजित किया। इस कार्यक्रम में आईआईएमए समुदाय के 150 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें छात्र, कर्मचारी, शिक्षक और अन्य लोग शामिल थे। इसमें 10 से अधिक आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गईं और तीन घंटे तक चले आरजेएम कार्यक्रम में 750 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसे पूरे आईआईएमए समुदाय और मीडिया कवरेज से विशेष मान्यता मिली। फुटलूज़ ने आईआईएमए में संस्थान दिवस पर भी प्रदर्शन किया और केओस 2025 में भाग लिया। क्लब ने 2025 की कक्षा के लिए विदाई समारोह के विदाई प्रदर्शन के साथ अद्भुत वर्ष का समापन किया।

उद्योग संवाद मंच (एफ़आईआई)

आईआईएम अहमदाबाद में एफआईआई एक छात्र-संचालित परामर्श निकाय है जो व्यवसायों को शीर्ष प्रबंधन प्रतिभाओं से जोड़ता है। एफआईआई आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित है, जो सभी कार्यों में निष्पादन उत्कृष्टता और गोपनीयता सुनिश्चित करता है। सीआईआईई इनक्यूबेशन फंड, कैम्ब्रिज कंसल्टिंग नेटवर्क और एनईओएस जैसे उद्योग निकायों के साथ इसके मजबूत संबंध हैं, जो इसे एक उच्च सम्मानित छात्र परामर्श बनाता है। अपने नवीनतम प्रयास में, एफआईआई ने 85 छात्रों को सफलतापूर्वक प्लेसमेंट दिलाया, 100 से अधिक ग्राहकों को प्रस्ताव भेजा, तथा 15 से अधिक परियोजनाओं को परिवर्तित किया, जिससे लगभग 20 लाख रुपये मूल्य की परियोजनाएं वितरित की गईं। एफआईआई विविध उद्योग आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रणनीति नियोजन, ब्रांडिंग एवं विपणन, वित्तीय मॉडलिंग तथा परिचालन एवं जोखिम प्रबंधन में विशेषज्ञता प्रदान करता है। उल्लेखनीय ग्राहकों में कोलगेट, ग्रेड्स बडी, आउटलुक, मैट्रिमोनी.कॉम, रेनोडिया डायमंड प्राइवेट लिमिटेड, जेब्रॉयड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फंड्स रिसर्च, कैलोरक्स ऑलिव इंटरनेशनल स्कूल, ग्रीनडे, आईडेस्क कंसल्टिंग, आदेश फाउंडेशन, रेडेफिन कैपिटल, एनजे फैक्टर इन्वेस्टिंग, नॉरिशिंग फार्म्स और 1क्यूआर शामिल हैं। लागत प्रभावी, उच्च प्रभाव वाले समाधान प्रदान करने के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, एफआईआई उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की खाई को पाटने का काम जारी रखे हुए है, तथा व्यवसायों को नए दृष्टिकोण और कार्यान्वयन योग्य रणनीतियां प्रदान कर रहा है।

सामान्य प्रबंधन और नेतृत्व क्लब (जीएमएलसी)

एक ही दृष्टिकोण के साथ–सामान्य प्रबंधन को रहस्यपूर्ण बनाना और छात्रों को विविध नेतृत्व भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कौशल से लैस करना–जीएमएलसी ने लगातार ज्ञान की खाई को पाटने के लिए काम किया है। क्लब ने स्पष्टता, संरचित तैयारी और व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया। यह वर्ष वास्तव में परिवर्तनकारी रहा, जिसमें क्लब के प्रभाव को बढ़ाने और व्यापक दर्शकों तक पहुँचने के लिए कई नई पहल शुरू की गई, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हम अधिक से अधिक छात्रों का समर्थन कर सकें। काउंसलिंग बूथ और मेंटरमी कुछ ऐसी पहल थीं जिनका उद्देश्य छात्रों का मार्गदर्शन करना और

उन्हें क्लब के भीतर और बाहर दोनों जगह अनुभवी मेंटरों से जोड़ना था। प्रमुख परफेक्ट मैनेजर प्रतियोगिता में 300 से अधिक पंजीकरण हुए, जबकि पहली बार आयोजित इक्विलीड और एमआरसी जैसी प्रतियोगिताओं ने राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की।

सूचना तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, जीएमएलसी ने 15 से अधिक उद्योगों को कवर करने वाले उद्योग प्राइमर, संशोधित तैयारी पुस्तिका और मिनी केवाईसी पुस्तिकाएं जैसे संसाधन पेश किए। मैराथन जी.डी. और 120 से अधिक जी.डी.-पी.आई. स्लॉट के माध्यम से गहन प्रशिक्षण ने सुनिश्चित किया कि छात्र साक्षात्कार के लिए तैयार हो गए हैं। जेनलीड सीरीज ने छात्रों को उद्योग जगत के नेताओं से जुड़ने में मदद की तथा उन्हें बहुमूल्य नेटवर्किंग अवसर प्रदान किए। इस पहल ने छात्रों को सही संसाधन और कौशल प्रदान किए हैं।

आईडीईओएस - सामाजिक नवाचार एसआईजी

इस साल, हमने 91 के बैच के सहयोग से सोशल मावेरिक्स फ़ेलोशिप की शुरुआत की, जिससे क्लब ने इम्पैक्ट सेक्टर और सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप के बारे में जुनूनी छात्रों के लिए फंडिंग और मेंटरशिप हासिल की जा सके। हमारे कैटालिस्ट्स फॉर चेंज, एलम टॉक सीरीज़ में उद्योग जगत के अग्रणियों ने भाग लिया, जिसमें निवेश, स्थिरता और विकास क्षेत्र में करियर के बारे में गहन जानकारी दी गई। हमने लाइव प्रोजेक्ट्स के ज़रिए कक्षा से परे जाकर सीखने का मौका दिया- एआई-संचालित अपशिष्ट प्रबंधन (स्वच्छएआई) के लिए परामर्श और भारत के दान उत्सव के लिए एनजीओ को रणनीति बनाने में मदद करना। हमारे प्रमुख आयोजनों - द क्वेस्ट एंड इनोवेशन प्लेग्राउंड में देश भर के छात्रों और सामाजिक उद्यमियों ने विघटनकारी, प्रभाव-संचालित विचारों को प्रस्तुत किया, जिसमें साइन असिस्टिव एआई (वास्तविक समय सांकेतिक भाषा अनुवाद) से लेकर पात्रा (कागज अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली विकसित करना) और प्राइडकनेक्ट (एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के लिए आर्थिक अवसरों को संबोधित करना) शामिल थे। तकनीक और प्रभाव के सम्मिश्रण वाले अंतर-विश्वविद्यालय हैकथॉन, एम्पावर का भी आयोजन किया।

आईआईएमएसीटीएस: आईआईएमए सांस्कृतिक और नाट्य सोसायटी

आईआईएमऐक्ट्स ने इस साल कई दिलचस्प प्रस्तुतियाँ दीं। पीजीपी2 छात्रों के लिए प्रवेश प्रक्रिया इच्छुक छात्रों से आवेदन आमंत्रित करने के साथ शुरू हुई, जिसके बाद दो-चरणीय चयन प्रक्रिया हुई। पहले चरण में लिखित प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिसमें आवेदकों ने अपनी रचनात्मक क्षमता, रंगमंच की समझ और क्लब के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। दूसरा राउंड ऑडिशन का था, जिसमें आवेदकों ने एक छोटा दृश्य या एकालाप प्रस्तुत किया, जिससे उनके अभिनय कौशल, मंच पर उपस्थिति और लाइव प्रदर्शन सेटिंग में अनुकूलन क्षमता का मूल्यांकन करने में मदद मिली। अंततः क्लब में शामिल होने के लिए सोलह प्रतिभाशाली सदस्यों का चयन किया गया। आने वाले पीजीपी1 छात्रों के लिए अभिविन्यास के हिस्से के रूप में, क्लब ने आरजेएम सभागार के सामने सहारा बानो नामक एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। अपने प्रभावशाली विषय और आकर्षक प्रदर्शन के साथ, नाटक का उद्देश्य नए बैच में ऊर्जा भरना और भागीदारी को प्रोत्साहित करना था, साथ ही क्लब की भावना और रंगमंच के माध्यम से प्रासंगिक सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने की उसकी क्षमता को भी प्रदर्शित करना था। 'क्लब रन' के दौरान, जो कि अभिविन्यास प्रक्रिया का एक पारंपरिक हिस्सा है, क्लब के पीजीपी2 छात्रों ने प्रत्येक कक्षा में छोटे-छोटे दृश्य प्रस्तुत किए। इन प्रदर्शनों ने क्लब की गतिविधियों - अभिनय, निर्देशन और पटकथा लेखन - की एक झलक प्रदान की और इसकी रचनात्मक ऊर्जा को उजागर किया, जिससे पीजीपी1 छात्रों को संस्थान में नाट्य कलाओं का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया गया।

पीजीपी1 छात्रों के लिए शामिल करने की प्रक्रिया और भी व्यापक थी, जिसमें तीन राउंड शामिल थे। पहले दो राउंड में लिखित प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिसके माध्यम से आवेदकों ने थिएटर के लिए अपने जुनून और प्रदर्शन के लिए विचार व्यक्त किए, जबकि तीसरे राउंड में ऑडिशन शामिल थे जहाँ उन्होंने तैयार दृश्यों या सुधारों के माध्यम से अपनी अभिनय क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस गहन चयन ने यह सुनिश्चित किया कि केवल सबसे भावुक और प्रतिभाशाली व्यक्ति ही क्लब में शामिल हों। क्लब ने आरजेएम सभागार में एक पूर्ण लंबाई वाला नाटक, मेटामोर्फोसिस भी मंचित किया, जिसमें फ्रांज काफ्का के प्रसिद्ध काम को समकालीन संदर्भ में फिर से प्रस्तुत किया गया, जबकि इसका मूल सार बरकरार रखा गया। पीजीपी2 छात्रों द्वारा प्रस्तुत 1.5 घंटे का यह नाटक असाधारण अभिनय, निर्देशन और मंच प्रबंधन का प्रमाण था, जिसे व्यापक प्रशंसा मिली। संस्थान दिवस पर, क्लब ने दरबार-ए-अहमदाबाद नामक 25 मिनट का स्वयं लिखित नाटक प्रस्तुत किया, जो संस्थान के विषयों और लोकाचार को दर्शाता है। इस सहयोगात्मक प्रयास में पीजीपी1 के छात्र, प्रोफेसर और अभिलेखागार कार्यालय के सदस्य शामिल थे, जिन्होंने रचनात्मकता को संस्थागत मूल्यों के साथ मिश्रित किया और विविध दर्शकों को आकर्षित किया। यह प्रदर्शन संस्थान के प्रति एक यादगार श्रद्धांजलि थी, जिसमें रंगमंच के माध्यम से इसकी विरासत का जश्न मनाया गया।

आईआईएम-एनीम

आईआईएमए में आईआईएमए-एनीम संस्थान के समुदाय के भीतर एक समृद्ध एनीम संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। एनीमे ने सीमाओं को पार कर लिया है, जो केवल मनोरंजन से कलात्मक अभिव्यक्ति और कहानी कहने के एक व्यापक माध्यम में विकसित हुआ है। इस विविधता का जश्न मनाने के लिए, आईआईएमए एनीमे ने कई रोमांचक कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जिसमें एनीमे स्क्रीनिंग और ऑफ़लाइन क्विज़ शामिल हैं। इस एसआईजी का प्रमुख कार्यक्रम, एनीमे एक्स्ट्रावैगन्ज़ा, एक शानदार सफलता थी, जिसमें प्रतिभागियों ने दो रोमांचक क्विज़ सत्रों में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, आईआईएमएनीम ने ओटाकू संस्कृति के लिए विशेष रूप से एक नया कार्यक्रम पेश किया- एनीमे गेम नाइट।

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी)

आईआईएम अहमदाबाद में एलएसडी का यह साल काफी व्यस्त और सफल रहा, जिसमें कई तरह के कार्यक्रम और गतिविधियाँ शामिल थीं। जुलाई से फरवरी तक, एलएसडी ने हर नौ दिन पर कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे सदस्य सक्रिय रूप से जुड़े रहे और समुदाय की एक मजबूत भावना को बढ़ावा मिला। इस वर्ष क्विज़िंग पर मुख्य ध्यान दिया गया, जिसमें आईआईएमए क्विज़िंग फ़ेस्टिवल जैसी मुख्य घटनाएँ शामिल थीं। इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली और क्लब ने ज्ञान और जिज्ञासा को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। कई अनौपचारिक क्विज़िंग सत्रों ने भी पूरे वर्ष इस गति को बनाए रखा।
वाद-विवाद प्रकोष्ठ ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, तथा दो प्रमुख वाद-विवादों का आयोजन किया, जिनसे आलोचनात्मक चिंतन और सार्वजनिक भाषण को प्रोत्साहन मिला वह था - आईआईएमए पीडी और संकाय-छात्र वाद-विवाद। पूरे वर्ष के दौरान, एलएसडी सीखने और बौद्धिक विकास के अवसर पैदा करने के लिए समर्पित रहा। चाहे क्विज़, वाद-विवाद या अनौपचारिक सत्रों के माध्यम से, क्लब ने विचारशील संवाद को प्रोत्साहित करने और ज्ञान साझा करने की संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी परंपरा को बनाए रखा।

एमएडी (मूवीज़ तथा डिज़ाइन क्लब)

इस वर्ष, मैड क्लब सचमुच आईआईएमए के सिनेप्रेमी समुदाय की धड़कन बन गया, जिसने कक्षाओं को थिएटर में और छात्रों को कहानीकारों में बदल दिया। इंटरस्टेलर, 12वीं फेल और 10 से अधिक अन्य फिल्मों की रोमांचक स्क्रीनिंग के साथ, क्लब ने

विस्मय, हंसी और चिंतन के साझा क्षण बनाए, जिससे यह साबित हुआ कि सिनेमा का अनुभव एक साथ मिलकर किया जा सकता है। लेकिन मैड सिर्फ़ फ़िल्में देखने के बारे में नहीं था, यह रचनात्मकता के सभी रूपों का जश्न मनाने के बारे में था। क्लब की हाई-एनर्जी मूवी क्विज़ ने सिनेप्रेमियों के ज्ञान का परीक्षण किया, जबकि मैड विज्ञापन प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को आकर्षक कथाएँ बनाने की चुनौती दी, जो मार्केटिंग और कहानी कहने के बीच की रेखाओं को धुंधला कर देती हैं। सिनेमा के प्रति अपने प्यार को एक कदम आगे बढ़ाते हुए, क्लब ने सिर्फ़ फ़िल्में नहीं दिखाई, हमने उन्हें बनाया। स्क्रिप्टिंग से लेकर सिनेमैटोग्राफी, एडिटिंग से लेकर प्रोडक्शन तक, मैड के सदस्यों ने कैंपस में कच्ची रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने वाली छोटी फ़िल्मों के ज़रिए कहानियों को जीवंत किया। इस बीच, क्लब की सिनेमैटोग्राफी और एडिटिंग टीमों ने आईआईएमए की जीवंत संस्कृति का सार पकड़ा, टी-नाइट, गरबा नाइट, दिवाली और ओणम के लिए शानदार आफ्टर-फ़िल्में बनाईं।

मीडिया सेल

इस साल, मीडिया सेल ने नई पहल के साथ कहानी कहने की कला को फिर से परिभाषित किया, जिसने एक छाप छोड़ी। क्लब ने वेलकम बुक से शुरुआत की, जो पीजीपी1 के लिए एक गाइड है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उन्हें पहले दिन से ही घर जैसा महसूस हो। संगम के साथ उनका भव्य स्वागत जारी रहा, जो संगीत, रंगमंच और सौहार्द का जीवंत मिश्रण है। नई राह पर आगे बढ़ते हुए, हमने द रेड ब्रिक्स क्रॉनिकल्स (टीआरबीसी) लॉन्च किया - एक न्यूज़लेटर जो कैंपस की घटनाओं, चर्चाओं और रचनात्मक आवाज़ों पर प्रकाश डालता है। इस बीच, फ्रेम्स एंड टेल्स क्वेस्ट ने मीडिया-केंद्रित प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला के माध्यम से छात्रों को व्यस्त रखा। पीजीपी1 को उनकी एसआईपी यात्रा में सहायता करने के लिए, क्लब ने प्लेसमेंट गाइडेंस पत्रिका शुरू की है, जिसमें वरिष्ठों की अंतर्दृष्टि, सुझाव और मजेदार किस्से शामिल हैं। और, बहुप्रतीक्षित वार्षिक पत्रिका आईआईएमए की सर्वश्रेष्ठ कहानियों, अनुभवों और समुदाय भर से दृष्टिकोणों का प्रकाशन करता है ।

मेंटरशिप सेल

मेंटरशिप सेल ने 2024-26 बैच के लिए सुचारू ऑनबोर्डिंग की सुविधा प्रदान की। सेल ने बैच के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिससे उन्हें बातचीत करने और अपने सहकर्मियों को बेहतर तरीके से जानने का एक मंच मिला। सेल ने एमसी ओलंपिक के दूसरे संस्करण और अपने प्रमुख कैंपस ट्रेजर हंट के नवीनतम संस्करण का आयोजन किया (प्रत्येक कार्यक्रम में 400 से अधिक पंजीकरण हुए)। प्रकोष्ठ ने ऑनलाइन फच्चा-टुच्चा (नये-पुराने छात्र) बैठकें आयोजित कीं, जिनमें लगभग 400 पीजीपी1 और लगभग 150 पीजीपी2 ने भाग लिया। सेल ने आईआईएमए के उम्मीदवारों के लिए एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने के लिए एडब्ल्यूटी प्रेप डिस्कॉर्ड चैनल भी शुरू किया। सेल ने समुदाय के सदस्यों (विशेष रूप से पीजीपी1) को उनकी चिंताओं/चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एक सुरक्षित मंच प्रदान करने के लिए पूरे वर्ष में चार ओपन हाउस आयोजित किए।

मोज़ेक

मोज़ेक, एलक्यूबीटीक्यू रिसोर्स ग्रुप के रूप में, न्यायसंगत नीतियों की वकालत करता है और परिसर में समुदाय और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने में मदद करता है। यह क्लब के लिए बदलाव का साल था, जिसमें इसके नाम और लोगो में बदलाव करके इसके उन्मुखीकरण में बदलाव को दर्शाया गया। प्रशासनिक परिवर्तन, बुनियादी ढांचे में सुधार और बेहतर संवेदीकरण प्रयासों के लिए शासक मंडल के समक्ष एक याचिका प्रस्तुत की गई। समलैंगिक समुदाय, उनके जीवन और उनके मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती पुस्तकों का एक संग्रह वीएसएल में प्रदर्शित किया गया। आने वाले समलैंगिक छात्रों का समर्थन करने के लिए, एक मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया गया और समलैंगिक-सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सकों की एक सत्यापित सूची आईआईएमए समुदाय के साथ साझा की गई। जागरूकता बढ़ाने के लिए आईआईएम ए-बी-सी वाइड केस प्रतियोगिता, जीडी, क्वीर क्विज़, ओपन हाउस जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए, और ज़ीन मेकिंग सत्र और सेल्फ-प्रदर्शनी ने समुदाय के सदस्यों को अपनी रचनात्मकता दिखाने का मौका दिया। अंत में, क्लब ने वैलेंटाइन डे पर एक फ़्ली मार्केट का भी आयोजन किया, जिसमें क्वीर-स्वामित्व वाले व्यवसाय शामिल थे, जिसे आईआईएमए समुदाय से बहुत सराहना मिली। यह वर्ष क्लब के लिए शानदार रहा, जिसमें आयोजनों की संख्या और सहभागिता के स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

मेस (भोजनालय) एवं विक्रेता संबंध समिति

इस वर्ष, मेस एवं विक्रेता संबंध समिति ने एक यादगार विदाई रात्रिभोज, नव वर्ष रात्रिभोज और हार्वर्ड रात्रिभोज का आयोजन किया। समिति ने उन लोगों के सम्मान में 'जॉय ऑफ गिविंग' लंच का भी आयोजन किया जिन्होंने हमारे जीवन को आसान बनाया है। वर्ष के दौरान, समिति ने 'जेबीएन यम्मी' के साथ-साथ पश्चिम भारत के पहले रिटेल आउटलेट 'नेस्ले किटकैट ब्रेकज़ोन' को भी शामिल किया। इस वर्ष समिति ने मेस विक्रेता को भी बदल दिया और परिसर में वेंडिंग मशीनें लगवाने में भी मदद की।

नीश (विपणन क्लब)

इस वर्ष, स्पीकर सत्रों में उपस्थिति में 30% की वृद्धि देखी गई, जिसमें पीएंडजी, आईटीसी और एचयूएल के अग्रणी शामिल थे। पहली बार, नीश ने विपणन में एआई कार्यशाला और यूनिक सेलिंग प्रोवेस पॉडकास्ट की शुरुआत की, जिससे सीखने के अवसर बढ़े। कोटलर के कोनंड्रम, एडवर्डिक्ट और मार्कविज़ जैसी प्रतियोगिताओं ने प्रतिभागियों को स्पष्ट से परे सोचने और गतिशील तरीकों से विपणन लागू करने की चुनौती दी। क्लब ने बाहरी संस्थाओं के साथ भी सहयोग किया, जिसमें अपना पहला लाइव प्रोजेक्ट शुरू करना भी शामिल है, जिससे छात्रों को वास्तविक दुनिया में समस्या समाधान का अनुभव प्राप्त हुआ। प्लेसमेंट को समर्थन देने के लिए, नीश ने 200 से अधिक मॉक जी.डी., 110 से अधिक मॉक साक्षात्कार और व्यापक सी.वी. समीक्षा आयोजित की, साथ ही मार्केटिंग प्रेपबुक का संशोधित संस्करण और एक नया इंटरव्यू रिपॉजिटरी भी लॉन्च किया। लेकिन गुणवत्तापूर्ण अनुभव संयोग से नहीं मिलते; इसके लिए एक समर्पित टीम की आवश्यकता होती है। 38 सदस्यों के प्रयास ने इन अवसरों को संभव बनाया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि नीश सीखने और विकास के लिए एक स्थान बना रहे।

ऑप्टिमा- आईआईएमए का संचालन क्लब

आईआईएमए में यह संचालन क्लब होने के कारण, विविध पहलों के माध्यम से संचालन-केंद्रित मानसिकता और कैरियर के अवसरों को बढ़ावा मिलता है। इसमें एक महत्वपूर्ण योगदान ऑप्टिमा प्रेप बुक का था, जिसे 18 सितंबर, 2024 को लॉन्च किया गया, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, इन्वेंट्री नियंत्रण, उत्पादन पद्धतियां, गुणवत्ता प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स और जस्ट-इन-टाइम रणनीतियों जैसी परिचालन अवधारणाओं को शामिल किया गया। इसमें अमेज़ॅन, फ्लिपकार्ट, एचयूएल और रिलायंस की कंपनी प्रोफाइल, प्रमुख उद्योगों के मूल्य श्रृंखला विश्लेषण और एआई, आईओटी, ब्लॉकचेन और उद्योग 4.0 पर अंतर्दृष्टि शामिल थी। प्लेसमेंट के लिए, ऑप्टिमा ने सीवी समीक्षा (सीवी दिवस पर 50 से अधिक सीवी की समीक्षा), 40 से अधिक मॉक इंटरव्यू और 30 समूह चर्चाएँ आयोजित कीं, जिसमें 100 से अधिक छात्रों को सलाह दी गई।

ऑप्टिमा ने वर्ष के दौरान कई प्रमुख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इनमें शामिल हैं - सिमुलऑप्स 2024, एक व्यावसायिक सिमुलेशन कार्यक्रम, जिसे 9,400 से ज़्यादा इंप्रेशन मिले, ऑपस्ट्रैट 2024, एक तीन-चरणीय केस प्रतियोगिता, जिसे 8,400 से ज़्यादा

इंप्रेशन मिले, ओप्लिवियन, जो संचालन के रुझानों पर एक लेख प्रतियोगिता थी, जिसे 33,000 से ज़्यादा इंप्रेशन मिले, और ऑप्सविज़न, एक प्रथम वर्ष के एमबीए केस प्रतियोगिता, जिसमें 761 टीमों ने भाग लिया और 35,000 से ज़्यादा इंप्रेशन प्राप्त हुए।

क्लब ने लीन सिक्स सिग्मा प्रमाणन की सुविधा प्रदान की और केओईडी लर्निंग के साथ 10% राजस्व-साझाकरण सौदा हासिल किया। लाइव प्रोजेक्ट्स सेल ने वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं के लिए सीमेंस, रत्नदीप, अदानी सोलर और अन्य को शामिल किया। ऑप्टिमा ने प्रकाशनों (ऑप्सइनसाइट्स, ऑप्सबुलेटिन) और ब्रांडिंग प्रयासों के माध्यम से योगदान दिया। सीखने, उद्योग के अनुभव और नेतृत्व को आगे बढ़ाकर, ऑप्टिमा आईआईएमए में संचालन उत्कृष्टता का एक स्तंभ बना हुआ है।

पैनेसिया

पैनेसिया ने स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने वाली प्रभावशाली पहल की। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, ईशा फाउंडेशन के साथ उप-योग सत्र में प्रतिभागियों को तनाव से मुक्ति के लिए बुनियादी योग तकनीकों से परिचित कराया गया। प्रथिमा ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित दो रक्तदान शिविरों में रिकॉर्ड 200 से अधिक रक्तदाता शामिल हुए। आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ ने कुशल प्रसंस्करण के लिए स्पष्ट चिकित्सा प्रतिपूर्ति दिशा-निर्देश और एक स्वतःभरण एसओपी मैनुअल विकसित किया। मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ ने परामर्श विवरण के साथ परिसर-व्यापी पोस्टर लॉन्च किए और भावनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए 'भावनात्मक सेंटी-मीटर' पेश किया। रद्द किए गए केस प्रतियोगिता के बावजूद, 1टू1 हेल्प के साथ सहयोग ने टीआरबीएस संकट के बाद थेरेपी सत्र प्रदान किए। एसएओ और चेयर-शॉ के साथ 24/7 नर्सिंग और फिजियोथेरेपी सेवाओं जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार हासिल किया गया। मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह नामक एक अग्रणी पहल, जिसमें मिट्टी के बर्तन, कला चिकित्सा और एक फिल्म स्क्रीनिंग शामिल थी, ने उपचार को बढ़ावा दिया और लांछन को कम किया। अंत में, प्रयास किड्स के साथ एक स्वास्थ्य संवेदीकरण सत्र में 25 से अधिक बच्चों को स्वस्थ आदतों और मादक द्रव्यों के सेवन के बारे में शिक्षित किया गया।

पर्सपेक्टिव

आईआईएमए में टीम पर्सपेक्टिव्स कैंपस जीवन के सार को पकड़ने और वर्षों तक समर्पण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फचास इंडक्शन वीक (नवांगतुक छात्र परिचय सप्ताह) से लेकर, टीम क्लब गतिविधियों और प्रोम नाइट और टी-नाइट जैसे पर्वों सहित घटनाओं को सावधानीपूर्वक कवर करती है, जिससे व्यापक दस्तावेज़ीकरण सुनिश्चित होता है। इस वर्ष, हमारा ध्यान सिर्फ़ कैंपस में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को कवर करने पर ही नहीं था, बल्कि कहानी कहने की कला को नया रूप देने पर भी था। इस विचार को जीवन में लाने के लिए, क्लब ने फ़्लैटले और लाइट पेंटिंग जैसी फ़ोटोग्राफ़ी कार्यशालाएँ आयोजित कीं और विरासत के लिए फ़ोटो वॉक का आयोजन किया। पूरे साल में 70 से ज़्यादा कार्यक्रमों को कवर किया गया, जिससे आईआईएमए समुदाय के भीतर विविध अनुभवों को कैप्चर करने में पर्सपेक्टिव्स की मौजूदगी मज़बूत हुई। क्लब और छात्रावास फोटोशूट, मेस फोटो गैलरी को अपडेट करने के साथ-साथ, हमारी प्रिय परंपराओं का हिस्सा बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त, पर्सपेक्टिव्स ने अपनी द्विमासिक फोटोग्राफी पत्रिका प्रकाशित करना जारी रखा, जो फोटोग्राफी के सैद्धांतिक पहलुओं पर प्रकाश डालती है। क्लब ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से आईआईएमए समुदाय और अन्य बी-स्कूलों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया, रचनात्मकता और फोटोग्राफी के प्रति जुनून को बढ़ावा दिया।

प्रयास

प्रयास आईआईएमए की एक सामाजिक पहल है जो 80 से ज़्यादा वंचित बच्चों को समग्र शिक्षा प्रदान करती है। हम कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों के लिए शाम की पूरक कक्षाएँ संचालित करते हैं और उन्हें शिक्षा और करियर विकल्पों में मार्गदर्शन देने के लिए एक मेंटरशिप कार्यक्रम चलाते हैं। यह क्लब पूरे साल धन उगाहने के माध्यम से काम करता है। धन का उपयोग छात्रों की स्कूल फीस और शाम की कक्षाओं को पढ़ाने वाले शिक्षकों के वेतन का भुगतान करने के लिए किया जाता है। क्लब अन्य आईआईएमए क्लबों और समुदाय के सहयोग से त्यौहार, जन्मदिन समारोह, कला प्रतियोगिताएँ, कंप्यूटर कार्यशालाएं, गुड-टच/बैड-टच सत्र और वित्त की मूल बातें कार्यशालाओं जैसे कार्यक्रम आयोजित करता है। इस वर्ष, हमने सामुदायिक यात्राओं और गणेश चतुर्थी और नवरात्रि के उत्सवों के माध्यम से जुड़ाव बढ़ाया, जिससे छात्रों के साथ हमारा रिश्ता मजबूत हुआ। क्लब के प्रमुख कार्यक्रम, "आईआईएमए में एक दिन" में 90 पंजीकरण हुए, जहाँ प्रतिभागियों ने आईआईएमए में जीवन का अनुभव किया, जिसमें आईआईएमए कक्षा के अनुभव को प्रतिबिंबित करने वाली आश्चर्यजनक प्रश्नोत्तरी शामिल थी। विश-ट्री कार्यक्रम, जहाँ आईआईएमए समुदाय छात्रों को क्रिसमस उपहार देने के लिए एक साथ आता है, में 60 से अधिक दानदाताओं ने भाग लिया।

प्रकृति

प्रकृति ने प्रभावशाली आयोजनों और सहयोगों के माध्यम से स्थिरता पहलों को आगे बढ़ाने की अपनी विरासत को जारी रखा। वर्ष की शुरुआत पुस्तक संग्रह अभियान से हुई, जहाँ पुस्तकों, पाठ्यक्रम सामग्री और नोटबुक को पुनर्चक्रण के लिए एकत्र किया गया, जिससे संसाधनों को दूसरा जीवन मिला। गर्मियों में, कपड़ा संग्रह अभियान ने आईआईएमए समुदाय को पहनने योग्य कपड़े दान करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिन्हें बाद में वंचितों का समर्थन करने वाले गैर सरकारी संगठनों को वितरित किया गया। प्रकृति ने सस्टेनविज़ क्विज़ का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभागियों ने स्थिरता पर अपने ज्ञान का परीक्षण किया। इम्पैक्ट इंक - लेख लेखन प्रतियोगिता ने छात्रों को स्थिरता और सामाजिक प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया। जागरूकता फैलाना मुख्य फोकस रहा, उसके साथ ग्रीन गजट (ग्रीष्मकालीन संस्करण) में कॉर्पोरेट ग्रीन पहल, स्थिरता प्रवृत्तियों और सर्कुलर अर्थव्यवस्था अंतर्दृष्टि को शामिल किया गया। दान उत्सव के दौरान, प्रकृति ने कपड़े, जूते और स्टेशनरी इकट्ठा करने के लिए गूंज के साथ सहयोग किया, जिससे देने की भावना को बल मिला। इसके बाद उपहार वितरण अभियान चलाया गया, जिसमें प्रयास के बच्चों को उपहार और स्टेशनरी दान की गई। रचनात्मकता के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देते हुए, पॉट योर पैशन ने छात्रों को टेराकोटा के बर्तनों को रंगने और पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे कलात्मक अभिव्यक्ति को पर्यावरण चेतना के साथ जोड़ा जा सके। क्लब ने प्रशासन को परिसर में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार के प्रस्तावों की एक विस्तृत सूची प्रस्तुत की। प्रकृति ने इन पहलों के माध्यम से स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया तथा आईआईएमए समुदाय में सहभागिता को बढ़ावा दिया।

प्रॉडमैन क्लब

प्रोडमैन क्लब का मिशन सरल है: सबसे प्रतिभाशाली दिमागों को उत्पाद प्रबंधन के भविष्य के नेताओं में आकार देना। क्लब छात्रों को करियर सहायता (मॉक इंटरव्यू, सीवी समीक्षा, पूर्व छात्र कनेक्शन और प्लेसमेंट संसाधन), सीखने के अवसर (स्पीकर सत्र, केस प्रतियोगिताएं और मेंटरशिप) और कनेक्शन (पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग) के माध्यम से सफल होने के लिए उपकरण प्रदान करता है। इस वर्ष, हमने गूगल, एडोब, ब्राउज़रस्टैक आदि के नेताओं के साथ उद्योग वक्ता सत्र आयोजित किए, हमारे

प्रमुख कार्यक्रम प्रोडक्ट विज़ाईस की मेजबानी की: जेन एआई रिवोल्यूशन (3 हजार से अधिक पंजीकरण के साथ), पीएम विजन का पहला संस्करण - डब्ल्यूआईएमडब्लयूआई प्रोडक्ट वीकेंड के एक भाग के रूप में प्रोडक्ट पिचिंग प्रतियोगिता, और महत्वाकांक्षी उत्पाद प्रबंधकों का मार्गदर्शन करने के लिए फ्यूचरिस्टिक आउटलुक पीएम प्रेपबुक और इंटरव्यू एक्सपीरियंस हैंडबुक जैसे संसाधनों का शुभारंभ किया। क्लब के व्यापक मेंटरशिप कार्यक्रम के साथ, हमने 100 से अधिक छात्रों को उनके सपनों के पीएम पदों के लिए तैयार होने में मदद की है। क्लब के प्रकाशन, जिनमें प्रोडमैग और इन्फोडाइजेस्ट शामिल हैं, आईआईएमए समुदाय को उत्पाद जगत में क्या हो रहा है, इसके बारे में सूचित और प्रेरित करते रहते हैं।

आरटीईआरसी

शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र (आरटीईआरसी) आरटीई अधिनियम, 2010 की धारा 12(1)(सी) में अंतराल और कार्यान्वयन चुनौतियों को दूर करने के लिए काम करता है।। 150 से अधिक आवेदनों और 70 छात्रों के चयन के साथ, कार्यक्रम ने तीन प्रमुख दृष्टिकोणों पर केंद्रित एक गहन, बहु-दिवसीय सीखने का अनुभव प्रदान किया: जमीनी स्तर पर वकालत, तकनीक-संचालित नवाचार, और नीति विश्लेषण और प्रणालीगत सुधार। प्रतिभागियों ने अग्रणी शिक्षकों, नीति विशेषज्ञों और गैर-लाभकारी नेताओं के साथ विचारोत्तेजक सत्रों में भाग लिया, साथ ही गहन क्षेत्र भ्रमण और विशेषाधिकार वॉक जैसी गतिविधियों में भी भाग लिया। इन विविध प्रारूपों ने कक्षा की अवधारणाओं को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से जोड़ने में मदद की - छात्रों को प्रणालीगत असमानताओं की आलोचनात्मक जांच करने, स्केलेबल तकनीकी समाधानों की खोज करने और शिक्षा सुधार को आगे बढ़ाने में शासन और सामुदायिक सशक्तिकरण की भूमिका को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। विंटर स्कूल के अलावा, आरटीईआरसी ने वंचित बच्चों के लिए दिवाली समारोह आयोजित करने के लिए प्रयास के साथ मिलकर काम किया, जिससे जमीनी स्तर पर इसकी भागीदारी मजबूत हुई। टीम ने अक्षरा और आसमान फाउंडेशन के साथ साझेदारी में टीआरबीएस के दौरान लंबे समय से चल रही केस प्रतियोगिता परिवर्तन का भी आयोजन किया, जिससे छात्रों को शिक्षा में अभिनव, प्रभाव-संचालित समाधानों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इन पहलों के माध्यम से, आरटीईआरसी शिक्षा को अधिक समावेशी, न्यायसंगत और प्रभावी बनाने के लिए छात्र-नेतृत्व वाले, कार्रवाई-उन्मुख प्रयासों को आगे बढ़ाता है।

शेयर आईआईएमए - सामाजिक प्रभाव परामर्श क्लब

शेयर आईआईएमए एक सामाजिक प्रभाव परामर्श क्लब है जो व्यवसाय रणनीति और स्थिरता के बीच की खाई को पाटता है। यह शिक्षा और परामर्श के चौराहे पर काम करता है, अपने "अच्छा करके अच्छा करना" (डीडब्ल्यूडीजी) दर्शन के माध्यम से नेतृत्व की मानसिकता को बढ़ावा देता है। यह क्लब छात्रों को स्टार्टअप के साथ लाइव प्रोजेक्ट में शामिल करके, केस प्रतियोगिताओं का आयोजन करके और प्रभाव-संचालित व्यवसाय मॉडल पर स्पीकर सत्रों की मेजबानी करके वास्तविक दुनिया के परामर्श अनुभव से लैस करता है। इस वर्ष, शारे आईआईएमए ने माइंड स्पार्क सोशल इम्पैक्ट कंसल्टिंग क्विज़, इम्पैक्ट इंक आर्टिकल राइटिंग कॉम्पिटिशन और ग्राउंड ज़ीरो केस कॉम्पिटिशन सहित कई प्रभावशाली पहलों को अंजाम दिया, जिसमें 2,500 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्लब ने स्टार्टअप सहयोग की सुविधा भी दी, जिसमें विकेड ब्रोज़ और वेस्टलिंकडॉटको जैसी स्थिरता लक्ष्यों से जुड़ी लाइव कंसल्टिंग परियोजनाएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इसने सदस्यों के लिए एक संरचित शिक्षण मॉड्यूल लॉन्च किया, मासिक समाचार पत्र जारी किए, और सोशल मीडिया आउटरीच का विस्तार किया, जिससे जुड़ाव में काफी वृद्धि हुई। गूंज फाउंडेशन जैसे संगठनों के साथ साझेदारी के माध्यम से, क्लब ने दान अभियान का नेतृत्व किया, जिससे सामाजिक भलाई के प्रति इसकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई। गतिशील टीम संरचना और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ, शेयर आईआईएमए भविष्य के नेताओं को रणनीतिक समस्या-समाधान और टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं के माध्यम से सार्थक प्रभाव पैदा करने के लिए सशक्त बनाना जारी रखता है।

स्पॉर्ट्सकॉम

अंतर-अनुभागीय आक्रोश (प्रतिस्पर्धा) लड़ाई से लेकर अंतर-परिसर मनोरंजक लीग के माध्यम से फ्रिसबी संस्कृति को पुनर्जीवित करने तक - आईआईएमए की खेल समिति वर्ष भर काफी सक्रिय रही। इस समिति के सदस्यों को खेलों की एक विस्तृत श्रृंखला का ज्ञान और जुनून था - यह एकमात्र टीम थी जो मैदान के अंदर की अपेक्षा मैदान के बाहर अधिक दौड़ती थी - रेफरी, उपकरणों का पीछा करती थी और कलेश से बचती थी। आक्रोश में सेक्शन डी विजेता बनकर उभरा और बैचों की लड़ाई - यलगार में पीजीपी2 कोहोर्ट ने आने वाले छात्रों को पछाड़ दिया। महीनों के दौरान, आईआईएमए समुदाय को हमारे द्वारा आयोजित स्टैंडअलोन खेल आयोजनों में भाग लेने का मौका मिला, जिसमें स्क्वैश, टीटी महिला और बैडमिंटन पुरुष जैसे खेल शामिल थे। आईआईएमए का प्रमुख कार्यक्रम शौर्य सफल रहा जिसमें 14 कॉलेजों ने 16 खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। अंत में, स्पोर्ट्सकॉम ने संघर्ष के लिए आईआईएमएल में अच्छी तरह से तैयार और ऊर्जावान दल भेजने के लिए कड़ी मेहनत की, कुछ वर्षों में पहली बार कोचों के साथ।

यौन उत्पीड़न विरोधी छात्र क्लब (सैश)

सैश, या यौन उत्पीड़न विरोधी छात्र क्लब, बहरी चुप्पी और दबी हुई चिंताओं के बीच समर्थन और जागरूकता की एक किरण के रूप में खड़ा है। क्लब का मिशन एक ऐसी संस्कृति विकसित करना है जहाँ हर कोई सुरक्षित, सम्मानित और सुना हुआ महसूस करे। सुलभता और सहकर्मी-संचालित दृष्टिकोण प्रदान करके, क्लब संवेदनशील स्थितियों को नेविगेट करने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी अपने संघर्ष में अकेला महसूस न करे। एक जागरूकता निकाय के रूप में, सैश छात्रों को उनके लिए उपलब्ध सहायता प्रणालियों के बारे में शिक्षित करने में सक्रिय भूमिका निभाता है, साथ ही सीएमजीआई के कामकाज को भी उजागर करता है। अपने प्रयासों के माध्यम से, क्लब ऐसा माहौल बनाने का प्रयास करता है जहाँ व्यक्ति बिना किसी हिचकिचाहट के मदद माँगने में सक्षम महसूस करें।
क्लब की पहलों में जागरूकता और सशक्तिकरण गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें बॉम्बशेल की स्क्रीनिंग, एक निबंध लेखन प्रतियोगिता, आकर्षक सोशल मीडिया अभियान और प्रयास बच्चों के लिए एक इंटरैक्टिव गुड टच - बैड टच (अच्छा-बुरा स्पर्श) कार्यशाला शामिल है। इसके अतिरिक्त, हमने एक ताइक्वांडो आत्मरक्षा कार्यशाला आयोजित की है, जिसमें प्रतिभागियों को खुद की रक्षा करने के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस किया गया है।

छात्रों की पूर्व छात्र एवं बाहरी संबंध समिति (एसएईआरसी)

छात्रों की पूर्व छात्र और बाहरी संबंध समिति हर साल कई तरह के कार्यक्रमों और पहलों के ज़रिए छात्र-पूर्व छात्र संबंधों को बढ़ावा देती है। इस साल, इसकी शुरुआत कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अध्यायों 10 शहरों में आयोजित सिंक्रोनी कार्यक्रमों की सफलता से हुई, जिसमें हेनेकेन, पेपे जीन्स और अन्य लोगों ने प्रायोजन किया। समिति ने श्री हर्षा भोगले, डॉ. अनीश शाह और श्री पार्थ सिन्हा जैसे प्रतिभाशाली पूर्व छात्रों के साथ बातचीत के लिए 10 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा, पीजीपी 1974, 1999, 2019 के साथ-साथ पीजीपीएक्स 2009 और 2014 की कक्षाओं के लिए संवादात्मक और पुरानी यादों को ताजा करने वाले पुनर्मिलन आयोजित किए गए। इस वर्ष प्रोडमैन, जीएमएलसी, निचे, कंसल्ट क्लब, टेडएक्स, टीआरबीएस क्लबों के साथ मजबूत सहयोग भी किया गया, जिससे पूरे आईआईएमए समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले सत्र आयोजित किए गए। समिति ने अपनी पॉडकास्ट श्रृंखला 'रीडिफाइनिंग द बॉक्स' पर काम किया, जिसमें प्रमुख पूर्व छात्रों

(संजीव बिखचंदानी, हर्षा भोगले, अल्पेश शाह, आदि) के साथ 5 व्यावहारिक साक्षात्कार लिए गए और सभी के लिए प्रकाशित किए गए। आईएसबी, एनआईडी, डब्ल्यूईएफ के साथ कार्यक्रम सहयोग के माध्यम से बाहरी संपर्कों को बढ़ाया गया, साथ ही ज़ोमैटो और स्विगी के साथ छात्र लाभ के लिए ब्रांड सहयोग भी किया गया। एसएईआरसी ने एक ज्ञानवर्धक सत्र के लिए माननीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा की मेजबानी की। हमने पीजीपी1 और पीजीपी2 के लिए मेंटरशिप प्रोग्राम की भी सुविधा प्रदान की। एसएईआरसी ने यंग एलुमनी अचीवर्स अवार्ड, डिस्टिंग्विश्ड एलुमनी लेक्चर सीरीज़, रिडिफाइन द बॉक्स पॉडकास्ट सीरीज़ और कई अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से पूर्व छात्रों के बीच संबंध बनाने में मदद की!

स्माइल (उत्कृष्ट शिक्षण के लिए छात्र मध्यस्थता पहल)

खुशी और आशा की किरण, ऐसे स्माइल क्लब का लक्ष्य कक्षा 6 से 12 तक के 120 से अधिक वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मार्गदर्शन और जीवन के पाठों के माध्यम से सशक्त बनाना है। हमारे शिक्षकों और छात्र स्वयंसेवकों की अटूट प्रतिबद्धता के साथ, हमने ग्रेड-स्तर के अंतर को पाटने और सीखने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने का काम किया। शिक्षाविदों के साथ-साथ, बच्चों को समर एक्टिविटी कैंप, स्पोर्ट्स डे और क्रिसमस प्रदर्शनी जैसे आकर्षक कार्यक्रमों के माध्यम से कला, शिल्प, संगीत, नृत्य, नाटक और खेल में अपने जुनून का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त, स्माइल का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस, नवरात्रि और बाल दिवस जैसे त्यौहारों को मनाकर समावेशिता, करुणा और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। ये कार्यक्रम न केवल बच्चों के लिए सुखद यादें बनाते हैं बल्कि आईआईएमए समुदाय को स्वयंसेवक बनने और इस पहल का अभिन्न अंग बनने का अवसर भी प्रदान करते हैं। उनके विकास को और अधिक समर्थन देने के लिए, क्लब ने कैरियर जागरूकता सत्र आयोजित किए और सामुदायिक दौरे आयोजित किए, जिससे क्लब बच्चों की आवश्यकताओं को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम हुआ। प्रन्यास फाउंडेशन के सहयोग से, क्लब ने बच्चों की शैक्षिक यात्रा में सहायता के लिए वित्तीय सहायता, स्टेशनरी किट और चिकित्सा आपूर्ति प्रदान की।

टेडएक्सआईआईएमअहमदाबाद

टेडएक्सआईआईएमअहमदाबाद एक ऐसा मंच है जो विचारकों, नवोन्मेषकों और परिवर्तनकर्ताओं को एक साथ लाता है ताकि ऐसे विचार साझा किए जा सकें जो प्रेरित करते हैं और सार्थक बातचीत को बढ़ावा देते हैं। छात्रों की एक उत्साही टीम द्वारा आयोजित, यह कार्यक्रम विविध दृष्टिकोणों का जश्न मनाता है, जिसमें प्रौद्योगिकी, परामर्श, राजनीति, खेल और कला जैसे क्षेत्रों के वक्ता शामिल होते हैं। क्लब का नवीनतम संस्करण, जो 29 दिसंबर, 2024 को हुआ, रचनात्मकता, दृढ़ता और टीमवर्क का प्रमाण था। हमने खेल, राजनीति और प्रौद्योगिकी से लेकर सामाजिक कार्य और रक्षा तक विभिन्न क्षेत्रों से 8 वक्ताओं की एक प्रभावशाली सूची तैयार की; हर पहलू समर्पण और उत्साह से प्रेरित था। इस कार्यक्रम में श्रोताओं की रिकॉर्ड भागीदारी रही, पारंपरिक सोच को चुनौती देने वाली दिलचस्प बातचीत हुई, लचीलेपन की व्यक्तिगत यात्राएं साझा की गईं और भविष्य को आकार देने में विचारों की शक्ति पर प्रकाश डाला गया। मुख्य कार्यक्रम से परे, टेडएक्सआईआईएमअहमदाबाद एक अनुभव है - जिसमें महीनों की योजना, सहयोग और सबसे महत्वपूर्ण, मनोरंजन शामिल है। टेडएक्सआईआईएमअहमदाबाद एक ऐसा मंच बना हुआ है जहाँ कहानियाँ जीवंत हो उठती हैं और विचारों को आवाज मिलती है, जिससे इसमें शामिल सभी लोगों पर अमिट छाप पड़ती है।

विरासत (हेरिटेज क्लब): विरासत को जीवंत रखना

आईआईएमए का हेरिटेज क्लब विरासत इतिहास को जीवंत करने के अपने मिशन को जारी रखे हुए है। इस साल इसने आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विरासत कैंपस जीवन का अभिन्न अंग बना रहे। मंज़र: फोटो निबंध प्रतियोगिता से शुरुआत करते हुए, प्रतिभागियों ने अपने लेंस के माध्यम से इतिहास के सार को कैद किया, तथा शानदार तस्वीरें और निबंध प्रस्तुत किए। हेरिटेज कैंपस टूर्स ने 2026 बैच के आने वाले और एक्सचेंज छात्रों को आईआईएमए की वास्तुशिल्प भव्यता से परिचित कराया, जबकि विशेष वॉक ने एलकेपी से केएलएमडीसी अभिलेखागार तक प्रतिष्ठित स्थलों की खोज और यादों को ताजा करने के लिए पूर्व छात्रों, गणमान्य व्यक्तियों और कॉर्पोरेट अग्रणियों का स्वागत किया। आईआईएमए से परे, ओल्ड सिटी हेरिटेज वॉक ने प्रतिभागियों को सिद्दी सैय्यद मस्जिद से लेकर चहल-पहल वाले मानेक चौक तक अहमदाबाद के समृद्ध अतीत की खोज कराई। अहमदाबाद सिटी टूर ने साबरमती आश्रम से लेकर दादा हरी नी वाव तक शहर का दर्शन किया। रानी की वाव और मोढेरा के सूर्य मंदिर की विरासत की एक दिवसीय यात्रा ने भारत की विरासत के साथ संबंध को गहरा करने की विरासत की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। परिसर में, दिवाली के "सबसे ज़्यादा रोशनी वाले कमरे" प्रतियोगिता से लेकर उत्तरायण और लोहड़ी तक के त्यौहारों को बड़े उत्साह से मनाया गया, जिससे हमारे आस-पास की विरासत को खूबसूरती से सामने लाया गया। विक्रम साराभाई लाइब्रेरी में विश्व पर्यटन दिवस पर एक विषयगत पुस्तक प्रदर्शनी में पुरस्कार विजेता पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया, जो मानव संघर्ष, प्रवास और सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की कहानी को बुनती हुई विरासत में गहराई से उतरती हैं। विरासत के न्यूज़लैटर और संपादकीय ने एक आकर्षक क्रॉसवर्ड पहेली के साथ जानकारीपूर्ण माध्यम के रूप में काम किया।

महिला नेतृत्व सोसायटी (डब्ल्यूएलएस)

महिला नेतृत्व सोसायटी (डब्ल्यूएलएस) का उद्देश्य महिलाओं की चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, उन्हें सशक्त बनाने के लिए शिक्षा प्रदान करके और एक सहायक नेटवर्क का निर्माण करके लैंगिक समानता वाला समाज बनाना है। डब्ल्यूएलएस एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना चाहता है जो महिला नेताओं का पोषण करता है, उन्हें बाधाओं को दूर करने और अपनी क्षमता हासिल करने में मदद करता है। संलग्नता, संसाधन साझा करने और सलाह के लिए एक मंच प्रदान करके, डब्ल्यूएलएस महिलाओं को नेतृत्व करने और आगे बढ़ने में सक्षम बनाता है, जिससे एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण समाज में योगदान मिलता है। अपने प्रयासों के माध्यम से, डब्ल्यूएलएस एक ऐसी दुनिया बनाने का प्रयास करता है जहाँ लिंग अब कोई सीमा नहीं है, और सभी को सफल होने के समान अवसर मिलते हैं।

कैओस

आईआईएम अहमदाबाद के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक उत्सव और भारत के सबसे बड़े उत्सव, कैओस का 30वाँ संस्करण 9-12 जनवरी, 2025 को शुरू हुआ, जिसमें रचनात्मकता, ऊर्जा और प्रतिभा के तीन दशकों का जश्न मनाया गया। 'देजा व्यू' की पुरानी थीम के साथ, इस उत्सव ने जीवंत सजावट और कार्यक्रमों की एक गतिशील लाइनअप के माध्यम से 90 के दशक की संस्कृति को खूबसूरती से दर्शाया। कैओस टीम के साथ प्रोफेसर भरत भास्कर और प्रोफेसर बालगोपाल गोपालकृष्णन द्वारा उद्घाटन किए गए इस कार्यक्रम की शुरुआत सामुदायिक वृक्षारोपण अभियान और ग्रैमी विजेता पंडित विश्व मोहन भट्ट द्वारा मोहन वीणा के एक मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन से हुई। कैओस 2025 में सितारों से सजी प्रो-नाइट्स का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रैमी विजेता रिकी केज, बॉलीवुड संगीत का बेताज सितारा अमित त्रिवेदी और शानदार पाइनएप्पल एक्सप्रेस और डीजे ट्रेमेंट शामिल थे। हाई-प्रोफाइल स्पीकर सेशन में पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा, पूर्व सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़

और सांसद डॉ. सुधांशु तिवारी जैसे दिग्गजों ने नेतृत्व, स्थिरता और नवाचार के विषयों पर बात की। क्रेसेंडो, राज्जमाताज़, स्टेज प्ले और एडमैड जैसी प्रतियोगिताओं ने प्रतिभागियों की असीम रचनात्मकता को उजागर किया, जबकि कार्यशालाओं ने डिजाइन थिंकिंग, कला मूल्यांकन और फिल्म निर्माण में व्यावहारिक शिक्षा प्रदान की। मुख्य आकर्षणों में प्रो. अमित कर्ण की अभिनव डिजाइन कार्यशाला, प्रो. सतीश देवधर की भारतीय आर्थिक ज्ञान पर अंतर्दृष्टि, प्रो. प्रशांत दास के कला मूल्यांकन सी निवेश और प्रभावशाली मार्केटिंग और साल्सा पर आकर्षक सत्र शामिल थे। अनौपचारिक आकर्षणों ने सवारी, खेल और वीआर अनुभवों के साथ उत्साह को बढ़ाया। भारतीय सेना के हथियार प्रदर्शन और केनरा बैंक, टीवीएस मोटर्स, शेमारूमी और ज़ाइडस वेलनेस के ब्रांड जुड़ाव ने उत्सव के आकर्षण को बढ़ाया। कैम्पा, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और क्रेडाई अहमदाबाद जैसे भागीदारों ने उत्सव की पहुंच को बढ़ाया, इसकी प्रमुखता पर जोर दिया। कैओस 2025 संस्कृति, रचनात्मकता और समुदाय के एक भव्य उत्सव के रूप में संपन्न हुआ, जिसमें कला, शिक्षा और मनोरंजन का एक अविस्मरणीय मिश्रण प्रस्तुत किया गया, जिसने एक प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव के रूप में इसकी विरासत को मजबूत किया।

6.4 खेलकूद और मनोरंजन गतिविधियाँ

परिसर में खेल गतिविधियों का ध्यान सारा समिति द्वारा रखा जाता है। कोई भी कर्मचारी नाममात्र का सदस्यता शुल्क देकर सारा का सदस्य बन सकता है।

परिसर में निम्नलिखित खेल सुविधाएँ हैं:

आउटडोर	दो टेनिस कोर्ट एक बास्केटबॉल कोर्ट एक वॉलीबॉल कोर्ट दो फुटबॉल मैदान एक खो-खो कोर्ट
इनडोर (खेल परिसर, मुख्य परिसर)	दो बैडमिंटन कोर्ट दो टेबल टेनिस कोर्ट एक स्क्वैश कक्ष एक स्नूकर कमरा
इनडोर (खेल परिसर, नया परिसर)	दो स्क्वैश कमरे तीन बैडमिंटन कोर्ट स्विमिंग पूल जिम रूम फॉर स्ट्रेंथ सेक्शन कार्डियो सेक्शन के लिए जिम रूम योग कक्ष

समुदाय के लिए प्रतिदिन दो बार निःशुल्क योग कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, सारा समुदाय के लिए फुटबॉल, टेनिस, स्क्वैश, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और जिम में कोचिंग की सुविधा प्रदान करता है। छात्र सारा के डिफ़ॉल्ट सदस्य हैं। परिवार के सदस्यों और कर्मचारियों और उनके परिवारों को वार्षिक शुल्क पर सदस्यता प्रदान की जाती है।

समुदाय के लिए निःशुल्क योग कक्षाएं सुबह के बैच के लिए फिटनेस सेंटर के बगल में स्थित योग कक्ष में (सुबह 7:00-8:00 बजे) तथा शाम के बैच के लिए नया खेल परिसर के योग कक्ष में (शाम 6:30-7:30 बजे) आयोजित की जाती हैं।

खेल दिवस

सारा समिति ने फिटनेस और मौज-मस्ती को बढ़ावा देने के लिए 26 जनवरी, 2025 को सामुदायिक सदस्यों के लिए खेल दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रमों में दौड़, संगीत कुर्सी, नींबू-चम्मच दौड़, तीन-पैर वाली दौड़, पिगीबैक दौड़, बोरी दौड़, धीमी गति से साइकिल चलाना, चटाई दौड़, ईंट दौड़ और व्हीलबैरो दौड़ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में सभी आयु समूहों से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और उच्च ऊर्जा और सामुदायिक भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सारा समिति ने 21 जून, 2024 को 10वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, जिसमें समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यस्थल पर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों में वाई-ब्रेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। योग प्रशिक्षक द्वारा सत्रों का नेतृत्व किया गया, जिससे यह कार्यक्रम आकर्षक और प्रभावशाली बन गया।

प्रवेग

परिसर में आयोजित पहली मैराथन प्रवेग 2024 का आयोजन "एकजुटता लाना" थीम के साथ सफलतापूर्वक किया गया। इस आयोजन में दो श्रेणियां शामिल थीं: 10 किलोमीटर की प्रतिस्पर्धी दौड़ और 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए 5 किलोमीटर की गैर-प्रतिस्पर्धी दौड़। मैराथन को निदेशक महोदय ने हरी झंडी दिखाई। निदेशक महोदय ने परिसर में फिटनेस, स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

छात्र टूर्नामेंट

छात्रों ने आक्रोश, यलगार और शौर्य जैसे आंतरिक टूर्नामेंटों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और जनवरी 2025 में आईआईएम लखनऊ द्वारा आयोजित संघर्ष 2024 में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। 220 से अधिक आईआईएमए छात्रों ने भाग लिया और टेनिस, टेबल टेनिस और स्क्वैश सहित अन्य प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते। आईआईएमए के छात्रों के बीच एक खास खेल अल्टीमेट फ्रिसबी, लुइस काहन प्लाजा लॉन में रात में सक्रिय रूप से खेला जाता है। सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए, स्पोर्ट्सकॉम ने राष्ट्रीय टीम के समर्थन में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को एक साथ लाकर दो क्रिकेट विश्व कप मैचों की स्क्रीनिंग का आयोजन किया। स्क्वैश लैडर रैंकिंग प्रणाली के तहत, वर्ष के दौरान कुल 188 मैच आयोजित किए गए। दो नए आयोजन - पहला टीटी महिला ओपन और पहला बैडमिंटन पुरुष ओपन - शुरू किए गए, जिसमें विभिन्न सामुदायिक समूहों से व्यापक भागीदारी मिली।

तैराकी प्रतियोगिता

आईआईएमए समुदाय के लिए दूसरी वार्षिक तैराकी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न आयु समूहों में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक, बटरफ्लाई, रिले और मेडले रिले सहित विभिन्न स्पर्धाएँ शामिल थीं। पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए अलग-अलग दौड़ आयोजित की गई। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए, जिससे खेल भावना और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा मिला।

क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ सत्र

खेल और प्रेरणादायक नेतृत्व को बढ़ावा देने की अपनी पहल के तहत, सारा समिति ने भारतीय राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ एक संवादात्मक सत्र की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और उनके परिवारों की उत्साही भागीदारी देखी गई। एक प्रश्नोत्तर खंड ने दर्शकों को सुश्री कौर के साथ बातचीत करने और खेलों में उनकी यात्रा और नेतृत्व के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर दिया।

मूवी प्रदर्शन

25 अक्टूबर 2024 को एक फिल्म, इनसाइड आउट 2 (2024) प्रदर्शित की गई।

7. प्रभाव और पहुँच

7.1 पूर्वछात्र गतिविधियाँ

वर्ष 2024-25 में पूर्व छात्र एवं बाहरी संबंध (एईआर) कार्यालय कई महत्वपूर्ण गतिविधियों में शामिल रहा। इनमें से कुछ प्रमुख गतिविधियाँ थीं - दीक्षांत समारोह से संबंधित गतिविधियों का सफलतापूर्वक समापन, यंग एलुमनी अचीवर्स अवार्ड 2024 का आयोजन, द्वितीय आईआईएमए हेल्थकेयर शिखर सम्मेलन, परिसर में छह पुनर्मिलन समारोहों का आयोजन और कई अन्य। एईआर कार्यालय संस्थान में कई गणमान्य व्यक्तियों के दौरे में भी शामिल रहा। यहाँ एईआर कार्यालय की कुछ उल्लेखनीय गतिविधियों पर संक्षिप्त विवरण रखे गए हैं।

युवा पूर्व छात्र उपलब्धि पुरस्कार

युवा पूर्व छात्र उपलब्धि पुरस्कार (यंग एलुमनाई अचीवर्स अवार्ड्स) उन युवा अग्रणियों की उपलब्धियों को मान्यता देते हैं और उनका जश्न मनाते हैं जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में एक प्रेरक छाप छोड़ी है। वर्ष 2024 के लिए वाईएएए प्राप्तकर्ताओं की घोषणा 23 जुलाई, 2024 को की गई थी। इसके बाद, 04 नवंबर, 2024 को निर्धारित एक उपस्थिति कार्यक्रम की तैयारी की गई। कार्यक्रम से पहले की गतिविधियों के हिस्से के रूप में, पुरस्कार विजेताओं ने सम्मानित डीन-एईआर और निदेशक के साथ मीडिया से बातचीत में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, 05 नवंबर, 2024 के लिए एक वीडियो साक्षात्कार सत्र की सावधानीपूर्वक व्यवस्था की गई थी। भव्य पुरस्कार समारोह 04 नवंबर, 2024 को हुआ, जहाँ योग्य पुरस्कार विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के सम्मान में प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

क्रमांक	नाम	बैच	श्रेणी	पदनाम	संगठन
1	श्री सिद्धार्थ सुराणा	पीजीपी-एबीएम 2005	कला और मनोरंजन, खेल	राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (तीरंदाजी के लिए) और उच्च ऊंचाई वाली ट्रैकिंग में स्वर्ण पदक विजेता	
2	सुश्री आरती निहलानी	पीजीपी 2009	कॉर्पोरेट नेतृत्व	पार्टनर एवं भारत के सह-प्रमुख	ओलिवर वायमन
3	श्री देवराजन नम्बकम	पीजीपी 2006	कॉर्पोरेट नेतृत्व	भारत निवेश बैंकिंग के प्रबंध निदेशक एवं सह-प्रमुख	गोल्डमैन सैकस
4	सुश्री गीतिका मेहता	पीजीपी 2003	कॉर्पोरेट नेतृत्व	प्रबंध निदेशक	नीविया इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
5	श्री कपिल मोदी	पीजीपी 2008	कॉर्पोरेट नेतृत्व	प्रबंध निदेशक एवं साझेदार	कार्लाइल इंडिया प्राइवेट इक्विटी
6	सुश्री मधुरिमा अग्रवाल	पीजीपी 2003	कॉर्पोरेट नेतृत्व	प्रबंध निदेशक	स्टार्टअप्स के लिए माइक्रोसॉफ्ट
7	श्री विवेक विक्रम सिंह	पीजीपी 2005	कॉर्पोरेट नेतृत्व	प्रबंध निदेशक एवं समूह सीईओ	सोना कॉमस्टार
8	श्री अभिनव जैन	पीजीपी 2011	उद्यमशीलता	संस्थापक एवं सीईओ	शॉप101
9	श्री अमित कुमार अग्रवाल	पीजीपी 2004	उद्यमशीलता	सह-संस्थापक एवं सीईओ	नोब्रोकर.कॉम
10	श्री राहुल दाश	पीजीपी 2009	उद्यमशीलता	सह-संस्थापक एवं सीओओ	परपल
11	सुश्री रश्मि डागा	पीजीपी 2003	उद्यमशीलता	संस्थापक एवं सीईओ	फ्रेश मेनू
12	श्री कामनाशीष सेन	पीजीपी 2011	सामाजिक/सार्वजनिक सेवा	पुलिस अधीक्षक, आईपीएस, पश्चिम बंगाल	भारत सरकार
13	श्री उत्सव खेरिया	पीजीपी 2011	सामाजिक/सार्वजनिक सेवा	सह संस्थापक	रॉकेट लर्निंग

शाखा गतिविधियाँ

शाखाओं ने औपचारिक कार्यक्रम, वक्ता सत्र, टॉक शो आदि आयोजित किए। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान शाखा की गतिविधियों के विवरण **परिशिष्ट एन** में दिए गए हैं।

सिंक्रोनी

सिंक्रोनी 2024 शैक्षणिक वर्ष का पहला बड़ा कार्यक्रम था, जिसका आयोजन छात्र पूर्वछात्र एवं बाहरी संबंध समिति (एसएईआरसी) द्वारा किया गया था। ये कार्यक्रम 18 मई से 02 जून 2024 तक 9 क्षेत्रीय शाखाओं के लिए दिल्ली एनसीआर, मुंबई, बैंगलोर, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, पुणे, जयपुर और अहमदाबाद सहित कई शहरों में आयोजित किए गए। इनमें इंटरेक्टिव गेम, मेंटरशिप के अवसर और पुरस्कार शामिल थे, जिन्हें यूनाइटेड ब्रुअरीज (हेनेकेन और किंगफिशर), पेपे जींस और सेंट्रल बैंक इंडिया जैसे प्रायोजकों के सहयोग से तैयार किया गया था। 2000 से अधिक उपस्थित लोगों के साथ, इन कार्यक्रमों ने मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क संबंधों को प्रदर्शित किया।।

पूर्व छात्र पुनर्मिलन

परिसर पुनर्मिलन: बैच माइलस्टोन पुनर्मिलन

पूर्व छात्र एवं बाहरी संबंध कार्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए परिसर में 6 पुनर्मिलन समारोह आयोजित किए, जिनमें 300 से अधिक पूर्व छात्र शामिल हुए।

स्वर्ण जयंती बैच के लिए एक भव्य रात्रिभोज का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व छात्र, उनके पति/पत्नी, संकाय, अहमदाबाद शाखा के पूर्व छात्र, अधिकारियों और उनके परिवारों के साथ-साथ अक्षय निधि और एसएईआरसी टीम के सदस्यों को आमंत्रित किया गया।

क्रमांक	बैच	मील का पत्थर	दिनांक		उपस्थित लोगों की संख्या
			से	तक	
1	1974 की कक्षा	स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन (50 वर्ष)	13-12-2024	15-12-2024	56
2	1999 की कक्षा	रजत जयंती पुनर्मिलन (25 वर्ष)	27-12-2024	29-12-2024	106
3	2014 की कक्षा	टिन पुनर्मिलन (10 वर्ष)	20-12-2024	22-12-2024	85
4	2014 की कक्षा पीजीपीएक्स	टिन पुनर्मिलन (10 वर्ष)	27-12-2024	29-12-2024	11
5	2009 की कक्षा पीजीपीएक्स	क्रिस्टल पुनर्मिलन (15 वर्ष)	30-12-2024	01-01-2025	36
6	2019 की कक्षा पीजीपी	काष्ट पुनर्मिलन (5 वर्ष)	28-09-2024	29-09-2024	48

आईआईएमए में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

लक्ज़मबर्ग के राजदूत की भारत यात्रा

भारत में लक्ज़मबर्ग की राजदूत महामहिम श्रीमती पैगी फ्रैंटज़ेन और लक्ज़मबर्ग स्कूल ऑफ बिजनेस (एलएसबी) के प्रबंध निदेशक श्री मारिन न्जोवरो, एलएसबी के डीन के वरिष्ठ सलाहकार श्री जेसल दोशी और नई दिल्ली में लक्ज़मबर्ग दूतावास में आर्थिक सलाहकार श्री अभिषेक वडेहरा के साथ 11 जून, 2024 को आईआईएम अहमदाबाद का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक, डीन (कार्यक्रम), डीन (पूर्व छात्र और बाहरी संबंध) और एमबीए-ऑनलाइन कार्यक्रम के अध्यक्ष के साथ बैठक की, जिसमें एलएसबी के वित्तीय उद्योग प्रबंधन कार्यक्रम के संभावित संयुक्त क्रियान्वयन के लिए एलएसबी, गिफ्ट सिटी इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर और आईआईएमए के बीच अपनी तरह की पहली साझेदारी की स्थापना के लिए लक्जमबर्ग स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रस्ताव पर चर्चा की गई।

फ्रांस के राजदूत की भारत यात्रा

भारत में फ्रांस के राजदूत महामहिम श्री थिएरी मथौ, महावाणिज्यदूत श्री जीन-मार्क सेरे चार्लेट; एलायंस फ्रांसेसे के निदेशक श्री इमैनुएल बोटियाउ; विज्ञान और शैक्षणिक सहयोग अधिकारी श्री मेयुल कूलोन; और कैंपस फ्रांस मैनेजर श्री सुजीत नायर ने 2 जुलाई, 2024 को आईआईएम अहमदाबाद का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक, डीन (संकाय), डीन (पूर्व छात्र एवं बाहरी संबंध), कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम की अध्यक्षा; और सुश्री उषा बोरा के साथ बैठक की, जिसमें प्रबंधन अध्ययन के क्षेत्र में सहयोग, विशेष रूप से आईआईएम अहमदाबाद में लक्जरी उद्योग परियोजना के संबंध में चर्चा की गई।

सिंगापुर प्रबंधन विश्वविद्यालय

10 दिसंबर, 2024 को सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी (एसएमयू) के अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय के निदेशक श्री मैथ्यू ली और सहायक निदेशक श्री ताऊ वी सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने आईआईएमए का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक, कार्यवाहक डीन-एईआर, पीजीपी अध्यक्ष और प्रो. जोशी जैकब के साथ फिनटेक और संबंधित पाठ्यक्रमों पर सहयोग और समवर्ती मास्टर्स सहयोग की संभावना पर चर्चा की।

हिरोशिमा विश्वविद्यालय प्रतिनिधिमंडल

25 जनवरी, 2025 को हिरोशिमा विश्वविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने आईआईएमए का दौरा किया, जिसमें निम्नलिखित गणमान्य शामिल थे: प्रतिनिधिमंडल में हिरोशिमा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मित्सुओ ओची, हिरोशिमा विश्वविद्यालय के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. शिंजी कानेको और हिरोशिमा विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय की वरिष्ठ कर्मचारी सुश्री यू वतनबे शामिल थीं। प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक, डीन (कार्यक्रम), पीजीपी की अध्यक्ष और प्रो. प्रेम पंगोत्रा से मुलाकात की।

वेई कांग वोंग, एंटरप्राइज एसजी का दौरा

पश्चिम भारत के लिए एंटरप्राइज सिंगापुर के क्षेत्रीय निदेशक श्री वेई कांग ने डीन एईआर और एवीपी-एईपी से मिलने के लिए 25 जून, 2024 को आईआईएमए का दौरा किया। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य आईआईएमए और गुजरात के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के बीच संभावित सहयोग की संभावनाओं का पता लगाना था, साथ ही सेमीकंडक्टर और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर स्थानीय संगठनों से जुड़ना था।

100 सदस्यीय मध्य एशियाई युवा प्रतिनिधिमंडल का दौरा

100 सदस्यीय मध्य एशियाई युवा प्रतिनिधिमंडल ने 8 मार्च, 2024 को आईआईएमए का दौरा किया और एक विस्तृत बातचीत की, जहां उन्हें आईआईएमए में पेश किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से परिचित कराया गया, तथा संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक वातावरण पर प्रकाश डाला गया।

मध्य और पश्चिमी अफ्रीकी क्षेत्रों के देशों से 32 मीडिया पत्रकारों/लेखन सामग्री रचनाकारों का दौरा

32 मीडिया पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने 29 अक्टूबर, 2024 को आईआईएमए का दौरा किया। इस दौरे में कैंपस का दौरा और लगभग 15 छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र शामिल था, जिसके बाद एक प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक, डीन (संकाय), डीन (कार्यक्रम), कार्यवाहक डीन (एईआर), प्रशासन के प्रभारी प्रोफेसर, पीजीपीएक्स के अध्यक्ष, प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम के अध्यक्ष, अनुसंधान और प्रकाशन के अध्यक्ष, आईआईएमए वेंचर्स के अध्यक्ष और अक्षय निधि कार्यालय के सीईओ के साथ एक संवादात्मक सत्र में भाग लिया।

हाइड्रोजी ग्रुप एसई के निदेशक डॉ. क्लॉस डर्क हर्विग का दौरा

16 दिसंबर, 2024 को हाइड्रोजी ग्रुप एसई, जर्मनी के निदेशक क्लॉस डर्क हर्विग ने आईआईएमए का दौरा किया। उन्होंने निदेशक और कार्यवाहक डीन-एईआर, प्रो. संजय वर्मा के साथ बैठक की, जिसमें जीवाश्म ईंधन और उनके महंगे आयात से मुक्ति के रास्ते पर भारत में जलवायु-अनुकूल ऊर्जा उद्योग के बाजार में तेजी लाने पर चर्चा की गई।

पूर्व छात्र विशेष रुचि समूह (एएसआईजी)

पॉडकास्ट

महिला एएसआईजी ने महिला नेतृत्व सोसायटी (डब्ल्यूएलएस) छात्र क्लब के साथ मिलकर 12 मई, 2024 को एक पॉडकास्ट रिकॉर्ड किया। "शी मीन्स बिज़नेस" थीम वाले इस कार्यक्रम में आईआईएमए की सुश्री छवि मुदगल ने वक्ता के रूप में अपनी अनूठी यात्रा को उजागर किया, साथ ही कार्यस्थलों पर महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और कार्य संस्कृतियों में समावेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर प्रकाश डाला गया।

स्वास्थ्य देखभाल एएसआईजी की वार्षिक सामान्य बैठक

स्वास्थ्य देखभाल एएसआईजी सदस्यों के लिए 17 जनवरी, 2025 को एक वार्षिक सामान्य बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के मूल्यवान अनुभव वाले 300 से अधिक सक्रिय पूर्व छात्र शामिल थे। यह बैठक पिछली उपलब्धियों की समीक्षा करने और आगामी वर्ष के लिए उद्देश्य निर्धारित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

आईआईएमए हेल्थकेयर समिट 2025

पूर्व छात्र एवं बाहरी संबंध कार्यालय द्वारा स्वास्थ्य देखभाल पूर्व छात्र विशेष रुचि समूह (एएसआईजी) और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) के सहयोग से आयोजित आईआईएमए हेल्थकेयर समिट का दूसरा संस्करण 18 जनवरी, 2025 को आईआईएमए परिसर में आयोजित किया गया। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय था "भारत के लिए 2047 में स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाना" जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मंत्री श्री जे.पी. नड्डा की उपस्थिति थी, साथ ही सरकार, प्रमुख नियामक निकायों के अन्य प्रतिष्ठित अग्रणी और स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र से प्रख्यात वक्ता भी उपस्थित थे।

मुख्य आकर्षण में दो पैनल चर्चाएँ, एक फायरसाइड चैट, एक स्टार्टअप शोकेस और हेल्थकेयर हैकाथॉन शामिल थे। इस शिखर सम्मेलन में भारत में कोविड-19 टीकाकरण के पैमाने पर सीएमएचएस रिपोर्ट "फ्रॉम लैब्स टू जैब्स" का भी शुभारंभ हुआ। गैर-संचारी रोगों (एनसीडी), मोटापे और क्षमता निर्माण में एक शोध निधि स्थापित करने के लिए आईआईएमए और नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने पीजीपी और पीजीपीएक्स समूहों के 75 छात्रों के साथ 'विकसित भारत और नेतृत्व' विषय पर बातचीत की और भावी नेताओं को प्रेरित किया। इस शिखर सम्मेलन को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों स्तरों पर व्यापक मीडिया कवरेज मिली।

बाहरी सहयोग

शैक्षणिक सहयोग

आईआईएमए के निदेशक प्रो. भारत भास्कर और पूर्व छात्र एवं बाहरी संबंध के डीन प्रो. सुनील माहेश्वरी ने 22 फरवरी से 2 मार्च, 2024 तक अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान निम्नलिखित बैठक/कार्यक्रम आयोजित किए:

- हास स्कूल ऑफ बिजनेस, यूसी बर्कले:
  - सतीश आनंदस्वामी, वित्त में व्यावसायिक संकाय
  - अभिषेक नागराज, संगठनों के प्रबंधन के सहायक प्रोफेसर
- स्टैनफोर्ड जीएसबी:
  - नवदीप साहनी, विपणन एसोसिएट प्रोफेसर
  - श्रीधर नारायणन, विपणन प्रोफेसर
- आईआईएमए यूएस पूर्व छात्र संघ की पूर्व छात्र बैठक।

सामान्य सहमति पत्रों का नवीनीकरण

सहयोग के सामान्य ढाँचे से संबंधित सहमति पत्रों के नवीनीकरण के लिए निम्नलिखित पाँच साझेदार विश्वविद्यालयों से संपर्क किया गया -

- इकोले डे मैनेजमेंट डे नॉर्मंडी, फ्रांस
- नेशनल ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी स्टडीज (जीआरआईपीएस), जापान
- टिलबर्ग यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड
- यूनिवर्सिटी ऑफ़ द विटवाटरसैंड, जोहान्सबर्ग
- कॉलेज ऑफ़ बिज़नेस एट फ़्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफ़आईयू), मियामी, फ़्लोरिडा, यू.एस.ए.

उपरोक्त के संबंध में: सामान्य और छात्र विनिमय सहयोग के लिए विटवाटरसैंड, जोहान्सबर्ग (डब्ल्यूआईटीएस) के साथ समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण अक्टूबर 2024 में किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की खोज

बरगंडी स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस: शैक्षणिक और शोध क्षेत्रों में सहयोग के अवसर स्थापित करने के लिए, समझौता ज्ञापन प्रक्रिया निष्पादन के अंतिम चरण में पहुंच गई है।

चार्टर्ड वित्तीय विश्लेषक संस्थान (सीएफ़एआई) छात्रवृत्ति

सीएफ़एआई के साथ संस्थान की संबद्धता के हिस्से के रूप में छात्रों को हर साल तीन छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं। छात्रवृत्ति का 2024-25 चक्र 1 सितंबर 2024 को शुरू हुआ। पीजीपी2 छात्रों से छात्रवृत्ति के लिए 11 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से तीन छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

नई पहल

पूर्व छात्र समूह चिकित्सा बीमा

पूर्व छात्रों की बढ़ती रुचि के जवाब में, आईआईएमए के पूर्व छात्रों के लिए एक व्यापक समूह स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी की खोज के लिए विभिन्न बीमा प्रदाताओं के साथ चर्चा चल रही है। इस पहल का उद्देश्य पूर्व छात्रों को अनुकूलित स्वास्थ्य सेवा लाभों तक पहुँच प्रदान करना है, जो पूर्व छात्रों के कल्याण के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। संभावित बीमाकर्ताओं के साथ आगे विचार-विमर्श जारी है।

पूर्व छात्र करियर त्वरक कार्यक्रम (एसीए)

डीन-एईआर द्वारा प्रस्तावित पूर्व छात्र करियर त्वरक (एसीए) पहल को करियर विकास और निरंतर सीखने पर ध्यान केंद्रित करके पूर्व छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 16 जून, 2024 को लॉन्च किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक पूर्व छात्र नेटवर्क और आईआईएमए के संसाधनों का लाभ उठाते हुए अनुरूप करियर सेवाएँ और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना है। यह पूर्व छात्रों को उनके करियर की प्रगति, नौकरी में बदलाव और करियर को फिर से शुरू करने में सहायता करना चाहता है, साथ ही पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच आजीवन संबंधों को बढ़ावा देना चाहता है। लॉन्च की तैयारी में आमंत्रण ईमेल का मसौदा तैयार करना और भेजना, एक संरचित कार्यक्रम की कार्य-सूची बनाना और सत्र व्यवस्था की पुष्टि करना शामिल था। एसीए को मूल्यवान संसाधन और नेटवर्किंग अवसर प्रदान करके पूर्व छात्रों को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करने के लिए बनाया गया है।

एसीएपी का पहला सत्र पूर्व छात्र आत्मचिंतन पाठ्यक्रम था: प्रो. सरल मुखर्जी द्वारा "एमबीए के अवशेष" जिसे 28 मई, 2024 को लॉन्च किया गया। हमने 2014 और उससे पहले के पूर्व छात्रों को हाइब्रिड लर्निंग अनुभव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। यह सत्र 16 जून से 14 जुलाई, 2024 तक निर्धारित किए गए थे, जिसमें सुचारू निष्पादन और जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न संसाधनों की व्यवस्था की गई थी।

पूर्व छात्रों को उनके करियर विकास में सहायता देने के लिए एक समर्पित मंच पर चर्चा दिसंबर 2024 में शुरू की गई थी। यह परिकल्पना की गई थी कि एसीएपी पोर्टल नौकरी.कॉम जैसी नौकरी साइट के समान ही कार्य करेगा, लेकिन इसे पूर्व छात्र समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया जाएगा। एसीएपी पोर्टल पूर्व छात्रों को व्यक्तिगत नौकरी खोज और आवेदन का अनुभव प्रदान करेगा, जिससे उन्हें अपने कौशल, अनुभव और रुचि के आधार पर अवसरों का पता लगाने में मदद मिलेगी। नियोक्ता और पूर्व छात्र इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से नौकरी रिक्तियों को पोस्ट करने और भर्ती प्रक्रिया को सहजता से प्रबंधित करने में सक्षम होंगे। पूर्व छात्र व्यापक प्रोफाइल बनाने, बायोडाटा अपलोड करने और अपनी व्यावसायिक पृष्ठभूमि के अनुसार अनुकूलित नौकरी की सिफारिशें प्राप्त करने में सक्षम होंगे। इसके अतिरिक्त, एसीएपी सहकर्मियों, सलाहकारों और उद्योग के व्यवसायियों के साथ संपर्क को सक्षम करके सार्थक नेटवर्किंग को बढ़ावा देगा। यह पोर्टल ऑनलाइन पाठ्यक्रमों, वेबिनार और कार्यशालाओं सहित विभिन्न कौशल विकास संसाधनों तक पहुँच भी प्रदान करेगा। पूर्व छात्र समुदाय को सूचित और संलग्न रखने के लिए, एसीएपी करियर से संबंधित घटनाओं, पूर्व छात्र बैठकों और स्थानीय और वैश्विक अवसरों के बारे में अपडेट साझा करेगा, जिससे एक अच्छी तरह से जुड़े और सक्रिय नेटवर्क को बढ़ावा मिलेगा।

इसके बाद, प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई और पोर्टल का विकास चरण पूरा हो गया है। यह परियोजना परीक्षण चरण में है, जो सुचारू कार्यक्षमता, उपयोगिता और प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट टीम किसी भी संभावित समस्या की पहचान करने और उसे हल करने के लिए कठोर परीक्षण कर रही है, ताकि उच्च-गुणवत्ता और विश्वसनीय उपयोगकर्ता अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। एक बार परीक्षण पूरा हो जाने के बाद, अगले चरण में तैनाती शामिल होगी, जिसके बाद उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया के आधार पर आगे अनुकूलन किया जाएगा। पूर्व छात्रों को एक परिचयात्मक ईमेल भेजा गया, जिसमें उन्हें एसीएपी पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई। मार्च 2025 के अंत में दीक्षांत समारोह के दौरान पोर्टल के बीटा संस्करण के लॉन्च की घोषणा की गई। यह उपलब्धि पूर्व छात्र समुदाय को मंच से परिचित कराने तथा करियर विकास और नेटवर्किंग को बढ़ाने में इसकी भूमिका पर जोर देने के लिए एक उत्कृष्ट अवसर के रूप में काम करेगी।

- एसीएपी पोर्टल के साथ पूर्व छात्र अपने कौशल, अनुभव और रुचि के आधार पर व्यक्तिगत नौकरी खोज और आवेदन कर सकते हैं और यह विशेष रूप से उनकी अनूठी आवश्यकताओं के अनुरूप है। नियोक्ता और पूर्व छात्र नौकरी रिक्तियों को भी पोस्ट कर सकते हैं और भर्ती प्रक्रिया को सहजता से प्रबंधित कर सकते हैं।
- पूर्व छात्र विस्तृत प्रोफ़ाइल बना सकते हैं, रिज्यूमे अपलोड कर सकते हैं और अनुकूलित नौकरी सिफारिशें प्राप्त कर सकते हैं।
- एसीएपी सहकर्मियों, सलाहकारों और उद्योग के व्यवसायियों के साथ संबंधों को सुविधाजनक बनाकर नेटवर्किंग को भी बढ़ावा देता है।
- एसीएपी ऑनलाइन पाठ्यक्रम, वेबिनार और कार्यशालाओं जैसे कौशल विकास संसाधनों तक पहुँच भी प्रदान करता है।
- एसीएपी पोर्टल उपयोगकर्ताओं को करियर से संबंधित कार्यक्रमों, पूर्व छात्रों की बैठकों और स्थानीय और वैश्विक अवसरों के बारे में सूचित रखता है, जिससे एक व्यस्त और अच्छी तरह से जुड़ा हुआ पूर्व छात्र नेटवर्क सुनिश्चित होता है।

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला एईआर विभाग द्वारा उन प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को आमंत्रित करने की एक पहल है,

जिन्होंने भारत और विश्व स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और प्रभाव डाला है। यह पहल आईआईएमए के समृद्ध पूर्व छात्र समुदाय की उत्कृष्टता और उपलब्धियों का जश्न मनाती है और संस्थान के पूर्व छात्रों, छात्रों, संकाय सदस्यों और समुदाय के बीच संवाद और विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करती है। आईआईएमए ने जुलाई 2024 में प्रतिष्ठित पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत भारतीय क्रिकेट की प्रतिष्ठित आवाज़, पत्रकार और पीजीपी 1985 के पूर्व छात्र - श्री हर्षा भोगले के उद्घाटन भाषण के साथ की। खचाखच भरे रवि जे. मथाई सभागार में एक खरा भाषण देते हुए, श्री हर्षा भोगले ने अपने जीवन के कुछ सबसे प्रेरक रत्न रूपी व्यक्तियों के बारे में और किस्से साझा किए। इस कार्यक्रम का आईआईएमए के यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारण भी किया गया।

प्रेस्टिज: अंतर-शाखा प्रतियोगिता

डीन एईआर ने प्रेस्टीज: इंटर चैप्टर कॉम्पिटिशन नामक एक नई अवधारणा शुरू की है, जो विभिन्न आईआईएमए पूर्व छात्र संघ शाखाओं की एक प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य आयोजनों को प्रोत्साहित करना और शाखाओं में सदस्यों के साथ जुड़ना है। शाखाओं को अक्टूबर 2023 से नवंबर 2024 की अवधि के लिए जुड़ाव, कार्यक्रमों के दौरान उपस्थिति और शासन जैसे मापदंडों पर आंका गया। 12 दिसंबर, 2024 को डीन एईआर, प्रोफेसर सुनील माहेश्वरी, सीएससी के अध्यक्ष प्रोफेसर संजय वर्मा और पीजीपीएक्स के अध्यक्ष प्रोफेसर अमित कर्ण के निर्णायक मंडल ने उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रेस्टीज इंटर चैप्टर कॉम्पिटिशन के विजेताओं का फैसला किया। विजेता इस प्रकार हैं:

- विजेता, प्रेस्टीज: अंतर-शाखा प्रतियोगिता 2024, बड़ी श्रेणी
  आईआईएमए पूर्व छात्र संघ मुंबई शाखा
- विजेता, प्रेस्टीज: अंतर-शाखा प्रतियोगिता 2024, मध्यम श्रेणी
  आईआईएमए पूर्व छात्र संघ अहमदाबाद शाखा
- विशेष मान्यता, प्रेस्टीज: अंतर-शाखा प्रतियोगिता 2024
  आईआईएम अहमदाबाद पूर्व छात्र संघ सिंगापुर

पूर्व छात्रों के साथ इक्विस संवाद

आईआईएमए की इक्विस पुनः-मान्यता प्रक्रिया के भाग के रूप में, संस्थान ने 18-19 फरवरी, 2025 को इक्विस सहकर्मी समीक्षा टीम की मेजबानी की। निदेशक ने 18 फरवरी, 2025 को आधिकारिक स्वागत और भोजन के लिए पूर्व छात्रों को निमंत्रण भी दिया। अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली के पूर्व छात्र शाखा समन्वयकों के साथ इक्विस सहकर्मी समीक्षकों की बातचीत 18 और 19 फरवरी, 2025 को हुई। दिल्ली से श्री अनिल सोमानी, अहमदाबाद से श्री राजीव शर्मा और मुंबई से श्री ओमकार बिरादर, श्री प्रतीक सिंघी और श्री कल्पेन शुक्ला को रात्रिभोज के दौरान इक्विस सहकर्मी समीक्षा टीम के साथ बातचीत करने और टीम के साथ आधिकारिक चर्चा में भाग लेने का अवसर मिला।

द विमवियन: आईआईएमए पूर्व छात्र पत्रिका

इस रिपोर्टिंग अवधि में विमवियन पत्रिका के तीन अंक प्रकाशित किए गए- फरवरी 2024, जून 2024 और अक्टूबर 2024। "यंग एलुमनाई अचीवर्स अवार्ड 2024" थीम वाले फरवरी 2025 के अंक को संपादित किया और अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पूर्व छात्र पोर्टल और डेटा अद्यतनीकरण

डेटाबेस अपडेट अभ्यास: एईआर कार्यालय नियमित रूप से पूर्व छात्रों की व्यावसायिक और संपर्क जानकारी को अपडेट करता है, और इस वर्ष के दौरान 4726 रिकॉर्ड अद्यतन किए गए। 1862 पूर्व छात्रों का विवरण पूर्व छात्र पोर्टल पर अपलोड किया गया। स्नातक करने वाले छात्रों के विवरण को सत्यापित करने के लिए एक मॉड्यूल विकसित किया गया, जिसके आधार पर पूर्व छात्र पहचान पत्र तैयार किए गए और मुद्रित किए गए। दीक्षांत समारोह से पहले सभी स्नातक छात्रों को पूर्व छात्र पहचान पत्र सौंपे गए।

पूर्व छात्र सदस्यता शुल्क

पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही के दौरान प्राप्त पूर्व छात्र शुल्क क्रमशः लगभग 38.4 लाख, 11.74 लाख, 28.90 लाख और 28.90 लाख है। वर्ष में एकत्रित कुल पूर्व छात्र शुल्क 1.07 करोड़ है।

छात्रों की पूर्व छात्र एवं बाहरी संबंध समिति (एसएईआरसी)

एसएईआरसी ने हर्षा भोगले, मोनिका सूद, नचिकेत मोर और रवि श्रीधरन जैसी प्रमुख हस्तियों के साथ पॉडकास्ट श्रृंखला आयोजित की। नेक्सस 2024 केस प्रतियोगिता आईआईएमबी, आईआईएमसी, आईआईएमएल और एक्सएलआरआई सहयोग से आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता को 30 से अधिक पूर्व छात्रों की भागीदारी से और भी बेहतर बनाया गया, जिन्हें भाग लेने वाली टीमों का मार्गदर्शन करने, अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करने और पूर्व छात्रों के नेटवर्क को मजबूत करने के लिए शामिल किया गया था।

पूर्व छात्र नेटवर्किंग सत्र आयोजित किए गए, जिसमें प्रतिष्ठित पूर्व छात्र - श्री अनीश शाह (पीजीपी92), श्री पार्थ सिन्हा (पीजीपी91) और श्री कपिल जांभुलकर (पीजीपी 13) शामिल थे, जिन्होंने कॉर्पोरेट नेतृत्व, 'बुद्धिमत्ता के युग में ब्रांड निर्माण' और मार्केटिंग के मूल में सहानुभूति के बारे में जानकारी दी और आधार के व्यावसायिक उपयोग के मामलों पर चर्चा की।

छात्र पूर्व छात्र मार्गदर्शन कार्यक्रम 2024-25 की शुरुआत की गई, जिसमें पीजीपी2 और पीजीपी-एफ़एबीएम2 छात्रों को 2013-15 से 2019-21 तक के पूर्व छात्र बैचों के मेंटरों के साथ जोड़ा गया और पीजीपी1 और पीजीपी-एफ़एबीएम1 छात्रों को 2020-22 से 2022-24 तक के पूर्व छात्र बैचों के मेंटरों के साथ जोड़ा गया, जिससे सार्थक मेंटरशिप संबंधों को बढ़ावा मिला। 150 से अधिक छात्रों के साइन अप करने और 100 से अधिक मेंटरों की भागीदारी के साथ, यह पहल एक बड़ी सफलता थी, जिसने अमूल्य करियर मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की।

इसके अतिरिक्त, मध्य और पश्चिम अफ्रीकी देशों के 32 पत्रकारों और लेखन-सामग्री रचनाकारों से युक्त एक अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अनूठी छात्र बातचीत की सुविधा प्रदान की गई। विदेश मंत्रालय द्वारा अपनी सार्वजनिक कूटनीति और मीडिया आउटरीच योजना के तहत समर्थित इस पहल ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संवाद के लिए एक मंच प्रदान किया।

एसएईआरसी ने द्वितीय आईआईएमए स्वास्थ्य देखभाल शिखर सम्मेलन के लिए स्वयंसेवक उपलब्ध कराए, जहाँ छात्रों को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा से बातचीत करने का

अवसर मिला। इसके अतिरिक्त, एसएईआरसी ने विमवियनियर्स 3.0 की मेजबानी में अक्षय निधि का समर्थन किया, जिसमें दीप कालरा और अल्पेश शाह जैसे प्रतिष्ठित वक्ता शामिल थे। क्लब ने नोब्रोकर के संस्थापक और सीईओ अमित अग्रवाल के साथ एक आकर्षक सत्र की मेजबानी करके और बीसीजी मुंबई कार्यालय में बीसीजी इंडिया के एमडी अल्पेश शाह (पीजीपी 96) के साथ एक व्यावहारिक पॉडकास्ट रिकॉर्ड करके उद्योग संबंधों को और मजबूत किया। इन पहलों के माध्यम से, एसएईआरसी पूर्व छात्रों की भागीदारी को बढ़ाता है और आईआईएम अहमदाबाद समुदाय के लिए मूल्यवान अनुभव प्रदान करता है।

उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए छात्र मध्यस्थता पहल (स्माइल) स्कूल

स्माइल पहल ने अहमदाबाद के शहरी झुग्गी-झोपड़ियों में वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास प्रदान करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पिछले एक साल में स्माइल ने अपनी शैक्षिक सेवाओं का विस्तार लगभग 120 नामांकित छात्रों तक किया है, जो एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जिसमें विभिन्न विषयों की कंप्यूटर शिक्षा और भाषा संवर्धन सत्र शामिल हैं। समर्पित स्वयंसेवकों और शिक्षकों ने शैक्षिक सफर, शनिवार की गतिविधि सत्रों, सांस्कृतिक समारोहों, रचनात्मकता को बढ़ावा देने, विकास और सामुदायिक बंधन सहित कई गतिविधियों का आयोजन किया है। पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे कि गतिविधि शिविर, स्वतंत्रता दिवस समारोह, नवरात्रि, दिवाली समारोह, खेल दिवस और क्रिसमस प्रदर्शनी। छात्रों के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में सहायता के लिए करियर उन्मुखीकरण, परीक्षा किट और सामुदायिक दौरे प्रदान किए गए। स्माइल के प्रयासों ने अहमदाबाद की शहरी झुग्गियों में 6वीं से 12वीं कक्षा तक के 600 से अधिक छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। स्माइल स्कूल छोड़ने की दर से निपटने और वंचित बच्चों को आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाने के मिशन के लिए प्रतिबद्ध है।

छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

28 मार्च, 2025 को आयोजित पूर्व-दीक्षांत समारोह में पूर्व छात्रों द्वारा प्रायोजित कुछ छात्रवृत्तियाँ/पुरस्कार निम्नलिखित प्रकार से दिए गए:

- मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार
- आईआईएमए पूर्व छात्र वीवीईएफ उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार
- फिलिप थॉमस मेमोरियल रणनीति-सार्वजनिक प्रणाली केस पुरस्कार
- उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार
- श्रीमती जे नगम्मा मेमोरियल पुरस्कार
- श्रीमती शारदा भंडारी और श्री पी.के. रथ छात्रवृत्ति
- रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
- अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
- श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसआरके) पुरस्कार
- वीवीईएफ केस उत्कृष्टता पुरस्कार (इस वर्ष जोड़ा गया)
- सजीव सिरिपाल अकादमिक और रचनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार
- सर्वश्रेष्ठ महिला आउटपरफॉर्मर के लिए हरित तलवार पुरस्कार

7.2 संचार गतिविधियाँ

आईआईएमए में कमला चौधरी संचार केंद्र (केसीसीएच) प्रतिबद्ध रहा और उसने संचार योजना, मीडिया आउटरीच, सोशल मीडिया, वेबसाइट अपडेटिंग, रचनात्मक डिजाइन, वीडियो संपादन, ब्रांडिंग और विज्ञापन, और परिसर भ्रमण गतिविधियों के माध्यम से संस्थान के नेतृत्व, संकाय सदस्यों, छात्रों, पाठ्यक्रम कार्यालयों, विभागों और अनुसंधान केंद्रों को महत्वपूर्ण सहायता सेवाएँ प्रदान कीं। इसकी टीम ने संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों, जैसे रिपोर्ट लॉन्च इवेंट, इंडिया मैनेजमेंट रिसर्च कॉन्फ्रेंस (आईएमआरसी 2024), इंडिया स्ट्रैटेजी कॉन्फ्रेंस (आईएससी 2024), यंग एलुमनी अचीवर्स अवार्ड (वाईएएए) 2024, डीपीएम और बीपीजीपी कार्यक्रमों के प्रवेश अभियान और 60वें दीक्षांत समारोह की पहुँच को अधिकतम करने के लिए प्रभावी और पूर्ण 360 डिग्री कार्यक्रम-पूर्व, कार्यक्रम-के-दौरान और कार्यक्रम-के-बाद में संचार योजना और कार्यान्वयन सहायता प्रदान की।

नई पहलें एवं मुख्य आदान

- डीन (संकाय) के साथ समन्वय में संचार टीम ने जून 2024 में 'द आईआईएमए क्रॉनिकल' पर विचार-विमर्श किया और उसे लॉन्च किया, जो हमारे संकाय सदस्यों के नवीनतम अपडेट, प्रकाशन और प्रमुख उपलब्धियों को उजागर करने के लिए समर्पित एक मासिक ई-न्यूज़लैटर है।
- टीम ने सक्रिय रूप से काम किया और एक केंद्रीकृत निविदा प्रक्रिया के माध्यम से मुद्रित विज्ञापन एजेंसियों के पैनल को पूरा किया, आईआईएमए वेबसाइट के नौ हिंदी वेब पेजों को लाइव किया और छात्रों के लिए संचार नीति को संशोधित किया।
- टीम ने आईआईएमए दुबई कैंपस की घोषणा की तैयारी में सभी आवश्यक सहायता प्रदान की, जिसमें नए लोगो विकल्प तैयार करना, ब्रोशर और क्रिएटिव डिजाइन करना, वेबसाइट सामग्री के लिए सुझावों की समीक्षा और संपादन करना और वेबपेज विकास शामिल हैं।
- टीम ने शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के समक्ष "अपने संस्थान को जानें" और "एचईआई सफलता की कहानियाँ" सोशल मीडिया अभियानों में उजागर करने के लिए आईआईएमए के प्रमुख पहलुओं की पहचान करने और उन्हें समेकित करने पर भी काम किया।

जनसंपर्क

टीम ने स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के साथ जुड़कर आईआईएमए के लिए मीडिया आउटरीच को और मजबूत किया। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक कुल 52 प्रेस विज्ञप्तियाँ जारी की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 156 प्रिंट और 554 ऑनलाइन मीडिया कवरेज हुए। हमारे केंद्र ने प्रमुख प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के साथ नेतृत्व, संकाय सदस्यों और छात्रों के कुल 45 साक्षात्कारों का समन्वय किया और मीडिया के प्रश्नों/अनुरोधों को संबोधित करने के लिए समन्वय किया।

सोशल मीडिया और ब्रांडिंग

केंद्र ने आईआईएमए के महत्वपूर्ण अपडेट साझा करने और दुनिया भर के विभिन्न हितधारकों से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया को एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उपयोग किया। हमने अप्रैल 2024 और मार्च 2025 के बीच कुल 1,397 पोस्ट साझा किए।

आईआईएमए के सोशल मीडिया फॉलोअर्स का प्रक्षेप पथ						
	लिंक्डइन	एक्स (ट्विटर)	इन्स्टाग्राम	फेसबुक	थ्रेड्स	यूट्यूब
अप्रैल 2024	3,22,326	2,30,233	1,05,991	5,54,823	13,766	47,948
मार्च 2025	3,74,012	2,32,664	1,14,765	5,50,483	18,429	53,592

इस अवधि के दौरान, टीम ने विभिन्न सोशल मीडिया रचना, ई-ब्रोशर, स्टैंडीज़, बैनर, बैकड्रॉप, प्रचार वीडियो, टी-शर्ट और अन्य मार्केटिंग और ब्रांडिंग सामग्रियों के निर्माण, समीक्षा और अनुमोदन के लिए विभिन्न विभागों के साथ मिलकर काम किया ।

डिज़ाइन और वीडियो संपादन समर्थन

हमने विभिन्न विभागों और केंद्रों के लिए कुल 1077 सोशल मीडिया रचना, ब्रोशर, बैनर, फ्लायर्स, स्टैंडी, पुस्तकें, रिपोर्ट, समाचार पत्र, पीपीटी आदि डिजाइन किए और 91 वीडियो संपादित किए।

वेबसाइट और विज्ञापन समर्थन

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, संचार टीम ने वेबसाइट अपडेट के लिए कुल 831 अनुरोधों को संबोधित किया, जिसमें नियमित ईवेंट अपडेट, सामग्री से संबंधित परिवर्तन, संरचनात्मक परिवर्तन और विभिन्न ईवेंट/विभागों/केंद्रों/संकाय सदस्यों/कार्यालयों के लिए नए वेबपेज बनाना आदि शामिल हैं। टीम ने समाचार पत्रों में दस मुद्रित विज्ञापन जारी करने में भी सहायता की।

परिसर भ्रमण

केंद्र ने कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों के प्रतिभागियों, नए कर्मचारियों, साथ ही भारत में फ्रांस के माननीय राजदूत, फ्रांस से एक प्रतिनिधिमंडल, मध्य और पश्चिम अफ्रीकी देशों के पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल, रक्षा प्रबंधन कॉलेज के अधिकारियों और जापान के एक प्रतिनिधिमंडल सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों के लिए परिसर भ्रमण की सुविधा जारी रखी। कुल मिलाकर, टीम ने 6,633 आगंतुकों और अतिथियों के लिए 213 परिसर भ्रमण आयोजित किए।

7.3 निरंतरता और हरित पहल

वृक्षारोपण गतिविधि

परिसर में विभिन्न स्थानों पर 350 पौधे रोपे गए। वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके बड़े पेड़ों को आगामी परियोजना क्षेत्रों से सुरक्षित सीमा क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाता है। उल्लेखित पेड़ों को स्थानांतरित करने के लिए अहमदाबाद नगर निगम से एक उन्नत ट्री ट्रांसलोकेटर मशीन भी कभी-कभी किराए पर ली जाती है। नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं।

वर्षा जल संचयन एवं जल पुनर्भरण प्रणाली

भूजल पुनर्भरण के लिए एक अच्छी तरह से रखी गई वर्षा जल संचयन प्रणाली को डिज़ाइन किया और अपनाया गया है ताकि जल अवशोषण के लिए परिसर में अधिकतम क्षेत्र को कवर किया जा सके। पानी की बचत के लिए पारंपरिक जल आपूर्ति उपकरणों को उन्नत जल बचत उपकरणों से बदला जा रहा है। नई डिज़ाइन की गई इमारतों में फ्लशिंग के लिए अपशिष्ट जल का उपयोग करने के लिए ट्रिपल लाइन प्लंबिंग है।

सीवेज उपचार संयंत्र

नए परिसर में बनने वाले छात्रावास-41 के बेसमेंट में 200 केएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाया जा रहा है। मुख्य परिसर में परिधीय क्षेत्रों में एसटीपी की स्थापना की उपयुक्तता का पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। जल निकासी पाइपलाइनों के मौजूदा नेटवर्क को बाधित किए बिना विभिन्न जल निकासी आउटलेट पर विभिन्न क्षमताओं के एसटीपी स्थापित करने पर विचार किया जा रहा है। उपचारित पानी का उपयोग परिसर में बगीचे की सिंचाई के लिए किया जाएगा।

जैविक अपशिष्ट खाद

परिसर में ऑर्गेनिक वेस्ट कंपोस्टर (ओडब्ल्यूसी) मशीन, वर्मी-कल्चर पिट, बायो-गैस इकाइयाँ स्थापित की गई हैं जो दोनों परिसरों में उत्पन्न होने वाले जैविक कचरे का उपचार/विघटन करती हैं। इन इकाइयों से निकलने वाला विघटित उत्पाद खाद के रूप में काम करता है जिसका उपयोग परिसर के उद्यान क्षेत्रों में खाद डालने के लिए किया जाता है। साथ ही, परिसर में उत्पन्न होने वाले कुल कचरे को कम करने, अलग करने और पुनर्चक्रित करने के लिए एक व्यापक परियोजना लागू की जा रही है।

सौर ऊर्जा परियोजना

अक्षय ऊर्जा का दोहन करने के उद्देश्य से, संस्थान ने जहाँ भी संभव हो, छत पर सौर ऊर्जा जनरेटर लगाने का निर्णय लिया है। नए परिसर की अधिकांश इमारतों की छतों पर 815 किलोवॉट पीक क्षमता का रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। 101 किलोवॉट पीक के लिए कार्य प्रगति पर है। अधिकांश छात्रों के छात्रावासों में बिजली के हीटिंग की जगह पानी गर्म करने के लिए छत पर सौर वॉटर हीटर लगाए गए हैं।

अन्य

- ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई प्रणालियों का उपयोग परिसर में प्रमुख लॉन और अन्य वनस्पतियों की सिंचाई के लिए किया जा रहा है।
- पूरे परिसर में एलईडी लैंप और मोशन-एक्टिवेटेड लाइट जैसे ऊर्जा बचत उपकरण लगाए गए हैं। जहाँ भी संभव हो, पारंपरिक एसी को वीआरएफ सिस्टम या नवीनतम उच्च रेटिंग वाले एसी से बदल दिया गया है। सभी अतिथि गृहों और विवाहित छात्रावासों (एमएसएच) को ऊर्जा बचत वाली वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर प्रदान किए गए हैं।

निरंतरता संबंधी कार्यक्रम

शिक्षा और शोध के एक भाग के रूप में पाठ्यक्रम में निरंतरता से संबंधित कई पाठ्यक्रम शामिल हैं। निरंतरता छात्र संगठन-प्रकृति क्लब छात्रों और आईआईएम समुदाय के बीच निरंतरता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नियमित रूप से क्विज़ और कार्यक्रम आयोजित करता है। निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली अधिकांश निर्माण सामग्री आईजीबीसी (भारतीय हरित भवन परिषद) द्वारा अनुमोदित सामग्री होगी।

7.4 कल्याणकारी गतिविधियाँ

आईआईएमए में कल्याण समिति विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों के कल्याण के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान और सेवानिवृत्त दोनों कर्मचारियों को सहायता प्रदान की जाती है। वर्ष 2024-25 के दौरान समिति द्वारा की गई प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित के अनुसार हैं।

संस्थान दिवस समारोह

इस वर्ष समुदाय के 37 सदस्यों को शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति में उनकी उत्कृष्टता के लिए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्थान दिवस समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में समुदाय के 65 बच्चों और 101 संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।

स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ

- वार्षिक स्वास्थ्य जाँच: 35 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों और उनके जीवनसाथियों के लिए जनवरी-अप्रैल 2024 के दौरान सामान्य स्वास्थ्य जाँच का आयोजन किया गया और 405 कर्मचारियों और उनके जीवनसाथियों ने स्टर्लिंग एक्यूरिस वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड से सेवाएँ लीं, जबकि 356 ने साल अस्पताल में अस्पताल परीक्षण का लाभ उठाया।
- स्वास्थ्य वार्ता और निःशुल्क जाँच: समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए, कल्याण समिति ने पूरे वर्ष जानकारीयुक्त स्वास्थ्य वार्ता और निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच का आयोजन किया। इस वर्ष आईआईएमए समुदाय के लिए सुलभ नेत्र स्वास्थ्य और दंत चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के उद्देश्य से एक नेत्र जाँच शिविर और एक दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।
- प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना: ग्रुप सी और डी में सेवानिवृत्त कर्मचारी इस अक्षय निधि के माध्यम से अपने चिकित्सा व्यय में सहायता प्राप्त करते हैं। इस वर्ष, समिति ने स्वास्थ्य देखभाल लागत के बोझ को कम करने के उद्देश्य से पूर्व कर्मचारियों को 189350 रुपये वितरित किए।
- "श्री रामकृष्ण - शारदा मेडिकल फंड": समिति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके जीवनसाथी के चिकित्सा खर्चों को कवर करने, उनकी स्वास्थ्य देखभाल लागत को कम करने के लिए प्रोफेसर शेखर चौधरी और सुश्री सरोजा द्वारा योगदान किए गए फंड से 61800 रुपये का वितरण किया।

ग्रीष्मकालीन कार्यशाला

कल्याण समिति ने समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाएँ आयोजित कीं, जिनका उद्देश्य परिसर में आयोजित विभिन्न आकर्षक कार्यशालाओं के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा देना था। इनमें कर्सिव हैंडराइटिंग और लाइनर आर्ट ड्रॉइंग (11 प्रतिभागी), गतिविधियों के साथ कहानी सुनाना (7 प्रतिभागी), जूनियर डांस (12 प्रतिभागी) और सीनियर डांस कार्यशालाएँ (16 प्रतिभागी), और जूनियर (14 प्रतिभागी) और सीनियर ग्रुप (10 प्रतिभागी) दोनों के लिए आर्ट व क्राफ्ट सत्र शामिल थे। इस वर्ष, समुदाय के कुल 70 बच्चों ने ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में भाग लिया। परिसर में आयोजित सत्रों के अलावा, बच्चों ने एएमए और वीएएससीएससी में समृद्ध पाठ्यक्रमों में भी भाग लिया।

उच्च शिक्षा ऋण

स्टाफ सदस्यों (समूह बी, सी और डी श्रेणियों) के बच्चों की उच्च शिक्षा की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए, समिति ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करती है। इस वर्ष समिति ने 15 छात्रों को कुल 6,83,800 रुपये की सहायता प्रदान की, जिससे उन्हें अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिली।

कर्मचारी जन्मदिन समारोह और गुजराती नववर्ष समारोह

जन्मदिन पर कर्मचारियों को कार्ड और चॉकलेट बांटे गए। गुजराती नववर्ष का समारोह समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ आतिशबाजी और मिठाई बाँटकर मनाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

आईआईएमए की महिला कर्मचारियों के लिए कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें कोस्टर पेंटिंग, पिक्शनरी और डंब चाराड्स शामिल थे। सत्रों में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। एक समारोहात्मक भोजन का भी आयोजन किया गया।

नटराणी सदस्यता

कल्याण समिति ने नटरानी एम्फीथिएटर के लिए एक सीज़न सदस्यता पर हस्ताक्षर किए जो कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए खुला है। इस वर्ष 199 लोगों ने प्रदर्शन देखने का अवसर प्राप्त किया।

8. प्रशासन

8.1 मानव संसाधन

वर्ष 2024-25 के लिए संस्थान की कार्यबल स्थिति इस प्रकार है:

	संकाय	कर्मचारी
नई भर्ती	4	17
सेवानिवृत्ति/वीआरएस	2	5
त्यागपत्र/कार्यकाल समापन/सेवा समापन	4	15
निधन	0	0

परिशिष्ट-ओ में कार्यबल के बारे में विस्तृत विवरण दिए गए हैं।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधि

वर्ष के दौरान, आईआईएम अहमदाबाद और राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास शिक्षाविद् (एनएएचआरडी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 140 कर्मचारियों को प्रायोजित किया गया। संस्थान ने विभिन्न पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए कई कर्मचारियों को प्रायोजित करना जारी रखा।

कर्मचारी पुरस्कार/सम्मान

वर्ष के दौरान, निम्नलिखित पुरस्कार संकाय सदस्यों एवं कर्मचारी सदस्यों को प्रदान किए गए:

संस्थान में दो दशक की सेवा पूरी करने पर प्रशंसा पुरस्कार	
संकाय सदस्य	कर्मचारी सदस्य
प्रोफेसर सुखपाल सिंह	सुश्री शिखा ए. जैन
प्रोफेसर अरविंद सहाय	सुश्री बिंदु शिनोज
प्रोफेसर अर्नब कुमार लाहा	श्री जीजो जोसेफ
प्रोफेसर अनुराग कुमार अग्रवाल	श्री अमित आर. त्रिवेदी
	सुश्री सिंधु एम. मेनन
	सुश्री जागृति डी. सिंधव

सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों को दीर्घ सेवा पुरस्कार	
क्रमांक	कर्मचारी सदस्य
1	सुश्री सुगाथा ए. नायर
2	सुश्री जे.एस. विजयपिरिया
3	श्री संदीप वी. मेहता

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत वर्ष के दौरान 483 आरटीआई आवेदन और 30 प्रथम अपीलें प्राप्त हुईं और उनका जवाब दिया गया। माहवार ब्यौरा इस प्रकार है:

महीना	प्राप्त आरटीआई	प्रथम अपील
अप्रैल 2024	89	4
मई 2024	64	4
जून 2024	51	2
जुलाई 2024	45	3
अगस्त 2024	40	1
सितंबर 2024	27	4
अक्टूबर 2024	16	2
नवंबर 2024	15	1
दिसंबर 2024	37	1
जनवरी 2025	39	4
फ़रवरी 2025	24	2
मार्च 2025	36	2
कुल	483	30

समग्र वर्ष के दौरान, मानव संसाधन विभाग ने कई पहल शुरू की हैं:

- **मोबाइल फोन प्रतिपूर्ति नीति:** कर्मचारियों को मोबाइल फोन प्रतिपूर्ति नीति के तहत मोबाइल फोन खरीदने की अनुमति है। इस वर्ष, संस्थान ने 1 अप्रैल, 2024 से प्रभावी सभी समूहों (ए, बी, सी और डी) के लिए पात्र प्रतिपूर्ति राशि को संशोधित किया है।
- **समूह सी कर्मचारियों के लिए वार्षिक विकास भत्ता:** पहले, वार्षिक विकास भत्ता केवल समूह ए और बी कर्मचारियों को दिया जाता था। इस वर्ष, संस्थान ने 1 अक्टूबर, 2024 से प्रभाव के साथ समूह सी कर्मचारियों (स्थायी और कार्यकाल-आधारित स्केल्ड अनुबंध कर्मचारी दोनों) के लिए वार्षिक विकास भत्ते के प्रावधान को मंजूरी दी है। इस भत्ते का उद्देश्य इस श्रेणी के कर्मचारियों के व्यवसायी विकास का समर्थन करना है।
- **समूह ए के लिए उच्च योग्यता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन राशि:** इससे पहले, संस्थान ने समूह बी, सी और डी कर्मचारियों को उच्च योग्यता प्राप्त करने में निवेश करने के लिए एकमुश्त अवसर लागत प्रदान की थी। अब, संस्थान ने समूह ए के कर्मचारियों को भी यह सुविधा प्रदान की है। इस नीति के अनुसार, नई उच्च योग्यता प्राप्त करने के लिए एकमुश्त प्रोत्साहन दर की अनुमति है।
- **समूह ए कर्मचारियों के लिए लैपटॉप की खरीद:** संस्थान ने 1 अप्रैल, 2024 से प्रभावी एक नीति लागू की है, जिसके तहत प्रत्येक विभाग और केंद्र के सभी समूह ए कर्मचारियों को आधिकारिक उद्देश्यों के लिए लैपटॉप खरीदने की अनुमति दी गई है।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:** संस्थान ने हमेशा सीखने को प्राथमिकता दी है, चाहे वह छात्रों के लिए हो या कर्मचारियों के लिए। इस वर्ष, संस्थान ने समूह ए और समूह बी कर्मचारियों के लिए एक परिसर से दूर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। हमारे संकाय सदस्यों ने कर्मचारियों के लिए इन प्रशिक्षणों का नेतृत्व करने और उन्हें सुविधाजनक बनाने के लिए अपना समय समर्पित किया।
- **कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन नीति नियमपुस्तिका 2025:** हर वर्ष हम बदलावों को शामिल करते हुए नई कर्मचारी मानव संसाधन नियमपुस्तिका सबके समक्ष लाते हैं। इस वर्ष भी कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन नियमपुस्तिका 2025 हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।
- **एनपीएस सत्र:** संस्थान ने अपने संकायों और कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली पर एक सत्र आयोजित किया ताकि किसी भी प्रश्न का समाधान करते हुए मूल्यवान जानकारी और अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके।
- **स्वास्थ्य वार्ता:** संस्थान नियमित रूप से आईआईएमए समुदाय के लिए स्वास्थ्य वार्ता और जाँच का आयोजन करता है ताकि स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जा सके। इन पहलों का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और सभी सदस्यों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।
- **निःशुल्क पेयजल आपूर्ति:** संस्थान एमएसएच (विवाहित छात्रावास) में रहने वाले लोगों सहित समुदाय के सभी

सदस्यों को प्रति माह 15 बोतल बोतलबंद पेयजल (सामान्य तापमान पर आरओ उपचारित पानी) निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है।

- **पूर्व कर्मचारी मिलन समारोह:** संस्थान दिवस पर 9वाँ पूर्व कर्मचारी मिलन समारोह आयोजित किया गया और पूर्व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया।

विशेष भर्ती पहल: संकाय

आईआईएमए प्रबंधन के सभी विषय-क्षेत्रों में उत्कृष्ट विद्वानों को संकाय सदस्यों के रूप में नियुक्त करना चाहता है। आईआईएमए एक समान अवसर नियोक्ता है। महिलाओं, गैर-भारतीय नागरिकों और आरक्षित श्रेणियों (भारतीय संविधान के अनुसार) से संबंधित लोगों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

अपनी स्थापना के समय से ही संस्थान ने जो कुछ भी किया है, उसमें उत्कृष्टता पर विश्वास किया है। आईआईएमए में लगभग 102 पूर्णकालिक संकाय सदस्य शिक्षण, अनुसंधान और परामर्श में लगे हुए हैं। पूर्णकालिक संकाय सदस्यों के अलावा, हमारे पास विभिन्न कार्यात्मक विषय-क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार आगंतुक संकाय सदस्यों, सहायक संकाय सदस्यों और नैदानिक संकाय सदस्यों के लिए प्रावधान है। संकायों की वर्तमान संख्या के साथ संस्थान ने अपने शिक्षण और अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। जब संस्थान को सेवानिवृत्ति और संकाय के अचानक इस्तीफे के कारण कमी का सामना करना पड़ता है, तो संस्थान या अन्य स्रोतों द्वारा प्राप्त बकाया आवेदनों से उस कमी को पूरा किया जाता है।

प्रत्येक विषय-क्षेत्र की संकाय भर्ती समिति आवेदकों की शैक्षणिक योग्यता, प्रकाशनों के रिकॉर्ड और प्रकाशन की संभावना की समीक्षा करती है और विषय-क्षेत्र की आवश्यकताओं के साथ समग्र रूप से उपयुक्त होने का निर्धारण करती है। संस्थान ने एक विशेष संकाय भर्ती अभियान के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए थे और चयन प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। संस्थान विभिन्न शैक्षणिक विषय-क्षेत्रों में सहायक प्रोफेसर स्तर पर संकाय पदों के लिए आरक्षित श्रेणियों (एससी/एसटी/एनसी-ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/दिव्यांग) से संबंधित उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करने के लिए इस विशेष भर्ती पहल का एक और दौर शुरू करेगा।

संस्थान शिक्षण, शोध और परामर्श के मामले में उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस उद्देश्य के अनुरूप, हमारे संकाय विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों जैसे कि प्रबंधन अकादमी (एओएम) और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय अकादमी (एआईबी) में संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों का व्यापक प्रचार करते हैं।

8.2 राजभाषा कार्यान्वयन

हमेशा की तरह, संस्थान में पूर्णतः समर्पित हिंदी विभाग द्वारा सभी राजभाषा गतिविधियाँ सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं, जो गृह मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के राजभाषा हिंदी विभाग के नियमों के अनुसार कार्य कर रहा है। वर्ष के दौरान राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों, उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों तथा राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों/निर्देशों के क्रियान्वयन के लिए ठोस प्रयास किए गए।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अहमदाबाद की 83वीं अर्धवार्षिक बैठक 26 जून, 2024 को दोपहर 3 बजे हमारे संस्थान के रवि जे. मथाई सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में विभागाध्यक्षों के साथ कुल 130 सदस्य कार्यालयों ने भाग लिया। इस बैठक में वर्ष के दौरान सर्वश्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन के लिए आईआईएमए निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर और हिंदी विभाग के डॉ. मुकेश शर्मा को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संस्थान ने राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 17 सितंबर से 01 अक्टूबर 2024 तक "हिंदी पखवाड़ा" मनाया। इसका उद्घाटन 17 सितंबर 2024 को हिंदी दिवस के रूप में किया गया, क्योंकि 14 सितंबर (हिंदी दिवस) को सार्वजनिक अवकाश था। इस दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएँ (हिंदी कविता पाठ, हिंदी सामान्य ज्ञान, हिंदी शब्द-ज्ञान, हिंदी निबंध, हिंदी अंताक्षरी, हिंदी सुलेख और हिंदी गीत गायन) आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में 500 से अधिक हिंदी और गैर-हिंदी भाषी कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। समापन के दिन, निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर द्वारा इन प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। 27 सितंबर 2024 को विक्रम साराभाई पुस्तकालय में हिंदी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

हाल ही में, 17 अक्टूबर 2024 को संसदीय राजभाषा समिति की प्रथम उप-समिति द्वारा हमारे संस्थान का निरीक्षण किया गया। संस्थान की ओर से निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर; प्रोफेसर अभिमान दास, प्रभारी प्रोफेसर (प्रशासन); और डॉ मुकेश शर्मा, सहायक महाप्रबंधक - हिंदी ने द ताज स्काईलाइन होटल में आयोजित निरीक्षण में भाग लिया। संसदीय राजभाषा समिति की प्रथम उप-समिति का यह दौरा 17 से 19 अक्टूबर 2024 के दौरान अहमदाबाद और उसके आसपास स्थित केंद्र सरकार के 32 कार्यालयों, स्वायत्त संस्थानों आदि का निरीक्षण करने के लिए था। सीआरपीएफ, 100 बटालियन, वस्त्राल, अहमदाबाद को इस निरीक्षण का समन्वयक कार्यालय बनाया गया था, इसलिए संसदीय समिति के सभी सदस्यों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था 100 बटालियन, आरएएफ, सीआरपीएफ, अहमदाबाद की देखरेख में की गई थी। समिति के कुछ मंत्रियों ने संस्थान का दौरा किया और निदेशक सहित कुछ संकायों से मुलाकात की थी।

संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा और निगरानी के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार त्रैमासिक बैठकें आयोजित की गईं। वर्ष के दौरान चार हिंदी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें 116 कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया। हिंदी पत्रिका "प्रतिबिंब" का 14वाँ संस्करण फरवरी 2025 में प्रकाशित किया गया तथा इसे सभी आईआईएम, आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास-टोलिक) के 140 सदस्यों में से कुछ को भेजा गया। इस पत्रिका की सॉफ्ट कॉपी संस्थान की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित की गई है।

8.3 अनुदान सहायता

वर्ष 2024-25 के दौरान, संस्थान को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से गैर-योजना (नियमित) और योजना (नियमित) के तहत कोई अनुदान सहायता प्राप्त नहीं हुई।

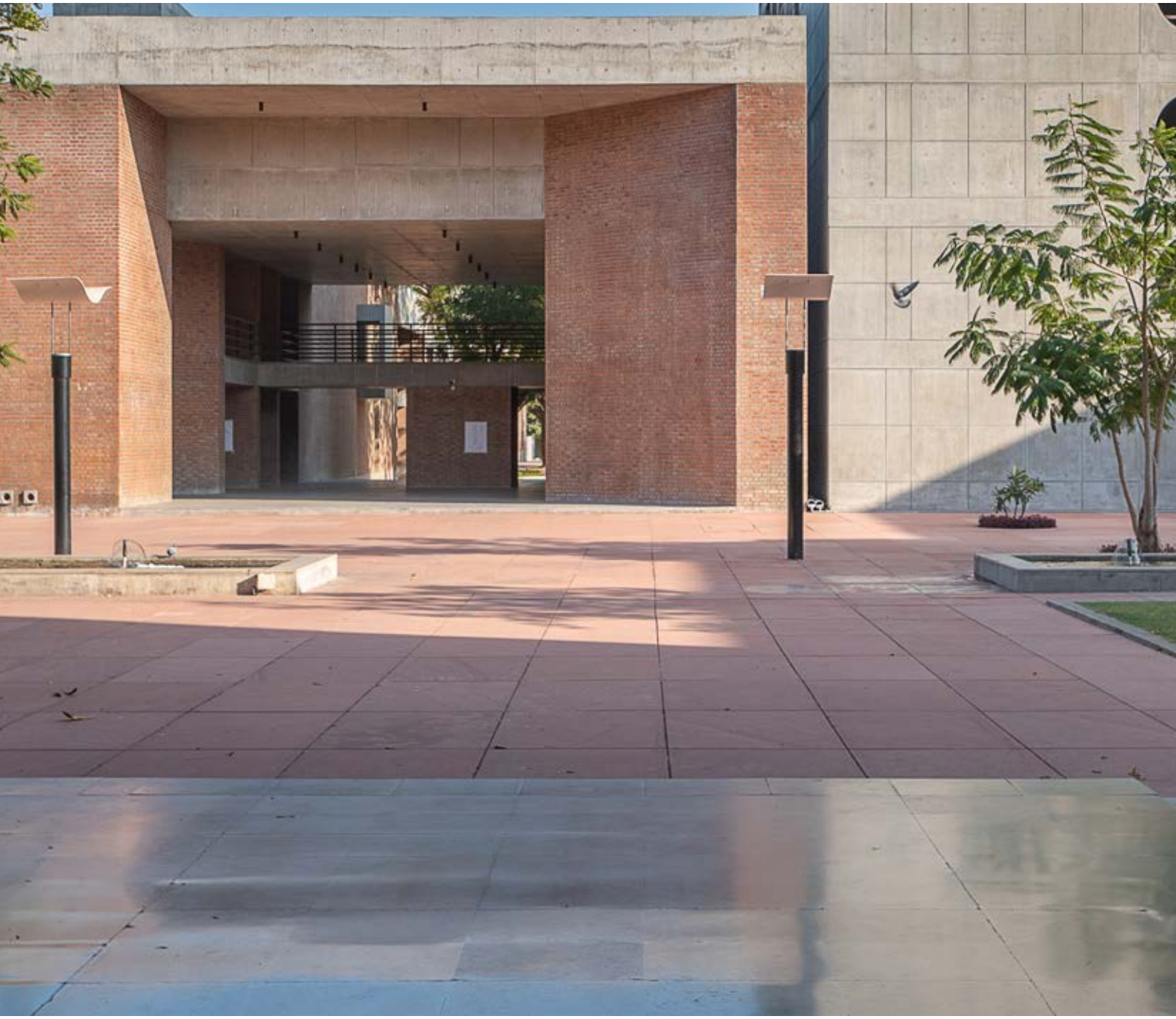

9. वित्त और अक्षय निधि

आईआईएमए अक्षय निधि (आईआईएमएईएफ़) आईआईएमए को दिए गए सभी लोककल्याणात्मक योगदानों (व्यक्तिगत, बैच, कॉर्पोरेट, सीएसआर, आदि) के लिए एकीकृत धन उगाहने वाली शाखा है। 2021 से परिचालन में, इसे दानदाताओं के योगदान को मान्यता देने और एक औपचारिक, अच्छी तरह से शासित और व्यवसायी रूप से संचालित संरचना बनाने के लिए स्थापित किया गया था, जिसके माध्यम से पूर्व छात्र, कॉर्पोरेट और उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्ति आईआईएमए का समर्थन कर सकते हैं।

अपने संचालन के चौथे वर्ष में, टीम धन जुटाने की पहल, दानदाताओं की रिपोर्टिंग, दानदाताओं के साथ संबंधों के प्रबंधन, तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए संस्थान के साथ संवाद को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियों को जारी रखे हुए है। आईआईएमए अक्षय निधि (आईआईएमएईएफ) चार प्रमुख क्षेत्रों में पहल को आगे बढ़ाकर आईआईएम अहमदाबाद को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है: छात्र समर्थन बढ़ाना, विश्व स्तरीय संकायों को पोषित करना, उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से प्रभावशाली अनुसंधान को बढ़ावा देना और संस्थान के विस्तार और अंतर्राष्ट्रीयकरण को सक्षम बनाना।

छात्र समर्थन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, आईआईएमएईएफ ने 2024-2026 की कक्षा के लिए 60 छात्रवृत्तियों को वित्तपोषित किया है, जिससे छात्र आईआईएमए में अपने शैक्षणिक प्रयासों को आगे बढ़ा सकेंगे। आईआईएमए में केस लेखन का समर्थन करने के लिए स्थापित आईआईएमए अक्षय निधि केस अवार्ड्स, केस लेखन में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले 11 संकाय सदस्यों को प्रदान किए गए - जो उत्कृष्ट संकाय योगदानों का समर्थन करने के लिए निधि के समर्पण को उजागर करते हैं।

पिछले 12 महीनों में आईआईएमएईएफ और इसके नेतृत्व और टीम को पहचान मिली है। आईआईएमए अक्षय निधि (आईआईएमएईएफ) को सर्वश्रेष्ठ उभरती कंपनी (5 साल से कम पुरानी युवा कंपनी) के लिए इंडियन अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया और इस श्रेणी में निजी और लाभ कमाने वाले क्षेत्र के साथ प्रतिस्पर्धा की। यह पुरस्कार भारत के शैक्षणिक परिदृश्य में अक्षय निधि के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में आईआईएमएईएफ के अभिनव प्रयासों का प्रमाण है।

प्रमुख झलकियाँ

स्थापना के बाद से, 31 मार्च, 2025 तक, आईआईएमएईएफ ने लोककल्याणात्मक प्रतिबद्धताओं में 389 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं। वित्त वर्ष 2024-2025 में, आईआईएमएईएफ के प्रयासों से संस्थान को लोककल्याणात्मक प्रतिबद्धताओं में 148.79 करोड़ रुपये जुटाने में मदद मिली है। यह पिछले साल से एक महत्वपूर्ण उछाल था जो अक्षय परियोजनाओं को लागू करने में आईआईएमए नेतृत्व से हमारे धन उगाहने की गति और समर्थन को दर्शाता है।

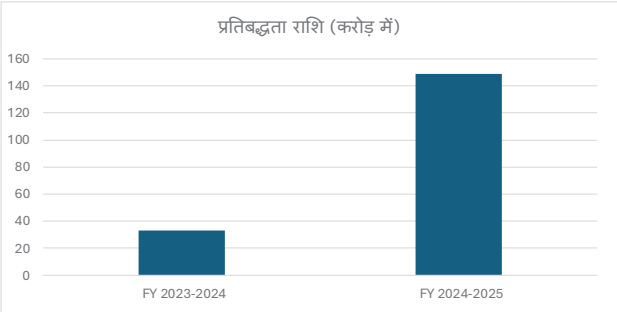

चित्र:1 आईआईएमएईएफ द्वारा व्यक्त प्रतिबद्धताओं की तुलना

आईआईएमएईएफ दान की राशि भी बढ़ा सकता है - उदाहरण के लिए इस साल कई छात्रवृत्ति योगदान पूर्ण शुल्क वाले थे। अधिकांश योगदान पूर्व छात्रों से आया - व्यक्तिगत और बैच दोनों। शेष राशि कॉर्पोरेट्स से सीएसआर के माध्यम से आई।

आईआईएमए को 31 मार्च, 2025 तक 195 करोड़* रुपये से अधिक का वास्तविक दान प्राप्त हुआ है। आईआईएमए को कुल 61.11 करोड़ रुपये का वास्तविक दान प्राप्त हुआ है, जिसमें पिछले वर्षों में किए गए समझौता ज्ञापनों की किश्तें शामिल हैं। **परिशिष्ट पी** में श्रेणी के अनुसार महत्वपूर्ण दान (5 लाख रुपये से अधिक) सूचीबद्ध हैं। आईआईएमएईएफ ने वित्त वर्ष 2025 में 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने में सहायता की, जिससे इसकी स्थापना के बाद से समझौता ज्ञापनों, परिशिष्टों और आशय पत्रों की कुल संख्या 85 से अधिक हो गई।

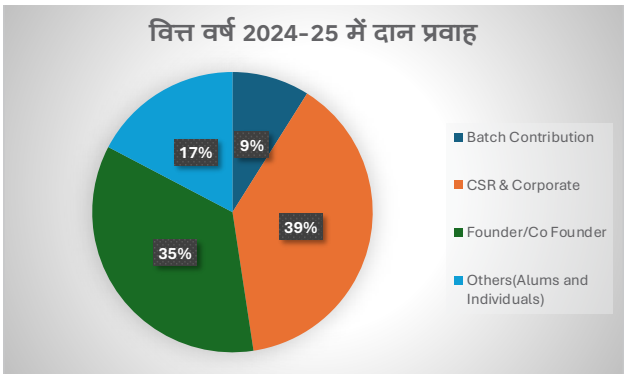

चित्र:2 वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त दान

वित्त वर्ष 2024-2025 में, आईआईएमएईएफ ने समझौता ज्ञापन टेम्पलेट्स के मानकीकरण, अनुकूलित समझौता ज्ञापनों के निर्माण और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित किया। इससे परिचालन के लिए एक ठोस आधार तैयार हो गया है, तथा संभावित दानदाताओं की एक मजबूत पाइपलाइन के साथ, आईआईएमएईएफ आने वाले वर्षों में कई और समझौता ज्ञापनों और सहयोगों के लिए तैयार है। आईआईएमए को दान देने के दो तरीके हैं:

सामान्य कॉर्पस

संस्थान की दीर्घकालिक रणनीतिक ज़रूरतें सामान्य कॉर्पस के लचीलेपन से पूरी होती हैं। संस्थापक (जो समय के साथ 10 करोड़ रुपये और उससे ज़्यादा का योगदान देते हैं) और सह-संस्थापक (जो 5 करोड़ रुपये और उससे ज़्यादा का योगदान देते हैं) इस समूह में योगदान देने वालों में सबसे ज़्यादा हैं। वित्त वर्ष 2023-2024 में 13 संस्थापक, 5 सह-संस्थापक और 1 सह-संस्थापक थे। श्री रशेश (पीजीपी 1989) और विद्या शाह (पीजीपी 1989) वित्त वर्ष 24-25 में संस्थापक के रूप में शामिल हुए।

सामान्य कॉर्पस अभिनियोजन

- आईआईएम अहमदाबाद के 60वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर, आईआईएमए अक्षय निधि (आईआईएमएईएफ) ने आईआईएमए अक्षय निधि केस अवार्ड्स के प्राप्तकर्ताओं की घोषणा की। 11 संकाय सदस्यों को केस लेखन में नवाचार और उत्कृष्टता का सम्मान करते हुए आईआईएमए अक्षय निधि केस अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। पुरस्कारों को आईआईएमए अक्षय निधि सामान्य कॉर्पस द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, जिसमें अप्रतिबंधित और लचीले दान शामिल हैं।
- आईआईएमएईएफ ने आईआईएमए के छात्रों के लिए 5.3 करोड़ रुपये की 60 छात्रवृत्तियों का समर्थन किया। ये छात्रवृत्तियाँ आईआईएमए में आने वाली 2024-2026 की कक्षा के छात्रों के लिए हैं। कुल 20 पूर्ण शुल्क छात्रवृत्तियाँ और 40 आधी-शुल्क छात्रवृत्तियाँ छात्रों को प्रदान की जाएँगी।
- आईआईएमएईएफ द्वारा समर्थित विपणन, निर्णय विज्ञान और सूचना प्रणाली में तीन प्रतिष्ठित संस्थान पीठों का निर्माण उत्कृष्ट संकाय अनुसंधान और भविष्य के शैक्षणिक योगदान का समर्थन करने के लिए किया गया है।

विशिष्ट प्रयोजन हेतु दान

आईआईएमएईएफ विशिष्ट उद्देश्य वाले दान के माध्यम से भी आईआईएमए का समर्थन करता है। इनमें छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार, स्कूल, शोध केंद्र, पीठ, बुनियादी ढाँचा और विभिन्न अन्य पहल शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024-2025 में, आईआईएमएईएफ ने निम्नलिखित विशिष्ट प्रयोजन दान की सुविधा प्रदान की:

कॉर्पोरेट एवं सीएसआर

- गोल्डमैन सैक्स ने आईआईएमए के साथ मिलकर विश्व प्रसिद्ध 10,000 महिला पहल को आईआईएमए में लाने के लिए साझेदारी की है। यह कार्यक्रम महिला उद्यमियों को विश्व स्तरीय व्यावसायिक शिक्षा, मार्गदर्शन और नेटवर्क और पूंजी तक पहुँच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाता है।
- आईआईएमए और जेएसडब्ल्यू समूह ने आईआईएमए में जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल (जेएसडब्ल्यू-एसपीपी) के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह जेएसडब्ल्यू समूह के साथ मौजूदा संबंधों को और मजबूत करता है, जो भारत में विश्व स्तरीय सार्वजनिक नीति शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए समूह की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।
- नोवो नॉर्डिस्क इंडिया ने गैर-संचारी रोगों (एनसीडी), मोटापे और क्षमता निर्माण पर केंद्रित एक शोध कोष स्थापित करने के लिए आईआईएमए के साथ भागीदारी की है।
- क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस ने उल्लेखित विषयों पर शोध का समर्थन करने के लिए ऊर्जा और स्थिरता में अनुसंधान पीठ स्थापित करने के लिए आईआईएमए के साथ भागीदारी की है। कंपनी ने पीजीपी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए भी समर्थन दिया है।

व्यक्तित्व

- श्री मदन मोहनका (पीजीपी 1967) ने केस पद्धति शिक्षा में मदन मोहन मोहनका उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना का समर्थन किया है। इस केंद्र का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले, भारत-केंद्रित केस अध्ययनों के निर्माण और प्रसार को बढ़ावा देना और केस पद्धति में निहित शैक्षणिक उत्कृष्टता को गहरा करना है - जो आईआईएमए के शैक्षणिक दृष्टिकोण की आधारशिला है।
- श्री हरि मुंद्रा (पीजीपी 1971) ने वित्तीय निर्णय लेने में अनुसंधान और शिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए एप्लाइड बिजनेस फाइनेंस में हरि मुंद्रा अनुसंधान पीठ की स्थापना की। यह पीठ शोध पत्रों, अकादमिक जुड़ावों, केस अध्ययनों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के माध्यम से वास्तविक जीवन में वित्तीय सिद्धांत और अवधारणाओं के अनुप्रयोग से जुड़ी गतिविधियों को अंजाम देगा।
- श्री राजन राघवन ने व्यावसायिक नैतिकता के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और ज्ञान निर्माण को बढ़ावा देने के लिए व्यावसायिक नैतिकता में एसवीएस राघवन आगंतुक पीठ की स्थापना के लिए समर्थन दिया है।

छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार

- सुश्री विद्या शाह और श्री रशेश शाह (दोनों पीजीपी 1989) ने श्रीपाद देसाई, शर्मिष्ठा और चंद्रकांत शाह छात्रवृत्ति की स्थापना में योगदान दिया, जिसका नाम उनके माता-पिता के सम्मान में रखा गया है, जो आठ पीजीपी छात्रों का समर्थन करेगी।
- एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने एवरेस्ट फूड स्कॉलरशिप की स्थापना की, जो 10 पीजीपी छात्रों को पूर्ण-शुल्क सहायता प्रदान करेगी।
- श्री रसेल मेहता (रोजी ब्लू इंडिया के प्रबंध निदेशक) द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले रोजी ब्लू फाउंडेशन ने अरुण कुमार रमणिकलाल मेहता (एआरआरए) छात्रवृत्ति की स्थापना की।
- आर्य धन फाउंडेशन ने आर्य कृषि किरण छात्रवृत्ति स्थापित करने के लिए आईआईएमए के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो सालाना एक पीजीपी-एफ़एबीएम छात्र का समर्थन करेगा। छात्रवृत्ति का उद्देश्य खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में पहुँच और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है।
- श्री प्रदीप भाष्यम (पीजीपी-एफ़एबीएम 1976) ने संस्थान में दो पीजीपी-एफ़एबीएम छात्रों का समर्थन करने के लिए प्रदीप एवं शोभा भाष्यम छात्रवृत्ति की स्थापना की।
- आईआईएमए ने प्रैक्सिस ग्लोबल एलायंस के साथ प्रैक्सिस ग्लोबल स्कॉलरशिप स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जो पीजीपी छात्रों के लिए एक पूर्ण-शुल्क छात्रवृत्ति है, जो सीएसआर समर्थन के माध्यम से सक्षम है।

बैच दान

- अपने चार बैचमेट्स की याद में पीजीपी 1999 बैच ने अक्षय निधि के प्रयासों के माध्यम से पीजीपी छात्रों के लिए 4 छात्रवृत्तियों के लिए आईआईएमए को उदारतापूर्वक योगदान दिया है।
- आईआईएमएईएफ वर्तमान में संस्थान के लिए धन जुटाने के लिए 1973, 1985, 1996, 1997 और 2001 के पीजीपी बैचों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

समारोह

आईआईएमएईएफ ने आईआईएमए के साथ मिलकर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनसे समुदाय को मजबूती मिली, उपलब्धियों का जश्न मनाया गया, तथा कहानी कथन, संवाद और सार्थक पूर्व छात्र-छात्र सहभागिता के माध्यम से अपने मिशन को आगे बढ़ाया गया।

- अक्षय निधि दिवस 2024: आईआईएमए ने 07 दिसंबर, 2024 को अपना तीसरा अक्षय निधि दिवस मनाया, जिसे कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों और भागीदारों की उपस्थिति में परिसर में मनाया गया। उपस्थित लोगों में श्री दीप कालरा (पीजीपी 1992), श्री रमेश मंगलेश्वरन (पीजीपी 1993), श्री कुलदीप जैन (पीजीपी 1999), प्रो. राकेश बसंत, सह-संस्थापक गिरीश कुलकर्णी (पीजीपी 1989) और अरविंद नायर (पीजीपी 1979), साथ ही श्री हरि मुंद्रा (पीजीपी 1971), श्री अशांक देसाई (पीजीपी 1979), श्री नयन परीख (पीजीपी 1981), सुश्री विद्या शाह और श्री रशेश शाह (पीजीपी 1989), और श्री अल्पेश शाह (पीजीपी 1996) शामिल थे। इस दिन के मुख्य आकर्षणों में आईआईएमएईएफ प्रभाव रिपोर्ट का शुभारंभ, दूसरी अक्षय निधि फिल्म, प्रतीकात्मक वृक्षारोपण और पूर्व छात्रों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच संवाद शामिल थे।
- आईआईएमएईएफ़ प्रभाव रिपोर्ट का शुभारंभ: उद्घाटन समारोह में आईआईएमएईएफ़ प्रभाव रिपोर्ट का शुभारंभ प्रो. भारत भास्कर (निदेशक, आईआईएमए), श्री दीप कालरा (अध्यक्ष, आईआईएमएईएफ़ बोर्ड) और सुश्री छवि मुदगल (सीईओ, आईआईएमएईएफ़) द्वारा किया गया। रिपोर्ट में अक्षय निधि द्वारा समर्थित पहलों के दायरे को दर्शाया गया है, जिसमें संस्थापकों और सह-संस्थापकों से सामान्य कॉर्पस योगदान, छात्रवृत्ति और पुरस्कार, उत्कृष्टता केंद्र और संस्थान भर में पीठ प्रोफेसरशिप शामिल हैं।
- विमवियनियर्स 3.0: अक्षय निधि दिवस के हिस्से के रूप में, विमवियनियर्स का तीसरा संस्करण - एक स्पीड नेटवर्किंग फ़ोरम - आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को आमने-सामने बातचीत के ज़रिए पूर्व छात्रों से जोड़ा गया। प्रतिभागियों में श्री दीप कालरा (पीजीपी 1992), श्री हरि मुंद्रा (पीजीपी 1971), श्री अशांक देसाई (पीजीपी 1979), श्री अरविंद नायर (पीजीपी 1979), श्री निशिथ अरोड़ा (पीजीपी 1979), श्री नयन परिख (पीजीपी 1981), सुश्री विद्या शाह (पीजीपी 1989), श्री रशेश शाह (पीजीपी 1989), श्री गिरीश कुलकर्णी (पीजीपी 1989), श्री अल्पेश शाह (पीजीपी 1996) और श्री कुलदीप जैन (पीजीपी 1999) शामिल थे। एसएईआरसी के सहयोग से आयोजित इस सत्र ने मार्गदर्शन और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा दिया तथा अंतर-पीढ़ीगत पूर्व छात्र-छात्र जुड़ाव को मजबूत करने पर आईआईएमएईएफ के निरंतर फोकस को प्रतिबिंबित किया।
- आईआईएमए और डॉ. लाल पैथलैब्स द्वारा दृष्टिबाधित व्यवसायियों के लिए नेतृत्व और रणनीतिक सोच कार्यक्रम: आईआईएमए ने 17-19 फरवरी, 2025 तक 30 दृष्टिबाधित व्यवसायियों के लिए नेतृत्व और रणनीतिक सोच कार्यक्रम के तीसरे संस्करण की मेजबानी की। मुख्य प्रबंधन कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए इस कार्यक्रम में डिजिटल परिवर्तन, वित्तीय साक्षरता, सचेतनता और स्व-नेतृत्व को शामिल किया गया। पीजीपी 1994 बैच द्वारा समर्थित सीएमएचएस के सहयोग से डॉ. लाल पैथलैब्स पीठ द्वारा आयोजित इस पहल को आईआईएमएईएफ़ द्वारा सुगम बनाया गया था। हम कार्यक्रम की शुरुआत, समर्थन और सफल निष्पादन को सक्षम करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए रमेश श्रीनिवासन (पीजीपी 1994), मीनाक्षी नेवतिया (पीजीपी 1994), राजा शेखर रेड्डी (पीजीपी 1994) और डॉ. ओम मनचंदा (पीजीपी 1990) को धन्यवाद देते हैं।
- नाइका हैकथॉन: आईआईएमए ने नाइका के सहयोग से आईआईएमएइएफ़ की सुविधा के साथ दूसरे परिसरीय नाइका हैकथॉन की मेजबानी की। 24 घंटे के इस कार्यक्रम में 24 छात्र टीमों ने भाग लिया, जिसमें से छह लघुसूचीबद्ध की गई टीमें नाइका के डेवलपर्स के साथ मिलकर वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए सीधे काम कर रही थीं। इस पहल ने छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया और उद्योग अभ्यास के साथ अकादमिक शिक्षा को जोड़ने के लिए आईआईएमएईएफ़ की प्रतिबद्धता को दर्शाया।
- पूर्व छात्र शाखाओं के साथ जुड़ाव: वर्ष 2024-25 में, आईआईएमएईएफ़ ने संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, मुंबई और कोलकाता में पूर्व छात्र शाखाओं के साथ जुड़ाव किया; आईआईएमएईएफ़ के सीईओ ने संस्थान और अक्षय निधड़ पहल से अपडेट साझा किए; और उन तरीकों के बारे में बताया जिनसे पूर्व छात्र और दानकर्ता आईआईएमए का समर्थन कर सकते हैं।
- न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास में आयोजित यूएसए शाखा समारोह में महावाणिज्य दूत बिनाया प्रधान की मेजबानी में, आईआईएमएईएफ ने हरित तलवार (पीजीपी 1985), संदीप गुप्ता (पीजीपी 2011) और मुकेश अघी (यूएसआईएसपीएफ) के पैनल में भाग लिया, जिसका संचालन गौरव रस्तोगी ने किया।
- यू.के. में, आईआईएमएईएफ ने लॉर्ड करण बिलिमोरिया और राजेश अग्रवाल (पीजीपी 1997) द्वारा हाउस ऑफ लॉर्ड्स में आयोजित रात्रिभोज में भाग लिया, जिसमें टाइगर त्यागराजन (पीजीपी 1986) और टी.एस. अनिल (पीजीपी 1996) शामिल थे। इस कार्यक्रम का समन्वयन सांची सिंगला (पीजीपी 2013), कौशिक सुरेश (पीजीपी 2016) और रवि अग्रवाल (पीजीपी 2015) ने किया, जिसमें एफ़आरआर इमिग्रेशन का सहयोग रहा।
- आईआईएमएईएफ की संस्थापक सीईओ सुश्री छवि मुदगल ने ओडिशा के पुरी में पीजीपी 1977 के पुनर्मिलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम ने संस्थान के साथ बैच की निरंतर भागीदारी को दर्शाया।
- आईआईएम अहमदाबाद पूर्व छात्र संघ (अहमदाबाद शाखा) के सहयोग से, आईआईएमएईएफ ने कैंपस फायरसाइड चैट के लिए आलोक अग्रवाल और शोभा अग्रवाल (दोनों पीजीपी 1981) की मेज़बानी की। श्री अग्रवाल, वरिष्ठ सलाहकार और रिलायंस इंडस्ट्रीज के पूर्व सीएफओ, ने आईआईटी कानपुर से आईआईएमए तक की अपनी यात्रा पर विस्तार से बताया, स्थिरता, सामाजिक प्रभाव और ऋण लौटाने पर अंतर्दृष्टि साझा की।
- अगस्त में, आईआईएमएईएफ ने आईआईएमए के

मार्केटिंग क्लब - निश के साथ साझेदारी की, जिसके तहत आईटीसी लिमिटेड में माचिस और अगरबत्ती एसबीयू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री गौरव तायल की मेजबानी की गई। श्री अरुण दुग्गल (पीजीपी 1974) द्वारा समर्थित श्री तायल के सत्र में छात्रों को ब्रांड रणनीति, उत्पाद नवाचार और डिजिटल परिवर्तन पर केस अध्ययनों की पेशकश की गई, जिसने आईटीसी के बाजार नेतृत्व को प्रेरित किया है।

- कोटक महिंद्रा बैंक के पूर्व एमडी और सीईओ श्री दीपक गुप्ता (पीजीपी 1985) के साथ एक विशेष सत्र ने चयनित छात्रों को नेतृत्व, बैंकिंग के विकास और वित्त में एआई के बढ़ते प्रभाव पर बातचीत करने का अवसर प्रदान किया।
- आईआईएमएईएफ ने एसएईआरसी और एंट्रेवीसी के सहयोग से, नोब्रोकर के संस्थापक और सीईओ श्री अमित कुमार अग्रवाल (पीजीपी 2004) के साथ एक खुली बातचीत की मेजबानी की। चुटकुलों और ईमानदारी के माध्यम से, श्री अग्रवाल ने जोखिम उठाने और लचीलेपन के महत्व पर जोर देते हुए अपनी स्टार्टअप यात्रा से सीखे गए सबक साझा किए।

पुरस्कार और मान्यता

- इस वर्ष आईआईएमएईएफ के नेतृत्व और दृष्टिकोण को भी मान्यता मिली। प्राप्त पुरस्कार न केवल व्यक्तिगत योगदान का प्रतिबिंब हैं, बल्कि उच्च शिक्षा में भारत के लोककल्याणात्मक परिदृश्य को आकार देने में निधि के काम के पीछे सामूहिक गति का भी प्रतिबिंब हैं।
- ये मान्यताएँ आईआईएमएईएफ की यात्रा के पीछे सामूहिक प्रयासों को दर्शाती हैं। हम आईआईएमएईएफ निदेशक मंडल, आईआईएमए के नेतृत्व और पूरे आईआईएमए समुदाय को उनके निरंतर विश्वास, भागीदारी और सार्थक संस्थागत उन्नति के लिए एक मंच के रूप में अक्षय निधि की भूमिका को आकार देने में प्रोत्साहन के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

पिछले वर्षों की गति को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष आईआईएमए अक्षय निधि (आईआईएमएईएफ) के लिए विकास और प्रभाव का एक नया चरण शुरू हुआ, जिसमें प्रभावशाली धन उगाही और गहन दानदाता सहभागिता की विशेषता रही। दृष्टिबाधितों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों से लेकर उद्योग-आधारित हैकथॉन तक, आईआईएमएईएफ ने सार्थक सामाजिक प्रभाव के साथ संस्थागत उत्कृष्टता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जैसे-जैसे आईआईएमएईएफ अपने संचालन के चौथे वर्ष का समापन कर रहा है, यह पूर्व छात्रों, दानदाताओं और संस्थागत नेतृत्व के सामूहिक दृष्टिकोण को मूर्त रूप देने के लिए आईआईएमए को शिक्षा, नेतृत्व और प्रभाव के वैश्विक प्रकाशस्तंभ के रूप में स्थापित करना जारी रखता है। अक्षय निधि आने वाले वर्षों में आईआईएमए के भविष्य को आकार देने में अपनी पहुँच का और विस्तार करने तथा अपनी भूमिका को और गहन बनाने के लिए तैयार है।

अधिक जानकारी **परिशिष्ट पी** में दी गई है।

परिशिष्ट

परिशिष्ट ए

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

पीजीपी में छात्र

	पीजीपी I	पीजीपी II
कार्यक्रम में शामिल हुए	404	406
(-) अलग हुए	4	1
(-) 2025 में पुनः शामिल होने की अनुमति दी गई / कहा गया	1	1
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	2	-
(+) 2024 में पुनः शामिल होने की अनुमति दी गई	-	1
प्रथम/द्वितीय वर्ष में संख्या	401	405
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	-	-
(-) स्वर्गवास	-	1
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	-	1
(-) अकादमिक अनुशासनहीनता के कारण एक या अधिक सत्रों के लिए निलंबन	-	-
(-) स्नातक नहीं हुए (डबल डिग्री)	-	6
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके (विनिमय छात्र)	-	3
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक	-	-
(+) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र (9 बाहर गए और 2 संस्थान में आए)		11
कुल प्रोन्नत / स्नातक	401	405

छात्र विनिमय कार्यक्रम में आईआईएमए के छात्र

क्रमांक	विनिमय सहभागी संस्थान का नाम	वर्ष 2024 - 25 में जाने वाले
	यूरोप	
1	आल्टो अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन स्कूल, हेलसिंकी, फिनलैंड	2
2	कैटोलिका लिस्बन, लिस्बन, पुर्तगाल	1
3	कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेडरिकसबर्ग, डेनमार्क	5
4	ईडीएचईसी, सेडेक्स, फ्रांस	8
5	एमिलीयन बिजनेस स्कूल, फ्रांस	10
6	ईएससी क्लेरमोंट (पुराना नाम: फ्रांस बिजनेस स्कूल और ईएससी ब्रेतान्य, ब्रेस्ट), फ्रांस	2
7	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	3
8	ईएससीपी-ईएपी, सेडेक्स, फ्रांस	5
9	ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस	10
10	यूरोपियन बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ऑस्ट्रिच-विंकेल, जर्मनी	2
11	एचईसी लॉज़ेन, स्विटजरलैंड	2
12	एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस, फ्रांस	2
13	आईईएसईजी प्रबंध स्कूल, फ्रांस	5
14	जोनकोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, जोनकोपिंग, स्वीडन	3
15	लुवेन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, बेल्जियम	2
16	मुन्स्टर बिजनेस एवं इकोनॉमिक्स स्कूल, जर्मनी (एमएसबीई)	5
17	नॉर्वेजियन इकोनॉमिक्स स्कूल, नॉर्वे	6
18	फोर्ज़हेम एप्लाइड साइंसेज विश्वविद्यालय, फोर्ज़हेम, जर्मनी	2
19	सोल्वे बिजनेस स्कूल, ब्रुसेल्स, बेल्जियम (लिब्र दे विश्वविद्यालय)	1
20	स्टॉकहोम इकोनॉमिक्स स्कूल, स्टॉकहोम, स्वीडन	2
21	तुलूज़ बिजनेस स्कूल (पुराना नाम - ईएससी-तुलूज़) सेडेक्स, फ्रांस	4
22	बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	2

23	कोलोन विश्वविद्यालय, कोलन, जर्मनी	8
24	मास्ट्रिच विश्वविद्यालय, मास्ट्रिच, नीदरलैंड	2
25	मैनहेम विश्वविद्यालय, मैनहेम, जर्मनी	2
26	सेंट गैलन विश्वविद्यालय, सेंट गैलन, स्विटजरलैंड	2
27	वियना इकोनॉमिक्स एवं बिजनेस एडमिन विश्वविद्यालय, वियना, ऑस्ट्रिया	3
28	एसजीएच वारसॉ स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, पोलैंड	3
29	ईएम नॉर्मंडी बिजनेस स्कूल, फ्रांस	6
	उत्तरी अमेरिका	
1	गोइज़ुएटा बिजनेस स्कूल, एमोरी विश्वविद्यालय	2
	एशिया	
1	एनयूएस बिजनेस स्कूल (सिंगापुर नेशनल विश्वविद्यालय)	1
2	गुआंगुआ प्रबंध स्कूल, पेकिंग विश्वविद्यालय	1
3	ग्रेजुएट कॉमर्स स्कूल (वासेदा बिजनेस स्कूल), वासेदा विश्वविद्यालय	2
	कुल	116
	दोहरी डिग्री कार्यक्रम	
1	ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस	1
2	एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस, फ्रांस	1
3	बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	4
	कुल	6

विनिमय पाठ्यक्रम में आए विदेशी छात्र

क्रमांक	विनिमय सहभागी संस्थान का नाम	वर्ष 2024 - 25 में आने वाले
1	सेंट गैलन विश्वविद्यालय, सेंट गैलन, स्विट्जरलैंड	3
2	तुलूज़ बिजनेस स्कूल (पुराना नाम - ईएससी-तुलूज़) सेडेक्स, फ्रांस	1
3	एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान, थाईलैंड	2
4	कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेडरिक्सबर्ग, डेनमार्क एवं ग्रीनलैंड	7
5	ईडीएचईसी, सेडेक्स, फ्रांस	8
6	ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल, फ्रांस	2
7	ईएससीपी-यूरोप, फ्रांस	5
8	ग्रेजुएट मैनेजमेंट स्कूल, सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय, रूस	2
9	एचईसी, पेरिस, फ्रांस	2
10	मुन्स्टर बिजनेस एवं इकोनॉमिक्स स्कूल, जर्मनी	1
11	बोकोनी विश्वविद्यालय, इटली	3
12	मैनहेम विश्वविद्यालय, जर्मनी	1
13	यॉर्क यूनिवर्सिटी, शुलिच स्कूल ऑफ बिजनेस, कनाडा	1
14	मेलबर्न विश्वविद्यालय	1
	कुल	39
	दोहरी डिग्री कार्यक्रम	
1	वियना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय, वियना, ऑस्ट्रिया	3
	कुल	3

उद्योग छात्रवृत्ति

वर्ष के दौरान चालीस छात्रों को उद्योग योग्यता छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुईं।

वर्ष 2023-25 बैच के बीस छात्रों को कार्यक्रम के पहले वर्ष में उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर निम्नलिखित उद्योग छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया:

क्रमांक	नाम	छात्रवृत्ति
1	अभि बंसल	राधा और संजीव चड्ढा
2	तारांश सिंधवानी	पीजीपी1 आई- स्कूल 1970 बैच द्वारा समर्थित

3	आंचल चड्ढा	पीजीपी1 आई- स्कूल 1970 बैच द्वारा समर्थित
4	मिहिर रंजन	पीजीपी1 आई- स्कूल 1970 बैच द्वारा समर्थित
5	ईशान जैन	पीजीपी1 आई- स्कूल 1970 बैच द्वारा समर्थित
6	रविशंकर सिंह	जेट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
7	आर्यमन बंसल	एस.एम. शाह
8	विक्रम आदित्य शर्मा	इंफोसिस
9	कुशल गर्ग	आईसीआईसीआई
10	शिवम कुमार	एसबीआई म्यूचुअल फंड
11	हर्षित राव	आईआईएमए सिल्वर जुबली/पीजीपी 87 बैच/फैकल्टी मेमोरियल एवं ऑडको
12	ऋषभ गोयल	आईआईएमए
13	अगम गुप्ता	आईआईएमए
14	कुशाग्र सचदेवा	आईआईएमए
15	राजस सलिल जोशी	आईआईएमए
16	सिद्धार्थ सहगल	आईआईएमए
17	पैड़ी कृष्ण प्रदीप	आईआईएमए
18	अक्षत हरलालका	आईआईएमए
19	रोहिताक्ष अग्रवाल	आईआईएमए
20	सिद्धांत गोयल	आईआईएमए

2023-25 के बैच के बीस छात्रों को कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर निम्नलिखित उद्योग छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया:

क्रमांक	नाम	छात्रवृत्ति
01	ईशान जैन	श्रीमती शारदा भंडारी और श्री पी के रथ
02	अभि बंसल	अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
03	आर्यन चौधरी	रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
04	आंचल चड्ढा	पीजीपी 2 आई-स्कॉल, पीजीपी 2005 बैच द्वारा समर्थित
05	हर्ष तोशनीवाल	जेट एज सिक्योरिटीज प्रा. लिमिटेड
06	अगम गुप्ता	एस.एम. शाह
07	सिद्धांत भुसारी	आईएफसीआई लिमिटेड
08	विपुला भट्ट	आईएफसीआई लिमिटेड
09	कुशाग्र सचदेवा	मोनसेंटो
10	कुशल गर्ग	सुरेंद्र पॉल
11	यश जैन	डन एंड ब्रैडस्ट्रीट
12	अनमोल मनचंदा	आईआईएमए
13	हर्षवर्धन	आईआईएमए
14	विक्रम आदित्य शर्मा	आईआईएमए
15	श्रुति गुप्ता	आईआईएमए
16	आदित्य आनंद	आईआईएमए
17	निर्मल्या पाणिग्रही	आईआईएमए
18	शिवांश त्रिपाठी	आईआईएमए
19	मौलिक बंसल	आईआईएमए
20	रविशंकर सिंह	आईआईएमए

उच्चतम समग्र सीजीपीए वाली महिला प्रतिभागियों के लिए **चंद्र प्रभा और चरण दास गुप्ता आईस्कॉल** नाम से एक आईस्कॉल पेश किया गया था। इस वर्ष यह पुरस्कार आंचल चड्ढा को दिया।

पुरस्कार

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देश रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार डॉ. राजेंद्र प्रसाद, भारत के प्रथम राष्ट्रपति की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दो वर्षों में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस साल यह पुरस्कार अभि बंसल को दिया गया।

श्री एस. के. सेठ स्मृति पुरस्कार

श्रीमती शांति सेठ द्वारा अपने पति, स्वर्गीय श्री एस.के. सेठ, संस्थान के पहले पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में स्थापित, यह पुरस्कार उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के पहले वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस साल यह पुरस्कार अभि बंसल को दिया गया।

एस. उमापति पुरस्कार

एक छात्र की अकादमिक उत्कृष्टता को पहचानने और संस्थान के साथ उमापति के जुड़ाव की स्मृति को सम्मानित करने के लिए स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा स्थापित, यह पुरस्कार प्रथम वर्ष के पीजीपी शीर्षस्थ छात्र को दिया जाता है। इस साल यह पुरस्कार अभि बंसल को दिया गया।

श्रीमती जे. नगम्मा मेमोरियल अवार्ड

श्रीमती जे. नगम्मा की स्मृति में उनके पुत्र श्री प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शिक्षा में उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो प्रथम वर्ष के अंत में उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करता है। इस साल यह पुरस्कार अभि बंसल को दिया गया।

अन्य पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ पीजीपी ऑलराउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार की स्थापना स्वर्गीय कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा एक उत्कृष्ट छात्र के सर्वांगीण प्रदर्शन को पहचानने और संस्थान के साथ श्रीनिवास के जुड़ाव की स्मृति का सम्मान करने के लिए की गई थी। इस वर्ष यह पुरस्कार कबीर कान्हा अरोड़ा को दिया गया।

महिला ऑलराउंडर पुरस्कार

क्वेटज़ल फाउंडेशन द्वारा स्थापित पीजीपी वुमन ऑल राउंडर एक्सीलेंस गोल्ड मेडल, एक उत्कृष्ट महिला छात्र के सर्वांगीण प्रदर्शन को मान्यता देता है। इस वर्ष यह पुरस्कार सृष्टि मांगलिक को दिया गया।

उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार की स्थापना श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा की गई थी। यह उस छात्र को प्रदान किया जाता है जो आईआईएमए में कार्यकाल के दौरान खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। इस वर्ष यह पुरस्कार राधा लाठ गुप्ता को दिया गया। ।

संचालन और निर्णय विज्ञान (ओ. एवं डी.एस.) के लिए प्रोफेसर वी. एल. मोटे पुरस्कार की स्थापना आईआईएमए के पूर्व छात्र दानदाताओं के एक चुनिंदा समूह द्वारा की गई थी। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के संचालन और निर्णय विज्ञान (ओ. एवं डी.एस.) पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। इस वर्ष यह पुरस्कार सिद्धार्थ सहगल को दिया गया।

मार्केटिंग के लिए प्रोफेसर अभिनंदन जैन गोल्ड मेडल उस छात्र को प्रदान किया जाता है जो मार्केटिंग पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। इस वर्ष यह पुरस्कार सारा मेहता को दिया गया।

मार्केटिंग प्रोजेक्ट वर्क के लिए दक्षेश वर्मा स्मृति पुरस्कार की स्थापना आईआईएमए के पूर्व छात्र स्वर्गीय दक्षेश वर्मा के परिवार द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार उन छात्रों को दिया जाता है जो कार्यक्रम के मार्केटिंग प्रोजेक्ट वर्क में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। इस वर्ष यह पुरस्कार कोठारी नमन मिरलभाई और पंक्ति जैन को दिया गया।

सजीव सिरपाल अकादमिक और रचनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार की स्थापना श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में सुश्री कनक सिरपाल (1984) और दोस्तों द्वारा छात्रों के बीच शिक्षाविदों और रचनात्मकता में उत्कृष्टता को पहचानने के लिए की गई थी। इस वर्ष यह पुरस्कार कुशाग्र सचदेवा और नयन चांडक को दिया गया।

हरित तलवार सर्वश्रेष्ठ महिला आउटपरफॉर्मर पुरस्कार की शुरुआत 1985 बैच के स्नातक श्री हरित तलवार द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार कार्यक्रम के पहले वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला आउटपरफॉर्मर को मान्यता देने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार आंचल चड्ढा को दिया गया।

वित्त पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शांतनु अग्रवाल पुरस्कार की स्थापना शांतनु अग्रवाल (पीजीपी 2021) की स्मृति में उनके परिवार, मित्रों और आईआईएमए के पूर्व छात्रों द्वारा की गई थी। इस वर्ष यह पुरस्कार वरुण अग्रवाल को दिया गया।

आईआईएमैवरिक्स की स्थापना सीआईआईई द्वारा की गई थी। इस वर्ष यह पुरस्कार जयंत राणवका को दिया गया।

कॉर्पोरेटों द्वारा स्थापित छात्रवृत्तियाँ

कॉर्पोरेटों द्वारा शीर्ष शिक्षा संस्थानों के छात्रों के लिए प्रवेश योग्यता / योग्यता और साधन / साधन छात्रवृत्ति की स्थापना करते हैं। छात्रवृत्ति के शीर्षक और पुरस्कार विजेता के नाम के विवरण यहाँ प्रस्तुत किए गए हैं:

क्रमांक	छात्रवृत्ति का शीर्षक	पुरस्कार विजेता का नाम	कक्षा	पुरस्कार राशि
	2024-26 बैच			
1	एआरआरए छात्रवृत्ति (रोज़ी ब्लू फाउंडेशन)	जितेश सेठ	पीजीपी I	12,95,000
2	क्लीनमैक्स छात्रवृत्ति	निशांत देवेन्द्र खंडेलवाल	पीजीपी I	12,95,000
3	क्लीनमैक्स छात्रवृत्ति	विवेक राणावत	पीजीपी I	12,95,000
4	क्लीनमैक्स छात्रवृत्ति	व्युष अग्रवाल	पीजीपी I	12,95,000
5	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	एविन पी डेनी	पीजीपी I	12,95,000
6	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	हर्ष डोबल	पीजीपी I	12,95,000
7	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	जितेश अग्रवाल	पीजीपी I	12,95,000
8	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	के.एस. दिव्या प्रिया	पीजीपी I	12,95,000
9	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	कल्पित जैन	पीजीपी I	12,95,000
10	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	नयन कुमार नाहटा	पीजीपी I	12,95,000
11	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	प्रसिद्ध नारायण सौरभ	पीजीपी I	12,95,000
12	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	रीताब्रता दास	पीजीपी I	12,95,000
13	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	सत्यम गुप्ता	पीजीपी I	12,95,000
14	एवरेस्ट फूड पीजीपी छात्रवृत्ति	विराज मोदी	पीजीपी I	12,95,000
15	आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति	अनुषा टिक्खा	पीजीपी I	3,00,000
16	आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति	निखिल पी	पीजीपी I	3,00,000
17	आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति	श्रेष्ठ गौवित थिंडियाथ	पीजीपी I	3,00,000
18	ओपी जिंदल छात्रवृत्ति	यश दीक्षित	पीजीपी I	1,50,000
19	पीएम सिन्हा छात्रवृत्ति	श्रेष्ठ थिंडियाथ	पीजीपी I	1,50,000
20	टी. थॉमस छात्रवृत्ति	शुभम पेरीवाल	पीजीपी I	1,50,000
21	आर्य कृषि किरण छात्रवृत्ति	पूर्णिमा अब्राहम	पीजीपी-एफएबीएम I	7,60,000
	2023-25 बैच			
1	दैनिक भास्कर एमसीएम छात्रवृत्ति	अंजनेय सूद	पीजीपी I	5,00,000
2	दैनिक भास्कर एमसीएम छात्रवृत्ति	प्रणय गोयल	पीजीपी I	5,00,000
3	दैनिक भास्कर एमसीएम छात्रवृत्ति	राजेश कुमार बैरवा	पीजीपी I	5,00,000
4	दैनिक भास्कर एमसीएम छात्रवृत्ति	श्रीवत्स ताम्रकार	पीजीपी I	5,00,000
5	मिराए एसेट फाउंडेशन छात्रवृत्ति	शिवम कुमार	पीजीपी I	5,00,000
6	मिराए एसेट फाउंडेशन छात्रवृत्ति	उमंग त्यागी	पीजीपी I	5,00,000
7	रेवोलुट इरा मेरिट छात्रवृत्ति	अदिति रामकृष्णन	पीजीपी I	5,00,000
8	रिलायंस कैपिटल लिमिटेड एंडोमेंट स्कॉलरशिप	हर्ष दीवान	पीजीपी I	2,50,000
9	रिलायंस कैपिटल लिमिटेड एंडोमेंट स्कॉलरशिप	शाह कुशल रश्मिन	पीजीपी I	2,50,000
10	तेगा इंडस्ट्रीज एंडोमेंट छात्रवृत्ति	सुजीत कुमार मल्लिक	पीजीपी I	2,50,000
11	तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन (टीआरएमएफ) मेरिट-सह-मीन्स छात्रवृत्ति	शुभम अशोकराव शिंदे	पीजीपी I	80,000
12	दैनिक भास्कर एमसीएम छात्रवृत्ति	मीनल यादव	पीजीपी-एफएबीएम I	5,00,000
13	मिराए एसेट फाउंडेशन छात्रवृत्ति	शारदा आर	पीजीपी-एफएबीएम I	5,00,000
14	आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति	अदिति विकास	पीजीपी II	3,00,000
15	आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति	शाश्वत साहू	पीजीपी II	3,00,000
16	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	आदर्श कुमार	पीजीपी II	1,00,000

पूर्व छात्रों और बैचों द्वारा स्थापित छात्रवृत्तियाँ

कई पूर्व छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से और बैचों के माध्यम से जरूरतमंद छात्रों की सहायता के लिए संस्थान को उदारतापूर्वक योगदान दिया है। छात्रवृत्तियों की सूची नीचे दी गई है:

क्रमांक	छात्रवृत्ति का शीर्षक	पुरस्कार विजेता का नाम	कक्षा	राशि
	2024-26 बैच			
1	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट-सह-मीन्स छात्रवृत्ति	बुदिदा शरत कुमार	पीजीपी I	13,25,000
2	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	खुशबू तिवारी	पीजीपी I	13,25,000

3	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	मुन्नूर राहुल	पीजीपी I	13,25,000
4	पीजीपी 1999 'अमित बोर्डिया छात्रवृत्ति'	दिव्यम गोयल	पीजीपी I	12,95,000
5	पीजीपी 1999 'द इलंगो राथिना राज स्कॉलरशिप'	गौरी सेठिया	पीजीपी I	12,95,000
6	पीजीपी 1999 छात्रवृत्ति 'परमवीर सिंह छात्रवृत्ति'	श्रेयांश दुबे	पीजीपी I	12,95,000
7	पीजीपी 1999 छात्रवृत्ति 'सुनील ईश्वर छात्रवृत्ति'	उचित जैन पी	पीजीपी I	12,95,000
8	पी.एच. शाह मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	स्वैन शुभलक्ष्मी दिलीप	पीजीपी I	12,50,000
9	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	श्रीरामन एस पाटकी	पीजीपी-एफएबीएम I	13,25,000
10	प्रदीप एवं शोभा भाष्यम छात्रवृत्ति	पट्टाथिल सुबिन	पीजीपी-एफएबीएम I	6,47,500
11	प्रदीप एवं शोभा भाष्यम छात्रवृत्ति	वंशिका सूद	पीजीपी-एफएबीएम I	6,47,500
	2023-25 बैच			
1	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	गौरव अहलावत	पीजीपी I	11,25,000
2	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	मेहुल शर्मा	पीजीपी I	11,25,000
3	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	शुभम गर्ग	पीजीपी I	11,25,000
4	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	चंद्र मौली द्वारपुरेड्डी	पीजीपी I	8,60,000
5	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	गुडापति अखिल मुरली कृष्ण	पीजीपी I	8,60,000
6	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	हितेश अशोक वंजारी	पीजीपी I	8,60,000
7	दिव्यांग छात्रों के लिए मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	मोहित कुमार पटवारी	पीजीपी I	8,60,000
8	अरविंद नायर और मिमी नायर छात्रवृत्ति	भावना श्रद्धा	पीजीपी I	5,00,000
9	अरविंद नायर और मिमी नायर छात्रवृत्ति	पूनम गंगाधर जगताप	पीजीपी I	5,00,000
10	अरविंद नायर और मिमी नायर छात्रवृत्ति	राजवंत कौर	पीजीपी I	5,00,000
11	1969 बैच एंडोमेंट छात्रवृत्ति	ईश उप्पल	पीजीपी I	5,00,000
12	1969 बैच एंडोमेंट छात्रवृत्ति	इटली अनूप हनमंत	पीजीपी I	5,00,000
13	पीजीपी 2004 बैच और पीजीपी 1 के लिए हिमांशु जोशी छात्रवृत्ति	हेमंत कुमार मेहता	पीजीपी I	2,50,000
14	एसबी डांगयाच पीजीपी 1972 बैच छात्रवृत्ति	अरुण कुमार	पीजीपी I	1,00,000
15	एसबी डांगयाच पीजीपी 1972 बैच छात्रवृत्ति	गौरव जितेन्द्र भुजबल	पीजीपी I	1,00,000
16	अरविंद नायर और मिमी नायर छात्रवृत्ति	यशवी	पीजीपी-एफएबीएम I	5,00,000
17	पी.एच. शाह मेरिट- सह-मीन्स छात्रवृत्ति	ऐश्वर्या राजारामन	पीजीपी II	12,50,000
18	पीजीपी 2001 छात्रवृत्ति निधि	राजेश कुमार बैरवा	पीजीपी II	10,00,000
19	पीजीपी 2001 छात्रवृत्ति निधि	यश	पीजीपी II	5,00,000
20	दीपक गुप्ता मेरिट- सह -मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति	अंजनेय सूद	पीजीपी II	3,00,000
21	दीपक गुप्ता मेरिट- सह -मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति	उमंग त्यागी	पीजीपी II	3,00,000
22	पीजीपी 2004 बैच और पीजीपी 2 के लिए संजीव कुमार छात्रवृत्ति	हेमंत कुमार मेहता	पीजीपी II	2,50,000
23	श्री बी.वी. दोषी एवं श्री आर.बी. दोषी मेमोरियल मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति	आदर्श कुमार	पीजीपी II	1,50,000
24	श्री बी.वी. दोषी एवं श्री आर.बी. दोषी मेमोरियल मेरिट- सह -मीन्स छात्रवृत्ति	अवुतु साई धनुष्का	पीजीपी II	1,50,000
25	पीजीपी 1983 मेरिट- सह -मीन्स छात्रवृत्ति	शिवम कुमार	पीजीपी II	70,000
26	पीजीपी 1983 मेरिट- सह -मीन्स छात्रवृत्ति	हर्षित राव	पीजीपी II	70,000
27	पीजीपी 1983 मेरिट- सह -मीन्स छात्रवृत्ति	ध्रुव राजेश जैन	पीजीपी II	70,000
	2022-24 बैच			
1	पीजीपी 2001 छात्रवृत्ति निधि	अंबर अग्रवाल	पीजीपी II	5,00,000
2	पीजीपी 2001 छात्रवृत्ति निधि	शेलेंदर	पीजीपी II	5,00,000
3	दीपक गुप्ता मेरिट- सह -मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति	दादी विनय वेंकट	पीजीपी II	3,00,000
4	दीपक गुप्ता मेरिट- सह -मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति	कौशल खत्री	पीजीपी II	3,00,000
5	पीजीपी 2004 बैच और पीजीपी 2 के लिए संजीव कुमार छात्रवृत्ति	गंडला गौतम	पीजीपी II	2,50,000
6	पीजीपी 1983 मेरिट- सह -मीन्स छात्रवृत्ति	हेमंत राजा	पीजीपी II	70,000
7	पीजीपी 1983 मेरिट- सह म-मीन्स छात्रवृत्ति	सिद्धांत अग्रवाल	पीजीपी II	70,000
8	पीजीपी 1983 मेरिट- सह -मीन्स छात्रवृत्ति	सोमानी राहुल गोपालकृष्ण	पीजीपी II	70,000
9	श्री बी.वी. दोषी एवं श्री आर.बी. दोषी मेमोरियल मेरिट- सह -मीन्स छात्रवृत्ति	अमित बत्रा	पीजीपी-एफएबीएम II	1,50,000

10	श्री बी.वी. दोषी एवं श्री आर.बी. दोषी मेमोरियल मेरिट- सह -मीन्स छात्रवृत्ति	आशना उपाध्याय	पीजीपी-एफएबीएम II	1,50,000

वित्तीय वर्ष 2024-25 में निम्नलिखित छात्रों को आईआईएमए अक्षय निधि पूर्ण शुल्क और आधा शुल्क छात्रवृत्ति प्रदान की गई:

क्रमांक	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार रु.	क्रमांक	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार रु.
	पीजीपी I 2024-26 बैच			**पीजीपी II 2023-25 बैच**	
1	आदित्य राज	12,95,000	30	रविशंकर सिंह	10,00,000
2	आर्यन रस्तोगी	12,95,000	31	उदयन अग्रवाल	10,00,000
3	दीपक कुमार पंडित	12,95,000	32	विष्णु गोयल	10,00,000
4	जसप्रीत सिंह	12,95,000	33	पारस बोडके	10,00,000
5	सलीहा हानेस वलियारा	12,95,000	34	सिद्धार्थ सिंह पालीवाल	10,00,000
6	समरनाथ रेड्डी मुक्का	12,95,000	35	मुस्कु अजित रेड्डी	10,00,000
7	उत्कर्ष सुनील डांगे	12,95,000	36	कुशाग्र दाश	10,00,000
8	वेंकट रघु चंदन बड़े	12,95,000	37	आदित्य साहू	10,00,000
9	याशिका टिबरेवाल	12,95,000	38	ऋषभ गोयल	5,00,000
10	अग्रवाल निशा मुकेश	6,47,500	39	नयन चांडक	5,00,000
11	आलोक रंजन	6,47,500	40	कबीर कान्हा अरोड़ा	5,00,000
12	आयुष बाहेती	6,47,500	41	सत्यम राज	5,00,000
13	दलाल मैत्री धर्मेशकुमार	6,47,500	42	वीकेआर साईं प्रशांत निखिल वी	5,00,000
14	देविना गुप्ता	6,47,500	43	अभिनव कला	5,00,000
15	गावंडे केतन राजन	6,47,500	44	कंकोटिया सहजकुमार	5,00,000
16	जेफ़री रेयान	6,47,500	45	मुहम्मद हुसैन	5,00,000
17	ज्योतिका दास	6,47,500	46	अक्षित अग्रवाल	5,00,000
18	मयंक अग्रवाल	6,47,500	47	मानसी मेधा	5,00,000
19	नयना नायर	6,47,500	48	अश्मिता गोस्वामी	5,00,000
20	निखिल कोचर	6,47,500	49	श्रंगारिका गुप्ता	5,00,000
21	परवीन	6,47,500	50	प्रियांशु श्रीमाल	5,00,000
22	प्रवीण कुमार महतो	6,47,500	51	दिव्यांश जोशी	5,00,000
23	शैलेश कुमार	6,47,500	52	जोगेन्द्र सियाग	5,00,000
24	श्रुति सिंगी	6,47,500	53	मेहुल अग्रवाल	5,00,000
25	शुभांगी आर्य	6,47,500	54	दिव्या सिंह	3,33,333
26	सौरदीप पोद्दार	6,47,500	55	शुभम पॉल	1,66,667
	पीजीपी-एफएबीएम I 2024-26 बैच			पीजीपी-एफएबीएम II 2023-25 बैच	
27	अनन्या खेतान	12,95,000	56	धनेन्जय यादव	10,00,000
28	जागृति गोयल	6,47,500	57	शुभम कपूर	5,00,000
29	मणिभारती जे	6,47,500	58	अक्षय कुमार कोराडिया	5,00,000

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों (एसएनबीएस को छोड़कर) का सारांश नीचे दिया गया है:

बैचवार प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या:

बैच छात्रवृत्ति	2020-22 बैच	2022-24 बैच	2023-25 बैच	2024-26 बैच	कुल
प्रवेश मेरिट	-	-	3	7	10
प्रवेश एमसीएम*	-	-	29	50	79
एमसीएम*	-	9	27		36
मीन्स	-	1	13	4	18
निकास	1	2	-	-	3
कुल	1	12	72	61	146

* एमसीएम मेरिट सह मीन्स

बैचवार छात्रवृत्ति राशि (रु. लाख में):

बैच छात्रवृत्ति	2020-22 बैच	2022-24 बैच	2023-25 बैच	2024-26 बैच	कुल
प्रवेश मेरिट	-	-	11.00	21.10	32.10
प्रवेश एमसीएम*	-	-	185.00	511.08	696.08

एमसीएम*	-	21.10	114.40	-	135.50
मीन्स	-	2.50	78.65	53.00	134.15
निकास	3.87	9.60	-	-	13.47
कुल	3.87	33.20	389.05	585.18	1011.30

* एमसीएम मेरिट सह मीन्स

पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

	बैच 2025-2027				बैच 2024-2026			
वर्ग	पुरुष	महिला	विपरितलिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरितलिंगी	कुल
सामान्य	110483	68691	6	179180	109902	66710	2	176614
ईडब्ल्यूएस	10142	4227	1	14370	9980	3995	0	13975
एनसी-ओबीसी	32431	14620	1	47052	31829	14180	2	46011
अनुसूचित जाति	14932	6429	0	21361	14815	6348	0	21163
अनुसूचित जनजाति	3796	1701	0	5497	3908	1689	0	5597
विकलांग	887	212	1	1100	892	200	0	1092
ओआईसी*	12	3	0	15	3	0	0	3
एसएनक्यू*	9	10	0	19	9	3	0	12
कुल	172692	95893	9	268594	171338	93125	4	264467
%	64.29	35.70	0.00	100	64.79	35.21	0	100

* प्रवासी भारतीय श्रेणी (ओआईसी) और अधिसंख्य कोटा (एसएनक्यू) - जीमैट स्कोर के माध्यम से

प्राप्त आवेदनों की संख्या, विश्लेषणात्मक लेखन परीक्षण और व्यक्तिगत साक्षात्कार (एडब्ल्यूटी एवं पीआई) के लिए बुलाए गए उम्मीदवार तथा पीजीपी 2025-2027 बैच के लिए एडब्ल्यूटी एवं पीआई में भाग लेने वाले उम्मीदवारों के विवरण

क्रमांक	चरण	लिंग/ कुल	सामान्य श्रेणी			आरक्षित श्रेणी					कुल
			कैट	जीमैट							
				ओआईसी	एसएनक्यू	ईडब्ल्यूएस	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	विकलांग	
1	आईआईएमए में आवेदकों की संख्या	पुरुष	110483	12	9	10142	32431	14932	3796	887	172692
		महिला	68691	3	10	4227	14620	6429	1701	212	95893
		ट्रांस जेंडर	6	0	0	1	1	0	0	1	9
		कुल	179180	15	19	14370	47052	21361	5497	1100	268594
2	साक्षात्कार के लिए चुने गए उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	446	7	9	51	229	117	70	47	976
		महिला	139	3	9	12	89	60	35	7	354
		कुल	585	10	18	63	318	177	105	54	1330
3	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	402	5	8	47	205	97	55	38	857
		महिला	135	3	9	12	84	53	30	7	333
		कुल	537	8	17	59	289	150	85	45	1190

परिशिष्ट बी
खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

पीजीपी-एफ़एबीएम में छात्र

	पीजीपी-एफ़एबीएम I	पीजीपी-एफ़एबीएम II
कार्यक्रम में शामिल हुए	47	45
(-) अलग हुए	01	--
(-) 2024 में पुनः शामिल होने की अनुमति दी गई/कहा गया (एक वर्ष की चिकित्सा छुट्टी)	00	--
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	--	--
2024 में पुनः शामिल होने की अनुमति दी गई	01	--

प्रथम/द्वितीय वर्ष में संख्या	47	45
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	00	शून्य
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	शून्य	शून्य
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
अकादमिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक	शून्य	शून्य
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	शून्य	शून्य
कुल आगे बढ़ाए गए/स्नातक	47	45

पुरस्कार और आईछात्रवृत्तियाँ

बैच 2023-25 से, शैक्षिक प्रदर्शन के लिए संस्थान का स्वर्ण पदक श्री योगेश कुमार आर. को प्रदान किया गया।

सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर पीजीपी-एफ़एबीएम महिला छात्रा

यह पुरस्कार श्रीमती मीनाक्षी माथुर द्वारा अपने दिवंगत पति श्री रतन चंद्र माथुर की स्मृति में शुरू और स्थापित किया गया था, जो वर्ष 1971-72 के दौरान कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम के प्रतिभागी और संस्थान के पूर्वछात्र थे। यह पुरस्कार 2010 से एक निपुण और उत्कृष्ट ऑलराउंडर पीजीपी-एफएबीएम छात्रा (महिला) के लिए शुरू किया गया था, जिसने शैक्षणिक, पाठ्येतर और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो, समाज और अन्य प्रासंगिक पहलुओं में योगदान दिया हो। इस वर्ष यह पुरस्कार सुश्री योगा परमेश्वरी एम. को दिया गया।

अनीता और जगदीश लाल गर्ग: आउटपरफॉर्मर पुरस्कार

आउटपरफॉर्मर पुरस्कार की शुरुआत और स्थापना 2013-15 बैच की पीजीपी-एबीएम पूर्व छात्रा सुश्री गीता गर्ग ने अपने माता-पिता के सम्मान में की थी। इस पुरस्कार में जिस छात्र ने शैक्षणिक और सामान्य खेल गतिविधियों से परे कुछ असाधारण किया है उसे ध्यान में रखा जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री शुभम कपूर को दिया गया।

औद्योगिक छात्रवृत्ति (आई-स्कॉल)

इस छात्रवृत्ति की शुरुआत और स्थापना आईआईएमए में 1982 के एसपीए पूर्व छात्र श्री परमेश शाह द्वारा की गई थी। आई-स्कॉल उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन पर आधारित है। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री योगेश कुमार आर. को दिया गया।

संस्थान छात्रवृत्ति

कक्षा के शीर्ष 5% छात्र (स्वर्ण पदक विजेता सहित) एक प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार के रूप में शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार प्राप्त करने के पात्र होंगे। यह पुरस्कार आईआईएम अहमदाबाद द्वारा कार्यक्रम कार्यकारी समिति के परामर्श से स्थापित किया गया है। कार्यक्रम कार्यकारी समिति समय-समय पर आने वाले मानदंडों के आधार पर अंतिम चयन करती है। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री योगेश कुमार आर. को दिया गया।

स्थानन

पीजीपी-एफएबीएम (खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम) बैच 2023-25 के लिए अंतिम स्थानन प्रक्रिया 06 फरवरी, 2025 को सफलतापूर्वक पूर्ण हो गई। यह प्रक्रिया हाइब्रिड मोड में की गई। एक दिन में स्थानन प्रक्रिया का सफलतापूर्वक पूर्ण होना संस्थान में उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण अनुभव और मजबूत स्थानन प्रक्रिया का प्रमाण है जो भर्तीकर्ताओं और छात्रों दोनों को पर्याप्त लचीलापन प्रदान करती है।

अंतिम स्थानन की तलाश कर रहे एफएबीएम छात्रों को उद्योग और स्थानन प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियों द्वारा अच्छी प्रतिक्रिया मिली। स्थानन में परामर्श, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि-तकनीक, कृषि-आदान, एफएमसीजी खुदरा, कॉमोडिटी ट्रेडिंग और अन्य विभिन्न क्षेत्रों जैसे सभी क्षेत्रों से भूमिकाओं का संतुलन देखा गया।

इस स्थानन प्रक्रिया में अंतिम स्थानन के लिए 35 कंपनियों ने भाग लिया, जिसमें नियमित भर्तीकर्ताओं ने कार्यक्रम में अपने विश्वास की पुष्टि की, जैसे कि अर्न्स्ट एंड यंग, ग्रांट थॉर्नटन, एक्सेंचर, अमूल, पेप्सिको, पीआई इंडस्ट्रीज और गोदरेज एग्रोवेट आदि। कई नए भर्तीकर्ताओं ने भी इस बैच में गहरी रुचि दिखाई, जो वैलेंसी इंटरनेशनल, नोवासोल इंग्रीडिएंट्स, जैन इरिगेशन और पीसीआई इंडिया जैसी उद्योग की दिग्गज कंपनियों की भागीदारी से स्पष्ट देखा जा सकता है।

इस बैच को 3 पार्श्व प्रस्ताव मिले। कुल 12 पूर्व-स्थानन प्रस्ताव दिए गए, जिनमें से 9 प्रस्ताव स्वीकार किए गए।

पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए प्राप्त आवेदन

	बैच 2024-2026				बैच 2023-2025			
वर्ग	पुरुष	महिला	विपरितलिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरितलिंगी	कुल
सामान्य	85347	50582	3	135932	84639	49039	1	133679
ईडब्ल्यूएस	9066	3689	1	12756	8923	3473	0	12396
एनसी-ओबीसी	27670	11999	1	39670	27264	11683	2	38949
एससी	12061	4972	0	17033	11890	4926	0	16816
एसटी	2943	1232	0	4175	2939	1243	0	4182
पीडब्ल्यूडी	659	158	0	817	688	153	0	841
ओआईसी*	1	0	0	1	0	0	0	0
एसएनक्यू*	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	137747	72632	5	210384	136343	70517	3	206863
%	65.47	34.52	0.00	100	65.91	34.09	0	100

* प्रवासी भारतीय श्रेणी (ओआईसी) और अधिसंख्य कोटा (एसएनक्यू) - जीमैट स्कोर के माध्यम से

पीजीपी-एफ़एबीएम 2025-2027 बैच के लिए आवेदनों की संख्या, विश्लेषणात्मक लेखन परीक्षण एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाए गए (एडब्ल्यूटी एवं पीआई) उम्मीदवारों की संख्या और एडब्ल्यूटी एवं पीआई में भाग लेने वाले उम्मीदवारों के विवरण

क्रमांक	चरण	लिंग/ कुल	सामान्य श्रेणी			आरक्षित श्रेणी					कुल
			कैट	जीमैट		ईडब्ल्यूएस	एनसी-ओबीसी	एससी	एसटी	विकलांग	
				ओआईसी	एसएनक्यू						
1	आईआईएमए में आवेदकों की संख्या	पुरुष	85347	1	0	9066	27670	12061	2943	659	137747
		महिला	50582	0	0	3689	11999	4972	1232	158	72632
		विपरितलिंगी	3	0	0	1	1	0	0	0	5
		कुल	135932	1	0	12756	39670	17033	4175	817	210384
2	साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	266	1	0	22	224	117	20	16	666
		महिला	115	0		14	73	43	10	1	256
		कुल	381	1	0	36	297	160	30	17	922
3	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	140	1	0	16	131	50	6	6	350
		महिला	82	0	0	12	52	20	3	0	169
		कुल	222	1	0	28	183	70	9	6	519

परिशिष्ट सी
कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

छात्रों का प्रोफ़ाइल
पीजीपीएक्स 2024-25 : छात्रों का प्रोफ़ाइल
छात्रों की संख्या : 158

मानदंड	औसत
जीमैट (116 छात्र)	697
जीमैट-फोकस (7 छात्र)	642
जीआरई (35 छात्र)	324
कुल कार्य अनुभव	7 वर्ष 6 माह
अंतर्राष्ट्रीय कार्य अनुभव	0 वर्ष 3 माह
31 मार्च, 2024 को औसत आयु	30 वर्ष, 11 माह
पुरुष	117 छात्र (74%)
महिला	41 छात्र (26%)

अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन :

- 3 (2%) अंतर्राष्ट्रीय छात्र हैं। (जर्मनी, नेपाल और संयुक्त राज्य अमेरिका)
- 51 (36.43%) उम्मीदवारों के पास कार्य और अध्ययन के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय अनुभव है।

अकादमिक पृष्ठभूमि :

- 13 (9.28%) ने अपनी डिग्री(याँ) अपने देश से बाहर से प्राप्त की है।
- 12 (8.57%) के पास स्नातक की तुलना में उच्च योग्यता (व्यावसायी, परास्नातक) है।
- 120 (75%) इंजीनियर हैं।
- 29 (20.71%) ने आईआईटी/एनआईटी से स्नातक किया है।

उद्योग मिश्रण में अकादमिक और शिक्षा, विज्ञापन/मीडिया, एयरोस्पेस और विमानन, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा, परामर्श, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा और उपयोगिताएँ, एफएमसीजी,

सरकारी उद्यम, बुनियादी ढांचा और निर्माण, आईटी और आईटीईएस, आईटी उत्पाद, विनिर्माण, एनजीओ, फार्मा/हेल्थकेयर, खुदरा/ईकॉमर्स, शिपिंग, दूरसंचार, यात्रा और आतिथ्य और अन्य शामिल हैं।

उद्योग आवँटन	संख्या	कार्यात्मक आवँटन	संख्या
आईटी उत्पाद	19	इंजीनियरिंग और रखरखाव	17
सरकारी उद्यम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	17	संचालन	14
परामर्श	17	परामर्श	13
विनिर्माण / इंजीनियरिंग	16	वित्त एवं लेखाकरण	12
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	13	सामान्य प्रबंधन	9
ऊर्जा और उपयोगिताएँ	12	बिक्री और विपणन	9
अन्य	11	आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	8
फार्मा / बायो-टेक / हेल्थकेयर / अस्पताल	9	आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	7
रक्षा और सुरक्षा	9	आईटी आधारित संचालन	7
खुदरा / ईकॉमर्स	7	गैर-आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	5
आईटी और आईटीईएस	5	गैर-आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	5
दूरसंचार	3	विपणन	5
कानूनी सेवाएँ	3	खरीद	3
विज्ञापन / संचार / मीडिया / मनोरंजन	3	प्रशासन	2
एफएमसीजी / उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएँ	3	अस्पताल प्रबंधन	2
खाद्यान्न और खाद्य प्रसंस्करण	3	बिक्री प्रशासन	2
एनजीओ और सामाजिक सेवाएँ/एनजीओ	2	गैर-आईटी आधारित संचालन	2
यात्रा और आतिथ्य	2	प्रोग्रामिंग	2
उद्यमिता	1	ईआरपी व्यवसायी	1
शिपिंग / परिवहन / रसद	1	ग्राहक खाता प्रबंधन	1
शैक्षणिक और शिक्षा	1	बार में अभ्यासु वकील	1
एयरोस्पेस और विमानन	1	खाद्य और पेय पदार्थ प्रबंधन	1
		सॉफ्टवेयर रखरखाव	1
		सिस्टम डिजाइनिंग	1
		एच.आर.	1
		भंडार और वस्तु-सूची प्रबंधन	1
		गुणवत्ता आश्वासन/गुणवत्ता नियंत्रण	1
		अन्य	25
कुल	158	कुल	158

नये वैकल्पिक पाठ्यक्रम

पीजीपीएक्स 2024-25 : नये वैकल्पिक पाठ्यक्रम की पेशकश		
क्रमांक	विषय-क्षेत्र	पाठ्यक्रम का नाम
1	संचार	रणनीतिक संचार
2	रणनीति	बढ़ते व्यवसाय का प्रबंधन
3	एफ़. एवं ए.	निवेशों को रहस्यपूर्ण बनाना - निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल फाइनेंसिंग
4	विपणन	विपणन के लिए जेनएआई
5	विपणन	राजस्व नेतृत्व के लिए रणनीतियाँ
6	ओ.बी.	खुशी की खोज: एचईएल सिद्धांतों में महारत हासिल करना
7	रणनीति	व्यवहारिक रणनीति

पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला

वक्ता श्रृंखला पीजीपीएक्स छात्रों की एक ऐसी पहल है, जिसमें वरिष्ठ कॉर्पोरेट अग्रणियों और प्रतिष्ठित नागरिकों को पीजीपीएक्स छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। यह पहल पूरी तरह से पीजीपीएक्स छात्रों द्वारा आयोजित की गई, जिसके तहत 16 वक्ताओं को अपने अनुभव और विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। विवरण इस प्रकार हैं:

क्रमांक	वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी	विषय
1	निशांत प्रधान	मुख्य एआई अधिकारी	मिरा एसेट्स	वित्त में एआई
2	शांति मोहन	संस्थापक और सीईओ	लेट्सवेंचर इंडिया	अदृश्य अवरोध: गैर-मान्यता के क्षेत्र में स्टार्टअप
3	श्री दीपायन चक्रवर्ती	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पार्टनर और एसोसिएट डायरेक्टर	बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप	रणनीति परामर्श में एआई
4	सुश्री राधिका गुप्ता	सीईओ और एमडी	एडलवाइस म्यूचुअल फंड	फायरसाइड चैट
5	श्री दुष्यंत पांडा	एसएमई व्यवसाय और विपणन के वरिष्ठ निदेशक	रेजरपे	विपणन त्रिमूर्ति: उत्पाद विपणन, विकास, मुद्रीकरण
6	पीटर एल्बर्स	सीईओ	इंडिगो एयरलाइंस	इंडिगो की अभूतपूर्व यात्रा| कैसे भारतीय विमानन देश को पंख दे रहा है
7	पंकज राय	समूह मुख्य डेटा और विश्लेषण अधिकारी	आदित्य बिड़ला ग्रुप	डेटा के साथ रणनीतिक योजना
8	ऋषभ तेलंग	संस्थापक	कल्ट फिट	आइडिया से लेकर भारत की सबसे बड़ी फिटनेस श्रृंखला तक
9	अजय पिरामल	पिरामल ग्रुप	अध्यक्ष	बदलती दुनिया में शाश्वत मूल्य
10	सोमनाथ मेहर	महाप्रबंधक	जिंगा	उत्पाद प्रबंधन
11	श्रीकांत मेनन	ग्लोबल एआई लीड	जेनपैक्ट	वैश्विक एआई अर्थव्यवस्था को आकार देना
12	क्रिस्टोफर गेइर	सीईओ	सिकिच	बड़े पैमाने पर नेतृत्व: विकास की यात्रा
13	मोहुआ सेनगुप्ता	भारत प्रमुख	नोवार्टिस	फार्मा में कॉर्पोरेट रणनीतियाँ
14	उदित गोयल	सीओओ	गूगल क्लाउड इंडिया	रणनीति, बिक्री और स्टार्टअप
15	प्रशांत वारियर	सह-संस्थापक एवं सीईओ	क्यूरेडॉटएआई	उद्यमशीलता
16	सुनीता लाल	सीएचआरओ	एथर इलेक्ट्रिक	डिजिटल युग की जन संस्कृति का निर्माण

पीजीपीएक्स छात्र गतिविधियाँ

टी-नाइट: इस कार्यक्रम के दौरान पीजीपीएक्स का योगदान और प्रतिभा चरम पर थी, जिसमें बैच ने बड़े पैमाने पर भागीदारी और सौहार्दपूर्ण माहौल देखा। बैच ने अपार शक्ति और विशेषता का प्रदर्शन किया, जिससे एक्स19 से जुड़ाव की भावना बढ़ी।

जुबेरेंस 2024: जुबेरेंस 2024-25 पीजीपीएक्स की वार्षिक अनुभागीय जंग: पीजीपीएक्स की सांस्कृतिक समिति ने जुबेरेंस 2024-25 के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के तहत नृत्य, फैशन शो, डंब शराड, संगीत आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में बैच के भीतर कला के विभिन्न रूपों में बहुमुखी प्रतिभाओं का उदय हुआ।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र बैठक-एक्स्प्रेशन 2025: आईआईएम अहमदाबाद में वार्षिक पीजीपीएक्स पूर्व छात्र सम्मेलन एक्सप्रेशन्स 25 एक जीवंत दो दिवसीय कार्यक्रम था, जहाँ साठ से अधिक पूर्व छात्र और उनके परिवार पुरानी यादों को ताजा करने, अनुभवों का आदान-प्रदान करने, वर्तमान बैच का मार्गदर्शन करने और व्यवसायी नेटवर्क को मजबूत करने के लिए एकत्र हुए। इन दो दिनों के दौरान, विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं जैसे कि आईआईएमए की अकादमिक उत्कृष्टता की विरासत को दर्शाती हुई केस अध्ययन मास्टरक्लास, हेरिटेज वॉक, शाम का सांस्कृतिक कार्यक्रम, छात्रावास सभा, जहाँ पूर्व छात्र पुरानी दोस्ती को फिर से जगाते हैं और अपने छात्र दिनों को याद करते हैं, उच्च ऊर्जा वाले खेल कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रदर्शन, संवादात्मक कार्यशालाएँ, पूर्व छात्र उद्योग अंतर्दृष्टि साझा करते हैं और छात्रों को मार्गदर्शन देते हैं। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण और हैम्पर्स समारोह के साथ हुआ, जिसने समारोह में उत्सव का माहौल पैदा कर दिया। एक्सप्रेशन25 ने सभी उपस्थित लोगों के लिए एक समृद्ध अनुभव प्रदान किया, गहरे संबंधों को बढ़ावा दिया और आईआईएमए पीजीपीएक्स पूर्व छात्र नेटवर्क की ताकत को मजबूत किया।

एकत्व 2025: सहयोग और प्रतिस्पर्धा का उत्सव: एकत्व का उद्घाटन संस्करण 1 व 2 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया था, जिसकी संकल्पना देश के प्रमुख भारतीय प्रबंध संस्थानों (आईआईएम) में एक वर्षीय एमबीए कार्यक्रमों के लिए भारत के सबसे बड़े नेटवर्किंग उत्सव के रूप में की गई थी। आईआईएम अहमदाबाद, बैंगलोर, कलकत्ता, लखनऊ और इंदौर के 125 से अधिक प्रतिभागियों को एक साथ लाकर, एकत्व ने प्रतिस्पर्धा, सहयोग और संपर्क के लिए एक गतिशील मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम में 20 से अधिक खेल मैच, 10 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम और आधा दर्जन रणनीतिक खेल आयोजित किए गए, जिसमें प्रतिभागियों ने उच्च ऊर्जा भरे वातावरण में भाग लिया, जिससे सौहार्द और व्यवसायी आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला। एकत्व के पीछे दोहरा दृष्टिकोण था - एक साझा स्थान बनाना जहाँ एक वर्षीय एमबीए समूह एक-दूसरे की विविध अंतर्दृष्टि, व्यवसायी विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं का लाभ उठा सकें, और भारत में तेजी से बढ़ते एक वर्षीय एमबीए पारिस्थितिकी तंत्र के लिए दृश्यता बढ़ा सकें। एकत्व 2025 ने सफलतापूर्वक एक व्यापक अंतर-आईआईएम कार्यक्रम की नींव रखी है - जो इन प्रतिष्ठित संस्थानों में एमबीए अनुभव का एक अभिन्न अंग बनने के लिए तैयार है।

एक्सेलरेट- "आईआईएमए पीजीपीएक्स अखिल भारतीय ऑनलाइन केस प्रतियोगिता"

- पीजीपीएक्स के छात्रों ने अनस्टॉप पर एक्सेलरेट नाम से पहली बार अखिल भारतीय केस प्रतियोगिता आयोजित की। यह भावी एमबीए उम्मीदवारों के लिए लक्षित थी और इसमें आईआईएमए के एक प्रोफेसर द्वारा एक मास्टरक्लास भी शामिल था, जिसमें दिखाया गया कि कक्षा में किसी केस का विश्लेषण कैसे किया जाता है।
- यह प्रतिभागियों की रणनीतिक सोच, समस्या-समाधान और व्यावसायिक कौशल का परीक्षण करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की केस प्रतियोगिता थी।

परिशिष्ट डी
उन्नत व्यवसाय विश्लेषिकी में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए)

ईपीजीडी-एबीए 2024-25 : बैच प्रोफाइल

छात्रों की संख्या	39
औसत कार्य अनुभव	7 वर्ष और 2 महीने
औसत आयु	30 वर्ष और 5 महीने
महिला छात्रों की संख्या	6

उद्योग आवँटन	संख्या
आईटी और आईटीईएस	3
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	9
आईटी उत्पाद	3
खुदरा / ईकॉमर्स	2
परामर्श	8
ऊर्जा और उपयोगिताएँ	2
विनिर्माण / इंजीनियरिंग	3
एफएमसीजी / उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएँ	1
दूरसंचार	1
एकल स्वामित्व/पारिवारिक व्यवसाय	1
लदान (शिपिंग)/परिवहन/रसद	1
अन्य	5
कुल	39

कार्यात्मक आवँटन	संख्या
परामर्श	8
आईटी आधारित संचालन	6
आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	2
संचालन	2
इंजीनियरिंग और रखरखाव	2
प्रशासन/सामान्य प्रबंधन	1
बिक्री एवं विपणन	4
प्रोग्रामिंग	2
गैर-आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	1
आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	1
शिक्षक/प्रशिक्षक/व्याख्याता/प्रोफेसर	1
अन्य	9
कुल	39

ईपीजीडी-एबीए 2025-26 : बैच प्रोफाइल

छात्रों की संख्या	48
औसत कार्य अनुभव	6 वर्ष
औसत आयु	30 वर्ष और 6 महीने
महिला छात्रों की संख्या	15

उद्योग आवँटन	संख्या
आईटी और आईटीईएस	11
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	5
आईटी उत्पाद	9
खुदरा/ईकॉमर्स	6
परामर्श	2
विनिर्माण/इंजीनियरिंग	3
फार्मा/बायो-टेक/हेल्थकेयर/अस्पताल	3
अकादमिक/एडटेक	1
एफएमसीजी/उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएँ	1
सरकारी उद्यम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	1
दूरसंचार	1
अन्य (सामान्य प्रबंधन, प्रशासन आदि)	5
कुल	48

कार्यात्मक आवँटन	संख्या
परामर्श	6
आईटी आधारित संचालन	4
आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	6
गैर-आईटी आधारित संचालन	1
इंजीनियरिंग और रखरखाव	4
बिक्री एवं विपणन	7
प्रोग्रामिंग	2
वित्त और लेखा	1
सिस्टम डिजाइनिंग	2
आईटी-आधारित परियोजना प्रबंधन	2
गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण	2
अन्य (प्रशासन, ग्राहक खाता प्रबंधन, सामान्य प्रबंधन और बीमा आदि)	11
कुल	48

वक्ता श्रृंखला

क्रमांक	वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी	विषय
1	श्री रजित भट्टाचार्य	संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी	डेटा सूत्रम	रणनीति विश्लेषिकी (वैकल्पिक) पाठ्यक्रम के भाग के रूप में।
2	सुश्री प्रेरणा मुखारया	संस्थापक	आउटलाइन इंडिया	

वक्ता सत्र (वक्ता श्रृंखला समिति द्वारा आयोजित)

1	श्री पराग पाटणकर	सह-संस्थापक और सीटीओ	कॉवैलेंट कैपिटल	एंटरप्राइज़ एनालिटिक्स: होना या करना
2	डॉ. स्वाति जैन	पार्टनर	डेलोइट इंडिया	एनालिटिक्स और एआई की शक्ति को अनलॉक करना - वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में विविध अनुप्रयोग
3	सुश्री सोनल कालबांडे	प्रधान सलाहकार डेटा और एआई	न्यूडेसिक	उत्तरदायी एआई: नैतिक विचार और सर्वोत्तम अभ्यास
4	श्री सौरभ अग्रवाल	सीईओ	डीएआईओएम	सीखने से लेकर नेतृत्व तक: अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए एनालिटिक्स का उपयोग करना
5	श्री भरत बेलवाडी	वरिष्ठ निदेशक एवं भारत प्रमुख, एडवांस एनालिटिक्स कार्यालय	वेस्टर्न डिजिटल	एआई, बिग डेटा और क्लाउड पर पैनल चर्चा: व्यावसायिक परिचालन में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बढ़ावा देना
6	सुश्री ईशु जैन	एवीपी-एनालिटिक्स	स्विगी	
7	श्री ध्रुव रस्तोगी	वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं डेटा विज्ञान प्रमुख	मेडी असिस्ट	
8	श्री कमल दास	डीन	वाधवानी सरकारी डिजिटल परिवर्तन केंद्र	सार्वजनिक भलाई के लिए एआई: भारत किस प्रकार नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एआई का उपयोग कर रहा है
9	श्री आशीष सिंह	डेटा इंजीनियरिंग के वरिष्ठ निदेशक	आईडेक्सेल	डेटा फ़ैब्रिक का विकास: डेटाबेस से क्लाउड तक, बिग डेटा रियल-टाइम एनालिटिक्स - 20 साल की यात्रा और उससे आगे
10	डॉ. अनीश अग्रवाल	डेटा एवं एनालिटिक्स के वैश्विक प्रमुख	डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज लिमिटेड	फार्मास्युटिकल्स में बड़े पैमाने पर परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्नत व्यावसायिक विश्लेषण और एआई का लाभ उठाना: प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक दृष्टिकोण से अंतर्दृष्टि
11	डॉ. एनआर श्रीनिवास राघवन	टाक्स्र्या के संस्थापक और मानद प्रोफेसर	मैनचेस्टर विश्वविद्यालय	एआई और डेटा की परिवर्तनकारी शक्ति: प्रबंधकीय सफलता के लिए सबक
12	डॉ. मनीष गुप्ता	प्रधान निदेशक	माइक्रोसॉफ्ट इंडिया	व्यवसाय परिवर्तन के लिए जेनएआई की क्षमता का अनावरण
13	डॉ. शैलेश कुमार	मुख्य डेटा वैज्ञानिक	रिलायंस जियो	डेटा-रिच से एआई-फ़र्स्ट तक: आधुनिक उद्यमों की अपरिहार्य यात्राएं
14	डॉ. गीता मंजूनाथ	संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी	निरामाई	शीघ्र निदान और बेहतर रोगी परिणामों के लिए एआई और एनालिटिक्स का लाभ उठाना
15	श्री रवि विजयराघवन	वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुख्य डेटा एनालिटिक्स अधिकारी	फ्लिपकार्ट समूह	भारत में ई-कॉमर्स के लिए डेटा विज्ञान और जनरेटिव एआई
16	सुश्री मातंगी श्री रामचंद्रन	मुख्य डेटा अधिकारी	युबी	डेटा-संचालित संगठन का निर्माण: सफलता के लिए चुनौतियां, टीमें और संस्कृति
17	श्री अनंत विजय सिंह	उत्पाद टीम लीड	प्रोटॉन	उपभोक्ता उत्पादों में एलएलएम का उपयोग
18	श्री श्रीराम वेंकटेश्वरन	एपीएसी प्रमुख-डेटा और एनालिटिक्स सेवाएं	गूगल	आधुनिक आपूर्ति श्रृंखला में डेटा और एआई की परिवर्तनकारी शक्ति
19	श्री. वीरेंद्रसिंह गोहिल	निदेशक, सीआईओ आर्किटेक्चर और एआई एवं जनरल एआई सीओई के प्रमुख	बीएनपी परिबास आईएसपीएल	जनरेटिव एआई: बैंकिंग और उससे आगे का बदलाव
20	श्री पंकज कुमार	डेटा विज्ञान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष	जैस्पर कोलिन	एआई स्वचालन: बुद्धिमान प्रणालियों के साथ व्यवसाय परिवर्तन

वक्ता सत्र (ईपीजीडी-एबीए कार्यालय द्वारा आयोजित)

क्रमांक	वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी	विषय
1	डॉ. सुभादीप बंद्योपाध्याय	प्रधान डेटा वैज्ञानिक	एरिक्सन	दूरसंचार में एनालिटिक्स और डेटा विज्ञान: एक उदाहरण केस अध्ययन

परिशिष्ट ई
प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम

डीपीएम थीसिस

क्रमांक	नाम	विशेषज्ञता का विषय-क्षेत्र	थीसिस सलाहकार समिति
1	अहमद अशहर	विपणन	अरविंद सहाय (सह-अध्यक्ष)
			रजत शर्मा (सह-अध्यक्ष)
			प्रोमिला अग्रवाल
2	अक्षय ज्योतिराम अय्यर	विपणन	अद्रिजा मजूमदार (सह-अध्यक्ष)
			अनुज कपूर (सह-अध्यक्ष)
			सौरव कुमार बोरा
3	अनाम चौधरी	खाद्य एवं कृषि व्यवसाय	रजत शर्मा (अध्यक्ष)
			विद्या वेमिरेड्डी
			अमनदीप धीर
4	अपर्णा कंसल	विपणन	सौरव बोरा (अध्यक्ष)
			अद्रिजा मजूमदार
			स्वानंद देवधर

5	अरीबा आरिफ	सार्वजनिक प्रणालियाँ	राम मोहन तुरागा (अध्यक्ष)
			जॉर्ज कंडाथिल
			राकेश बसंत
			दिलीप मावलंकर
6	अथी कार्तिक वी	विपणन	अरुण श्रीकुमार (अध्यक्ष)
			अक्षया विजयलक्ष्मी
			सरवणन जयकुमार
7	भानु प्रताप सिंह चौधरी	खाद्य एवं कृषि व्यवसाय	आनंद कुमार जायसवाल (अध्यक्ष)
			रजत शर्मा
			विद्या वेमिरेड्डी
8	ध्रुवेन राजेश जोला	सूचना प्रणाली	स्वानंद देवधर (अध्यक्ष)
			सम्राट गुप्ता
			अद्रिजा मजूमदार
9	दिब्येंदु शर्मा	रणनीति	अमित कर्ण (अध्यक्ष)
			के वी गोपाकुमार
			मुकेश सूद
			शमीन प्रशांतम
10	जननी रंगन	अर्थशास्त्र	अभिमान दास (अध्यक्ष)
			संकेत महापात्रा
			पृथा देव
			रेटो फोएल्मी
11	निकिता गुप्ता	खाद्य एवं कृषि व्यवसाय	रंजन कुमार घोष, सह-अध्यक्ष
			पूर्णिमा वर्मा, सह-अध्यक्ष
			सचिन जायसवाल
			गोपीनाथ मुनिसामी
12	नितिका अरोड़ा	संगठनात्मक व्यवहार	प्रेमिला डीक्रूज़ (अध्यक्ष)
			अर्नेस्टो नोरोन्हा
			परविंदर गुप्ता
13	प्रहर्षिता कृष्णा	सूचना प्रणाली	इंद्रनील बोस (सह-अध्यक्ष)
			अद्रिजा मजूमदार (सह-अध्यक्ष)
			सम्राट गुप्ता
14	प्रणुषा कुलकर्णी	सार्वजनिक प्रणालियाँ	अनीश सुगाथन (अध्यक्ष)
			राम मोहन तुरागा
			अर्नेस्टो नोरोन्हा
			जोहान्स उर्पेलैनेन
15	प्रिया	रणनीति	अमित कर्ण (अध्यक्ष)
			अंकुर सरीन
			राकेश बसंत
16	रिया रे	संगठनात्मक व्यवहार	नेहारिका वोहरा (अध्यक्ष)
			कीर्ति शारदा
			आदित्य मोसेस
17	संतोष विश्वनाथ गेदाम	सार्वजनिक प्रणालियाँ	अंकुर सरीन (अध्यक्ष)
			राम मोहन तुरागा
			शरत्चंद्र लेले
18	सोनी पार्थ तुषारभाई	शिक्षा में नवाचार और प्रबंधन	कथन शुक्ला (अध्यक्ष)
			विशाल गुप्ता
			धीमान भद्र
19	सुमित चक्रवर्ती	रणनीति	चित्रा सिंगला (अध्यक्ष)
			मयंक वार्ष्णेय
			मोहम्मद फौद
20	सुरुचि सिंह	खाद्य एवं कृषि व्यवसाय	विद्या वेमिरेड्डी (अध्यक्ष)
			आनंद कुमार जायसवाल
			रजत शर्मा
21	वीके साई सिद्धार्थ	विपणन	सौरव कुमार बोरा (सह-अध्यक्ष)
			अरविंद सहाय (सह-अध्यक्ष)
			अनुज कपूर
22	विकास कुक्ष्य	संचालन एवं निर्णय विज्ञान	अर्नब कुमार लाहा (अध्यक्ष)
			संजय वर्मा
			धीमान भद्र

सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार

1. सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध के लिए प्रोफेसर तीरथ गुप्ता मेमोरियल पुरस्कार

छात्र का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार राशि (₹)
प्रहर्षिता कृष्णा	ओपन-सोर्स समुदायों में डेवलपर व्यवहार को समझना: एक विश्लेषिकी परिप्रेक्ष्य	50,000/-
अथी कार्तिक वी	प्रोसोशल निर्णयों पर भाषाई रूपरेखा का प्रभाव	50,000/-

2. शोध प्रबंध प्रस्ताव के लिए भारतीय औद्योगिक वित्त कॉरपोरेशन पुरस्कार (आईएफ़सीआई)

छात्र का नाम	शोध प्रबंध प्रस्ताव का शीर्षक	पुरस्कार राशि (₹)
दिव्यांशु जैन	प्रौद्योगिकी सक्षम निर्णय-प्रक्रिया और मानव व्यवहार	50,000/-
संजय कुमार जैन	बीमा क्षेत्र में जलवायु जोखिम के निहितार्थ पर निबंध	50,000/-

3. प्रथम वर्ष में शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चौधरी-पद्मनाभन-पंत पुरस्कार

छात्र का नाम	पुरस्कार राशि (₹)
साग्निक सरकार	50,000/-

सम्मेलन/डॉक्टरल संगोष्ठी/छात्रों द्वारा कंसोर्टियम की भागीदारी / शोध पत्र प्रकाशन

सम्मेलन	
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	28
घरेलू सम्मेलन	29
कुल सम्मेलन	57
कुल छात्र शामिल हुए	40
डॉक्टरल संगोष्ठी/कंसोर्टियम	
कुल डॉक्टरल संगोष्ठी	7
कुल छात्र शामिल हुए	7

शोध पत्र प्रकाशन	
कुल प्रकाशित शोधपत्र	10 (बी - 8, सी - 2)
शामिल छात्रों की कुल संख्या	10

हमारे डॉक्टरेट छात्रों को बाहरी अनुसंधान पुरस्कार भी प्राप्त हुए, जिनमें डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए फुलब्राइट फेलोशिप और प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और बिजनेस स्कूलों में अनुसंधान पद शामिल हैं।

परिशिष्ट एफ़
स्नातकोत्तर और डॉक्टरल कार्यक्रम : छात्र संख्या (आवासीय कार्यक्रम)

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम	कुल
2015-16	790	92	85	80	1047
2016-17	790	92	90	85	1057
2017-18	788	91	115	95	1089
2018-19	792	91	137	110	1130
2019-20	785	91	140	109	1125
2020-21	774	93	140	117	1124
2021-22	776	94	136	118	1124
2022-23	786	94	140	103	1123
2023-24	802	92	147	104	1145
2024-25	804	92	158	107	1161

परिशिष्ट जी
स्थानन

1. पीजीपी
स्थानन के लिए प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियाँ

एनाकिन	अरविंद स्मार्टस्पेस	बैंक ऑफ इंडिया	क्लेपॉन्ड कैपिटल	कोरोमंडल इंटरनेशनल	क्रेडिला
क्रिसिल	एवरस्टोन कैपिटल	ईएक्सएल डिजिटल	जनरल अटलांटिक	हेलियन इंडिया	हाईलैब्स
इंटेग्रो एसेट मैनेजमेंट	जैस्पर कॉलिन	क्रेडिटबी	एलएंडटी फाइनेंस	मैनकाइंड फार्मा	प्लक
पर्पल	सनास	शोटाइम कंसल्टिंग	ट्रायंज	वीहेरे इंटरएक्टिव	

बैच प्रोफाइल

शैक्षिक पृष्ठभूमि	
प्रकार्य	छात्रों के प्रतिशत %
इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी/ विनिर्माण	37
आईटीईएस	16
बीएफएसआई	13
परामर्श	13
अन्य	21
कार्य अनुभव	
अवधि	छात्रों के प्रतिशत %
बिना अनुभव	23
0 - 1 वर्ष	12
1 - 2 वर्ष	26
2 - 3 वर्ष	21
3+ वर्ष	18

प्रस्ताव स्वीकृति	
समूह	स्वीकृति
समूह 1	118
समूह 2	49
समूह 3	58
पीपीओ	122

पार्श्विक	48
कुल	395

क्षेत्र/कार्य-वार स्थानन-2025

क्षेत्र/कार्य	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत
व्यवसाय विकास	8	2.03%
परामर्श	163	41.27%
वित्त	83	21.01%
सामान्य प्रबंधन	39	9.87%
विपणन/बिक्री	38	9.62%
संचालन	12	3.04%
उत्पाद/श्रेणी प्रबंधन	24	6.08%
रणनीति	20	5.06%
प्रणाली/आईटी	7	1.77%
अन्य	1	0.25%
कुल	395	100 %

* नोट-वर्ष 2024-25 के लिए स्थानन आंकड़े अलेखापरीक्षित हैं, और इसीलिए परिवर्तन के अधीन हैं।

सभी क्षेत्रों में प्रस्ताव की सचित्र प्रस्तुति

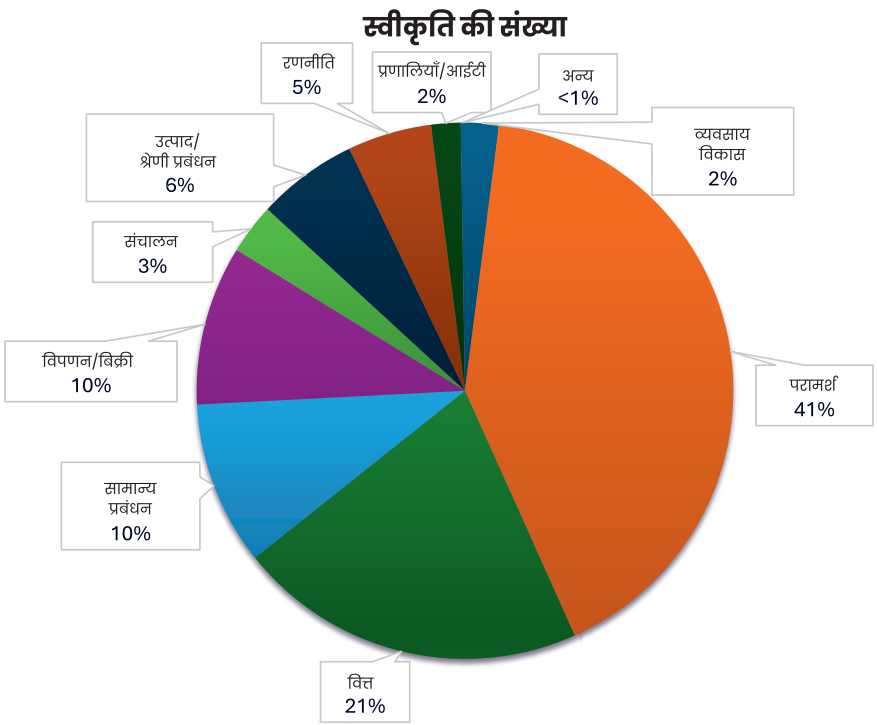

पिछले तीन वर्षों के क्षेत्र/कार्य-वार स्थानन रूझान

कार्य/वर्ष	2025		2024		2023	
	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत
व्यवसाय विकास	8	2.03%	3	0.78%	-	-
परामर्श	163	41.27%	169	43.67%	208	54.03%
वित्त	83	21.01%	69	17.83%	49	12.73%
सामान्य प्रबंधन	39	9.87%	45	11.63%	39	10.13%
विपणन/बिक्री	38	9.62%	47	12.14%	27	7.01%
संचालन	12	3.04%	4	1.03%	4	1.04%

उत्पाद/श्रेणी प्रबंधन	24	6.08%	30	7.75%	47	12.21%
रणनीति	20	5.06%	16	4.13%	6	1.56%
प्रणाली/आईटी	7	1.77%	2	0.52%	-	-
अन्य	1	0.25%	2	0.52%	5	1.29%
कुल	395	100%	387	100%	385	100%

* वर्ष 2023 के आंकड़े लेखापरीक्षित हैं, जबकि वर्ष 2024 और 2025 के लिए दर्शाए गए स्थानन के आँकड़े और प्रतिशत लेखापरीक्षित नहीं हैं और इसलिए परिवर्तन के अधीन हैं।

कार्य वार शीर्ष भर्तीकर्ता - 2025

क्रमांक	क्षेत्र	भर्तीकर्ता	स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	स्वीकृति का कुल प्रतिशत % (395)
1	परामर्श	बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप	33	8.4%
		एक्सेंचर स्ट्रैटेजी	28	7.1%
		मैककिन्से एंड कंपनी	15	3.8%
		बैन एंड कंपनी	14	3.5%
		शोटाइम कंसल्टिंग	8	2.0%
2	वित्त	अमेरिकन एक्सप्रेस	15	3.8%
		फ़िनआईक्यू कंसल्टिंग	13	3.3%
		गोल्डमैन सैक्स	7	1.8%
		एवेंडस कैपिटल	5	1.3%
3	सामान्य प्रबंधन	मैनकाइंड फार्मा	5	1.3%
		ज़ोमैटो	5	1.3%
		टाटा प्रशासनिक सेवाएँ (टीएएस)	4	1.0%
4	विपणन	यूनाइटेड ब्रुअरीज	6	1.5%
		ब्लूस्टोन ज्वैलरी	4	1.0%
		हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड	3	0.8%
		आईटीसी लिमिटेड	3	0.8%
5	उत्पाद/श्रेणी प्रबंधन	न्यूजेन सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	5	1.3%
		एडोब	2	0.5%
		ब्राउज़रस्टैक	2	0.5%

ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्रवार वितरण

क्रमांक	क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
1	बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई)	83 (21%)
2	कंपनियों का संगठन	28 (7%)
3	परामर्श	156 (40%)
4	उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएँ	8 (2%)
5	उपभोक्ता वस्तुएँ (एफएमसीजी)	45 (11%)
6	उपभोक्ता सेवाएँ	5 (1%)
7	इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी	7 (2%)
8	पर्यावरण एवं ऊर्जा	3 (1%)
9	खाद्य प्रसंस्करण	1 (<1%)
10	सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	17 (4%)
11	विनिर्माण	16 (4%)
12	मीडिया और मनोरंजन	1 (<1%)
13	खुदरा	2 (1%)
14	फार्मास्युटिकल हेल्थकेयर	16 (4%)
15	सामाजिक उद्यम और एनजीओ	6 (2%)
	स्थाननकृत छात्रों की कुल संख्या	394

नोट - यहाँ दिखाए ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रस्ताव के प्रतिशत लेखापरीक्षित हैं।

2. पीजीपी-एफ़एबीएम

स्थानन पूल का वर्गीकरण

पीजीपी-एफ़एबीएम बैच की कुल संख्या	45
संस्थान के माध्यम से स्थानन के लिए पात्र छात्रों की कुल संख्या	44
संस्थान के माध्यम से स्थानन नहीं चाहने वाले छात्रों की संख्या	1
स्थानन प्रक्रिया से गुजरने वाले छात्रों की संख्या	44
प्रस्ताव पाने वाले छात्रों की संख्या	44

सभी क्षेत्रों में प्रस्ताव

क्षेत्र	स्वीकृति की संख्या	प्रतिशत
कृषि आदान	4	9%
बीएफएसआई	1	2%
कृषि तकनीक	2	4.5%
विनिर्माण	2	4.5%
कमोडिटी ट्रेडिंग	2	4.5%
परामर्श	11	25%
ईएसजी	2	4%
एफएमसीजी	10	23%
खाद्य प्रसंस्करण	6	14%
ई-कॉमर्स	1	2%
अन्य	3	7%
कुल योग	44	100%

नोट: वर्ष 2025 के लिए दिखाई गई स्थानन संख्या और प्रतिशत अलेखापरीक्षित हैं और इसीलिए परिवर्तन के अधीन हैं।

सभी क्षेत्रों में प्रस्ताव की सचित्र प्रस्तुति:

स्वीकृति की संख्या (2025)

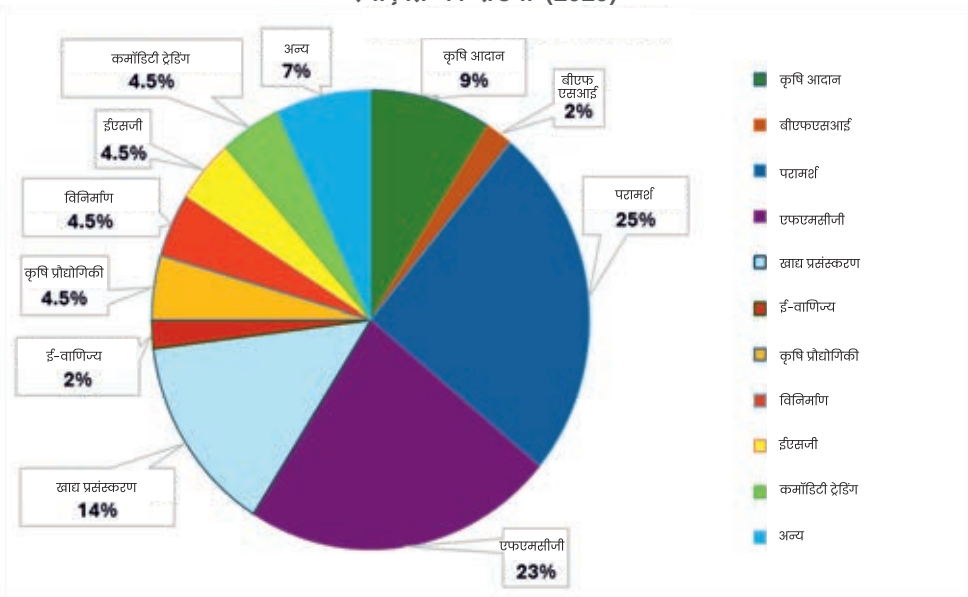

स्थानन के लिए प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियाँ

वैलेंसी इंटरनेशनल	नोवासोल इनग्रेडियेंट्स
जैन इरिगेशन	पीसीआई इंडिया
मिडलैंड माइक्रोफाइनेंस	नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड
आशीर्वाद बाय एलियाक्सिस	

संपूर्ण स्थानन पूल का वर्गीकरण

श्रेणियाँ	संख्या
1. कुल बैच संख्या	47
1ए. ग्रीष्मकालीन स्थानन में उपस्थित रहने के पात्र कुल छात्र	47
1बी. ग्रीष्मकालीन स्थानन में उपस्थित नहीं रहने के पात्र कुल छात्र	0
2. संस्थान के माध्यम से इंटर्नशिप चाहने वाले छात्र	47
3. संस्थान की स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से इंटर्नशिप नहीं चाहने वाले छात्र	0
3ए. एंत्रे फेयर के माध्यम से इंटर्नशिप चाहने वाले छात्र	0
3बी. उद्यमिता विकल्पों को आज़माना चाहने वाले छात्र	0
3सी. अन्य स्रोतों के माध्यम से ऑफ-कैंपस इंटर्नशिप चाहने वाले छात्र	0

क्षेत्र के आधार पर इंटर्नशिप का वर्गीकरण

क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
कृषि आदान	10
कृषि तकनीक	2
पेय पदार्थ	1
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई)	4
कमोडिटी ट्रेडिंग	2
परामर्श	7
पर्यावर्ण एवं ऊर्जा	3
ईएसजी	2
उपभोक्ता वस्तुएँ (एफएमसीजी)	11
खाद्य प्रसंस्करण	2
अन्य*	3
कुल योग	47
अन्य (रियल एस्टेट शामिल)	1
कुल योग	45

* अन्य में सस्टेनेबिलिटी टेक-2 और एंटरप्रेन्योरशिप एक्सेलेरेटर/गैर-लाभकारी-1 शामिल हैं।
नोट - वर्ष 2024 के लिए दिखाई गई स्थानन संख्या लेखापरीक्षित हैं।

3. पीजीपीएक्स

पीजीपीएक्स स्थानन पूल का वर्गीकरण

श्रेणियाँ	संख्या
1. स्थानन के पात्र कुल छात्र	158
2. संस्थान के माध्यम से स्थानन नहीं चाहने वाले छात्र	
2ए. कंपनी द्वारा प्रायोजित अथवा पहले से ही नियुक्त अथवा अध्ययन-प्रोत्साहित	9
2बी. शिक्षा जारी रखने वाले	0
2सी. नौकरी की खोज स्थगति करने वाले/स्थानन अवकाश चाहने वाले	0
2डी. उद्यमिता (नया व्यवसाय शुरू करना)	4
2ई. वापस पारिवारिक व्यवसाय/ पहले वाली कंपनी से जुड़ने वाले	0
2एफ़. कैंपस स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहकर स्थानन चाहने वाले	5
3. संस्थान के माध्यम से स्थानन चाहने वाले कुल छात्र	140
4. स्वीकृत कुल प्रस्ताव	131
5. प्रक्रियारत छात्र (20 मई 2025 के अनुसार)	09

नोट : आईपीआरएस लेखा परीक्षा प्रगति पर है और शीघ्र ही इसकी रिपोर्ट प्रकाशित की जाएगी।

4. प्रबंधन में डॉक्टरल कार्यक्रम

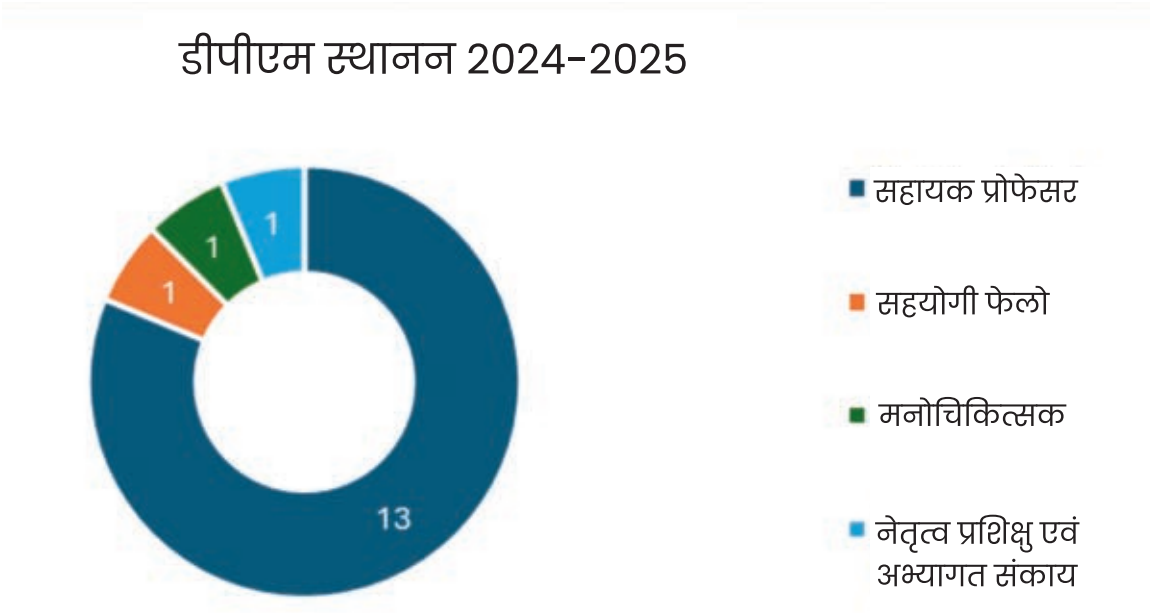

परिशिष्ट एच

अनुसंधान एवं संगोष्ठी

शुरू की गई परियोजनाएँ

क्रम सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रधान अन्वेषक	परियोजना की श्रेणी
1	भारत में वित्त और लघु एवं सूक्ष्म व्यवसायों तक पहुंच: पैनल घरेलू सर्वेक्षणों से साक्ष्य	संकेत महापात्रा	एसएमपी
2	ब्रांड-जनकल्याण-उपयुक्त के बारे में उपभोक्ता धारणाओं पर ब्रांड की लिंग पहचान की भूमिका की जांच करना	अक्षया विजयालक्ष्मी	एसएमपी
3	समय की पाबंदी मापना	एलापुल्ली वासुदेवन	एसएमपी
4	शहरी सार्वजनिक सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाना: नए और पारंपरिक माध्यमों की खोज	अंकुर सरीन	एसएमपी
5	ट्रेडमार्क और कॉपीराइट कानून परियोजना-चरण 2	एम. पी. राम मोहन	एसएमपी
6	रणनीतिक यांत्रिकी के रूप में गतिशील छूट के माध्यम से क्लाउड किचन के संदर्भ में भोजन की बर्बादी को कम करना	देबजीत रॉय	एसआरपी
7	निपटान चक्र की लम्बाई क्यों मायने रखती है?	अनिर्बान बनर्जी	एसएमपी
8	प्रवासन, धन प्रेषण और घरेलू परिणाम: भारतीय पैनल घरेलू सर्वेक्षणों से नए साक्ष्य	संकेत महापात्रा	एसएमपी
9	सोशल मीडिया पर निफ्टी 100 कंपनियों की तस्वीरों का लिंग और आयु वर्गीकरण	पृथा देव	एसआरपी
10	कार्य और संगठन मनोविज्ञान में उभरती विधियाँ: साहित्य की समीक्षा	अर्नेस्टो नोरोन्हा	एसआरपी
11	भारत में कॉर्पोरेट उद्देश्य - चरण 2	एम. पी. राम मोहन	एसआरपी
12	निश्चित शुल्क परिवहन समस्या: गैर-न्यूनतम कट सेटों के पहलुओं का उपयोग करते हुए एक कैटिंग प्लेन-आधारित समाधान दृष्टिकोण	सचिन जायसवाल	एसआरपी
13	नौकरशाही कार्यभार तंत्र: सिद्धांत और प्रयोग	जीवन्त रामपाल	एसआरपी
14	कृषि मशीनीकरण और बैंक ऋण मूल्य निर्धारण	तन्मय माजिला	एसआरपी
15	संकट और अनिश्चितता के बीच भौतिक और वित्तीय स्वर्ण की मांग: उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं से साक्ष्य	संकेत महापात्रा	एसएमपी
16	मौद्रिक नीति संचरण और फर्म विविधता: मौद्रिक नीति आघात संचरण के तुलन पत्रक चैनल पर पुनर्विचार	तन्मय माजिला	एसआरपी

पूर्ण हो चुकी परियोजनाएँ

क्रम सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रधान अन्वेषक	परियोजना की श्रेणी
1	दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता-चरण I के कामकाज का आकलन	एम. पी. राम मोहन	एसएमपी
2	गाँव के सामाजिक नेटवर्क	पृथा देव	एसआरपी
3	ट्रेडमार्क और कॉपीराइट कानून परियोजना - चरण 1	एम. पी. राम मोहन	एसएमपी
4	कार्यस्थल पर बदमाशी पर शोध में संज्ञानात्मक साक्षात्कार	प्रीमिला डिक्रूज़ और अर्नेस्टो नोरोन्हा	एसआरपी
5	भारत में कॉर्पोरेट उद्देश्य का विश्लेषण	एम. पी. राम मोहन	एसआरपी
6	पूर्णांक प्रोग्रामिंग समस्याओं को हल करने के लिए ध्रुवीय द्वैत का अन्वेषण	सचिन जायसवाल	एसआरपी
7	नेटफ्लिक्स के "द क्राउन" में नाटक और वास्तविकता के बीच की पतली विभाजन रेखा की खोज : कानूनी परिप्रेक्ष्य	अनुराग अग्रवाल	एसआरपी
8	भारत में अनौपचारिक सूक्ष्म-खुदरा विक्रेताओं की विपणन और उद्यमशीलता प्रथाओं का एक प्रेरक अध्ययन	अरुण श्रीकुमार	एसएमपी
9	ग्राहक निष्ठा पर ब्रांड मानवरूपीकरण की भूमिका	ह्योकजिन क्वाक	एसआरपी
10	जब पुराने रिश्ते नए रिश्तों तक सीमित हो जाते हैं: प्रयुक्त उत्पादों पर ब्रांड मानवरूपता का नकारात्मक प्रभाव	ह्योकजिन क्वाक	एसआरपी
11	भेदभाव की सार्वभौमिकता का उपयोग करके भेदभावपूर्ण व्यवहार का मुकाबला करना	जीवन्त रामपाल	एसएमपी
12	शहरी सार्वजनिक सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाना: नए और पारंपरिक माध्यमों की खोज	अंकुर सरीन	एसएमपी
13	भारत में वित्त और लघु एवं सूक्ष्म व्यवसायों तक पहुंच: पैनल घरेलू सर्वेक्षणों से साक्ष्य	संकेत महापात्रा	एसएमपी
14	ट्रेडमार्क और कॉपीराइट कानून परियोजना - चरण 2	एम. पी. राम मोहन	एसएमपी
15	मुख्य स्थिरता अधिकारी का विपणन अनुभव और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निष्पादन पर इसका प्रभाव	सौरव बोरा	एसएमपी
16	भारतीय महिला राजनेताओं की ऑनलाइन उपस्थिति में लिंग आधारित प्रदर्शन, शैली और राजनीति के निजीकरण की जांच	वैभवी कुलकर्णी	एसआरपी

पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	संकाय मार्गदर्शक	इंटर्न का नाम
1	एफ़एबीएलई कैलकुलेटर (आईकेआई-एलटीएस)	रंजन कुमार घोष	जयति रावल
2	आईपीओ गुणवत्ता का विश्लेषण करने के लिए वैकल्पिक डेटा	जोशी जैकब	शाइन प्रियन
3	बहु-ग्राफ़ों का दृश्यीकरण	पृथा देव	निशीथ रामानुज
4	भारतीय ई-कॉमर्स क्षेत्र में रिवर्स लॉजिस्टिक्स: चुनौतियाँ और अवसर	सरल मुखर्जी	कंगना जेठवानी
5	छवियों से अनुकूलन समस्या का सूत्रीकरण	अंकुर सिन्हा	शोभित अरोड़ा
6	पीएमएफबीवाई/आरडब्ल्यूबीसीआईएस योजना के लिए व्यापक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन	रंजन कुमार घोष	चेतन विजय मालेकर
7	प्रदर्शन कार्य प्रणालियाँ और कर्मचारी विघटन	प्रोमिला अग्रवाल	दीप्तायन घोष
8	राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (एनडीसी) के कार्यान्वयन और प्राप्ति में हुई प्रगति पर नज़र रखना	अमित गर्ग	अर्जुन मुरली
9	आरएमबीएस बाजार	प्रशांत दास	अद्वैत अग्रवाल
10	घरेलू समर्थन और व्यापार का विश्लेषण	पूर्णिमा वर्मा	जतिन कुमार
11	भारत में लेखांकन धोखाधड़ी के डेटाबेस का विकास	नीरव नागर	आर्यमन गुम्बर
12	गुजरात में अपतटीय पवन से हाइड्रोजन प्रणालियों का तकनीकी-आर्थिक विश्लेषण	अमित गर्ग	पुलिन धर
13	बाजार अनुसंधान परियोजना	अमित कर्ण	आर्या शाह
14	बाजार अनुसंधान परियोजना	अमित कर्ण	रिद्धि भरडिया
15	अहमदाबाद का लघु व्यवसाय इतिहास	चिन्मय तुम्बे	सौरव सिन्हा
16	अंतर्राष्ट्रीय और विकास अर्थशास्त्र पर समीक्षाएं	संकेत महापात्रा	राधाप्रिया गहलोत
17	भारत में अकादमिक अर्थशास्त्री कौन हैं?	अंबरीश डोंगरे	भावेश तानन
18	लिंग मानदंड और बाल दंड	पृथा देव	अर्श चिरागभाई शाह
19	घरेलू समर्थन और कृषि निर्यात का विश्लेषण	पूर्णिमा वर्मा	तरुण रेड्डी
20	आलोचनात्मक दृष्टि डालना: संयुक्त राज्य अमेरिका में जाति-भेदभाव विरोधी आंदोलन का विश्लेषण, कैलिफोर्निया विधान का आकलन, और विपक्षी आख्यानों का पर्दाफाश	नवदीप माथुर	भाषा त्यागी
21	भारत में वित्तीय समावेशन के लिए सरकारी योजनाएँ	जीवन्त रामपाल	कीर्ति गुप्ता
22	भारत में शिक्षा पर सरकारी खर्च के रुझान	जीवन्त रामपाल	एडुआर्डो फैब्रेस
23	अंतर की खोज - एसटीईएम में महिलाएँ	कविता रंगनाथन	ऐमन नक़वी

24	गहन शिक्षा और आवास बाजार	अभिमान दास	संसिता कार्तिकेयन
25	भारत में दिवालियापन कानून का मूल्यांकन	एम. पी. राम मोहन	आदित्य जैन
26	फर्म के सीएसआर व्यय पर बोर्ड स्तरीय समितियों का प्रभाव	चित्रा सिंगला	हर्षिता माहेश्वरी
27	आईपीएल टीमों के लिए सोशल मीडिया जुड़ाव	अद्रिजा मजूमदार	सोहम अब्भोरे

संपादकीय कार्यशालाओं का आयोजन

क्रमांक	सुविधाप्रदाता और संबद्धता का नाम	कार्यशाला का विषय	दिनांक
1	डॉ. सिमी जॉय अकादमिक विज़िटर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ईस्ट आँग्लिया, यूके एसोसिएट एडिटर, प्रबंधन शिक्षण एवं शिक्षा अकादमी जर्नल	प्रबंधन शिक्षण एवं शिक्षा अकादमी में प्रकाशन	20 नवंबर, 2024
2	डॉ. यूजीन चेंग-शी अव यूसीएसआई विश्वविद्यालय कुआलालंपुर	प्रकाशन दु:स्वप्न से बचना: सहकर्मी समीक्षाओं को प्रभावी ढंग से कैसे संभालें	10 जनवरी, 2025
3	डॉ. गैरी वेई-हान टैन यूसीएसआई विश्वविद्यालय कुआलालंपुर	एक अनुभवजन्य लेख में साहित्य समीक्षा लिखना	10 जनवरी, 2025
4	डॉ. केंग-बून ऊई यूसीएसआई विश्वविद्यालय कुआलालंपुर	अपने शोध प्रभाव का निर्माण: क्या करें और क्या न करें	10 जनवरी, 2025

अनुसंधान संगोष्ठियों का आयोजन

क्रमांक	सुविधाप्रदाता और संबद्धता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
1	प्रो. किरण पेदादा एस्पर स्कूल ऑफ बिजनेस, मैनिटोबा विश्वविद्यालय	ग्रामीण महिला लघु उद्यमी, ग्राहक नामांकन और वित्तीय लाभ: ग्रामीण भारत में एक अर्ध-क्षेत्रीय प्रयोग से साक्ष्य	6 जून, 2024
2	प्रो. पियाल सरकार स्कूल ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, पेन स्टेट हैरिसबर्ग	आपूर्ति श्रृंखलाओं में मौसम संबंधी जोखिम के समन्वय के लिए व्यापार ऋण अनुबंध	8 जुलाई, 2024
3	प्रो. अरुण कुमार किंग्स बिजनेस स्कूल, किंग्स कॉलेज लंदन	पूंजीवाद का गुजरता हुआ गियर: परोपकार, मुनाफा और सार्वजनिक स्वास्थ्य	7 अगस्त, 2024
4	डॉ. अक्षय गुप्ते एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम	सामान्यीकृत ईर्ष्या-मुक्त संतुलन आवंटन हेतु पूर्णांक प्रोग्रामिंग विधियाँ	10 दिसंबर, 2024
5	प्रो. सुंदर भारद्वाज टेरी कॉलेज ऑफ बिजनेस, जॉर्जिया विश्वविद्यालय और वरिष्ठ रिसर्च फेलो, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस	जलवायु कार्रवाई और स्थिरता में विपणन की भूमिका की जांच करने वाला शोध	19 दिसंबर, 2024
6	प्रो. प्रशांत भारद्वाज अर्थशास्त्र विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो	सांख्यिकीय भेदभाव और मजदूरी का वितरण	18 दिसंबर, 2024
7	प्रो. आशीष जोशी मेम्फिस विश्वविद्यालय, सार्वजनिक स्वास्थ्य स्कूल	स्मार्ट मॉडल का उपयोग करके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक, आर्थिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य असमानताओं को संबोधित करना	23 दिसंबर, 2024
8	प्रो. ग्रेग जे. बम्बर मोनाश बिजनेस स्कूल, मोनाश विश्वविद्यालय, मेलबर्न	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कार्य एवं प्रबंधन का भविष्य: अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य	16 जनवरी, 2025
9	प्रो. सुरभि सहाय पेन स्टेट एबिंगटन	परिवर्तन और संकट के दौरान नर्सिंग कार्य के प्रबंधन में लचीलेपन और प्रतिरोध को समझना	24 जनवरी, 2025
10	प्रो. सुदीप देब भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलोर	फुटबॉल मैचों (और अन्य खेलों) में वास्तविक समय पूर्वानुमान	21 फ़रवरी, 2025
11	प्रो. विस तराज़ स्मिथ कॉलेज, नॉर्थम्प्टन	जलवायु परिवर्तन और मानव पूंजी: भारतीय जनगणना से साक्ष्य	25 फ़रवरी, 2025
12	डॉ. रजनीश कुमार क्वींस बिजनेस स्कूल, क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट	दावा समस्याओं में आनुपातिक और समतावादी सिद्धांतों को एकीकृत करना	5 मार्च, 2025
13	डॉ. रंजन पाल स्लोअन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	स्मार्ट उद्योग नेटवर्क में परिचालन लचीलापन बढ़ाना	6 मार्च, 2025
14	डॉ. तुषार वैद्य नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	पथवार लैस्सो के लिए क्वांटम एल्गोरिदम	7 मार्च, 2025
15	डॉ. सनी जियोंग विटेनबर्ग विश्वविद्यालय	आस्था-आधारित व्यावसायिक प्रथाएँ: अमिश मामला और मैकइंटायर की आधुनिकता की आलोचना	10 मार्च, 2025
16	प्रो. श्रीपाद देवलकर इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद	बिक्री और इन्वेंट्री जानकारी के अभाव में मांग का अनुमान लगाना	10 मार्च, 2025
17	डॉ. मिलन बालाबन टॉमस बाटा विश्वविद्यालय, ज़्लिन	दुनिया भर में पदचिह्न: बाटा कंपनी की वैश्विक विस्तार यात्रा और भारत में इसकी विरासत	12 मार्च, 2025

परिशिष्ट आई

पुस्तकें

1. बनर्जी, ए., और बनर्जी, टी. (2024). व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए स्मार्ट एनालिटिक्स. केबीआई पब्लिशर्स.
2. बनर्जी, टी., बनर्जी, ए., महेता, डी., और गुप्ता, वी. (2025). बिज़नेस एनालिटिक्स वैल्यू चेन: टेक्स्ट और केस. रूटलेज.
3. बिकिना, एन., और तुरागा, आर.एम. (संपादक) (2024)। जलवायु परिवर्तन अनुकूलन: पारंपरिक ज्ञान और विभिन्न स्तरों पर समझ। पैल्ग्रेव मैकमिलन सिंगापुर।
4. जोन्स, जी., गुप्ता, वी., और गोपाकुमार, के.वी. (2024)। संगठनात्मक सिद्धांत, डिज़ाइन और परिवर्तन। पियर्सन इंडिया एजुकेशन सर्विसेज।
5. सेतिया, पी. (2024). उद्देश्य, व्यक्तियों, संगठनों और समाजों का डिजिटल परिवर्तन। पेंगुइन।
6. सिंह, एस. (2025). भारत की उत्पादक कंपनियाँ और छोटे किसान: प्रदर्शन और प्रभाव. स्प्रिंगर.
7. सिंह, एस., झा, जे., इंदिरा, ए., और अरुणकुमार, ए.वी. (संपादक) (2024)। भारत के सतत विकास के लिए संस्थान और सार्वजनिक नीति: शासन, प्रौद्योगिकी और वित्त 2025 पर परिप्रेक्ष्य। रूटलेज।

पत्रिकाओं में लेख

1. अग्रवाल, पी., और वर्मा, ए. (2025). नैतिक नेतृत्व की सीमाएँ और मैकियावेलियनों के प्रबंधन में नैतिकता-उन्मुख मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली की भूमिका. कार्मिक समीक्षा. https://doi.org/10.1108/PR-05-2024-0481
2. अग्रवाल, पी., एडाचेरियन, एस., कर्ण, ए., कौर, ए., और माहेश्वरी, एस. (2025)। सीमाओं से परे शासन: मेटा-विश्लेषण का उपयोग करके कार्यकारी अति आत्मविश्वास और फर्म के प्रदर्शन की पड़ताल। क्रॉस कल्चरल और स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट। https://doi.org/10.1108/CCSM-03-2024-0065
3. अग्रवाल, पी., कौर, पी., और बुधवार, पी. (2024)। चुपचाप छोड़ने की प्रवृत्ति को शांत करना: उच्च-प्रदर्शन कार्य प्रणालियों और मनोवैज्ञानिक स्थितियों का एक संयोजन तैयार करना। मानव संसाधन प्रबंधन। https://doi.org/10.1002/hrm.22275
4. अग्रवाल, वाई.के., और जायसवाल, एस. (2025). फाइबर-टू-द-होम पैसिव ऑप्टिकल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क डिज़ाइन: ध्रुवीय द्वैत का उपयोग करते हुए एक नया सूत्रीकरण और मान्य असमानताएँ। नेटवर्क । https://doi.org/10.1002/net.22274
5. एंटोनियो, एम., सिन्हा, ए., और पापा, जी. (2024). द्विस्तरीय अनुकूलन समस्याओं का डेल्टा-विक्षोभ: एक त्रुटि सीमा विश्लेषण. संचालन अनुसंधान परिप्रेक्ष्य. https://doi.org/10.1016/j.orp.2024.100315
6. बब्बर, के., और देव, पी. (2023). महामारी के दौरान पीरियड उत्पाद: पीरियड उत्पादों के उपयोग पर लॉकडाउन का प्रभाव. एप्लाइड इकोनॉमिक्स. https://doi.org/10.1080/00036846.2023.2257035
7. बैश्य, एस., कर्ण, ए., महापात्रा, डी., कुमार, एस., और मुखर्जी, डी. (2024)। गतिशील प्रबंधकीय क्षमताएँ: एक महत्वपूर्ण संश्लेषण और भविष्य की दिशाएँ। जर्नल ऑफ बिज़नेस रिसर्च। https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2024.115015
8. बनर्जी, ए., चक्रवर्ती, ए., और चक्रवर्ती, ए.एस. (2024)। रिटर्न सहसंबंध नेटवर्क की उत्पत्ति। जर्नल ऑफ कॉम्प्लेक्स नेटवर्क्स । https://doi.org/10.1093/comnet/cnae018
9. बनर्जी, ए., दास, पी., और फ़्यूर्स्ट, एफ. (2024)। क्या उभरते बाज़ारों में हरित और स्वस्थ भवन लेबल प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं? भारत में कार्यालय किराये के अनुबंधों का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन । https://doi.org/10.1016/j.jclepro.2024.141838
10. बनर्जी, एस., कर्ण, ए., शर्मा, एस., और गुप्ता, वी.के. (2024)। सीईओ का समय-उन्मुखीकरण और फर्म का उद्यमशीलता-उन्मुखीकरण: पर्यावरणीय विशेषताओं के आकस्मिक प्रभाव। एक्टा साइकोलॉजिका । https://doi.org/10.1016/j.actpsy.2024.104560
11. बौर, डी.जी., गोपालकृष्णन, बी., और महापात्रा, एस. (2024)। संकट के दौरान परिवारों का वैकल्पिक निवेश व्यवहार: भारत में सोने की खरीदारी पर कोविड-19 के प्रभाव। जर्नल ऑफ इकोनॉमिक बिहेवियर एंड ऑर्गनाइजेशन। https://doi.org/10.1016/j.jebo.2024.106850
12. भद्रा, डी. (2024). भारत में बचपन में बौनेपन और कम वज़न के दोहरे बोझ के स्थानिक परिवर्तन और जोखिम कारक: एक कोपुला जियोएडिटिव मॉडलिंग दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ न्यूट्रिशनल साइंस । https://doi.org/10.1017/jns.2024.49
13. भद्रा, डी., और नंदराम, बी. (2024)। स्थानिक पश्च-स्तरीकरण वाले असंभाव्यता नमूनों के लिए बायेसियन पूर्वानुमान अनुमान। सांख्यिकी और अनुप्रयोग, 22(3)। https://ssca.org.in/media/24_SA22122024_VKG_GE_DhimanBalgobin_10092024_FINAL_Finally_Bzd1r48.pdf
14. भट्टाचार्य, बी. (2025). यहाँ नए हैं? कृपया वकील से संपर्क करें: उभरती अर्थव्यवस्थाओं में नए उद्यमों और स्थापित फर्मों के बीच बाहरी कानूनी व्यय में अंतर। जर्नल ऑफ बिज़नेस वेंचरिंग इनसाइट्स । https://doi.org/10.1016/j.jbvi.2025.e00531
15. भट्टाचार्य, पी., और रामपाल, जे. (2024). समूहों के भीतर और उनके बीच प्रतियोगिताएँ: सिद्धांत और प्रयोग. खेल और आर्थिक व्यवहार। https://doi.org/10.1016/j.geb.2024.03.017

16. एक प्रवर्तक-संचालित संगठन में व्यावसायिकता की गतिशीलता । अंतर्राष्ट्रीय संगठनात्मक विश्लेषण जर्नल। https://doi.org/10.1108/IJOA-02-2024-4257
17. बिष्ट, एन.एस., नोरोन्हा, ई., और त्रिपाठी, ए.के. (2024)। डिजिटल तकनीकें सूक्ष्म वित्त संस्थानों में मिशन विचलन को बढ़ा रही हैं: भारत से साक्ष्य। सूचना और संगठन। https://doi.org/10.1016/j.infoandorg.2024.100541
18. चक्रवर्ती, ए.एस., और तोमर, एस. (2024). बहु-संयंत्र फ़र्म और फ़र्म आकार वितरण की भारी पूंछ। कैनेडियन जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक्स / रिव्यू कैनेडियन डी'इकोनॉमिक । https://doi.org/10.1111/caje.12732
19. चक्रवर्ती, ए.एस., महाजन, के., और तोमर, एस. (2025). व्यापार व्यवधान और पुनर्स्थापन . अमेरिकन इकोनॉमिक जर्नल: एप्लाइड इकोनॉमिक्स. https://doi.org/10.1257/app.20230270
20. चक्रवर्ती, एस., और सिंगला, सी. (2025)। रणनीतिक गठबंधनों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश की राह: पारिवारिक और गैर-पारिवारिक फर्मों की तुलना। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मैनेजमेंट । https://doi.org/10.1016/j.intman.2025.101250
21. चक्रवर्ती, डी. (2024). "हाशिये पर फलते-फूलते": STEM में लैटिना शिक्षकों के बीच कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार और धोखेबाज़ी की घटना को समझना। जर्नल ऑफ़ लैटिनो एंड एजुकेशन। https://doi.org/10.1080/15348431.2024.2413538
22. चक्रवर्ती, डी. (2024). कार्यस्थल पर हिंसा और चिकित्सा में धोखेबाज़ी की परिघटना: एक अमेरिकी-आधारित गुणात्मक अध्ययन। हिंसा और लिंग । https://doi.org/10.1089/vio.2023.0062
23. चक्रवर्ती, डी., मेसन, एच.आर.सी., वेबर, ए., व्याट, टी.आर., रसेल, आर.जी., हैवमैन, सी., बोटराइट, डी., फ़रीद, एच., मॉस, एस., और गुयेन, एम. (2025)। मास्लो के आवश्यकताओं के पदानुक्रम के दृष्टिकोण से निम्न-आय वाले छात्रों के चिकित्सा शिक्षा अनुभवों को समझना: एक खोजपूर्ण गुणात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ जनरल इंटरनल मेडिसिन । https://doi.org/10.1007/s11606-024-09161-3
24. चतुर्वेदी, वी., अवशिया, वी., सुधर्ममा विश्वनाथन, एस., गुप्ता, डी., सिन्हा, एन.के., भूषण, सी., बनर्जी, एस., दत्त, डी., बंसल, जे., पाठक, एम., धर, एस., सिंह, ए.के., खान, एन., रश्मि, आर.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, डी., सिंह, ए., थिरुमलाई, एन.सी., सक्सेना, एस.एस., विशाल, वी., गर्ग, ए. (2024)। 2070 तक नेट ज़ीरो तक पहुंचने का भारत का मार्ग: स्थिति, चुनौतियाँ और आगे का रास्ता। पर्यावरण अनुसंधान पत्र। https://doi.org/10.1088/1748-9326/ad7749
25. चौधरी, ए., शर्मा, आर., और वेमिरेड्डी, वी. (2024)। खाद्य ट्रेसिबिलिटी पर उपभोक्ता दृष्टिकोण - एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और भावी शोध एजेंडा। अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता अध्ययन पत्रिका। https://doi.org/10.1111/ijcs.13101
26. चौधरी, एस., गुप्ता, वी.के., और सिंगला, सी. (2024)। मुख्य कार्यकारी अधिकारी के सेवक नेतृत्व का उद्यमशीलता अभिविन्यास और फर्म के प्रदर्शन के बीच संबंध पर मध्यम प्रभाव। अंतर्राष्ट्रीय लघु व्यवसाय जर्नल । https://doi.org/10.1177/02662426241268328
27. डी'क्रूज़, पी., डेलानन, एन., कौरुला, ए., मून, जे., मैकार्थी, एल., और स्पेंस, एल. (2024)। व्यवसाय की सामाजिक जिम्मेदारियों पर विचार करना: संदर्भ, अनुभव और संबंधपरकता पर केन्द्रित होना। मानव संबंध । https://doi.org/10.1177/00187267241247647
28. डी बोंट, जे., कृष्णा, बी., स्टैफोगिया, एम., बनर्जी, टी., धोलकिया, एच., गर्ग, ए., ... लजुंगमैन, पी. (2024)। भारत के दस शहरों में परिवेशी वायु प्रदूषण और दैनिक मृत्यु दर: एक कारणात्मक मॉडलिंग अध्ययन। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ। https://doi.org/10.1016/S2542-5196(24)00114-1
29. डी बोंट, जे., राजीव, ए., मंडल, एस., स्टैफोगिया, एम., बनर्जी, टी., धोलकिया, एच., गर्ग, ए., इंगोले, वी., जगन्नाथन, एस., क्लूग, आई., कृष्णा, बी., लेन, के., मॉल, आर.के., मेनन, जे., नोरी-सरमा, ए., प्रभाकरन, डी., तिवारी, ए.एस., वेई, वाई., वेलेनियस, जीए, ... लजुंगमैन, पी. (2025)। भारत में दैनिक मृत्यु दर पर परिवेशी वायु प्रदूषण और गर्मी के सहक्रियात्मक संबंध। एनवायरनमेंट इंटरनेशनल । https://doi.org/10.1016/j.envint.2025.109426
30. डी कोस्टर, आर., और रॉय, डी. (2024)। शोध: वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स ऑटोमेशन मानवीय साझेदारों के साथ बेहतर काम करता है। हार्वर्ड बिज़नेस रिव्यू (ऑनलाइन)। यूआरएल: https://hbr.org/2024/06/research-warehouse-and-logistics-automation-works-better-with-human-partners
31. डी व्रीस, जे., और रॉय, डी. (2024)। कबाड़ कम करें? ट्रक की उम्र का ड्राइवर प्रतिधारण, ड्राइविंग सुरक्षा और ड्राइविंग उत्पादकता पर प्रभाव। फ्लेक्सिबल सर्विसेज एंड मैन्युफैक्चरिंग जर्नल । https://doi.org/10.1007/s10696-024-09569-3
32. देवधर, एस., और केलकर, वी. (2024). कृषि सुधारों पर एक नई शुरुआत। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59 (16). https://www.epw.in/journal/2024/16/special-articles/making-new-beginning-farm-reforms.html
33. देव, पी., और उन्नी, जे. (2024). भारत में विमुद्रीकरण और श्रम बल भागीदारी: शासन और राजनीतिक संरेखण का प्रभाव. जर्नल ऑफ एशियन इकोनॉमिक्स. https://doi.org/10.1016/j.asieco.2024.101782
34. डोंगरे, ए., सिंघल, के., और दास, यू. (2024). भारत में अर्थशास्त्र शिक्षा जगत में महिलाओं की कमी. नारीवादी अर्थशास्त्र। https://doi.org/10.1080/13545701.2024.2322951
35. दत्ता, टी., रॉय, एस., सरकार, एस., और नाग, एस. (2024)। बी2बी विज्ञापन में प्रवक्ता की प्रभावशीलता: नेत्र-ट्रैकिंग का उपयोग करके प्रवक्ता की विशेषताएँ और मुद्रा। जर्नल ऑफ बिज़नेस एंड इंडस्ट्रियल मार्केटिंग। https://doi.org/10.1108/JBIM-06-2023-0344
36. एडाचेरियन, एस., कर्ण, ए., उहलेनब्रुक, के., और शर्मा, एस. (2024)। रणनीतिक नेतृत्व के विभिन्न स्तरों पर महिलाएँ: लैंगिक प्रसार के प्रमाण। कॉर्पोरेट प्रशासन । https://doi.org/10.1111/corg.12584

37. फैंग, वाई., डी कोस्टर, आर., रॉय, डी., और यू, वाई. (2025). रोबोटिक सॉर्टिंग सिस्टम के लिए गतिशील रोबोट रूटिंग और गंतव्य निर्धारण नीतियाँ। परिवहन विज्ञान। https://doi.org/10.1287/trsc.2023.0458
38. फौद, एम., मोहाघेघ, एम., और मल्होत्रा, एस. (2024)। विदेशीपन और त्वरक चयन के लाभ: विदेश में जन्मे उद्यमियों पर एक अध्ययन। जर्नल ऑफ वर्ल्ड बिज़नेस । https://doi.org/10.1016/j.jwb.2024.101584
39. जॉर्ज, पी.आर., और गुप्ता, वी. (2024)। तटीय समुदायों में पर्यावरणीय पहचान और नीतिगत मुद्दों की कथित प्रमुखता: एक मध्यम-मध्यस्थता विश्लेषण। नीति विज्ञान । https://doi.org/10.1007/s11077-024-09547-4
40. गोयल, एल. (2025). संस्थागत इतिहास, नकारात्मक प्रदर्शन प्रतिक्रिया और अनुसंधान एवं विकास खोज: छाप और व्यवहारिक दृष्टिकोणों का एक संबंध। प्रबंधन अकादमी। https://doi.org/10.5465/amj.2023.0765
41. गुहाठाकुरता, ए., और सरवनन, ए. (2024)। मेटावर्स, आभासी संपत्ति और आईपी स्वामित्व: अमेरिका, यूरोपीय संघ और भारत पर एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य। यूरोपीय बौद्धिक संपदा समीक्षा, 46 (4), 239-247। https://search.informit.org/doi/10.3316/informit.T2024082300017390171949028
42. गुप्ता, ए.जे., जायसवाल, एस., और मंटिन, बी. (2024). मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट लर्निंग की मौजूदगी में सप्लायर के अतिक्रमण से किसे फ़ायदा? उत्पादन और संचालन प्रबंधन . https://doi.org/10.1177/10591478241253552
43. गुप्ता, ए., दास, पी., कूलसन, एन.ई., और दास, ए. (2024)। भारत में गृहस्वामी पैटर्न की व्याख्या में सामाजिक पहचान की प्रमुखता। शहरी अध्ययन। https://doi.org/10.1177/00420980241289795
44. गुप्ता, एस., मल, पी., भद्र, डी., राजा, एस., और गोयल, एस. (2024)। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि आँकड़ों का उपयोग करते हुए, 22 वर्षों (1998-2021) की अवधि में भारतीय पुरुषों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति और निर्धारक। प्लोस वन । https://doi.org/10.1371/journal.pone.0308748
45. गुप्ता, एस., सेठ, पी., वेमिरेड्डी, वी., और पिंगाली, पी. (2024)। शहरी क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और घरेलू आहार विविधता: भारत के डीएचएस से साक्ष्य। खाद्य नीति । https://doi.org/10.1016/j.foodpol.2024.102680
46. अय्यर, ए., और नारायणस्वामी, एस. (2025)। नैदानिक परीक्षण डिज़ाइन और त्वरित रोगी ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करने वाला एक नया मॉडल। क्लिनिकोइकोनॉमिक्स और परिणाम अनुसंधान। https://doi.org/10.2147/CEOR.S479603
47. कंडुला, एस., रॉय, डी., और अकर्तुनाली, के. (2024)। ई-कॉमर्स बॉक्स-साइज़िंग समस्या को हल करने के लिए एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण। उत्पादन और संचालन प्रबंधन। https://doi.org/10.1177/10591478241282249
48. कार्तिक, वी.ए., मजूमदार, ए., और बोस, आई. (2024)। बहुतायत की समस्या? एयरबीएनबी बुकिंग पर विकल्पों और सूचना के अतिभार के प्रभाव को समझना। सूचना प्रणाली सीमाएँ । https://doi.org/10.1007/s10796-024-10548-0
49. कौर, जे., शर्मा, आर., शर्मा, एस., और रॉय, एस. (2025)। पर्यटन में ब्रांड निष्ठा और स्व-ब्रांड संबंध की मध्यस्थता के साथ निवासियों के कल्याण पर सचेत उपभोग के प्रभाव का आकलन। पर्यटन मनोरंजन अनुसंधान। https://doi.org/10.1080/02508281.2024.2445370
50. खलीलाबादी, एस.एम.जी., रॉय, डी., और डी कोस्टर, आर. (2024)। कई इनपुट/आउटपुट बिंदुओं के साथ सुविधा लेआउट को अनुकूलित करने के लिए यात्रा अनुक्रमों का उपयोग । इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन रिसर्च। https://doi.org/10.1080/00207543.2024.2443798
51. कोमारराजू, एस.ए., पाठक-शेलत, एम., अरोड़ा, पी., और रमन, यू. (2025)। सौंदर्य प्रसाधनों में पुरुष और डिजिटल श्रम प्लेटफार्मों का स्त्रीकरण। सोशल मीडिया और समाज । https://doi.org/10.1177/20563051251326665
52. कृष्णमूर्ति, एस. (2024). उच्च उपयोगिता लाभ पैटर्न का उपयोग करके निर्णय समर्थन के लिए व्याख्या योग्य क्लासिफायर मॉडल। आईईईई एक्सेस। https://doi.org/10.1109/ACCESS.2024.3455563
53. कुलकर्णी, वी., गुप्ता, एन., और पनिकर, ए. (2024)। बहिष्करणीय सीमाओं के माध्यम से 'सुरक्षित' स्थान बनाना: भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान घरेलू कामगारों के साथ नियोक्ताओं के व्यवहार की जाँच। ह्यूमन रिलेशंस । https://doi.org/10.1177/00187267241275864
54. कुमार, एन., और मिश्रा, डी. (2024)। वैश्विक दक्षिण में विदेशी विश्वविद्यालयों के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र: भारत से सबक। अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा, (120)। https://ejournals.bc.edu/index.php/ihe/article/view/18453
55. कुमार, एन., कुक, ई.जे., फ़ायदा- किनिक, एफ़.एस., और मैसुरादज़, एल. (2024)। उच्च शिक्षा में ज्ञान साझाकरण पर आईसीटी का प्रभाव: एआई-पूर्व व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। यूरोपीय शिक्षा पत्रिका। https://doi.org/10.1111/ejed.12803
56. मा, ज़ेड., डी कोस्टर, आर., रॉय, डी., और वू, जी. (2025). यात्रा दूरी और थकान का संतुलन: रोबोटिक मोबाइल पूर्ति प्रणालियों में भंडारण, ऑर्डर बैचिंग और पॉड चयन का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन रिसर्च । https://doi.org/10.1080/00207543.2025.2472038
57. मोहाघेघ, एम. (2024). सार्वभौमिक बुनियादी आय के परिणाम. जर्नल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक साइंसेज। https://doi.org/10.57017/jaes.v19.4(86).01
58. मोहाघेघ, एम. (2025). आय जोखिमों और धन संकेंद्रण पर उनके प्रभावों पर एक टिप्पणी। इकोनॉमिक्स बुलेटिन । https://www.accessecon.com/Pubs/EB/2025/Volume45/EB-25-V45-I1-P50.pdf

59. महापात्रा, एस., और निगानिया, ए. (2024). कोविड-19 महामारी की तीव्रता, प्रवास की स्थिति और घरेलू वित्तीय भेद्यता: भारत से साक्ष्य. एप्लाइड इकोनॉमिक्स . https://doi.org/10.1080/00036846.2024.2364081
60. नोरोन्हा, ई., और डी'क्रूज़, पी. (2024). सत्तावादी नवाचारों और श्रम के बीच का अंतराफलक : भारतीय कार्यबल पर प्रभाव. जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस. https://doi.org/10.1177/00221856241281776
61. ऑफेनलोच, ए., हीस, एच.एस., और कर्ण, ए. (2025). क्या स्थान मायने रखता है? भारत में ऑटोमोटिव क्लस्टर्स का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल डिस्ट्रीब्यूशन एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट । https://doi.org/10.1108/IJPDLM-01-2024-0032
62. पासपाराकिस, ए., डी व्रीस, जे., डी कोस्टर, आर., और रॉय, डी. (2024)। चालक की सीट पर: सुरक्षित और उत्पादक ट्रक कार्गो परिवहन में परिवर्तनकारी नेतृत्व की भूमिका। फ्लेक्सिबल सर्विसेज एंड मैन्युफैक्चरिंग जर्नल । https://doi.org/10.1007/s10696-024-09539-9
63. पतंगे, ओ., पुरोहित, पी., अवशिया, वी., क्लिमोंट, जेड., और गर्ग, ए. (2024)। भारतीय कृषि क्षेत्र से गैर-सीओटू ग्रीनहाउस गैसों का शमन। पर्यावरण अनुसंधान पत्र । https://doi.org/10.1088/1748-9326/ad4e4e
64. पोपली, एम., और रायथाथा, एम. (2025)। उभरती अर्थव्यवस्था वाली फर्मों के बाजार-समर्थक सुधारों, प्रदर्शन प्रतिक्रिया और रणनीतिक नवीनीकरण कार्यों की गति। जर्नल ऑफ वर्ल्ड बिज़नेस । https://doi.org/10.1016/j.jwb.2025.101642
65. राय, ए., और माहेश्वरी, एस. (2025)। नवीकरणीय ऊर्जा ऑफ-ग्रिड परियोजनाओं के संदर्भ में सामुदायिक सहभागिता और सतत विकास लक्ष्यों के बीच संबंध को समझना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनर्जी सेक्टर मैनेजमेंट । https://doi.org/10.1108/IJESM-06-2024-0009
66. राम मोहन, एम.पी., और गुप्ता, ए. (2024). 'निंदनीय' और 'अश्लील' ट्रेडमार्क कानून: भारतीय कानून में नैतिकता-आधारित निषेधों के दायरे का निर्धारण। यूरोपीय बौद्धिक संपदा समीक्षा, 46 (4)।
67. राम मोहन, एम.पी., और गुप्ता, ए. (2024)। ट्रेडमार्क सिद्धांत का उत्परिवर्तन: ब्रांड पहचान को संवैधानिक सुरक्षा उपायों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए कार्रवाई योग्य उपयोग का विश्लेषण । नेशनल लॉ स्कूल बिज़नेस लॉ रिव्यू, 9(1)। https://repository.nls.ac.in/nlsblr/vol9/iss1/3/
68. राम मोहन, एम.पी., और मुरलीधर, एस.के. (2024)। भारत में नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों को निर्धारित करने के लिए परीक्षण: भविष्य की ओर देखते हुए? इंडियन लॉ रिव्यू। https://doi.org/10.1080/24730580.2024.2412902
69. राम मोहन, एम.पी., और साई मुरलीधर, के. (2024)। "व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण तकनीकी संस्थानों" को विफल होने के लिए बहुत बड़ी संस्थाओं के रूप में अवधारणा बनाना: दिवालियापन लक्ष्य को आगे बढ़ाना। वेंडरबिल्ट जर्नल ऑफ ट्रांसनेशनल लॉ, 53(3)।
70. राममूर्ति, पी., जायसवाल, एस., सिन्हा, ए., और विद्यार्थी, एन. (2024)। इंटरडिक्शन के साथ त्रिस्तरीय हब स्थान समस्या के लिए एक सटीक विधि। यूरोपियन जर्नल ऑफ़ ऑपरेशनल रिसर्च । https://doi.org/10.1016/j.ejor.2024.07.013
71. राठी, एम., मजूमदार, ए., और राठी, एस. (2024). पर्यावरणीय अनिश्चितता के दौरान ऑनलाइन समीक्षाओं के लिए प्रोसम्प्शन व्यवहार का पता लगाना: एक उत्तेजना-प्रतिक्रिया परिप्रेक्ष्य. सूचना प्रणाली सीमाएँ। https://doi.org/10.1007/s10796-024-10557-z
72. रे, पी., और माहेश्वरी, एस. (2024). जब आप छलांग लगाते हैं, तब आप क्या आशा करते हैं? विभिन्न कार्यों में प्रवासियों के लिए सफलता के मानदंडों का विकास। जर्नल ऑफ ग्लोबल मोबिलिटी । https://doi.org/10.1108/JGM-02-2024-0007
73. रॉय, एस., और अत्री, आर. (2024)। मैं बँधता हूँ, मैं शामिल होता हूँ, मैं दौरा करता हूँ: व्लॉगर्स की पर्यटक सहभागिता के प्रभावों और पर्यटकों के दृष्टिकोण पर इसके परिणामों की जाँच। जर्नल ऑफ ट्रैवल रिसर्च । https://doi.org/10.1177/00472875241276546
74. साधुखान, पी., और गुप्ता, एस. (2025). वर्गीकरण कार्य के लिए डेटा की गुणवत्ता का आकलन करने हेतु एक ग्राफ़ सैद्धांतिक दृष्टिकोण . डेटा और ज्ञान इंजीनियरिंग . https://doi.org/10.1016/j.datak.2025.102421
75. साही, जी.के., जायसवाल, ए.के., और एंडरसन, एन. (2025)। भावनात्मक संसाधनों और नैतिक वातावरण के ढाँचे का उपयोग करके कर्मचारियों की सहभागिता का पूर्वानुमान लगाना। मानव संसाधन प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल । https://doi.org/10.1080/09585192.2025.2464667
76. साही, जी.के., महाजन, आर., जायसवाल, ए.के., और पटेल, पी.सी. (2024)। सबसे मज़बूत कड़ी: उद्यमशीलता अभिविन्यास और बहुआयामी सेवा प्रदर्शन को सक्षम करने के लिए एक माध्यम के रूप में सेवा-लाभ श्रृंखला। आईईईई ट्रांज़ैक्शन ऑन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट । https://doi.org/10.1109/TEM.2024.3416380
77. सरवनन, ए., और देशबंधु, ए. (2024). भारत में ओटीटी (वीडियो स्ट्रीमिंग) प्लेटफॉर्म का विनियमन: सूचना प्रौद्योगिकी नियम 2021 का एक मामला. मनोरंजन कानून समीक्षा।
78. सर्वनन, ए., और प्रसाद, डी.एम. (2024)। पेटेंट कानून के तहत एक आविष्कारक के रूप में एआई पर बहस: डैबस के बाद का तुलनात्मक विश्लेषण। यूरोपीय बौद्धिक संपदा समीक्षा, 47(1)
79. सौरव, एस., अग्रवाल, एस.के., और वर्मा, जे.आर. (2024)। आय घोषणाओं के आसपास असममित अनिश्चितता: विकल्प बाज़ारों से साक्ष्य। अमेरिकन बिज़नेस रिव्यू । https://doi.org/10.37625/abr.27.2.459-487
80. सेनगुप्ता, एस., रोकोनुज्जमान, एम., जायसवाल, ए.के., और फिलिएरी, आर. (2025)। सोशल मीडिया सेवा पुनर्प्राप्ति मूल्यांकन पर दूसरों की आभासी उपस्थिति का प्रभाव: एक अंतर-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ बिज़नेस रिसर्च । https://doi.

org/10.1016/j.jbusres.2025.115245
81. शाह, ए., सुगाथन, ए., भारती, एन., रहमान, ए., गर्ग, ए., और मलघन, डी. (2024)। शहरी भारत में मुस्लिम अलगाव के मापन के बारे में। शहरी अध्ययन। https://doi.org/10.1177/00420980241296998
82. शाह, ए., थपलियाल, एस., सुगाथन, ए., मिश्रा, वी., और मलघन, डी. (2025). भारत में ग्रीष्म लहरों के व्यावसायिक जोखिम में जातिगत असमानता. जनसांख्यिकी. https://doi.org/10.1215/00703370-11803010
83. शेख, ए., और सरीन, ए. (2024). भारत में सड़क पर रहने वाले बच्चों और किशोरों में इनहेलेंट का दुरुपयोग: ज्ञानात्मक पहचान और पुनर्संयोजन का मामला. किशोरावस्था पर शोध पत्रिका . https://doi.org/10.1111/jora.12946
84. श्याम, पी.एच., सिंगला, एन., और सिंह, एस. (2024). भारत में किसानों की राजनीतिक लामबंदी: पंजाब में भारती किसान यूनियन (एकता उग्राहां) का एक केस स्टडी. मिलेनियल एशिया। https://doi.org/10.1177/09763996241244559
85. सिम्हा, एस., और राम मोहन, एम.पी. (2025)। कॉपीराइट कानून के तहत प्रोत्साहन ढाँचों का उपयोग करके रचनात्मक क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं का समाधान। यूरोपीय बौद्धिक संपदा समीक्षा ।
86. सिंह, एस. (2024). पंजाब में सेकेंड हैंड ट्रैक्टर बाज़ार की बदलती गतिशीलता: एक संस्थागत नवाचार परिप्रेक्ष्य. भारतीय कृषि अर्थशास्त्र जर्नल. https://doi.org/10.63040/25827510.2024.03.025
87. सिंह, एस. (2024). भारतीय माताओं में प्रसंस्कृत शिशु आहार और आहार संबंधी प्रथाओं की धारणाओं को प्रभावित करने वाले कारक: एक गुणात्मक जाँच। बीएमसी पब्लिक हेल्थ। https://doi.org/10.1186/s12889-024-19631-2
88. सिंह, एस. (2024). पंजाब की मसौदा कृषि नीति: सहकारी मॉडल के लिए बाज़ारों का अभाव. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59(48). https://www.epw.in/journal/2024/48/commentary/punjabs-draft-farm-policy.html
89. सिंह, एस. (2025). भारत में लघु-भूमि विकास के लिए अनुबंध खेती का लाभ उठाना: ज़िम्मेदार अनुबंध या विनियमन? भारतीय कृषि विपणन पत्रिका, 39(1). https://indianjournals.com/ijor.aspx?target=ijor:ijam&volume=39&issue=1spl&article=002&type=pdf
90. सिंह, एस., और बनर्जी, एस. (2024)। स्थायी खाद्य उपभोग से वंचित रहने के भय के प्रभावों की जाँच: एक सामाजिक पहचान परिप्रेक्ष्य। एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड लॉजिस्टिक्स। https://doi.org/10.1108/APJML-10-2023-0969
91. सिंह, एस., रमानी, के.वी., और पांडा, आर. (2024)। भारत में सतत विकास के लिए बाजरा: नीतिगत दृष्टिकोण से सामाजिक लागत-लाभ विश्लेषण। एशिया-यूरोप जर्नल । https://doi.org/10.1007/s10308-024-00713-0
92. सिंगला, एन., और सिंह, एस. (2025). पंजाब में ब्रॉयलर ठेकेदारी: ठेका खेती या मज़दूरी? इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 60(9) . https://www.epw.in/journal/2025/9/special-articles/broiler-contracting-punjab.html
93. सोह, एफ., सेतिया, पी., और ग्रोवर, वी. (2024)। प्रथम-पक्ष ऐप संसाधन खोलना: मुफ़्त-राइडिंग के अनुभवजन्य साक्ष्य। सूचना प्रणाली अनुसंधान । https://doi.org/10.1287/isre.2021.0607
94. नैतिक नेतृत्व और वातावरण के माध्यम से फर्म के प्रदर्शन पर व्यक्तिगत और संगठनात्मक नैतिकता के प्रभाव की जाँच । जर्नल ऑफ बिज़नेस एथिक्स । https://doi.org/10.1007/s10551-024-05810-z
95. श्रीवास्तव, जे., गोपालकृष्णन, बी., और थार्यन, आर. (2024)। उत्पाद बाज़ार आघात, हितधारक संबंध और व्यापार ऋण। ब्रिटिश लेखा समीक्षा । https://doi.org/10.1016/j.bar.2024.101458
96. सुगाथन, ए., शाह, ए., और मालघन, डी. (2024)। बह गया: औद्योगिक पूँजी, श्रम और बाढ़। पर्यावरण अनुसंधान पत्र। https://doi.org/10.1088/1748-9326/ad9d5c
97. टंडन, ए., देवधर, एस.जे., टंडन, ए., और त्रिपाठी, ए. (2024)। क्या डेविड गोलियत साबित हो सकता है? प्रतिद्वंद्वी के विशेषज्ञता संकेतों का ऑनलाइन उपयोगकर्ता जुड़ाव पर प्रभाव। सूचना प्रणाली अनुसंधान । https://doi.org/10.1287/isre.2022.0282
98. टांक, पी.एस., शर्मा, डी., और जैन, डी. (2024)। मज़बूत संस्थानों का कोई विकल्प नहीं: नए उद्यम प्रदर्शन पर त्वरक का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ बिज़नेस वेंचरिंग इनसाइट्स। https://doi.org/10.1016/j.jbvi.2024.e00491
99. तिवारी, एस., कार्तिका, एस., भट्टाचार्य, बी., और सिंगल, एम. (2024)। वित्तीय सुस्ती-सीएसआर संबंध पर बोर्ड की विशेषताओं का प्रभाव: भारतीय आतिथ्य और पर्यटन उद्योग से साक्ष्य। जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म रिसर्च । https://doi.org/10.1177/10963480241275490
100. तुम्बे, सी., और झा, आर.के. (2024). एक राष्ट्र, एक राशन, सीमित अंतरराज्यीय कर्षण: भारत में प्रवासन और पीडीएस सुवाह्यता। शहरीकरण । https://doi.org/10.1177/24557471241237098
101. वर्मा, पी. (2024). चावल निर्यात की व्याख्या क्या है? प्रमुख चावल निर्यातक देशों का विश्लेषण। अनुप्रयुक्त आर्थिक परिप्रेक्ष्य और नीति । https://doi.org/10.1002/aepp.13482
102. वर्मा, पी., और मंदा, जे. (2024)। कृषि पद्धतियों को अपनाना और फसल उपज एवं आय पर उनका प्रभाव: भारत में उड़द और मूंग का विश्लेषण। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स । https://doi.org/10.1111/1477-9552.12617
103. वेंकटेशन, पी., और माथुर, के. (2024). डिलीवरी विकल्प के साथ स्टोकेस्टिक वाहन रूटिंग। नौसेना अनुसंधान रसद। https://doi.org/10.1002/nav.22234
104. विजयलक्ष्मी, ए., और लैक्ज़नियाक, आर.एन. (2024)। क्या होता है जब माता-पिता हिंसा को स्वीकार्य पाते हैं? बच्चों को लक्षित हिंसक हास्य विज्ञापनों का एक मामला। जर्नल ऑफ़ एडवरटाइजिंग । http://doi.org/10.1080/00913367.2024.2393079

105. विश्वनाथन, एम., जयकुमार, एस., श्रीकुमार, ए., दत्ता, एस., और दुहाचेक, ए. (2024)। बाज़ार साक्षरता के माध्यम से कम साक्षर, कम आय वाले उपभोक्ताओं के लिए अमूर्त सोच की कठिनाइयों का समाधान: उपभोक्ता और विपणन शिक्षा के लिए एक बुनियादी दृष्टिकोण। उपभोक्ता मामलों की पत्रिका । https://doi.org/10.1111/joca.12595
106. विश्वनाथन, एम., श्रीकुमार, ए., जयकुमार, एस., और दत्ता, एस. (2024)। निर्वाह बाज़ारों में बाज़ार साक्षरता और स्वयं सहायता समूह सदस्यता पर एक क्षेत्रीय प्रयोग। जर्नल ऑफ मैक्रोमार्केटिंग । https://doi.org/10.1177/02761467241302460
107. विश्वनाथन, एम., श्रीकुमार, ए., श्रीधरन, एस., और सिन्हा, जी.आर. (2024). बॉटम-अप मार्केटिंग दृष्टिकोण के माध्यम से बड़ी चुनौतियों का समाधान: निर्वाह बाज़ारों और बाज़ार साक्षरता से सबक। मार्केटिंग साइंस अकादमी का जर्नल । https://doi.org/10.1007/s11747-024-01022-z
108. वो, टी.टी., ये, टी., एर्टेफाई, ए., रॉय, एस., फ्लोरी, जे., हेनेसी, एस., वैनस्टीलैंड्ट, एस., और स्मॉल, डी.एस. (2024)। यंत्रीकृत अंतर-में-अंतर के लिए संरचनात्मक माध्य मॉडल। इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स। https://doi.org/10.1214/24-EJS2313
109. वोहरा, एन., सूद, के., और भयाना, सी. (2024). भारतीय बोर्डों में लैंगिक विविधता और समावेशन: 2015 और 2019 में अधिदेश लागू होने के बाद। व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य और अनुसंधान। https://doi.org/10.1177/22785337241249557
110. यादव, वी., और दास, ए. (2024). भारत में डिजिटल भुगतान–विमुद्रीकरण और कोविड-19 ने इसे अपनाने में कैसे भूमिका निभाई? इकोनॉमिक्स लेटर्स। https://doi.org/10.1016/j.econlet.2024.112074
111. यू, बी., लियू, पी., और दास, पी. (2025). निजी इक्विटी रियल एस्टेट फंडों में निवेशक नेटवर्क और फंड प्रदर्शन। जर्नल ऑफ रियल एस्टेट फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स। https://doi.org/10.1007/s11146-024-10007-2
112. ज़ाला, डी., देवधर, एस. जे., और सुब्रमणि, एम. (2024). ऑनलाइन प्रोसोशल व्यवहार पर संकट सह-स्थान का प्रभाव। सूचना प्रणाली एसोसिएशन के संचार। https://doi.org/10.17705/1CAIS.05522

पुस्तकों में अध्याय

1. चेन्नानगोडु, आर., और कंडाथिल, जी. (2024)। एक कैफे का लयबद्ध विश्लेषण : एक 'खुली' रसोई में (अ)दृश्य रूप से भोजन बनाने का काम। जे. कोसियाटकीविच और एम. कोस्टेरा (संपादन), सामाजिक विज्ञान को कैसे महत्वपूर्ण बनाया जाए (पृष्ठ 75-87)। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।
2. डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2024)। बदमाशी। पी.एम. बाल (संपादन), एल्गर इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ ऑर्गनाइज़ेशनल साइकोलॉजी (पृष्ठ 45-51) में। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।
3. डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2024)। करुणा। पी.एम. बाल (संपादन), एल्गर इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ ऑर्गनाइज़ेशनल साइकोलॉजी (पृष्ठ 85-90) में। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।
4. डी'क्रूज़, पी., ब्योर्केलो, बी., और उयस, टी. (2024)। कार्यस्थल पर मुखबिरी। पी.एम. बाल (संपादन), एल्गर इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ ऑर्गनाइज़ेशनल साइकोलॉजी (पृष्ठ 718-722) में। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।
5. इंदिरा, ए., अरुणकुमार, ए.वी., जे. झा, और सिंह, एस. (2024)। भारत में सतत विकास की चुनौतियाँ: दुविधाओं, विसंगतियों और बेमेलताओं को समझना। एस. सिंह, जे. झा, ए. इंदिरा, और ए.वी. अरुणकुमार (संपादन), भारत के सतत विकास के लिए संस्थान और सार्वजनिक नीति: शासन, प्रौद्योगिकी और वित्त पर दृष्टिकोण (पृष्ठ 1-20)। रूटलेज।
6. जायसवाल, एस., और सिन्हा, ए. (2024)। द्विस्तरीय अनुकूलन: अनुप्रयोग, मॉडल और समाधान दृष्टिकोण। एफ. हामिद (संपादन), अनुकूलन अनिवार्यताएँ । संचालन अनुसंधान और प्रबंधन विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला (खंड 353, पृष्ठ 469-499)। स्प्रिंगर।
7. राजेंद्र, ए., और सरीन, ए. (2024)। मज़दूर, मालिक, स्वयंसेवक, कर्मचारी या इससे भी बदतर? भारत में कचरा प्रबंधन में कार्य के रजिस्टर । ए. स्टोवेल, जे. गुटबरलेट, एफ. वैलेंज़ुएला, पी. ज़पाटा, और एम.जे. ज़पाटा कैम्पोस (सं.), सामाजिक विज्ञान और मानविकी के दृष्टिकोण से अपशिष्ट अनुसंधान: कूड़ेदान को फिर से खोलना (पृष्ठ 115-132)। कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग।
8. राम मोहन, एम.पी., और मुरलीधर, के.एस. (2024)। कराधान और दिवालियापन: एक आधारभूत समझ की ओर। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड, वार्षिक प्रकाशन (पृष्ठ 21-40)। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड।
9. सिंगला, एन., और सिंह, एस. (2024)। भारत में डेयरी मूल्य श्रृंखलाओं में संस्थागत हस्तक्षेप: पंजाब में किसानों पर दुग्ध सहकारी समितियों बनाम अनौपचारिक दुग्ध बाज़ार माध्यमों के प्रभाव का एक केस स्टडी। एस. सिंह, जे. झा, ए. इंदिरा, और ए.वी. अरुणकुमार (संपादन), भारत के सतत विकास के लिए संस्थान और सार्वजनिक नीति: शासन, प्रौद्योगिकी और वित्त पर दृष्टिकोण (पृष्ठ 148-167)। रूटलेज।
10. सूद, के., और वोहरा, एन. (2025)। लापता महिलाओं का मामला - महिला उद्यमियों के वित्तपोषण की गतिशीलता। यू.एन. बिस्वास और एस.एन. बिस्वास (संपादन), एक लचीली और ज़िम्मेदार दुनिया का निर्माण (पृष्ठ 159-179)। स्प्रिंगर।
11. वर्मा, जे.आर., और विरमानी, वी. (2024)। वित्तीय इंजीनियरिंग में डिज़ाइन और विज़ुअलाइज़ेशन के लिए पायथन स्टैक। एल.ए. मैग्लारस, एस. दास, एन. त्रिपाठी, और एस. पटनायक (संपादन), वित्तीय विश्लेषण में मशीन लर्निंग दृष्टिकोण। इंटेलिजेंट सिस्टम संदर्भ पुस्तकालय (पृष्ठ 53-67)। स्प्रिंगर।

12. वर्मा, एस., और चक्रवर्ती, एस. (2025)। परिवहन और सार्वजनिक स्वास्थ्य की उलझन: भारत में वाहन स्वामित्व जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और निवारक स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच, दोनों को कैसे बढ़ावा देता है। भारतीय परिवहन अनुसंधान समूह के सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीटीआरजी 2023) की कार्यवाही में (खंड 1, पृष्ठ 165-182)।

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

1. आदित्य, एन. (2024, 15-18 दिसंबर)। स्टार्टअप्स के लिए संचार के औपचारिक चैनल: बाहरी इक्विटी के लिए वैध संकेतों का एक स्रोत । भारत रणनीति सम्मेलन (आईएससी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
2. आदित्य, एन., और सिंगला, सी. (2024, 15-18 दिसंबर)। एआई का ध्यान, निदेशक विशेषताएँ, और किसी फर्म का बाज़ार मूल्य। भारत रणनीति सम्मेलन (आईएससी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
3. आदित्य, एन., गौर, वी., सुब्रमण्यन, एस., और ओज़ा, एम.के. (2024, 7-9 दिसंबर)। बाधाओं या अवसरों को देखना: उद्यमशीलता के इरादों का कथित अवसरों पर प्रभाव । भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत।
4. आहूजा, टी. (2024, 26-29 अगस्त)। " हम एक भविष्य की कल्पना करते हैं और हमारी कल्पनाएँ हमें भयभीत करती हैं:" भारत के परमाणु उद्योग में पर्यावरणीय जोखिम संचार और सतत ऊर्जा पर मीडिया विमर्श विश्लेषण । भारतीय प्रबंध संस्थान, बैंगलोर, भारत में सार्वजनिक नीति एवं प्रबंधन पर XIX अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीपीएम) में प्रस्तुत शोधपत्र।
5. आहूजा, टी. (2024, 14-15 दिसंबर)। कोचिंग ट्रेन पकड़ना: भारत में आंतरिक युवा प्रवास पर 'छाया शिक्षा प्रणाली' की माँग के प्रभाव का विश्लेषण । एआईएम 2024 में प्रस्तुत शोधपत्र: चौथा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय प्रवास सम्मेलन (बदलती दुनिया में गतिशीलता), ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा, भारत।
6. आहूजा, टी. (2024, 6-8 दिसंबर)। वैश्विक दक्षिण में डेटा पारिस्थितिकी तंत्र को कौन नियंत्रित करता है: भारत और दक्षिण अफ्रीका में नीति क्षमता का तुलनात्मक विश्लेषण । आईपीपीएन 2024: भारत सार्वजनिक नीति नेटवर्क सम्मेलन, मुंबई, भारत में प्रस्तुत पेपर।
7. आहूजा, टी. (2024, 7-9 दिसंबर)। मिशन 'संक्रमण:' सैन्य से कॉर्पोरेट और उद्यमिता करियर परिवर्तन में कथित नेतृत्व अनुकूलन चुनौतियों का विश्लेषण । भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी) में प्रस्तुत शोधपत्र, अशांक देसाई नेतृत्व एवं संगठनात्मक विकास केंद्र, अहमदाबाद, भारत।
8. आहूजा, टी. (2024, 7-9 दिसंबर)। कबूतर, सूअर, मोर और डाकघर: ब्रिटिश भारत (1860-1947) में लघु बचत विज्ञापनों के एक बहुआयामी आर्थिक इतिहास विमर्श विश्लेषण। भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), एनएसई सेंटर फॉर बिहेवियरल साइंस इन फाइनेंस, इकोनॉमिक्स एंड मार्केटिंग (एनएसई सीबीएस), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
9. आहूजा, टी. (2025, 16-18 जनवरी)। हम एक भविष्य की कल्पना करते हैं और हमारी कल्पनाएँ हमें भयभीत करती हैं: भारत के परमाणु उद्योग में पर्यावरणीय जोखिम संचार और सतत ऊर्जा पर मीडिया विमर्श विश्लेषण । भारतीय मानव बस्ती संस्थान के वार्षिक पीएचडी कार्यशाला सम्मेलन, ज़ूम ऑनलाइन में प्रस्तुत शोधपत्र।
10. आहूजा, टी. (2025, 29-30 जनवरी)। लीक से हटकर पुलिसिंग: बहु-मामला अध्ययन दृष्टिकोण के माध्यम से रचनात्मक सहयोगात्मक शासन के लिए नवीन सामुदायिक पुलिसिंग प्रथाओं की खोज । आईसीसीआईजी 5 2025 में प्रस्तुत शोधपत्र: ग्रासरूट्स के साथ/के लिए/से/में रचनात्मकता और नवाचार पर पाँचवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अहमदाबाद, भारत।
11. आहूजा, टी. (2025, 28-29 मार्च)। यह सब मन का खेल है: सैन्य-से-कॉर्पोरेट करियर परिवर्तन प्रशिक्षण में मानसिक स्वास्थ्य और नवाचार की भूमिका। पुणे, भारत में आयोजित एफएलएएमई-फ्लेम राष्ट्रीय मनोविज्ञान सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।
12. अखून, एम.ए., और वेमिरेड्डी, वी. (2024, 2-7 अगस्त)। क्या उत्पादकता वृद्धि और पर्यावरण के लिए जैविक खेती पारंपरिक खेती से बेहतर है? प्राकृतिक प्रयोग परिवेश में उपग्रह डेटा से प्राप्त साक्ष्य। 32वें अंतर्राष्ट्रीय कृषि अर्थशास्त्र सम्मेलन (आईसीएई), नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
13. अखून, एम.ए., और वेमिरेड्डी, वी. (2024, 12-14 जून)। क्या उत्पादकता वृद्धि और पर्यावरण के लिए जैविक खेती पारंपरिक खेती से बेहतर है? प्राकृतिक प्रयोग परिवेश में उपग्रह डेटा से प्राप्त साक्ष्य। स्विट्जरलैंड में यूरोपीय कृषि अर्थशास्त्रियों के संघ के 187वें सेमिनार में प्रस्तुत शोधपत्र।
14. आरिफ, ए. (2024, 14-15 दिसंबर)। भारत में मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी प्रथाएँ: प्रवासी और गैर-प्रवासी महिलाओं का तुलनात्मक विश्लेषण। एआईएम 2024: चौथे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन सम्मेलन (बदलती दुनिया में गतिशीलता: प्रबंधन, सामाजिक गतिशीलता और पर्यावरणीय स्थिरता पर अंतःविषयक दृष्टिकोण) में प्रस्तुत शोधपत्र, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा, भारत।
15. बंदोपाध्याय, ए., गुप्ता, टी., बोराह, एस.बी., और मुखोपाध्याय, एस. (2024, 14-16 फ़रवरी)। " मुझे आपकी खुशी के लिए कोई नुकसान नहीं पहुँचाया गया": क्रूरता-मुक्त उत्पादों के क्रय व्यवहार पर उपभोक्ता प्रजातिवाद के प्रभाव को कम करने में मानवरूपतावाद की भूमिका । अमेरिकन मार्केटिंग एसोसिएशन (एएमए) शीतकालीन सम्मेलन, फीनिक्स, एरिज़ोना, अमेरिका में प्रस्तुत शोधपत्र।
16. बंदोपाध्याय, ए., गुप्ता, टी., बोराह, एस.बी., और मुखोपाध्याय, एस. (2024, 16-18 दिसंबर)। क्या क्रूरता-मुक्त प्रथाएँ मायने रखती हैं? क्रूरता-मुक्त उत्पादों के लिए अलग-अलग पसंद में उपभोक्ता प्रजातिवाद की भूमिका । ग्रेट लेक्स एनएएसएमईआई मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस, ग्रेट लेक्स, चेन्नई, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।

17. बारिक, बी. (2024, 7-9 दिसंबर)। स्वास्थ्य संबंधी सद्मे, जोखिम से बचाव और उपभोग विकल्प: कोविड-19 के दौरान भारत में परिवारों द्वारा नशीले पदार्थों पर खर्च के साक्ष्य । भारतीय प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
18. बसंत, ए. (2024, 9-13 अगस्त)। विघटनकारी डिजिटल परिवर्तन में संगठन कैसे जीवित रहते हैं: एक सह-विकास परिप्रेक्ष्य । शिकागो, अमेरिका में प्रबंधन अकादमी की 84वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत शोधपत्र।
19. भौमिक, एस., और जायसवाल, एस. (2024, 2-6 दिसंबर)। 0/1 नैप्सैक पॉलीटोप के लिए एकल आइटम असमानताएँ । मिश्रित पूर्णांक प्रोग्रामिंग अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (एमआईपी), मुंबई, भारत।
20. भौमिक, एस., और जायसवाल, एस. (2025, 28 फरवरी-2 मार्च)। 0/1 नैपसेक पॉलीटोप के लिए विभाजन-आधारित असमानताएँ। शोध पत्र बड़े पैमाने पर अनुकूलन सम्मेलन (एलएसओ), रूड़की, भारत में प्रस्तुत किया गया।
21. चमोला, बी., और सरीन, ए. (2024, 16-19 जुलाई)। गैर-लाभकारी सरकार के निर्माण की जाँच । एंटवर्प, बेल्जियम में 16वें इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर थर्ड सेक्टर रिसर्च (आईएसटीआर) में प्रस्तुत शोधपत्र।
22. क्रिस्टो सागाया मिल्टन, टी., शर्मा, आर., और सहाय, ए. (2024, 16-18 दिसंबर)। उपभोक्ता-कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संपर्क में कथित समझ की महत्वपूर्ण भूमिका । ग्रेट लेक्स एनएएसएमईआई मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस, चेन्नई, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
23. डागर, एस., गोपाकुमार, के.वी., कंडाथिल, जी., और खोकले, पी. (2024, 9-13 अगस्त)। जोखिम कार्य के माध्यम से जोखिम का नीचे से ऊपर तक संगठन: भारत में एक मोबाइल फ़ोन मरम्मत समूह में जोखिम का संगठन करने वाले मरम्मत कर्मचारियों का नृवंशविज्ञान परीक्षण। शिकागो, अमेरिका में प्रबंधन अकादमी की 84वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत शोधपत्र।
24. दिव्यांशु, जे. (2024, 15-17 दिसंबर)। निगरानी की सटीकता और प्रतिस्पर्धा में प्रदर्शन पर इसका प्रभाव । अर्थशास्त्र में व्यवहार अनुसंधान कार्यशाला (बीआरईडब्ल्यू-ईएसए) 2024, सोनीपत, भारत।
25. दिव्यांशु, जे. (2024, 4-6 दिसंबर)। निगरानी की सटीकता और प्रतिस्पर्धा में प्रदर्शन पर इसका प्रभाव । इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी ऑस्ट्रेलेशिया मीटिंग, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया।
26. गहलोत, एस., और लाहा, ए.के. (2024, 16-19 दिसंबर)। यादृच्छिकता धारणा का मूल्यांकन: रैखिक और वृत्ताकार आँकड़ों के लिए एक नवीन ग्राफ़ सैद्धांतिक दृष्टिकोण । फ्रांस के नीस में आयोजित आईएमएस अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी और आँकड़ा विज्ञान सम्मेलन (आईसीएसडीएस) में प्रस्तुत शोधपत्र।
27. गहलोत, एस., और लाहा, ए.के. (2024, 27-31 दिसंबर)। यादृच्छिकता धारणा का मूल्यांकन: रैखिक और वृत्ताकार आँकड़ों के लिए एक नवीन ग्राफ़ सैद्धांतिक दृष्टिकोण । अंतर्राष्ट्रीय भारतीय सांख्यिकी संघ, कोच्चि, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
28. गहलोत, एस., और लाहा, ए.के. (2024, 25-29 जून)। यादृच्छिकता धारणा का मूल्यांकन: रैखिक और वृत्ताकार आँकड़ों के लिए एक नवीन ग्राफ़ सैद्धांतिक दृष्टिकोण । ब्रागा, पुर्तगाल में गैर-पैरामीट्रिक सांख्यिकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्र।
29. जॉर्ज, पी.आर., और चक्रवर्ती, एस. (2024, 7-9 नवंबर)। शहरी लचीलापन नीति प्रसार: प्रभावशाली व्यक्ति, शिक्षार्थी और सर्वोत्तम अभ्यास । एसोसिएशन ऑफ कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ प्लानिंग के वार्षिक सम्मेलन, सिएटल, वाशिंगटन, अमेरिका में प्रस्तुत शोधपत्र।
30. गुप्ता, पी. (2025, 27-29 मार्च)। सीखना और प्रदर्शन: एक जाँच। 54वीं नॉर्थईस्ट डिसीजन साइंसेज वार्षिक बैठक, हर्षे, पेंसिल्वेनिया, अमेरिका में प्रस्तुत शोधपत्र।
31. गुप्ता, आर., और रॉय, डी. (2024, 4-6 दिसंबर)। मानव-रोबोट सहयोगी गोदामों के लिए ऑर्डर मिक्सिंग और रूटिंग रणनीतियाँ । रांची, भारत में पीओएमएस इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।
32. गुप्ता, आर., और रॉय, डी. (2024, 7-9 दिसंबर)। मानव-रोबोट सहयोगी वेयरहाउस के लिए ऑर्डर मिक्सिंग और रूटिंग रणनीतियाँ। भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
33. गुप्ता, टी., और सेखरी, एस. (2025). ब्रांड अपशब्द: व्यंजनापूर्ण गालियों का कथित सुखवाद और ब्रांड वरीयता पर प्रभाव । एमआईसीए आईसीएमसी 2025, अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र.
34. गुप्ता, टी., गुप्ता, आर., और मुखर्जी, एम. (2024, 14-16 फ़रवरी)। आउटसोर्सिंग नियंत्रण: सांस्कृतिक जकड़न स्थायी उपभोग को कैसे प्रभावित करती है । अमेरिकन मार्केटिंग एसोसिएशन: एएमए विंटर कॉन्फ्रेंस, फीनिक्स, एरिज़ोना, अमेरिका में प्रस्तुत शोधपत्र।
35. जैन, डी. (2024, 19-21 दिसंबर)। निगरानी की सटीकता और प्रतिस्पर्धा में प्रदर्शन पर इसका प्रभाव । आर्थिक वृद्धि और विकास पर 19वें वार्षिक सम्मेलन (एसीईजीडी), दिल्ली, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
36. जायसवाल, एस.के., और गोपाकुमार, के.वी. (2024, 5-8 जून)। उद्यमशीलता की भूमिकाओं में आगे बढ़ना: विकलांग व्यक्तियों का एक दृष्टिकोण । बैबसन कॉलेज उद्यमिता अनुसंधान सम्मेलन (बीसीईआरसी), जर्मनी में प्रस्तुत शोधपत्र।
37. जमातिया, जे. (2025, 16-18 जनवरी)। नेतृत्व और कार्य के अर्थ के बीच संबंध की समीक्षा । भारतीय प्रबंधन अकादमी 2025 सम्मेलन (आईएनडीएएम), आईआईएफटी, कोलकाता, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
38. कंसल, ए., देवधर, एस., और बोराह, एस. (2024, 16-18 अगस्त)। प्लेटफ़ॉर्म डिसइंटरमीडिएशन को कम करना: ऑनलाइन सेवा प्लेटफ़ॉर्म की मानव एजेंसी का परिचय । अमेरिकन मार्केटिंग एसोसिएशन (एएमए), बोस्टन, अमेरिका में प्रस्तुत पेपर।
39. कंसल, ए., देवधर, एस., और बोराह, एस. (2024, 2-4 दिसंबर)। अप्रत्यक्ष नेटवर्क प्रभाव और सेवा प्रदाता परिवर्तन। एएनजेडएमएसी वार्षिक सम्मेलन, होबार्ट, ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुत शोधपत्र।

40. कार्तिक, वीए (2024, 8-11 जुलाई)। जब भावनात्मक अपील अनुत्पादक हो: वित्तपोषक अपेक्षाओं और वित्तपोषक निर्णयों पर बाज़ार/सामाजिक तर्क की भूमिका । एशिया प्रशांत एसीआर सम्मेलन 2024, बाली, इंडोनेशिया में प्रस्तुत शोधपत्र।
41. खान, एफ. (2024, 17-18 दिसंबर)। नेतृत्व और नवाचार व्यवहार : एक नियंत्रित अनुक्रमिक मध्यस्थता मॉडल जो जलवायु, जुड़ाव और नेता में विश्वास के अंतर्संबंधों की जाँच करता है। दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित सस्टेनेबिलिटी, उद्यमिता, इक्विटी और डिजिटल स्ट्रैटेजीज़ (एसईईडीएस) सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।
42. खान, एफ. (2025, 16-18 जनवरी)। नेतृत्व और नवाचार व्यवहार : एक नियंत्रित अनुक्रमिक मध्यस्थता मॉडल जो नेतृत्व में जलवायु, जुड़ाव और विश्वास के अंतर्संबंधों की जाँच करता है। भारतीय प्रबंधन अकादमी (आईएनडीएएम) सम्मेलन, IIFT, कोलकाता, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
43. खुराना, एस. (2024, 9-13 अगस्त)। बहु-हितधारक शासन में आम सहमति निर्माण । शिकागो, अमेरिका में प्रबंधन अकादमी की 84वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत शोधपत्र।
44. खुराना, एस. (2024, 15-18 दिसंबर)। क्रिप्टो करेंसी और डिजिटल करेंसी: वित्तीय नियामकों और फर्मों को प्रभावित करने वाला एक तकनीकी प्रतिमान । भारत रणनीति सम्मेलन (आईएससी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
45. खुराना, एस. (2024, 2-6 जुलाई)। यूएनसीटीएडी और एआईबी के बीच 50 वर्षों की साझेदारी पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट। विश्व निवेश मंच में छात्र अनुभव। स्थिरता पर पीडीडब्ल्यू। ब्राउन फर्मों के जलवायु परिवर्तन पर प्रस्तुत शोधपत्र। सियोल, दक्षिण कोरिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी में प्रस्तुत शोधपत्र।
46. कृष्णा, पी. (2025, 22-25 जनवरी)। कोडफ्लुएंसर आसानी से बात करते हैं, स्थिर रूप से काम करते हैं : सोशल कोडिंग प्लेटफ़ॉर्म पर डेवलपर की लोकप्रियता और प्रायोजन के पूर्वानुमानों की एक विश्लेषणात्मक समझ । 9वें पैन आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस, संबलपुर, भारत में प्रस्तुत पेपर ।
47. कुमार, ए., बोस, आई., और मजूमदार, ए. (2024, 20-23 अक्टूबर)। क्या डेटा उल्लंघनों को रोकने में सीईओ का नियामकीय ध्यान महत्वपूर्ण है? अमेरिकी सूचीबद्ध फर्मों से साक्ष्य । इन्फ़ॉर्म्स वार्षिक बैठक, सिएटल, अमेरिका में प्रस्तुत शोधपत्र।
48. कुमार, ए., मजूमदार, ए., और बोस, आई. (2024, 19-20 अक्टूबर)। क्या सीईओ डेटा उल्लंघनों के लिए जवाबदेह हैं? सीईओ नियामकीय फोकस का डेटा उल्लंघन जोखिम पर प्रभाव । सूचना प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन (सीआईएसटी), सिएटल, अमेरिका में प्रस्तुत शोधपत्र।
49. कुमार, एन. (2024, 12-16 अप्रैल)। युवाओं के सामाजिक-राजनीतिक विकास की खोज: सामाजिक और नीति परिवर्तनकर्ताओं के निर्माण हेतु उच्च शिक्षा के विस्तार के रूप में फ़ेलोशिप कार्यक्रमों की अवधारणा । अमेरिकन एजुकेशन रिसर्च एसोसिएशन (एईआरए) की वार्षिक बैठक, फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया, अमेरिका में प्रस्तुत शोधपत्र।
50. कुमार, एन., और मिश्रा, डी. (2024, 4-6 सितंबर)। वैश्विक दक्षिणी देशों के अपतटीय विश्वविद्यालय केंद्रों में अनुसंधान का सार्वजनिक-निजी मिश्रण । उच्च शिक्षा शोधकर्ताओं के संघ (सीएचईआर) के 36वें वार्षिक सम्मेलन, बेलवल, लक्ज़मबर्ग में प्रस्तुत शोधपत्र।
51. कुमार, एन., और सरीन, ए. (2024, 2-6 जुलाई)। फ़ेलोशिप कार्यक्रमों में प्रतिस्पर्धी प्रबंधकीय और व्यावसायिक तनाव: सामाजिक परिवर्तन को रोकना या बढ़ावा देना? मिलान, इटली में 40वें यूरोपीय संगठनात्मक अध्ययन समूह (ईजीओएस) संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्र।
52. मालवीय, एल. (2024, 7-9 दिसंबर)। सार्वजनिक क्षेत्र में संगठनात्मक संस्कृति और कर्मचारियों की आवाज़: एक परिप्रेक्ष्य । भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
53. मालवीय, एल., और गुप्ता, वी. (2024, 9-13 अगस्त)। लोक प्रशासन में नेतृत्व विरोधाभास: एक गुणात्मक अध्ययन। शिकागो, इलिनोइस, अमेरिका में प्रबंधन अकादमी की 84वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत शोधपत्र।
54. मालवीय, एल., और स्याल, ए. (2024, 2-6 सितंबर)। अनैतिक नेतृत्व और कर्मचारी नेटवर्किंग व्यवहार : संसाधन संरक्षण का एक परिप्रेक्ष्य । नॉटिंघम, इंग्लैंड में आयोजित बीएएम 2024 सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।
55. मुरलीधर, के.एस., और राम मोहन, एम.पी. (2024, 8-10 अप्रैल)। भारत में नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों को निर्धारित करने के लिए परीक्षण: भविष्य की ओर देखते हुए? डिजिटल विषय और नागरिक: नेटवर्क समाजों में लोकतंत्र का पुनर्निर्माण, नई दिल्ली, भारत।
56. पांडे, एस., सेतिया, पी., और गुप्ता, एस. (2024, 15-18 दिसंबर)। मानव-एआई सहयोग में उभरती रचनात्मकता । बैंकॉक, थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रणाली सम्मेलन (आईसीआईएस) में प्रस्तुत शोधपत्र।
57. पास्ताकिया, टी. (2025, 18-19 जनवरी)। इन्फोग्राफिक्स कुत्तों के व्यवहार को समझने की जिज्ञासा कैसे बढ़ाते हैं : एक मिश्रित पद्धति सर्वेक्षण प्रयोग । क्यूरियोसिटी कॉन्फ्रेंस, आईआईटी गांधीनगर, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
58. पास्ताकिया, टी., और डोंगरे, ए. (2024, 27-29 अगस्त)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के स्नातक कार्यक्रमों (सीसीएफयूपी) के लिए पाठ्यक्रम और क्रेडिट ढाँचे के कार्यान्वयन के संबंध में शिक्षकों की चिंताएँ । सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर XIX अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बैंगलोर, भारत।
59. राज, आर., और चंदवानी, आर. (2024, 2-6 जुलाई)। विरोधाभासी सामर्थ्यों को नेविगेट करना: प्लेटफ़ॉर्म कार्य में प्रतिरोध तंत्र । 40वें यूरोपीय संगठनात्मक अध्ययन समूह (ईजीओएस) संगोष्ठी, मिलान, इटली में प्रस्तुत शोधपत्र।
60. राज, आर., और चंदवानी, आर. (2025, 7-9 मार्च)। समावेशी उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र: भारतीय ग्रामीण महिला उद्यमियों का एक केस स्टडी । भारत सूचना प्रणाली सम्मेलन (आईएनसीआईएस), कोलकाता, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।

61. राम मोहन, एम.पी., और मुरलीधर, के.एस. (2024, 9-11 सितंबर)। कराधान और दिवालियापन: एक आधारभूत समझ की ओर । टैक्स रिसर्च नेटवर्क वार्षिक सम्मेलन, कार्डिफ़, यूके।
62. राम मोहन, एम.पी., और मुरलीधर, एस.के. (2024, 2-3 जुलाई)। 'व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण तकनीकी संस्थानों' का दिवालियापन समाधान: अज्ञात क्षेत्र। आईएसबी, हैदराबाद में दिवालियापन और शोधन अक्षमता पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय शोध सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।
63. राम मोहन, एम.पी., प्रसाद, एस., मुरलीधर, केएस, और विजय, वीवी (2025, मार्च 20-22)। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 142: एक अनुभवजन्य अध्ययन । संवैधानिकता पर वैश्विक शिखर सम्मेलन, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रस्तुत किया गया पेपर।
64. रे, आर., भयाना, सी., वोहरा, एन., और गोपाकुमार, के.वी. (2024, 9-13 अगस्त)। "संगठनों के लिए बहु-नौकरीधारिता अनुसंधान और दृष्टिकोण" पर व्यावसायिक विकास कार्यशाला आयोजित की गई। प्रबंधन अकादमी, शिकागो, अमेरिका की 84वीं वार्षिक बैठक।
65. रे, आर., भयाना, सी., वोहरा, एन., और गोपाकुमार, के.वी. (2025, 16-18 जनवरी)। कुछ वैश्विक और भारतीय आँकड़े: क्या एक से ज़्यादा नौकरियाँ रखने का चलन बढ़ रहा है? भारतीय प्रबंधन अकादमी 2025 सम्मेलन (आईएनडीएएम), कोलकाता, भारत।
66. सरकार, एस., और रॉय, डी. (2024, 4-6 दिसंबर)। खाद्य अपव्यय को कम करने और कम आय वाले ग्राहकों के लिए पहुँच में सुधार के लिए ज़िम्मेदार मेनू विकल्प डिज़ाइन । पीओएमएस इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024, रांची, भारत।
67. सरकार, एस., और रॉय, डी. (2024, 7-9 दिसंबर)। खाद्य अपशिष्ट को कम करने और कम आय वाले ग्राहकों के लिए पहुँच में सुधार के लिए ज़िम्मेदार मेनू विकल्प डिज़ाइन । भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत।
68. शर्मा, एन., और सिंह, एम. (2024, 9-13 अगस्त)। करियर की असुरक्षा की जाँच: दूरस्थ कार्य में कार्यस्थल की विशेषताओं की भूमिका । शिकागो, अमेरिका में प्रबंधन अकादमी की 84वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत शोधपत्र।
69. शर्मा, एन., और सिंह, एम. (2025, 8-10 जनवरी)। एल्गोरिथमिक मानव संसाधन प्रबंधन: ट्विटर डेटा का विषयगत और भावनात्मक विश्लेषण । एनआईसीओएम 2025, अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
70. शहज़ाला, और जायसवाल, ए.के. (2024, 5-7 अगस्त)। मैं, मैं और प्रभावशाली व्यक्ति: ऑफ़लाइन और आभासी स्थानों में सामाजिक मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों के आत्म-विसंगतियों और उपभोक्ता व्यवहारों पर प्रभाव की जाँच। रटगर्स विश्वविद्यालय, न्यू ब्रंसविक, न्यू जर्सी, अमेरिका में आयोजित 2024 ग्लोबल रिसर्च कॉन्फ्रेंस ऑन मार्केटिंग एंड एंटरप्रेन्योरशिप में प्रस्तुत शोधपत्र।
71. शिवा, एम. (2024, 19-22 अक्टूबर)। न केवल क्या, बल्कि क्यों भी: सीईओ के नियामकीय ध्यान का उनकी बर्खास्तगी पर प्रभाव। 44वें स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन, इस्तांबुल, तुर्की में प्रस्तुत शोधपत्र।
72. शिवा, एम., और भारद्वाज, एस. (2024, 15-18 दिसंबर)। जटिल नवाचार: सीईओ संज्ञानात्मक जटिलता का नवाचार पर प्रभाव। भारत रणनीति सम्मेलन (आईएससी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
73. शिवा, एम., और चक्रवर्ती, एस. (2024, 15-18 दिसंबर)। आपसे मेलजोल है, आप ही जाँबाज़ हैं: सीईओ मैकियावेलिज़्म का सीमा-पार अधिग्रहण पर प्रभाव । भारत रणनीति सम्मेलन (आईएससी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
74. सोनी, पी., मैककैफ्रे, डी., और भादुड़ी, आई. (2024, 11-14 अप्रैल)। प्रशंसनीय मानों और भारित अधिकतम संभाव्यता अनुमानों से समूह स्कोर की तुलना । नेशनल काउंसिल ऑन मेजरमेंट इन एजुकेशन (एनसीएमई) की वार्षिक बैठक, फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया, अमेरिका में प्रस्तुत शोधपत्र।
75. श्रीवास्तव, आर., और राम मोहन, एम.पी. (2025, 1-2 मार्च)। लोक सेवक के रूप में दिवालिये व्यवसायी: न्यायिक दुविधा का समाधान। अहमदाबाद में दिवाला और दिवालियापन पर द्वितीय वार्षिक शोध कार्यशाला में प्रस्तुत शोधपत्र।
76. टांक, पी.एस., और भट्टाचार्य, बी. (2024, 7-9 दिसंबर)। आईटी निवेश: कॉर्पोरेट सामाजिक प्रदर्शन के लिए एक दोधारी तलवार - स्मार्ट मशीनों के सिद्धांत से अंतर्दृष्टि। भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
77. टांक, पी.एस., और जैन, डी. (2024, 15-18 दिसंबर)। नियमों के अनुसार खेलना: प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में हतोत्साहन और व्यवहार परिवर्तन । भारत रणनीति सम्मेलन (आईएससी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
78. टांक, पी.एस., भट्टाचार्य, बी., मजूमदार, ए., और त्रिवेदी, वी. (2024, 15-18 दिसंबर)। उपयोगी सेवक लेकिन खतरनाक स्वामी: सामाजिक प्रदर्शन के लिए आईटी निवेश की दोधारी तलवार । भारत रणनीति सम्मेलन (आईएससी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
79. टांक, पी.एस., जैन, एस.के., और गोपालकृष्णन, बी. (2024, 2-6 जुलाई)। क्या कंपनियाँ जलवायु परिवर्तन पर प्रतिबद्धताओं पर प्रतिक्रिया देती हैं? निवेश तीव्रता पर सीओपी21 का प्रभाव । दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी में प्रस्तुत शोधपत्र।
80. टांक, पी.एस., अग्रवाल, डी., और जायसवाल, एस. (2024, 9-13 अगस्त)। भौगोलिक गतिशीलता और समूह प्रभाव: नए उद्यमों पर त्वरक के प्रभाव का खुलासा । शिकागो, अमेरिका में प्रबंधन अकादमी की 84वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत शोधपत्र।
81. टांक, पी.एस., अग्रवाल, डी., और जायसवाल, एस. (2024, 2-6 जुलाई)। भौगोलिक गतिशीलता और समूह प्रभाव: उद्यम प्रदर्शन पर त्वरक के प्रभाव का खुलासा । दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी में प्रस्तुत शोधपत्र।
82. टांक, पी.एस., कर्ण, ए., शर्मा, एस., और सेतिया, पी. (2024, 15-18 दिसंबर)। हर जगह एक साथ सब कुछ: कार्यकारी ध्यान और फर्म विकास की व्यापकता । भारत रणनीति सम्मेलन (आईएससी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।

83. टांक, पी.एस., कर्ण, ए., शर्मा, एस., और सेतिया, पी. (2024, 19-22 अक्टूबर)। हर जगह एक साथ सब कुछ: कार्यकारी ध्यान और फर्म विकास की व्यापकता । 44वें स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन, इस्तांबुल, तुर्की में प्रस्तुत शोधपत्र।
84. टांक, पी.एस., शर्मा, डी., और जैन, डी. (2024, 2-6 जुलाई)। स्वदेश के संस्थान और नए उद्यम परिणाम: संस्थागत शून्यता या समर्थन? सियोल, दक्षिण कोरिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी में प्रस्तुत शोधपत्र।
85. त्रिपाठी, ए., दास, ए., और नागराजन, एच.के. (2024, 12-14 दिसंबर)। वित्तीय विस्तार सेवाओं के घरेलू संसाधन आवंटन पर प्रभाव का आकलन । डीएसई विंटर स्कूल, नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
86. त्रिपाठी, ए., दास, ए., और नागराजन, एच.के. (2025, 10-11 फ़रवरी)। घरेलू संसाधनों के आवंटन पर वित्तीय विस्तार सेवाओं के प्रभाव का आकलन । प्रथम एडीईए सम्मेलन, क्यूयूटी, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुत शोधपत्र।
87. त्रिपाठी, ए., दास, ए., और नागराजन, एच.के. (2025, 6-7 जनवरी)। घरेलू संसाधनों के आवंटन पर वित्तीय विस्तार सेवाओं के प्रभाव का आकलन । 6वें वार्षिक अर्थशास्त्र सम्मेलन - एएमएसओएम, एयू, अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
88. त्रिपाठी, ए., रामपाल, जे., और चक्रवर्ती, ए.एस. (2024, 15-17 दिसंबर)। वित्तीय साक्षरता और उत्पाद उपयोग में सुधार के लिए नेटवर्क-आधारित हस्तक्षेप । बीआरईडब्ल्यू-ईएसए 2024, नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
89. त्रिवेदी, वी. (2024, 2-5 दिसंबर)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता: श्रमिकों की भलाई को कम करते हुए एल्गोरिथम प्लेटफ़ॉर्म को बेहतर बनाना। 37वें ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड प्रबंधन अकादमी (एएनज़ेडएएम), होबार्ट, ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुत शोधपत्र।
90. त्रिवेदी, वी., और मोसेस, ए. (2024, 30 सितंबर-1 अक्टूबर)। उभरती अर्थव्यवस्थाओं की विरासत फर्मों के लिए एआई और डिजिटल प्रतिभा निर्माण हेतु प्रतिभा प्रबंधन अनिवार्यताएँ । 13वां, लक्ज़मबर्ग।
91. वात्सल्य, वी.एस., और शंकरनारायणन, एस. (2024, 2-6 दिसंबर)। पूर्णांक द्विस्तरीय प्रोग्रामों के लिए निकटता आधारित सन्निकटन एल्गोरिदम । मिश्रित पूर्णांक प्रोग्रामिंग अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (एमआईपी), मुंबई, भारत।
92. वात्सल्य, वी.एस., और शंकरनारायणन, एस. (2024, 7-9 दिसंबर)। पूर्णांक द्विस्तरीय कार्यक्रमों के लिए निकटता आधारित सन्निकटन एल्गोरिदम । भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत।
93. वात्सल्य, वी.एस., और शंकरनारायणन, एस. (2025, 28 फ़रवरी-2 मार्च)। पूर्णांक द्विस्तरीय प्रोग्रामों के लिए निकटता आधारित सन्निकटन एल्गोरिदम । लार्ज स्केल ऑप्टिमाइज़ेशन कॉन्फ्रेंस (एलएसओ), रुड़की, भारत।
94. वर्मा, एस. (2024, 7-9 दिसंबर)। समतामूलक शहरों का निर्माण: स्थायी पारगमन वित्तपोषण के लिए भूमि मूल्य अधिग्रहण (एलवीसी) में स्थानिक न्याय । भारतीय प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
95. वर्मा, एस. (2024, 7-9 दिसंबर)। भारतीय शहरों में पार्किंग अवसंरचना और चुनौतियाँ: ट्विटर डेटा विश्लेषण से अंतर्दृष्टि । भारत प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन (आईएमआरसी), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
96. वर्मा, एस. (2024, 23-25 अक्टूबर)। किसी को पीछे न छोड़ना: भारत में स्वच्छ गतिशीलता परिवर्तन में विकलांगता समावेशन एजेंडा को शामिल करना। जिनेवा, स्विट्जरलैंड के जिनेवा ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट में स्थानीय पर्यावरणीय लोकतंत्र और हरित परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।
97. वर्मा, एस. (2025, 21-23 फ़रवरी)। दृष्टिबाधित कर्मचारियों की अनुभूत (अ)पहुंच की खोज करना। विकलांग व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी सम्मेलन (सीटीडीपी 2025), अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।
98. यादव, डी., घोष, आर., और दास, पी. (2025, 29 जनवरी-1 फ़रवरी)। भूमि स्वामित्व गुणवत्ता और कृषि भूमि किराया। लखनऊ, भारत में चौथे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।
99. ज़ाला, डी., देवधर, एस., और मजूमदार, ए. (2024, 31 मई-2 जून)। इक्विटी क्राउडफंडिंग के माध्यम से उद्यमशीलता के लिए धन उगाहने पर नवीनता की कहानी का प्रभाव । प्रबंधन शिक्षा एवं अनुसंधान संगोष्ठी (एमईआरसी), काशीपुर, भारत में प्रस्तुत शोधपत्र।

IIMA
विद्याविनियोगाद्विकासः

पंजीकृत आधार पत्र

क्रमांक	आधार पत्र नं.	आधार पत्र का शीर्षक	लेखक	विषय-क्षेत्र
1	2024-04-01	भारत में 'निंदनीय' और 'अश्लील' ट्रेडमार्क का अनुभवजन्य विश्लेषण	एम.पी. राम मोहन, आदित्य गुप्ता और विजय वी वेंकटेश	रणनीति और बृजदिसा डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र
2	2024-05-01	भारत की स्वर्ण आयात नीतियों में बहु-शुल्क संरचनाएं: 2023-24 के व्यापार आंकड़ों का उपयोग करते हुए स्पष्ट त्रुटियों के प्रमाण	सुंदरावल्ली नारायणस्वामी और अनुमेहा सक्सेना	भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी)
3	2024-05-02	भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत निहित शक्ति का उपयोग: एक अनुभवजन्य अध्ययन	एम.पी. राम मोहन, श्रीराम प्रसाद, विजय वी वेंकटेश, साई मुरलीधर और जैकब पी एलेक्स	रणनीति
4	2024-06-01	कॉर्पोरेट उद्देश्य का पुनर्मूल्यांकन: ऐतिहासिक और तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से भारतीय हितधारक शासन ढांचे का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन	एम. पी. राम मोहन और आस्था पांडे	रणनीति
5	2024-08-01	चमकदार विरोधाभास: भारत की स्वर्ण नीति के विकास और उसकी स्थायी खामियों का खुलासा	रामकृष्णन पद्मनाभन, चंदन सत्यार्थ और सुंदरावल्ली नारायणस्वामी	भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी)
6	2024-09-01	ट्रेडमार्क में अधिकारों की समाप्ति के सिद्धांत के अपवाद के रूप में ट्रेडमार्क स्वामी का "नैतिक अधिकार"	सहाना सिम्हा और एम. पी. राम मोहन	रणनीति
7	2024-10-01	स्थिरता संबंधी प्रकटीकरण ढाँचों का तुलनात्मक विश्लेषण: एसएफडीआर, आईएफसी पीएस, और बीआरएसआर	अमित गर्ग, कृति उपाध्याय और संजय कुमार जैन	सार्वजनिक प्रणाली समूह
8	2024-12-01	बह गए: औद्योगिक पूंजी, श्रम और बाढ़	अनीश सुगथन, अर्पित शाह और दीपक मेलघन	स्थिरता और कॉर्पोरेट प्रशासन, रणनीति केंद्र
9	2024-12-02	भारत में परिसमाप्त क्षतियाँ: अवधारणाएँ, प्रवर्तनीयता और प्रारूपण संबंधी विचार	एम.पी. राम मोहन, गौरव रे, प्रोमोद मुरुगावेलु, और जीरी संजना रेड्डी	रणनीति
10	2025-01-01	भारत का स्वर्ण व्यापार: 2025 में आगे की राह के लिए सिफारिशें	सुंदरावल्ली नारायणस्वामी	भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी)
11	2025-01-02	आभूषणों से संबंधित ट्रेडमार्क : भारत में कक्षा 14 के ट्रेडमार्क का अनुभवजन्य मूल्यांकन	एम.पी. राम मोहन, विजय वी वेंकटेश और आदित्य गुप्ता	रणनीति
12	2025-01-03	क्या क्रूरता-मुक्त व्यवहार मायने रखते हैं? क्रूरता-मुक्त उत्पादों के लिए अलग-अलग पसंद में उपभोक्ता प्रजातिवाद की भूमिका	अन्वेषा बंदोपाध्याय, सौरव विकास बोरा, सौम्या मुखोपाध्याय और तन्वी गुप्ता	विपणन
13	2025-02-01	भारतीय कॉर्पोरेट उद्देश्य दुविधा का समाधान: इकाई-आधारित दृष्टिकोण से अंतर्दृष्टि	आस्था पांडे और एम. पी. राम मोहन	रणनीति

परिशिष्ट जे

केस, अनुसंधान, और परामर्शन

वर्ष	पूर्ण हुए केस (संचयी)	पूर्ण हुई अनुसन्धान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण हुई परामर्श परियोजनाएँ (संचयी)
2015-16	3849	889	3438
2016-17	3891	894	3492
2017-18	3918	901	3528
2018-19	3977	909	3564
2019-20	4020	928	3591
2020-21	4091	956	3622
2021-22	4141	972	3671
2022-23	4184	992	3715
2023-24	4226	996	3756
2024-25	4274	1007	3789

परिशिष्ट के

केस केंद्र

पंजीकृत केस/तकनीकी नोट/शैक्षणिक नोट
सम्मेलन / डॉक्टरल संगोष्ठी / छात्रों द्वारा कंसोर्टियम भागीदारी / पेपर प्रकाशन

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण की तारीख	प्रकार	शीर्षक	लेखक
एमएआर0540	17-04-2024	केस	कोआला केब्स : परिवहन क्षेत्र में परेशानी ?	रॉय, शुभ्रदीप सिंह, ज्योति चौधरी, श्रुति
एमएआर0540टीएन	17-04-2024	शिक्षण नोट	कोआला कब्स : परिवहन क्षेत्र में परेशानी: एक शिक्षण नोट	रॉय, सुभ्रदीप सिंह, ज्योति चौधरी, श्रुति
ओएंडडीएस0005ईएक्स	22-04-2024	अभ्यास	वस्त्रापुर विजेट्स लिमिटेड_(अभ्यास)	रविचंद्रन, एन. पटेल, निकुंजकुमार
ओएंडडीएस0005टीएन	22-04-2024	शिक्षण नोट	वस्त्रपुर विजेट्स लिमिटेड: एक शिक्षण नोट	रविचंद्रन, एन. पटेल, निकुंजकुमार
एमसीएफएमई0004	22-04-2024	केस	ओआरएल: विविधीकरण और कोविड-19 का प्रभाव	सिंघल, नमन टिक, सिद्धार्थ दासी, अभिमान
एमसीएफएमई0004टीएन	22-04-2024	शिक्षण नोट	ओआरएल: विविधीकरण और कोविड-19 का प्रभाव: एक शिक्षण नोट	सिंघल, नमन टिक, सिद्धार्थ, दासी, अभिमान
एमसीएफएमई0001	09-05-2024	केस	आरईआईटी: भारतीय रियल एस्टेट का उत्साह	मुंधड़ा , केतन नैरकर , चिन्मय दास, अभिमान
एमसीएफएमई0001टीएन	09-05-2024	शिक्षण नोट	आरईआईटी: भारतीय रियल एस्टेट का उत्साह: एक शिक्षाप्रद नोट	मुंधड़ा , केतन नैरकर , चिन्मय दास, अभिमान
एमसीएफएमई0002	09-05-2024	केस	रेरा - एक रियल एस्टेट मध्यस्थ	मुंधड़ा , केतन सिंह, प्रिया कौर, जसलीन नंदी, तितास प्रभाकर, यूथिष शुक्ला, आकाश सेठी, अभिषेक दास, अभिमान

एमसीएफएमई0002टीएन	09-05-2024	शिक्षण नोट	रेरा - एक रियल एस्टेट मध्यस्थ: एक शिक्षण नोट	मुंधड़ा , केतन सिंह, प्रिया कौर, जसलीन नंदी, तितास प्रभाकर, यथिष शक्ला, आकाश सैठी, अभिषेक दास, अभिमान
एमएआर0544	29-05-2024	केस	भारतीय कैंसर सोसायटी: कैंसर उपचार के लिए अभिनव वित्तपोषण	सहाय, अरविंद जोशी, वरुणा एम.
एमएआर0544टीएन	29-05-2024	शिक्षण नोट	भारतीय कैंसर सोसायटी: कैंसर उपचार के लिए अभिनव वित्तपोषण: एक शिक्षण नोट	सहाय, अरविंद
एचआरएम0262	12-06-2024	केस	डेलोइट का सेकंड इनिंग्स कार्यक्रम	त्रिपाठी, नेहा
एचआरएम0262टीएन	12-06-2024	शिक्षण नोट	डेलोइट का सेकंड इनिंग्स कार्यक्रम: एक शिक्षण नोट	त्रिपाठी, नेहा
एमसीएफएमई0003	12-06-2024	केस	भारतीय आवास वित्त बाजार - क्या यह स्थिर हो रहा है?	सांवरिया , अभिषेक मेनन, अमृता स्वामीनाथन, अनिरुद्ध गोयल, यश मेहता, उदित पी, वैशाख बंसल, वर्तिका दास, अभिमान
एमसीएफएमई0003टीएन	12-06-2024	शिक्षण नोट	भारतीय आवास वित्त बाजार - क्या मंदी की ओर बढ़ रहा है? : एक शिक्षण नोट	सांवरिया , अभिषेक मेनन, अमृता स्वामीनाथन, अनिरुद्ध गोयल, यश मेहता, उदित पी, वैशाख बंसल, वर्तिका दास, अभिमान
सीएमए0825	28-06-2024	केस	एसफार्म्सइंडिया : कृषि भूमि का आंशिक स्वामित्व	दास, प्रशांत रंजन, कोमल
सीएमए0825टीएन	28-06-2024	शिक्षण नोट	एसफार्म्सइंडिया : कृषि भूमि का आंशिक स्वामित्व: एक शिक्षण नोट	दास, प्रशांत रंजन, कोमल
एमएआर0545	04-07-2024	केस	थेका कॉफी: क्या कोल्ड ब्रू गर्म हो रही है?	दयाल, स्मिता नेर्लेकर, वर्षा रॉय, शुभदीप
एमएआर0545टीएन	04-07-2024	शिक्षण नोट	थेका कॉफी: क्या कोल्ड ब्रू गर्म हो रही है? : एक शिक्षण नोट	दयाल, स्मिता नेर्लेकर, वर्षा रॉय, शुभदीप
एसटीआर0480	08-07-2024	केस	भरत पारेख: एक जीवन बीमा एजेंट की विकास आकांक्षाएं	सहगल, स्वाति मुखर्जी, सरल शर्मा, सुनील
एसटीआर0480टीएन	08-07-2024	शिक्षण नोट	भरत पारेख: जीवन बीमा एजेंट की विकास आकांक्षाएं: एक शिक्षण नोट	कांकरिया, वेदिका मुखर्जी, सरल शर्मा, सुनील
एमएआर0542ईएक्स	24-07-2024	अभ्यास	इनोवेशन लाइव: विचार से लेकर अवधारणा निर्माण तक; ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को पुनः डिजाइन करने के लिए एक लोककल्याणात्मक दृष्टिकोण: एक अभ्यास	मोसेस, आदित्य चट्टोपाध्याय, अरका रॉय, अरित्रा
एमएआर0542टीएन	24-07-2024	शिक्षण नोट	इनोवेशन लाइव: विचार से लेकर अवधारणा निर्माण तक; ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को पुनः डिजाइन करने के लिए एक लोककल्याणात्मक दृष्टिकोण: एक शिक्षण नोट	मोसेस, आदित्य चट्टोपाध्याय, अरका रॉय, अरित्रा
आईएस0147	02-08-2024	केस	अरविंद फैशन: डिजिटल भारत में ओमनीचैनल रिटेलिंग	लाहिड़ी, सैकत राव, राघव एच. बोस, इंद्रनील भट्टाचार्य, समद्रिता
आईएस0147टीएन	02-08-2024	शिक्षण नोट	अरविंद फैशन: डिजिटल भारत में ओमनीचैनल रिटेलिंग: एक शिक्षण नोट	लाहिड़ी, सैकत राव, राघव एच. बोस, इंद्रनील भट्टाचार्य, समद्रिता
एसटीआर0482	29-08-2024	केस	सैंगयोंग - एनएचएआई: ऊबड़-खाबड़ सड़क	अग्रवाल, अनुराग
एसटीआर0482टीएन	29-08-2024	शिक्षण नोट	सैंगयोंग - एनएचएआई: ऊबड़-खाबड़ सड़क: एक शिक्षण नोट	अग्रवाल, अनुराग
सीएमए0827	10-09-2024	केस	इनोफार्म्स : कृषि अपशिष्ट में कमी लाने के लिए सरल प्रसंस्करण-ऑन-व्हील्स प्रौद्योगिकी समाधान	वेमिरेड्डी, विद्या सिंह, सुरुचि टाक, निकिता

सीएमए0827टीएन	10-09-2024	शिक्षण नोट	इनोफार्म्स : कृषि अपशिष्ट में कमी लाने के लिए सरल प्रसंस्करण-ऑन-व्हील्स प्रौद्योगिकी समाधान: एक शिक्षण नोट	वेमिरेड्डी, विद्या सिंह, सुरुचि टांक, निकिता
एमएआर0546	30-09-2024	केस	केट्टो: भारत का सबसे सफल क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म	जैन, अक्षत पांडे, अजय जैन, प्रतीक
एमएआर0546टीएन	30-09-2024	शिक्षण नोट	केट्टो: भारत का सबसे सफल क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म: एक शिक्षण नोट	जैन, अक्षत पांडे, अजय जैन, प्रतीक
सीएमएचएस0048	04-10-2024	केस	दुबई के स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र का विकास: वैश्विक चिकित्सा पर्यटन केंद्र बनने की ओर	मोसेस आदित्य शुक्ला राहुल कुमार
सीएमएचएस0048टीएन	04-10-2024	शिक्षण नोट	दुबई के स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र का विकास: वैश्विक चिकित्सा पर्यटन केंद्र बनने की दिशा में: एक शिक्षण नोट	मोसेस आदित्य शुक्ला राहुल कुमार
सीटीएल0004	11-10-2024	केस	केयरटेकर लॉजिस्टिक्स	अय्यर, लक्ष्मी शंकर बाबू, दीपक गुप्ता, संदीप दीश, सौरव राजू, रोशन
सीटीएल0004टीएन	11-10-2024	शिक्षण नोट	केयरटेकर लॉजिस्टिक्स: एक शिक्षण नोट	अय्यर, लक्ष्मी शंकर बाबू, दीपक गुप्ता, संदीप दीश, सौरव राजू, रोशन
सीएमए0826	25-10-2024	केस	मेगा मोडा प्राइवेट लिमिटेड	वर्मा, पूर्णिमा
सीएमए0826टीएन	25-10-2024	शिक्षण नोट	मेगा मोडा प्राइवेट लिमिटेड: एक शिक्षण नोट	वर्मा, पूर्णिमा
एमएआर0549	13-11-2024	केस	उड़चलो : रक्षा कर्मियों में भगवान हनुमान की छवि जागृत करना	जेना, संजय कुमार बोरा, विकास सौरव जैन, अंकित भार्गव, आनंद प्रकाश
एमएआर0549टीएन	13-11-2024	शिक्षण नोट	उड़चलो : रक्षा कर्मियों में भगवान हनुमान की छवि जागृत करना : एक शिक्षण नोट	जेना, संजय कुमार बोरा, विकास सौरव जैन, अंकित भार्गव, आनंद प्रकाश
एडीसीएलओडी0003	26-11-2024	केस	प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव: आयोजन पैमाने	गुप्ता, विशाल गोंधी, मनन
एडीसीएलओडी0003टीएन	26-11-2024	शिक्षण नोट	प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव: आयोजन पैमाने : एक शिक्षण नोट	गुप्ता, विशाल
एडीसीएलओडी0004	26-11-2024	केस	प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव: सेवा-अभिविन्यास, जने प्रबंधन और नेतृत्व	गुप्ता, विशाल गोंधी, मनन
एडीसीएलओडी0004टीएन	26-11-2024	शिक्षण नोट	प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव: सेवा-अभिविन्यास, जने प्रबंधन और नेतृत्व: एक शिक्षण नोट	गुप्ता, विशाल
एसटीआर0481	26-11-2024	केस	टाटा - डोकोमो: ग़लत नंबर	अग्रवाल, अनुराग
एसटीआर0481टीएन	26-11-2024	शिक्षण नोट	टाटा - डोकोमो: गलत नंबर: एक शिक्षण नोट	अग्रवाल, अनुराग
ओएंडडीएस0006	26-11-2024	केस	प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव: एक मेगा प्रोजेक्ट का डिज़ाइन	खड़ेर, राशिद मुखर्जी, सरल सौमन, चेतन
ओएंडडीएस0006टीएन	26-11-2024	शिक्षण नोट	प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव: एक मेगा प्रोजेक्ट का डिज़ाइन: एक शिक्षण नोट	मुखर्जी, सरल सौमन, चेतन
एमएआर0550	29-11-2024	केस	टिनीट्रेल्स : छोटे-छोटे मील के पत्थरों पर नज़र रखना	शर्मा, रजत चंदवानी, राजेश
एमएआर0550टीएन	29-11-2024	शिक्षण नोट	टिनीट्रेल्स : छोटे-छोटे मील के पत्थरों पर नज़र रखना: एक शिक्षण नोट	शर्मा, रजत चंदवानी, राजेश
आईजीपीसी0001	02-12-2024	केस	स्कॉटियाबैंक में बुलियन बैंकिंग का उत्थान और पतन	नारायणस्वामी, सुंदरावल्ली अग्रवाल, अन्मया
आईजीपीसी0001टीएन	02-12-2024	शिक्षण नोट	स्कॉटियाबैंक में बुलियन बैंकिंग का उत्थान और पतन: एक शिक्षण नोट	नारायणस्वामी, सुंदरावल्ली अग्रवाल, अन्मया
एचआरएम0263	03-12-2024	केस	ईएफएस में प्रतिभा प्रतिधारण और प्रबंधन	मोसेस, आदित्य मोहम्मद, तौसीफ अहमद, साइमा
एचआरएम0263टीएन	03-12-2024	शिक्षण नोट	ईएफएस में प्रतिभा प्रतिधारण और प्रबंधन: एक शिक्षण नोट	मोसेस, आदित्य मोहम्मद, तौसीफ अहमद, साइमा

सीआईआईई0029	05-12-2024	केस	पियानो मैन	नारायणन, अनाका हल्दीपुर , अमृता जैन, आंचल कर्ण, अमित
सीआईआईई0029टीएन	05-12-2024	शिक्षण नोट	पियानो मैन: एक शिक्षण नोट	जैन, आंचल कर्ण, अमित हल्दीपुर, अमृता
एमएआर0548	18-12-2024	केस	सुजानी: एक शिल्प को पुनर्जीवित करने का प्रयास	चंदवानी, राजेश मुखर्जी, सरल मैंघराजानी, इंद्रा
एमएआर0548टीएन	18-12-2024	शिक्षण नोट	सुजानी: एक शिल्प को पुनर्जीवित करने का प्रयास: एक शिक्षण नोट	चंदवानी, राजेश मुखर्जी, सरल मैंघराजानी, इंद्रा
एफ़एंडए0576	19-12-2024	केस	यस बैंक: सुधार की चुनौती	गोपालकृष्णन, बालगोपाल जैकब, जोशी
एफ़एंडए0576टीएन	19-12-2024	शिक्षण नोट	यस बैंक: बदलाव की चुनौती: एक शिक्षण नोट	गोपालकृष्णन, बालगोपाल जैकब, जोशी
सीटीएल0005	27-12-2024	केस	मैरिको लिमिटेड: वेयरहाउस स्वचालन और प्रौद्योगिकी चयन	रॉय, देबजीत यदु, बिपिन
सीटीएल0005टीएन	27-12-2024	शिक्षण नोट	मैरिको लिमिटेड: वेयरहाउस स्वचालन और प्रौद्योगिकी चयन: एक शिक्षण नोट	रॉय, देबजीत यदु, बिपिन
एसटीआर0487	30-12-2024	केस	नया कॉफी ब्रांड: बिली हू और इसकी विकास यात्रा	कौल, आशा सिंगला, चित्रा चौधरी, विधि
एसटीआर0487टीएन	30-12-2024	शिक्षण नोट	नया कॉफ़ी ब्रांड: बिली हू और इसकी विकास यात्रा: एक शिक्षण नोट	सिंगला, चित्रा कौल, आशा चौधरी, विधि
सीडीटी0002आईएन	31-12-2024	उद्योग नोट	डिजिटल परिदृश्य में आगे बढ़ रहे भारतीय एमएसएमई; उद्योग नोट	सेतिया, पंकज तिवारी, तारा
ओएंडडीएस0007(ए) ईएक्स	31-12-2024	अभ्यास	एसवाईएस फर्टिलाइजर्स (ए) - प्रक्रिया विश्लेषण	शिंदे, शुभम् ए. परमेश्वरी, योगा एम. नारायणस्वामी, सुंदरावल्ली
ओएंडडीएस0007(ए)टीएन	06-01-2025	शिक्षण नोट	एसवाईएस फर्टिलाइजर्स (ए): प्रक्रिया विश्लेषण: एक शिक्षण नोट	शिंदे, शुभम् ए. परमेश्वरी, योगा एम. नारायणस्वामी, सुंदरावल्ली
ओएंडडीएस0007(बी) ईएक्स	06-01-2025	अभ्यास	एसवाईएस फर्टिलाइजर्स (बी): उत्पाद मिश्रण अनुकूलन	शिंदे, शुभम् ए. परमेश्वरी, योगा एम. नारायणस्वामी, सुंदरावल्ली
ओएंडडीएस0007(बी)टीएन	06-01-2025	शिक्षण नोट	एसवाईएस फर्टिलाइजर्स (सी): परियोजना प्रबंधन: एक शिक्षण नोट	शिंदे, शुभम् ए. परमेश्वरी, योगा एम. नारायणस्वामी, सुंदरावल्ली
ओएंडडीएस0007(सी) ईएक्स	06-01-2025	अभ्यास	एसवाईएस फर्टिलाइजर्स (सी): परियोजना प्रबंधन	शिंदे, शुभम् ए. परमेश्वरी, योगा एम. नारायणस्वामी, सुंदरावल्ली
ओएंडडीएस0007(सी) टीएन	06-01-2025	शिक्षण नोट	एसवाईएस फर्टिलाइजर्स (सी): परियोजना प्रबंधन: एक शिक्षण नोट	शिंदे, शुभम् ए. परमेश्वरी, योगा एम. नारायणस्वामी, सुंदरावल्ली
एमएआर0547	08-01-2025	केस	मूनशाइन मीडरी: नशा हो रहा है या चुभन महसूस हो रही है?	शर्मा, प्रिटी रॉय, शुभदीप
एमएआर0547टीएन	08-01-2025	शिक्षण नोट	मूनशाइन मीडरी: नशा करना या चुभन महसूस करना ? : एक शिक्षण नोट	शर्मा, प्रिटी रॉय, शुभदीप
सीआईआईई0031	10-01-2025	केस	बिंक्स: कस्टमाइज्ड टेलरिंग सर्विसेज स्टार्टअप की शुरुआत	मेंडोंका, वैलेरी शर्मा, सुप्रिया कुलकर्णी, वैभवी
सीआईआईई0031टीएन	10-01-2025	शिक्षण नोट	बिंक्स: कस्टमाइज्ड टेलरिंग सर्विसेज स्टार्टअप की शुरुआत: एक शिक्षण नोट	कुलकर्णी, वैभवी मेंडोंका, वैलेरी शर्मा, सुप्रिया
एडीसीएलओडी0005	03-02-2025	केस	विविधता और समावेश पर लघु चित्र	वोहरा, नेहारिका अग्रवाल, उपासना ए. भयान, चयनिका
एडीसीएलओडी0005टीएन	03-02-2025	शिक्षण नोट	विविधता और समावेश पर लघु चित्र: एक शिक्षण नोट	वोहरा, नेहारिका अग्रवाल, उपासना ए. भयान, चयनिका
एसटीआर0488टेक	04-02-2025	तकनीकी नोट	मध्यस्थता और भारत के सर्वोच्च न्यायालय का उपचारात्मक क्षेत्राधिकार	अग्रवाल, अनुराग
एफ़एंडए0580	07-02-2025	केस	अजूका लाइफ साइंसेज 2024	जैकब, जोशी वर्मा, जयंत आर.

एफ़एंडए0580टीएन	07-02-2025	शिक्षण नोट	अजूका लाइफ साइंसेज 2024: एक शिक्षण नोट	जैकब, जोशी वर्मा, जयंत आर.
आईएस0149	18-02-2025	केस	सैट्स्योर और अंतरिक्ष तकनीक: नजर आसमान से या जमीन से?	लाहिड़ी, सैकत बोस, इंद्रनील धर, सुपर्णा मुखर्जी, दीप नारायण मैजूमदार, अद्रिजा
आईएस0149टीएन	18-02-2025	शिक्षण नोट	सैट्स्योर और अंतरिक्ष तकनीक: नज़र आसमान से या ज़मीन से ?: एक शिक्षण नोट	लाहिड़ी, सैकत बोस, इंद्रनील धर, सुपर्णा मुखर्जी, दीप नारायण मैजूमदार, अद्रिजा
एचआरएम0264	24-02-2025	केस	एसईएस में एचआरएम प्रथाओं को आकार देना: जहां लोग सीखना, काम करना और रहना पसंद करते हैं	वर्की, बीजू शाह, विरांगी
एचआरएम0264टीएन	24-02-2025	शिक्षण नोट	एसईएस में एचआरएम प्रथाओं को आकार देना: जहां लोग सीखना, काम करना और रहना पसंद करते हैं: उद्योग नोट	वर्की, बीजू शाह, विरांगी
सीआईआईई0030	26-02-2025	केस	डोज़ी : भारत में डिजिटल हेल्थकेयर उत्पाद स्टार्टअप का विस्तार	मेंडोंका, वैलेरी लाहा, अर्नब
सीआईआईई0030टीएन	26-02-2025	शिक्षण नोट	डोज़ी : भारत में डिजिटल हेल्थकेयर उत्पाद स्टार्टअप का विस्तार: एक शिक्षण नोट	मेंडोंका, वैलेरी लाहा, अर्नब
एमएआर0551	26-02-2025	केस	ट्रूरीचडॉटएआई: बी2बी संदर्भ में डिजिटल व्यक्तित्व और यात्रा का प्रबंधन	शर्मा, रजत
एमएआर0551टीएन	26-02-2025	शिक्षण नोट	ट्रूरीचडॉटएआई: बी2बी संदर्भ में डिजिटल व्यक्तित्व और यात्रा का प्रबंधन: एक शिक्षण नोट	शर्मा, रजत
एमएआर0555	26-02-2025	केस	करींआईटी : सफलता के लिए सही नुस्खा की खोज	रॉय, शुभ्रदीप दांडगे, प्रियंका विशाल
एमएआर0555टीएन	26-02-2025	शिक्षण नोट	करींआईटी : सफलता के लिए सही नुस्खा की खोज: एक शिक्षण नोट	रॉय, शुभ्रदीप दांडगे, प्रियंका विशाल
एमएआर0552	18-03-2025	केस	डेविड बनाम गोलियथ: भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां संघ (एनआरएआई) और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म	देवधर, स्वानंद शर्मा, रजत थट्टे, पियाली
एमएआर0552टीएन	18-03-2025	शिक्षण नोट	डेविड बनाम गोलियत: भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां संघ (एनआरएआई) और खाद्य वितरण प्लेटफॉर्म: एक शिक्षण नोट	देवधर, स्वानंद शर्मा, रजत थट्टे, पियाली
एफ़एंडए0577	20-03-2025	केस	माइंडस्पेस ग्रीन बॉन्ड के साथ पुनर्वित्त: भारत में आरईआईटी प्रबंधन की कहानी	दास, प्रशांत रात्रा, सिद्धार्थ
एफ़एंडए0577टीएन	20-03-2025	शिक्षण नोट	माइंडस्पेस ग्रीन बॉन्ड के साथ पुनर्वित्त: भारत में आरईआईटी प्रबंधन की कहानी: एक शिक्षण नोट	दास, प्रशांत रात्रा, सिद्धार्थ
जेएसडब्ल्यू0003टेक	20-03-2025	तकनीकी नोट	सीएक्यूएम और जीआरएपी: सार्वजनिक नीति और न्यायपालिका	अग्रवाल, अनुराग
आईएस0148	21-03-2025	केस	टाइलबाज़ार : ऑनलाइन टाइलें और सिरेमिक बेचना	वर्मा, संजय
आईएस0148टीएन	21-03-2025	शिक्षण नोट	टाइलबाज़ार : ऑनलाइन टाइलें और सिरेमिक बेचना: एक शिक्षण नोट	वर्मा, संजय
एसटीआर0491	27-03-2025	केस	मनकास्तु , एयरविज़ुअल और आईक्यूएयर	अग्रवाल, अनुराग के.
एसटीआर0491टीएन	27-03-2025	शिक्षण नोट	मनकास्तु , एयरविज़ुअल और आईक्यूएयर : एक शिक्षण नोट	अग्रवाल, अनुराग के.
एसटीआर0484	31-03-2025	केस	श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में लचीली, जिम्मेदार और प्रतिक्रियाशील हीरा आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण	रॉय, देबजीत श्रीवास्तव, पूजा
एसटीआर0484टीएन	31-03-2025	शिक्षण नोट	श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में लचीली, जिम्मेदार और प्रतिक्रियाशील हीरा आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण: एक शिक्षण नोट	रॉय, देबजीत श्रीवास्तव, पूजा

संस्थान, अन्य शैक्षणिक संस्थानों और अन्य द्वारा उपयोग किए गए केसों का सारांश

संस्थान	प्रतियों की संख्या	वर्ष-दर-वर्ष % वृद्धि
आईआईएमए के अंदर खरीदे गए केस	82,296	-1%
शैक्षणिक संस्थानों द्वारा खरीदे गए केस (खुदरा और वार्षिक अनुबंध समझौता)	1,27,131	-19%
दूसरों के द्वारा खरीदे गए केस [व्यक्तिगत (आईआईएमए और गैर-आईआईएमए), कॉरपोरेटों और गैर-आईआईएमए संकाय सहित]	2648	13%

IIMA
विद्याविनियोगाद्विकास:

वितरण भागीदार और आनुपातिक बिक्री की सूची

क्रमांक	वितरण भागीदार	समझौते का वर्ष	वितरित केस/शिक्षण नोट की कुल संख्या	बिक्री हुई प्रतियों की संख्या	बिक्री में वर्ष-दर-वर्ष % वृद्धि
01	रिचर्ड आईवी पब्लिशिंग	19 फरवरी, 2015	286	1201	-20%
02	हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग	17 जून, 2015	266	61,288	14%
03	सेज पब्लिकेशन्स लिमिटेड	03 नवंबर, 2015	541	372	1%
04	द केस सेंटर यूके (ईसीसीएच)	01 फरवरी, 2016	246	590	133%
05	एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड (लाइब्रेरी सब्सक्रिप्शन मॉडल)	02 सितंबर, 2019	300	लागू नहीं	
06	डार्डन बिजनेस पब्लिशिंग	04 अक्टूबर, 2023	285	लागू नहीं	

फिलिप थॉमस मेमोरियल केस अवॉर्ड और आईआईएमए एंडोमेंट केस अवॉर्ड विजेताओं की सूची

केस क्रमांक	केस का शीर्षक	केस के लेखक
फिलिप थॉमस मेमोरियल केस अवॉर्ड *		
ओएंडडीएस0006	प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव: एक मेगा प्रोजेक्ट का डिज़ाइन	सरल मुखर्जी, चेतन सोमन
एचआरएम0262	डेलोइट का सेकंड इनिंग्स कार्यक्रम	नेहा त्रिपाठी
विद्या वर्धिनी एंडोमेंट फंड (वीवीईएफ) अवॉर्ड *		
एसटीआर0487	नया कॉफी ब्रांड: बिली हू और इसकी विकास यात्रा	आशा कौल, चित्रा सिंगला, विधि चौधरी
आईआईएमए एंडोमेंट केस अवॉर्ड *		
एफ़एंडए0575	चारा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड: निवेश समिति के समक्ष सीड फंडिंग की चुनौतियां	जयंत आर. वर्मा, जोशी जैकब
एमएआर0549	उड़चलो : रक्षा कर्मियों में भगवान हनुमान की छवि जागृत करना	संजय कुमार जेना, बिकाश सौरव बोरा अंकित जैन, आनंद प्रकाश भार्गव
आईजीपीसी0001	स्कॉटियाबैंक में बुलियन बैंकिंग का उत्थान और पतन	सुन्दरावल्ली नारायणस्वामी अन्मया अग्रवाल
एमसीएफएमई0001	आरईआईटी: भारतीय रियल एस्टेट का उत्साह	केतन मुंधड़ा, चिन्मय नेरकर, अभिमान दास
सीएमए0825	एसफार्म्सइंडिया : कृषि भूमि का आंशिक स्वामित्व	प्रशांत दास, कोमल रंजन
एमएआर0544	भारतीय कैंसर सोसायटी: कैंसर उपचार के लिए अभिनव वित्तपोषण	अरविंद सहाय, वरुणा एम. जोशी
एमएआर0546	केट्टो: भारत का सबसे सफल क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म	अक्षत जैन, अजय पांडे, प्रतीक जैन
सीटीएल0005	मैरिको लिमिटेड: वेयरहाउस स्वचालन और प्रौद्योगिकी चयन	देबजीत रॉय, बिपिन यदु
एफ़एंडए0576	यस बैंक: सुधार की चुनौती	बालगोपाल गोपालकृष्णन, जोशी जैकब
एसटीआर0481	टाटा - डोकोमो: ग़लत नंबर	अनुराग के. अग्रवाल

नोट : जो पूर्णकालीन केस लेखक आईआईएमए के संकाय सदस्य हैं वे केस अवॉर्ड के लिए पात्र हैं।

परिशिष्ट एल

मान्यता एवं रैंकिंग

वित्तीय वर्ष 2024-25 (1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025) में घोषित रैंकिंग		
क्रमांक	**वैश्विक रैंकिंग एक नज़र में :**	**वैश्विक रैंक**
1	फाइनेंशियल टाइम्स प्रबंधन में स्नातकोत्तर रैंकिंग 2024	39वां
2	फाइनेंशियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2025	31वां
3	प्रबंधन में क्यू एस स्नातकोत्तर रैंकिंग 2025	56वां
4	क्यूएस वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2025	60वां
5	कृषि व्यवसाय/ खाद्य उद्योग प्रबंधन में एडुनिवर्सल सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर रैंकिंग 2024	प्रथम
6	फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2024 (मुक्त)	43वां
7	फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2024 (अनुकूलित)	70वां
क्रमांक	**राष्ट्रीय रैंकिंग एक नजर में :**	**राष्ट्रीय रैंक**
1	भारतीय रैंकिंग (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2024)	प्रथम
2	बिजनेसवर्ल्ड बी-स्कूल सर्वे 2024	प्रथम
3	द वीक हंसा रिसर्च बेस्ट बी-स्कूल सर्वे 2024	प्रथम
4	फॉर्च्यून इंडिया बेस्ट एमबीए रैंकिंग 2024	प्रथम

परिशिष्ट एम

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

प्रतिभागियों का आवंटन

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक/ सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेश	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	11	63	897	66	1026
प्रस्तावित नए कार्यक्रम	10	32	294	11	337
नियमित-पुनरावर्तित कार्यक्रम	62	284	1687	55	2026
कुल	83	379	2878	132	3389

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक/ सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेश	
3टीपी: उभरते नेताओं का कार्यक्रम 22 जुलाई - 17 अगस्त, 2024	3	30	4	37
3टीपी: वरिष्ठ नेताओं का कार्यक्रम 06 - 29 जनवरी, 2025	3	18	2	23
त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 13) 27 सितंबर, 2023 - 10 अक्टूबर, 2024	4	131	0	135
* त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 14) 26 मार्च, 2024 - 6 अप्रैल, 2025	2	140	0	142
* त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 15) 11 सितंबर, 2024 - 18 सितंबर, 2025	25	91	0	116
वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 11) 18 अप्रैल, 2023 - 6 अप्रैल, 2024	2	123	0	125
वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 12) 27 अक्टूबर, 2023 - 23 नवंबर, 2024	2	125	0	127
* वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 13) 15 अप्रैल, 2024 - 13 अप्रैल, 2025	11	116	0	127
* वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 14) 24 नवंबर, 2024 - 22 नवंबर, 2025	11	123	0	134
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 22) 10 जनवरी, 2024 से 22 जून, 2024	0	0	45	45
* सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (बैच - 23) 10 दिसंबर, 2024 से 14 जून, 2025	0	0	15	15
कुल	63	897	66	1026

* जारी मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम

प्रस्तावित नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक/ सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेश	
अर्थशास्त्र				
रणनीतिक विरासत प्रबंधन: व्यवसाय मूल्य बनाने के लिए इतिहास का उपयोग करना 17 - 19 मार्च, 2025	0	18	0	18
वित्त एवं लेखाकरण				
धन-संपत्ति प्रबंधन (मुंबई) 31 जनवरी - 01 फरवरी, 2025	0	21	0	21
सूचना प्रणाली				
वित्तीय प्रौद्योगिकी और वित्तीय विश्लेषण में उन्नत कार्यक्रम - (बैच 01) 15 नवंबर, 2023 - 23 अप्रैल, 2024	9	40	0	49
विपणन				
संकेत, विकल्प और बिक्री प्रबंधन 13 - 15 मई, 2024	0	29	2	31

डिजिटल मार्केटिंग: बिजनेस मॉडल, प्रक्रियाएँ और प्रौद्योगिकियाँ (बैच 01) 28 फ़रवरी, 2024 - 18 जून, 2024	0	55	0	55
संगठनात्मक व्यवहार				
लीप उद्यमी परामर्श बोर्ड (लीप-ईएमबी) कार्यक्रम 09 नवंबर, 2024 - 08 फरवरी, 2025	0	13	0	13
खुशी: जीवन के लिए एचईएएल में महारत हासिल करना 11 - 16 नवंबर, 2024	0	8	0	8
सीएलआईएमबी: नेतृत्व परिवर्तन कार्यक्रम के लिए क्षमता निर्माण 19 - 21 दिसंबर, 2024	18	18	4	40
संचालन और निर्णय विज्ञान				
हाथी और चीते: तंत्र, रणनीति और अड़चनें 29 - 31 जुलाई, 2024	1	39	5	45
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम (बैच 01) 10 फरवरी, 2024 - 01 अक्टूबर, 2024	4	53	0	57
रणनीति				
मुख्य विधिक अधिकारियों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम 29 अप्रैल-1 मई, 2024	4	29	0	33
कुल	36	323	11	370

नियमित/पुनरावर्तित कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक/ सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेश	
नवाचार, ऊष्मायन तथा उद्यमिता केंद्र				
चुनात्मक और सांस्कृतिक व्यवसाय कार्यक्रम मॉड्यूल 1: 20 - 25 अप्रैल, 2024 मॉड्यूल 2: 22 - 27 जुलाई, 2024 मॉड्यूल 3: 16 - 18 अक्टूबर, 2024	0	31	0	31
संचार				
जीत की कगार पर: नेताओं के लिए संचार रणनीतियाँ 19 - 24 अगस्त, 2024	5	17	0	22
लोगों को साथ लेकर चलना - अनुनय द्वारा प्रबंधन 23 - 27 सितंबर, 2024	9	24	0	33
रणनीतिक संचार 14 - 17 अक्टूबर, 2024	2	14	0	16
नेताओं के लिए कहानी-कथन के टूलकिट को खोलना 16 - 18 जनवरी, 2025	0	21	1	22
वित्त एवं लेखाकरण				
रणनीतिक व्यावसायिक निर्णयों के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल विकसित करना 16 - 20 सितंबर, 2024	9	13	0	22
व्यवसाय का वित्तीय विश्लेषण 16 - 18 दिसंबर, 2024	6	21	0	27
विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन 10 - 12 फरवरी, 2025	1	26	0	27
व्यवसाय वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम (बैच 05) 15 सितंबर, 2023 - 13 अप्रैल, 2024	3	60	0	63
वित्तीय रिपोर्टिंग और कॉर्पोरेट प्रशासन (बैच 03) 23 अगस्त, 2024 - 3 दिसंबर, 2024	3	56	0	59
*व्यवसाय वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम (बैच 06) 23 सितंबर, 2024 - 20 अप्रैल, 2025	6	60	0	66
मानव संसाधन प्रबंधन				
आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व पाइपलाइन का प्रबंधन 08 - 10 अप्रैल, 2024	0	30	6	36
डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करना 17 - 21 जून, 2024	7	32	3	42
सेवा क्षेत्र की फर्मों का प्रभावी प्रबंधन 03 - 06 जुलाई, 2024	0	16	0	16
मानव संसाधन विश्लेषिकी 27 - 31 अगस्त, 2024	3	12	2	17

रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन 23 - 28 सितंबर, 2024	8	6	1	15
उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन 02 - 07 दिसंबर, 2024	4	11	1	16
प्रबंधकीय प्रभावशीलता 06 - 11 जनवरी, 2025	4	38	0	42
भगवद गीता को समझना - नेतृत्व उत्कृष्टता की ओर एक यात्रा 29जनवरी - 01 फ़रवरी, 2025	6	30	0	36
रणनीतिक नेतृत्व का मनोविज्ञान - युवा महिला कार्यक्रम 19 - 22 फ़रवरी, 2025	0	24	0	24
एचआर ऑडिटिंग - रणनीतिक एचआरएम के लिए ज़मीन तैयार करना 19 - 21 मार्च, 2025	3	11	0	14
सूचना प्रणाली				
एक प्रभावी सीआईओ बनना 06 - 11 मई, 2024	1	13	2	16
आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन 16 - 21 सितंबर, 2024	10	9	0	19
डिजिटल परिवर्तन: रणनीतियाँ और व्यवसाय मॉडल 02 - 07 दिसंबर, 2024	7	26	0	33
डेटा-संचालित संगठन के लिए प्रभावी डेटा विज़ुअलाइज़ेशन 16 - 19 दिसंबर, 2024	10	23	3	36
एआई और विश्लेषिकी के माध्यम से नेताओं के लिए रणनीतिक निर्णय लेना 10 - 14 फरवरी, 2025	4	32	2	38
विपणन				
बी2बी मार्केटिंग 03 - 08 जून, 2024	1	28	1	30
बिक्री बल प्रदर्शन को बढ़ाना 17 - 21 फरवरी, 2025	2	14	0	16
वर्तमान युग में ब्रांड का निर्माण और प्रबंधन 24 - 28 फरवरी, 2025	1	11	0	12
*डिजिटल मार्केटिंग: व्यवसाय मॉडल, प्रक्रियाएँ और प्रौद्योगिकियाँ (बैच 02) 16 मार्च, 2025 - 3 अगस्त, 2025	0	59	1	60
संगठनात्मक व्यवहार				
नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन 27 - 31 मई, 2024	3	76	8	87
संगठनों में स्वयं का प्रबंधन - व्यक्तिगत परिवर्तन और विकास की ओर 16 - 19 अक्टूबर, 2024	8	27	4	39
व्यवसायी महिलाओं में नेतृत्व संभावना और क्षमता को बढ़ाना 25 - 28 नवंबर, 2024	4	18	0	22
पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण 20 - 23 जनवरी, 2025	7	26	0	33
संचालन तथा निर्णय विज्ञान				
पोर्ट डिजाइन और प्रबंधन 02 - 04 मई, 2024	14	16	1	31
रसद प्रबंधन 13 - 15 मई, 2024	2	26	0	28
रेस्तरां डिजाइन और प्रबंधन 01 - 05 जुलाई, 2024	0	26	1	27
विनिर्माण रणनीति 14 - 16 अगस्त, 2024	0	17	1	18
व्यवसाय के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग 23 - 28 सितंबर, 2024	6	12	3	21
परियोजना प्रबंधन 21 - 26 अक्टूबर, 2024	6	22	4	32
गोदाम डिजाइन और प्रबंधन 10 - 14 फ़रवरी, 2024	9	12	1	22
कार्यकारी आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन (बैच 02) 11 मार्च, 2024 - 23 अक्टूबर, 2024	2	48	0	50
*कार्यकारी आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन (बैच 03) 08 मार्च, 2025 - 14 अगस्त, 2025	1	20	0	21
उन्नत व्यवसाय विश्लेषिकी में कार्यकारी कार्यक्रम (बैच 06) 15 जुलाई, 2024 - 30 नवंबर, 2024	1	36	0	37

सार्वजनिक प्रणाली समूह				
अस्पताल प्रबंधन 24 - 29 जून, 2024	0	27	0	27
बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पीपीपी रूपरेखा 02 - 06 सितंबर, 2024	14	7	0	21
प्रशासनिक नेतृत्व और सुशासन 03 - 05 अक्टूबर, 2024	25	5	1	31
रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केंद्र				
बदलते परिवेश में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व 30 सितंबर - 04 अक्टूबर, 2024	0	37	0	37
रणनीति				
नवाचार, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन 29 अप्रैल - 04 मई, 2024	10	20	1	31
विकास के लिए रणनीतियाँ 10 - 14 जून, 2024	0	39	1	40
अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में जीत के लिए रणनीतियाँ 15 - 19 जुलाई, 2024	1	19	0	20
परिवर्तनकारी नेतृत्व 05 - 10 अगस्त, 2024	12	43	1	56
रणनीति कार्यान्वयन 28 - 30 अगस्त, 2024	4	17	1	22
डिज़ाइन सोच 02 - 05 सितंबर, 2024	14	22	0	36
अनुबंध प्रबंधन 14 - 18 अक्टूबर, 2024	5	24	0	29
नवाचार, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन 25 - 30 नवंबर, 2024	6	22	0	28
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 02 - 05 दिसंबर, 2024	5	27	1	33
युवा उद्यमी कार्यक्रम (मॉड्यूल I और II) 26 - 31 अगस्त, 2024 और 13 - 18 जनवरी, 2025	0	40	1	41
अग्रणी व्यवसायी सेवा फर्म 10 - 12 फरवरी, 2025	0	36	2	38
रणनीतिक प्रबंधन (बैच 05) 17 नवंबर, 2023 - 14 जून, 2024	1	64	0	65
रणनीतिक प्रबंधन (बैच 06) 20 अगस्त, 2024 - 17 फरवरी, 2025	5	59	0	64
कुल	280	1658	55	1993

* **जारी मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम**

प्रतिभागियों की संख्या

प्रतिभागियों की संख्या	
ओईपी	1,777
सीईपी	5,876
बीएलपी	1,552
दुबई	60
कुल	9,265

परिशिष्ट एन
पूर्वछात्र गतिविधियाँ

पूर्वछात्र शाखा गतिविधियाँ

अहमदाबाद शाखा

- 05 अप्रैल, 2024, अहमदाबाद शाखा (आईआईएमएएएएसी) ने युवा अनस्टॉपेबल के दूरदर्शी संस्थापक और मुख्य प्रेरणा अधिकारी (सीआईओ) अमिताभ शाह की विशेषता वाले एक आकर्षक स्टडी सर्कल कार्यक्रम की मेजबानी की।
- 27 अप्रैल, 2024: शाखा ने संविधान समीक्षा समिति (सीआरसी) की पहली बैठक एसआर 1, आईएमडीसी में की। सीआरसी के अध्यक्ष श्री गोविंद बलदवा ईसी सदस्यों सहित दस सीआरसी प्रतिभागियों के साथ बैठक में शामिल हुए।
- 04 मई, 2024: शाखा ने मणिनगर मेडिकल एसोसिएशन के सहयोग से आईआईएमए के पीपी गुप्ता ऑडिटोरियम में एलुमनी स्टडी सर्किल कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 35 से अधिक सदस्यों और उनके जीवनसाथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य विषय आपातकालीन कार्य योजना प्रशिक्षण था, जिसमें डॉ. हिरेन शाह और डॉ. वैभव पटेल के नेतृत्व में कम्प्रेशन-ओनली लाइफ सपोर्ट पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र और प्रदर्शन आयोजित किया गया।

- 15 जून, 2024: आईआईएमएएएएसी द्वारा आयोजित स्थिरता पर स्टडी सर्किल कार्यक्रम में महिंद्रा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में स्थिरता केंद्र के प्रमुख और प्रतिष्ठित पूर्व छात्र प्रोफेसर अनिर्बान घोष की उपस्थिति ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।
- 20 जून, 2024: आईआईएमए अक्षय निधि के सहयोग से रिलायंस समूह के पूर्व सीएफओ श्री आलोक अग्रवाल के साथ फायरसाइड चैट।
- 29 जून, 2024: आईआईएमएएएएसी के सदस्यों को अहमदाबाद में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर (डीएफसीसीआईएल ओसीसी) का दौरा करने का अवसर मिला। इस अत्याधुनिक सुविधा का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2024 में किया था।
- 23 जुलाई, 2024: बजट पे चर्चा, आईआईएमएएएएसी द्वारा आयोजित एक प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम, जो केंद्रीय बजट के दिन अहमदाबाद के प्राइड होटल के इंपीरियल हॉल में आयोजित किया गया था, एक शानदार सफलता थी।
- 24 जुलाई, 2024: भारतीय प्रबंध संस्थान पूर्व छात्र संघ (आईआईएमएएएएसी) ने 'बजट और इक्विटी मार्केट' विषय पर एक स्टडी सर्कल मीटिंग का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कोटक एएमसी के वरिष्ठ फंड मैनेजर श्री हरीश बिहानी ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी , जिसमें उन्होंने इक्विटी मार्केट पर राष्ट्रीय बजट के प्रभाव पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए।
- 08 अगस्त, 2024: भारतीय प्रबंध संस्थान पूर्व छात्र संघ शाखा (आईआईएमएएएएसी) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) सफलतापूर्वक आयोजित की गई। एजीएम का मुख्य उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ऑडिट किए गए वित्तीय विवरणों की सावधानीपूर्वक समीक्षा और पुष्टि करना था।
- 24 अगस्त, 2024: आईआईएमएएएएसी ने आईआईएमएन्यू कैंपस के वर्गखंड-12 में एक विचारोत्तेजक अध्ययन मंडली कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सत्र में आईआईएमएएएएसी के पूर्व अध्यक्ष श्री एसबी डांगायच ने 'शहरी भारत में भूमि की कमी को कम करने के व्यावहारिक तरीके' पर अपने विचार साझा किए।
- 15 सितंबर, 2024: भारतीय प्रबंध संस्थान पूर्व छात्र संघ अहमदाबाद शाखा (आईआईएमएएएएसी) ने कच्छ के छोटे रण और मोढेरा सूर्य मंदिर में एक यादगार सैर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी जिसमें लगभग 35 सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ दिन की गतिविधियों में भाग लिया।
- 21 सितंबर, 2024 को एसआर1, न्यू कैंपस, आईआईएमए में आयोजित स्टडी सर्किल कार्यक्रम, प्रबंधन अनुसंधान के भीतर टेक्स्ट माइनिंग अनुप्रयोगों में प्रगति के लिए उत्सुक आईआईएमएएएएसी सदस्यों और छात्रों का एक महत्वपूर्ण जमावड़ा था। आईआईएमए में सूचना प्रणाली क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित संकाय सदस्य प्रो. अद्रिजा मजूमदार ने सत्र का नेतृत्व किया।
- भारतीय प्रबंध संस्थान पूर्व छात्र संघ अहमदाबाद शाखा (आईआईएमएएएसी) ने अपने सदस्यों के लिए एक विशेष फिल्म ' वेट्टैयान ' की स्क्रीनिंग का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पूर्व छात्र संघ पूंजी बाजार समिति (आईआईएमएएएएसी) ने सीआईआईई, बीएसई आईपीएफ, इंडिया आईएनएक्स और आईएफएससीए के सहयोग से विश्व निवेशक सप्ताह के अवसर पर 18 अक्टूबर, 2024 को एक प्रतिष्ठित समापन समारोह की मेजबानी की।
- 26 अक्टूबर, 2024 को पीपी गुप्ता ऑडिटोरियम में आयोजित एफ़आईटीडब्ल्यूआईटी और क्वीज़व्हीज़ कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी। डॉ. महक कोठारी ने एक उत्साहवर्धक लाइव सत्र का नेतृत्व किया जो जानकारीपूर्ण और आकर्षक दोनों था, जबकि श्री संजय चक्रवर्ती की प्रश्नोत्तरी ने अपने संवादात्मक प्रारूप से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
- भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पूर्व छात्र संघ वार्षिक शाखा (आईआईएमएएएसी) ने 16 नवंबर, 2024 को आईआईएमए के नए कैंपस के एबी2 ऑडिटोरियम में दिवाली का जश्न धूमधाम से मनाया। यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा, जिसमें 100 से ज़्यादा पूर्व छात्र और उनके परिवार के लोग शामिल हुए। शाम का मुख्य आकर्षण कई आकर्षक गतिविधियाँ थीं, जिसमें सांस्कृतिक थीम पर आधारित क्विज़ भी शामिल थी।

मुंबई शाखा

- शाखा ने नवीनतम पहल, ट्रैवल क्लब के शुभारंभ की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य मुंबई शाखा समुदाय के यात्रा उत्साही लोगों को मुंबई और उसके आसपास की जगहों की खोज करने के लिए एक साझा जुनून के साथ एकजुट करना है। इस क्लब का उद्देश्य विभिन्न प्रकार की संगठित गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से रोमांच, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है। 05 मई, 2024 को आयोजित उद्घाटन बैठक में लगभग 50 पूर्व छात्र सदस्यों ने भाग लिया और हमारे यात्रा उत्साही लोगों के लिए एक रोमांचक यात्रा की शुरुआत हुई। यह कार्यक्रम मुंबई के कोलाबा के नेवी नगर में सुरम्य यूनाइटेड सर्विसेज क्लब (यूएस क्लब) में हुआ और इसमें नेटवर्किंग के अवसर और उपस्थित लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया शामिल थी, जिसने भविष्य की गतिविधियों और यात्राओं के लिए एक आशाजनक आधार तैयार किया।
- 9 फरवरी, 2025 आईआईएम अहमदाबाद एलुमनाई एसोसिएशन - मुंबई शाखा ने वडाला में एस.पी. जैन प्रबंधन केंद्र के कैंपस में यूनियन बजट 2025 पर एक जानकारी भरे पैनल डिस्कशन का आयोजन किया। इसमें विवेक जोशी, पूर्व-प्राइवेट इक्विटी, पूर्व-एचयूएल थे, और 'स्टार्टअप टू स्केलअप - एंटरप्रेन्योर्स गाइड टू वेंचर कैपिटल' (पीजीपीएक्स 2007) के लेखक थे, ने इस पैनल को मॉडरेट किया। इसमें विरल बेरावाला, निदेशक, बॉयंट कैपिटल, पहले रिलायंस कैपिटल (पीजीपीएक्स 2007); अविनाश पाठक, वरिष्ठ उपप्रमुख, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पीजीपीएक्स 2007), और कुमार सुब्बैया, सीएफ़ओ, सीएट लिमिटेड शामिल थे। पैनल ने कई ज़रूरी विषयों पर चर्चा की, जिसमें मैक्रोइकॉनॉमिक्स और यूनियन बजट की बुनियादी बातें, भारत के मैक्रो के हिसाब से बजट को पढ़ना, भारत के वित्त बाज़ार पर वैश्विक जियोपॉलिटिकल और आर्थिक ट्रेंड, और ब्याज दरों पर आरबीआई का रुख और व्यवसायों तथा ग्राहकों पर इसका असर, वगैरह शामिल थे।

दिल्ली शाखा

पहली बार, आईआईएमए पूर्व छात्र संघ के दिल्ली-एनसीआर शाखा ने इस साल कार्यकारी परिषद बनाने के लिए चुनाव कराने की शुरुआत की। एक मेहनती प्रक्रिया का पालन किया गया और अब 7 सदस्यों का एक निर्वाचित निकाय बना है। वे एसोसिएशन के लेखों का मसौदा तैयार करेंगे और एसोसिएशन को औपचारिक रूप से पंजीकृत करेंगे।

सात नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से प्रत्येक की दो लोगों के साथ संदर्भ जाँच की गई। सभी उम्मीदवार चुनाव लड़ने के योग्य पाए गए। चूँकि 7 सीटों के लिए केवल 7 नामांकन थे, और वे निर्धारित विविधता मानदंडों को पूरा करते थे, इसलिए सभी उम्मीदवारों को स्वचालित रूप से निर्वाचित घोषित किया गया। निम्नलिखित पूर्व

छात्र आईआईएमए पूर्व छात्र संघ, दिल्ली-एनसीआर शाखा के लिए चुने गए हैं:

क्रमांक	नाम	कार्यक्रम
1	श्री अनिल सोमानी	पीजीपी 1973
2	श्री देवेन्द्र बहादुर	पीजीपी 1983
3	श्री संजीव अग्रवाल	पीजीपी 1995
4	श्री नरेश प्रियदर्शी	पीजीपी 1997
5	श्री तरूण अग्रवाल	पीजीपी 2002
6	श्री समीर जैन	पीजीपीएक्स 2012
7	डॉ सीमा सिंह	पीजीपीएक्स 2016

वे निवर्तमान अध्यक्ष सुनील काला के मार्गदर्शन में शीघ्र ही पदभार ग्रहण करेंगे।

जयपुर शाखा

- आईआईएमए पूर्व छात्र जयपुर शाखा ने 31 अगस्त और 1 सितंबर, 2024 को एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान में आयोजित एक दो दिवसीय कार्यक्रम के लिए बैठक की। वाइस चांसलर और प्रतिष्ठित आईआईएमए पूर्व छात्र डॉ. अमित जैन ने जयपुर शाखा के अध्यक्ष श्री ओपी अग्रवाल और उनके परिवारों के साथ अन्य सम्मानित सदस्यों सहित उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य आकर्षण में श्री ओपी अग्रवाल के नेतृत्व में धन उगाहने की पहल पर चर्चा शामिल थी, जिसका उद्देश्य आगामी शाखा प्रयासों के लिए समर्थन हासिल करना था। सदस्यों ने आगामी वर्ष के लिए विविध आयोजन विचारों का भी प्रस्ताव रखा, जिसमें समुदाय के भीतर समावेशिता और जुड़ाव पर जोर दिया गया। बैठक का समापन कार्य-वस्तुओं को गति देने के साथ हुआ: सदस्यों ने कार्यक्रम के प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रतिबद्धता जताई, जबकि श्री अग्रवाल ने धन-संग्रह प्रयासों का नेतृत्व किया। अगले अध्याय की सभा के लिए योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई। इस कार्यक्रम से उपयोगी विचार-विमर्श हुआ तथा भावी पहलों के लिए आधार तैयार हुआ।
- 31 अगस्त, 2024: शाखा ने व्यवसाय में स्थिरता और नैतिकता के महत्वपूर्ण विषय पर एक विचारोत्तेजक ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन किया। इस सत्र में प्रतिष्ठित पूर्व छात्र और उद्योग जगत के नेता शामिल हुए, जिन्होंने नैतिक प्रथाओं को टिकाऊ व्यवसाय मॉडल में एकीकृत करने के बारे में अपने विचार साझा किए।
- 01 सितंबर, 2024: स्वास्थ्य, फिटनेस और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए, शाखा ने पूर्व छात्रों को शहर मैराथन में एक साथ भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। आईआईएमए-ब्रांडेड गियर पहने 25 उत्साही प्रतिभागियों के साथ, यह कार्यक्रम टीमवर्क और साझा मूल्यों का एक जीवंत प्रदर्शन था।
- 05 नवंबर, 2024: वार्षिक दिवाली समारोह में पूर्व छात्र एक साथ आए और उन्होंने त्योहारी सीजन को हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में सफल पूर्व छात्रों द्वारा साझा की गई प्रेरक सफलता की कहानियाँ शामिल थीं, जिसमें नवाचार और नेतृत्व की उनकी यात्रा को दर्शाया गया था।

उत्तरी अमेरिका शाखा

2 मार्च, 2024 को सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में आईआईएमए उत्तरी अमेरिका पूर्व छात्र संघ द्वारा पूर्व छात्रों की एक सभा आयोजित की गई थी, जो निदेशक भरत भास्कर और डीन एईआर सुनील माहेश्वरी की यात्रा के साथ मेल खाती थी। इस बैठक में 1980 से लेकर 2021 के स्नातकों तक के बीस पूर्व छात्रों ने भाग लिया। आईआईएमएएए एनए के अध्यक्ष गौरव रस्तोगी ने निदेशक और डीन को उनकी भागीदारी के लिए और 7 सितंबर, 2024 को एनवाईसी में निर्धारित आईआईएमएजीई 2024 की तैयारी शुरू करने के लिए धन्यवाद दिया। यह कार्यक्रम आशिमा जैन (पीजीपी '83) और उनके पति हेमंत जैन के मिलपिटास, सीए में स्थित आवास पर आयोजित किया गया था। निदेशक द्वारा निदेशक के रूप में अपनी पहली वर्षगांठ के बारे में अपडेट साझा किए गए, पुराने परिसर के बारे में पूर्व छात्रों की चिंताओं को संबोधित किया खाड़ी क्षेत्र के पूर्व छात्रों के इस उद्घाटन समारोह ने त्रैमासिक बैठकों की योजना को प्रेरित किया है, ताकि हमारे डेटाबेस में सभी बैचों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके, क्योंकि हम भारत की प्रबंधन क्षमताओं और वैश्विक आर्थिक विकास में आईआईएमए की नेतृत्वकारी भूमिका के लिए तैयारी कर रहे हैं।

चेन्नई शाखा

- दिसंबर 2024 में, चेन्नई शाखा ने सफलतापूर्वक वार्षिक सदस्यता अभियान चलाया और 1.5 लाख जुटाए। साथ ही 1.5 लाख की प्रतिबद्ध प्रायोजन राशि भी दी गई। इसमें से 15 हजार फरवरी के आयोजन के लिए पहले ही प्राप्त हो चुके हैं। चेन्नई शाखा ने स्टार्टअप के संस्थापक और पूर्व छात्र के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया। आइडियाआरएक्स जो फार्मेसियों को एआई से शक्ति प्रदान करता है, श्री सरवनन। कार्यक्रम में चाय/कॉफी के दौरान और डिनर के दौरान नेटवर्किंग का समय भी था।
- जनवरी 2025 में, चेन्नई शाखा के पूर्व छात्र संघ ने बाहर निकलकर हमारे एक आंतरिक पक्षी विज्ञानी अनिकेत बर्मा, पीजीपी 2013 के साथ वेंडनथंगल पक्षी अभयारण्य का दौरा करने के लिए एक पक्षी अवलोकन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन के प्रचार के लिए शाखा ने पक्षियों की पहचान करने के लिए एक दृश्य प्रश्नोत्तरी आयोजित की।
- शाखा ने अपना मासिक समाचार पत्र "सीएसी टाइम्स" लॉन्च किया, जिसमें सीएसी का मतलब चेन्नई के परिवर्तन एजेंट है। दिसंबर और जनवरी के अंक दूसरे और तीसरे अंक थे। लेखों में आईआईएमए ईएफ में बोर्ड के सदस्यों के साथ साक्षात्कार, क्षेत्र के योगदानकर्ता, घटनाओं पर लेख, चेन्नई के पूर्व छात्रों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों में प्रकाशित लेख और राष्ट्रीय कार्यक्रमों में पूर्व छात्रों के वक्ताओं और पुरस्कार विजेताओं पर प्रकाश डाला गया।
- फरवरी 2025 में, शाखा ने चेन्नई शाखा के अध्यक्ष सुंदर, पीजीपीएक्स 2010 के साथ श्री आर.टी. नरेंद्र पीजीपी 69 के साथ बातचीत में "भगवद गीता में प्रबंधन अवधारणाएँ" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम की मेज़बानी आइडियाआरएक्स ने की थी, जो एसएमपी, 18 बैच के हमारे पूर्व छात्र श्री सरवनन का एक स्टार्टअप है। कार्यक्रम के बाद, पूर्व छात्रों ने रात्रिभोज पर नेटवर्क बनाया।
- 22 फरवरी, 2025: केंद्रीय बजट पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें विभिन्न क्षेत्रों (कृषि तकनीक, उद्योगपति, वित्त और कर विशेषज्ञ) के पैनलिस्ट शामिल थे। श्री कृष्णा पोन्नदा, पीजीपीएक्स 2007 और श्री वीबीआर मेनन पीजीपी 76 इस पैनल का हिस्सा थे। सीएसी टाइम्स का फरवरी अंक अगले दिन जारी किया जाएगा।

परिशिष्ट ओ
मानव संसाधन

नई नियुक्तियाँ

संकाय

प्रोफेसर लक्ष्मी गोयल	रणनीति
प्रोफेसर तन्वी गुप्ता	विपणन
प्रोफेसर तन्मय माजिला	सीएमए
प्रोफेसर मेहुल रायथथा	वित्त एवं लेखाकरण

कर्मचारी

सुश्री वैष्णवी अंबाडे	पुस्तकालय व्यवसायी सहायक
ब्रिगेडियर दिनेश शर्मा (सेवानिवृत्त)	सलाहकार-एकीकृत सुविधा प्रबंधन
श्री निशांत जोशी	सहायक प्रबंधक - आंतरिक लेखा परीक्षा विंग
सुश्री वसुधा माटा	सहायक महाप्रबंधक - वितरण संचालन, ईईपी
सुश्री सोनल सिकरवार	कार्यकारी - कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम
सुश्री करिश्मा शाह	प्रबंधक-ग्राहक संबंध, ईईपी
श्री उमेश मेहता	कार्यकारी-लेखा
श्री राजेश शर्मा	सहायक महाप्रबंधक - कॉर्पोरेट संबंध, एमबीए-पीजीपीएक्स
श्री करणकुमार पटेल	कार्यकारी-लेखा
सुश्री श्वेता सिंह	प्रबंधक-अशांक देसाई नेतृत्व एवं संगठनात्मक विकास केंद्र
सुश्री ईशा परीख	कार्यकारी - कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम
सुश्री मानसी दिवेचा	कार्यकारी - कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम
सुश्री नौशीन सैयद	कार्यकारी - कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम
सुश्री सौम्या मिश्रा	सहायक प्रबंधक - जनसंपर्क एवं लेखन-सामग्री विकास
कर्नल (डॉ.) जगदीश सी. जोशी (सेवानिवृत्त)	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
सुश्री कुंजन मिस्त्री	सहायक प्रबंधक - अनुपालन
श्री सौरभ तिवारी	पुस्तकालय व्यवसायी सहायक

त्यागपत्र/ अवधि समाप्ति/ तकनीकी त्यागपत्र / सेवा समापन

संकाय

प्रोफेसर माया गणेश	24 जुलाई 2024 को तकनीकी इस्तीफा दिया
प्रोफेसर इंद्रनील बोस	22 अगस्त 2024 को इस्तीफा दिया
प्रोफेसर नमन देसाई	21 सितंबर 2024 को इस्तीफा दिया
प्रोफेसर ह्योकजिन क्वाक	30 नवंबर 2024 को इस्तीफा दिया

कर्मचारी

सुश्री उर्वशी शर्मा	18 अप्रैल 2024 को इस्तीफा दिया
सुश्री सुनीता अरविंद	09 मई 2024 को इस्तीफा दिया
श्री निसर्ग जानी	कार्यकाल 31 मई 2024 को समाप्त
श्री पीयूष शर्मा	07 जून 2024 को कार्यकाल समाप्त
श्री देबजीत घटक	13 जून 2024 को इस्तीफा दिया
कर्नल अमित वर्मा (सेवानिवृत्त)	24 जून 2024 को इस्तीफा दिया
सुश्री रेणु मिश्रा	27 जून 2024 को इस्तीफा दिया
श्री अक्षय हंसराजानी	04 जुलाई 2024 को इस्तीफा दिया
श्री अनुराग चौधरी	कार्यकाल 14 अगस्त 2024 को समाप्त
सुश्री सुदीप्ता सिंह	11 सितंबर 2024 को इस्तीफा दिया
श्री वसीम रहमान	28 नवंबर 2024 को इस्तीफा दिया
सुश्री हृदम अग्रवाल	31 जनवरी 2025 को इस्तीफा दिया
श्री युवराज जाधव	13 फरवरी 2025 को कार्यकाल समाप्त
श्री दिव्येश व्यास	28 फरवरी 2025 को कार्यकाल समाप्त
श्री विकास चतुर्वेदी	29 मार्च 2025 को इस्तीफा दिया

संस्थान उपरोक्त सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ देता है।

सेवानिवृत्ति

वर्ष के दौरान निम्नलिखित संकाय सदस्य सेवानिवृत्त हुए:

प्रोफेसर जयंत वर्मा	31 दिसंबर 2024 को सेवानिवृत्त
प्रोफेसर एरोल डिसूजा	31 जनवरी 2025 को वीआरएस ले लिया

वर्ष के दौरान निम्नलिखित कर्मचारी सदस्य सेवानिवृत्त हुए:

श्रीमती जे.एस. विजयपिरिया	30 जून 2024 को सेवानिवृत्त
श्री जे. अल्बर्ट सेवियर	30 जून 2024 को सेवानिवृत्त
श्री संदीप मेहता	31 जुलाई 2024 को वीआरएस लिया
श्री उल्लासकुमार एस. चौहान	28 फरवरी 2025 को सेवानिवृत्त
श्री हरेन्द्रसिंह जे. वाढेर	31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त

संस्थान उनकी लंबी, समर्पित और विशिष्ट सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद देता है।

अनुपस्थिति अवकाश

संकाय

प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा को 15 जुलाई 2022 से 14 जुलाई 2025 तक अवैतनिक छुट्टी दी गई।
प्रोफेसर विशाल गुप्ता को 01 जुलाई 2023 से 30 जून 2024 तक अवैतनिक छुट्टी दी गई।
प्रोफेसर देबजीत रॉय को 26 अगस्त 2024 से 11 अक्टूबर 2024 तक अवैतनिक छुट्टी दी गई।
प्रोफेसर अरविंद सहाय को 17 अक्टूबर 2023 से 16 अक्टूबर 2025 तक अवैतनिक छुट्टी दी गई।
प्रोफेसर सम्राट गुप्ता को 01 नवंबर 2023 से 31 अक्टूबर 2025 तक अवैतनिक छुट्टी दी गई।

कर्मचारी

श्री वीआर अलापर्थी को 1 जुलाई, 2024 से 30 जून, 2026 तक बिना वेतन की छुट्टी दी गई है।

अवैतनिक छुट्टी का लाभ लेने के बाद फिर से जुड़े

संकाय

प्रोफेसर विशाल गुप्ता अवैतनिक छुट्टी लेने के बाद 1 अप्रैल, 2024 को संस्थान में फिर से शामिल हुए।
प्रोफेसर देबजीत रॉय अवैतनिक छुट्टी लेने के बाद 12 अक्टूबर, 2024 को संस्थान में फिर से शामिल हुए।

पदोन्नति एवं वित्तीय उन्नयन

संकाय

प्रोफेसर केवी गोपाकुमार को एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।
प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगली को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
प्रोफेसर अंकुर सिन्हा को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।
प्रोफेसर शुभ्रदीप रॉय को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।
प्रोफेसर संकेत महापात्रा को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।
प्रोफेसर अर्नब लाहा को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।
प्रोफेसर जॉर्ज कंडाथिल को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।
प्रोफेसर कीर्ति शारदा को एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।
प्रोफेसर तरुण जैन को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।

कर्मचारी (पदोन्नति)

सुश्री काव्या सजवान	सुश्री शगुफ्ता कुरैशी
सुश्री शैली जी. पटेल	श्री जय अलकेशकुमार वोरा
सुश्री साजेदा जी. मोमिन	श्री भावेशकुमार पटेल

श्री हरीश राठौड़	सुश्री विधि पी. कोटक
सुश्री आनल पंकजकुमार शाह	सुश्री देवल ओझा
श्री प्रीतेश परमार	श्री प्रतीक एम. शेठ
सुश्री वैशाली के. पारेख	सुश्री हेना नायर
श्री राहुल वी. परसानी	सुश्री माया स्वामीनाथन
श्री प्रदोष थिया	श्री वी.आर. अलापर्थी
श्री वरुणसिंह हरेन्द्रसिंह यादव	सुश्री प्रियंका प्रदीप त्रिपाठी
सुश्री अलीशा ओटिया	सुश्री रिद्धि मजीठिया
सुश्री मोनिका पंचोली	सुश्री लता पणिक्कर
सुश्री महिमा शर्मा	सुश्री नैन्सी लॉरेंस राफेल
श्री प्रभु चौहान	सुश्री राधा शर्मा
सुश्री शिल्पा नागरे	

कर्मचारी (वित्तीय उन्नयन)

सुश्री अर्चना प्रेमकुमार	श्री मनोज पटेल	श्री परेश अमलेश्वरवाला
श्री पल्टूराम आर. कोरी	श्री दिलीप परमार	

कार्मिक संख्या

वर्ष	निदेशक	संकाय	अकादमिक सहयोगी	प्रशासनिक कर्मचारी	कुल
2015-16		98	68	289	391
2016-17		94	64	293	451
2017-18		98	75	289	462
2018-19		96	80	303	479
2019-20		103	88	308	499
2020-21		103	86	286	475
2021-22		105	90	287	482
2022-23		106	77	271	454
2023-24	1	103	87	267	458
2024-25	1	101	100	264	466

उच्चतम पारिश्रमिक पाने वाले संकाय और संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में उनका योगदान

संकाय नाम	क्षेत्र
प्रो. सुनील माहेश्वरी, (डीन ए एवं ईआर)	मानव संसाधन प्रबंधन
प्रो. अमित कर्ण	रणनीति
प्रो. सोभेश कुमार अग्रवाल	वित्त एवं लेखाकरण
प्रो. राजेश चांदवानी	मानव संसाधन प्रबंधन
प्रो. अमित गर्ग	सार्वजनिक प्रणाली समूह

उन्होंने दीर्घकालीन कार्यक्रमों और कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में पढ़ाकर; साथी समीक्षित पत्रिकाओं में पेपर प्रकाशन करके; आईआईएमए के केस लिखकर; संस्थान के नीति निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देकर; आईआईएमए पीएच.डी. छात्रों के लिए टीएसी अध्यक्ष/सदस्य बनकर संस्थान में योगदान दिया है।

परिशिष्ट पी
अक्षय निधि

आईआईएमएईएफ को दान

क्रमांक	संस्थापक	संस्था का वर्ष
1	श्री अरुण दुग्गल (पीजीपी 1974)	वित्त वर्ष 20-21
2	श्री दीप कालरा (पीजीपी1992)	वित्त वर्ष 20-21
3	श्री जी.वी. रविशंकर (पीजीपी 2004)	वित्त वर्ष 20-21
4	श्री कुलदीप जैन (पीजीपी 1999)	वित्त वर्ष 20-21
5	श्री मदन मोहनका (पीजीपी1969)	वित्त वर्ष 22-23
6	श्री निशिथ अरोड़ा (पीजीपी 2002)	वित्त वर्ष 21-22
7	श्री पी पी गुप्ता (1974)	वित्त वर्ष 23-24
8	श्री पीयूष मिश्रा (पीजीपी1999)	वित्त वर्ष 20-21
9	श्री रमेश मंगलेश्वरन और सुश्री मीनाक्षी रमेश (पीजीपी 1993)	वित्त वर्ष 20-21
10	श्री रानोदेब रॉय (1992)	वित्त वर्ष 23-24
11	अनाम	वित्त वर्ष 20-21
12	श्री रशेष शाह और सुश्री विद्या शाह (पीजीपी 1989)	वित्त वर्ष 24-25
13	श्री संदीप सिंघल और सुश्री कविता अय्यर (पीजीपी 1999)	वित्त वर्ष 20-21
14	श्री वी.टी. भारद्वाज (पीजीपी 2001)	वित्त वर्ष 20-21

क्रमांक	सह-संस्थापक	संस्था का वर्ष
1	श्री अरविंद नायर (पीजीपी 1989)	वित्त वर्ष 22-23
2	श्री गिरीश कुलकर्णी (पीजीपी 1989)	वित्त वर्ष 22-23
3	श्री मनीष गुप्ता (पीजीपी 1998)	वित्त वर्ष 20-21
4	श्री सुरेन्द्र कुमार जैन (पीजीपी 2000)	वित्त वर्ष 20-21
5	श्री विन्दी और सुश्री कामिनी बंगा (पीजीपी1977)	वित्त वर्ष 21-22

क्रमांक	आईआईएमएईएफ़ का सह-संस्थापक बैच	संस्था का वर्ष
1	पीजीपी 1997 बैच	वित्तीय वर्ष 22-23

आईआईएमएईएफ़ में दान (वित्त वर्ष 24-25)			
क्रमांक	नाम	लक्षित	राशि(लाख रुपये में)
आईआईएमएईएफ़ में लक्षित दान			
ए. पूर्व छात्रों से प्राप्त लक्षित योगदान			
1	श्री रशेष शाह और सुश्री विद्या शाह	छात्रवृत्ति	400
2	हरि मुंद्रा	पीठ	250
3	दीपक गुप्ता	केंद्र	105
4	मदन मोहनका	केंद्र	100
5	दीपक गुप्ता	पुरस्कार	57.81
6	राजन राघवन	पीठ	25
7	प्रदीप भाष्यम	छात्रवृत्ति	14.77
8	हरित तलवार	पुरस्कार	8.69
	कुल योगदान		961.27
बी. कॉर्पोरेट्स से प्राप्त लक्षित योगदान			
1	जेएसडब्ल्यू	स्कूल	2000
2	एवेरेस्ट	छात्रवृत्ति	136.31
3	लाल पैथ लैब	पीठ	100
4	क्लीनमैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस	छात्रवृत्ति	40.89
5	प्रैक्सियन ग्लोबल	छात्रवृत्ति	28
6	नाइका	पीठ	24.11

7	रोज़ी ब्लू फाउंडेशन	छात्रवृत्ति	13.63
8	आर्य कृषि	छात्रवृत्ति	8
9	ब्रांडस्केप्स कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड	छात्रवृत्ति	6.81
10	रेवोलुट इरा	छात्रवृत्ति	5.25
	कुल योगदान		2363
	आईआईएमएईएफ में सामान्य कोष(कॉर्पस) (वित्त वर्ष 24-25)		
	सी. व्यक्तियों से योगदान - सामान्य कॉर्पस		
1	जी.वी. रविशंकर	संस्थापक	400
2	दीप कालरा	संस्थापक	200
3	अनाम	संस्थापक	200
4	संदीप सिंघल	संस्थापक	200
5	निशिथ अरोड़ा	संस्थापक	200
6	वीटी भारद्वाज	संस्थापक	200
7	मनीष गुप्ता	सह संस्थापक	200
8	रानोदेब रॉय	संस्थापक	159.26
9	पी.पी. गुप्ता	संस्थापक	100
10	गिरीश कुलकर्णी	सह संस्थापक	100
11	सुरेन्द्रकुमार जैन	सह संस्थापक	100
12	अरविंद नायर	सह संस्थापक	85
13	टीएन रामास्वामी	पूर्व छात्र	70
14	गुमनाम	पूर्व छात्र	25
15	अन्य*		1.63
	व्यक्तियों से कुल योगदान		2240.89
	डी. बैच 1 (पीजीपी 1973) से लक्षित योगदान		
1	विक्टर पैस	छात्रवृत्ति	25
2	अन्य*	छात्रवृत्ति	4.7
	पीजीपी 1973 बैच से कुल योगदान		29.7
	ई. बैच 2 (पीजीपी 1985) से योगदान - सामान्य कॉर्पस		
1	अन्य*	सामान्य कॉर्पस	12.09
2	मधु वडेरा जयकुमार	सामान्य कॉर्पस	10
3	नारायणस्वामी जयकुमार	सामान्य कॉर्पस	10
4	नारायण वेंकटसुब्रमण्यन (एफसी)	सामान्य कॉर्पस	8.69
5	विश्वनाथ पिल्लुट्ला	सामान्य कॉर्पस	5
6	अनीता भोगले	सामान्य कॉर्पस	5
7	अशोक कुमार त्यागी	सामान्य कॉर्पस	5
8	पवन बगई	सामान्य कॉर्पस	5
	पीजीपी 1985 बैच से कुल योगदान		60.78
	एफ. बैच 3 (पीजीपी 1996) से योगदान - छात्रवृत्ति		
1	अन्य*	छात्रवृत्ति	17.12
2	शंकर नाथ	छात्रवृत्ति	7.07
	पीजीपी 1996 बैच से कुल योगदान		24.19
	जी. बैच 4 (पीजीपी 1997) से योगदान - सामान्य कॉर्पस		
1	अन्य*	सामान्य कॉर्पस	11.34
	पीजीपी 1997 बैच से कुल योगदान		11.34
	एच. बैच 5 (पीजीपी 1999) से योगदान - छात्रवृत्ति		
1	भूपिंदर सिंह	छात्रवृत्ति	100
2	अन्य*	छात्रवृत्ति	72.48
3	श्रीधर सुब्रमण्यन	छात्रवृत्ति	17.38
4	भवतोष वाजपेयी	छात्रवृत्ति	15.64
5	संदीप सिंघल	छात्रवृत्ति	15
6	अभिजीत गुलाणीकर	छात्रवृत्ति	15

7	सोमा वाजपेयी	छात्रवृत्ति	14.77
8	पारिजात घोष	छात्रवृत्ति	13
9	प्रवीण भंडारी	छात्रवृत्ति	10.98
10	वेंकटेश श्रीनिवासन	छात्रवृत्ति	10
11	अनिर्बान मुखर्जी	छात्रवृत्ति	10
12	शिवराम हरि आप्टे	छात्रवृत्ति	10
13	नीरज अग्रवाल	छात्रवृत्ति	10
14	सुधीर गणेश सीतापति	छात्रवृत्ति	10
15	निगेल एंड्रेडे	छात्रवृत्ति	6
16	अनुपम मार्टिस	छात्रवृत्ति	5.21
17	कपिल लाहोटी	छात्रवृत्ति	5.21
18	दीप्ता आनंद	छात्रवृत्ति	5.21
19	वरुण जोशी	छात्रवृत्ति	5.21
20	अंबिका बिस्ला	छात्रवृत्ति	5
21	राम कुप्पुस्वामी	छात्रवृत्ति	5
22	बामा बालकृष्णन	छात्रवृत्ति	5
23	श्वेता मणि	छात्रवृत्ति	5
24	शरद वर्मा	छात्रवृत्ति	5
25	कौशिक शेषाद्रि	छात्रवृत्ति	5
26	सौम्या मित्तल	छात्रवृत्ति	5
27	सौरभ जैन	छात्रवृत्ति	5
28	तुषार सिंह	छात्रवृत्ति	5
29	संजय भारत शाह	छात्रवृत्ति	5
30	अंशुमान ठाकुर	छात्रवृत्ति	5
31	नवीन केसवानी	छात्रवृत्ति	5
	पीजीपी 1999 बैच से कुल योगदान		411.09
	आई. बैच 6 (पीजीपी 2001) से योगदान - छात्रवृत्ति		
1	अन्य*	छात्रवृत्ति	6.8
	पीजीपी 2001 बैच से कुल योगदान		6.8
	जे. बैच 7 (पीजीपी 2021) से योगदान - शांतनु अग्रवाल पुरस्कार		
1	अन्य*	पुरस्कार	2
	पीजीपी 2021 बैच से कुल योगदान		2
ए	पूर्व छात्रों से प्राप्त लक्षित योगदान		961.07
बी	कॉर्पोरेट्स से प्राप्त लक्षित योगदान		2363
सी	व्यक्तियों से योगदान - सामान्य कॉर्पस		2240.89
डी	बैच 1 (पीजीपी 1973) से लक्षित योगदान		29.7
इ	बैच 2 (पीजीपी 1985) से योगदान - सामान्य कॉर्पस		60.78
एफ	बैच 3 (पीजीपी 1996) से योगदान - छात्रवृत्ति		24.19
जी	बैच 4 (पीजीपी 1997) से योगदान - सामान्य कॉर्पस		11.34
एच	बैच 5 (पीजीपी 1999) से योगदान - छात्रवृत्ति		411.09
आई	बैच 6 (पीजीपी 2001) से योगदान - छात्रवृत्ति		6.8
जे	बैच 7 (पीजीपी 2021) से योगदान - शांतनु अग्रवाल पुरस्कार		2
	कुल योग (ए+बी+सी+डी+ई+एफ़+जी+एच+आई+जे)		6110.86
	** अन्य में 5 लाख से कम का दान शामिल है		
	वित्त वर्ष 2024-2025 में आईआईएमए यूएसएए को दिया गया योगदान जो अभी तक आईआईएमए को प्राप्त नहीं हुआ है		
1	राघवन फैमिली ट्रस्ट	आगंतुक पीठ	50000
2	प्रदीप भाष्यम	छात्रवृत्ति	17000
3	हरित तलवार	पुरस्कार	10000
4	* अन्य	विविध	6875
	* अन्य में 5 लाख से कम का दान शामिल है		

परिशिष्ट क्यू
शासक मंडल
(31 मार्च, 2025 के अनुसार)

अध्यक्ष
श्री पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष, ज़ाइडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड

सदस्य	
श्री पी.के. बनर्जी, आई.एस.एस. (1993) संयुक्त सचिव (प्रबंधन एवं एमसी एवं छात्रवृत्ति) शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली	**प्रो. सतीश देवधर** प्रोफ़ेसर भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
श्री मुकेश कुमार, आईएएस प्रमुख सचिव (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) शिक्षा विभाग गुजरात सरकार गांधीनगर	**श्री रमेश मंगलेश्वरन** वरिष्ठ साथी एमेरिटस, मैकिन्से एंड कंपनी, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत
श्री सुनील कांत मुंजाल अध्यक्ष हीरो एंटरप्राइज नई दिल्ली	**डॉ. हसित जोशीपुरा** चेयरमैन एवं एमडी, डेटा सेंटर, क्लाउड सर्विसेज एवं इनोवेशन फंड के सलाहकार लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड मुंबई
सुश्री अलका भरुचा भागीदार भरूचा एंड पार्टनर्स मुंबई	**सुश्री रमा बीजापुरकर** मुंबई
सुश्री काकू नखाते अध्यक्ष एवं देश प्रमुख (भारत) बैंक ऑफ अमेरिका, एनए मुंबई	**प्रो. प्रदीप के. चिंतागुंटा** जोसेफ टी. और बर्निस एस. लुईस विपणन के प्रतिष्ठित सेवा प्रोफेसर शिकागो विश्वविद्यालय बूथ बिजनेस स्कूल, यूएसए
श्री संजीव डांगी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दलित भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (डीआईसीसीआई) नई दिल्ली	**श्री समीर यू. मेहता** अध्यक्ष, टोरेंट ग्रुप अहमदाबाद
प्रो. अमित कर्ण प्रोफेसर भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद	**प्रो. भारत भास्कर** निदेशक भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
सचिव **कर्नल (डॉ.) जगदीश सी. जोशी (सेवानिवृत्त)** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद	

परिशिष्ट आर
प्रशासन, संकाय, अधिकारी और अनुसंधान कर्मचारी

प्रशासन

निदेशक **भारत भास्कर** पीएचडी (वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए)	डीन (कार्यक्रम) **दीप्तेश घोष** फेलो (आईआईएमसी)
डीन (संकाय) **सतीश देवधर** पीएचडी (ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी)	डीन (पूर्व छात्र और बाहरी संबंध) **सुनील कुमार माहेश्वरी** फैलो (आईआईएमए)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी **कर्नल (डॉ.) जगदीश सी. जोशी (सेवानिवृत्त)** पीएचडी (बीआईटीएस, पिलानी संकाय सदस्य	पुस्तकालयाध्यक्ष **डॉ. बांका बिहारी चंद** पीएचडी (बैंगलोर विश्वविद्यालय) संकाय सदस्य

संकाय

कृषि प्रबंधन केंद्र

हरि नागराजन पीएच.डी. (ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय)	**पूर्णिमा वर्मा** पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
सुखपाल सिंह पीएच.डी. (आईएसईसी, बैंगलोर)	**रंजन कुमार घोष** पीएच.डी. (हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन)
तन्मय माजिला पीएचडी (इरास्मस यूनिवर्सिटी रॉटरडैम)	**विद्या वेमिरेड्डी** पीएच.डी. (कॉर्नेल विश्वविद्यालय)
विजय पॉल शर्मा पीएच.डी. (एनडीआरआई, करनाल)	

संचार

आशा कौल पीएच.डी. (आईआईटी, कानपुर)	**मीनाक्षी शर्मा** पीएच.डी. (क्वींसलैंड विश्वविद्यालय)
साई अमूल्या कोमारराजू पीएच.डी. (हैदराबाद विश्वविद्यालय)	**वैभवी कुलकर्णी** पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

अर्थशास्त्र

अभिमान दास पोस्ट-डॉक्टरल रिसर्च फेलो (एमआईटी, यूएसए) पीएच.डी. (आईआईपीएस, मुंबई)	**अनिंद्य चक्रवर्ती** पीएच.डी. (बोस्टन विश्वविद्यालय)
चिन्मय तुम्बे फेलो (आईआईएमबी)	**एर्रोल डिसूज़ा** पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
जीवन्त रामपाल पीएच.डी. (ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी)	**पृथा देव** पीएच.डी. (न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)
मोहसेन मोहाघेघ पीएचडी (ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी)	**संकेत महापात्रा** पीएच.डी. (कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क)
सतीश देवधर पीएच.डी. (ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी)	**तरुण जैन** पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)
विश्वनाथ पिंगली पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी)	

वित्त और लेखाकरण

अजय पांडे फेलो (आईआईएमए)	**अनिर्बान ब्यानार्जी** फेलो (आईआईएमसी)
बालगोपाल गोपालकृष्णन फेलो (आईआईएमए)	**एल्लापुल्ली वासुदेवन** पीएच.डी. (आल्टो विश्वविद्यालय)
जयंत आर. वर्मा फेलो (आईआईएमए)	**जोशी जैकब** फेलो (आईआईएमएल)
मेहुल रायथथा पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे)	**नमन देसाई** पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)
नीरव नागर फेलो (आईआईएमसी)	**प्रशांत दास** पीएच.डी. (जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी)
शोभेश कुमार अग्रवाला फेलो (आईआईएमए)	**विनीत विरमानी** फेलो (आईआईएमए)

मानव संसाधन प्रबंधन

आदित्य मोज़ेस फेलो (आईआईएमबी)	**बिजू वर्की** फेलो (एनआईबीएम, पुणे)
मंजरी सिंह फेलो (आईआईएमसी)	**नेहा त्रिपाठी** पीएच.डी. (सिंगापुर नेशनल यूनिवर्सिटी)
प्रोमिला अग्रवाल पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)	**राजेश चंदवानी** फेलो (आईआईएमबी)
सुनील कुमार माहेश्वरी फैलो (आईआईएमए)	

सूचना प्रणाली

अद्रिजा मजूमदार पीएच.डी. (आईआईएमसी)	**इंद्रनील बोस** पीएच.डी. (पर्ड्यू विश्वविद्यालय)
कविता रंगनाथन पीएच.डी. (शिकागो विश्वविद्यालय)	**पंकज सेतिया** पीएच.डी. (मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी)
समाट गुप्ता पीएच.डी. (फेलो, आईआईएमएल)	**संजय वर्मा** फेलो (आईआईएमसी)
श्रीकुमार कृष्णमूर्ति फेलो (आईआईएमएल)	**स्वानंद देवधर** पीएच.डी. (मिनेसोटा विश्वविद्यालय)

जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल

नम्रता चिंदारकर पीएच.डी. (मैरीलैंड विश्वविद्यालय)

विपणन

अक्षया विजयलक्ष्मी पीएच.डी. (आयोवा विश्वविद्यालय)	**आनंद कुमार जायसवाल** फेलो (ऐक्सएलआरआई)
अनुषा रेड्डी गोंडी पीएच.डी. (इंडियन बिजनेस स्कूल, हैदराबाद)	**अरिंदम बनर्जी** पीएच.डी. (न्यूयॉर्क स्टेट विश्वविद्यालय)
अरुण श्रीकुमार पीएच.डी. (इलिनोइस विश्वविद्यालय)	**अरविंद सहाय** पीएच.डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)
ह्योकजिन क्वाक पीएच.डी. (जॉर्जिया विश्वविद्यालय)	**रजत शर्मा** फेलो (आईआईएमबी)
रामनाथन सुब्रमण्यम पीएच.डी. (पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय)	**सौम्या मुखोपाध्याय** पीएच.डी. (नानयांग टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय, सिंगापुर)

सौरव बोरा फेलो (आईआईएमबी)	**शुभदीप रॉय** पीएच.डी. आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, देहरादून
तन्वी गुप्ता पीएचडी (आईआईएम बैंगलोर)	

संगठनात्मक व्यवहार

अर्नेस्टो नोरोन्हा पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)	**जॉर्ज कंडाथिल** पीएच.डी. (कॉर्नेल विश्वविद्यालय)
के वी गोपाकुमार फेलो (आईआईएमबी)	**कीर्ति शारदा** फेलो (आईआईएमसी)
नेहारिका वोहरा पीएच.डी. (मैनिटोबा विश्वविद्यालय)	**परविंदर गुप्ता** पीएच.डी. (आईआईटी, कानपुर)
प्रद्युम्न खोकले फेलो (आईआईएमए)	**प्रेमिला डी'क्रूज़** पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)
विशाल गुप्ता फेलो (आईआईएमएल)	

संचालन और निर्णय विज्ञान

ए.के. लाहा पीएच.डी. (आईएसआई, कलकत्ता)	**अंकुर सिन्हा** पीएच.डी. (आल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड)
चेतन सोमन पीएच.डी. (ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय)	**देबजीत रॉय** पीएच.डी. (विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय)
धीमान भद्र पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)	**दीप्तेश घोष** फेलो (आईआईएमसी)
कार्तिक श्रीराम फेलो (आईआईएमबी)	**माया गणेश** पीएच.डी. (इंडियन बिजनेस स्कूल, हैदराबाद)
प्रह्लाद वेंकटेशन पीएच.डी. (केस वेस्टर्न रिजर्व विश्वविद्यालय)	**सचिन जायसवाल** पीएच.डी. (वाटरलू विश्वविद्यालय)
सम्राट रॉय पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)	**सरल मुखर्जी** फेलो (आईआईएमसी)
श्रीराम शंकरनारायणन पीएच.डी. (जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय)	

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग फेलो (आईआईएमए)	**अंकुर सरीन** पीएच.डी. (शिकागो विश्वविद्यालय)
नवदीप माथुर पीएच.डी. (रटगर्स विश्वविद्यालय)	**रजनीश राय** फेलो (आईआईएमए)
राम मोहन तुरागा पीएच.डी. (जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अटलांटा)	**संदीप चक्रवर्ती** पीएच.डी. (दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)
सुन्दरावल्ली नारायणस्वामी पीएच.डी. (आईआईटी, बॉम्बे)	

रवि मथाई शैक्षिक नवप्रवर्तन केंद्र

अम्बरीश डोंगरे पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)	**देवस्मिता चक्रवर्ती** पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)
कथन शुक्ला पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)	

रणनीति

अखिलेश्वर पाठक पीएचडी (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय)	**अमित कर्ण** फेलो (आईआईएमए)
अनीश सुगथन फेलो (आईआईएमबी)	**अनुराग के. अग्रवाल** एलएलएम (हार्वर्ड), एलएलडी (लखनऊ विश्वविद्यालय)
बिबेक भट्टाचार्य पीएचडी (आईआईएम बैंगलोर)	**चित्रा सिंगला** फेलो (आईआईएमबी)
लक्ष्मी गोयल पीएचडी (आईआईएम इंदौर)	**एम पी राम मोहन** पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर)
मयंक वार्ष्णेय पीएचडी (सिंगापुर नेशनल यूनिवर्सिटी)	**सरवनन ए.** पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर)
सुनील शर्मा फेलो (आईआईएमए)	

सहयोगी संकाय

पी. एस. श्रीनिवास

क्लिनिकल संकाय

अमित नंदकेवलियार

अधिकारी

ए. एम.एस. राजेश कन्ना बीएससी (भौतिकी); एमबीए (सूचना प्रणाली) महाप्रबंधक - आईटी	**अल्बर्ट सेवियर** बी.एससी.; एमएलएम महाप्रबंधक - विकास - ईईपी
आलोक सिंह सनदी लेखाकार मुख्य वित्तीय अधिकारी	**अंकित पी शाह** बीई, सिविल प्रबंधक - सिविल
अंशुल मेहता बीई; एमबीए; एलएलबी सहायक महाप्रबंधक - मानव संसाधन	**अनुराग चौधरी** बीए; पीजीपीएक्स (आईआईएमए) सह-उपाध्यक्ष - पूर्व छात्र एवं बाहरी भागीदारी
अर्थ दिनेशभाई परीख बी.ई., सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक-सॉफ्टवेयर विकास	**आशीष लखतरिया** बी.कॉम; सी.ए. प्रबंधक-वित्त एवं लेखा
ब्रिगेडियर दिनेश शर्मा (सेवानिवृत्त) बी.ए.; वरिष्ठ स्तर के रक्षा प्रबंधन में डिप्लोमा सलाहकार-एकीकृत सुविधा प्रबंधन	**चंद्रशेखर डी. सोलंकी** बी.कॉम. प्रबंधक-सामग्री पुनरुत्पादन
देबजीत घटक बीई (ऑनर्स); एम.एससी (ऑनर्स); पीजीपीएक्स (आईआईएमए) महाप्रबंधक-ब्रिज डिसा डेटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र	**डायना जोसेफ** बी.एससी. (बायोकेमिस्ट्री); एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान) प्रबंधक - संपादकीय
दिनेशकुमार डी. जोशी मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा; बी.ए. प्रबंधक - गृहप्रबंध कार्यालय	**जॉर्ज मैथ्यू** बी.कॉम; एम.कॉम; प्रबंधक-छात्र गतिविधि कार्यालय
हरीश चोपड़ा बी,कॉम ; चार्टर्ड अकाउंटेंट; प्रमाणित ट्रेजरी और विदेशी मुद्रा प्रबंधन (आईसीएफ़एआई) उपाध्यक्ष - बीपीजीपी	**हरीश के. राठोड़** बी.कॉम; एम.कॉम; डीटीपी (कराधान) सहायक महाप्रबंधक - लेखा
हर्षित जानी बी.ई., एम.ई. सहायक महाप्रबंधक - इंजीनियरिंग सेवाएँ	**इशिता नीलेश सोलंकी** सोशल कम्युनिकेशन और मीडिया में पीजीडी; ग्रामीण विकास प्रबंधन में पीजीडी महाप्रबंधक - मान्यता और रैंकिंग

जे.एस. विजयपिरिया बी.कॉम. प्रबंधक - डीपीएम	**जागृति सिंधव** बी.कॉम.; एम.कॉम.; प्रबंधक-प्रवेश
करिश्मा शाह बी.एड; एम.एससी (एकीकृत) जैव प्रौद्योगिकी प्रबंधक - ग्राहक संबंध, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	**कंजन मृगांक शाह** बी.एससी. रसायन विज्ञान; एमसीए सहायक महाप्रबंधक-एसएपी
लता पणिक्कर बी.कॉम; एम.कॉम; एल.एल.बी प्रबंधक-डीपीएम	**मानसी परीख** बी.कॉम; सीए; वित्त प्रबंधक
माया स्वामीनाथन बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स; एचआरएम में पीजी प्रोग्राम प्रबंधक-केस केंद्र	**मिनी नायर** बी.ए.; एम.ए. प्रबंधक - भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र
डॉ. मुकेश शर्मा एम.ए. (लोक प्रशासन); एम.ए. (हिंदी), एम.फिल., पीएच.डी. सहायक महाप्रबंधक - हिंदी	**डॉ. नंदलाल माहेश्वरी** एमबीबीएस चिकित्सा अधिकारी
नरेन्द्र कुमार शुक्ला बी.ई.; एम.टेक. सहायक महाप्रबंधक - डिजिटल परिवर्तन केंद्र	**निसर्ग जानी** बी.टेक. - मैकेनिकल, महाप्रबंधक-अधिप्राप्ति
पवन रूईकर बी.कॉम.; लोक प्रशासन में एम.ए.; एम.बी.ए. सहायक महाप्रबंधक-स्थानन	**पीयूष शर्मा** बी.ऐससी. (ऑनर्स); एम.एससी. (ऑनर्स); एमबीए सह-उपाध्यक्ष - अशांक देसाई नेतृत्व एवं संगठनात्मक विकास केंद्र
प्रदोष वी. थिया बी. ए. सहायक महाप्रबंधक - पूर्व छात्र संबंध	**डॉ. प्रणय श्रीवास्तव** बी.टेक. (सिविल); एमबीए; पीएच.डी. सह-उपाध्यक्ष - परियोजना, संपदा और अनुरक्षण
प्रवीणचंद्र वी. राज इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पॉलिटेक्निक डिप्लोमा; बीए; एमबीए प्रबंधक - आईसीटी कार्यालय प्रशासन	**प्रेमकुमार एम.बी.** बीए; एमए प्रबंधक-पीजीपी
राजेश शर्मा बी.कॉम; पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा; एमबीए सहायक महाप्रबंधक- कॉर्पोरेट संबंध, एमबीए-पीजीपीएक्स	**राजुकुमार बोड्डुपल्ली** रक्षा और संरक्षा प्रबंधन में स्नातक प्रबंधक-सुरक्षा
रेवेन्द्र वाघेला बी.कॉम; एमबीए प्रबंधक-सामग्री पुनरुत्पादन	**रेणु मिश्रा** एम.ए. सह-उपाध्यक्ष-कॉरपोरेट संबंध, एमबीए-पीजीपीएक्स
समीर शेठ सनदी लेखाकार महाप्रबंधक - दुबई कार्यालय	**सौरभ सोनी** बी.ई. प्रबंधक - विद्युत
शिवांगी भट्ट अंग्रेजी साहित्य में बी.ए.; संचार, पत्रकारिता और जनसंपर्क में स्नातक; विकास संचार में स्नातकोत्तर प्रबंधक-संचार	**श्वेता सिंह** बी.एस.सी.; एम.बी.ए.; एम.फिल. प्रबंधक-अशांक देसाई नेतृत्व एवं संगठनात्मक विकास केंद्र
सुबोध पात्रिकर बी.ई. (इलेक्ट्रिकल); एम.एससी. जियोइन्फॉरमेटिक्स; सहायक महाप्रबंधक-परिवहन एवं रसद केंद्र	**उमा भास्करन** एमए प्रबंधक - सीएमए

उर्वशी शर्मा बी.कॉम; एमबीए प्रबंधक - ग्राहक संबंध, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	**वाढेर हरेन्द्र जे.** बीई (सिविल); एमबीए महाप्रबंधक - इंजीनियरिंग सेवाएँ और संपदा
वरुणा जोशी बीए मनोविज्ञान; बीए अंग्रेजी साहित्य; एमए अंग्रेजी; पत्रकारिता में सर्टिफिकेट प्रबंधक - छात्र समन्वयक, एसएओ	**वसुधा माटा** बी.कॉम; एम.कॉम सहायक महाप्रबंधक - वितरण संचालन, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम
वेंकटेश्वर राव अलापर्थी बी.कॉम; एमए (औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन) सह-उपाध्यक्ष - मानव संसाधन	**विकास चतुर्वेदी** बी.ए. (ऑनर्स); व्यवहार विज्ञान में एम.एससी.; एम.बी.ए. मुख्य परिचालन अधिकारी - ईईपी
विक्रम गोयल बीएचएम; पीजीडीएम सहायक महाप्रबंधक- पीजीपीएक्स	**विनय चौहान** बीई; एमबीए सहायक महाप्रबंधक - अनुबंध
विशाल झवेरी बी.कॉम; एम.कॉम; वित्त में एमबीए सीए (आईसीएआई) सहायक महाप्रबंधक-वित्त एवं लेखा	**युवराज जाधव** बीई; एमबीए सहायक महाप्रबंधक-विद्युत

पुस्तकालय

आशा देसाई बी.कॉम; एम.कॉम; बी.लिब; एम.लिब; यूजीसी-नेट सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	**डॉ. हिरल टी. पटेल** एम.एल.आई.एससी.; पीएच.डी. उप पुस्तकालयाध्यक्ष
मल्लिकार्जुन डोरा बी.एससी.; एम.लिब.; यूजीसी-नेट सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	**नवनाथ पवार** बी.एससी (ऑनर्स); बी.एल.आई.एससी., एम. एम.एल.आई.एससी., यूजीसी-नेट सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

वित्तीय विवरण

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Director General of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009

सं:-म.नि./के.ले.प.व्यय/आई.आई.एम./अहमदाबाद/2025-26/जावक 313 दिनांक : 31/10/25

सेवा में,
भारत सरकार के सचिव,
शिक्षा मंत्रालय,
माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग,
कमरा नंबर 529 शास्त्री भवन, 'सी' विंग,
नई दिल्ली -110001.

विषय :भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2024-25 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2024-25 के लेखाओं की लेखापरीक्षा दिनांक 21.07.2025 से 01.08.2025 तक भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के वर्ष 1971 के डीपीसी अधिनियम की धारा 19(2) के तहत की गयी थी|

इस पत्र के साथ आपको भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद की वर्ष 2024-25 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं वर्ष 2024-25 के लेखाओं की सत्यापित प्रति भेजी जा रही है|

आपसे अनुरोध किया जाता है कि इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में रखवाने की व्यवस्था करें| संसद में रखवाये गए दस्तावेजो की मुद्रित प्रति उसके दिनांक के साथ इस कार्यालय को उपलब्ध करायें एवं उसकी एक प्रति भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय नई दिल्ली को भी भेजे|

संसद के दोनों सदनों में रखवाने तक इस प्रतिवेदन को गोपनीय माना जाये|

भवदीया,

हस्ता/-
उपनिदेशक/के.ले.प. (व्यय)

संलग्न : उपर्युक्त

प्रतिलिपि : निदेशक,भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, वस्त्रापुर, अहमदाबाद-380015,गुजरात
(पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखाओं की सत्यापित प्रति संलग्न है इसे संसद के दोनों सदनों में रखवाने तक गोपनीय माना जाये| संसद में रखवाये गए दस्तावेजो की मुद्रित प्रति उसके दिनांक के साथ इस कार्यालय को उपलब्ध करायें | मुद्रित प्रतिवेदन में महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का नाम, पद सहित शामिल करायें)

31/10/25
उप निदेशक/के.ले.प. (व्यय)

चतुर्थ तल, लेखापरीक्षा भवन, ईश्वर भवन के समीप, कॉमर्स छः रास्ता, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380 009.
फोन / Phone : 079-26560892, 26561382, 26473888, फैक्स / Fax : 079-26560134, ई-मेल : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की राय

राय

हमने **भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद** के वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च 2025 तक की वित्तीय स्थिति का विवरण और समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता/प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता शामिल हैं, और वित्तीय विवरणों के लिए नोट्स, जिसमें **भारतीय प्रबंध संस्थानों के अधिनियम 2017 की धारा 23(3)** के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, **1971 की धारा 19(2)** के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश शामिल है।

इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की तरफ से वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं की अनुरूपता, लेखांकन मानकों, प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन उपचार पर केवल टिप्पणियाँ शामिल हैं। कानून, नियमों एवं विनियमों (औचित्य और नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्य निष्पादन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों / लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

हमारी राय में, **भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद** के संलग्न वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और उन पर नोट्स तथा पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में उल्लिखित मामलों के साथ पढ़े जाने पर, 31 मार्च, 2025 तक स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति और 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए उसके वित्तीय निष्पादन और नकदी प्रवाह का **सही और निष्पक्ष विवरण देते हैं**, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप / भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन मानकों के अनुसार है।

इस राय का आधार

हमने अपनी लेखापरीक्षा सीएजी के लेखापरीक्षा नियमों/मानकों/नियमावलियों/ दिशानिर्देशों/ मार्गदर्शन-टिप्पणियों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार की है। हमारी ज़िम्मेदारियों का विवरण हमारी प्रतिवेदन के "वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा हेतु लेखापरीक्षक की ज़िम्मेदारियाँ" अनुभाग

में दिया गया है। वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा से संबंधित नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार, हम स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं, और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक ज़िम्मेदारियाँ भी पूरी की हैं। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारी राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए संचालकों की जिम्मेदारियाँ

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के संचालक मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखाओं के एकरूप प्रारूप और भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा मानकों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए जिम्मेदार है, और आंतरिक नियंत्रण के लिए भी जिम्मेदार है, क्योंकि संचालक यह निर्धारित करता है कि वित्तीय विवरणों को तैयार करना आवश्यक है, जो कि धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले महत्त्वपूर्ण गलत बयानों से मुक्त हों।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र वित्तीय विवरण, धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, किसी भी प्रकार की महत्त्वपूर्ण गलतबयानी से मुक्त है, तथा एक लेखापरीक्षक प्रतिवेदन जारी करना है, जिसमें सीएजी के लेखापरीक्षा विनियमों/ मानकों/ नियमावलियों/ दिशानिर्देशों/ मार्गदर्शन-टिप्पणियों/ आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार हमारी राय शामिल हो।

भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक की ओर से एवं कृते

महानिदेशक, लेखापरीक्षा (सी)

स्थान : अहमदाबाद

दिनांक : 31.10.2025

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के खातों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

क. तुलन पत्र - शून्य

ख. आय एवं व्यय खाता – शून्य

ग. प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता – शून्य

घ. लेखाकरण नीतियाँ – शून्य

ङ. सामान्य :

मूल्यह्रास/परिशोधन (अनुसूची 19) - 47.55 करोड़ रुपये

विषय - अचल संपत्तियों के लिए मूल्यह्रास पद्धति पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशानिर्देशों का गैर-अनुपालन (ओबीएस-2046244)

केंद्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए वार्षिक खातों (अनुसूची 23) की महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के अनुसार, निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। हालाँकि, संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया है और मुख्य परिसर भवन को छोड़कर, आयकर (आईटी) अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दर पर लिखित डाउन मूल्य (डब्ल्यूडीवी) पद्धति पर मूल्यह्रास लगाया है। संस्थान को मूल्यह्रास के संबंध में मंत्रालय के लेखा प्रारूप का पालन करना आवश्यक है।

आईआईएम अहमदाबाद के पास दिशानिर्देशों से छूट के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तरफ से कोई मंजूरी प्राप्त नहीं थी।

पिछली एसएआर में भी इसी तरह की टिप्पणी शामिल की गई थी। हालाँकि, कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

च. संचालन पत्र

जिन कमियों को इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक /सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी किए गए संचालन पत्र के माध्यम से संचालकों के ध्यान में लाया गया है।

छ. आंतरिक नियंत्रणों का मूल्यांकन

(i) **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:** संस्थान में आंतरिक नियंत्रण की एक प्रणाली है।

(ii) **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:** आईआईएम में एक आंतरिक लेखा परीक्षा स्कंध है और वर्ष 2024-25 के दौरान आंतरिक लेखा परीक्षा आयोजित की गई है।

(iii) **अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है।

(iv) **वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है।

(v) **वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता:** संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा कराने में नियमित रहा है।

ज. सहायता अनुदान

वर्ष के दौरान प्राप्त **5.04 करोड़ रुपये** (**0.12 करोड़ रुपये** के प्रारंभिक शेष के साथ) के सहायता अनुदान में से, संस्थान 31 मार्च 2025 तक **4.75 करोड़ रुपये** की राशि का उपयोग कर सका, जिससे अप्रयुक्त अनुदान के रूप में **0.29 करोड़ रुपये** का शेष रह गया था।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2025 के अनुसार तुलन पत्रक

(₹ करोड़ में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	31-03-2025 को शेष राशि	31-03-2024 को शेष राशि
कॉर्पस / पूंजीगत राशि	1	855.28	644.47
निर्दिष्ट / निर्धारित / अक्षय निधियाँ	2	910.04	942.99
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	592.66	575.66
कुल		**2,357.98**	**2,163.12**

निधियों का अनुप्रयोग	अनुसूची	31-03-2025 को शेष राशि	31-03-2024 को शेष राशि
अचल संपत्तियाँ			
वास्तविक संपत्तियाँ	4	265.08	300.15
अमूर्त संपत्तियाँ	4	0.83	1.34
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4	172.73	148.47
निवेश			
दीर्घकालिक	5	1,688.53	1,593.16
वर्तमान संपत्तियाँ	6	141.95	39.81
ऋण, अग्रिम एवं जमा	7	88.86	80.19
कुल		**2,357.98**	**2,163.12**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों के नोटस	24		

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/के. ले. प. (व्यय)
Sr. Audit Officer/CA(E)
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), गुजरात
Office of the Director General of Audit (Central), Gujarat
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380 009
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad-380 009

निदेशक

मुख्य वित्तीय अधिकारी

दिनांक: 21 जून, 2025
स्थान: अहमदाबाद

विद्याविनियोगाद्विकास:

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(₹ करोड़ में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I. अथ शेष			I. व्यय		
ए) नकद शेष	-	-	ए) स्थापना व्यय	164.69	163.62
बी) बैंक में शेष			बी) अकादमिक व्यय	56.67	64.97
i. रुपये खातों में	3.95	1.91	सी) प्रशासनिक व्यय	31.67	30.60
ii. जमा खातों में	1.95	77.60	डी) परिवहन व्यय	0.06	0.19
iii. बचत खाते में	14.82	20.43	ई) मरम्मत एवं रखरखाव	18.90	18.21
iv. एफ़सी खातों में	0.76	0.40			
सी) फ्रैंकिंग मशीन से शेष राशि	0.03	0.03			
			II. निर्धारित / अक्षय निधि के लिए भुगतान	31.98	30.35
II. प्राप्त अनुदान					
ए) भारत सरकार से	4.92	3.58	III. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान	47.07	34.55
बी) राज्य सरकार से	-	-			
सी) अन्य स्रोतों से	-	-	IV. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	17.00	10.96
III. अकादमिक प्राप्तियाँ	193.02	181.91			
			V. निवेश एवं सावधि जमा किए गए		
IV. निर्धारित / अक्षय निधियों से प्राप्तियाँ	71.45	50.21	ए) निर्धारित / अक्षय निधियों में से	860.82	1,042.69
			बी) स्वयं की निधियों में से (निवेश अन्य)		-
V. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से प्राप्तियाँ	182.90	177.50			
			VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा		-
VI. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति से प्राप्तियाँ	17.18	8.13			
			VII. अचल परिसंपत्तियों एवं जारी पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
VII. निवेशों से आय			ए) अचल संपत्तियाँ	12.27	18.27
ए) निर्धारित / अक्षय कोष	70.52	62.26	बी) पूंजीकार्य प्रगति में (पूंजीगत अग्रिम सहित)	30.99	37.81
बी) अन्य निवेश	39.57	23.75			
			VIII. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	4.59	5.40
VIII. ब्याज प्राप्त हुआ					
ए) बैंक जमा	3.62	4.14	IX. अनुदान की धनवापसी	-	-
बी) अन्य ब्याज	1.06	0.28			
सी) बचत बैंक खाते	0.40	0.61	X. जमा एवं अग्रिम	-	-
IX. निवेश का नकदीकरण (सावधि जमा सहित)	765.56	847.15			
			XI. अन्य भुगतान	4.17	3.96
X. अन्य आय	16.22	16.83			
			XII. समापन शेष		
XI. जमा एवं अग्रिम	7.34	3.66	ए) नकद शेष	-	-
			बी) बैंक शेष		
XII. विविध प्राप्तियाँ (वैधानिक प्राप्तियाँ)		-	i. रुपये खातों में	1.13	3.95
			ii. जमा खातों में	88.00	1.95
XIII. अन्य प्राप्तियाँ	6.04	2.71	iii. बचत खाते में	31.06	14.82
			iv. एफ़सी खातों में	0.22	0.76
			सी) फ्रैंकिंग मशीन के सहित शेष राशि	0.02	0.03
कुल	**1,401.31**	**1,483.09**	**कुल**	**1,401.31**	**1,483.09**

निदेशक

मुख्य वित्तीय अधिकारी

Sr. Audit Officer/CA(E)
Office of the Director General of Audit (Central), Gujarat
Audit ... , Navrangpura, Ahmedabad-380 009

दिनांक: 21 जून, 2025
स्थान: अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते

(₹ करोड़ में)

विवरण	अनुसूची	2024-25	2023-24
आय			
अकादमिक प्राप्तियाँ	8	360.49	353.47
अनुदान / सब्सिडी	9	3.67	3.46
निवेश से आय	10	37.91	34.43
अर्जित ब्याज	11	1.46	0.73
अन्य आय	12	41.32	30.78
पूर्व अवधि की आय	13	-	-
कुल (ए)		**444.85**	**422.87**
व्यय			
कार्मिक भुगतान एवं लाभ (प्रतिष्ठान व्यय)	14	188.29	187.63
अकादमिक व्यय	15	103.96	94.37
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	16	32.48	29.46
यातायात खर्चे	17	0.06	0.19
मरम्मत एवं रखरखाव	18	19.44	17.76
अवमूल्यन / परिशोधन	19	47.55	47.72
अन्य खर्चे	20	0.73	0.11
पूर्व अवधि के व्यय	21	-	-
कुल (बी)		**392.51**	**377.24**
व्यय से अधिक आय होने पर शेष राशि (ए-बी)		52.34	45.63
निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरण	22	-	45.50
अधिशेष होने पर पूँजीगत निधि में लायी गई शेष राशि		**52.34**	**0.13**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों के नोटस	24		

दिनांक: 21 जून, 2025
स्थान: अहमदाबाद

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/के. ले. प. (व्यय)
Sr. Audit Officer/CA(E)
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), गुजरात
Office of the Director General of Audit (Central), Gujarat
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380 009
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad-380 009

निदेशक

मुख्य वित्तीय अधिकारी

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 1 - कॉर्पस / पूंजीगत निधि

(₹ करोड़ में)

क्रम संख्या	विवरण	01-04-2024 को शेष राशि	खरीदी गई संपत्तियाँ				ब्याज	वर्ष के दौरान (चुकाए गए) / जमा किए		31-03-2025 को शेष राशि
			अनुदान में से (भारत सरकार / राज्य सरकार)	निर्धारित निधि में से	प्रायोजित परियोजनाओं में से	दान / उपहार				
1	कॉर्पस निधि	215.83	-	-	-	-	16.21	4.96 0.85 36.60 114.29	(ई) (जी) (बी) (एफ़)	388.74
2	पूंजीगत निधि	422.89	-	28.07	0.07	#	-	(0.02) (36.60) (0.21)	(ए) (बी) (सी)	414.20
3	आय एवं व्यय खाता	4.96	-	-	-	-	-	52.34 (4.96)	(डी) (ई)	52.34
4	आईआईएमए सोसाइटी सदस्यता निधि	0.79	-	-	-	-	0.06	(0.85)	(जी)	-
	कुल	**644.47**	**-**	**28.07**	**0.07**	**-**	**16.27**	**166.40**		**855.28**
	पिछले वर्ष	622.51	-	52.52	0.09	0.01	14.81	(45.47)		644.47

(ए) परिसंपत्तियों की बिक्री/त्याग के विरुद्ध पूंजी निधि से हस्तांतरण
(बी) मूल्यह्रास की सीमा तक कॉर्पस निधि खाते में हस्तांतरण
(सी) मूल्यह्रास की सीमा तक आय और व्यय खाते में हस्तांतरित
(डी) चालू वर्ष के लिए अधिशेष आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित
(ई) आय एवं व्यय खाते का प्रारंभिक शेष कॉर्पस निधि में स्थानांतरित
(एफ़) पिछले वर्ष के मूल्यह्रास की सीमा तक परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि से हस्तांतरण
(जी) आईआईएमए सोसायटी सदस्यता निधि को कॉर्पस निधि में स्थानांतरित किया गया

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 2 – निर्धारित कोष

(₹ करोड़ में)

क्रम संख्या	विवरण	01-04-2024 को शेष राशि	प्राप्त योगदान	अन्य अर्जित आय	निवेश पर ब्याज	निधि खातों के भीतर आंतरिक अंतरण	आय एवं व्यय खाते से स्वीकृत	अन्य समायोजन		पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय / मंजूर की गई परियोजनाएँ	31-03-2025 को शेष राशि
1	सीएमए कार्यक्रम निधि	3.38	-	-	0.31	-	-	1.08	(ए)	-	-	4.77
2	पूर्वछात्र गतिविधि निधि	13.88	-	1.27	1.07	-	-	-		-	0.52	15.70
3	कंप्यूटर पर खर्च के लिए निधि	63.49	-	-	4.78	(65.11)	-	-		3.16	-	-
4	छात्र कल्याण कोष	9.52	-	0.02	0.66	(10.13)	-	-		-	0.07	-
5	परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	377.01	2.74	-	27.99	106.71	-	(114.29)	(बी)	24.71	-	375.45
6	नवप्रवर्तन एवं ऊष्मायन केंद्र	1.02	-		0.08	-	-	-		-	-	1.10
7	अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि	76.71	-	3.03	5.66	-	-	-			1.95	83.45
8	परिवहन अग्रिम निधि	1.33	-		0.10	-	-	-		-	-	1.43
9	मकान निर्माण अग्रिम निधि	10.81	-	-	0.72	-	-	-		-	-	11.53
10	संकाय, अधिकारी एवं कर्मचारी विकास एवं कल्याण निधि	39.67	-	0.10	2.98	(31.47)	-	-		-	0.08	11.20
11	अध्यक्ष (चेयर-पीठ) निधि	5.22	3.99	-	0.48	-	-	-		0.10	2.26	7.33
12	अक्षय निधि (अनुसूची 2क)	67.17	-	-	5.02	-	-	-		0.01	1.03	71.15
13	दान निधि	273.78	59.88	0.16	20.67	-	-	(0.34)	(सी)	0.09	27.13	326.93
	कुल	**942.99**	**66.61**	**4.58**	**70.52**	**-**	**-**	**(113.55)**		**28.07**	**33.04**	**910.04**
	पिछले वर्ष	830.37	44.38	4.65	62.26	-	45.50	36.87		52.53	28.52	942.99

द्वारा प्रस्तुत	01-04-2025 को शेष राशि	31-03-2024 को शेष राशि
नकद एवं बैंक शेष	-	-
निवेश	910.04	942.99
ब्याज अर्जित किया परंतु देय नहीं है	-	-

(ए) वर्ष 2022-2023 के घाटे के विरुद्ध समायोजित
(बी) पिछले वर्ष के मूल्यह्रास की सीमा तक परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि से हस्तांतरण
(सी) जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन निधि के सामने समायोजन

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 2क – अक्षय कोष

अध्यक्ष निधि

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	अक्षय कोष का नाम	01-04-2024 को शेष राशि		वर्ष के दौरान प्राप्त		कुल		हस्तांतरण	वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	31-03-2025 को शेष राशि		
		अक्षय कोष	संचित ब्याज	अक्षय कोष	ब्याज	अक्षय कोष	संचित ब्याज			अक्षय कोष	संचित ब्याज	कुल
1	अध्यक्ष निधि	23.31	20.43	-	3.30	23.31	23.73	-	0.49	23.31	23.24	46.55
	कुल	**23.31**	**20.43**	**-**	**3.30**	**23.31**	**23.73**	**-**	**0.49**	**23.31**	**23.24**	**46.55**

दान निधि

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान प्राप्त		वर्ष के दौरान व्यय		हस्तांतरण		समापन शेष		कुल
		दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज से	दान	ब्याज	दान	ब्याज	
1	दान निधियाँ	13.96	9.47	-	1.72	-	0.55	-	-	13.96	10.64	24.60
	कुल	**13.96**	**9.47**	**-**	**1.72**	**-**	**0.55**	**-**	**-**	**13.96**	**10.64**	**24.60**
	कुल योग	**37.27**	**29.90**	**-**	**5.02**	**-**	**1.04**	**-**	**0.49**	**37.27**	**33.88**	**71.15**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 3 वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को शेष राशि	31-03-2024 को शेष राशि
ए. वर्तमान देनदारियाँ		
1 कर्मचारी से जमा राशि	0.06	0.03
2 छात्रों से जमा राशि		
मौजूदा छात्र	2.30	2.22
पूर्वछात्र	#	#
3 जमा - अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा, प्रतिधारण जमा सहित)	14.82	14.90
4 विविध लेनदार		
सामान एवं सेवाओं के लिए	11.71	13.13
अन्य (पूंजीगत कार्यों के लिए)	17.75	24.48
5 अग्रिम में प्राप्त शुल्क	46.66	54.12
6 वैधानिक देयताएँ		
अतिदेय	-	-
अन्य	7.23	3.18
7 अन्य वर्तमान देयताएँ		
वेतन और पेंशन	7.69	7.12
प्रायोजित परियोजनाओं / कार्यक्रमों (अनुसूची 3क) के लिए प्राप्तियाँ	13.36	15.04
प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति (अनुसूची 3ख) के लिए प्राप्तियाँ	0.90	0.72
कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	14.44	10.92
अनुपयुक्त अनुदान (अनुसूची 9)	0.29	0.12
छात्रों को वापसी योग्य सेवा कर / जीएसटी (पीजीपीएक्स)	2.25	2.25
छात्र समारोह	1.90	2.49
सामान्य प्रवेश परीक्षा	0.02	0.02
अन्य देनदारियाँ	3.27	3.57
कुल (ए)	**144.65**	**154.31**
बी प्रावधान		
1 अधिवर्षिता पेंशन (अनुसूची - 14क)	343.01	328.21
2 संचित छुट्टी नकदीकरण (अनुसूची - 14क)	37.11	33.72
3 ग्रेच्युटी (अनुसूची - 14क)	22.14	20.86
4 व्यय के लिए प्रावधान	45.75	38.56
कुल (बी)	**448.01**	**421.35**
कुल (ए+बी)	**592.66**	**575.66**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 3क - प्रायोजित परियोजनाएँ / कार्यक्रम

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	विवरण	01-04-2024 को शेष राशि		वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान नामे	31-03-2025 को शेष राशि	
		जमा	नामे			जमा (ए)	नामे (बी)
1	परामर्शी परियोजनाएँ	8.41	-	20.38	22.18	6.61	-
2	अनुसंधान परियोजनाएँ	6.31	0.14	5.08	5.16	6.41	0.32
3	कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन	0.15	-	1.69	1.70	0.14	-
4	अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम	0.17	-	0.23	0.20	0.20	-
	कुल	**15.04**	**0.14**	**27.38**	**29.24**	**13.36**	**0.32**

ए - अनुसूची 3 के अंतर्गत आता है - प्रायोजित परियोजनाओं / कार्यक्रमों के विरुद्ध प्राप्तियाँ
बी - अनुसूची 7 के अंतर्गत आता है - अनुदान/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त होने वाली अन्य चालू परिसंपत्तियाँ

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 3ख - प्रायोजित अध्येतावृत्तियाँ और छात्रवृत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	01-04-2024 को शेष राशि		वर्ष के दौरान लेनदेन		31-03-2025 को शेष राशि	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा (ए)	नामे (बी)
1	आईआईएम छात्रवृत्ति	0.28	-	5.09	4.90	0.76	0.29
2	केंद्र सरकार	-	-	2.18	2.04	0.14	-
3	अक्षय कोष / दान निधि	0.44	-	9.91	11.16	-	0.81
	कुल	**0.72**	**-**	**17.18**	**18.10**	**0.90**	**1.10**

ए - अनुसूची 3 के अंतर्गत आता है - प्रायोजित अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के लिए प्राप्तियाँ
बी - अनुसूची 7 के अंतर्गत आता है - नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियाँ - "छात्र"

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 4 - अचल संपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति					मूल्यह्रास					शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2024 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	समायोजन	01-04-2025 के अनुसार	01-04-2024 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	समायोजन	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2024 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	1.07	-	-	-	1.07	-	-	-	-	-	1.07	1.07
2	इमारतें	390.73	0.49	-	-	391.22	182.29	26.67	-	-	208.96	182.26	208.44
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	23.46	0.14	#	4.47	28.07	11.16	1.22	#	1.26	13.64	14.43	12.30
4	संयंत्र और मशीनरी	6.87	0.08	-	(4.47)	2.48	2.32	0.21	-	(1.26)	1.27	1.21	4.55
5	कार्यालय उपकरण	46.51	0.98	0.19	-	47.30	25.28	3.30	0.17	-	28.41	18.89	21.23
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	25.95	0.14	0.03	-	26.06	8.46	2.64	0.02	-	11.08	14.98	17.49
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	45.29	3.29	0.82	-	47.76	39.21	3.17	0.80	-	41.58	6.18	6.08
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	53.24	0.25	0.22	-	53.27	25.19	2.94	0.18	-	27.95	25.32	28.05
9	वाहन	0.79	#	-	-	0.79	0.40	0.06	-	-	0.46	0.33	0.39
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	17.03	0.12	-	-	17.15	16.48	0.26	-	-	16.74	0.41	0.55
	कुल (ए)	**610.94**	**5.49**	**1.26**	**-**	**615.17**	**310.79**	**40.47**	**1.17**	**-**	**350.09**	**265.08**	**300.15**
	पिछले वर्ष	605.77	5.18	0.01	-	610.94	268.88	41.92	0.01	-	310.79	300.15	336.89
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (बी)	**148.47**	**24.75**	**0.49**	**-**	**172.73**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**172.73**	**148.47**
	पिछले वर्ष	109.05	46.72	7.30	-	148.47	-	-	-	-	-	148.47	109.05

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति					ऋण परिशोधन					शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2024 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	समायोजन	01-04-2025 के अनुसार	01-04-2024 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	समायोजन	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2024 के अनुसार
12	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	4.46	#	-	-	4.46	3.26	0.48	-	-	3.74	0.72	1.20
13	आईआईएमए लोगो	0.22	-	-	-	0.22	0.08	0.03	-	-	0.11	0.11	0.14
14	पुस्तकालय डेटाबेस एवं सामयिक	52.92	6.78	-	-	59.70	52.92	6.78	-	-	59.70	-	-
	कुल (सी)	**57.60**	**6.78**	**-**	**-**	**64.38**	**56.26**	**7.29**	**-**	**-**	**63.55**	**0.83**	**1.34**
	पिछले वर्ष	44.50	13.10	-	-	57.60	43.88	12.38	-	-	56.26	1.34	0.62
	कुल योग (ए+बी+सी)	**817.01**	**37.02**	**1.75**	**-**	**852.28**	**367.05**	**47.76**	**1.17**	**-**	**413.64**	**438.64**	**449.96**
	पिछले वर्ष	759.32	65.00	7.31	-	817.01	312.76	54.30	0.01	-	367.05	449.96	446.56

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 4क - अचल संपत्तियाँ - योजना

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2024 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2025 के अनुसार	01-04-2024 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2024 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	0.91	-	-	0.91	-	-	-	-	0.91	0.91
2	इमारतें	27.90	-	-	27.90	27.90	-	-	27.90	-	-
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	2.75	-	-	2.75	2.08	0.07	-	2.15	0.60	0.67
4	कार्यालय उपकरण	3.41	-	0.03	3.38	3.24	0.03	0.03	3.24	0.14	0.17
5	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	1.46	-	0.01	1.45	1.45	-	0.01	1.44	0.01	0.01
6	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	5.45	-	0.03	5.42	4.33	0.11	0.03	4.41	1.01	1.12
7	पुस्तकालय की पुस्तकें	5.83	-	-	5.83	5.83	-	-	5.83	-	-
	कुल	**47.71**	**-**	**0.07**	**47.64**	**44.83**	**0.21**	**0.07**	**44.97**	**2.67**	**2.88**
	पिछले वर्ष	47.71	-	-	47.71	44.60	0.23	-	44.83	2.88	3.11

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 4ख - अचल संपत्तियाँ - अन्य

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति					मूल्यह्रास					शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2024 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	समायोजन	31-03-2025 के अनुसार	01-04-2024 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	समायोजन	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2024 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	0.16	-	-	-	0.16	-	-	-	-	-	0.16	0.16
2	इमारतें	362.83	0.49	-	-	363.32	154.39	26.67	-	-	181.06	182.26	208.44
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	20.71	0.14	#	4.47	25.32	9.08	1.15	#	1.26	11.49	13.83	11.63
4	संयंत्र और मशीनरी	6.87	0.08	-	(4.47)	2.48	2.32	0.21	-	(1.26)	1.27	1.21	4.55
5	कार्यालय उपकरण	43.10	0.98	0.16		43.92	22.04	3.27	0.14		25.17	18.75	21.06
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	25.95	0.14	0.03	-	26.06	8.46	2.64	0.02	-	11.08	14.98	17.49
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	43.83	3.29	0.81	-	46.31	37.76	3.17	0.79	-	40.14	6.17	6.07
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	47.79	0.25	0.19	-	47.85	20.86	2.83	0.15	-	23.54	24.31	26.93
9	वाहन	0.79	#	-	-	0.79	0.40	0.06	-	-	0.46	0.33	0.39
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	11.20	0.12	-	-	11.32	10.65	0.26	-	-	10.91	0.41	0.55
	कुल (ए)	**563.23**	**5.49**	**1.19**	**-**	**567.53**	**265.96**	**40.26**	**1.10**	**-**	**305.12**	**262.41**	**297.27**
	पिछले वर्ष	558.06	5.18	0.01	-	563.23	224.28	41.69	0.01	-	265.96	297.27	333.78
11	**पूंजीगत कार्य प्रगति में (बी)**	**148.47**	**24.75**	**0.49**	**-**	**172.73**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**172.73**	**148.47**
	पिछले वर्ष	109.05	46.72	7.30	-	148.47	-	-	-	-	-	148.47	109.05

क्रमांक	अमूर्त संपति	कुल संपत्ति					ऋण पारशोधन					शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2024 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	समायोजन	31-03-2025 के अनुसार	01-04-2024 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	समायोजन	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2024 के अनुसार
12	कम्प्यूटर सॉफ़्टवेयर	4.46	#	-	-	4.46	3.26	0.48	-	-	3.74	0.72	1.20
13	आईआईएमए लोगो	0.22	-	-	-	0.22	0.08	0.03	-	-	0.11	0.11	0.14
14	पुस्तकालय डेटाबेस एवं सामयिक	52.92	6.78	-	-	59.70	52.92	6.78	-	-	59.70	-	-
	कुल (सी)	**57.60**	**6.78**	**-**	**-**	**64.38**	**56.26**	**7.29**	**-**	**-**	**63.55**	**0.83**	**1.34**
	पिछले वर्ष	44.50	13.10	-	-	57.60	43.88	12.38	-	-	56.26	1.34	0.62
	कुल योग (ए+बी+सी)	**769.30**	**37.02**	**1.68**	**-**	**804.64**	**322.22**	**47.55**	**1.10**	**-**	**368.67**	**435.97**	**447.08**
	पिछले वर्ष	711.61	65.00	7.31	-	769.30	268.16	54.07	0.01	-	322.22	447.08	443.45

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 5 - निवेश

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2024 के अनुसार
	दीर्घकालिक		
ए	**निर्धारित/अक्षय निधि से**		
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	342.99	395.97
2	बैंकों में सावधि जमा	567.05	547.02
	कुल (ए)	**910.04**	**942.99**
बी	**अन्य से**		
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	453.36	405.38
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	154.68	139.68
3	बॉंड	143.67	76.27
	कुल (बी)	**751.71**	**621.33**
	कुल योग (ए+बी)	**1,661.75**	**1,564.32**
	निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किया गया प्रीमियम (परिपक्वता अवधि में बट्टे खाते में डाला जाएगा)	26.78	28.84
	कुल	**1,688.53**	**1,593.16**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 6 - मौजूदा संपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2025 के अनुसार	31-03-2024 के अनुसार
1	**भंडार**		
	ए) विद्युत सामग्री	0.03	0.04
	बी) साहित्य सामग्री	0.69	0.53
	सी) अन्य	0.76	0.71
		1.48	**1.28**
2	**विविध देनदार**		
	ए) छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	1.48	1.55
	घटाया: संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	0.58	0.11
		0.90	**1.44**
	बी) अन्य	19.14	15.58
		20.04	**17.02**
3	**नकद और बैंक शेष**		
	ए) अनुसूचित बैंकों के साथ:		
	चालू खातों में		
	रुपया खाता	1.13	3.95
	एफसी खाते	0.21	0.66
	सावधि जमा खातों में	88.00	1.95
	बचत खातों में		
	रुपया खाता	31.06	14.82
	एफसी खाते	0.01	0.10
		120.41	**21.48**
	बी) हस्तगत नकद	-	-
	सी) फ्रैंकिंग मशीन के साथ शेष राशि	0.02	0.03
	कुल	**141.95**	**39.81**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 7 - ऋण, अग्रिम एवं जमा

(₹ करोड़ में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2025 के अनुसार		31-03-2024 के अनुसार	
1	**कर्मचारियों को अग्रिम : (ब्याज रहित व्यवहार)**				
	ए) त्यौहार	-		-	
	बी) अन्य	0.56	0.56	0.45	0.45
2	**नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए वसूल की जाने वाली अग्रिम राशियाँ और अन्य राशियाँ**				
	ए) पूंजी अग्रिम	-		-	
	बी) अन्य को अग्रिम	3.01		0.38	
	सी) छात्र	1.24		0.01	
	डी) जीएसटी / सेवा कर निविष्ट जमा प्राप्य	#		#	
	ई) विरोध के तहत भुगतान किया सेवा कर/जीएसटी (पीजीपीएक्स)	2.25		2.25	
	एफ़) आयकर एवं जीएसटी नियम के तहत टीडीएस प्राप्य	8.07		14.08	
	जी) मांग आदेशों के लिए सेवा कर भुगतान (पिछले वर्षों के लिए)	0.13	14.70	0.13	16.85
3	**पूर्वदत्त व्यय**				
	ए) बीमा	0.41		2.84	
	बी) अन्य खर्च	5.42	5.83	3.89	6.73
4	**जमा**				
	ए) टेलीफोन	#		#	
	बी) बिजली	1.48		1.04	
	सी) गैस जमा	0.24		0.24	
	डी) अन्य सुरक्षा जमा	0.19	1.91	0.19	1.47
5	**उपार्जित आय**				
	ए) निवेश पर		65.54		54.55
6	**अनुदान / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त अन्य मौजूदा परिसंपत्तियाँ**				
	ए) प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष (अनुसूची 3क)		0.32		0.14
	कुल		**88.86**		**80.19**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 8 - अकादमिक प्राप्तियाँ

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
छात्रों से फीस		
अकादमिक		
1. शिक्षण शुल्क	131.93	121.43
2. प्रवेश शुल्क	4.79	2.12
3. शैक्षणिक सहायता	33.48	30.59
4. अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम	4.74	3.68
कुल (ए)	**174.94**	**157.82**
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क - कैट (शुद्ध)	4.19	2.82
2. अंकपत्रक, प्रमाणपत्र शुल्क	0.17	0.14
कुल (बी)	**4.36**	**2.96**
अन्य शुल्क		
1. जुर्माना / विविध शुल्क	1.28	0.81
2. छात्रावास शुल्क	15.05	12.83
3. छात्र कल्याण शुल्क (अनुसूची 24 का नोट 9 देखें)	2.42	1.77
कुल (सी)	**18.75**	**15.41**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियाँ		
1. कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	155.13	173.93
2. एमओओसी - ऑनलाइन कार्यक्रम	1.86	1.80
3. सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम शुल्क	3.44	0.81
4. पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक कर्मचारी)	0.73	0.51
5. पंजीकरण शुल्क (कार्यशाला और संगोष्ठी)	1.28	0.23
कुल (डी)	**162.44**	**177.28**
कुल योग (ए+बी+सी+डी)	**360.49**	**353.47**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 9 - अनुदान / सबसिडियाँ (प्राप्त स्थिर अनुदान)

(₹ करोड़ में)

विवरण	भारत सरकार		कुल 2024-2025	भारत सरकार		कुल 2023-2024
	एफ़पीएम	सीएमए		एफ़पीएम	सीएमए	
शेष अग्रेनित	-	**0.12**	**0.12**	-	-	-
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान	-	4.92	4.92	-	3.58	3.58
जोड़े: सीएमए निधि से हस्तांतरित	-	-	-	-	-	-
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज		0.02	0.02		#	#
कुल	**-**	**5.06**	**5.06**	**-**	**3.58**	**3.58**
घटाया : धनवापसी	-	0.02	0.02	-	#	#
शेष	**-**	**5.04**	**5.04**	**-**	**3.58**	**3.58**
घटाया : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग में लिया	-	-	-	-	-	-
शेष	**-**	**5.04**	**5.04**	**-**	**3.58**	**3.58**
घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग (ए)	-	3.67	3.67	-	3.46	3.46
घटाया: 2022-23 का घाटा समायोजित	-	1.08	1.08	-	-	-
अग्रेनित शेष (बी)	**-**	**0.29**	**0.29**	**-**	**0.12**	**0.12**

ए- आय एवं व्यय खाते में अनुदान आय के रूप में दिखाया गया।
बी- अनुसूची 3 में तुलन पत्र में वर्तमान देयताओं के तहत दिखाया गया।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 10 - निवेश से आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
1. ब्याज		
ए. सरकारी प्रतिभूतियों पर	67.70	73.84
बी. अन्य बॉंड	10.29	6.10
2. सावधि जमा पर ब्याज	46.86	31.45
3. बचत बैंक खातों पर ब्याज	0.02	0.16
कुल (ए)	**124.87**	**111.55**
घटाया :		
1. निर्धारित / अक्षय निधि पर हस्तांतरित किया गया (अनुसूची 2)	70.52	62.26
2. परियोजना खाते में हस्तांतरित	0.15	0.05
3. अनुदान खाते में हस्तांतरित	0.02	#
4. कॉर्पस निधि में हस्तांतरित (अनुसूची 1)	16.27	14.81
कुल (बी)	**86.96**	**77.12**
कुल (ए+बी)	**37.91**	**34.43**

अनुसूची 11 : अर्जित ब्याज

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर	0.40	0.45
2. आयकर धनवापसी पर	0.99	0.24
3. जमा पर	0.07	0.04
कुल	**1.46**	**0.73**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 12 - अन्य आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
ए. भूमि एवं भवनों से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया	0.30	0.24
2. लाइसेंस शुल्क	0.25	0.24
3. सभागार / खेल मैदान / कन्वेंशन सेंटर, आदि का किराया शुल्क	1.33	1.05
4. सुविधाएँ (एमडीसी / आईएमडीसी / नव परिसर आदि)	1.68	1.76
5. वसूला गया बिजली शुल्क	2.95	2.72
कुल (ए)	**6.51**	**6.01**
बी. अन्य		
1. परामर्शन से आय	22.18	10.10
2. अनुसंधान परियोजनाओं से आय	2.81	3.53
3. स्थानन शुल्क	6.33	7.24
4. निवेश की बिक्री पर लाभ	0.11	0.39
5. संपत्ति की बिक्री / निपटान पर लाभ - खुद की परिसंपतियाँ	-	0.01
6. फोटोकॉपी वसूली शुल्क	1.49	1.35
7. विविध प्राप्तियाँ (निविदा फ़ॉर्म की बिक्री, जुर्माना वसूली, उपरि आय आदि)	1.89	2.15
कुल (बी)	**34.81**	**24.77**
कुल (ए+बी)	**41.32**	**30.78**

अनुसूची 13- पूर्व अवधि आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
	-	-
कुल	**-**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 14 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)

(₹ करोड़ में)

विवरण	शैक्षिक	अशैक्षिक	अविभाज्य	2024-25	2023-24
योजनेतर					
ए) वेतन एवं मजदूरी	52.24	26.45		78.69	76.98
बी) भत्ते एवं बोनस	0.01	0.04		0.05	0.06
सी) भविष्य निधि में योगदान	0.34	0.09		0.43	0.43
डी) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-	2.01	2.01	1.64
ई) सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ (देखें अनुसूची 14क)	33.70	17.07		50.77	53.55
एफ़) एलटीसी सुविधा	0.45	0.39		0.84	0.91
जी) चिकित्सा सुविधा	0.47	1.21		1.68	1.70
एच) बाल शिक्षा भत्ता	0.12	0.44		0.56	0.50
कुल (ए)	**87.33**	**45.69**	**2.01**	**135.03**	**135.77**
अन्य स्थापना खर्च					
ए) सीएमए परियोजना	2.25	1.29		3.54	3.23
बी) परामर्श परियोजनाएँ	9.20	0.73		9.93	6.99
सी) अनुसंधान परियोजनाएँ	-	2.61		2.61	2.22
डी) केंद्र गतिविधियाँ	-	0.64		0.64	0.32
ई) कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	31.40	4.37		35.77	38.32
एफ़) एमओओसी - ऑनलाइन कार्यक्रम	0.75	0.02		0.77	0.78
कुल (बी)	**43.60**	**9.66**	**-**	**53.26**	**51.86**
कुल (ए+बी)	**130.93**	**55.35**	**2.01**	**188.29**	**187.63**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 14क - कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(₹ करोड़ में)

विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	छुट्टी नकदीकरण	2024-25	2023-24
01.04.2024 को अथशेष	328.21	20.86	33.72	382.79	359.26
जोड़: अन्य संगठन से प्राप्त राशि	0.07	0.09	0.15	0.31	1.39
कुल (ए)	**328.28**	**20.95**	**33.87**	**383.10**	**360.65**
घटाया : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (बी)	22.12	1.72	1.93	25.77	25.91
31.03.2025 को उपलब्ध शेष राशि (सी=ए-बी)	306.16	19.23	31.94	357.33	334.74
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2025 को आवश्यक प्रावधान (डी)	**343.01**	**22.14**	**37.11**	**402.26**	**382.79**
ए. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (डी-सी)	**36.85**	**2.91**	**5.17**	**44.93**	**48.05**
बी. नई पेंशन योजना के लिए योगदान	-	-	-	5.82	5.47
सी. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर यात्रा	-	-	-	0.02	0.03
कुल (ए+बी+सी)				**50.77**	**53.55**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 15 - अकादमी खर्च

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
योजनेतर		
ए - शैक्षणिक व्यय		
ए) सम्मेलनों में क्षेत्र कार्य / भागीदारी	0.59	0.40
बी) अभ्यागत संकायों को भुगतान	3.01	1.67
सी) प्रवेश व्यय	2.29	3.05
डी) दीक्षांत व्यय	0.61	0.97
ई) स्टाइपेंड / मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति	17.35	15.70
एफ़) पुस्तकें और केस सामग्री	6.82	4.85
जी) बिजली - छात्र	1.88	1.19
एच) चिकित्सा खर्च	0.53	0.62
आई) विविध व्यय	3.38	3.51
जे) स्थानन व्यय	1.70	1.45
के) छात्र विनिमय कार्यक्रम	0.07	0.05
एल) अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन	4.41	3.21
एम) विपणन, संवर्धन एवं विकास व्यय	0.30	0.26
एन) प्रौदयोगिकी भागीदार शुल्क	2.74	1.81
ओ) छात्र कल्याण व्यय (अनुसूची 24 का नोट 9 देखें)	0.81	0.44
कुल ए	**46.49**	**39.18**
बी - परियोजनाएँ / कार्यक्रम व्यय		
ए) कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	38.98	44.11
बी) कार्यशालाएँ, सम्मेलन आदि	0.60	0.13
सी) परामर्श परियोजनाएँ	7.39	0.59
डी) संकाय विकास कार्यक्रम तथा सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम	0.62	0.31
ई) अनुसंधान परियोजनाएँ	0.89	0.88
एफ़) सीएमए अन्य व्यय	0.12	0.23
जी) केंद्र गतिविधियाँ	0.03	0.06
एच) संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	1.43	1.39
कुल बी	**50.06**	**47.70**
सी - सामान्य व्यय - उपयोग में ली गई सुविधाएँ		
ए) गृह व्यवस्थापन शुल्क	3.32	3.16
बी) भोजनालय शुल्क	2.62	3.08
सी) बिजली शुल्क	1.37	1.10
डी) मरम्मत एवं रखरखाव (भवन, फर्नीचर एवं उपकरणों से संबंधित)	0.10	0.15
ई) विविध व्यय	#	#
	7.41	**7.49**
कुल योग (ए+बी)	**103.96**	**94.37**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 16 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
योजनेतर		
ए बुनियादी ढाँचा		
ए) बिजली और पावर	6.86	6.93
बी) जल प्रभार	0.37	0.46
सी) बीमा	0.55	0.59
डी) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	1.04	0.74
कुल (ए)	**8.82**	**8.72**
बी संचार		
ए) डाक और स्टेशनरी	0.01	0.01
बी) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क	0.36	0.40
कुल (बी)	**0.37**	**0.41**
सी अन्य		
ए) मुद्रण और स्टेशनरी	0.97	1.03
बी) यात्रा और परिवहन व्यय	3.66	3.22
सी) आतिथ्य	0.27	0.18
डी) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
- वैधानिक लेखा परीक्षा	0.08	0.08
ई) व्यावसायिक / कानूनी शुल्क	0.65	1.03
एफ़) विज्ञापन और प्रचार	0.15	0.07
जी) सुरक्षा प्रभार	4.94	4.75
एच) संविदात्मक मजदूरी	5.54	5.18
आई) जीएसटी संस्थान दवारा वहन किया गया	4.42	3.07
जे) कार्मिक भोजनालय व्यय	0.32	0.27
के) विविध व्यय	1.17	0.61
एल) बैंक कमीशन	0.09	0.08
एम) विनिमय दर हानि	0.10	#
एन) पुर्जों की खपत	0.89	0.76
ओ) अचल संपत्तियों की बिक्री पर नुकसान	0.04	-
कुल (सी)	**23.29**	**20.33**
कुल (ए+बी+सी)	**32.48**	**29.46**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 17 - परिवहन व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
योजनेतर		
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)		
ए) चालक खर्च	0.03	0.06
बी) मरम्मत एवं रखरखाव	0.01	0.02
सी) बीमा खर्च	0.01	0.02
2 किराए पर लिए गए वाहन		
ए) किराया खर्च	0.01	0.09
कुल	**0.06**	**0.19**

अनुसूची 18 - मरम्मत एवं रखरखाव

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
योजनेतर		
ए) इमारतें	1.23	5.89
बी) फर्नीचर एवं फिक्स्चर	0.16	0.33
सी) कार्यालय उपकरण	1.28	0.32
डी) कंप्यूटर	5.50	3.08
ई) संपत्ति रखरखाव	11.27	8.14
कुल	**19.44**	**17.76**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 19 - मूल्यह्रास / परिशोधन

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास (अनुसूची 4)	40.47	41.92
अमूर्त संपत्तियों का परिशोधन (अनुसूची 4)	7.29	12.38
	47.76	54.30
घटाया : पूंजी निधि से हस्तांतरित (अनुसूची 1)	(0.21)	(6.58)
कुल	**47.55**	**47.72**

अनुसूची 20 - अन्य खर्चे

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
योजनेतर		
ए) अपरिवर्तनीय शेष खारिज किया गया (शुद्ध)	0.26	-
बी) संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	0.47	0.11
कुल	**0.73**	**0.11**

अनुसूची 21 - पूर्व अवधि के खर्च

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची 22 - नामित निधि में हस्तांतरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
ए) परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	-	45.50
कुल	**-**	**45.50**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत प्रथा, तथा लेखांकन प्रोद्भवन विधि के तहत सामान्यतः भारतीय स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (आई-जीएएपी) के अनुसार और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ये वित्तीय विवरण, शिक्षा मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर व्यापक रूप से तैयार किए गए हैं।

2. अनुमानों का उपयोग

प्रतिवेदन अवधि के दौरान वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आय और व्यय की तारीख के अनुरूप प्रबंधकों को समीक्षाधीन अवधि के दौरान संपत्ति और देनदारियों (आकस्मिक देयताओं सहित) की प्रतिवेदित मात्रा में अनुमानों और मान्यताओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखा के अनुमान प्रत्येक अवधि में परिवर्तनशील हो सकते हैं। वास्तविक परिणाम उन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमानों के आस-पास की परिस्थितियों में बदलाव के बारे में संचालनकर्ता जागरूक बन जाते हैं इसलिए अनुमानों में उचित परिवर्तन किए जाते हैं। अनुमान में परिवर्तन वित्तीय विवरणों में उस अवधि के दौरान प्रतिबिंबित होता है, जिसमें परिवर्तन किए जाते हैं और यदि महत्त्वपूर्ण है, तो उनके प्रभाव वित्तीय विवरणों के नोट्स में प्रकट किए जाते हैं।

3. वस्तुसूची मूल्यांकन

वस्तुसूची में भंडार, लेखन-सामग्री और उपभोग्य वस्तुएँ शामिल हैं और लागत के निचले स्तर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित हैं। लागत में खरीद की लागत और संबंधित प्रत्यक्ष लागत शामिल हैं। भारित औसत विधि का उपयोग करने पर वस्तुसूची की लागत लाई गई है।

4. अचल संपत्तियाँ

मूर्त संपत्तियाँ

मूर्त अचल संपत्ति कम लागत संचित मूल्यह्रास पर दर्शायी गई हैं और क्षतियाँ, यदि कोई हैं तो, उन पर दर्शायी गई हैं। अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत में भाड़ा, शुल्क और कर तथा परिसंपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित अन्य आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय और अपेक्षित उपयोग के लिए अपनी कार्यशील स्थिति में लाने के लिए व्यय शामिल हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालन व्यय, पूंजीगत परिसंपत्तियों के मूल्य का हिस्सा हैं।

उपहार / दान के माध्यम से प्राप्त मूर्त परिसंपत्तियों का मूल्यांकन इसी रूप में पूंजीगत निधि में किया जाता है।

निर्धारित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से बनी परिसंपत्तियाँ, जहाँ संस्थान में निहित ऐसी संपत्तियों का स्वामित्व, पूंजीगत निधि के लिए क्रेडिट द्वारा स्थापित किया गया है और उन्हें संस्थान की अचल संपत्तियों के साथ विलय कर दिया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

अमूर्त संपत्तियाँ

अमूर्त संपत्तियाँ अधिग्रहण की उनकी लागत, कम संचित ऋण मुक्ति और हानि नुकसान के आधार पर बताई गई हैं। अमूर्त संपत्ति वहाँ समझना है, जहाँ यह संभव है कि भविष्य में आर्थिक लाभ संपत्ति के कारण उद्यम बनेंगे और जहाँ इसका मूल्य / लागत विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

संस्थान सॉफ्टवेयर को पूंजीकृत करता है और संबंधित कार्यान्वयन लागत को बढ़ाता है जहाँ इसके यथोचित अनुमान हैं कि सॉफ्टवेयर में एक स्थायी जीवन उपयोगी अवधि का फायदा मिल सके।

5. मूल्यह्रास/परिशोधन

मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास

भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों को छोड़कर, आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट के अनुसार हैं। इस मामले में, जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलग-अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवन का बड़ा हिस्सा आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ मूल्यह्रास की दर गैर-आवासीय भवन के लिए नियत दर 10% लागू करने के बजाय 5% से लागू की गई है, जो आय कर अधिनियम द्वारा आवासीय भवन के लिए नियत है।

परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5,000/ रु. के बराबर या उससे कम हैं, वहाँ उसे कम मूल्य की संपत्ति माना गया है और यह 100% की दर से प्रदान की गई है।

मूल्यह्रास की दरें केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (सीईआई) के खातों के संशोधित प्रारूप के तहत निर्धारित दरों से भिन्न हैं। नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत सूची के अनुसार संस्थान संपत्तियों पर मूल्यह्रास प्रस्तुत करता है:

क्रमांक	संपत्ति का प्रकार	मूल्यह्रास की दर
1.	भवन-परिसर	5/10 %
2.	विद्युत स्थापन	10%
3.	संयंत्र एवं मशीनरी	15%
4.	कार्यालय उपकरण	15%
5.	श्रव्य दृश्य उपकरण	15%
6.	कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स	40%
7.	फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फ़िटिंग्स	10%
8.	वाहन	15%
9	आईआईएमए लोगो	25%
10.	पुस्तकालय की पुस्तकें	40%

अमूर्त आस्तियों की ऋणमुक्ति

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को 40% की दर से परिशोधित ऋणमुक्त किया गया है। पुस्तकालय डेटाबेस और पत्रिकाओं को 100% की दर से परिशोधित किया गया है, जो केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (सीईआई) के खातों के संशोधित प्रारूप के तहत निर्धारित दर (40%) से अलग है। चूँकि सदस्यता अवधि एक वर्ष है, संस्थान पुस्तकालय डेटाबेस और पत्रिकाओं के उपयोग-जीवन को एक वर्ष का मानता है, और तदनुसार, खरीद के वर्ष में लागत का 100% परिशोधन किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

6. निवेश

"दीर्घकालिक निवेश" के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है (इस पर भुगतानकृत बिना परिशोधित प्रीमियम सहित)। निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किए गए प्रीमियम को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात परिशोधित कर दिया गया है।

ऐसे निवेशों की वहन लागत/मूल्य में, अस्थायी के अलावा, गिरावट के लिए प्रावधान किया गया है।

7. निर्धारित / अक्षय निधियाँ

निर्धारित

दीर्घ अवधि की निधियों को विशिष्ट उद्देश्य के लिए निर्धारित किया गया है और इन्हीं को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बांड और सावधि जमा में निवेश किया गया है। निवेशों से आय निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेशों का एक बड़ा समूह है और इसे प्रत्येक निधि में औसत मासिक समापन शेष के अनुपात में आवँटित किया गया है। व्यय और अग्रिम को इन निधि में नामे किया जाता है। परिसंपत्तियाँ निर्धारित निधियों से बनाई गई हैं जहाँ संस्थान का स्वामित्व निहित है, और इन्हें पूंजीगत निधि के बराबर राशि जमा करके संस्थान की संपत्तियों के साथ विलय कर दिया गया है। संबंधित निधियों में शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है।

अक्षय निधि

विभिन्न व्यक्तिगत दाताओं, ट्रस्टों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त वित्तपोषण ही अक्षय निधि है, जो दानकर्ताओं द्वारा निर्दिष्ट अध्यक्षनिधियों की चेयर (पीठ) की स्थापना और पदकों और पुरस्कारों के लिए होती है। इसी को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बॉन्ड और सावधि जमाओं में निवेश किया गया है।

निवेश से प्राप्त आय औसत मासिक निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेश का एक समूह है और प्रत्येक कोष में औसत मासिक समापन शेष के अनुपात में इन्हें आवंटित किया गया है। संबंधित अक्षय निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से पदकों और पुरस्कारों पर व्यय किया गया है और शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है।

चेयर (पीठ) के मामले में, ब्याज आय में कमी होने पर अक्षय निधि का उपयोग किया जा सकता है। शेष राशि को निवेश और अर्जित ब्याज द्वारा दर्शाया जाता है।

निर्धारित/अक्षय निधि में दर्शाई गई राशि में आय और व्यय खाते से प्राप्त आय और वर्ष के दौरान प्राप्त दान (कॉर्पस के अलावा) शामिल हैं। इसी तरह, वस्तुओं के लिए किए गए और उपयोग किए गए व्यय को सीधे इस निधि में नामे किया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

छात्रों से फीस (शुल्क) को प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता दी है।

आजीवन सदस्यता शुल्क को पूंजी प्राप्ति के रूप में माना जाता है तथा इसे कॉर्पस/पूंजी निधि के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

भूमि और भवन, स्थानन शुल्क, अन्य विविध प्राप्तियाँ और निवेश पर ब्याज से प्राप्त आय को प्रोद्भवन आधार पर गिना गया है।

अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

वर्ष के अंत में, जारी अनुसंधान परियोजनाओं, और परामर्श परियोजनाओं से हुई आय को आय एवं व्यय खाते में संबंधित परियोजना/कार्यक्रम, यदि है तो, के तहत वर्ष के दौरान किए गए व्यय की सीमा तक आनुपातिक रूप से संस्थान के शेयर को विनियोजित करके मान्यता दी गई है। मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों, मुक्त नामांकन कार्यक्रमों और अनुकूलित शिक्षा कार्यक्रमों से होने वाली आय को प्रोद्भवन आधार पर मान्यता दी गई है।

दान, बीमा दावा रसीदें और कैट शुल्क से प्राप्त योगदान को रसीद के आधार पर हिसाब में गिन लिया गया है।

9. निवेश पर आय

वर्ष के दौरान औसत निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर, जहाँ भी लागू था वहाँ, वर्ष के दौरान अर्जित कुल ब्याज का 1% निधि के प्रशासन के लिए समायोजित करने के बाद निर्धारित निधि, अक्षय निधि, अन्य निधियों और अनुदान से निवेश पर ब्याज संबंधित खाते में आवंटित किया गया।

संबंधित निर्धारित, अक्षय निधि, कॉर्पस, अन्य निधियों और अनुदान खाते में आवंटन के बाद किसी भी अधिशेष ब्याज को आय और व्यय खाते में “ब्याज आय” के रूप में मान्यता दी गई है।

निर्धारित, अक्षय निधि और अन्य निधियों में से निवेश पर लाभांश संबंधित निधि खाते में आवंटित किया गया है।

10. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर की गई है। इस अवधि के दौरान अदा की गई विदेशी मुद्रा के लेन-देन के संबंध में होने वाले कुल विनिमय लाभ या हानि को आय एवं व्यय खाते में दर्शाया गया है।

प्रतिवेदन की तारीख को प्रचलित दरों पर विदेशी मुद्रा में परिसंपत्तियों और देनदारियों को भारतीय रुपये में तबदिल किया गया है। जिस वर्ष लेन-देन हुआ उस वर्ष के लिए विनिमय दर के औसत के आधार पर वर्ष के लिए आय एवं व्यय को भारतीय रुपये में तबदिल किया गया है। इस तबदिली के परिणामस्वरूप होने वाले विदेशी मुद्रा लाभ और हानि को आय एवं व्यय के विवरण में मान्यता दी गई है।

11. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

विशिष्ट अचल परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को पूंजी अनुदान के रूप में माना गया है। पूंजीगत अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय एवं व्यय खाते में परिसंपत्तियों को उपयोगी अवधि पर एक व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है अर्थात् पूंजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

राजस्व व्यय (प्रोद्भव आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को, उपयोग की गई सीमा तक, उस वर्ष की आय माना गया है जिसमें व्यय किया गया है।

अप्रयुक्त अनुदानों को आगे बढ़ाया गया है और तुलन पत्र में देयता के रूप में दर्शाया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

12. सेवानिवृत्ति लाभ

सभी पात्र कर्मचारियों को भविष्य निधि, परिभाषित अंशदान योजना और परिभाषित लाभ योजना के तहत ग्रेच्युटी और सेवानिवृत्ति पेंशन से लाभ प्राप्त हुआ। कर्मचारी छुट्टी नकदीकरण के रूप में अनुपस्थिति के लिए क्षतिपूर्ति के भी हकदार हैं।

भविष्य निधि में निर्धारित दरों पर नियमित अंशदान किया जाता है। कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्ति पेंशन और संचित अवकाश के लिए प्रावधान अनुमानित इकाई लागत विधि (पीयूसी विधि) का उपयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

आय एवं व्यय खाते में दर्शाए गए अनुसार सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभों पर व्यय, सेवानिवृत्ति लाभों के लिए निवेश पर अर्जित ब्याज से घटाया गया है।

13. आय कर

आयकर अधिनियम की धारा 10(23सी)(vi) के तहत इस संस्थान की आय आयकर से मुक्त है, इसीलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

14. प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक संपत्तियाँ

मापन में पर्याप्त मात्रा में अनुमान शामिल करने वाले प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप कोई वर्तमान दायित्व होता है, और यह संभव है कि संसाधनों का बहिर्प्रवाह होगा। निपटान के लिए आवश्यक प्रावधानों की नियमित रूप से समीक्षा की गई है और दायित्व के मौजूदा सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए जहाँ आवश्यक रहा वहाँ उन्हें समायोजित किया गया है।

जहाँ कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं बनाया जा सकता है, वहाँ आकस्मिक देयता के रूप में प्रकटीकरण किया गया है। जहाँ एक संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के बहिर्प्रवाह की संभावना बहुत कम है, वहाँ कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया गया है। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी गई है लेकिन एक नोट के माध्यम से खातों में उनका खुलासा किया गया है। वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता प्राप्त है और ना ही स्पष्ट किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 24 : खातों के लिए अन्य नोट

1. आकस्मिक देयताएँ

(क) (i) सेवा कर की माँग विवाद में है :
2.42 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष 2.36 करोड़ रुपए)।

(ii) संस्थान ने पीजीपीएक्स पाठ्यक्रम के विरोध में सेवा कर/जीएसटी जमा किया है। 31 मार्च 2025 तक **रु. 2.25 करोड़** (पिछले वर्ष 2.25 करोड़ रुपये) को सरकार से प्राप्त धनवापसी के रूप में अनुसूची 7 में सेवा कर/जीएसटी के रूप में विरोध (पीजीपीएक्स) के तहत भुगतान किया गया है और तदनुसार अनुसूची 3 में सेवा कर/जीएसटी छात्रों को धनवापसी योग्य (पीजीपीएक्स) के रूप में दर्शाया गया है। इसी को जब या जैसे विवाद का समाधान होगा तब छात्रों को वापस कर दिया जाएगा / समायोजित किया जाएगा।

(ख) संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है :
शून्य रुपये (पिछले वर्ष शून्य रुपए)

(ग) विद्युत ड्यूटी माँग विवाद में है :
0.35 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष 0.35 करोड़ रुपए)

(घ) श्रम न्यायालय और उच्च न्यायालय में कर्मचारियों से संबंधित लंबित केस :

न्यायालय का नाम	केसों की संख्या	केसों का संक्षिप्त विवरण	राशि (₹ करोड़ में)
श्रम न्यायालय	1	आवेदक ने पूर्ण बकाया वेतन के साथ सेवा की निरंतरता के साथ बहाली की मांग की।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।
सिटी सिविल कोर्ट अहमदाबाद	1	नए परिसर के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजे का वितरण।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।
जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग	1	शिकायतकर्ता ने बताया कि मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए मैनेजमेंट प्रोग्राम - क्लिनिशियनएक्स को एक महीने बाद ही बंद कर दिया गया। वह 12% ब्याज के साथ फीस वापस करने और ₹10,00,000 का मुआवजा चाहती है।	0.1
उच्च न्यायालय	13	याचिकाकर्ताओं ने सेवा समाप्ति को चुनौती देते हुए बहाली आदि की मांग की है। याचिकाकर्ताओं ने संस्थान के प्रोफेसर की नियुक्ति के खिलाफ अपील की है। ईपीजीपी के प्रतिभागियों ने एमबीए डिग्री के बदले एमएमएस डिग्री देने के बोर्ड के फैसले को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता ने संस्थान के पीएचडी कार्यक्रम में आरक्षण लागू करने की मांग करते हुए अपील दायर की है। वित्तीय अनियमितताओं के लिए दंडित याचिकाकर्ता उच्च गुणवत्ता अनुसंधान पुरस्कार का भुगतान चाहता है।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 24 : खातों के लिए अन्य नोट

2. अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध (अग्रिम का कुल) **36.43 करोड़ रुपए** (पिछले वर्ष 57.71 करोड़ रुपए) हैं, जिसका उपयोग निर्धारित निधियाँ एवं अनुदान से किया जाएगा।

3. वर्तमान परसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम से कम तुलन पत्र में दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है। मौजूदा परिसंपत्तियों, वर्तमान देनदारियों, ऋणों और अग्रिमों में शेष राशि पुष्टि के अधीन हैं।

4. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद कार्यालय से आदेश पत्र पहचान संख्या AAATI1247FC2002901 दिनांक 31 अगस्त 2021 के अनुसार आयकर में छूट प्राप्त कर ली है। यह निर्धारण वर्ष 2022-23 से निर्धारण वर्ष 2026-27 तक प्रभावी रहेगी।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

(रु. करोड़ में)

विवरण	2024 – 2025	2023 – 2024
क) विदेश यात्रा	0.11	0.41
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	17.90	13.34
ग) अन्य	6.68	4.43

6. विदेशी मुद्रा में आय

(रु. करोड़ में)

विवरण	2024 – 2025	2023 – 2024
क) परियोजना, पाठ्यक्रम, दान और फीस से आय	13.99	11.17
ख) स्थानन आय	0.61	0.52

7. संबंधित पक्ष के लेनदेन का प्रकटीकरण

वर्ष के दौरान कोई संबंधित पक्ष के लेनदेन नहीं हैं, (पिछले वर्ष शून्य रुपये)।

8. अचल संपत्तियों में परियोजना/कार्यक्रम निधि से अर्जित 0.07 करोड़ रुपये की संपत्ति शामिल है (पिछले वर्ष 0.09 करोड़ रुपये)।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 24 : खातों के लिए अन्य नोट

9. लेखांकन नीति में परिवर्तन

दान और परियोजना निधि से प्राप्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास का प्रभार

अब तक, अचल संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाली निर्धारित निधि को उपयोग किए गए निधि के रूप में माना गया है और पूंजीगत निधि के रूप में प्रकट किया गया है। ऐसी पूंजीगत निधि को आस्थगित आय के रूप में माना जाता है और अंतर्निहित परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर आय और व्यय खाते में मान्यता दी जाती है यानी पूंजीगत निधि को उस अनुपात में आय में आवंटित किया गया है जिसमें मूल्यह्रास लगाया गया है।

हालांकि, चालू वर्ष से, 29 नवंबर, 2025 को वित्त समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार, संस्थान ने पूंजी निधि से मूल्यह्रास के बराबर राशि को आय और व्यय खाते के बजाय परिसर और अवसंरचना निधि और कंप्यूटर फंड में स्थानांतरित कर दिया है। इसके कारण, वर्ष के लिए अधिशेष 6.07 करोड़ रुपये कम है और निर्धारित निधि उस सीमा तक अधिक है।

10. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को देय और पुष्टियाँ:

(रु. करोड़ में)

विवरण	2024 – 2025	2023 – 2024
प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में किसी भी आपूर्तिकर्ता को मूल राशि और उस पर देय ब्याज का भुगतान नहीं किया गया है। - मूलधन - ब्याज	 5.19 -	 2.65 -
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार क्रेता द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि तथा प्रत्येक लेखा वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।	-	-
भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और भुगतान योग्य ब्याज की राशि (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद किया गया है) लेकिन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	-	-
प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में अर्जित और अप्रदत्त ब्याज की राशि; तथा	-	-
आगामी वर्षों में भी बकाया और भुगतान योग्य शेष ब्याज की राशि, उस तिथि तक जब तक कि उपरोक्त ब्याज देय राशि एमएसएमईडी अधिनियम 2006 की धारा 23 के अंतर्गत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के प्रयोजन के लिए लघु उद्यम को वास्तव में भुगतान नहीं कर दी जाती।	-	-

संस्थान ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम, 2006) के तहत खुद को पंजीकृत कराने वाले आपूर्तिकर्ताओं से पुष्टि प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उपरोक्त जानकारी कंपनी द्वारा अपने आपूर्तिकर्ताओं से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम, 2006) के तहत उनके पंजीकरण के संबंध में प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर संकलित की गई है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

खातों के लिए अन्य नोट

11. # यह आंकड़ा 50,000/- रुपये से कम है।

12. पिछले वर्ष के संगत आंकड़ों को, जहां भी आवश्यक हो, वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि करने के लिए पुनः समूहीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

(निदेशक)

(मुख्य वित्तीय अधिकारी)

दिनांक: 21 जून 2025
स्थान: अहमदाबाद

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/के. ले. प. (व्यय)
Sr. Audit Officer/CA(E)
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), गुजरात
Office of the Director General of Audit (Central), Gujarat
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380 009
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad-380 009

विद्याविनियोगाद्विकासः

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
एनपीएस टियर - I खाता
31 मार्च, 2025 के अनुसार तुलन पत्रक

(₹ करोड़ में)

देयताएँ	31 मार्च, 2025 के अनुसार		आस्तियाँ	31 मार्च, 2025 के अनुसार
	राशि	राशि		राशि
एनपीएस टियर - 1 खाता			**एनपीएस टियर - 1 खाता**	
प्रारंभिक शेष	0.54		मार्च 2025 के लिए प्राप्य अंशदान	0.53
घटाया: एनएसडीएल को हस्तांतरित	0.54			
जोड़ा: सदस्यता और अंशदान	10.83		निवेश	-
जोड़ा: जमा किया गया ब्याज	-			
घटाया: एनएसडीएल को हस्तांतरित	10.30		बैंक में शेष राशि	-
जोड़ा: मार्च 2025 के लिए अंशदान		**0.53**		
व्यय से अधिक आय				
प्रारंभिक शेष	-			
जोड़ा: वर्ष के दौरान	-	-		
कुल		**0.53**	**कुल**	**0.53**

निदेशक

Sr. Audit Officer/CA(E)
Office of the Director General of Audit (Central), Gujarat

मुख्य वित्तीय अधिकारी

दिनांक: 21 जून 2025
स्थान: अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
एनपीएस टियर - I खाता
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

(₹ करोड़ में)

व्यय	राशि	आय	राशि
01.4.2024 तक प्रारंभिक शेष राशि	-	निवेश	-
		निकासी/एनएसडीएल में हस्तांतरण	10.84
एनपीएस टियर - 1 खाता			
स्वयं की सदस्यता	4.52		
संस्थान का अंशदान	6.32		
		31.3.2025 तक समापन शेष	
निवेश पर प्राप्त ब्याज	-		
बचत बैंक खाते पर ब्याज	-		
निवेश नकदीकृत	-		
कुल	10.84	**कुल**	10.84

निदेशक

मुख्य वित्तीय अधिकारी

दिनांक: 21 जून 2025
स्थान: अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
एनपीएस टियर - I खाता
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए आय एवं व्यय खाते

(₹ करोड़ में)

व्यय	राशि	आय	राशि
ग्राहकों के खातों में जमा की गई आय	-	निवेश पर अर्जित ब्याज	-
बैंक शुल्क	-		
व्यय से अधिक आय	-		
कुल	-	**कुल**	-

निदेशक

मुख्य वित्तीय अधिकारी

Sr. Audit Officer/CA(E)
Office of the Director General of Audit (Central), Gujarat

दिनांक: 21 जून 2025
स्थान: अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए भविष्य निधि आय एवं व्यय खाता

(रु. करोड़ में)

व्यय	2024-25	2023-24	आय	2024-25	2023-24
सदस्यों के खाते में ब्याज का भुगतान किया/ जमा किया गया	2.45	2.32	निवेश पर ब्याज	3.34	3.01
लेखापरीक्षा / व्यावसायिक शुल्क	0.01	0.01			
तुलन पत्रक में ब्याज स्थिरीकरण निधि खाते में हस्तांतरित राशि	0.88	0.68			
कुल	**3.34**	**3.01**	**कुल**	**3.34**	**3.01**

हमारे समक्ष प्रस्तुत लेखा पुस्तकों, वाउचरों आदि तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार जांच की गई तथा सही पाया गया।

भारत भास्कर
निदेशक

Sr. Audit Officer(CA(E))

आलोक सिंह
मुख्य वित्तीय अधिकारी

दिनांक : 21 जून 2025
स्थान : अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

(रु. करोड़ में)

रसीद	चालू वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
प्रारंभिक जमा		जीपीएफ अग्रिम/निकासी	2.12
एसबीआई शाखा	0.52	सीपीएफ अग्रिम/निकासी	1.06
जीपीएफ़ सदस्यता	0.69	एनपीएस टियर- II	-
सीपीएफ़ सदस्यता	0.59	संस्थान अंशदान निकासी	0.92
सीपीएफ़ संस्थान योगदान	0.43	किए गए निवेश (शुद्ध)	1.00
एनपीएस टियर-II खाता	-	ब्याज का भुगतान किया	0.11
निवेश नकदीकृत (शुद्ध)	-	प्रशासनिक व्यय	0.01
प्राप्त ब्याज	3.43	पूर्व कर्मचारियों द्वारा भुगतान की गई शेष राशि	-
कर्मचारियों से वसूले गए ऋण	0.04		
		समापन शेष	
		एसबीआई शाखा	0.48
कुल	**5.70**	**कुल**	**5.70**

भारत भास्कर
निदेशक

आलोक सिंह
मुख्य वित्तीय अधिकारी

Sr. Audit Officer/CA(E)
Office of the Director General of Audit (Central), Gujarat

दिनांक : 21 जून 2025
स्थान : अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2025 के अनुसार भविष्य निधि तुलन पत्रक

(रु. करोड़ में)

देयताएँ सदस्यों का खाता	31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार	
सदस्यता खाता: (सीपीएफ)				
(स्वैच्छिक सदस्यता सहित)				
पिछले वित्तीय विवरणों के अनुसार शेष राशि	17.36		16.18	
वर्ष के दौरान प्राप्त/हस्तांतरित	0.59		0.56	
वर्ष के दौरान जमा किया गया ब्याज	1.18	**19.13**	1.13	**17.87**
घटाया : - 1. संस्थान छोड़ने वाले कर्मचारियों को भुगतान		1.06		0.51
		18.07		**17.36**
सदस्यता खाता: (जीपीएफ)				
(स्वैच्छिक सदस्यता सहित)				
पिछले वित्तीय विवरणों के अनुसार शेष राशि	9.42		9.79	
वर्ष के दौरान प्राप्त/हस्तांतरित	0.69		1.26	
वर्ष के दौरान जमा किया गया ब्याज	0.55	**10.66**	0.60	**11.65**
घटाया : - 1. संस्थान छोड़ने वाले कर्मचारियों को भुगतान		2.12		2.23
		8.54		**9.42**
संस्थान का योगदान (सीपीएफ)				
पिछले वित्तीय विवरणों के अनुसार शेष राशि	8.85		8.67	
वर्ष के दौरान जोड़/हस्तांतरित	0.43		0.44	
वर्ष के दौरान जमा किया गया ब्याज	0.61	**9.89**	0.57	**9.68**
घटाया : - 1. संस्थान छोड़ने वाले कर्मचारियों को भुगतान		0.92		0.83
		8.97		**8.85**
विविध (फुटकर) ऋण शेष - भूतपूर्व कर्मचारी		**0.02**		**0.02**
ब्याज स्थिरीकरण कोष				
पिछले वित्तीय विवरणों के अनुसार शेष राशि	8.28		8.28	
जोड़े : आय एवं व्यय खाते से हस्तांतरित	0.88	**9.16**	-	**8.28**
लेखापरीक्षा शुल्क के लिए प्रावधान		**0.01**		**0.01**
अतिरिक्त ब्याज के लिए प्रावधान				
पिछले वित्तीय विवरणों के अनुसार शेष राशि	-		5.15	
जोड़े : आय एवं व्यय खाते से हस्तांतरित	-		0.68	
घटाया : - वर्ष के दौरान भुगतान	-	-	5.83	-
कुल		**44.77**		**43.94**

आस्तियाँ निवेश	31 मार्च, 2025 के अनुसार अंकित मूल्य	31 मार्च, 2025 के अनुसार पुस्तक मूल्य	31 मार्च, 2024 के अनुसार अंकित मूल्य	31 मार्च, 2024 के अनुसार पुस्तक मूल्य
1.एसबीआई के साथ विशेष जमा योजना	3.04	3.04	3.04	3.04
2. सरकारी प्रतिभूतियाँ				
ए) 6.01% भारत सरकार प्रतिभूति-2028	1.32	1.28	1.32	1.28
बी) 7.50% भारत सरकार प्रतिभूति-2034	5.06	5.04	5.06	5.04
सी) 7.95% भारत सरकार प्रतिभूति-2032	0.50	0.50	0.50	0.50
डी) 8.28% भारत सरकार प्रतिभूति-2032	3.23	3.23	3.23	3.23
ई) 8.33% भारत सरकार प्रतिभूति-2032	2.00	2.00	2.00	2.00
एफ) 8.24% भारत सरकार प्रतिभूति-2027	2.75	2.75	2.75	2.75
जी) 8.26% भारत सरकार प्रतिभूति-2027	4.00	4.00	4.00	4.00
एच) 8.28% भारत सरकार प्रतिभूति-2027	1.70	1.67	1.70	1.67
आई) 8.20% भारत सरकार प्रतिभूति- 2025	1.00	0.99	1.00	0.99
जे) 8.33% भारत सरकार प्रतिभूति-2026	3.00	2.92	3.00	2.92
	24.56	**24.38**	**24.56**	**24.38**
3.वित्तीय संस्थान के बांड / एफडी / सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम				
ए) भारतीय स्टेट बैंक के साथ एफडीआर	7.15	7.15	6.16	6.16
बी) एसबीआई ऑटो स्वीप खाता	0.18	0.18	0.17	0.17
सी) यस बैंक बॉन्ड - 2025 टियर-II	3.50	3.50	3.50	3.50
डी) 7.64% फूड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया 2029	5.00	5.00	5.00	5.00
	15.83	**15.83**	**14.83**	**14.83**
निवेश पर अर्जित ब्याज		**0.88**		**0.93**
निवेश पर प्रीमियम		**0.15**		**0.19**
सदस्यों को ऋण		**0.01**		**0.05**
बैंक शेष (एसबीआई के साथ चालू खाता)		**0.48**		**0.52**
कुल		**44.77**		**43.94**

हमारे समक्ष प्रस्तुत लेखा पुस्तकों, वाउचरों आदि तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार जांच की गई तथा सही पाया गया।

भारत भास्कर
निदेशक

Sr. Audit Officer/CA(E)
Office of the Director General of Audit (Central), Gujarat
Navrangpura, Ahmedabad-380 009

आलोक सिंह
मुख्य वित्तीय अधिकारी

दिनांक : 21 जून 2025
स्थान : अहमदाबाद

विद्याविनियोगाद्विकासः

IIMA

विद्याविनियोगाद्विकासः

INDIAN INSTITUTE of MANAGEMENT AHMEDABAD

वस्त्रापुर, अहमदाबाद 380015, भारत

Vastrapur, Ahmedabad 380015, India

Phone: +91-79-7152 3456

Website: www.iima.ac.in